



# उमेदवारांकरिता निदेशपुस्तिका २०२३

भारत निवडणूक आयोग  
निर्वाचन सदन, अशोका रोड, नवी दिल्ली ११० ००१

# उमेदवारांकरिता निदेशपुस्तिका २०२३

**भारत निवडणूक आयोग**

निर्वाचन सदन, अशोका रोड, नवी दिल्ली ११०००१  
दस्तऐवज क्रमांक : ३२४. ६ ईपीएस : एचबी :०२१:२०२३

(तीन)

| <b>HANDBOOK FOR CANDIDATE</b><br><b>संक्षेपाक्षरे व आद्याक्षरे</b> |  |  |
|--|--|--|
| AC   | Assembly Constituency                    | विधानसभा मतदारसंघ                            |
| AIS  | Additional Information Sheet             | अतिरिक्त माहिती प्रपत्र                      |
| AERO   | Assistant Electoral Registration Officer | सहायक मतदार नोंदणी अधिकारी                   |
| ASD  | Absentee, Shifted and Dead               | अनुपस्थित, स्थलांतरित व मृत                  |
| BEL  | Bharat Electronics Limited               | भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड                  |
| BLO  | Booth Level Officer                      | मतदान केंद्रस्तरीय अधिकारी                   |
| BU   | Ballot Unit                              | मतदान युनिट                                  |
| ECI  | Election Commission of India             | भारत निवडणूक आयोग                            |
| ERO  | Electoral Registration Officer           | मतदार नोंदणी अधिकारी                         |
| CAPF   | Central Armed Police Force               | केंद्रीय सशस्त्र पोलीस बल                    |
| CSV  | Classified Service Voter                 | वर्गीकृत सेवा मतदार                          |
| CU   | Control Unit                             | नियंत्रण युनिट                               |
| DEO  | District Election Officer                | जिल्हा निवडणूक अधिकारी                       |
| ECIL   | Electronic Corporation of India Limited  | इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड    |
| EPIC   | Elector's Photo Identity Card            | मतदार छायाचित्र ओळखपत्र                      |
| EVM  | Electronic Voting Machine                | इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र                     |
| MO   | Micro Observer                           | सूक्ष्म निरीक्षक                             |
| NOTA   | None of the Above                        | वरीलपैकी कोणताही नाही                        |
| PC   | Parliamentary Constituency               | संसदीय मतदारसंघ                              |
| PER  | Photo Electoral Roll                     | छायाचित्र मतदार यादी                         |
| PO1  | First Polling Officer                    | पहिला मतदान अधिकारी                          |
| PO2  | Second Polling Officer                   | दुसरा मतदान अधिकारी                          |
| PO3  | Third Polling Officer                    | तिसरा मतदान अधिकारी                          |
| PPS  | Pink Paper Seal                          | गुलाबी कागदी मोहोर                           |
| Pro  | Presiding Officer                        | मतदान केंद्राध्यक्ष                          |
| PS   | Polling Station                          | मतदान केंद्र                                 |
| PV   | Proxy Voter                              | बदली मतदार                                   |
| RO   | Returning Officer                        | निवडणूक निर्णय अधिकारी                       |
| SO   | Sector Officer                           | क्षेत्र अधिकारी                              |
| VAB  | Voter Assistance Booth                   | मतदार सहाय्यता केंद्र                        |
| VIP List   | Very Important Persons List              | अति महत्त्वाच्या व्यक्तींची यादी             |
| VIS  | Voter Information Slip                   | मतदार माहिती चिठ्ठी                          |
| VVPAT  | Voter Verifiable Paper Audit Trail       | मतदार पडताळणी योग्य कागदी परिनिरीक्षण निशाणी |

( पाच )

उमेदवारांसाठी निदेशपुस्तिका  
अनुक्रमणिका

| विभाग-एक प्रकरणे |  |    |
|------------------|--|----|
| प्रकरण १         | प्रास्ताविक  |    |
| प्रकरण २         | अर्हता व निरर्हता  |    |
| २.१              | प्रस्तावना   | ४  |
| २.२              | सभेच्या निवडणुकीच्या संबंधातील लोक अर्हता  | ४  |
| २.३              | सभेच्या निवडणुकीसाठी अर्हता  | ५  |
| २.४              | मतदार यादीतील नाव, इत्यादीमध्ये सुधारणा  | ६  |
| २.५              | उमेदवारांनी घ्यावयाची शपथ किंवा करावयाचे दृढकथन  | ६  |
| २.६              | समुद्रपार मतदारांचे नामनिर्देशन  | ६  |
| २.७              | शपथ किंवा दृढकथन याविषयी महत्त्वाचे मुद्दे   | ७  |
| २.८              | लोकसभेच्या निवडणुकीबाबत निरर्हता   | ८  |
| २.९              | विधानसभेच्या निवडणुकीबाबत निरर्हता   | ११ |
| २.१०             | राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली राज्यक्षेत्र याच्या विधानसभा सदस्यत्वाबाबतच्या निरर्हता                                     | १२ |
| २.११             | मतदानाबाबतच्या निरर्हतेच्या परिणामी उद्भवणाऱ्या सदस्यत्वाबाबतच्या निरर्हता   | १२ |
| प्रकरण ३         | नामनिर्देशने आणि चिन्हे नेमून देणे   |    |
| ३.१              | नामनिर्देशन  | १४ |
| ३.२              | नामनिर्देशनाचा कालावधी   | १५ |
| ३.३              | नामनिर्देशन पत्राचा नमूना  | १५ |
| ३.४              | प्रत्येक उमेदवाराने निवडणूक खर्चासाठी स्वतंत्र बँक खाते उघडणे  | १६ |
| ३.५              | शपथपत्र दाखल करणे  | १६ |
| ३.६              | नामनिर्देशनपत्रातील उमेदवाराचे नाव   | १८ |
| ३.७              | ज्या तारखेस नामनिर्देशनपत्र सादर करावयाचे ती तारीख   | १८ |
| ३.८              | नामनिर्देशन सादर करण्याची वेळ  | १८ |
| ३.९              | नामनिर्देशनपत्र कोणाला सादर करता येईल  | १९ |
| ३.१०             | नामनिर्देशनपत्र कोणाला सादर करावयाचे   | १९ |
| ३.११             | नामनिर्देशनपत्र कोठे सुपूर्द करावायाचे   | १९ |
| ३.१२             | नामनिर्देशनपत्रे सादर करतेवेळी वाहनांच्या व लोकांच्या संख्येवर निर्बंध असणे  | १९ |
| ३.१३             | नामनिर्देशनपत्र कोणी स्वाक्षरीत करावयाचे   | १९ |
| ३.१४             | प्रस्तावकांची संख्या   | १९ |
| ३.१५             | प्रस्तावक त्या मतदारसंघातील मतदार असला पाहिजे  | २० |
| ३.१६             | जर उमेदवार किंवा त्याचा/तिचा प्रस्तावक किंवा दोघेही आपल्या नावाची सही करण्यात असमर्थ असतील तर त्याने/तिने काय करावे. | २० |
| ३.१७             | नामनिर्देशनपत्रात उमेदवाराने करावयाची प्रतिज्ञापत्रे   | २० |
| ३.१८             | शासकीय नियंत्रणाखालील कार्यालयातून झालेल्या बडतर्फीच्या ५ वर्षांच्या आत निवडणूक लढवत असेल तर उमेदवाराने काय करावे    | २१ |
| ३.१९             | जर उमेदवार वेगळ्या मतदारसंघातील मतदार असेल तर, मतदार यादीची प्रत सादर करणे   | २२ |

(सहा)

|                 |  |    |
|-----------------|--|----|
| ३.२०            | एकाच मतदारसंघातून उमेदवार म्हणून उभे राहण्यासाठी एखाद्या उमेदवाराला किती नामनिर्देशनपत्रे सादर करता येतील              | २२ |
| ३.२१            | अनामत रक्कम  | २२ |
| ३.२२            | निवडणूक निशाण्या   | २३ |
| ३.२३            | उमेदवारांनी निशाण्यांची निवड करणे  | २४ |
| ३.२४            | उमेदवारांना निशाण्या नेमून देणे  | २४ |
| ३.२५            | प्रारंभिक छाननी  | २८ |
| ३.२६            | उमेदवाराचे छायाचित्र   | ३० |
| ३.२७            | मतदारांच्या यादीतील किंवा नामनिर्देशपत्रातील चुका, मुद्रण दोष इत्यादी  | ३१ |
| ३.२८            | नामनिर्देशनपत्राची पोच आणि छाननीची व निशाण्या नेमून देण्याबाबतची सूचना   | ३२ |
| ३.२९            | नामनिर्देशनांच्या सूचनांची तपासणी  | ३२ |
| <b>प्रकरण ४</b> | <b>नामनिर्देशनांची छाननी</b>   |    |
| ४.१             | नामनिर्देशनपत्रांची छाननी कोणाकडून केली जाते   | ३३ |
| ४.२             | नामनिर्देशनांच्या छाननीच्या वेळी कोणाला उपस्थित राहता येईल   | ३३ |
| ४.३             | नामनिर्देशनपत्रांच्या तपासणीसाठी वाजवी सोयी-सुविधा   | ३३ |
| ४.४             | कोणते आक्षेप घेता येतील  | ३३ |
| ४.५             | नामनिर्देशनपत्र फेटाळण्याची कारणे  | ३४ |
| ४.६             | उमेदवाराने शपथ घेणे किंवा दृढकथन करणे  | ३५ |
| ४.७             | एक नामनिर्देशनपत्र फेटाळल्यामुळे वैध असल्याचे आढळून आलेल्या इतर कोणत्याही वैध नामनिर्देशनावर त्याचा परिणाम होणार नाही. | ३५ |
| ४.८             | उमेदवाराने छाननीच्या वेळी कोणत्या कागदपत्रांनिशी व साहित्यानिशी उपस्थित राहावे.  | ३५ |
| ४.९             | उमेदवारांच्या नावांमधील दुरुस्ती   | ३६ |
| ४.१०            | उमेदवारांनी काय करावे आणि काय करू नये  | ३६ |
| ४.११            | आचारसंहिता-राजकीय पक्ष आणि उमेदवार यांनी काय करावे आणि काय करू नये   | ३६ |
| <b>प्रकरण ५</b> | <b>उमेदवारी मागे घेणे</b>  |    |
| ५.१             | उमेदवारी मागे घेणे   | ३७ |
| ५.२             | उमेदवारी मागे घेण्याची नोटीस   | ३७ |
| ५.३             | वैधरीत्या उमेदवारी मागे घेण्यासाठी आवश्यक असलेल्या गोष्टी  | ३७ |
| ५.४             | उमेदवारी मागे घेण्याबाबतची सूचना अंतिम असण्याबाबत  | ३७ |
| ५.५             | उमेदवारी मागे घेण्याबाबतच्या नोटीशीची पोच  | ३७ |
| ५.६             | निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांची यादी   | ३८ |
| ५.७             | निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या यादीतील नावांचा क्रम   | ३८ |
| ५.८             | निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांना ओळखपत्र देणे   | ३९ |
| <b>प्रकरण ६</b> | <b>निवडणूक प्रतिनिधी</b>   |    |
| ६.१             | निवडणूक प्रतिनिधींची नियुक्ती  | ४० |
| ६.२             | नोंद घेण्यासाठी महत्त्वपूर्ण मुद्दे  | ४० |
| <b>प्रकरण ७</b> | <b>प्रचाराचा कालावधी</b>   |    |
| ७.१             | <b>प्रारंभिक</b>   | ४२ |
| ७.२             | भ्रष्टाचार आणि निवडणूकविषयक अपराध  | ४२ |

( सात )

|                 |  |    |
|-----------------|--|----|
| ७.३             | आदर्श आचारसंहिता आणि तिचे अनुपालन  | ४३ |
| ७.४             | स्थायी समित्या   | ४४ |
| ७.५             | मिरवणुका व सभा   | ४४ |
| ७.६             | सार्वजनिक किंवा खाजगी मालमत्ता विरुध्द करणे  | ४५ |
| ७.७             | असुरक्षिततेचे मापन   | ४९ |
| ७.८             | मतदान समाप्त होण्याच्या निकटपूर्वीच्या ४८ तासात सार्वजनिक सभांना व मिरवणुकांना मनाई  | ४९ |
| ७.९             | सार्वजनिक सभातील शांतता भंग  | ५० |
| ७.१०            | राजकीय पक्ष व उमेदवारांच्या अनुपालनाकरिता काय करावे आणि काय करू नये यासंबंधीच्या आचारसंहितेच्या सूचनांचे काटेकोरपणे पालन                                       | ५० |
| ७.११            | निवडणुकीची पत्रके छापणे व प्रकाशित करणे यांवर निर्बंध  | ५० |
| ७.१२            | लघुसंदेश ( SMS ) आय. व्ही. आर. एस. सेवेच्या गैरवापरास प्रतिबंध   | ५२ |
| ७.१३            | राजकीय जाहिरातींचे पूर्व प्रमाणिकरण  | ५२ |
| ७.१४            | पैसे किंवा मोबदला देऊन छापून आणलेली बातमी ( पेड न्यूज )  | ५३ |
| ७.१५            | सामाज माध्यमाशी संबंधित मार्गदर्शक तत्त्वे   | ५३ |
| ७.१६            | प्रचार कालावधी समाप्त झाल्यानंतर राजकीय कार्याधिकाऱ्यांच्या मतदारसंघातील उपस्थितीबाबत निर्बंध  | ५३ |
| ७.१७            | अनधिकृत ओळख-चिठ्या   | ५४ |
| ७.१८            | मतदानाची तालीम   | ५४ |
| ७.१९            | बनावट ( डमी ) मतपत्रिका  | ५४ |
| ७.२०            | बनावट ( डमी ) मतदान युनिटे   | ५५ |
| ७.२१            | मतदान केंद्रावर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राचा छापिल नमूना  | ५५ |
| ७.२२            | निशाणी   | ५५ |
| ७.२३            | मृत, अनुपस्थित, स्थलांतरित आणि दुबार मतदारांची यादी  | ५५ |
| ७.२४            | मतदानापूर्वी उमेदवाराचा मृत्यु   | ५७ |
| ७.२५            | गंभीर घटनांचे व्हिडीओ चित्रण   | ५८ |
| <b>प्रकरण-८</b> | <b>इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी प्रस्तावना आणि माहिती</b>  |    |
| ८.१             | प्रस्तावनात्मक   | ५९ |
| ८.२             | इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी यांची साठवण आणि इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राची गोदामे उघडणे आणि इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी यांची ने-आण | ५९ |
| ८.३             | इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी यांची प्रथम स्तरीयचाचणी   | ६० |
| ८.४             | प्रशिक्षण आणि जनजागृती करण्यासाठी १०% इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी घेणे  | ६१ |
| ८.५             | प्रथम स्तरीय तपासणी ( एफ एल सी ) पूर्ण झालेली इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपीएटीचे पहिले यादृच्छिकीकरण  | ६१ |
| ८.६             | प्रथम स्तरीय तपासणी ( एफ एल सी ) पूर्ण झालेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपीएटी यांचे दुसरी यादृच्छिकीकरण  | ६२ |
| ८.७             | इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे ( उमेदवार संच ) आणि व्हीव्हीपीएटी सुरू करणे  | ६२ |
| ८.८             | इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र व व्हीव्हीपीएटी यांचे वितरण   | ६३ |
| <b>प्रकरण-९</b> | <b>टपाली मतपत्रिका</b>   |    |
| ९.१             | टपाली मतपत्रिकेद्वारे मतदान करण्यास हक्कदार असलेले मतदार   | ६४ |

( आठ )

|                  |  |    |
|------------------|--|----|
| ९.२              | सेवेतील मतदार  | ६५ |
| ९.३              | टपाली मतपत्रिका-नमुना व भाषा   | ६५ |
| ९.४              | निवडणूक कर्तव्यावरील कर्मचारीवर्गासाठी टपाली मतपत्रिका   | ६६ |
| ९.५              | टपालाद्वारे टपाली मतपत्रिकांची प्राप्ती  | ६८ |
| ९.६              | निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांच्या मुख्यालयात जेथे मतमोजणी होत नाही अशा मतमोजणीच्या ठिकाणी टपाली मतपत्रिका पाठवणे | ६८ |
| ९.७              | मतमोजणीपूर्वी टपाली मतपत्रिकांच्या संख्यांचा मेळ घालणे   | ६९ |
| ९.८              | प्रतिबंधक स्थानबद्धतेत असलेल्या मतदारांसाठी टपाली मतपत्रिका  | ६९ |
| ९.९              | उशिरा परत केलेल्या टपाली मतपत्रिका   | ६९ |
| ९.१०             | ज्येष्ठ नागरिक ( ८० पेक्षा अधिक ) आणि दिव्यांग मतदार   | ६९ |
| ९.११             | अत्यावश्यक सेवा म्हणून ओळखल्या जाणाऱ्या प्रकारातील/श्रेणीतील पात्र कर्मचाऱ्यांसाठी टपाली मतदानाची सुविधा     | ७० |
| <b>प्रकरण-१०</b> | <b>मतदान कर्मचारीवर्ग</b>  |    |
| १०.१             | मतदान पथके स्थापन करणे   | ७१ |
| १०.२             | मतदान पथक स्थापन करण्याची कार्यपद्धती  | ७१ |
| १०.३             | मतदान पथकाची रचना  | ७२ |
| १०.४             | क्षेत्र अधिकारी  | ७३ |
| <b>प्रकरण-११</b> | <b>निरीक्षक</b>  |    |
| ११.१             | प्रारंभिक  | ७५ |
| ११.२             | निरीक्षकाच्या कर्तव्याचा आढावा   | ७५ |
| ११.३             | निरीक्षकांचे प्रकार  | ७५ |
| ११.४             | सर्वसाधारण निरीक्षक  | ७५ |
| ११.५             | पोलीस निरीक्षक   | ७६ |
| ११.६             | खर्च निरीक्षक  | ७७ |
| <b>प्रकरण-१२</b> | <b>मतदान केंद्राची सुरक्षा व्यवस्था</b>  |    |
| १२.१             | सुरक्षा  | ७८ |
| <b>प्रकरण-१३</b> | <b>मतदानाचा दिवस</b>   |    |
| १३.१             | प्रस्तावना   | ८० |
| १३.२             | मतदानाच्या दिवशी सुट्टी जाहिर करणे   | ८० |
| १३.३             | प्रचारास प्रतिषेध  | ८० |
| १३.४             | मतदान केंद्रात किंवा त्याच्याजवळ शस्त्र नेण्यास मनाई करणे  | ८० |
| १३.५             | उमेदवारांचे निवडणूक मंडप ( Booth )   | ८१ |
| १३.६             | मतदारांना मतदान करण्यापासून प्रतिबंध करणे  | ८१ |
| १३.७             | मतदारांना नेण्या-आणण्यासाठी वाहने बेकायदेशीरपणे भाड्याने घेणे  | ८१ |
| १३.८             | मतदानाच्या दिवशीचे वाहतूक नियमन  | ८१ |
| १३.९             | मतदान केंद्रातून मतपत्रिका किंवा इलेक्ट्रॉनिक मतदानयंत्र हलवणे हा अपराध असेल                                 | ८२ |
| १३.१०            | मतदान प्रतिनिधी  | ८३ |

(नऊ)

|       |   |    |
|-------|---|----|
| १३.११ | मतदान प्रतिनिधीने मतदान केंद्रावर केव्हा पोहचावे  | ८४ |
| १३.१२ | मतदान केंद्रावर मतदान प्रतिनिधी उपस्थित असल्याचा शोध घेणे व अभिरूप मतदान घेणे आणि प्रमाणन करणे अनिवार्य असणे          | ८४ |
| १३.१३ | मतदान प्रतिनिधीची कर्तव्ये  | ८५ |
| १३.१४ | मतदान प्रतिनिधीने आणावयाचे साहित्य  | ८५ |
| १३.१५ | मतदान केंद्राच्या आत बिल्ले, इत्यादी लावणे  | ८६ |
| १३.१६ | मतदान केंद्रात प्रवेश   | ८६ |
| १३.१७ | मतदान प्रतिनिधींची बसण्याची व्यवस्था  | ८६ |
| १३.१८ | मतदानाच्या दिवशी अभिरूप मतदान घेणे आणि इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी मोहोरबंद करणे                       | ८७ |
| १३.१९ | मतदान केंद्राध्यक्षाला बनावट मतपत्रिकेचा पुरवठा करणे  | ८८ |
| १३.२० | मतदानाच्या दिवशी इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र (इव्हीएम) आणि व्हीव्हीपीएटी बदलून मिळण्याची कार्यपद्धती                     | ८८ |
| १३.२१ | मतदानादरम्यान आकस्मिक परिस्थिती हाताळणे   | ८९ |
| १३.२२ | मतदान बंद करणे  | ८९ |
| १३.२३ | मतदानाच्या दिवशी इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी हलविणे त्यांची साठवणूक आणि सुरक्षा यासंबंधीची कार्यपद्धती | ९० |
| १३.२४ | फेरमतदानाच्या बाबतीत इव्हीएम आणि व्हीव्हीपीएटीचा वापर   | ९० |
| १३.२५ | मतदानाची गुप्तता राखणे  | ९१ |
| १३.२६ | मतदानास प्रारंभ होण्यापूर्वी मतदान केंद्राध्यक्षानी करावयाचे प्रतिज्ञापन  | ९१ |
| १३.२७ | मतदानास प्रारंभ   | ९१ |
| १३.२८ | मतदारांचे मतदान केंद्रात आगमन   | ९२ |
| १३.२९ | वृत्तपत्र प्रतिनिधीना व छायाचित्रकारांना सुविधा   | ९२ |
| १३.३० | मतदान यंत्राद्वारे मते नोंदविण्याची पद्धती  | ९२ |
| १३.३१ | मतदान केंद्रावरील मतदान प्रक्रिया   | ९३ |
| १३.३२ | मतदाराच्या ओळखीबाबत आक्षेप घेणे   | ९४ |
| १३.३३ | अनुपस्थित, अन्यत्रवासी आणि मृत मतदारांची यादी   | ९४ |
| १३.३४ | मतदाराच्या ओळखीबाबत औपचारिक आक्षेप  | ९४ |
| १३.३५ | आक्षेप शुल्क  | ९४ |
| १३.३६ | आक्षेपाबाबत संक्षिप्त चौकशी   | ९४ |
| १३.३७ | आक्षेपादाखल घेतलेली फी परत करणे किंवा जप्त करणे   | ९५ |
| १३.३८ | मतदार यादीतील लेखनदोष व मुद्रणदोष याकडे दुर्लक्ष करणे   | ९५ |
| १३.३९ | मतदाराच्या पात्रतेबाबत आक्षेप न घेणे  | ९५ |
| १३.४० | अल्पवयीन मतदारांकडून होणाऱ्या मतदानाबाबत घ्यावयाची सावधगिरी   | ९६ |
| १३.४१ | बदली व्यक्तीद्वारे मतदान वर्गीकृत सेवेतील मतदार   | ९६ |
| १३.४२ | अंध किंवा दिव्यांग मतदारांकडून मतदान  | ९७ |
| १३.४३ | प्रदत्त मते   | ९८ |
| १३.४४ | मतदान न करण्याचे ठरवलेले मतदार  | ९८ |



## (दहा)

|                  |  |     |
|------------------|--|-----|
| १३.४५            | मतदानाच्या गुप्ततेचा भंग   | ९९  |
| १३.४६            | पेपर ट्रेल वर मुद्रित केलेल्या तपशीलाबद्दल तक्रार असल्यास त्याबाबतची कार्यपद्धती   | ९९  |
| १३.४७            | मतदान चालू असताना मतदान केंद्राध्यक्ष ( आणि इतर अधिकारी ) यांच्या मतदान कक्षातील प्रवेशावर निर्बंध   | ९९  |
| १३.४८            | मतदान समाप्त होताना उपस्थित असलेल्या व्यक्तींचे मतदान  | १०० |
| १३.४९            | मतदान समाप्ती  | १०० |
| १३.५०            | मतदान केंद्राध्यक्षानी नोंदलेल्या मतांच्या हिशोबाची प्रत ( नमूना १७-क ) सादर करणे.   | १०० |
| १३.५१            | मतदान समाप्तीनंतर मतदान यंत्र व व्हीव्हीपॅट मोहोरबंद करणे  | १०० |
| १३.५२            | निवडणूक विषयक कागदपत्रे मोहोरबंद करणे, त्यावर मतदान प्रतिनिधींनी मोहोर लावणे.  | १०१ |
| १३.५३            | मतदान यंत्र, व्हीव्हीपीएटी व निवडणूकविषयक कागदपत्रे संकलन साठवण केंद्राकडे पाठवणे.   | १०१ |
| १३.५४            | मतदान यंत्रे वाहून नेणाऱ्या वाहनासोबत जाणे   | १०१ |
| १३.५५            | संकलन केंद्रात इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र व व्हीव्हीपीएटी आणि इतर साहित्य संकलनाची व्यवस्था करणे.  | १०२ |
| १३.५६            | तहकूब मतदान  | १०२ |
| १३.५७            | नव्याने मतदान घेणे   | १०३ |
| १३.५८            | मतदान केंद्र ताब्यात घेतल्याच्या बाबतीत नव्याने मतदान घेणे किंवा निवडणूक रद्द करण्याचे आदेश देणे   | १०३ |
| १३.५९            | कोणत्याही मतदान केंद्रासंबंधातील मतदार नोंदवही ( नमुना १७- अ ) आणि इतर कागदपत्रे यांची छाननी केल्यानंतर तेथील मतदान बाधित झाल्याचे आढळून आल्यास नव्याने मतदान घेणे | १०४ |
| <b>प्रकरण-१४</b> | <b>मतमोजणी</b>   |     |
| १४.१             | प्रस्तावना   | १०६ |
| १४.२             | मतमोजणी कर्मचाऱ्यांच्या नेमणूक आणि यादृच्छिकीकरण   | १०६ |
| १४.३             | निरीक्षकाने यादृच्छिक उलट तपासणी करणे  | १०७ |
| १४.४             | निरीक्षकाची भूमिका   | १०८ |
| १४.५             | मतमोजणीची तारीख ठिकाण व वेळ  | १०८ |
| १४.६             | निरनिराळ्या जागांवरील मतमोजणी  | १०८ |
| १४.७             | मतमोजणी ग्रहात प्रवेश करण्यास परवानगी असलेली व्यक्ती   | १०९ |
| १४.८             | मतमोजणी प्रतिनिधी किती नेमता येतील   | १०९ |
| १४.९             | मतमोजणी प्रतिनिधीसाठी अर्हता   | १०९ |
| १४.१०            | मतमोजणी प्रतिनिधींची नेमणूक  | ११० |
| १४.११            | मतमोजणी प्रतिनिधींची नेमणूक रद्द करणे  | ११० |
| १४.१२            | मतमोजणी कक्षात मतमोजणी प्रतिनिधीस प्रवेश   | ११० |
| १४.१३            | मतमोजणी प्रतिनिधीसाठी बिल्ले   | १११ |
| १४.१४            | मतमोजणी दालनात शिस्त व सुव्यवस्था राखणे  | १११ |
| १४.१५            | मतमोजणी आवारात व मतमोजणी कक्षात धुम्रपानास प्रतिबंध  | १११ |
| १४.१६            | मतमोजणी प्रतिनिधींसाठी बैठक व्यवस्था   | १११ |
| १४.१७            | गुप्तता राखण   | ११२ |

## ( अकरा )

|                  |  |     |
|------------------|--|-----|
| १४.१८            | मतमोजणी सतत चालू ठेवणे   | ११२ |
| १४.१९            | टपाली मतपत्रिकांची प्रथम मोजणी करणे  | ११२ |
| १४.२०            | मतमोजणी सेवा मतदारांसाठी असणाऱ्या इलेक्ट्रॉनिक पद्धतील पारेषित केलेल्या टपाली मतपत्रिकांची मोजणी                                       | ११२ |
| १४.२१            | नियंत्रण युनिट कडून इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रामध्ये ( ईटीएम ) केलेल्या मतदा मतांची मोजणी  | ११५ |
| १४.२२            | नमुना - १७ सी भाग दोनच्या मोजणीच्या निकालाचे संकलन   | ११६ |
| १४.२३            | व्हीव्हीपीएटी चिठ्यांची मोजणी  | ११६ |
| १४.२४            | नियम ५६ ( ड ) अंतर्गत व्हीव्हीपीएटी चिन्हांकित चिठ्या मोजणी साठी मागणी करणारे उमेदवार  | ११७ |
| १४.२५            | एखाद्या मतदान केंद्रांच्या मतदार पडताळणीयोग्य कागदी परिनिरीक्षण निशाणीच्या ( व्हीव्हीपीएटी ) कागदी चिठ्यांची अनिवार्य पडताळणी          | ११८ |
| १४.२६            | फेरमतमोजणी   | ११८ |
| १४.२७            | मतमोजणी स्थगित करणे  | ११८ |
| १४.२८            | मतमोजणी सुरु झाल्यानंतर निदेश दिलेल्या पुनर्मतदानानंतरची मतमोजणी   | १२० |
| १४.२९            | मतमोजणीनंतर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे ( ईव्हीएम ) आणि व्हीव्हीपीएटी मोहोरबंद करणे  | १२० |
| १४.३०            | मतमोजणीनंतर, इलेक्ट्रॉनिक मतदान येथे ( ईव्हीएम ) व्हीव्हीपीएटी आणि इतर कागदपत्रे जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याच्या सुरक्षित अभिरक्षित ठेवणे | १२० |
| १४.३१            | मतमोजणीनंतर मतदान यंत्रे पुन्हा मोहोरबंद करणे  | १२१ |
| १४.३२            | मते समसमान मिळणे   | १२१ |
| १४.३३            | निवडणुकीच्या निकालाची घोषणा  | १२१ |
| १४.३४            | निवडणुकीचे प्रमाणपत्र देणे   | १२२ |
| १४.३५            | निवडणुकीचे प्रमाणपत्र देणे   | १२२ |
| <b>प्रकरण-१५</b> | <b>बहुविध निवडणुका</b>   |     |
| १५.१             | संसदेच्या दोन्ही सभागृहांची निवडणूक  | १२३ |
| १५.२             | लोकसभेच्या सदस्याने राज्यसभेवर निवडून येणे   | १२३ |
| १५.३             | राज्यसभेच्या सदस्याने लोकसभेवर निवडून येणे   | १२३ |
| १५.४             | संसदेच्या दोहोंपैकी एका सभागृहातील किंवा राज्य विधानमंडळाच्या दोहोंपैकी एका सभागृहातील एकापेक्षा अधिक जागांवर निवडून येणे              | १२३ |
| १५.५             | संसद आणि राज्य विधानमंडळ या दोहोंवर निवडून येणे  | १२४ |
| १५.६             | राज्य विधानमंडळाच्या दोन्ही सभागृहांवर निवडून येणे   | १२४ |
| <b>प्रकरण-१६</b> | <b>उमेदवारांच्या निवडणूक खर्चाचे आणि हिशेबांचे संनियंत्रण</b>  |     |
| १६.१             | कायदेशीर तरतुदी  | १२६ |
| १६.२             | हिशेब ठेवणे  | १२७ |
| १६.३             | उमेदवाराने खर्च नोंदवही भरण्याची प्रक्रिया   | १३० |
| १६.४             | राजकीय पक्ष व त्याचे उमेदवार यांनी उभ्या केलेल्या प्रमुख प्रचारका संबंधातील खर्च   | १३० |
| १६.५             | जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने दर तक्ता तयार करणे  | १३२ |
| १६.६             | केवळ निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांनी हिशेब दाखल करणे   | १३३ |
| १६.७             | एकापेक्षा अधिक मतदारसंघातून निवडणूक लढविणे   | १३३ |
| १६.८             | हिशेब ज्याला दाखल करावयाचा तो प्राधिकारी   | १३३ |
| १६.९             | निवडणूक प्रचाराच्या प्रयोजनार्थ उमेदवाराने देणग्या, इत्यादी घेणे   | १३३ |

(बारा)

|                  |   |     |
|------------------|---|-----|
| १६.१०            | कोणत्याही जनसदस्याला खर्च नोंदवहीची प्रत मिळणे  | १३३ |
| १६.११            | लेखा पुर्नमेळ बैठक  | १३३ |
| १६.१२            | हिशेब सादर करण्याची पद्धती  | १३४ |
| १६.१३            | निवडीच्या तारखेचा अर्थ  | १३५ |
| १६.१४            | हिशेब मिळाल्याचे प्रतीक म्हणून पोच पावती देणे.  | १३५ |
| १६.१५            | हिशेब दाखल केल्याची नोटीस   | १३५ |
| १६.१६            | हिशेब पाहणे व त्याच्या प्रती  | १३५ |
| १६.१७            | जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने उमेदवाराच्या लेखा लेख्यावरील व परीक्षा स्वरूपाचा आयोगाला अहवाल देणे.               | १३५ |
| १६.१८            | विलंबाने दाखल केलेले हिशेब  | १३६ |
| १६.१९            | अहवाल प्रसिद्ध करणे   | १३६ |
| १६.२०            | अहवालावरील आयोगाचा निर्णय   | १३६ |
| १६.२१            | निवडणुका घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ याच्या नियम ८९(५) अन्वये काढलेल्या आयोगाच्या नोटिसा उमेदवारांना सुपूर्द करणे | १३६ |
| १६.२२            | कसुरदार उमेदवाराने अभिवेदन देणे   | १३६ |
| १६.२३            | जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने पुरवणी अहवाल देणे  | १३६ |
| १६.२४            | आयोगाचा अंतिम आदेश  | १३७ |
| १६.२५            | अपात्रता दूर करणे : अपील कार्यपद्धती  | १३७ |
| १६.२६            | अर्थशक्तीच्या (पैशाच्या बळाचा वापर करणाऱ्या) भ्रष्टाचारास खतपाणी घालणाऱ्या प्रभावास रोखण्यासाठी उपाययोजना     | १३७ |
| <b>प्रकरण-१७</b> | <b>संकीर्ण</b>  |     |
| १७.१             | निरक्षर व्यक्तींनी सही करणे   | १३९ |
| १७.२             | हस्तलिखित, टंकलिखित खाजगीरित्या मुद्रित केलेले नमुने  | १३९ |
| १७.३             | ईव्हीएम / व्हीव्हीपीएटी व निवडणूक विषयक इतर कागदपत्रे यांचा साठा  | १३९ |
| १७.४             | निवडणूक विषयक इतर कागदपत्रे सादर करणे   | १४० |
| १७.५             | निकालपत्रे आणि निवडणुकीची विवरणे यांच्या प्रती पुरविणे  | १४१ |
| १७.६             | अनामत रकमेच्या परताव्याच्या अर्जाचा नमूना   | १४१ |
| १७.७             | अनामत रक्कम केव्हा परत करावयाची   | १४१ |
| १७.८             | केवळ एकाच मतदार संघातील अनामत रक्कम परत करता येईल   | १४२ |
| १७.९             | अनामत रकमेच्या परताव्याच्या शर्ती   | १४२ |
| १७.१०            | अनुसूचित जातीच्या किंवा अनुसूचित जमातीच्या उमेदवारांना अनामत रक्कम परत करणे.                                  | १४२ |
| १७.११            | निवडणूक विषयक बाबींमध्ये हस्तक्षेप करण्यास न्यायालयांना आठकाठी  | १४३ |
| १७.१२            | बाल कामगार  | १४३ |
|                  | <b>विभाग-दोन जोडपत्रे</b>   |     |
| जोडपत्र - १      | नमुना २- ए  | १४६ |
| जोडपत्र - २      | नमुना २ बी  | १५२ |
| जोडपत्र - ३      | नमुना २६  | १५८ |
| जोडपत्र - ४      | शपथेचा किंवा प्रतिज्ञेचा नमुना  | १६८ |

## (तेरा)

|   |  |     |
|---|--|-----|
| जोडपत्र - ५   | नमुना अ  | १७७ |
| जोडपत्र - ६   | नमुना-५ उमेदवारी मागे घेण्याच्या सूचनेचा नमुना   | १७९ |
| जोडपत्र - ७   | नमुना-८ निवडणूक प्रतिनिधीची नेमणूक   | १८० |
| जोडपत्र - ८   | नमुना-९ निवडणूक प्रतिनिधीची नेमणूक रद्द करणे   | १८१ |
| जोडपत्र - ९   | निवडणुकी संबंधातील अपराध आणि भ्रष्टाचारी प्रथांशी संबंधित कायद्याच्या तरतूदी   | १८२ |
| जोडपत्र - १०  | राजकीय पक्ष आणि उमेदवार यांच्यासाठी आदर्श आचारसंहिता   | १९३ |
| जोडपत्र - ११  | पत्रके इत्यादींच्या मुद्रणावरील निर्बंधाकरिता आदेश   | २०१ |
| जोडपत्र - १२  | नमुना १७-सी  | २०६ |
| जोडपत्र - १३  | नमुना १०   | २०९ |
| जोडपत्र - १४  | नमुना ११   | २११ |
| जोडपत्र - १५  | उमेदवार व त्यांचे निवडणूक प्रतिनिधी यांच्या नमुना सहा्यांचे प्रपत्र  | २१२ |
| जोडपत्र - १६  | मतदान केंद्राध्यक्षाचे प्रतिज्ञापत्र   | २१३ |
| जोडपत्र - १७  | अभिरूप मतदान प्रमाणपत्र  | २१९ |
| जोडपत्र - १८  | उमेदवारांना किंवा त्यांच्या निवडणूक प्रतिनिधींना मतमोजणीचा दिनांक, वेळ व ठिकाण यासंबंधी द्यावयाची सूचना                      | २२२ |
| जोडपत्र - १९  | उमेदवारांना किंवा त्यांच्या निवडणूक प्रतिनिधींना मतमोजणीचा दिनांक, वेळ व ठिकाण यासंबंधी द्यावयाची सूचना                      | २२३ |
| जोडपत्र - २०  | नमुना १८-मतमोजणी प्रतिनिधीची नेमणूक नेमणूक रद्द करणे   | २२४ |
| जोडपत्र - २१  | नमुना १९- मनमोजणी प्रतिनिधीची नेमणूक रद्द करणे   | २२६ |
| जोडपत्र - २२  | लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ मधील उतारे   | २२७ |
| जोडपत्र - २३  | लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ३४ अन्वये ठेवलेल्या अनामत रकमेच्या परताव्यासाठी अर्ज                                | २३५ |
| जोडपत्र - २४  | निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१ मधील उतारे  | २३८ |
| जोडपत्र - २५  | निवडणूक खर्चाचा हिशेब ठेवण्याबाबत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने उमेदवाराला जारी केलेल्या पत्राचे स्वरूप                         | २४२ |
| जोडपत्र - २६  | उमेदवार भाग ए.बी.सी संक्षिप्त विवरणपत्र, भाग एक ते चार, शपथ पत्र, अनुसूची १-११, पोचपावती, यांची निवडणूक दैनंदिन खर्च नोंदवही | २४३ |
| जोडपत्र - २७  | प्रपत्र क-१ ते क-५   | २६५ |
| जोडपत्र - २८  | प्रपत्र-१: सुविधा केंद्रावर टपाली मतपत्रिकाद्वारे मतदान करण्यासंबंधीचे विवरणपत्र   | २७३ |
| <b>भाग-तीन : काय करावे व काय करू नये</b>  |  |     |
| काय करावे व काय करू नये   | उमेदवारांच्या मार्गदर्शनासाठी काय करावे व काय करू नये  | २७५ |
| <b>भाग-चार : वारंवार विचारले गेलेले प्रश्न</b>  |  |     |
| वारंवार विचारले गेलेले प्रश्न   | वारंवार विचारले गेलेले प्रश्न  | २८३ |
| <b>भाग-पाच : उमेदवार आणि राजकीय पक्ष यांच्यासाठी इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र लघुपुस्तक</b> |  |     |
|   |  | ३१३ |

## प्रकरण १ : प्रास्ताविक

भारतीय निवडणूक प्रणालीने लोकसंख्या, संस्कृती, भाषा आणि भूगोल यांची विविधता असूनही वर्षानुवर्षे निवडणुका यशस्वीपणे पार पाडल्याबद्दल जगभर प्रशंसा मिळवली आहे. राजकीय पक्ष, उमेदवार, निवडणूक आयोग आणि त्यांच्या क्षेत्रीय यंत्रणा यांच्या संयुक्त प्रयत्नांमुळे हे शक्य झाले आहे. निवडणूक लढवणारा उमेदवार निवडणूक प्रक्रियेतील मुख्य हितसंबंधित व्यक्ती पैकी एक असल्याने त्यास निवडणूक प्रक्रियेची पुरेशी माहिती असली पाहिजे आणि निवडणूक खऱ्या अर्थाने मुक्त, निष्पक्ष आणि शांततापूर्ण होण्यासाठी निवडणूक यंत्रणेला आवश्यक ते सहकार्य त्याने केले पाहिजे. या निदेशपुस्तिकेद्वारे ठळक मुद्दे समोर आणण्याचा प्रयत्न करण्यात आला आहे. भारतीय निवडणूक आयोगाची नवीनतम मार्गदर्शक तत्त्वे विचारात घेता, निवडणूक व्यवस्थापन आणि निवडणूक यंत्रणांबाबत उमेदवाराने त्याच्या भूमिका आणि जबाबदाऱ्या जाणून घेणे अपेक्षित आहे.

सर्वप्रथम, उमेदवाराने ज्या मतदारयादीच्या आधारे निवडणूक घेतली जाणार आहे त्या अशा सध्याच्या मतदार यादीत त्याचे/तिचे नाव समाविष्ट केले आहे याची खात्री करणे आवश्यक आहे. नाव आणि इतर तपशील योग्य छायाचित्रासह अचूकरीत्या नोंदवलेले असावेत. त्याने / तिने सर्व आवश्यक पात्रता धारण करणे आणि अपात्रतेच्या तरतुदींबद्दल जागरूक असणे आवश्यक आहे. उमेदवाराला ज्या मतदारसंघाचे प्रतिनिधीत्व करावयाचे आहे, त्या मतदारसंघाच्या व्याप्तीची सुस्पष्ट कल्पना असावी. त्याने/तिने स्वतः मतदारसंघाची मतदारयादी परिचित करून घ्यावी.

भारत निवडणूक आयोगाने नामनिर्देशन अर्ज भरण्यासाठी विस्तृत मार्गदर्शक तत्त्वे निर्गमित केली आहेत. उमेदवारांना नामनिर्देशन अर्ज भरताना स्वतःची आणि कुटुंबातील सदस्यांची मालमत्ता आणि दाखिले, सरकारी प्रलंबित देय रकमा, पूर्ववर्ती गुन्हेगारी इतिहास इत्यादींशी संबंधित शपथपत्रेदेखील दाखल करावी लागतील. नामनिर्देशन अर्ज हा, इतर सर्व कागदपत्रे व शपथपत्रे यांसह अचूक आणि पूर्णतः भरणे अत्यंत महत्त्वाचे आहे. अपूर्ण अर्ज दाखल झाल्यास किंवा काही अनिवार्य कागदपत्रे / शपथपत्रे सादर न केल्यास नामनिर्देशनपत्र नाकारले जाऊ शकते.

मुक्त, निष्पक्ष आणि सुरळीतपणे निवडणुका घेण्यासाठी त्रुटीमुक्त आणि अचूक छायाचित्र मतदार यादी तयार करणे सुनिश्चित करण्याचा भारत निवडणूक आयोगाचा प्रयत्न आहे. वार्षिक सारांश पुनरीक्षण कार्यक्रमाव्यतिरिक्त भारत निवडणूक आयोगाने आता मतदारयादी वर्षभर सतत अद्ययावत करण्याची परवानगी दिलेली आहे. पारंपरिक लेखी पद्धतीने (ऑफलाइन) अर्ज करण्याबरोबरच मतदार मदत उपयोजक (व्होटर हेल्पलाइन ॲप) आणि राष्ट्रीय मतदार सेवा पोर्टल [www.nvsp.in](http://www.nvsp.in) यांसारख्या इतर प्रवेश नोंदणी मार्गांद्वारे ऑनलाइन पद्धतीने अर्ज करण्यासाठीच्या सुविधा दिलेल्या आहेत. त्याचप्रमाणे, निवडणूक तपशील आणि नोंदी तसेच निवासस्थानाच्या स्थलांतरामुळे पत्ता बदलण्याबाबतच्या दुरूस्त्या **मतदार नोंदणी नियम, १९६०** च्या अंतर्गत सामान्य नमुना ८ द्वारे केल्या जाऊ शकतात. भारत निवडणूक आयोगाने आता, लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५० मध्ये अलीकडील सुधारणेद्वारे, नावनोंदणीकरीता वयाच्या पात्रतेसाठी प्रत्येक तिमाहीचा पहिला दिवस याप्रमाणे वर्षभरात चार पात्रता तारखांना देखील परवानगी दिली आहे.

निवडणुका जाहीर होण्याच्या दिनांकापासून आदर्श आचारसंहिता लागू होते. हा भारत निवडणूक आयोगाने निर्गमित केलेल्या मार्गदर्शक तत्त्वांचा / सल्लागार किंवा अनुदेशांचा एक संच आहे ज्याचे सर्व राजकीय पक्ष आणि उमेदवारांनी पालन करणे अपेक्षित आहे. ही मार्गदर्शक तत्त्वे/अनुदेश शासकीय कर्मचारी तसेच प्रसारमाध्यम आणि पत्रकारांसह इतर हितसंबंधी व्यक्तींनादेखील लागू आहेत. आदर्श आचारसंहितेची दृश्यमान आणि कठोर अंमलबजावणी निवडणुकीची विश्वासार्हता वाढवते आणि हितसंबंधित व्यक्तींना आत्मविश्वास प्रदान करते. निवडणुकीच्या प्रयोजनांसाठी अधिकृत यंत्रणांचा गैरवापर होणार नाही हे पाहणे महत्त्वाचे आहे. तोतयेगिरी करणे, लाच देणे आणि मतदारांना प्रलोभन देणे, मतदारांना धमकी देणे आणि, धाकदपटशा दाखवणे यासारखे निवडणूक गुन्हे, गैरप्रकार आणि भ्रष्ट व्यवहारांना सर्व प्रकारे प्रतिबंध करणेदेखील महत्त्वाचे आहे. समान संधीच्या तत्त्वाला बाधा आणणाऱ्या पैशाच्या शक्तीला आळा घालणे ही निष्पक्ष निवडणुकीसाठी आणखी एक महत्त्वाची पूर्वअट आहे. खर्च संनियंत्रणाशी संबंधित विविध अनुदेशांच्या अंमलबजावणीसाठी उमेदवाराने निवडणूक यंत्रणेला सहकार्य करावे अशी आयोगाची अपेक्षा आहे.

जिल्हा निवडणूक अधिकारी म्हणून काम करणारे जिल्ह्याचे जिल्हाधिकारी हे, त्यांच्या जिल्ह्यातील निवडणुकीशी संबंधित सर्व कामांचे पर्यवेक्षण आणि समन्वय ठेवण्यासाठी जबाबदार आहेत. भारत निवडणूक आयोग, प्रत्येक लोकसभा तसेच विधानसभा मतदारसंघासाठी निवडणुका घेण्याशी संबंधित सर्व कायदेशीर जबाबदाऱ्या पार पाडणाऱ्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला अधिसूचित करते. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला मदत करण्यासाठी सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी म्हणून पदनिर्देशित केलेले इतर अनेक अधिकारी आहेत.

जिल्हा निवडणूक अधिकारी, निवडणुकीच्या काळात मतदान केंद्रांसाठी कर्मचारी आणि साहित्य पुरवणे यांच्या समन्वयासाठी पुरेशा संख्येने क्षेत्रीय अधिकारी आणि क्षेत्रीय पोलीस अधिकारी नियुक्त करतात. साधारणपणे, एक क्षेत्रीय अधिकारी १०-१२ मतदान केंद्रांचा प्रभारी असतो. ते त्यांना नियुक्त केलेल्या मतदान केंद्रांसाठी सर्व दळणवळणविषयक (लॉजिस्टिक) समस्यांबाबत समन्वय साधतात. मतदारयादी अद्ययावत करण्यासाठी निवडणूक यंत्रणेला मदत करणाऱ्या स्थानिक मतदारांशी परिचित आहेत असे स्थानिक सरकारी/निमशासकीय अधिकारी **मतदान केंद्रस्तरीय (बूथस्तरीय) अधिकारी** म्हणून प्रत्येक बूथसाठी नियुक्त केले जातात. मतदानाच्या दिवशी मतदान केंद्रांवर मतदारांना मदत करण्यासाठी मतदान केंद्रस्तरीय (बूथस्तरीय) अधिकाऱ्यांच्या सेवादेखील उपयोगात आणल्या जातात.

लोकसभा आणि विधानसभा मतदारसंघातील सर्व निवडणुकांसाठी मतदार पडताळणी योग्य कागदी परिनिरीक्षण चिठ्ठी (व्हीव्हीपीएटी) सह इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र (इव्हिएम) वापरले जाते. व्हीव्हीपीएटीच्या साहाय्याने मतदार, मतदान केलेल्या उमेदवाराचा तपशील दर्शवणारी छापील कागदी चिठ्ठी पाहू शकतो. मतदान केंद्रांना इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटीचे वाटप यादृच्छिक प्रक्रियेद्वारे मान्यताप्राप्त राजकीय पक्ष/उमेदवार किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीच्या उपस्थितीत पारदर्शक पद्धतीने केले जाते.

भारत निवडणूक आयोग, मतदारांच्या चार अतिरिक्त प्रवर्गांसाठी टपाली मतपत्रिकेची सुविधा प्रदान करतो - दिव्यांग मतदार (प्रमाणित केलेले दिव्यांगत्व), ८० + वयोगटातील मतदार, कोविड १९ संशयित किंवा बाधित व्यक्ती तसेच जे त्यांच्या सेवेच्या सक्तीमुळे मतदानाच्या दिवशी त्यांच्या मतदान केंद्रांवर येऊ शकत नाहीत, असे अधिसूचित अत्यावश्यक सेवेत असलेले मतदार या सुविधेचा लाभ घेण्यासाठी मतदारांना त्यांचे पर्याय अगोदरच वापरावे लागतील. मतदारांची ओळख पटलेला प्रवर्ग आता घरबसल्या आरामात मतदान करू शकतो. ही सुविधा सेवा मतदारांसाठी उपलब्ध असलेल्या टपाली मतपत्रिका सुविधेव्यतिरिक्त आहे, ज्यांच्यासाठी टपाली मतपत्रिका निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याद्वारे इलेक्ट्रॉनिक माध्यमाने (इटीपीबीएमएस) प्रसारित केली जाते आणि शीघ्र डाकेने परत मिळवली जाते. टपाली मतपत्रिकेचा पर्याय, मतदान कर्तव्यावर असलेल्या मतदारांसाठी, प्रतिबंधक स्थानबद्धता मतदार, राष्ट्रपती, राज्यपाल इत्यादींसारखी विशेष पदे धारण करणारे मतदार यांच्यासाठीही उपलब्ध आहे.

आयोग प्रत्यक्ष वास्तविक मूल्यांकनाच्या आधारे, निवडणूक होणाऱ्या राज्यांमध्ये केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दल मोठ्या संख्येने तैनात करतो. ही बाब कायदा आणि सुव्यवस्था यंत्रणा बळकट करण्याबरोबरच निवडणूक प्रक्रियेतील निःपक्षपातीपणा आणि तटस्थतेचा आणखी एक घटक प्रस्तुत करते. भारत निवडणूक आयोगाने मुक्त आणि निष्पक्ष वातावरणात निवडणुका घेणे सुनिश्चित करण्यासाठी, मतदारांना धाकदपटशा आणि धमकावण्याची शक्यता असलेले क्षेत्रखंड ओळखण्यासाठी 'असुरक्षितता मापन' ही प्रणाली सुरू केली आहे. या भागांमध्ये विशेष व्यवस्था करण्यात आली आहे. याव्यतिरिक्त, बूथमधील सर्व कृतीव्यवहारांचे संनियंत्रण करण्यासाठी जिल्हा निवडणूक अधिकारी / निवडणूक निर्णय अधिकारी/मुख्य निवडणूक अधिकारी यांच्या स्तरावर आंतरजालावरून प्रक्षेपण करण्याची (वेबकास्टिंग) सुविधादेखील प्रदान करण्यात आली आहे. तसेच, निवडणुकीच्या प्रक्रियेदरम्यान आणि मतदानाच्या दिवशी विविध कृतीव्यवहारांचे अधिक चांगल्या प्रकारे संनियंत्रण करण्यासाठी संवेदनशील घटनांचे व्हिडिओचित्रण केले जाते.

भारत निवडणूक आयोग, सर्वसाधारण, पोलीस आणि खर्च निरीक्षक म्हणून काम करण्यासाठी इतर राज्यांतील वरिष्ठ अधिकाऱ्यांची नियुक्ती करते, जे निवडणुका घेताना आयोगाचे डोळे आणि कान बनून काम पाहतात. तक्रारी प्राप्त करण्यासाठी मतदारसंघातील त्यांच्या वास्तव्यादरम्यान त्यांचा संपर्क तपशील सार्वजनिकरित्या उपलब्ध करून दिला जातो. आयोग निवडक मतदान केंद्रावर सूक्ष्म निरीक्षकांची नियुक्ती करतो, जे निरीक्षकांच्या थेट नियंत्रणाखाली आणि देखरेखीखाली काम करतात. मतमोजणी प्रक्रियेत निवडणूक निरीक्षकांना मदत करण्यासाठी मतमोजणी केंद्रांवरही त्यांची नियुक्ती केली जाते.

प्रत्येक उमेदवाराने नामनिर्देशन अर्ज भरताना त्याच्याकडे सुपूर्द केलेल्या भारत निवडणूक आयोगाच्या विहित नोंदवहीमध्ये त्याच्या निवडणूक खर्चाचा अचूक आणि विश्वासार्ह हिशोब ठेवणे आवश्यक आहे. उमेदवाराने सहकारी बँका किंवा टपाल खात्यासह कोणत्याही बँकेत स्वतंत्र आणि समर्पित बँक खाते नामनिर्देशन दाखल करण्याच्या दिनांकापूर्वी उघडणे आवश्यक आहे. हे खाते केवळ उमेदवाराच्या नावाने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीसोबत संयुक्तपणे उघडता येऊ शकते. सर्व व्यवहार केवळ या खात्यातूनच करायचे आहेत.

उमेदवाराने भारत निवडणूक आयोगाच्या खर्च निरीक्षकाकडून निवडणूक खर्चाचा हिशेब वेळोवेळी तपासून घेणे बंधनकारक आहे. याबाबतीत सहकार्य न केल्यास कायदेशीर कार्यवाही होऊ शकते. उमेदवार किंवा त्याच्या अधिकृत प्रतिनिधीने अंतिमतः हिशेब सादर करण्यापूर्वी नोंदी अद्ययावत करण्यासाठी जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने बोलावलेल्या लेखा पुनर्मेळ बैठकीला उपस्थित रहावे. उमेदवाराने निकाल जाहीर झाल्यापासून ३० दिवसांच्या आत निवडणूक खर्चाचा अंतिम हिशेब सादर करावा. असे करण्यात अयशस्वी ठरल्यास लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम १० क अन्वये उमेदवारी अपात्र ठरवण्यासाठी भारत निवडणूक आयोगाकडून कारवाई होऊ शकते.

निवडणूक प्रचार प्रक्रियेत मदत करण्यासाठी उमेदवार योग्य व्यक्तींना त्याचा / तिचा निवडणूक प्रतिनिधी म्हणून नियुक्त करू शकतो. निवडणूक प्रतिनिधी ही सर्वात महत्त्वाची व्यक्ती आहे, जी त्याच्या जवळजवळ सर्व जबाबदाऱ्या हाताळू शकते. त्याचप्रमाणे, मतदानाच्या दिवशी मतदान केंद्राच्या आतील कामकाजावर लक्ष ठेवण्यासाठी मतदान केंद्रांसाठी मतदान प्रतिनिधी नियुक्त केले जाऊ शकतात. तसेच, मतमोजणी केंद्रांमधील कार्यवाही पाहण्यासाठी उमेदवारांकडून मतमोजणी प्रतिनिधीही नियुक्त केले जाऊ शकतात.

**वरीलपैकी कोणीही नाही (नोटा)** ही तरतूद माननीय सर्वोच्च न्यायालयाच्या निदेशांचे पालन करण्यासाठी सुरू करण्यात आली आहे, जेणेकरून जे मतदार कोणत्याही उमेदवाराला मतदान करू इच्छित नाहीत त्यांना त्यांच्या निर्णयाच्या गोपनीयतेचे उल्लंघन न करता कोणत्याही उमेदवाराला मतदान न करण्याचा अधिकार वापरता येईल. मतदान पत्रिकांवर शेवटच्या उमेदवाराचे नाव आणि तपशील असलेल्या नामिकेनंतर “वरीलपैकी कोणीही नाही : नोटा” असे शब्द असलेली मतदान नामिका उपलब्ध आहे.

पारदर्शकता ही, प्रभावी आणि कार्यक्षम निवडणूक व्यवस्थापनाची गुरुकिल्ली आहे, पारदर्शकतेमुळे निवडणुकीची विश्वासार्हता वाढते. निवडणूक व्यवस्थापन पारदर्शक असावे आणि निवडणूक (अधिकृत) व्यवस्थापनात सहभागी असलेल्या कोणत्याही अधिकृत पक्षपाताच्या तक्रारीला वाव नसावा, असा कर्मचाऱ्यांच्या आयोगाचा प्रयत्न आहे. कोणत्याही निवडणूक कर्मचाऱ्यांच्या तटस्थतेच्या अभावाबाबत आयोग अतिशय गांभीर्याने विचार करतो. त्यामुळे, राजकीय पक्ष आणि उमेदवारांना याबाबत वेळोवेळी निर्गमित केलेल्या आयोगाच्या अनुदेशांची माहिती दिली जाते.



## प्रकरण २ : अर्हता व निरर्हता

### २.१ प्रस्तावना

२.१.१ निवडणूक लढविण्याकरिता, उमेदवाराकडे विशिष्ट अर्हता असल्याच पाहिजेत आणि त्याचवेळी त्याच्याकडे/ तिच्याकडे विवक्षित निरर्हता नसाव्यात. या अर्हता व निरर्हता संविधान आणि निवडणूक संविधी या दोन्हीमध्ये नमूद केल्या आहेत.

### २.२ लोकसभेच्या निवडणुकीच्या संबंधातील अर्हता

२.२.१ एखाद्या उमेदवारास लोकसभेची निवडणूक लढविण्याची इच्छा असेल तर, त्याच्याकडे/तिच्याकडे पुढीलपैकी प्रत्येक अर्हता असलीच पाहिजे :—

- (१) तो/ती भारताची नागरिक असला पाहिजे ; [संविधान अनुच्छेद ८४ (क) ]
- (२) निवडणूक आयोगाने शपथ किंवा दृढकथन यासंबंधात प्राधिकृत केलेल्या एखाद्या व्यक्तीसमोर, त्या प्रयोजनाकरिता संविधानाच्या तिसऱ्या अनुसूचीत दिलेल्या नमुन्यानुसार त्याने/तिने शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली सही केली पाहिजे ; [ संविधान अनुच्छेद ८४ (क) व तिसऱ्या अनुसूचीतील नमुना तीन/क ]
- (३) नामनिर्देशनाच्या छाननीच्या दिनांकास [ संविधानाच्या अनुच्छेद ८४ (ख) आणि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम ३६ (२) ] त्याचे/तिचे वय पंचवीस वर्षांपेक्षा कमी असता कामा नये;
  - (अ) एखादा उमेदवार लोकसभा निवडणुकीत अनुसूचित जातींसाठी राखून ठेवलेल्या जागेकरिता जर निवडणूक लढवत असेल तर, तो/ती एकतर, त्या राज्याच्या किंवा कोणत्याही इतर राज्याच्या कोणत्याही अनुसूचित जातीमधील व्यक्ती असली पाहिजे आणि याशिवाय तो/ती कोणत्याही संसदीय मतदारसंघातील मतदार असली पाहिजे.
  - (ब) एखादा उमेदवार लोकसभा निवडणुकीत, अनुसूचित जमातींसाठी ( आसाम व लक्षद्वीप ( अनुसूचित जमाती ) ( लोकसभा मतदारसंघ ) यांच्या स्वायत्त जिल्ह्यातील जमाती व्यतिरिक्त ) राखून ठेवलेल्या जागेकरिता जर निवडणूक लढवत असेल तर, तो/ती एकतर, त्या राज्याच्या किंवा कोणत्याही इतर राज्याच्या ( आसाम ची जनजाती क्षेत्रे वगळून ) कोणत्याही अनुसूचित जमातीमधील व्यक्ती असली पाहिजे आणि याशिवाय तो/ती कोणत्याही संसदीय मतदारसंघातील मतदार असली पाहिजे ;
  - (क) आसामच्या स्वायत्त जिल्ह्यांतील अनुसूचित जमातींसाठी राखून ठेवलेल्या जागेकरिता जर एखादा उमेदवार निवडणूक लढवत असेल तर, तो/ती, त्या अनुसूचित जमातींमधील व्यक्ती असली पाहिजे व त्याशिवाय तो/ती ज्यामध्ये अशी जागा राखून ठेवली असेल त्या संसदीय मतदारसंघातील किंवा अशा कोणत्याही स्वायत्त जिल्ह्याचा समावेश असलेल्या इतर कोणत्याही संसदीय मतदारसंघातील मतदार असला पाहिजे ;
  - (ड) लक्षद्वीप या संघ राज्यक्षेत्रातील अनुसूचित जमातींसाठी राखून ठेवलेल्या जागेकरिता जर एखादा उमेदवार निवडणूक लढवत असेल तर, तो/ती, त्यापैकी कोणत्याही अनुसूचित जमाती मधील व्यक्ती असली पाहिजे व त्याशिवाय, तो/ती संघ राज्यक्षेत्राच्या संसदीय मतदारसंघातील मतदार असला पाहिजे.
  - (ई) सिक्कीम राज्याला नेमून दिलेल्या जागेकरिता जर उमेदवार निवडणूक लढवत असेल तर, तो/ती सिक्कीमच्या संसदीय मतदारसंघातील मतदार असला पाहिजे ;
  - (फ) जर उमेदवार सर्वसाधारण जागेकरिता, म्हणजेच पूर्ववर्ती उप-खंडांमध्ये नमूद केलेल्या अनुसूचित जातींसाठी किंवा अनुसूचित जमातींसाठी जी राखीव नाही अशा जागेकरिता निवडणूक लढवत असेल तर, तो/ती कोणत्याही संसदीय मतदारसंघातील मतदार असला पाहिजे ( लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम ४ ).



## २.३ विधानसभेच्या निवडणुकीसाठी अर्हता

२.३.१ जर एखादा उमेदवार राज्याच्या विधानसभा किंवा संघ राज्यक्षेत्राच्या (राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली राज्यक्षेत्रासह) विधानसभेच्या निवडणुकीसाठी उभे राहण्यास इच्छुक असेल तर, त्याच्याकडे/तिच्याकडे पुढील प्रत्येक अर्हता असल्या पाहिजेत :—

१. तो/ती भारताचा नागरिक असला पाहिजे [ संविधान अनुच्छेद १७३ (क) ] आणि निवडणूक आयोगाने शपथ किंवा दृढकथन या संबंधात प्राधिकृत केलेल्या एखाद्या व्यक्तीसमोर, त्या प्रयोजनाकरिता संविधानाच्या तिसऱ्या अनुसूचीत किंवा यथास्थिती, संघ राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, १९६३ किंवा राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली राज्यक्षेत्र अधिनियम, १९९१ किंवा जम्मू व काश्मीर पुनर्रचना अधिनियम, २०१९ याच्या अनुसूचीत दिलेल्या नमुन्यानुसार उमेदवाराने शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली सही केली पाहिजे. [ संविधान-अनुच्छेद १७३ (क) व तिसऱ्या अनुसूचीतील नमुना सात/अ आणि संघ राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, १९६३ कलम ४ (क) व राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली राज्यक्षेत्र अधिनियम, १९९१ याच्या अनुसूचीत पहिल्या अनुसूचीतील नमुना एक आणि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, १९९१ याच्या अनुसूचीतील नमुना एक आणि जम्मू व काश्मीर पुनर्रचना अधिनियम, २०१९ याच्या चौथ्या अनुसूचीतील अनुच्छेद १६ (क) व नमुना १ ] ;
२. नामनिर्देशनाच्या छाननीच्या दिनांकास उमेदवाराचे वय पंचवीस वर्षांपेक्षा कमी असता कामा नये. [ संविधान अनुच्छेद १७३ (ख) व संघ राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, १९६३ कलम ४ (ख) आणि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, १९९१ याचे कलम ४ (ख) जम्मू व काश्मीर पुनर्रचना, अधिनियम, १९९९ याचे कलम १६ (६) तसेच लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम ३६ (२) (क) ] ;
  - (अ) एखाद्या राज्याच्या वा संघ राज्यक्षेत्राच्या विधानसभेतील त्या राज्याच्या वा संघ राज्यक्षेत्राच्या अनुसूचित जातींसाठी किंवा अनुसूचित जमातींसाठी राखून ठेवलेल्या जागेकरिता उमेदवार निवडणूक लढविण्यास इच्छुक असेल तर, तो/ती त्या जातीपैकी किंवा यथास्थिती त्या जमातीपैकी म्हणजेच, त्या राज्य किंवा संघ राज्यक्षेत्रातील अ.जा./अ.ज. च्या कोणत्याही जातींमधील किंवा जमातींमधील व्यक्ती असला पाहिजे आणि त्याशिवाय तो/ती त्या राज्यातील व त्या संघ राज्यक्षेत्रातील कोणत्याही विधानसभा मतदारसंघातील मतदारही असला पाहिजे;
  - (ब) आसाम च्या स्वायत्त जिल्ह्यातील अनुसूचित जमातींसाठी राखून ठेवलेल्या जागेकरिता उमेदवार निवडणूक लढविण्यास इच्छुक असेल तर, तो/ती कोणत्याही स्वायत्त जिल्ह्याच्या अनुसूचित जमातींमधील व्यक्ती असला पाहिजे आणि त्याशिवाय तो/ती ज्या जिल्ह्याकरिता अशी जागा किंवा इतर कोणतीही जागा त्या मतदारसंघामध्ये, राखून ठेवली असेल त्या विधानसभा मतदारसंघातील मतदार असला पाहिजे ;
  - (क) सिक्किमच्या विधानसभेमधील, मूळचे भूतिया-लेपचा कुळातील सिक्किमीसाठी राखून ठेवलेल्या जागेकरिता उमेदवार निवडणूक लढविण्यास इच्छुक असेल तर, तो/ती भूतिया किंवा लेपचा कुळातील व्यक्ती असली पाहिजे आणि त्याशिवाय तो/ती त्या राज्यातील संघांसाठी राखून ठेवलेल्या मतदारसंघांव्यतिरिक्त अन्य कोणत्याही विधानसभा मतदारसंघातील मतदारही असला पाहिजे ;
  - (ड) सिक्किमच्या विधानसभेमधील संघासाठी राखून ठेवलेल्या जागेसाठी उमेदवार निवडणूक लढविण्यास इच्छुक असेल तर, तो/ती त्या राज्याच्या संघ मतदारसंघातील मतदार असला पाहिजे;
  - (ई) सर्वसाधारण जागेसाठी म्हणजेच, पूर्वोक्ताप्रमाणे राखून न ठेवलेल्या जागेसाठी उमेदवार निवडणूक लढविण्यास इच्छुक असेल तर, तो/ती संबंधित राज्यातील किंवा संघ राज्यक्षेत्रातील कोणत्याही विधानसभा मतदारसंघातील मतदार असला पाहिजे.

- २.३.२ लोकसभेच्या किंवा विधानसभेच्या निवडणुकीसाठी उमेदवार म्हणून उभे राहण्याची एखाद्याची इच्छा असल्यास, त्याच्याकडे/ तिच्याकडे असल्या पाहिजेत अशा विविध अर्हता वर दिलेल्या आहेत. त्याबद्दल उमेदवाराने अत्यंत जागरूक असले पाहिजे. पुढील दोन गोष्टींच्या संबंधात त्याने/तिने कृपया विशेष काळजी घ्यावी.

## २.४ मतदारयादीतील नाव, इत्यादीमध्ये सुधारणा

- २.४.१ मतदारयादीमध्ये उमेदवाराच्या नावाची अचूक नोंद झाली आणि छायाचित्र त्याचेच आहे हे, त्याने/तिने पाहिले पाहिजे. त्याच्या/तिच्या नावाच्या वा त्याच्या/तिच्या वडिलांच्या/आईच्या/पत्नीच्या नावाच्या वर्णलेखनामध्ये वा वर्णनामध्ये किंवा त्याच्या/तिच्या पत्न्यामध्ये किंवा इतर कोणत्याही बाबतीत (वय व लिंग यासह) किंवा फोटो जुळण्यात कोणतीही चूक झालेली असेल तर ती चूक दुरुस्त करून घेण्यासाठी त्याने/तिने ताबडतोब उपाय योजले पाहिजेत. उमेदवाराने चूक वेळेवर दुरुस्त करून घेतली नाही तर, नामनिर्देशन पत्रांच्या छाननीच्या वेळी इतर उमेदवार आक्षेप घेऊ शकतात.

## २.५ उमेदवारांनी घ्यावयाची शपथ किंवा करावयाचे दृढकथन

- २.५.१ उमेदवाराने या अगोदर उल्लेख करण्यात आलेली शपथ घेण्याचे किंवा दृढकथन करण्यास (जोडपत्र ४) विसरता कामा नये. निवडणूक आयोगाने ज्या व्यक्तीसमोर शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली सही करता येते अशा अनेक व्यक्तींना प्राधिकृत केले आहे. निवडणूक आयोगाच्या संबद्ध अधिसूचना **परिशिष्ट ५** मध्ये त्यात दिल्या आहेत.
- २.५.२ कोणत्याही विशिष्ट निवडणुकीसाठी, मतदारसंघाचामुख्यता, निवडणूक निर्णय अधिकारी आणि सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी हे निवडणुकीकरिता प्राधिकृत व्यक्ती असतात. कारागृहात परिरुद्ध असलेल्या किंवा प्रतिबंधक स्थानबद्धतेत असलेल्या उमेदवाराच्या बाबतीत, जेथे त्याला परिरुद्ध केलेले असेल त्या कारागृहाच्या अधीक्षकास किंवा जेथे तो अशा स्थानबद्धतेत असेल त्या स्थानबद्धतेच्या छावणीच्या समादेशकास, शपथ देण्यास प्राधिकृत केलेले आहे. आजारपणामुळे किंवा इतर कोणत्याही कारणामुळे रुग्णालयामध्ये वा अन्यत्र अंधरुणाला खिळून असलेल्या उमेदवाराच्या बाबतीत, रुग्णालयाच्या प्रभारी वैद्यकीय अधीक्षकास किंवा त्याच्यावर उपचार करणाऱ्या वैद्यक व्यावसायीस तशाचप्रकारे प्राधिकृत केले जाईल. भारताच्या बाहेर असलेल्या उमेदवाराच्या बाबतीत, तो उमेदवार जेथे असेल त्या देशातील भारताच्या राजनैतिक वा वाणिज्यिक प्रतिनिधीसमोर किंवा अशा राजनैतिक वा वाणिज्यिक प्रतिनिधीने प्राधिकृत केलेल्या कोणत्याही व्यक्तीसमोर शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली सही करता येईल. उमेदवार, इतर कोणत्याही कारणामुळे संबंधित निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमोर किंवा सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमोर हजर होण्यास असमर्थ असेल किंवा असे हजर होण्यास त्याला प्रतिबंध केला गेला असेल त्या बाबतीत, निवडणूक आयोगाकडे यासंबंधात केलेल्या अर्जावरून निवडणूक आयोगाने खास नामनिर्देशित केलेल्या इतर कोणत्याही व्यक्तीसमोर शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली सही करता येईल. आयोगाने वृत्तधारी सर्व इलाखा दंडाधिकारी, वेतन मिळणारे सर्व प्रथम वर्ग दंडाधिकारी, सर्व जिल्हा न्यायाधीश आणि जिल्हा न्यायाधीशांव्यतिरिक्त राज्याच्या न्याय सेवेमधील सर्व व्यक्ती यांना देखील ज्या अधिकाऱ्यांपैकी कोणाच्याही समोर उमेदवार शपथ घेऊन वा दृढकथन करून त्याखाली सही करू शकतो असे अधिकारी प्राधिकृत केलेले आहे.

## २.६ समुद्रपार मतदारांचे नामनिर्देशन

- २.६.१ निवडणूक लढविण्यास इच्छुक असणाऱ्या समुद्रपार मतदाराजवळ पूर्ववर्ती परिच्छेदात दिलेली अर्हता असणे अनिवार्य आहे. – जो भारताबाहेर असेल अशा उमेदवाराबाबत, उमेदवार ज्या देशात रहात असेल त्या देशातील भारताच्या राजनैतिक किंवा वाणिज्यिक प्रतिनिधीसमोर शपथ घेता येईल. समुद्रपार मतदाराला शपथ घेण्याकरिता किंवा दृढकथन करण्याकरिता संबंधित देशाच्या भारतीय मंडळामधील प्राधिकृत व्यक्तीकडे जाता येईल.
- २.६.२ ज्याला नामनिर्देशनपत्रे सादर करता येतील असा एखादा समुद्रपार मतदार, नामनिर्देशन सादर करतेवेळी भारतामध्ये असेल तर, त्याला निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमोर/सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमोर शपथ घेता येईल किंवा दृढकथन करता येईल. समुद्रपार मतदार असेल असा एखादा उमेदवार, निवडणूक निर्णय

अधिकाऱ्यासमोर/सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमोर शपथ घेण्याकरिता उपस्थित झाला तर, संबंधित निवडणूक निर्णय अधिकारी/सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी त्या व्यक्तीच्या पारपत्रातील तपशिलाचे बारकाईने अवलोकन करून तिची ओळख योग्यरित्या पडताळून पाहिली असल्याची खात्री करील. अशाप्रकारे, अशा व्यक्तीने शपथ घेतेवेळी किंवा दृढकथन करतेवेळी, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडून/सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडून केल्या जाणाऱ्या पडताळणीकरिता त्याचे/तिचे मूळ पारपत्र अवश्य सादर करावयाचे आहे.

## २.७ शपथ किंवा दृढकथन याविषयी महत्त्वाचे मुद्दे

- २.७.१ त्या निवडणुकीसाठी आलेल्या नामनिर्देशनपत्रांच्या छाननीसाठी निवडणूक आयोगाने निश्चित केलेल्या दिनांकापूर्वी शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली सही करण्यात यावी. पशुपतीनाथ सिंग विरुद्ध हरिहर प्रसाद सिंग [(१९६८) २, सर्वोच्च न्यायालय न्यायनिर्णय पत्रिका, ८१२-अखिल भारतीय न्यायनिर्णय पत्रिका, १९६८, सर्वोच्च न्यायालय १०६४ ] या प्रकरणामध्ये, सर्वोच्च न्यायालयाने, शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली सही करण्याच्या संबंधात दोन मर्यादा घातलेल्या आहेत. पहिले म्हणजे, भारताच्या संविधानाच्या, तिसऱ्या अनुसूचीमधील शपथेच्या किंवा दृढकथनाच्या नमुन्यातील “नामनिर्देशित झालो असल्याने” हे शब्द, उमेदवार हा, त्याला उमेदवाराने नामनिर्देशन पत्र दाखल केल्यानंतर त्याला/तिला शपथ किंवा दृढकथन करता येऊ शकेल आणि नामनिर्देशन पत्र दाखल करण्यापूर्वी त्याला/तिला अशी शपथ किंवा दृढकथन करता येणार नाही असे स्पष्टपणे दर्शवितात, असा निर्णय सर्वोच्च न्यायालयाने दिलेला आहे. नामनिर्देशनांच्या छाननीच्या दिवशी, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने नामनिर्देशनपत्रे छाननीसाठी हाती घेण्यापूर्वी कोणत्याही वेळी उमेदवाराला अशी शपथ घेता येत नाही किंवा दृढकथन करता येत नाही. कादर खान हुसेन खान आणि अन्य विरुद्ध एस. निजलिंगप्पा (१९७०) , आय-एससीए-५४८ या नंतरच्या प्रकरणामध्ये सर्वोच्च न्यायालयाने या मतास पुष्टी दिलेली आहे. म्हणून उमेदवारांनी त्यांची नामनिर्देशनपत्र सादर केल्यानंतर लगचेच आणि कोणत्याही परिस्थितीत छाननीच्या दिनांकाच्या अगोदरच्या दिवसापर्यंत शपथ घेणे इष्ट ठरेल.
- २.७.२ प्राधिकृत अधिकाऱ्यांसमोर जातीने शपथ घ्यावयाची असते किंवा दृढकथन करावयाचे असते.
- २.७.३ सार्वत्रिक निवडणुकीच्या वेळी एकापेक्षा अधिक मतदारसंघातून उमेदवाराला नामनिर्देशित केलेले असले तरी, सुद्धा एकापेक्षा अधिक वेळा शपथ घेण्याची किंवा दृढकथन करण्याची आवश्यकता नाही. हे मत सर्वोच्च न्यायालयाने त्याच्या, के.के. कादर खान हुसेन खान व अन्य विरुद्ध एस. निजलिंगप्पा आणि अन्य (१९७०) आय-एससीए-५४८ या प्रकरणातील न्यायनिर्णयात व्यक्त केलेले आहे. अनुच्छेद १७३ (क) ची भाषा हे स्पष्ट करते ; निवडणुकीसाठी उमेदवार म्हणून पात्र ठरण्यासाठी, संविधानाच्या तिसऱ्या अनुसूचीमध्ये दिलेल्या नमुन्यानुसार एक शपथ घेणे किंवा दृढकथन करणे इतकेच आवश्यक असते. शपथ घेणे किंवा दृढकथन करणे ही प्रत्येक मतदारसंघातील उमेदवारीच्या विधिग्राह्यतेसंबंधीची पूर्वावश्यक बाब असणार आहे असे या अनुच्छेदात नमूद केलेले नसून आवश्यक ती अर्हता एकदा प्राप्त झाल्यानंतर ती अर्हता त्या अनुच्छेदाद्वारे घालण्यात आलेला रोध दूर करते. या गोष्टीची त्यात दखल घेतलेली आहे. उमेदवार एकापेक्षा अधिक मतदारसंघातून निवडणूक लढवत असेल तर, छाननीच्या वेळी उपस्थित केले जाणारे अनावश्यक आक्षेप टाळण्याच्या दृष्टीने त्याने/तिने प्रत्येक मतदारसंघामध्ये शपथ घेऊन त्याखाली सही करणे इष्ट असते किंवा अशा कोणत्याही ठिकाणी शपथ घेतलेली असल्याचा खात्रीलायक पुरावा त्याच्याकडे/ तिच्याकडे असावा. कोणत्याही अन्य सक्षम प्राधिकाऱ्यासमोर उमेदवाराने शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली सही केली होती हे सिद्ध करण्याचा भार उमेदवारावर असतो. त्याने/तिने विहित कालमर्यादित त्या विशिष्ट निवडणुकीसाठी प्राधिकृत अधिकाऱ्यासमोर अगोदरच शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली सही केली होती अशी छाननीच्या वेळी त्याने/तिने वा त्याच्या/तिच्या प्रतिनिधीने निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याची खात्री पटविल्यास ते पुरेसे असते.
- २.७.४ उमेदवाराने प्राधिकृत व्यक्तीसमोर प्रथम शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून नंतर त्यावर सही करावयाची आहे. शपथेचा नमुना ज्यावर लिहिलेला असेल त्या कागदावर केवळ सही करणे पुरेसे नसते हे लक्षात ठेवले पाहिजे. उमेदवाराने प्राधिकृत व्यक्तीसमोर शपथ घेतली पाहिजे. तो उमेदवाराला शपथ वाचून दाखवण्यास व नंतर, ज्या कागदावर ती लिहिली असेल त्यावर सही करून दिनांक घालण्यास सांगेल. जर उमेदवार निरक्षर किंवा नमुना

वाचण्यास असमर्थ असेल तर, प्राधिकृत व्यक्तीने उमेदवाराला शपथ वाचून दाखवावी व उमेदवाराला तिचा पुनरुच्चार करण्यास सांगून त्यानंतर त्या नमुन्यावर उमेदवाराच्या अंगठ्याचा ठसा घ्यावा. उमेदवाराने त्या दिवशी व वेळी शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली सही केलेली आहे असे त्या नमुन्यावर लेखी नमूद करावे.

- २.७.५ प्राधिकृत व्यक्ती त्यानंतर लागलीच उमेदवाराला, उमेदवाराने त्या दिवशी विशिष्ट वेळी त्याच्यासमोर शपथ घेऊन त्याखाली सही केलेली आहे अशा आशयाचे प्रमाणपत्र देईल. उमेदवाराला असे प्रमाणपत्र देण्यात आले नाही तर, उमेदवार त्याच्याकडे मागणी करून ते मिळवू शकतो.
- २.७.६ प्राधिकृत व्यक्ती ही कारागृहाचा किंवा स्थानबद्धांच्या छावणीचा अधीक्षक किंवा समादेशक असेल तर, त्याने नामनिर्देशनपत्रांच्या छाननीच्या वेळी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमोर पुरावा म्हणून सादर करण्यासाठी शपथेची एक प्रमाणित प्रत ताबडतोब उमेदवाराला द्यावी. कारागृह अधीक्षक किंवा स्थानबद्धांच्या छावणीचा समादेशक त्याच वेळी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला शीघ्र दूरसंचार साधनांद्वारे लेखी संसूचना पाठवून त्याद्वारे, विशिष्ट उमेदवाराने शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली सही केल्याचा दिनांक व वेळ कळवील. तो, उमेदवाराने घेतलेल्या शपथेची किंवा केलेल्या दृढकथनाची, सही केलेली मूळप्रत देखील निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे पाठवील.
- २.७.७ प्राधिकृत व्यक्ती ही, रुग्णालयाची वैद्यकीय अधीक्षक किंवा वैद्यक व्यवसायी किंवा उमेदवार जेथे असेल त्या देशातील भारताचा राजनैतिक वा वाणिज्यिक तिक प्रतिनिधी किंवा जिल्हा न्यायाधीश वा वृत्तिधारी इलाखा दंडाधिकारी वा प्रथम वर्ग वृत्तिधारी दंडाधिकारी या व्यतिरिक्त राज्यांच्या न्यायसेवेतील व्यक्ती किंवा निवडणूक आयोगाने नामनिर्देशित केलेली अशी अन्य कोणतीही व्यक्ती असेल तर, उमेदवाराने शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली सही केल्यानंतर त्या प्राधिकृत व्यक्तीने ताबडतोब तसे नमुन्यावर प्रमाणित करावे. एक प्रत त्याच्या अभिलेखासाठी ठेवावी आणि मूळप्रत उमेदवाराच्या स्वाधीन करावी. शपथेची किंवा दृढकथनाची मूळप्रत नामनिर्देशनपत्रांच्या छाननीसाठी निश्चित केलेल्या वेळी किंवा त्यापूर्वी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमोर सादर केली आहे हे पाहण्याची जबाबदारी उमेदवाराची असेल.
- २.७.८ शपथ घेण्यासाठी किंवा दृढकथन करण्यासाठी लागणारे नमुने मतदारसंघाच्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडून किंवा सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडून मिळवता येतील.
- २.७.९ उमेदवाराने शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली सही केल्याबद्दलचा पुरेसा पुरावा स्वतःजवळ ठेवण्याची त्याने/ तिने काळजी घ्यावी आणि छाननीच्या वेळी तो पुरावा निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमोर सादर करणे त्याला/ तिला शक्य व्हायला हवे; अन्यथा त्याने/ तिने आवश्यक शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली सही केलेली नाही व म्हणून उमेदवार म्हणून उभे राहण्यास तो/ती अर्हताप्राप्त नाही असा कोणीही आक्षेप घेतला तर तो/ती अडचणीत सापडू शकेल.

## २.८ लोकसभेच्या निवडणुकीबाबत निरर्हता

लोकसभेच्या निवडणुकीसाठी उभे राहण्याची एखाद्या उमेदवाराची इच्छा असल्यास, पुढील सांविधानिक व सांविधिक निरर्हतापैकी कोणत्याही निरर्हता त्याच्याकडे/ तिच्याकडे असता कामा नयेत :—

### २.८.१. सांविधानिक निरर्हता

- (१) भारत सरकारच्या किंवा कोणत्याही राज्य शासनाच्या नियंत्रणाखालील कोणतेही लाभ पद उमेदवाराने धारण केलेले असता कामा नये [ संविधान अनुच्छेद १०२ (१) (क) ]. या सर्वसाधारण नियमाला काही अपवाद आहेत. पहिला अपवाद अनुच्छेद १०२ (२) मध्येच नमूद केलेला असून त्यानुसार संघ राज्याच्या किंवा कोणत्याही राज्याच्या मंत्रांचे पद हे भारत सरकारच्या किंवा कोणत्याही राज्य शासनाच्या नियंत्रणाखालील लाभ पद असल्याचे मानले जात नाही. दुसरे अपवाद संसद (निरर्हतेस प्रतिबंध) अधिनियम, १९५९ (१९५९ चा १०) यात नमूद केलेले आहेत. े
- (२) उमेदवार मनोविकल व्यक्ती असता कामा नये आणि सक्षम न्यायालयाने तसे घोषित केलेले असता कामा नये [ संविधान अनुच्छेद १०२ (१) (ख) ].

- (३) उमेदवार अविमुक्त नादार असता कामा नये [ संविधान अनुच्छेद १०२ (१) (ग) ].
- (४) उमेदवार भारताचा नागरिक नसेल किंवा त्याने/तिने स्वेच्छेने परकीय देशाचे नागरिकत्व मिळवले असेल किंवा तो/ती कोणत्याही परकीय देशाला निष्ठा किंवा इमान देण्यास कोणत्याही कबुलीने बद्ध असेल तर, त्याला/ तिला निरह ठरवण्यात येईल. साध्या शब्दात सांगावयाचे तर, तो/ती अन्य देशीय आणि विदेशी किंवा कोणत्याही परकीय देशाशी निष्ठा बाळगणारा असता कामा नये [ संविधान अनुच्छेद १०२ (१) (घ) ].
- (५) शेवटचे म्हणजे, संसदेने केलेल्या कोणत्याही कायद्याद्वारे किंवा त्याखाली उमेदवाराला निरह ठरवले असता कामा नये [ संविधान अनुच्छेद १०२ (१) (ङ) ].

## २.८.२ सांविधिक निरहता -

संविधानाच्या अनुच्छेद १०२ (१) (ङ) मध्ये अनुस्युत असलेला वर नमूद संसदेने केलेला कायदा हा लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ आहे. याशिवाय वरील सांविधानिक निरहतांबरोबरच, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ यामध्ये संसद सदस्य म्हणून निवड केली जाण्याबाबत किंवा संसद सदस्य असण्याबाबत बऱ्याच निरहता नमूद केलेल्या आहेत. लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम ८, कलम ८-क, कलम ९, कलम ९-क, कलम १० आणि १०-क यांमध्ये या निरहता नमूद केलेल्या आहेत म्हणून, या निरहताची वर वर्णन केलेल्या सांविधानिक निरहतापासूनची भिन्नता दर्शविण्यासाठी त्यांना सांविधिक निरहता म्हणता येईल. सांविधिक निरहतांची एकूण संख्या सहा आहे.-

### उमेदवारासाठी हस्तपुस्तिका

१. लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९७१ याच्या कलम ८ मध्ये पहिली सांविधिक निरहता आलेली आहे. अपराधासाठी जे उमेदवार दोषी उतलेले आहेत. अशा उमेदवारांनी लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ८ च्या तरतुदींचा अभ्यास केला पाहिजे. हे कलम ३ पोट-कलमांमध्ये विभागलेले आहे. या कलमाच्या पोट-कलम (१) अन्वये, त्यात नमूद केलेल्या कोणत्याही कायद्याच्या तरतुदी अन्वये शिक्षणास अपराधासाठी दोषसिद्ध ठरलेली एखादी व्यक्ती, खाली नमूद केलेल्या कालावधी करिता निरह ठरवली जाईल.-
  - (एक) कलम ८ अंतर्गत निरहतेची शिक्षा फक्त दंडांची असेल तर कोणत्याही तुरुंगवासाशिवाय अशा दोषसिद्धांच्या दिनांकापासून सहा वर्षांच्या कालावधीसाठी असेल ;
  - (दोन) जर तुरुंगवासाची शिक्षा झाली असेल, तर दोषसिद्ध झालेली व्यक्ती, दोषसिद्धीच्या दिनांकापासून निरह असल्याचे मानण्यात येईल आणि कारावासातून मुक्तता झाल्यानंतर सहा वर्षांच्या कालावधीपर्यंत ती निरह असेल ;
२. कलम ८ च्या पोट-कलमानुसार अन्न वा औषधिद्रव्ये याची साठेबाजी किंवा नफेबाजी किंवा भेसळ करण्यास प्रतिबंध करण्यासंबंधीची तरतूद करणाऱ्या कोणत्याही कायद्याचे किंवा हुंडा प्रतिबंध अधिनियम, १९६१ याच्या कोणत्याही तरतुदीचे उल्लंघन केल्याबद्दल एखाद्या व्यक्तीला भारतातील न्यायालयाने दोषी ठरवलेले असेल आणि कारावासाची शिक्षा सहा महिन्यांपेक्षा कमी नसेल तर, तिच्या दोषसिद्धीच्या दिनांकापासून निरह ठरवला जाईल व कारावासातून त्याची मुक्तता झाल्यानंतर दोषसिद्धीच्या दिनांकापासून ६ वर्षांच्या आणखी कालावधीपर्यंत ती निरह असण्याचे चालू राहील.
३. वरील परिच्छेद (१) व (२) मध्ये नमूद केलेल्या व्यतिरिक्त कोणत्याही अपराधासाठी व्यक्तिला भारतातील न्यायालयाने दोषी ठरवले असेल आणि दोन वर्षांपेक्षा कमी नसेल तर अशा अपराधाच्या दिनांकापासून निरह ठरवला जाईल व कारावासापासून मुक्तता झाल्यानंतर दोषसिद्धीच्या दिनांकापासून ६ वर्षांच्या आणखी कालावधीपर्यंत ती निरह असण्याचे चालू राहील. असे नमूद करण्यात येते की, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ८ (३) च्या प्रयोजनासाठी एखाद्या व्यक्तीची एकापेक्षा



अधिक गुन्ह्यात दोषसिद्धी झाली असेल तर सामाईक न्यायचौकशी आणि सलगपणे चालू असलेल्या कारावासाच्या शिक्षेत प्रत्येक अपराधाच्या कारावासाच्या शिक्षेच्या कालावधीची भर घातली जाईल आणि जर कालावधीचा एकूण विस्तार हा अशा दोषसिद्धीचा आणि शिक्षेची कारागृहातील सलग उर्वरित क्रम दोन वर्षे किंवा अधिक असेल तर अशी दोषसिद्धी व्यक्ती लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या उक्त कलम ८ (३) अन्वये अपात्र ठरेल. आयोगाने असे स्पष्ट केले आहे की, उक्त कलमान्वये निरहता अपराधसिद्धीच्या दिनांकापासून सुरू होईल. मग अशा अपराधसिद्धीच्या विरोधात कोणतेही अपील दाखल करण्यात आलेले असो वा नसो आणि उमेदवारीस इच्छुक असलेली व्यक्ती जामिनावर सुटली असो वा नसो. तथापि, दोषसिद्धीसही स्थागिती दिल्यास जेव्हा दोष सिद्धीची स्थगिती अंमलता येईल तोपर्यंत अपात्रतेला स्थगिती दिली जाईल.

४. **दुसरी सांविधिक निरहता.**—लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ८-क मध्ये अंतर्भूत केली आहे. त्यात, निवडणुकीच्या वेळी केलेल्या भ्रष्टाचाराबद्दलच्या निरहतेची तरतूद केलेली आहे. निवडणूक विनंती अर्जामध्ये उच्च न्यायालयाने आणि निवडणूक अपिलामध्ये सर्वोच्च न्यायालयाने निवडणुकीतील भ्रष्टाचाराबद्दल दोषी ठरवलेली व्यक्ती ही, निवडणूक आयोगाच्या मतानुसार राष्ट्रपती ठरवतील अशा सहा वर्षांपेक्षा अधिक नसेल इतक्या कालावधीसाठी निरह ठरवली जाऊ शकेल.
५. **तिसरी सांविधिक निरहता.**—लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ९ मध्ये अंतर्भूत केली आहे. त्यामध्ये, भ्रष्टाचार किंवा राज्याशी केलेला द्रोह यासाठी बडतर्फ केल्याने येणाऱ्या निरहतेबाबत तरतूद केली आहे. भारत सरकारच्या किंवा कोणत्याही राज्याच्या शासनाच्या नियंत्रणाखालील पद धारण करत आहे अशा व्यक्तीला भ्रष्टाचाराबद्दल किंवा राज्याशी केलेल्या द्रोहाबद्दल बडतर्फ करण्यात आलेले असेल त्या व्यक्तीला अशा बडतर्फीच्या दिनांकापासून पाच वर्षांच्या कालावधीसाठी निरह ठरवण्यात येईल. भारत सरकारच्या किंवा कोणत्याही राज्याच्या शासनाच्या नियंत्रणाखालील पद धारण केलेल्या व्यक्तीला भ्रष्टाचाराबद्दल किंवा राज्याशी केलेल्या द्रोहाबद्दल बडतर्फ करण्यात आलेले नाही अशा आशयाचे निवडणूक आयोगाचे प्रमाणपत्र हे, त्या संबंधित व्यक्तीला निर्णायक पुरावा असेल. अशाप्रकारे, निवडणूक लढविण्यास इच्छुक असणाऱ्या एखाद्या व्यक्तीला शासकीय सेवेतून बडतर्फ केले असल्यास, बडतर्फ पाच वर्षांमध्ये तो/ती व्यक्ती, अधिनियम, १९५१ च्या कलम ९अ आणि कलम ३३ (३) अन्वये मानल्या प्रमाणे प्रमाणपत्रासाठी निवडणूक आयोगासमोर प्रथम अर्ज सादर करेल तर हे आयोगाकडून उचित कार्यवाही करण्यासाठी पुरेशा आधीच केले गेले पाहिजे.
६. **चौथी सांविधिक निरहता.**—लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ९-क मध्ये अंतर्भूत केलेली आहे. या कलमाखाली एखाद्या व्यक्तीने तिचा धंदा किंवा व्यवसाय करताना, भारत सरकारला माल पुरवण्यासाठी किंवा त्या सरकारने हाती घेतलेली कोणतीही कामे पार पाडण्यासाठी केलेली कोणतीही संविदा अस्तित्वात असेल तर आणि जोपर्यंत ती अस्तित्वात असेल तोपर्यंत ती व्यक्ती संसदेचा सदस्य म्हणून निवड केली जाण्यासाठी किंवा संसद सदस्य असण्यासाठी निरह ठरवलेली आहे. तथापि, उमेदवाराने, त्याचा/तिचा धंदा किंवा व्यवसाय करताना, भारत सरकारला कोणताही माल पुरवण्यासाठी किंवा त्या सरकारने हाती घेतलेली कोणतीही कामे पार पाडण्यासाठी भारत सरकारबरोबर कोणतीही संविदा केलेली असेल आणि संविदेतील त्याचा/तिचा भाग पूर्णपणे पार पडलेला असेल तर, भारत सरकारने त्याचा भाग पूर्णपणे किंवा अंशतः पार पाडलेला नाही, याच केवळ गोष्टीमुळे संविदा अस्तित्वात नाही असे मानण्यात येईल.
७. **पाचवी सांविधिक निरहता.**—शासकीय कंपनीच्या नियंत्रणाखालील पद धारण करणे ही आहे. लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १० मध्ये ती अंतर्भूत केलेली आहे. एखादी व्यक्ती ही ज्यामध्ये भारत सरकारचा २५ टक्क्यांपेक्षा कमी नाहीत इतका हिस्सा असेल अशा, राजधानीतील कोणत्याही महामंडळाची किंवा कंपनीची व्यवस्थापकीय एजंट, व्यवस्थापक किंवा सचिव असेल तर जोपर्यंत ती अशी व्यवस्थापकीय एजंट, व्यवस्थापक किंवा सचिव असेल तोपर्यंत तिला संसदेच्या

सदस्यत्वासाठी निरहं ठरवण्यात येईल. तथापि, या नियमाच्या कक्षेतून सहकारी संस्था वगळलेली आहे.

८. शेवटची सांविधिक निरहता, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १०-क मध्ये अंतर्भूत केलेली आहे. लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याद्वारे आणि त्या अन्वये आवश्यक असलेल्या वेळेच्या आत आणि रीतीने निवडणूक खर्चाचा हिशेब सादर करण्यातील कसुरीबद्दलही निरहता आहे. यासाठी तशा निरहं ठरविलेल्या व्यक्तीच्या बाबतीत, कलम १०अ अन्वये आयोगाकडून आदेश देण्यात येईल. अशा प्रकरणातील निरहता, आयोगाच्या आदेशाच्या दिनांकापासून तीन वर्षांच्या कालावधीसाठी असेल.

वरील सर्व सांविधिक व सांविधानिक निरहता, जर का तो/ती लोकसभा निवडणुकीसाठी उमेदवार म्हणून उभे राहण्यासाठी इच्छुके असलेल्यासाठी असेल तर त्याला सोसाव्या लागता कामा नये.

## २.९ विधानसभेच्या निवडणुकीबाबत निरहता (विधानसभा)

राज्याच्या किंवा संघ राज्यक्षेत्राच्या विधानसभेच्या निवडणुकीसाठी विधानसभा मतदारसंघातून एखाद्या उमेदवाराची उभे राहण्याची एखाद्या उमेदवाराची इच्छा असेल तर, पुढील सांविधानिक व सांविधिक निरहतापैकी कोणतीही निरहता त्याला सोसावी लागता कामा नये:—

२.९.१ राज्याच्या विधानसभेच्या संघ राज्यक्षेत्राच्या विधानसभेच्या व्यतिरिक्त सदस्यत्वाबाबत सांविधानिक निरहता. भारताच्या संविधानाच्या अनुच्छेद १९१ मध्ये या निरहता अंतर्भूत केलेल्या आहेत.

१. धारकास जे त्याचे निरहं ठरवत नसल्याचे राज्य विधानमंडळाने कायद्याद्वारे घोषित केले असेल त्या पदाव्यतिरिक्त, भारत सरकारच्या किंवा कोणत्याही राज्याच्या शासनाच्या नियंत्रणाखालील कोणतेही लाभाचे पद उमेदवाराने धारण करता कामा नये. ज्यामुळे कोणत्याही लाभाच्या पदाची धारकता राज्याच्या विधानसभेचा सदस्य म्हणून निवड केली जाण्यास आणि सदस्य असण्यास निरहं ठरवला जाणार नाही, ती वेगवेगळी लाभपदे घोषित करणारे कायदे विविध राज्य विधानमंडळांनी केलेले आहेत. उमेदवार संबंधित राज्य/संघराज्य क्षेत्रांसाठी लागू असलेल्या कायद्याचा संदर्भ घेऊ शकतात.
२. उमेदवार मनोविकल असता कामा नये व सक्षम न्यायालयाने आपणास तसे घोषित केलेले असता कामा नये.
३. उमेदवार अविमुक्त नादार असता कामा नये.
४. उमेदवार भारताचा नागरिक नसेल किंवा त्याने/तिने स्वेच्छेने परकीय देशाच्या राज्याचे नागरिकत्व मिळवले असेल किंवा तो/ती परकीय देशाला निष्ठा वा इमान दिल्याच्या कोणत्याही कबुलीने बद्ध असेल तर, त्याला/तिला निरहं ठरवण्यात येईल. साध्या शब्दात सांगावयाचे तर, तो/ती अन्यदेशीय व विदेशी असता कामा नये.

लोकसभा आणि विधानसभा निवडणुकांसाठी वरील सांविधिक निरहता सारख्याच असल्याचे दिसून येते संघराज्य क्षेत्रांच्या संदर्भात हे देखील नमूद केले पाहिजे की, वर नमूद केल्याप्रमाणे समान निरहता या पुनर्चर्चा अधिनियम, २०१९ जम्मू आणि काश्मिर संघराज्या क्षेत्र अधिनियम, १९६३, आणि राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र, दिल्ली अधिनियम, १९९१ जम्मू आणि काश्मिर मध्ये घालून दिल्या आहेत.

५. वरील तरतुदींमध्ये आणखी अशी तरतूद आहे की उमेदवाराला संसदेने बनवलेल्या कोणत्याही कायद्याद्वारे किंवा त्याअंतर्गत अपात्र ठरवले जाऊ नये.

२.९.२ पुडुचेरी संघ राज्यक्षेत्राच्या विधानसभेच्या सदस्यत्वाबाबत सांविधानिक निरहता या, संघ राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, १९६३ याच्या कलम १४ मध्ये अंतर्भूत केलेल्या आहेत.—

१. जे पद धारकास त्याचा निरह ठरवत नसल्याचे संसदेने किंवा संघ राज्यक्षेत्राच्या विधानसभेने केलेल्या कायद्याद्वारे घोषित केलेले असेल त्या पदाव्यतिरिक्त भारत सरकारच्या किंवा कोणत्याही राज्याच्या शासनाच्या किंवा कोणत्याही संघ राज्यक्षेत्राच्या शासनाच्या नियंत्रणाखालील अन्य कोणतेही लाभपद उमेदवाराने धारण करता कामा नये. पाँडेचरी विधानसभेने, पाँडेचरी विधानसभा सदस्य (निरहतेस प्रतिबंध) अधिनियम, १९९४ संमत केला आहे. त्या विधानसभेच्या निवडणुकीसाठीच्या उमेदवाराने त्या अधिनियमाचा काळजीपूर्वक अभ्यास केला पाहिजे.

२.९.३ राज्याच्या किंवा पुंडुचेरी संघ राज्यक्षेत्राच्या विधानसभेच्या सदस्यत्वाबाबत सांविधिक निरहता.

राज्याच्या व संघराज्य क्षेत्राच्या विधानसभेच्या सदस्यत्वाबाबतच्या सांविधिक निरहता या लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम ८, कलम ८-क, कलम ९, कलम ९-क, कलम १० आणि कलम १०-क यामध्ये अंतर्भूत केलेल्या, संसदेच्या सदस्यत्वाबाबतच्या सांविधिक निरहता सारख्याच असून त्यात इतकाच फरक आहे की, कलम ९-क किंवा कलम १० यासारख्या कलमांपैकी कोणत्याही कलमामधील "समुचित शासना" च्या निर्देशाचा अर्थ, राज्य विधानसभेच्या निवडणुकीच्या संबंधात त्या राज्याचे शासन असा होईल आणि पुंडुचेरी संघ राज्यक्षेत्राच्या विधानसभेच्या सदस्यत्वाबाबतच्या निरहतेच्या संबंधात समुचित शासन या निर्देशाचा अर्थ केवळ त्या संघ राज्यक्षेत्राचे शासन असा होणार नाही तर केंद्र सरकार असाही होईल.

## २.१० राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली राज्यक्षेत्र याच्या विधानसभा सदस्यत्वाबाबत निरहता

२.१०.१ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली राज्यक्षेत्र याच्या विधानसभेचा सदस्य म्हणून निवड केली जाण्यासाठी आणि असा सदस्य असण्यासाठी एखाद्या व्यक्तीने, भारत सरकार किंवा कोणतेही राज्य शासन अथवा कोणतेही संघ राज्यक्षेत्र शासन यांच्या नियंत्रणाखालील, संसद किंवा कोणत्याही राज्याचे विधानमंडळ किंवा राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली राज्यक्षेत्राचे विधानमंडळ अथवा अन्य कोणतेही संघ राज्यक्षेत्र यांनी केलेल्या कायद्याच्या अनुसार ज्या पदाचा धारक निरह ठरवण्यात आलेला नसेल अशा पदाव्यतिरिक्त, एखादे लाभ पद धारण केलेले असता कामा नये, तथापि, एखादी व्यक्ती, एकतर केंद्रामधील किंवा एखाद्या राज्यातील अथवा संघ राज्यक्षेत्रातील राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, १९९१ याचे कलम १५ (१) (क) आणि कलम १५ (२) एखादा मंत्री आहे केवळ याच कारणास्तव ती असे एखादे लाभाचे पद धारण करीत असल्याचे समजण्यात येणार नाही.

२.१०.२ जर एखादी व्यक्ती, संविधानाचा अनुच्छेद १०२ (१) किंवा उक्त अधिनियमाचे कलम १५ (१) (ख) आणि कलम ४० (३) च्या तरतुदींच्या अनुसार संसदेच्या दोन्हीही सभागृहांचा सदस्य म्हणून निवड होण्यास आणि सदस्य असण्यास त्या त्या वेळी निरह ठरलेली असेल तर ती व्यक्तीही निरह ठरेल.

२.१०.३ दुसऱ्या शब्दात सांगायचे झाल्यास, या प्रकरणात यापूर्वीच विशद केल्याप्रमाणे संसदेमध्ये निवडून येण्यासंबंधीच्या निरहता, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली राज्य क्षेत्राच्या विधानसभेच्या निवडणुकीबाबतही लागू होतील.

२.१०.४ जम्मू आणि काश्मिरच्या विधानसभेच्या बाबतीतही, जम्मू आणि काश्मिर पुनर्रचना अधिनियम, २०१९ च्या कलम २७ (१) (अ) मध्येही समान तरतुदी आहेत.

## २.११ मतदानाबाबतच्या निरहतेच्या परिणामी उद्भवणाऱ्या सदस्यत्वाबाबतच्या निरहता

२.११.१ या संबंधात उमेदवाराला लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम ११-क पाहता येईल. या कलमात, अपराधसिद्धी व भ्रष्टाचार यामधून उद्भवणाऱ्या मतदानाबाबतच्या निरहता संबंधात तरतूद केलेली आहे.

१. भारतीय दंड संहितेचे कलम १७१-ड किंवा १७१-च किंवा लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम १२५ किंवा कलम १३५ किंवा कलम १३६ चे पोट- कलम (२), खंड (क) खाली दंडनीय अपराधाबद्दल दोषसिद्ध ठरलेली कोणतीही व्यक्ती, कोणत्याही निवडणुकीत मतदान करण्यास निरह ठरेल. मतदानासाठी अशा निरहतेचा कालावधी अपराध सिद्धीच्या दिनांकापासून सहा वर्षे इतका आहे.

२. लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ९९ खालील भ्रष्टाचाराबद्दल दोषी असल्याचे आढळून आलेल्या व्यक्तीच्या बाबतीत, निवडणुकीसाठी उभे राहण्याबाबतच्या निरहतेसाठी कलम ८-क, चे



पोट-कलम (१) अन्वये तसे राष्ट्रपती द्वारे ठरवलेल्या कालावधीसाठी त्या व्यक्तीस मतदानाकरिता निरहं ठरवण्यात येईल.

३. वर स्पष्ट केलेल्या वरील उप-परिच्छेद १ आणि २ मधील तरतुदी अन्वये एखाद्या व्यक्तीला त्या वेळेपुरते मतदानासाठी निरहं ठरवलेले असेल तर ती व्यक्ती मतदार यादीत नोंद केली जाण्यास निरहं ठरते व नोंदणीनंतर अशाप्रकारे निरहं होणाऱ्या कोणत्याही व्यक्तीचे नाव मतदार यादीतून ताबडतोब काढून टाकावे लागते. या तरतुदी, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५० याच्या कलम १६ मध्ये अंतर्भूत केलेल्या आहेत. (लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१, च्या कलम ४ व कलम ५ मध्ये तरतूद केल्याप्रमाणे निवडणुकीकरिता उभे राहण्यासाठी उमेदवार मतदार असावा ही लागणारी एक अर्हता आहे. परंतु, जर तो/ती मतदानासाठी निरहं ठरला/ठरली असेल तर, तो/ती मतदार होऊ शकत नाही आणि म्हणून, मतदानाबाबतच्या निरहंतेमुळे तो/ती संसदीय मतदारसंघातून किंवा विधानसभा मतदारसंघातून निवडणुकीसाठी उभे राहण्यास अर्हताप्राप्त होत नाही.

## प्रकरण ३. नामनिर्देशने आणि चिन्हे नेमून देणे

### ३.१ नामनिर्देशन

३.१.१ उमेदवाराचे नामनिर्देशन ही होणाऱ्या निवडणुकीच्या विधान मंडळाच्या सदस्यत्वासाठी एखाद्या व्यक्तिला उमेदवार म्हणून उभे करण्याची प्रक्रिया आहे. कायद्यात अशी तरतूद आहे की, निवडणुकीसाठी उमेदवाराचे नाव, एखाद्या मतदार किंवा मतदारांच्या गटाद्वारे, यथास्थिति प्रस्तावित केले जाते आणि संबंधित व्यक्तीला नामनिर्देशनासाठी संमती देऊन उमेदवार होण्यास सहमती दिली जाते. नामनिर्देशन करण्यात येणाऱ्या व्यक्तीकडे सर्व आवश्यक पात्रता असणे आवश्यक आहे आणि कोणतीही निरहता असता कामा नये. याबाबतीत, त्याला /तिला यापूर्वीच्या प्रकरणात सविस्तर मार्गदर्शन केले आहे.

३.१.२ व्यक्तीला निवडणुकीसाठी उमेदवार म्हणून पुढील बाबतीत नामनिर्देशित करता येणार नाही :-

- (अ) लोकसभेच्या किंवा विधानसभेच्या सार्वत्रिक निवडणुकीच्या बाबतीत, (मग त्या सर्व संसदीय मतदार संघातून एकाचवेळी घेण्यात येणार असोत किंवा नसोत), दोनपेक्षा अधिक संसदीय/विधानसभा मतदारसंघातून ;
- (ब) एकाचवेळी, दोन किंवा त्यापेक्षा अधिक मतदारसंघातून घेतल्या जाणाऱ्या सभागृहाच्या पोट-निवडणुकांच्या बाबतीत, व्यक्ती दोन पेक्षा अधिक अशा मतदारसंघातून, निवडणूक लढवू शकणार नाही.

**स्पष्टीकरण.**—निवडणूक आयोगाने लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १४९ किंवा १५० अन्वये अशा पोट-निवडणुका एकाच दिवशी घेण्याबाबत अधिसूचना काढली असेल तर दोन किंवा त्यापेक्षा अधिक पोट-निवडणुका एकाचवेळी घेण्यात येणार असल्याचे समजण्यात येईल.

३.१.३. लोकसभेच्या बाबतीत भारताच्या राष्ट्रपतीद्वारे आणि एखाद्या राज्याच्या विधानसभेच्या सार्वत्रिक निवडणुकांच्या बाबतीत त्या राज्याच्या राज्यपालाद्वारे एक किंवा अधिक अधिसूचना काढून (जिला नेहमीच्या भाषेत निवडणूक अधिसूचना म्हणतात) सार्वत्रिक निवडणुकीच्या कार्यवाहीला प्रारंभ करण्यात येतो. सर्व पोट-निवडणुकांच्या बाबतीत, अशा अधिसूचना, निवडणूक आयोगाकडून काढल्या जातात. आयोगाने शिफारस केलेल्या तारखेला राष्ट्रपती/राज्यपालाद्वारे निवडणूक अधिसूचना जारी केली आहे.

३.१.४ एकाचवेळी, निवडणूक आयोग **शासकीय राजपत्रातील** (एकाच तारखेला जारी केलेल्या) अधिसूचनेद्वारे, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ३० अन्वये निवडणुकीचे वेळापत्रक निश्चित करील.

- (अ) जो दिवस, निवडणूक घोषित करणारी अधिसूचना किंवा रिट प्रकाशित झाल्याच्या तारखेनंतरचा सातवा दिवस असेल, किंवा सातवा दिवस हा सार्वजनिक सुट्टीचा दिवस असेल तर, लगतनंतरचा, सार्वजनिक सुट्टीचा नसेल असा दिवस ; (अशा प्रकारे, समजा, निवडणुकीसाठी अधिसूचना किंवा रिट १ मार्च रोजी काढण्यात आली असेल तर, नामनिर्देशने सादर करण्याची अंतिम तारीख ८ मार्च ही असेल (म्हणजे सातवा दिवस), कारण तो दिवस म्हणजे निवडणूक घोषित करणारी अधिसूचना किंवा रिट प्रकाशित झाल्याच्या तारखेपासूनचा सातवा दिवस आहे. परंतु जर ८ मार्च हा सार्वजनिक सुट्टीचा दिवस असेल तर नामनिर्देशने सादर करण्याची अंतिम तारीख ही ९ मार्च असेल. .... या प्रमाणे असेल) ;
- (ब) नामनिर्देशनाची छाननी करण्याचा दिवस जो दिवस, नामनिर्देशने सादर करण्याच्या अंतिम तारखेच्या लगतनंतरचा दिवस असेल, किंवा तो दिवस सार्वजनिक सुट्टीचा असेल तर, लगतनंतरचा, सार्वजनिक सुट्टीचा नसेल असा दिवस असेल (अशा रीतीने, जर नामनिर्देशने सादर करण्यासाठी अंतिम तारीख ८ मार्च ही असेल तर, नामनिर्देशनांच्या छाननीची तारीख ९ मार्च हा सार्वजनिक सुट्टीचा दिवस नाही असे गृहीत धरून, ९ मार्च हा राहिल) ;
- (क) उमेदवारी काढून घेण्यासाठीचा अंतिम दिवस, जो दिवस नामनिर्देशनांच्या छाननीच्या तारखेनंतरचा दुसरा दिवस असेल, किंवा जर तो दिवस सार्वजनिक सुट्टीचा असेल तर, लगतनंतरचा, सार्वजनिक सुट्टीचा नसेल असा दिवस असेल (अशा रीतीने, समजा, छाननीची तारीख ९ मार्च असेल तर, उमेदवारी मागे

घेण्याची अंतिम तारीख ११ मार्च हा सार्वजनिक सुट्टीचा दिवस नाही, असे गृहीत धरून, ११ मार्च हा असेल) ; आणि

- (ड) आवश्यक असेल तर, ज्या तारखेला मतदान घेण्यात येईल ती तारीख. – उमेदवारी मागे घेण्याच्या अंतिम तारखेनंतर चौदाव्या दिवसा पेक्षा आधीची नसेल. अशा रीतीने, जर उमेदवारी मागे घेण्याची अंतिम तारीख ११ मार्च असेल तर, २५ मार्च पूर्वी मतदान घेता येणार नाही, कारण मतदानाची तारीख उमेदवारी मागे घेण्याच्या अंतिम तारखेनंतर चौदाव्या दिवसापेक्षा आधीची असता कामा नये. एका मतदारसंघात एका दिवसापेक्षा जास्त दिवशी देखील मतदान घेता येईल. अशा बाबतीत, वरील उदाहरणात, मतदानाची पहिली तारीख २५ मार्चच्या आधीची असता कामा नये.

**टीप.**—वर नमूद केलेली “सार्वजनिक सुट्टी” याचा अर्थ, परक्राम्य संलेख अधिनियम, १८८१ च्या कलम २५ अन्वये जाहीर केलेली सार्वजनिक सुट्टी असा आहे आणि अन्य कोणतीही सार्वजनिक सुट्टी असा नाही.

- ३.१.५ निवडणूक आयोगाने, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ३० अन्वये निवडणुकीचे वेळापत्रक निश्चित करणारी अधिसूचना काढल्यावर, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांकडून लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ३१ अन्वये प्रस्तावित निवडणुकीची जाहीर नोटीस दिली जाते. या जाहीर नोटीशीद्वारे निवडणूक निर्णय अधिकारी, निवडणुकीसाठी उमेदवारांची नामनिर्देशन मागवतो आणि ज्या ठिकाणी नामनिर्देशनपत्रे आणून द्यावयाची ते ठिकाण विनिर्दिष्ट करतो. कलम ३१ अन्वये ही जाहीर नोटीस, निवडणूक घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ याला जोडलेल्या नमुना १ मध्ये आहे. सामान्यतः नमुना १ मधील जाहीर नोटीस, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांच्या सूचना फलकावर, प्रकाशित करण्यात येते. आणि नोटीशीला विस्तृत प्रसिद्धी देण्यासाठी त्याला आवश्यक वाटेल अशा इतर ठिकाणी यात ग्रामपंचायत, पंचायत समित्या इत्यादींच्या कार्यालयांचाही समावेश होतो .

## ३.२ नामनिर्देशनाचा कालावधी

- ३.२.१ नामनिर्देशने सादर करण्यासाठी फक्त आठच दिवस ( ज्या दिवशी अधिसूचना काढण्यात आली असेल तो दिवस धरून ) उपलब्ध असतात, असे यापूर्वीच नमूद करण्यात आले आहे. तथापि, दरम्यानच्या काळात येणाऱ्या सार्वजनिक सुट्ट्यांमध्ये नामनिर्देशने सादर करता येणार नाहीत.

लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम २ मध्ये "सार्वजनिक सुट्टीची" व्याख्या ही, परक्राम्य संलेख अधिनियम, १८८१ याच्या कलम २५ च्या प्रयोजनार्थ सार्वजनिक सुट्टी असणारा, कोणताही दिवस अशी केली आहे. रविवार सार्वजनिक सुट्टीचा आहे. आणखी, दुसरा व चौथा शनिवार देखील या प्रयोजनार्थ सार्वजनिक सुट्टीचे आहेत. बरोबर, कोणतीही इतर सार्वजनिक सुट्टी, एकतर अशा दिवशी नामनिर्देशन भरण्याच्या काळादरम्यान येत असल्यास, नामनिर्देशन दाखल करता येणार नाही.

## ३.३ नामनिर्देशनपत्राचा नमुना

- ३.३.१ नामनिर्देशनपत्र विहित नमुन्यातच असले पाहिजे. लोकसभेच्या निवडणुकीसाठी उमेदवाराचे नामनिर्देशनपत्र, निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१ यांना जोडलेल्या नमुना २-अ मध्ये करण्यात येईल. राज्य विधानसभेच्या निवडणुकीसाठी उमेदवाराचे नामनिर्देशनपत्र सादर करण्यासाठीचा संबंधित नमुना म्हणजे नमुना २-ब. ( नमुना २-अ व २-ब हे जोडपत्र १ व २ मध्ये दिले आहेत ). नामनिर्देशनपत्राच्या छापील प्रती निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांकडून अगदी नाममात्र किमतीत मिळवता येतील. जर अधिकृत छापील नमुने उपलब्ध नसतील किंवा मिळवता आले नाहीत तर, उमेदवाराला खाजगीरित्या छापलेला, टंकलिखित, चक्रमुद्रित नमुनाही वापरता येईल: परंतु त्याने/तिने वापरलेला हा नमुना, निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१ याला जोडलेल्या उचित नवीनतम नमुन्याशी तंतोतंत मिळताजुळता असेल हे पाहण्याची खबरदारी त्याने/तिने घेतली पाहिजे. नामनिर्देशनाच्या नमुन्यातील प्रत्येक नोंदीबाबत उमेदवाराने अत्यंत जागृत असले पाहिजे.

### ३.४ प्रत्येक उमेदवाराने निवडणूक खर्चासाठी स्वतंत्र बँक खाते उघडणे

- ३.४.१ **प्रत्येक उमेदवाराने निवडणूक खर्चासाठी स्वतंत्र बँक खाते उघडणे.**— निवडणूक विषयक खर्चावर संनियंत्रण करणे सुकर जाण्याच्या दृष्टीने, प्रत्येक उमेदवाराने केवळ निवडणूक खर्चाच्या प्रयोजनासाठी एक स्वतंत्र बँक खाते उघडणे आवश्यक आहे. उमेदवार त्याची नामनिर्देशनपत्रे सादर करील त्या दिनांकाच्या किमान एक दिवस अगोदर हे खाते उघडण्यात येईल. उमेदवार त्याचे नामनिर्देशन सादर करण्याच्या वेळी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला त्याच्या बँक खात्याचा क्रमांक लेखी स्वरूपात कळवील. उमेदवार सर्व निवडणूक खर्च केवळ या बँक खात्यातूनच करील. प्रचार मोहिमेवर खर्च करावयाचा सर्व पैसा, उमेदवारांच्या स्वतःच्या निधीसह अन्य कोणत्याही स्त्रोतातून अनुक्रमे निधी पुरविलेला, बँक खात्यातच जमा करण्यात येईल.
- ३.४.२ निवडणूक खर्चाच्या प्रयोजनासाठी उमेदवाराच्या नावे किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीसह संयुक्त नावाने बँक खाते उघडता येईल. उमेदवाराच्या कोणत्याही कुटुंब सदस्यासह किंवा अन्य कोणत्याही व्यक्तीसह, जर तो/ती उमेदवाराची निवडणूक प्रतिनिधी नसेल तर, संयुक्त नावाने बँक खाते उघडता येणार नाही.
- ३.४.३ राज्यात कोठेही बँक खाते उघडता येईल. बँक खाते सहकारी बँका किंवा टपाल कार्यालये यांसह कोणत्याही बँकेमध्ये उघडता येईल. निवडणूक प्रयोजनासाठी स्वतंत्र बँक खाते असले पाहिजे म्हणून, उमेदवाराच्या विद्यमान बँक खात्याचा या प्रयोजना साठी वापर करण्यात येऊ नये.

### ३.५ शपथपत्र दाखल करणे

- ३.५.१ प्रत्येक उमेदवाराने नामनिर्देशनपत्रासोबत नमुना २६ ( जोडपत्र ३ ) मधील शपथपत्र दाखल करणे आवश्यक आहे. प्रथम वर्ग दंडाधिकारी यांच्या समोर किंवा लेखप्रमाणकासमोर किंवा संबंधित राज्याच्या उच्च न्यायालयाद्वारे नियुक्त केलेल्या शपथपत्र आयुक्तासमोर शपथपत्र शपथबद्ध करावे. शपथपत्राच्या प्रत्येक पृष्ठावर अभिसाक्षीद्वारे स्वाक्षरी करण्यात यावी किंवा ज्यांच्या समक्ष शपथपत्र शपथबद्ध केले आहे, त्या लेखप्रमाणकाचा/शपथपत्र आयुक्ताचा/दंडाधिकाऱ्याचा शिक्का शपथपत्रांच्या प्रत्येक पृष्ठावर उमटवावा. यथोचितरित्या शपथबद्ध केलेली शपथपत्रे ही संबंधित राज्याच्या राज्य कायदान्वये विहित केलेल्या किंमतीच्या मुद्रांक कागदावर करावे.
- ३.५.२ नमुना २६ मध्ये नमूद केलेल्या सर्व तपशीलांची संपूर्ण माहिती दिली पाहिजे. उमेदवारांनी शपथपत्राचा कोणताही रकाना रिकामा सोडू नये. कोणत्याही रकान्यात केवळ खूण करून/रेघ मारून भरू नये. जर रकान्यात भरावयास सांगितलेली माहिती ही “निरंक” किंवा उमेदवारास “ लागू नसेल ” तर त्याने/तिने या रकान्यात ‘ निरंक ’ किंवा ‘ लागू नाही ’ असे लिहावे ( उमेदवाराने त्याच्या नामनिर्देशनपत्रासोबत भरलेल्या शपथपत्रामध्ये असलेले सर्व रकाने भरणे आवश्यक आहे आणि कोणताही रकाना तो रिकामा ठेवू शकत नाही असा निर्णय मा. सर्वोच्च न्यायालयाने दिला आहे. म्हणून, शपथपत्र करतेवेळी, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने नामनिर्देशनपत्रासह दाखल केलेल्या शपथपत्राचे सर्व रकाने पूर्णपणे भरलेले आहेत किंवा कसे हे तपासावयाचे आहे. भरलेले नसल्यास, निवडणूक निर्णय अधिकारी, उमेदवाराला सर्व बाबतीत परिपूर्ण असे नवीन शपथपत्र सादर करण्याची सूचना देईल. मा. सर्वोच्च न्यायालयाने असा निर्णय दिला आहे की, जर कोणत्याही बाबीच्या समोर कोणतेही माहिती द्यावयाची असेल, लागू असेल त्याप्रमाणे अशा स्तंभात “ निरंक ” किंवा ‘ लागू नाही ’ किंवा ‘ माहित नाही ’ यासारखे यथोचित शेरे दर्शविण्यात येतील. त्यांनी कोणताही रकाना रिकामा ठेवू नये. स्मरणपत्र देऊनही जर एखादा उमेदवार रिक्त रकाने भरण्यास निष्फळ ठरला तर, नामनिर्देशनपत्रांच्या छाननीच्यावेळी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडून त्याचे नामनिर्देशनपत्र फेटाळण्यास पात्र असेल. ) जर उमेदवाराने गेल्या १० वर्षांत कधीही सरकारी निवासस्थान घेतले असेल, तर उमेदवाराने शपथपत्रासोबत उक्त शासकीय निवासस्थानाबाबतचे 'ना देय प्रमाणपत्र' ही देणे आवश्यक आहे.
- ३.५.३ भारत निवडणूक आयोगाच्या संकेतस्थळावर लॉगीनद्वारे माहिती भरून उमेदवार, शपथपत्रांच्या ( नमुना २६ ) ई-फायलिंगच्या पर्यायी सुविधेचा लाभ देखील घेऊ शकतील. अशा बाबतीत, योग्य किमतीच्या मुद्रांकपत्रावर मुद्रित प्रत घ्यावयाची आहे आणि ती निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमोर दाखल करण्यासाठी शपथपत्र आयुक्तासमोर किंवा प्रथम वर्ग दंडाधिकाऱ्यासमोर किंवा लेखप्रमाणकासमोर शपथबद्ध करावयाची आहे. नामनिर्देशनपत्र भरण्याच्या

शेवटच्या दिवशी दुपारी ३-०० वाजेच्या आत लेखप्रमाणित शपथपत्र दाखल करावयाचे आहे याची नोंद घेण्यात यावी. प्रत्यक्ष स्वरूपातील लेखप्रमाणित शपथपत्र भरण्यासाठी असणाऱ्या सांविधिक आवश्यकतेसाठी ई-फायलिंग हा पर्याय असणार नाही.

- ३.५.४ शपथपत्रांच्या प्रती ह्या, सामान्य जनेतला सहजपणे उपलब्ध होतील अशा मतदारसंघामधील सार्वजनिक ठिकाणाच्या परिवारस्तूमध्ये प्रदर्शित करण्यात येतील. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याचे कार्यालय जरी, मतदारसंघाच्या सीमेबाहेर असेल तरी, अशा सर्व बाबतीत, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या सूचनाफलकावर या प्रती प्रदर्शित करण्यात येतील.
- ३.५.५ **उमेदवारांनी संकेतस्थळावर भरलेली शपथपत्रे अपलोड करणे.**— सर्व उमेदवारांनी दाखल केलेली शपथपत्रे, उमेदवारांनी ती भरल्यानंतर लगेचच आणि कोणत्याही परिस्थितीत २४ तासांच्या आत संकेतस्थळावर टाकण्यात येतील. जरी एखाद्या उमेदवाराने त्याची उमेदवारी मागे घेतली असली तरीही, संकेतस्थळावर अगोदर टाकलेले (अपलोड) शपथपत्र काढून टाकण्यात येणार नाही.
- ३.५.६ रिट याचिका (दिवाणी) क्र. २०११ चा ५३६ मधील न्यायनिर्णयात, मा. सर्वोच्च न्यायालयाने, इतर गोर्ष्ठीबरोबरच पुढील निदेश दिलेले आहेत :—
- (एक) निवडणूक लढविणारा प्रत्येक उमेदवार, निवडणूक आयोगाने दिल्याप्रमाणे नमुना भरील आणि त्यामध्ये आवश्यक असलेल्या सर्व तपशीलाचा अंतर्भाव केला पाहिजे.
- (दोन) उमेदवाराविरुद्ध प्रलंबित असणाऱ्या फौजदारी खटल्यांशी संबंधित माहिती ठळक अक्षरांत नमूद करण्यात येईल.
- (तीन) जर एखादा उमेदवार, एखाद्या विशिष्ट पक्षाच्या तिकिटावर निवडणूक लढवित असेल तर, त्याने/तिने त्याच्या/तिच्या विरुद्ध प्रलंबित असणाऱ्या फौजदारी खटल्यांविषयी पक्षाला माहिती कळविणे आवश्यक आहे.
- (चार) गुन्हेगारी पूर्वचरित्र असलेल्या उमेदवारांसंबंधीची उपरोक्त माहिती, संबंधित राजकीय पक्षाने त्यांच्या संकेतस्थळावर टाकणे बंधनकारक असेल.
- (पाच) उमेदवार तसेच संबंधित राजकीय पक्ष, स्थानिक ठिकाणी व्यापक स्वरूपात प्रसारित होणाऱ्या वृत्तपत्रांमध्ये, उमेदवारांच्या पूर्वचारित्र्याबद्दलचे घोषणापत्र देईल, प्रसिद्ध करील आणि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमांमध्येही विस्तृत प्रसिद्धी देईल.
- जेव्हा आम्ही विस्तृत प्रसिद्धी असे म्हणतो याचा अर्थ नामनिर्देशनपत्रे भरल्यानंतर किमान तीन वेळा अशाप्रकारे प्रसिद्ध करण्यात येईल असा आहे.
- ३.५.७ वर नमूद केलेल्या न्यायनिर्णयास अनुसरून आयोगाने, संसदेच्या (लोकसभेच्या) किंवा राज्य विधानमंडळाच्या निवडणुकीच्यावेळी ज्यांच्या विरुद्ध फौजदारी खटले आहेत किंवा एकतर पूर्वी दोषारोप सिद्ध झालेले खटले आहेत किंवा प्रलंबित खटले आहेत अशा उमेदवारांनी, आणि अशा उमेदवारांना उभे केलेल्या राजकीय पक्षांनी पालन करावयाचे निदेश पुढीलप्रमाणे दिलेले आहेत :—
- (क) ज्याच्या विरुद्ध गुन्हेगारी खटले आहेत मग ते प्रलंबित खटले असो किंवा ज्यात उमेदवारास सिद्धपराध ठरविण्यात आले आहे असे खटले असो, असे लोकसभेच्या, राज्यसभेच्या, विधानसभेच्या किंवा विधानपरिषदेच्या निवडणुकांतील उमेदवार, मतदारसंघ क्षेत्रात व्यापक स्वरूपात प्रसारित होणाऱ्या वृत्तपत्रांमध्ये व्यापक प्रसिद्धीसाठी अशा खटल्याबद्दलचे तपशील प्रसिद्ध करील. हे घोषणापत्र, उमेदवारी मागे घेण्यासाठीच्या अंतिम दिनांकापासून ते मतदानाच्या दिवशीच्या पूर्वी दोन दिवस अगोदरपर्यंत किमान तीन विविध तारखांना येथे जोडलेल्या नमुना क-१ (जोडपत्र-२७) मध्ये प्रसिद्ध करावयाचे आहे. तीन प्रकाशने खालील तीन भागामध्ये (Blocks) असतील :—

- एक. उमेदवारी मागे घेतल्यानंतर पहिल्या ४ दिवसांत पहिले प्रकाशन असेल.
- दोन. दुसरे प्रकाशन ५ ते ८ दिवसांदरम्यान असेल.
- तीन. तिसरे प्रकाशन, प्रचाराच्या ९ व्या दिवसापासून ते प्रचाराच्या शेवटच्या दिवसापर्यंत मतदानाच्या तारखेच्या पूर्वी दुसऱ्या दिवसापर्यंत या कालावधीत करावयाचे आहे.

(उदारहण : जर अंतिम तारीख/किंवा उमेदवारी मागे घेण्याची महिन्यातील १० तारीख असेल आणि मतदान महिन्याच्या २४ तारखेला असेल तर, प्रतिज्ञापत्र प्रकाशित करण्याचा पहिला भाग हा महिन्याच्या ११ आणि १४ तारखेच्या दरम्यान केला जाईल, तर दुसरा आणि तिसरा भाग हा अनुक्रमे त्या महिन्याच्या १५ व १८ व्या आणि १९ व २२ व्या दिवसांदरम्यान प्रकाशित केला जाईल.)

मजकूर, किमान १२ टंक (फॉन्ट) एवढ्या आकारात प्रसिद्ध करण्यात यावा आणि वृत्तपत्रांमध्ये सुयोग्य जागी ठेवण्यात यावा जेणेकरून व्यापक प्रसिद्धीच्या निदेशांचे शब्दशः व पुरेपुर पालन होईल.

(ख) गुन्हागारी खटले असलेल्या अशा सर्व उमेदवारांनी, वर उल्लेख केलेल्या कालावधीत तीन निरनिराळ्या दिवशी दूरदर्शन वाहिन्यांवर देखील उपरोक्त घोषणापत्र प्रसिद्ध करणे आवश्यक आहे. दूरदर्शन वाहिन्यांमध्ये घोषणापत्र प्रसिद्ध करण्याच्या बाबतीत, मतदान समाप्त होण्यासाठीच्या निश्चित केलेला वेळ समाप्त होण्याच्या ४८ तासांच्या कालावधीपूर्वी पूर्ण करण्यात यावे. दूरदर्शन वहिनीवर प्रकाशित करताना, मजकूर (matter) हा किमान सात सेकंद पटलावर राहिल आणि हे सकाळी ८ ते रात्री १० या कालावधीत केले जावे.

(ग) नमुना २६ च्या बाब ५ व ६ मधील घोषणापत्रानुसार, ज्यांच्यावर गुन्हागारी खटले आहेत अशा सर्व उमेदवारांच्या बाबतीत निवडणूक निर्णय अधिकारी, वृत्तपत्रांमध्ये व दूरदर्शन वाहिन्यांवर व्यापक प्रसिद्धीसाठी गुन्हागारी खटल्यांबाबतचे घोषणापत्र प्रसिद्ध करण्याच्या यातील निदेशांबाबत एक लेखी स्मरणपत्र देईल. उमेदवारांना असे स्मरणपत्र देण्यासाठीचा एक प्रमाण नमुना नमुना सी-३ (जोडपत्र २७) म्हणून जोडलेला आहे. उमेदवार त्याच्या निवडणूक खर्चाच्या हिशेबासह जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्यांना नमुना सी-४ या मध्ये फोजदारी खटल्यांबाबत प्रतिज्ञापत्र प्रकाशित करण्याबाबतचा अहवाल सादर करतील.

### ३.६ नामनिर्देशनपत्रातील उमेदवाराचे नाव

३.६.१ सर्वसाधारणपणे, नामनिर्देशनपत्रात नमूद केलेले नाव हे मतदार यादीत जसे प्रविष्ट केले जाते तसे असेल. तथापि, उमेदवाराने त्याचे/तिचे नाव, मतदारांच्या यादीत जसे नोंदविण्यात आले असेल तसेच नामनिर्देशनपत्रात दिले पाहिजे. तथापि, मतदारांच्या यादीत आपले नाव चुकीच्या पद्धतीने लिहिण्यात आले आहे किंवा अन्यथा चुकीच्या पद्धतीने दाखवण्यात आले आहे असे त्याला/तिला वाटत असेल तर त्याने/तिने आपले बरोबर नाव नामनिर्देशनपत्रात द्यावे. निवडणूक निर्णय अधिकारी मतदारांच्या यादीतील अशा चुकीकडे दुर्लक्ष करील. अशा प्रकरणात उमेदवाराने त्याच्या/ तिच्या नामनिर्देशनपत्राबरोबर, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांकडे एक अर्ज देऊन त्यात मतदारांच्या यादीतील त्याच्या/ तिच्या नावातील चुकीसंबंधीची वस्तुस्थिती नमूद करणे उचित होईल.

### ३.७ ज्या तारखेस नामनिर्देशनपत्र सादर करावयाचे ती तारीख

३.७.१ निवडणुकीच्या अधिसूचनेच्या दिनांकापासून किंवा त्यानंतर नामनिर्देशनपत्र भरण्याच्या अंतिम दिनांकापर्यंतच्या कोणत्याही दिवशी सार्वजनिक सुट्ट्या वगळून (हे यापूर्वीच स्पष्ट केले आहे) नामनिर्देशनपत्र दाखल करता येईल.

### ३.८ नामनिर्देशन सादर करण्याची वेळ

३.८.१ वर नमूद केलेल्या दिवसांपैकी कोणत्याही दिवशी दुपारी ११-०० ते ३-०० च्या दरम्यान कोणत्याही वेळी नामनिर्देशनपत्र सादर करता येईल. उमेदवारांनी याची नोंद घ्यावी की, नामनिर्देशनपत्र दाखल करण्याच्या शेवटच्या दिवशी, नामनिर्देशनपत्र दाखल करण्यासाठी गर्दी होणे स्वाभाविक आहे. त्यांनी जेथे नामनिर्देशनपत्र स्वीकारण्यात येतील त्या कक्षामध्ये/सभागृहामध्ये, आवश्यक कागदपत्रांसह दुपारी ३-०० वाजण्याच्या पुरेशी अगोदर असल्याची



सुनिश्चिती करावी आणि नामनिर्देशनपत्र यथोचितरीत्या दाखल करण्याच्या सर्व औपचारिकता पूर्ण करण्यात येईपर्यंत त्यांनी सभागृह सोडू नये. निवडणूक निर्णय अधिकारी, कक्षाचा/सभागृहाचा दरवाजा ठीक दुपारी ३-०० वाजता बंद करण्याच्या निदेशांच्या अधीन असतील. त्यानंतर निवडणूक निर्णय अधिकारी, कोणत्याही व्यक्तीला कक्षात प्रवेश देण्याची परवानगी देणार नाही किंवा कोणतीही कागदपत्रे कक्षात आणण्यास परवानगी देणार नाही.

### ३.९ नामनिर्देशनपत्र कोणाला सादर करता येईल

३.९.१ उमेदवाराला नामनिर्देशनपत्र एकतर स्वतःला किंवा त्याच्या/तिच्या प्रस्ताव काळात सादर करता येईल, इतर कोणालाही सादर करता येणार नाही. शक्य असेल तेव्हा, उमेदवाराने स्वतः नामनिर्देशनपत्र सादर करणे उचित होईल, कारण त्यामुळे कोणताही अकल्पित अडथळा किंवा अचडण उद्भवणार नाही आणि त्याची/तिची उमेदवारी संकटात येणार नाही.

### ३.१० नामनिर्देशनपत्र कोणाकडे सादर करावयाचे

३.१०.१ उमेदवाराचे नामनिर्देशनपत्र मतदारसंघाच्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे किंवा याबाबत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने प्राधिकृत केले असेल अशा सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे सुपूर्द केले पाहिजे. हा प्राधिकृत सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी, निवडणूक घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ सोबत जोडलेल्या नमुना १ मधील, कलम ३१ अन्वये काढलेल्या निवडणुकीच्या जाहीर सूचनेत विनिर्दिष्ट करण्यात आला आहे.

### ३.११ नामनिर्देशनपत्र कोठे सुपूर्द करावयाचे

३.११.१ नामनिर्देशनपत्र पूर्वीक्त नमुना १ मध्ये विनिर्दिष्ट केलेल्या ठिकाणीच सुपूर्द केले पाहिजे आणि इतर कोणत्याही ठिकाणी सुपूर्द करता कामा नये. उमेदवार किंवा त्याचा प्रस्तावक नामनिर्देशनपत्र टपालाने पाठवू शकत नाही. नामनिर्देशनपत्र नमुना १ मधील सूचनेत विनिर्दिष्ट केलेल्या अधिकाऱ्याच्या निवासस्थानी किंवा त्यात नमूद केलेल्या ठिकाणाव्यतिरिक्त इतर कोणत्याही ठिकाणी सुपूर्द करता येणार नाही. जर ते इतर कोणत्याही ठिकाणी सुपूर्द करण्यात आले, तर ते नाकारण्यात येईल.

### ३.१२ नामनिर्देशनपत्रे सादर करतेवेळी वाहनांच्या व लोकांच्या संख्येवर निर्बंध असणे.

३.१२.१ उमेदवाराच्या वाहनांच्या ताफ्यातील किंवा त्याच्यासोबत असलेल्या, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या किंवा सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या कार्यालयापासून १०० मीटरच्या क्षेत्रामध्ये येण्यास मुभा असलेल्या वाहनांची कमाल संख्या तीन इतकी मर्यादित करण्यात आली आहे. आणि नामनिर्देशन सादर करते वेळी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या किंवा सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या कार्यालयात ज्यांना प्रवेश करता येईल अशा व्यक्तींची कमाल संख्या पाच (उमेदवारासह) इतकी मर्यादित करण्यात आली आहे. उमेदवार त्याचे/तिचे समर्थक/कार्यकर्ते हे नामनिर्देशन दाखल करणाऱ्या सभागृहामध्ये/कक्षामध्ये निर्दिष्ट केलेल्या संख्येपेक्षा जास्त संख्येने प्रवेश करणार नाहीत, याची सुनिश्चिती करण्याची जबाबदारी उमेदवाराची आहे.

### ३.१३ नामनिर्देशनपत्र कोणी स्वाक्षरीत करावयाचे

३.१३.१ नामनिर्देशनपत्रावर प्रस्तावकाची (प्रस्तावकांची) तसेच स्वतःची सही असली पाहिजे. प्रस्तावकाची (प्रस्तावकांची) आणि उमेदवाराची स्वतःची सही, अशा सहीसाठी नामनिर्देशनपत्राच्या नमुन्यात दर्शविलेल्या योग्य त्या ठिकाणीच असली पाहिजे. प्रस्तावकाच्या सहीसाठी दर्शविलेल्या जागेत उमेदवाराची सही आणि उमेदवाराच्या सहीसाठी दर्शविलेल्या जागेत प्रस्तावकाची सही करणार नाही याची उमेदवाराने काळजी घ्यावी. जर एखाद्या प्रस्तावकाने एकाच उमेदवाराच्या किंवा निरनिराळ्या उमेदवारांच्या एकापेक्षा अधिक नामनिर्देशनपत्रांवर स्वाक्षरी केली तर, त्याला कायदेशीर अडचण येणार नाही.

### ३.१४ प्रस्तावकांची संख्या

३.१४.१ लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ३३ अन्वये लोकसभेच्या किंवा राज्य विधानसभेच्या निवडणुकीच्या

वेळी उमेदवाराचे नामनिर्देशन पुढील व्यक्तीने स्वाक्षरीत करणे आवश्यक असेल -s

(एक) उमेदवार एकतर, मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय पक्षाकडून किंवा राज्यातील किंवा राज्यातील मान्यताप्राप्त राज्याय पक्ष, जो राज्याय पक्ष म्हणून राज्यामध्ये किंवा राज्यांमध्ये मान्यता पावलेला आहे, अशा पक्षाकडून उभा असेल तर प्रस्तावक म्हणून मतदार संघाचा एक मतदार, ( नमुना २-ए व २-बी चा भाग-एक पहा ) .

(दोन) उमेदवार, नोंदणीकृत मान्यताप्राप्त नसलेल्या राजकीय पक्षाकडून किंवा अपक्ष उमेदवार म्हणून उभा असेल तर ( नमुना २-ए व २-बी चा भाग दोन पहा ) प्रस्तावक म्हणून मतदार संघाचे १० ( दहा ) मतदार.

३.१४.२ एका राज्यामधील मान्यताप्राप्त राज्याय पक्षाने, जेथे तो अशाप्रकारे मान्यता पावलेला पक्ष नसेल अशा दुसऱ्या राज्यामध्ये निवडणुकीसाठी उमेदवार उभा केला असेल तर, अशा दुसऱ्या राज्यात त्या पक्षाने उभ्या केलेल्या उमेदवाराचे ( उमेदवारांचे ) नामनिर्देशन देखील प्रस्तावक म्हणून त्या मतदारसंघाच्या १० ( दहा ) मतदारांनी स्वाक्षरीत करणे आवश्यक असेल.

### ३.१५ प्रस्तावक त्या मतदारसंघातील मतदार असला पाहिजे

३.१५.१ प्रस्तावक, उमेदवार ज्या मतदार संघातून निवडणूक लढवत असेल त्याच संसदीय मतदारसंघातील किंवा विधानसभा सदरासंघातील मतदार असला पाहिजे. उमेदवार ज्या मतदारसंघातून निवडणूक लढवत असेल त्या मतदारसंघाच्या विद्यमान मतदार यादीत त्याच्या/तिच्या प्रस्तावकाचे ( प्रस्तावकांचे ) नाव नोंदविलेले आहे याची त्याने/तिने खात्री करून घ्यावी.

३.१५.२ म्हणून उमेदवाराला जो उमेदवाराचा प्रस्तावक असेल त्या मतदाराचा सविस्तर तपशील नियमानुसार आहे हे तपासावे आणि तेथील छायाचित्र मतदार यादीतील अशा मतदारांचे छायाचित्र जुळत आहे ते पहावे, या दृष्टीने, उमेदवार ज्या मतदारसंघात निवडणूक लढविण्यात इच्छुक असेल त्या मतदारसंघाच्या छायाचित्र मतदार यादीचे त्याने/तिने बारकाईने परीक्षण करावे, असा सल्ला देण्यात येतो.

### ३.१६ जर उमेदवार किंवा त्याचा/तिचा प्रस्तावक किंवा दोघेही आपल्या नावाची सही करण्यात असमर्थ असतील तर त्याने/तिने काय करावे.

३.१६.१ कायदान्वये [ निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१ यातील नियम २ ( २ ) पहा ] जे जर उमेदवाराचा प्रस्तावक किंवा उमेदवार सही करण्यास असमर्थ असेल तर, जर उमेदवार, त्याच्या/तिच्या प्रस्तावकाने किंवा उमेदवाराने निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या किंवा सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या किंवा निवडणूक आयोग याबाबत प्राधिकृत करील अशा इतर अधिकाऱ्याच्या समक्ष नामनिर्देशनपत्रावर एखादी खूण केली असेल किंवा अंगठ्याचा ठसा दिला असेल आणि प्रस्तावकाच्या किंवा उमेदवाराच्या ओळखीविषयी खात्री पटल्यावर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने किंवा सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने आणि अशा इतर अधिकाऱ्याने ती त्या प्रस्तावकाची किंवा उमेदवाराची खूण असल्याबद्दल ती खूण किंवा अंगठ्याचा ठसा सांक्षांकित केली वा केला असेल तर, त्या प्रस्तावकाने किंवा उमेदवाराने नामनिर्देशनपत्रावर सहा केली असल्याचे समजण्यात येईल. अशा प्रकरणांमध्ये निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या/सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या किंवा प्राधिकृत अधिकाऱ्याच्या उपस्थितीत अशी खूण करावी/अंगठ्याचा ठसा द्यावा आणि त्यांनी तिथल्या तिथे सांक्षाकन करावे, याची नोंद घ्यावी.

### ३.१७ नामनिर्देशनपत्रात उमेदवाराने करावयाची प्रतिज्ञापत्रे.

३.१७.१ प्रस्तावकाने केलेल्या उमेदवाराच्या नामनिर्देशनास अनुमती देताना उमेदवाराला नामनिर्देशनपत्रातच आवश्यक असल्याप्रमाणे सर्व आवश्यक प्रतिज्ञापन करणे आवश्यक आहे. प्रतिज्ञापत्रामध्ये इतरबाबींसह पुढील बाबी समाविष्ट असल्याचे दिसून येईल.

(क) उमेदवार हा भारतीय नागरिक आहे आणि त्याने इतर कोणत्याही देशाचे नागरिकत्व घेतलेले नाही. ही वस्तुस्थिती.

(ख) यापूर्वीच असे दर्शविण्यात आले आहे की, लोकसभेच्या किंवा विधानसभेच्या निवडणुकीसाठी उमेदवार



पंचवीस वर्षांपेक्षा कमी वयाचा असता कामा नये. नामनिर्देशनपत्रात उमेदवाराने त्याचे/तिचे बिनचूक वय द्यावे. जर मतदारांच्या यादीत त्याचे/ तिचे वय बरोबर नमूद करण्यात आलेले नाही, असे उमेदवाराला आढळून आले तर, त्याने/तिने नामनिर्देशनपत्रात फक्त सध्याचे वय द्यावे आणि मतदारांच्या यादीत दर्शवलेले चुकीचे वय देऊ नये ;

टीप.—जर उमेदवाराचे वय वैधरीत्या किमान वयाच्या जवळपास असेल, म्हणजे जर उमेदवार अगदी पंचवीस वर्षे किंवा त्यापेक्षा थोडे जास्त वयाचा असेल आणि प्रतिस्पर्धी उमेदवाराकडून त्याच्या/तिच्या वयाबाबत आक्षेप घेण्यात येईल अशी त्याला धास्ती वाटत असेल तर त्याने/तिने त्याच्या/तिच्या वयाच्या पुरेशा पुराव्यानिशी सज्ज रहावे.

(ग) म्हणजे, जर उमेदवार कोणत्याही राजकीय पक्षातर्फे उभे राहत असेल तर त्या उमेदवाराच्या राजकीय पक्षासंबंधी ;

टीप.—परंतु जर उमेदवार अपक्ष उमेदवार म्हणून उभे राहत असेल तर, त्याला/तिला एखाद्या राजकीय पक्षाने उभे केले असल्याबद्दलचे प्रतिज्ञापन देण्याचा प्रश्नच उद्भवणार नाही.

(घ) पसंतीक्रमाने तीन निशाणीच्या निवडीसंबंधी ( नोंदणीकृत मान्यता नसलेल्या पक्षाचे उमेदवार आणि अपक्ष उमेदवारासाठी ) ;

(ड.) नामनिर्देशनपत्रात दिल्याप्रमाणे त्याचे/तिचे नाव, त्याच्या/तिच्या वडिलांचे/आईचे/पतीचे नाव यांच्या अचूक वर्णलेखनासंबंधीचे प्रतिज्ञापन ;

(च) उमेदवार जी निवडणूक लढवत असेल ती जागा भरण्यासाठी निवडला जाण्यास तो/ती आहे आणि ते/ती निरहं नाही याबाबत ;

(छ) दोनपेक्षा अधिक संसदीय/विधानसभा मतदार संघातून यथास्थिति लोकसभेच्या किंवा राज्य विधानसभेच्या एकाचवेळी घेण्यात येणाऱ्या विद्यमान सार्वत्रिक निवडणुकीचा/पोट-निवडणुकीचा उमेदवार म्हणून उमेदवाराने नामनिर्देशन केलेले नाही किंवा करणार नाही.

३.१७.२ वर नमूद केलेल्या बाबींच्या बाबतीत द्यावयाच्या प्रतिज्ञापनांशिवाय आणखी जर उमेदवार अनुसूचित जातींसाठी किंवा अनुसूचित जमातींसाठी राखीव असलेल्या मतदार संघातून निवडणुकीसाठी उमेदवार म्हणून उभे राहणार असेल तर, त्याला/तिला नामनिर्देशनपत्रात आणखी एक प्रतिज्ञापन करावे लागेल. जर उमेदवार अनुसूचित जातीचा किंवा अनुसूचित जमातीचा असेल तर तो/ती सर्वसाधारण मतदारसंघातून निवडणूक लढवत असेल तरीही त्याच्या/ तिच्या नामनिर्देशनपत्रात त्याने/तिने तशा अर्थाचे प्रतिज्ञापन करावे, कारण त्यामुळे त्याला/तिला त्या सर्वसाधारण मतदारसंघातही प्रतिभूती ठेवीच्या सवलतीच्या रकमेचा हक्क प्राप्त होईल. प्रतिज्ञापन करताना ते अचूक होईल याबाबत अत्यंत जागरूक राहावे. नामनिर्देशनपत्रासोबत उमेदवाराला तो/ती अनुसूचित जातीचा किंवा अनुसूचित जमातीचा आहे या गोष्टीच्या पुराव्यादाखल प्रमाणपत्राची/समुचित दस्तऐवजाची प्रत नामनिर्देशन पत्रासोबत सादर करता येईल. निवडणूक निर्णय अधिकारी अशा पुराव्याची मागणी करू शकेल.

**३.१८ शासकीय नियंत्रणाखालील कार्यालयातून झालेल्या बडतर्फीच्या ५ वर्षांच्या आत निवडणूक लढवत असेल तर उमेदवाराने काय करावे.**

३.१८.१ जर व्यक्तीला भारत सरकारच्या किंवा राज्य शासनाच्या अंतर्गत सेवेतून बडतर्फे केले गेले असेल आणि ती व्यक्ती बडतर्फीच्या तारखेपासून पाच वर्षांच्या कालावधीत निवडणूक लढवू इच्छित असेल तर भ्रष्टाचार किंवा राजद्रोह याबद्दल त्याला/तिला बडतर्फे करण्यात आले नव्हते अशा अर्थाचे, निवडणूक आयोगाने विहित रितीने दिलेले प्रमाणपत्र त्याच्या/तिच्या नामनिर्देशनपत्रासोबत असल्याशिवाय उमेदवार म्हणून तो/ती यथोचितरीत्या नामनिर्देशित असल्याचे समजण्यात येणार नाही. अशाप्रकारे शासकीय सेवेतून बडतर्फे केलेल्या आणि बडतर्फीच्या पाच वर्षांच्या आत निवडणूक लढवण्याची इच्छा असलेल्या व्यक्तीच्या बाबतीत त्यांनी वर नमूद केल्याप्रमाणे प्रमाणपत्रासाठी अर्जासह आधीच निवडणूक आयोगाकडे संपर्क साधावा लागेल. [ लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ९ आणि ३३ (३) चा संदर्भ पत्र ].

### ३.१९ जर उमेदवार वेगळ्या मतदारसंघातील मतदार असेल तर, मतदार यादीची प्रत सादर करणे.

३.१९.१ उमेदवार ज्या मतदारसंघातून उमेदवार म्हणून उभे राहात असेल त्या मतदारसंघापेक्षा वेगळ्या मतदारसंघाच्या मतदारांच्या यादीत मतदार म्हणून त्याचे/तिचे नाव नोंदवण्यात आले असेल तर, त्याला/तिला, त्याच्या/तिच्या नामनिर्देशनपत्राबरोबर, आधीच्या मतदारसंघाच्या संपूर्ण मतदारांच्या यादीची एक प्रत किंवा त्या मतदार यादीच्या संबद्ध भागाची प्रत (संबद्ध भाग याचा अर्थ, मतदार यादीच्या ज्या भागात त्याचे/तिचे नाव असेल तो भाग) किंवा अशा यादीतील त्याच्या/तिच्या नावाशी संबंधित अशा संबद्ध नोंदीची प्रमाणित प्रत दाखल करावी लागेल. जर कोणत्याही कारणामुळे त्या नामनिर्देशनपत्राबरोबर या कागदपत्रांपैकी कोणतेही कागदपत्र दाखल करणे शक्य नसेल, तर, उमेदवाराने नामनिर्देशनाच्या छाननीच्या वेळी, या कागदपत्रांपैकी कोणतेही कागदपत्र निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमोर सादर केले पाहिजे. अन्यथा त्याचे/तिचे नामनिर्देशनपत्र फेटाळण्यात येईल.

### ३.२० एकाच मतदारसंघातून उमेदवार म्हणून उभे राहण्यासाठी एखाद्या उमेदवाराला किती नामनिर्देशनपत्रे सादर करता येतील.

३.२०.१ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ३३ च्या पोट-कलम (६) अन्वये, एकाच मतदारसंघातील निवडणुकीकरिता उमेदवाराला किंवा त्याच्यावतीने फक्त जास्तीत जास्त चार निर्देशन पत्रे सादर करता येतील अथवा निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला किंवा विनिर्दिष्ट सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला प्राप्त करता येतील.

### ३.२१ अनामत रक्कम

३.२१.१ कायदानुसार निवडणुकीतील उमेदवारास आवश्यक ती विहित अनामत रक्कम ठेवावीच लागते. अनामत रक्कम न ठेवल्यास उमेदवाराचे नामनिर्देशन विधीअग्राह्य ठरेल. संसदीय मतदारसंघातून निवडणुकीसाठी उमेदवार म्हणून उभे राहण्याची त्याची/तिची इच्छा असेल तर त्याला/तिला अनामत रक्कम म्हणून, पंचवीस हजार रुपये (रुपये २५,०००) इतकी रक्कम ठेवणे आवश्यक असेल, परंतु अनुसूचित जातीचा किंवा अनुसूचित जमातीचा सदस्य असलेल्या उमेदवाराला सवलत देण्यात येते. जी, अनुसूचित जातीची किंवा अनुसूचित जमातीची आहे अशा व्यक्तीची संसदीय मतदारसंघातून उमेदवार म्हणून उभे राहण्याची इच्छा असेल तर, तिला बारा हजार पाचशे (रुपये १२,५००) रुपयांची अनामत रक्कम ठेवावी लागेल. जर तो/ती विधानसभा मतदारसंघाचे उमेदवार असेल तर, त्याला/तिला दहा हजार (रुपये १०,०००) रुपयांची अनामत रक्कम ठेवावी लागेल आणि जर तो/ती अनुसूचित जातीचा किंवा अनुसूचित जमातीचा असेल तर, त्याला/तिला पाच हजार (रुपये ५०००) रुपयांची अनामत रक्कम ठेवावी लागेल. अनुसूचित जातीचा किंवा अनुसूचित जमातीचा उमेदवार, अनुसूचित जातीसाठी किंवा अनुसूचित जमातीसाठी राखीव नसलेल्या म्हणजे सर्वसाधारण संवर्गातील जागेसाठी निवडणूक लढवत असला तरीही त्याला अनामत रक्कम म्हणून कमी रक्कम ठेवावी लागते याची नोंद घेण्यात यावी.

३.२१.२ यापूर्वीच असे निदर्शनास आणून देण्यात आले आहे की, उमेदवाराला एकाच मतदारसंघातून जास्तीत जास्त चार नामनिर्देशनपत्रे सादर करता येतात, परंतु अशा बाबतीत, त्याला/तिला चार वेगवेगळ्या अनामत रकमा ठेवाव्या लागणार नाहीत. पहिल्या नामनिर्देशनपत्राच्या संबंधात त्याने/तिने फक्त एकच रक्कम ठेवल्यास ते पुरेसे होईल. इतर नामनिर्देशनपत्राच्या बाबतीत कोणतीही रक्कम ठेवण्याची आवश्यकता असणार नाही. फक्त उमेदवार जे नामनिर्देशनपत्र प्रथम सादर करील त्या नामनिर्देशनपत्रासोबत अनामत ठेवलेल्यो रकमेबद्दलची कोषागाराची मूळ पावती किंवा चलान त्याला/तिला जोडावी लागेल. त्यानंतर उमेदवार जे नामनिर्देशनपत्र सादर करील त्या प्रत्येक नामनिर्देशनपत्रासोबत त्याला/तिला रकमेबद्दलच्या कोषागाराची मूळ पावतीची किंवा चलनाची खरी प्रत जोडता येईल. भारताच्या रिझर्व्ह बँकेकडून किंवा सरकारी कोषागाराकडून उमेदवाराला कोषागाराच्या पावतीची किंवा चलनाची जी अधिकृत दुसरी प्रत मिळाली असेल ती त्याने/तिने, त्याच्या/तिच्या भावी संदर्भासाठी व उपयोगासाठी नेहमी जपून ठेवावी.

३.२१.३ उमेदवाराला, नामनिर्देशनपत्र सादर करण्याच्या वेळी त्याला/तिला ती रक्कम निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे रोखीने जमा करता येईल किंवा त्याला/तिला ती रक्कम भारताच्या रिझर्व्ह बँकेत किंवा सरकारी कोषागारात जमा करता येईल. उमेदवाराला नामनिर्देशनपत्र निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे सादर करण्यापूर्वी तसे करावे लागेल आणि

यापूर्वीच दर्शविल्याप्रमाणे, भारताच्या रिझर्व्ह बँकेकडून किंवा सरकारी कोषागाराकडून त्याला/तिला जौ कोषागाराची पावती किंवा चलान दोन प्रतीत मिळेल ती पावती किंवा चलान त्याला/तिला त्याच्या/ तिच्या नामनिर्देशनपत्रासोबत जोडावे लागेल. जर त्याने/तिने त्याचे/तिचे नामनिर्देशनपत्र सादर करण्याच्या वेळी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे रोख रक्कम जमा केली नाही किंवा जर त्याने/तिने नामनिर्देशनपत्रासोबत कोषागाराची पावती किंवा चलान जोडले नाही तर, त्याचे/तिचे नामनिर्देशनपत्र फेटाळण्यात येईल.

- ३.२१.४ लोकसभेच्या निवडणुकीसाठी खालील लेखाशीर्षाखाली रक्कम जमा करण्यात यावी “ ८४४३-नागरी ठेवी-१२१ निवडणुकांच्या संबंधातील ठेवी-२ संसदेकरिता उमेदवाराने जमा केलेल्या ठेवी ”. राज्य विधान मंडळाच्या उमेदवारांनी जमा केलेल्या ठेवी खालील लेखा शीर्षाखाली ठेव जमा करण्यात यावी ; “ ८४४३-नागरी ठेवी-१२१ निवडणुकांच्या संबंधातील ठेवी-१ राज्य/संघ राज्यक्षेत्र विधानमंडळासाठी उमेदवारांनी ठेवलेल्या ठेवी. ”

### ३.२२ निवडणूक निशाण्या

- ३.२२.१ नामनिर्देशनपत्राचा नमुना पाहिल्यावर मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय अथवा राज्यीय पक्षाने उभ्या न केलेल्या उमेदवाराला निशाण्यांच्या विनिर्दिष्ट यादीतून त्याला/तिला पसंतीक्रमाने तीन निशाण्यांची निवड करावयाची आहे. निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१ नुसार, निवडणूक आयोगाने, **भारताच्या राजपत्रातील** आणि प्रत्येक राज्यांच्या **शासकीय राजपत्रांतील** अधिसूचनेद्वारे, संसदीय किंवा विधानसभा मतदारसंघातील निवडणुकांसाठी उमेदवारांकडून निवडण्यात येतील अशा निशाण्या आणि त्यांची निवड ज्या निर्बंधाच्या अधीन असेल ते निर्बंध विनिर्दिष्ट करणे आवश्यक असेल.
- ३.२२.२ जर उमेदवाराने एकापेक्षा जास्त नामनिर्देशनपत्रे सादर केली असतील तर, प्रथम सादर केलेल्या नामनिर्देशनपत्रात केलेले निशाण्यासंबंधाचे प्रतिज्ञापनच, प्रथम सादर केलेले नामनिर्देशनपत्र निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने फेटाळले असेल तरीही, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांना निशाण्या नेमून देण्याच्या वेळी विचारात घेतले जाईल आणि निशाण्यासंबंधीचे इतर कोणतेही प्रतिज्ञापन विचारात घेतले जाणार नाही असेही या नियमांत म्हटले आहे . दुसऱ्या शब्दांत सांगावयाचे म्हणजे, उमेदवाराचे पहिले नामनिर्देशनपत्र फेटाळण्यात आले परंतु, उमेदवाराचे दुसरे, तिसरे किंवा चौथे नामनिर्देशनपत्र वैध म्हणून निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने स्वीकारले असले तरीही, निशाण्या नेमून देण्याच्या वेळी त्याने/तिने, त्याच्या/तिच्या पहिल्या नामनिर्देशनपत्रात केलेली निशाण्यासंबंधीची निवड विचारत घेतली जाईल.
- ३.२२.३ उमेदवाराची नामनिर्देशने मागे घेण्याची वेळ संपल्यानंतर आणि ज्यांची नामनिर्देशने वैध असल्याचे आढळून आले आहे असे एकापेक्षा अधिक उमेदवार मैदानात असतील तर, निवडणूक निर्णय अधिकारी, नामनिर्देशने मागे घेण्याची वेळ संपल्यानंतर लगेच, निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांची यादी तयार करील आणि निवडणूक आयोगाने दिलेल्या कोणत्याही निदेशांच्या अधीनतेने, निवडणूक लढवणाऱ्या प्रत्येक उमेदवाराला, व्यवहार्य असेल तितपत, प्रथम सादर केलेल्या नामनिर्देशनपत्रात दर्शविलेल्या त्याच्या निवडीशी मिळती जुळती अशी भिन्न निशाणी नेमून देईल, असेही या नियमांत सांगितले आहे.
- ३.२२.४ या नियमांस अनुसरून, निवडणूक आयोगाने ३१ ऑगस्ट १९६८ रोजी एक आदेश काढून त्यात, सर्व राज्यांतील व संघ राज्य क्षेत्रातील संसदीय व विधानसभा मतदारसंघातील निवडणुकांसाठी निशाण्या विनिर्दिष्ट करणे, राखून ठेवणे, निवडणे व नेमून देणे, आणि त्या संबंधात राजकीय पक्षांना मान्यता देणे व त्याच्याशी संबंधित बाबी यांची तरतूद केली आहे. या आदेशास, निवडणूक निशाण्या (राखून ठेवणे व नेमून देणे) आदेश, १९६८ असे म्हटले आहे.
- ३.२२.५ या आदेशामध्ये, पक्षांना राष्ट्रीय व राज्य पक्ष म्हणून मान्यता देण्याबाबत देखील तरतूद केलेली आहे. या आदेशाच्या परिच्छेद १७ अन्वये, आयोग नियमित कालांतराने मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय व राज्य पक्षांची नावे, त्यांच्यासाठी अनुक्रमे राखीव असलेल्या निशाण्यांची यादी, नोंदणीकृत मान्यताप्राप्त नसलेल्या पक्षांची यादी आणि खुल्या निशाण्यांची यादी अधिसूचित करतो. कोणताही उमेदवार या यादीबाहेरील कोणताही निशाणी निवडू शकत नाही. त्याने तसे केले तरी, अशा निवड केलेल्या निशाणीला निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडून मान्यता मिळू शकत नाही.

### ३.२३ उमेदवारांनी निशाण्यांची निवड करणे

- ३.२३.१ राष्ट्रीय किंवा राज्य पक्ष पुरस्कृत उमेदवार इतर कोणतीही निशाणी नाही तर, त्या पक्षाकरिताच केवळ, राखीव असलेली निशाणी निवडील व त्याला ती निशाणी नेमून देण्यात येईल. परंतु, नमुना ए आणि बी इत्यादी दाखल करण्याबाबतच्या आवश्यकतेचे यथोचितरीत्या अनुपालन करण्यात आलेले असावे. हे लक्षात घेता, अशा उमेदवारास त्याच्या नामनिर्देशपत्रामध्ये पसंती क्रमानुसार तीन निशाण्या दर्शविण्याची गरज नाही, पण त्याने नामनिर्देशन पत्राच्या संबद्ध भागामध्ये संबंधित पक्षाकडून त्याला निवडणुकीला उभे केले आहे, हे जाहीर केलेच पाहिजे.
- ३.२३.२ यांत्वतिरिक्त अन्य उमेदवार हे, आयोगाने राज्यासाठी संघ राज्य क्षेत्रासाठी विनिर्दिष्ट केलेल्या खुल्या निशाण्यांच्या यादीतून पसंती क्रमाने तीन निशाण्यांची निवड करतील आणि नामनिर्देशन पत्रामध्ये असा पसंतीक्रम दर्शवतील.

### ३.२४ उमेदवारांना निशाण्या नेमून देणे

- ३.२४.१ कायदानुसार, प्रत्येक निवडणुकीमध्ये आयोगाच्या निशाण्यांबाबत आदेशाच्या तरतुदीनुसार, निवडणूक लढविणाऱ्या प्रत्येक उमेदवारास निशाणी नेमून देण्यात येईल. एकाच मतदारसंघात एका निवडणुकीसाठी निवडणूक लढविणाऱ्या वेगवेगळ्या उमेदवारांना वेगवेगळ्या निशाण्या नेमून देण्यात येतील.
- ३.२४.२ वर निर्दिष्ट केलेल्या, निशाण्यांबाबतच्या आदेशावरून, उमेदवारास असे आढळून येईल की :
- (क) निशाण्यांचे दोन प्रकार आहेत, ते म्हणजे:
- (एक) राखीव निशाण्या, आणि
- (दोन) खुल्या निशाण्या ;
- (ख) “ राखीव निशाणी ” याचा अर्थ, मान्यताप्राप्त (राष्ट्रीय अथवा राज्यीय) पक्षासाठी राखून ठेवलेली निशाणी, आणि “ खुली निशाणी ” ही राखीव निशाणीव्यतिरिक्त इतर निशाणी, असा आहे.
- (ग) राजकीय पक्षाचे तीन प्रवर्ग आहेत ते म्हणजे :
- (एक) मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय पक्ष ( यांना सर्व राज्यांमध्ये आणि संघराज्य क्षेत्रांमध्ये मान्यता मिळालेली आहे.)
- (दोन) मान्यताप्राप्त राज्यीय पक्ष ( यांना विनिर्दिष्ट राज्यांमध्ये किंवा संघराज्य क्षेत्रांमध्ये फक्त मान्यता मिळालेली आहे.)
- (तीन) नोंदणीकृत मान्यताप्राप्त नसलेले पक्ष.

**टीप.**—निवडणूक आयोगाने वेळोवेळी, मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय आणि राज्यीय पक्ष आणि त्यांच्यासाठी अनुक्रमे राखून ठेवलेल्या निशाण्या यांची यादी, नोंदणीकृत मान्यताप्राप्त नसलेले पक्ष आणि प्रत्येक राज्य आणि संघराज्य क्षेत्राच्या खुल्या निशाण्यांची यादी विनिर्दिष्ट करणारी एकत्रीकृत अधिसूचना काढलेली आहे. आयोगाने प्रसिद्ध केलेल्या अधिसूचनेमध्ये सूचीबद्ध केलेल्या नावांनुसार उमेदवाराने राजकीय पक्षाचे अचूक नाव नमूद करावे. पक्षाच्या नावाची भाषांतरित किंवा संक्षिप्त आवृत्ती स्वीकारली जाऊ शकत नाही. त्याचप्रमाणे निशाणीचे नाव देखील अचूकपणे नमूद करण्यात यावे. वरील उक्त अधिसूचना आयोगाच्या संकेतस्थळावर उपलब्ध असेल.

- (घ) एखाद्या राष्ट्रीय किंवा राज्यीय पक्षाने ( ज्या राज्यात मान्यता मिळालेली आहे त्या राज्यात ) उभा केलेला उमेदवार त्याच्या नामनिर्देशनपत्रात केवळ त्या पक्षासाठी राखून ठेवलेल्या निशाणीचीच निवड करील आणि इतर कोणत्याही निशाणीची निवड करणार नाही, आणि निवडणूक निर्णय अधिकारी केवळ तीच निशाणी नेमून देईल आणि इतर कोणतीही निशाणी नेमून देणार नाही. याचा अर्थ असा की, जर त्याला एखाद्या राष्ट्रीय किंवा राज्य पक्षाने यथायोग्यरीतीने उभे केले असेल तर, त्याच्या नामनिर्देशनपत्रात त्याला केवळ त्या पक्षासाठी राखून ठेवलेल्या निशाणीचीच निवड करता येईल आणि इतर कोणत्याही निशाणीची निवड करता येणार नाही.
- (ड.) ज्या पक्षाकरिता निशाणी राखून ठेवलेली असेल त्या पक्षाने रीतसर निवडणुकीला उभ्या केलेल्या

उमेदवारालाच केवळ राखीव निशाणी नेमून देता येईल. जरी संबंधित पक्षाने त्या मतदारसंघात कोणताही उमेदवार उभा केलेला नसला तरी अशी निशाणी ही, कोणत्याही मतदारसंघातील अन्य उमेदवाराला नेमून देता येणार नाही.

- (च) काही राज्यात किंवा राज्यामध्ये मान्यताप्राप्त राज्याय पक्ष असलेल्या राजकीय पक्षाने, जर जेथे हा पक्ष मान्यताप्राप्त राज्याय पक्ष नाही अशा अन्य कोणत्याही राज्यामधील किंवा संघ राज्यक्षेत्रामधील मतदारसंघातील निवडणुकीस उमेदवार उभे केल्यास, मग अशा पक्षाकडे, त्याने (पक्षाने) अन्य राज्यांमध्ये किंवा संघ राज्यक्षेत्रामध्ये निवडणुकीस उभा केलेल्या उमेदवारांना आरक्षित चिन्ह (आरक्षित चिन्ह आदेशाचा परिच्छेद १० अंतर्गत वाटपाबाबत आयोगाकडे अर्ज करण्याचा पर्याय उपलब्ध आहे. असा अर्ज निवडणूक अधिसूचनेच्या तारखेपासून ३ दिवसांच्या आत आयोगाकडे सादर करावा लागतो. आयोगाने अशा विनंतीस परवानगी दिल्यास अन्य राज्यामध्ये किंवा संघ राज्यक्षेत्रामध्ये पक्षाने उभा केलेल्या उमेदवारांना पक्षाचे आरक्षित चिन्ह दिले जाईल. अशा प्रकरणांमध्ये हे लक्षात घेतले पाहिजे की, संबंधित उमेदवाराने त्याच्या नामनिर्देशनपत्रात असे प्रतिज्ञापत्र करणे आवश्यक आहे की, तो त्या पक्षाने निवडणुकीसाठी उभे केले आहे आणि चिन्ह वाटप आदेशाच्या परिच्छेद १३ नुसार पक्षाने नमूना ए व बी हे सादर करणे आवश्यक आहे.
- (छ) एखाद्या संसदीय मतदारसंघात आणि त्या मतदारसंघात समाविष्ट असलेल्या विधानसभा मतदारसंघात एकाचवेळी निवडणुका घेण्यात येत असतील तेव्हा :-
- (एक) जर एखादी निशाणी, परिच्छेद (ग) अन्वये, संसदीय मतदारसंघातील निवडणुकीसाठी अन्य राज्यातील एखाद्या राज्यस्तरीय पक्षाने उभ्या केलेल्या उमेदवारालाच नेमून देण्यात आली असेल तर, ती निशाणी उक्त घटक विधानसभा मतदारसंघापैकी कोणत्याही मतदारसंघातील कोणत्याही निवडणुकीसाठी कोणत्याही उमेदवारास नेमून देण्यात येणार नाही; मात्र असा उमेदवार हा, त्या राजकीय पक्षाने उभा केलेला उमेदवार असेल तर गोष्ट अलाहिदा ; आणि
- (दोन) जर एखादी निशाणी, परिच्छेद (ग) अन्वये, उक्त घटक विधानसभा मतदारसंघापैकी कोणत्याही मतदारसंघातील कोणत्याही निवडणुकीसाठी उक्त पक्षाने उभ्या केलेल्या उमेदवारालाच नेमून देण्यात आली असेल तर, ती निशाणी, उक्त संसदीय मतदारसंघातील निवडणुकीसाठी कोणत्याही उमेदवारास नेमून देण्यात येणार नाही; मात्र, असा उमेदवार हा, त्या राजकीय पक्षाने उभा केलेला उमेदवार असेल तर गोष्ट अलाहिदा.
- (ज) स्वतःला राजकीय पक्ष म्हणवून घेणाऱ्या आणि लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या तरतुदींचा फायदा करून घेण्याचा विचार असलेल्या, भारताच्या नागरिकांच्या कोणत्याही संघाला किंवा मंडळाला त्या अधिनियमाच्या कलम २९ क अन्वये आणि आयोगाने घालून दिलेल्या नोंदणीबाबतच्या मार्गदर्शक तत्वांमध्ये विनिर्दिष्ट केलेल्या आवश्यकतेनुसार आवश्यक असेल अशी, माहिती पुरवून, राजकीय पक्ष म्हणून नोंदणीसाठी निवडणूक आयोगाकडे अर्ज करता येईल. आयोगास विविध आवश्यक बाबींची खात्री करून घेतल्यावर त्याची राजकीय पक्ष म्हणून नोंदणी करता येईल. लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम २९ क अन्वये अशाप्रकारे नोंदणी केलेला पक्ष, निवडणूक चिन्हे (राखून ठेवणे व वाटप करणे) आदेश, १९६८ च्या प्रयोजनाकरिता नोंदणीकृत राजकीय पक्ष समजण्यात येईल आणि असा नोंदणीकृत पक्ष, नंतर सार्वजनिक निवडणुकीच्या मतदानावरून नोंदणीकृत राष्ट्रीय पक्ष किंवा नोंदणीकृत मान्यताप्राप्त नसलेला पक्ष असेल.
- (झ) राष्ट्रीय किंवा राज्यस्तरीय पक्षाने उभे न केलेल्या म्हणजे नोंदणीकृत मान्यताप्राप्त नसलेल्या राजकीय पक्षाने उभे केलेल्या आणि स्वतंत्र उमेदवारांना आपल्या निशाण्या, आपल्या नामनिर्देशनपत्रांमध्ये, ते ज्या राज्यातून निवडणूक लढवत असतील त्या राज्यासमोर दर्शविलेल्या खुल्या निशाण्यांमधूनच निवड करता येईल. इतर कोणत्याही निशाणीची निवड करता येणार नाही.



निवडणुकीच्या अधिसूचनेच्या तारखेपासून सहा वर्षांपूर्वी कोणत्याही राज्य किंवा संघ राज्यक्षेत्रामध्ये मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय किंवा राज्य पक्ष होता, आणि कोणत्याही राज्य किंवा संघराज्यक्षेत्रातील मतदारसंघात त्या पक्षाने उमेदवार म्हणून निवडणुकीला उभा केला आहे, मग असा पक्ष त्या राज्य किंवा संघ राज्यक्षेत्रामध्ये या अगोदर मान्यताप्राप्त पक्ष असो किंवा नसो, अशा राजकीय पक्षास तो जेव्हा मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय किंवा राज्य पक्ष होता त्यावेळेच्या राखीव ठेवलेल्या चिन्हांचा वापर करण्यास परवानगी देईल.

३.२४.४ अन्य राज्यातील राज्य पक्ष म्हणून मान्यताप्राप्त असलेल्या पक्षाद्वारे किंवा सहा वर्षांहून अगोदर नसेल इतक्या कालावधीपासून मान्यताप्राप्त पक्ष असलेल्या नोंदणीकृत अमान्यताप्राप्त पक्षाद्वारे उमेदवार उभा केल्यास त्याला जे चिन्ह जेव्हा तो पक्ष मान्यताप्राप्त पक्ष होता तेव्हा ते त्याच्यासाठी राखीव चिन्ह होते. तेव्हा, जर केवळ आयोगाने परिच्छेद १० किंवा १० ए अन्वये विनिर्दिष्ट निर्देश काढले तरच त्याला ते राखीव चिन्ह देण्यात येईल.

३.२४.५ चिन्ह आदेश, १९६८ च्या परिच्छेद १० बी अन्वये, नोंदणीकृत मान्यताप्राप्त नसलेल्या पक्षास, लोकसभा किंवा विधानसभेच्या सार्वत्रिक निवडणुकीत खुल्या चिन्हांच्या यादीमधून सामाईक चिन्हांचे नियत वाटप व्हावे यांसाठी अर्ज सादर करता येईल. परिच्छेद १० बी अन्वये, राज्यात सामाईक चिन्ह मिळवण्यासाठी पक्षाला त्या राज्यातील विधानसभेची सार्वत्रिक निवडणूक असेल तर किमान ५ टक्के जागांवर निवडणूक लढवावी लागेल. लोकसभेच्या सार्वत्रिक निवडणुकीमध्ये, पक्षाला राज्यामध्ये सामाईक चिन्ह मिळवण्यासाठी त्या राज्यामधील किमान दोन संसदीय मतदारसंघातून निवडणूक लढवावी लागेल. परिच्छेद १० बी च्या आवश्यकतेनुसार आयोगाकडे अर्ज केल्यास, आयोग अशा पक्षांच्या उमेदवाराला सामाईक चिन्हांचे नियत वाटप करण्याचे निदेश देईल. अशा प्रकरणांमध्ये, अशा पक्षांकडून उभ्या असलेल्या उमेदवाराला निदेशामध्ये नमूद केलेल्या मतदारसंघांमध्ये आयोगाच्या निदेशातील विनिर्दिष्ट चिन्हांचे नियत वाटप केले जाईल.

चिन्ह आदेश, १९६८ च्या परिच्छेद १२ च्या तरतुदींनुसार, इतर मतदारसंघामध्ये अशा चिन्हाचे इतर उमेदवारांना नियत वाटप करण्यासाठी ते खुले केले जाईल. ज्या प्रकरणांमध्ये, ज्या नोंदणीकृत पक्षाला परिच्छेद १० बी अन्वये कोणतेही विशिष्ट चिन्ह नेमून दिले असेल मात्र पक्षाने उमेदवार उभा केलेला नसेल किंवा पक्षाच्या उमेदवाराचे नामनिर्देशन फेटाळले असेल त्यावेळी देखील संबंधित चिन्ह उमेदवारांनी उक्त चिन्हांसाठी पसंती दर्शविलेली असेल अशा इतर उमेदवारांना ते नेमून दिले जाईल.

३.२४.६ राष्ट्रीय किंवा राज्य पक्षाद्वारे उभा न केलेला उमेदवार, त्याच्या नामनिर्देशनपत्रात केवळ खुल्या चिन्हांच्या यादी मधूनच चिन्हांना पसंती देऊ शकतील. आणि चिन्ह आदेश, १९६८ च्या परिच्छेद १० किंवा १०ए च्या अंतर्गत सवलतीनुसार नेमून दिलेल्या उमेदवारासाठी पक्षासाठीच्या चिन्ह वगळता अन्य कोणतेही चिन्हास परवानगी दिली जाणार नाही.

नोंदणीकृत, मान्यताप्राप्त नसलेल्या पक्षांच्या उमेदवारांसाठी ज्यांना चिन्ह आदेशाच्या परिच्छेद १० बी अंतर्गत सामाईक चिन्ह वाटप केले गेलेले नाही ) आणि अपक्ष उमेदवारांसाठी निवडणूक चिन्हांच्या वाटपाबाबत आदेशाच्या परिच्छेद १२ च्या तरतुदींनुसार नियमन केले जाईल.

३.२४.७ कोणतेही मुक्त चिन्ह अशा निवडणुकीत केवळ एका उमेदवारांनी निवडले असल्यास निवडणूक निर्णय अधिकारी, त्या उमेदवाराला ते चिन्ह नेमून देईल आणि ते अन्य कोणालाही दिले जाणार नाही.

३.२४.८ अशा निवडणुकीच्या वेळी अनेक उमेदवारांनी एकाच मुक्त चिन्हाची निवड केल्यास,—

( १ ) जर त्या अनेक उमेदवारांपैकी, केवळ एकच उमेदवार नोंदणीकृत मान्यताप्राप्त नसलेल्या राजकीय पक्षाने उभा केलेला उमेदवार असेल आणि उर्वरित सर्व अपक्ष उमेदवार असतील तर निवडणूक निर्णय अधिकारी ते मुक्त चिन्ह मान्यताप्राप्त नसलेल्या राजकीय पक्षाने उभ्या केलेल्या उमेदवाराला देईल. ह्याचाच अर्थ असा की, नोंदणीकृत पक्षाच्या उमेदवाराला अपक्ष उमेदवारांपेक्षा प्राधान्य दिले जाईल.

( २ ) जर नोंदणीकृत मान्यताप्राप्त नसलेल्या पक्षांच्या दोन ( किंवा अधिक ) उमेदवारांनी एकाच मुक्त चिन्हांची निवड केली तर, त्यांच्यापैकी एकजण मागील लोकसभा किंवा यथास्थिति विधानसभेचा विद्यमान सदस्य असल्यास, त्यावेळी इतर उमेदवारांपेक्षा त्या उमेदवाराला प्राथम्य दिले जाईल आणि संबंधित चिन्ह दिले

जाईल. त्यांच्यापैकी कोणीही विद्यमान सदस्य नसेल तर निवडणूक निर्णय अधिकारी त्या सर्वांमध्ये सोडतीच्या चिठ्ठ्या टाकील आणि सोडतीच्या विजेत्याला ते चिन्ह नेमून देईल.

- (३) जर अपक्ष उमेदवारांनी एकाच मुक्त चिन्हाची मागणी केली असेल आणि त्यापैकी एक मागील सभागृहाचा विद्यमान सदस्य असेल आणि याशिवाय, मागील निवडणुकीत तो सदस्य म्हणून निवडून आला तेव्हा त्याला ते विशिष्ट मुक्त चिन्ह नेमून दिले असेल तर निवडणूक निर्णय अधिकारी ते मुक्त चिन्ह त्या उमेदवाराला देईल. अशा प्रकरणात तो इतर अपक्ष उमेदवारापेक्षा त्या उमेदवाराला प्राधान्य देईल.
- (४) जर मागील सभागृहाचे विद्यमान सदस्य असणाऱ्या कोणत्याही अपक्ष उमेदवारांनी एकाच मुक्त चिन्हांची मागणी केलेली नसेल तर, उमेदवाराला सोडतीच्या चिठ्ठ्यांद्वारे निर्णय घेऊन मुक्त चिन्ह दिले जाईल.

३.२४.९ नामनिर्देशनपत्राच्या नमुन्यावरून उमेदवाराला असे दिसून येईल की जर तो/ती एखाद्या पक्षाचा उमेदवार असेल तर, त्याला/तिला नामनिर्देशनपत्रावरच तशा अर्थाचे प्रतिज्ञापन करणे आवश्यक आहे. आता त्याला/तिला मान्यताप्राप्त पक्षातर्फे, म्हणजे राष्ट्रीय पक्षातर्फे किंवा राज्यीय पक्षातर्फे किंवा नोंदणीकृत मान्यताप्राप्त नसलेल्या पक्षातर्फे, उभे करण्यात येईल. आयोगाच्या निवडणूक निशाणी आदेशात असे स्पष्टपणे निर्धारित करण्यात आले आहे की, खाली नमूद करण्यात आलेल्या शर्तीपैकी प्रत्येक शर्त पूर्ण करण्यांत आली तर आणि तरच, उमेदवारास विशिष्ट पक्षातर्फे उभे करण्यात आले असल्याचे समजण्यात येईल :-

- (अ) उमेदवाराने त्याच्या/तिच्या नामनिर्देशनपत्रात तशा अर्थाचे विहित प्रतिज्ञापन केले असेल. तो उमेदवार त्या पक्षाचा उमेदवार असून त्याचे/तिचे नाव त्या राजकीय पक्षाच्या सदस्यांच्या नोंदवहीत नमूद आहे ;
- (ब) त्या राजकीय पक्षाने, तशा आशयाची नमुना-बी मधील लेखी सूचना त्या मतदारसंघाच्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे नामनिर्देशनपत्र दाखल करण्याच्या अंतिम तारखेस दुपारी ३ वाजेपर्यंत दिलेली असेल ;
- (क) नमुना-बी मधील उक्त लेखी नोटीस, त्या पक्षाचा अध्यक्ष, सचिव (चिटणीस) किंवा इतर कोणताही पदाधिकारी याने स्वाक्षरित केलेली असेल, आणि अशी नोटीस पाठवणाऱ्याला अध्यक्षाला, सचिवाला (चिटणीसाला) किंवा इतर कोणत्याही पदाधिकाऱ्याला अशी नोटीस पाठवण्यासाठी त्या पक्षाने प्राधिकृत केलेले असेल ;
- (ड) पक्षाने त्या मतदारसंघाच्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला आणि संबंधित राज्याच्या किंवा संघ राज्यक्षेत्राच्या मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याला नामनिर्देशन दाखल करण्याच्या अंतिम दिनांकास दुपारी ३-०० वाजेपर्यंत, अशा प्राधिकृत व्यक्तींची नावे व नमुना स्वाक्षरी यांचा तपशील कळविलेला असेल;
- (इ) नमुना-ए आणि बी वर पक्षाने प्राधिकृत केलेल्या उक्त पदाधिकाऱ्याची स्वाक्षरी असेल. अशा पदाधिकाऱ्याने किंवा प्राधिकृत व्यक्तीने रबरी मोहोर, इत्यादी साधनांद्वारे केलेले प्रतिरूप स्वाक्षरी (स्वाक्षऱ्या) स्वीकारण्यात येणार नाही, आणि फॅक्स इ-मेल द्वारे पाठवलेला कोणताही नमुना स्वीकारण्यात येणार नाही.

३.२४.१० नमुना बी मध्ये, मुख्य उमेदवाराबरोबरच बदली उमेदवाराचे नामनिर्देशन करण्याचा पर्याय देखील पक्षाकडे आहे. योग्य उमेदवाराला नामनिर्देशित करण्यात आले असेल तर, छाननीनंतर मुख्य उमेदवाराचे नामनिर्देश नाकारल्यास, किंवा मुख्य उमेदवाराने उमेदवारी मागे घेतल्यास (आणि अन्यथा जर बदली उमेदवाराचे नामनिर्देशन वैध ठरले असेल आणि स्वीकारलेले असेल व तो अद्यापही निवडणूक क्षेत्रात असेल तर) तरच केवळ बदली उमेदवार पक्षाचा उमेदवार म्हणून समजण्यात येईल. जर मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय/राज्य पक्षाच्या मुख्य उमेदवाराने दाखल केलेले नामनिर्देशन पत्र स्वीकारले असेल तर, आणि जर त्या पक्षाच्या बदली उमेदवाराच्या नामनिर्देशनावर केवळ एकाच प्रस्तावकाने स्वाक्षरी केली असेल तर, बदली उमेदवाराचे नामनिर्देशन रद्द करण्यात येईल. जर त्याच्या नामनिर्देशन पत्रावर दहा प्रस्तावकांनी स्वाक्षरी केलेली असेल तर आणि जर अशा बदली उमेदवार, त्याची उमेदवारी मागे घेत नसेल तर, त्यास स्वतंत्र उमेदवार म्हणून समजण्यात येईल.

३.२४.११ राजकीय पक्षांना, पुढील शर्तींना अधीन राहून, एका उमेदवारासाठी दिलेल्या नमुना बी मधील प्राधिकारपत्र रद्द करून दुसऱ्या उमेदवारासाठी नमुना बी मधील सुधारित नोटीस देण्याची अनुमती देण्यात आली आहे :-

- (१) पूर्वीची नोटीस रद्द करणाऱ्या किंवा तिच्या बदली दाखल केल्या जाणाऱ्या नमुना बी मधील अशा सुधारित नोटीशीमध्ये, पूर्वीची नोटीस रद्द करण्यात आलेल्याचे स्पष्टपणे नमूद केलेले असले पाहिजे आणि ही सुधारित नोटीस संबंधित मतदारसंघाच्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे, नामनिर्देशन दाखल करण्याच्या अंतिम दिनांकास दुपारी ३-०० वाजेपर्यंत मिळालेली असली पाहिजे ;
- (२) नमुना बी मधील अशा सुधारित नोटीशीवर, चिन्हांबाबत आदेशाच्या परिच्छेद १३ च्या खंड ( डी ) मध्ये निर्दिष्ट केलेल्या प्राधिकृत पदाधिकाऱ्याने स्वाक्षरी केलेली असावी ;
- (३) सुधारित नोटीशीच्या खरेपणाबाबत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याची खात्री पटलेली असावी ; आणि
- (४) ज्याच्या नावे सुधारित नोटीस देण्यात आली असेल त्या उमेदवाराने त्याच्या नामनिर्देशनपत्रामध्ये, उक्त राजकीय पक्षाकडून त्याला निवडणुकीसाठी उभे करण्यात आले आहे, अशा आशयाचे प्रतिज्ञापत्र अगोदरच केलेले असावे.

३.२४.१२ जर राजकीय पक्षाने एकाच मतदारसंघासाठी एका पेक्षा अधिक उमेदवारांच्या बाबतीत नमुना बी मधील नोटीस सादर केली असेल तर आणि अशा नोटीशीत आधीची नोटीस ( नोटिसा ) विखंडीत करण्यात आली आहे असे अशा नोटीशीत नमूद केलेले नसेल तर ज्या उमेदवाराचे नामनिर्देशनपत्र प्रथम निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे सादर केले होते त्या उमेदवाराच्या बाबतीत नोटीस स्वीकारण्यात येईल आणि उर्वरित उमेदवार ( उमेदवार ) त्या पक्षाने उभा केलेला ( उभे केलेले ) उमेदवार म्हणून समजले जाणार नाही.

३.२४.१३ जेव्हा एखाद्या उमेदवाराने, त्याच्या कोणत्याही नामनिर्देशनपत्रात, त्याला एखाद्या विशिष्ट राजकीय पक्षाकडून उभे करण्यात आले आहे असे घोषित केलेले नसेल तेव्हा, जरी तो पक्ष, नमुना ए व बी मध्ये अशा आशयाची सूचना निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास देत असला तरी देखील, तो, त्या पक्षाकडून उभा करण्यात आलेला उमेदवार असल्याचे मानण्यात येणार नाही, आणि त्याला, त्या पक्षासाठी राखीव असलेले, कोणतेही असल्यास, चिन्ह वाटप करण्यात येणार नाही.

३.२४.१४ त्याचप्रमाणे, जर एखाद्या उमेदवाराने त्याच्या नामनिर्देशनपत्रात, त्यास एखाद्या विशिष्ट राजकीय पक्षाद्वारे उभे करण्यात आले आहे असे घोषित केलेले असेल, परंतु तो पक्ष अन्य काही उमेदवारास उभे करित असेल तर, जरी असा नंतरचा पक्ष, त्यास स्वीकृत करण्यास इच्छुक असला तरी देखील, त्या उमेदवाराने, ज्यात त्याला नंतरच्या पक्षाकडून उभे करण्यात आले आहे असे घोषणापत्र केलेले दुसरे नामनिर्देशनपत्र विहित मुदतीत दाखल केल्याशिवाय, त्यास अशा दुसऱ्या राजकीय पक्षाकडून उभे करण्यात आले असल्याचे मानण्यात येणार नाही.

३.२४.१५ उमेदवाराने याची देखील नोंद घेतली पाहिजे की, ज्या काही वेळा राजकीय पक्षांकडून केल्या जातात अशा निवडणूक युतींना निवडणूक चिन्ह आदेश मान्यता देत नाही. म्हणून एखाद्या राष्ट्रीय किंवा राज्य पक्षासाठी राखीव असलेले चिन्ह, स्वतः अशा राष्ट्रीय किंवा राज्य पक्षाने उभ्या केलेल्या उमेदवाराव्यतिरिक्त अन्य कोणत्याही उमेदवारास वाटप करण्यात येणार नाही.

### ३.२५ प्रारंभिक छाननी

३.२५.१ नामनिर्देशन पत्र सादर केल्यावर, निवडणूक निर्णय अधिकारी, उमेदवाराचे आणि त्याच्या प्रस्तावकाचे नामनिर्देशनपत्रामध्ये नोंदविलेले नाव व मतदार यादीतील क्रमांक हे मतदार यादीतील नाव आणि क्रमांक यांच्याप्रमाणेच आहेत, याची स्वतः खात्री करील.

३.२५.२ निवडणूक निर्णय अधिकारी, नमुना २६ ( परिशिष्ट ३ ) मधील शपथपत्र योग्यप्रकारे भरलेले आहे आणि नामनिर्देशनपत्रासोबत जोडलेले आहे किंवा नाही ते तपासील. जर ते जोडलेले नसेल तर, निवडणूक निर्णय अधिकारी, खाली दिलेल्या तपासणी सूचीद्वारे आवश्यक बाब उमेदवाराच्या निदर्शनास आणून देईल.

३.२५.३ निवडणूक निर्णय अधिकारी किंवा विनिर्दिष्ट सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी प्रत्येक उमेदवाराच्या बाबतीत कागदपत्रांची किंवा उमेदवाराने पूर्तता करावयाच्या आवश्यकतांची तपासणी सूची दोन प्रतीत ठेवील. ही तपासणी सूची खाली दिली आहे : ( मूळ प्रत नामनिर्देशनपत्रासोबत ठेवण्यात यावी आणि दुबारप्रत उमेदवाराला देण्यात यावी. )



**नामनिर्देशन दाखल करण्यासंबंधीच्या कागदपत्रांची तपासणी सूची**

मतदार संघाचे नाव .....

उमेदवाराचे नाव .....

नामनिर्देशनपत्र दाखल करण्याचा दिनांक आणि वेळ .....

नाम निर्देशनपत्राचा अनुक्रमांक .....

| अ. क्र. | कागदपत्रे   | दाखल केले किंवा नाही<br>(होय/नाही लिहावे)<br>(कागदपत्रांमध्ये जर काही उणीव/त्रुटी असल्यास, ते नमूद करावे.) |
|---------|---|--|
| (१)     | (२)   | (३)  |
| १       | नमुना २६ मधील शपथपत्र<br>(क) सर्व रकाने भरले आहेत किंवा कसे<br>(ख) जर भरलेले नसतील तर, रिकामा रकाना (रकाने) (कृपया नमूद करा).<br>(ग) आयुक्त किंवा प्रथम वर्ग दंडाधिकारी यांच्यासमोर किंवा लेख प्रमाणकाच्या समोर शपथपत्र शपथबद्ध केले आहे किंवा कसे. |  |
| २       | मतदार यादीचा प्रमाणित केलेला उतारा<br>(उमेदवार हा वेगळ्या मतदारसंघाचा मतदार असेल त्याबाबतीत)  |  |
| ३       | नमुना अ व ब<br>(उमेदवार राजकीय पक्षांकडून उभे असतील तर त्याबाबतीत लागू)   |  |
| ४       | जात प्रमाणपत्राची प्रत (उमेदवाराने अनुसूचित जाती/अनुसूचित जमातीतील असल्याचा दावा केला असेल, त्याबाबतीत)   |  |
| ५       | अनामत रक्कम (टेवलेली आहे किंवा कसे)   |  |
| ६       | शपथ/दृढकथन (घेतलेली/केलेले आहे किंवा कसे)   |  |

दाखल करण्यात न आलेली पुढील कागदपत्रे खाली दर्शविल्याप्रमाणे दाखल करण्यात येतील :—

- (अ) ..... हे लवकरात लवकर ..... पर्यंत दाखल करण्यात यावे.
- (ब) वर नमूद केलेले, नमुना २६ मधील शपथपत्रातील रकाने रिकामे सोडण्यात आलेले आहेत. तुम्ही नामनिर्देशनपत्राच्या छाननीच्या प्रारंभापूर्वी यथायोग्यरीत्या भरलेल्या रकान्यांसह नवीन शपथपत्र सादर करणे आवश्यक आहे, ते सादर न केल्यास नामनिर्देशनपत्र नाकारले जाण्यास पात्र असेल.
- (क) ..... हे लवकरात लवकर ..... पर्यंत दाखल करण्यात यावे. प्राप्त झाले.

(उमेदवाराची स्वाक्षरी)

दिनांक व वेळ :

ठिकाण :

निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याची/

सहायक निवडणूक निर्णय

अधिकाऱ्याची स्वाक्षरी.

- टीप.—**
१. नमुना २६ मधील शपथपत्र, नमुना ए आणि बी हे, नामनिर्देशन दाखल करावयाच्या शेवटच्या दिवशी उशिरात उशिरा ३-०० म. उ. पर्यंत दाखल करावयाचे आहेत.
  २. नमुना २६ मधील शपथपत्रातील रकाने रिकामे सोडण्यात आले असल्यास, ते बाब १ समोर नमूद करण्यात यावे आणि उशिरात उशिरा नामनिर्देशनपत्राच्या छाननीच्या प्रारंभाकरिता निश्चित केलेल्या वेळेपर्यंत सर्व बाबतीत पूर्ण केलेले शपथपत्र सादर करण्यात उमेदवारास सांगण्यात यावे. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने स्मरण देऊनही, सर्व बाबतीत पूर्ण केलेले सुधारित शपथपत्र सादर करण्यात कसूर करणे हे, नामनिर्देशनपत्र नाकारण्यासाठीचे कारण असेल.
  ३. नामनिर्देशनपत्र दाखल केल्यानंतर आणि छाननीचा दिनांक निश्चित होण्यापूर्वी शपथ घ्यावयाची आहे.
  ४. मतदारयादीचा प्रमाणित केलेला उतारा छाननीच्या वेळेपर्यंत दाखल करता येऊ शकेल.
- ३.२५.४ तपासणी सूचीमध्ये दर्शविलेल्या सर्व आवश्यकतांसह तपासणीसूचीच्या दोन्ही प्रती, निवडणूक निर्णय अधिकारी तसेच उमेदवार यांच्याकडून स्वाक्षरीत करण्यात येतील. उमेदवाराने दाखल केलेल्या नामनिर्देशनपत्रासोबत मूळ तपासणी सूची ठेवून घेऊन, तपासणी सूचीची दुबार प्रत उमेदवारास/नामनिर्देशन भरणाऱ्या प्रस्तावकास देण्यात येईल.
  - ३.२५.५ नामनिर्देशनपत्र दाखल केल्यानंतर कागदपत्र दाखल केले असल्यास, निवडणूक निर्णय अधिकारी, ते दाखल केल्याचा दिनांक व वेळ स्पष्टपणे नमूद केलेली, तशा आशयाची पोचपावती देईल.

### ३.२६ उमेदवाराचे छायाचित्र

- ३.२६.१ प्रत्येक निवडणुकीत, उमेदवारांनी त्यांच्या नामनिर्देशनपत्रांसोबत आवश्यकतेनुसार आणि नामनिर्देशनपत्रांवर चिकटवलेल्या/ लावलेल्या छायाचित्राव्यतिरिक्त विनिर्देशांना अनुसरून असलेले आणि कोणत्याही बाबतीत, उशिरात उशिरा नामनिर्देशनाच्या छाननीसाठी निश्चित केलेल्या दिनांकापर्यंत त्यांचे छायाचित्र सादर करणे आवश्यक असेल. दोन्ही छायाचित्रे एक सारखी असावीत छायाचित्राच्या मागील बाजूस उमेदवाराची/निवडणूक प्रतिनिधीची स्वाक्षरी असावी. छायाचित्रसाठीचे विनिर्देश पुढीलप्रमाणे आहेत :—

- एक.** उमेदवारांनी त्यांचे अलिकडचे छायाचित्र ( अधिसूचनेच्या दिनांकाच्या ३ महिने अगोदरच्या कालावधीमध्ये घेण्यात आलेले ) सादर करणे आवश्यक आहे.
- दोन.** छायाचित्र हे २ से.मी. ? २.५ से.मी. स्टॅप आकाराचे ( २ से.मी. रुंदी व २.५ से.मी. उंची ) , पांढऱ्या किंवा दुधी ( ऑफ व्हाईट ) रंगाची पार्श्वभूमी असलेला, थेटपणे कॅमेऱ्याला भिडताना पूर्ण चेहरा दिसणारा, डोळे उघडे असलेला, तटस्थ भावमुद्रा असलेला असावा. छायाचित्र उमेदवाराच्या सोईनुसार रंगीत किंवा कृष्णधवल रंगाचे असेल.
- तीन.** छायाचित्र हे सर्वसाधारण पेहरावामधील असावे. गणवेशातील छायाचित्राला परवानगी असणार नाही. टोपी/हॅट घालून काढलेले छायाचित्र टाळण्यात यावे. गडद काचांचा चष्मा घालून काढलेले छायाचित्र देखील टाळण्यात यावे.

३.२६.२ जेव्हा छायाचित्र सादर करण्यात येईल तेव्हा, छायाचित्र सादर करणारा उमेदवार/निवडणूक प्रतिनिधी/प्रस्तावक यांना, सादर करण्यात येत असलेले उमेदवाराचे छायाचित्र (नाव व पत्ता नमूद करून) हे, मागील ३ महिन्यांच्या कालावधीत घेतलेले छायाचित्र आहे, असे नमूद करणारे प्रतिज्ञापत्र देण्यास सांगण्यात येईल. प्रतिज्ञापत्राचा नमुना पुढे देण्यात आला आहे :-

( भारत निवडणूक आयोग अनुदेश ५७६/३/२०१५/एसडीआर दिनांक १६ मार्च २०१५ आणि ५७६/३/२०१५/एसडीआर खंड दोन दिनांक २१ मे २०१५ ).

**उमेदवाराचे छायाचित्र सादर करताना उमेदवार/निवडणूक प्रतिनिधी/प्रस्तावक यांनी द्यावयाचे प्रतिज्ञापत्र.**

**विषय :** ..... ( मतदारसंघाचे नाव ) मतदारसंघातील ..... ( सभागृहाचे नाव नमूद करा ) ची निवडणूक/विधानसभा सदस्यांकडून राज्यसभेची/ विधानपरिषदेची निवडणूक.

मी, ..... ( नाव व पत्ता ) , ..... यांचा मुलगा/मुलगी/ पत्नी, वर नमूद केलेल्या निवडणुकीसाठी उमेदवार म्हणून, नामनिर्देशित झालेले असून मतपत्रिकेवर छायाचित्र मुद्रित करण्याच्या प्रयोजनार्थ, माझे छायाचित्र यासोबत सादर करित आहे. मी असे घोषित करतो की, हे छायाचित्र निवडणुकीच्या अधिसूचनेच्या दिनांकापूर्वी शेवटच्या ३ महिन्यांमध्ये घेण्यात आले आहे.

( जेव्हा उमेदवार स्वतः छायाचित्र सादर करित असेल तेव्हा हा भाग भरावयाचा ).

### किंवा

मी, ..... ( नाव ) , श्री. .... यांचा ( उमेदवाराचे नाव व पत्ता ) ..... यांचा मुलगा/यांची मुलगी/पत्नी, वर नमूद केलेल्या निवडणुकीचा उमेदवार, यांचा निवडणूक प्रतिनिधी/प्रस्तावक याद्वारे, मतपत्रिकेवर छायाचित्र मुद्रित करण्याच्या प्रयोजनार्थ, उक्त उमेदवाराचे छायाचित्र सादर करित आहे. मी असे घोषित करतो की, निवडणुकीच्या अधिसूचनेच्या तारखेपूर्वी मागील ३ महिन्यांमध्ये हे छायाचित्र घेण्यात आले आहे.

( जेव्हा निवडणूक प्रतिनिधी/प्रस्तावक छायाचित्र सादर करित असेल तेव्हा हा भाग भरावा ) .

दिनांक : ..... नाव : ..... पत्ता : .....

दूरध्वनी क्र. ....

### ३.२७ मतदारांच्या यादीतील किंवा नामनिर्देशनपत्रातील चुका, मुद्रण दोष, इत्यादी

३.२७.१ उमेदवाराच्या किंवा त्याच्या/तिच्या प्रस्तावकाच्या किंवा इतर कोणत्याही व्यक्तित्याचा नावाच्या बाबतीत किंवा मतदारांच्या यादीत किंवा नामनिर्देशनपत्रात नमूद केलेल्या कोणत्याही ठिकाणाच्या बाबतीत कोणतीही अपसंज्ञा किंवा चुकीचे वर्णन, किंवा लेखन प्रमाद, तांत्रिक किंवा मुद्रण दोष आणि मतदारांच्या यादीतील किंवा नामनिर्देशनपत्रातील उमेदवाराच्या किंवा त्याच्या/तिच्या प्रस्तावकाचा किंवा इतर कोणत्याही व्यक्तित्याचा मतदारांच्या यादीतील क्रमांकाच्या बाबतीत कोणताही लेखन प्रमाद, तांत्रिकी किंवा मुद्रण दोष यांमुळे मतदारांची यादी किंवा नामनिर्देशनपत्र पूर्णपणे उपयोगात आणण्यावर परिणाम होणार नाही असे कायद्यात म्हटले आहे. कायद्यात, निवडणुक निर्णय अधिकाऱ्यास अशी कोणतीही अपसंज्ञा, चुकीचे वर्णन किंवा दोष दुरुस्त करण्यात परवानगी देण्याबाबत किंवा आवश्यक असेल तेव्हा, मतदार यादीतील किंवा नामनिर्देशनपत्रातील अशा अपसंज्ञेकडे, चुकीच्या वर्णनाकडे किंवा दोषाकडे दुर्लक्ष करण्याबाबत फर्मावले आहे. तरीही मतदार यादीत किंवा नामनिर्देशनपत्रात उमेदवारांच्या नावाचा किंवा त्याच्या/ तिच्या प्रस्तावकाच्या किंवा इतर कोणत्याही व्यक्तित्याचा नावाच्या बाबतीत किंवा कोणत्याही ठिकाणाच्या बाबतीत अशी कोणतीही अपसंज्ञा किंवा चुकीचे वर्णन किंवा लेखन प्रमाद, तांत्रिक किंवा मुद्रण दोष राहणार नाही, याविषयी त्याने/तिने विशेष काळजी घ्यावी, असा उमेदवाराला सल्ला देण्यात येत आहे आणि निवडणुकीसाठी रिट काढण्यात येण्यापूर्वीच बरेच अगोदर, ज्या मतदारांच्या यादीत उमेदवाराचे आणि त्याच्या/तिच्या प्रस्तावकांचे नाव असेल ती

मतदारांची यादी त्याने/तिने पहावी असाही उमेदवाराला सल्ला देण्यात येत आहे. कारण उमदवार म्हणून उभे राहण्याचे त्याने/तिने बरेच अगोदर ठरवलेले असणार असे गृहीत धरण्यात आले आहे. आणि जर निवडणुकीसाठी रिट काढण्यात येण्यापूर्वी बरेच अगोदर मतदारांची यादी पाहिल्यानंतर, उमेदवाराच्या किंवा ( त्याच्या/तिच्या ) प्रस्तावकाच्या किंवा इतर कोणत्याही व्यक्तित्वाच्या ( म्हणजे वडिलांच्या नावाच्या ) बाबतीत किंवा छायाचित्र जुळत नसल्यास किंवा इतर कोणत्याही बाबतीत मतदारांच्या यादीत कोणतीही अपसंज्ञा, चुकीचे वर्णन किंवा कोणताही दोष आहे असे त्याला/तिला आढळून आले तर, त्याने/तिने लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५० याच्या कलम २२ अन्वये दोष, इत्यादी दुरुस्त करण्यासाठी आणि कलम २३ अन्वये ( त्याचे/तिचे ) नाव व त्याचा/तिचा प्रस्तावक इत्यादीचे नाव समाविष्ट करण्यासाठी तात्काळ उपाययोजना केली पाहिजे.

### ३.२८ नामनिर्देशनपत्राची पोच आणि छाननीची व निशाण्या नेमून देण्याबाबतची सूचना

- ३.२८.१ नामनिर्देशनपत्राच्या नमुन्यावरून उमेदवाराला असे दिसून येईल की, ज्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे किंवा सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे नामनिर्देशनपत्र सादर करण्यात आले असेल त्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने किंवा सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने त्यातील एक भाग भरून, ते मिळाल्याबद्दलच्या प्रमाणपत्रावर सही करणे आवश्यक असते. नामनिर्देशनपत्र सादर करताना ज्याच्याकडे नामनिर्देशनपत्र सादर करण्यात येईल तो निवडणूक निर्णय अधिकारी किंवा सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी त्याच्या/तिच्या समक्ष त्यावर अनुक्रमांक लिहील व नामनिर्देशनपत्र मिळाल्याबद्दलच्या प्रमाणपत्राचा नमुना योग्य प्रकारे भरून त्यावर सही करील याची खात्री करून घ्यावी.
- ३.२८.२ नामनिर्देशनपत्रावरून उमेदवाराला असेही दिसून येईल की, ज्याच्याकडे नामनिर्देशनपत्र सादर करण्यात येईल त्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने किंवा सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने त्याला/तिला किंवा नामनिर्देशनपत्र सादर करणाऱ्या त्याच्या/तिच्या प्रस्तावकाला याबद्दल एक पोचपावती देणे आवश्यक असते, त्या पोचपावतीमध्ये, नामनिर्देशनपत्रांच्या छाननीसाठी निश्चित केलेली तारीख, वेळ व ठिकाण याबाबतची लेखी सूचनाही समाविष्ट असते. छाननीसाठी निश्चित केलेली तारीख, वेळ व ठिकाण याबाबतची सूचना समाविष्ट असलेली नामनिर्देशनपत्राची पोचपावती घेण्याचे विसरू नये किंवा त्याकडे दुर्लक्ष करू नये. या सर्व लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ३५ मध्ये समाविष्ट असलेल्या सांविधिक आवश्यक अशा गोष्टी आहेत. म्हणून, ज्याच्याकडे त्याने/तिने नामनिर्देशनपत्र दिले असेल तो निवडणूक निर्णय अधिकारी किंवा सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी त्याच्या/तिच्या समक्ष, नामनिर्देशनपत्रात दिलेल्या नमुन्यातील ते मिळाल्याबद्दलचे प्रमाणपत्र योग्य प्रकारे भरील हे पाहण्याबाबत उमेदवाराने कोणतीही हयगय करू नये आणि त्याच्याकडून नामनिर्देशनपत्र मिळाल्याबद्दलची पोचपावती घेण्यातही हयगय करू नये. ज्या ठिकाणी नामनिर्देशनपत्र सादर करण्यात आले असेल ते ठिकाण सोडण्यापूर्वी उमेदवाराला किंवा त्याच्या/तिच्या प्रस्तावकाला अशी पोचपावती देणे हे त्याच्यावर बंधनकारक आहे.
- ३.२८.३ आयोगाने असा निदेश दिला आहे की, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने उमेदवाराला, नामनिर्देशनाच्या छाननीसंबंधीच्या वरील सूचनेबरोबरच निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांना निशाण्या नेमून देण्याची तारीख, वेळ किंवा ठिकाण यासंबंधीची दुसरी सूचनाही द्यावी. उमेदवाराने ती सूचना स्वीकारावी ; म्हणजे जर त्याचे/तिचे निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या यादीत समाविष्ट करण्यात आले तर, त्याला/तिला निशाण्या नेमून देण्याच्या वेळी उपस्थित राहता येईल.

### ३.२९ नामनिर्देशनांच्या सूचनांची तपासणी

- ३.२९.१ कलम ३५ अन्वये निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने, नामनिर्देशने करण्यासाठी निश्चित करण्यात आलेल्या तारखांपैकी प्रत्येक तारखेस त्याला मिळालेल्या नामनिर्देशनांची एक सूचना आपल्या कार्यालयातील एखाद्या ठळक ठिकाणी लावण्याची व्यवस्था करणे आवश्यक असते. ही सूचना, निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१ ला जोडलेल्या नमुना ३-ए मध्ये आहे. नामनिर्देशनाच्या सूचनांचा उमेदवारांनी अभ्यास करावा व तपासणी करावी असा सल्ला देण्यात येत आहे.

## प्रकरण ४ : नामनिर्देशनांची छाननी

### ४.१. नामनिर्देशनपत्रांची छाननी कोणाकडून केली जाते

- ४.१.१ लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ३० अन्वये काढण्यात आलेल्या निवडणुकीच्या वेळापत्रकात छाननीसाठी निश्चित केलेल्या तारखेस निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने त्यांच्याकडे आलेल्या सर्व नामनिर्देशनपत्रांची छाननी करणे, हे कायदानुसार आवश्यक असते.
- ४.१.२ नामनिर्देशने सादर करण्याच्या अंतिम तारखेच्या लगत नंतरच्या दिवशी नामनिर्देशनपत्रांची छाननी करण्यात येते. अशारीतीने, जर आजचा दिवस ही नामनिर्देशने सादर करण्याची अंतिम तारीख असेल तर, उद्याचा दिवस हा नामनिर्देशनांच्या छाननीची तारीख असेल. परंतु, जर उद्याचा दिवस हा सार्वजनिक सुट्टीचा दिवस असेल तर; नामनिर्देशनांची छाननी परवाच्या दिवशी करण्यात येईल; मात्र, तोही दिवस सार्वजनिक सुट्टीचा दिवस असता कामा नये. दुसऱ्या शब्दात सांगावयाचे म्हणजे, नामनिर्देशनपत्रांची छाननी, पूर्वीच दर्शविल्याप्रमाणे, सार्वजनिक सुट्टीच्या दिवशी करता येत नाही.
- ४.१.३ नामनिर्देशनपत्रांची छाननी केवळ निवडणूक निर्णय अधिकारीच करू शकते. [लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम २२(२) चे परंतुक पहा.]

### ४.२ नामनिर्देशनांच्या छाननीच्यावेळी कोणाला उपस्थित राहता येईल

- ४.२.१ लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ३६ अन्वये नामनिर्देशनांच्या छाननीचे नियमन करणाऱ्या तरतुदी करण्यात आलेल्या आहेत. छाननीच्या ठिकाणी प्रत्येक उमेदवाराच्याबाबतीत केवळ चारच व्यक्तींना उपस्थित राहता येईल. या चार व्यक्ती म्हणजे - (१) स्वतः उमेदवार, (२) उमेदवाराचा निवडणूक प्रतिनिधी, (३) उमेदवाराचा एक प्रस्तावक आणि (४) उमेदवाराने लेखी प्राधिकृत केलेली अन्य एक व्यक्ती. समजा दहा उमेदवार असतील तर, छाननीच्यावेळी एकूण चाळीस व्यक्तींना उपस्थित राहता येईल, छाननीच्यावेळी त्याच्या/तिच्याद्वारे लेखी प्राधिकृत करायची चौथी व्यक्ती ही, निवडणूक कायद्यात प्रवीण असलेली विधिज्ञ असेल तर, ते त्याच्या/तिच्या दृष्टिने अधिक चांगले होईल. त्यामुळे छाननीच्या वेळी त्यास त्याच्या/तिच्या हितसंबंधाचे योग्य रीतीने संरक्षण करता येईल. तसेच छाननीच्या वेळी त्याला/तिला स्वतःला उपस्थित राहता आले तर ते ही त्याच्या/तिच्या हिताचे ठरेल.

### ४.३ नामनिर्देशनपत्रांच्या तपासणीसाठी वाजवी सोयी सुविधा

- ४.३.१ छाननीच्यावेळी उमेदवाराच्यावतीने (उमेदवाराला धरून) ज्या चार व्यक्तींना उपस्थित राहता येईल त्या व्यक्तींना, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांनी जी नामनिर्देशनपत्रे छाननीसाठी घेतली असतील, अशा, सर्व उमेदवारांच्या नामनिर्देशनपत्रांच्या तपासणीसाठी सर्व वाजवी सोयीसुविधा मिळण्याचा अधिकार असेल.

### ४.४ कोणते आक्षेप घेता येतील

- ४.४.१ कोणत्याही नामनिर्देशनपत्रांच्या संबंधात उमेदवाराने कोणतेही क्षुल्लक किंवा तांत्रिक आक्षेप घेता कामा नयेत. लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचा कलम ३६(४) मध्ये असे स्पष्टपणे निर्धारित करण्यात आले आहे की, जो भरीव स्वरूपाचा नसेल अशा कोणत्याही दोषाच्या कारणावरून निवडणूक निर्णय अधिकारी कोणतेही नामनिर्देशनपत्र फेटाळणार नाही. निवडणूका घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ याच्या नियम ४ मध्ये असे निर्धारित करण्यात आले आहे की, नामनिर्देशनपत्रातील निवडणूक चिन्हा (निशानी)संबंधीचे प्रतिज्ञापन पूर्ण न करणे किंवा पूर्ण करण्यात कोणताही दोष असणे हा भरीव स्वरूपाचा दोष असणार नाही. जर कोणत्याही नाव आणि ठिकाणासंबंधीचे दिशानिर्देश सामान्यतः समजण्यासारखे असतील तर उमेदवाराचे नाव किंवा त्याच्या/ तिच्या प्रस्तावकाचे किंवा इतर कोणत्याही व्यक्तीचे नाव याबाबतची, किंवा मतदारांची यादी किंवा नामनिर्देशनपत्र इत्यादीमध्ये नमूद केलेल्या कोणत्याही ठिकाणाबाबतची कोणतीही अपसंज्ञा किंवा कोणतेही चुकीचे वर्णन किंवा लेखन किंवा तांत्रिक किंवा मुद्रण दोष हे सामान्यतः नामनिर्देशनपत्रास, आक्षेप घेण्याचे आधार असणार नाहीत.

४.४.२ जेव्हा उमेदवाराच्या नामनिर्देशनपत्रावर कोणताही आक्षेप घेण्यात येतो तेव्हा निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने कोणत्याही क्षुल्लक किंवा तांत्रिक कारणावरून नामनिर्देशनपत्र फेटाळून नये असे त्याने /तिने ( उमेदवार ) त्याच्या मनावर ठसवण्याचा प्रयत्न केला पाहिजे. कोणताही उमेदवार किंवा त्याचा प्रतिनिधी किंवा स्वतः निवडणूक निर्णय अधिकारीसुद्धा "स्वाधिकारे" आक्षेप उपस्थित करू शकतो.

#### ४.५ नामनिर्देशनपत्र फेटाळण्याची कारणे

४.५.१ निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने खालीलपैकी कोणत्याही एका कारणावरून उमेदवाराचे नामनिर्देशनपत्र फेटाळले तर ते समर्थनीय ठरेल, ही गोष्ट लक्षात ठेवा, ती कारणे अशी :—

- (एक) जर उमेदवार (छाननीसाठी निश्चित केलेल्या तारखेस) लोकसभेचा किंवा राज्य विधानसभेचा सदस्य होण्यास स्पष्टपणे अर्हताप्राप्त नसेल तर; किंवा
- (दोन) जर उमेदवार असा सदस्य होण्यास कायदानुसार स्पष्टपणे निरह ठरला असेल तर; किंवा
- (तीन) जर उमेदवार संविधानान्वये आवश्यक असल्याप्रमाणे शपथ घेतली नसेल किंवा प्रतिज्ञा घेतली नसेल तर; किंवा
- (चार) जर उमेदवाराचे नामनिर्देशनपत्र, वेळेवर पोचले नसेल तर; किंवा
- (पाच) जर उमेदवाराचे नामनिर्देशनपत्र निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे किंवा प्राधिकृत सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे उमेदवार किंवा त्याच्या/तिच्या प्रस्तावक यांच्या व्यतिरिक्त अन्य व्यक्तीने सुपूर्द केले असेल तर; किंवा
- (सहा) जर उमेदवाराचे नामनिर्देशनपत्र, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने काढलेल्या जाहीर सूचनेत विनिर्दिष्ट केलेल्या ठिकाणी सुपूर्द करण्यात आले नसेल तर; किंवा
- (सात) जर उमेदवाराचे नामनिर्देशनपत्र, निवडणूक निर्णय अधिकारी किंवा त्याच्या प्राधिकृत सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यापैकी कोणताही अधिकारी यांच्या व्यतिरिक्त अन्य व्यक्तीकडे सुपूर्द करण्यात आले असेल तर; किंवा
- (आठ) जर उमेदवाराचे नामनिर्देशनपत्र, विहित नमुन्यात नसेल तर; किंवा
- (नऊ) जर उमेदवाराच्या नामनिर्देशन पत्रावर, सहीसाठी असलेल्या जागी आवश्यक तेवढ्या प्रस्तावकांनी किंवा उमेदवार किंवा त्याच्या/तिच्या प्रस्तावकाने (प्रस्तावकांनी) किंवा आपण दोघांनी सही केली नसेल तर; किंवा
- (दहा) जर आधीच स्पष्ट केलेल्या कायदानुसार उमेदवाराने योग्य अनामत रक्कम ठेवली नसेल तर; किंवा
- (अकरा) नामनिर्देशन पत्रावरील उमेदवाराची किंवा त्याच्या/तिच्या प्रस्तावकाची (प्रस्तावकांची) सही खरी नसेल तर; किंवा
- (बारा) उमेदवाराच्या मतदारसंघातील जागा ज्या वर्गाच्या व्यक्तींसाठी राखून ठेवलेली असेल त्या वर्गात उमेदवार मोडत नसेल तर, म्हणजे, जर उमेदवार अनुसूचित जातीचा नसेल आणि अनुसूचित जातीसाठी राखून ठेवलेली जागा लढवण्यासाठी त्याने/तिने नामनिर्देशनपत्र सादर केले असेल तर; किंवा
- (तेरा) जर प्रस्तावक, त्या मतदारसंघातील मतदार नसेल तर ;
- (चौदा) जर उमेदवाराने त्याच्या/तिच्या नामनिर्देशनपत्रासोबत विहित नमुन्यातील प्रतिज्ञापत्र देण्यास कसूर केली असेल तर ;
- (पंधरा) जर उमेदवाराने त्याचे/तिचे वय विनिर्दिष्ट करण्यास कसूर केली असेल तर ;
- (सोळा) जेव्हा उमेदवाराने, तो ज्या मतदार संघाचा मतदार नाही अशा मतदारसंघामध्ये नामनिर्देशनपत्र दाखल केले असेल आणि त्याने नामनिर्देशन पत्रासोबत मतदार म्हणून ज्या मतदारसंघात त्याची नोंदणी केली आहे त्या मतदार संघाच्या मतदार यादीची एकप्रत किंवा तिचा संबंधित भाग किंवा अशा मतदार यादीतील त्याच्या नावाशी संबंधित असणारी संबंधित नोंदीची प्रमाणित प्रत सादर केली नसेल तेव्हा किंवा उक्त अधिनियमाच्या कलम ३३ (५) अन्वये आवश्यक केल्याप्रमाणे छाननीच्यावेळी ती सादर केलेली नसेल तेव्हा;
- (सतरा) शपथपत्रातील स्तंभ रिक्त ठेवलेले असतील व नोटीस देऊनही नवीन शपथपत्र सादर केलेले नसेल.



४.५.२ जर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने कोणत्याही कारणास्तव एखाद्या उमेदवाराचे नामनिर्देशनपत्र फेटाळले असेल तर, ते फेटाळण्याची कारणे समाविष्ट असलेल्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या आदेशाची प्रमाणित प्रत तात्काळ उमेदवारास दिली पाहिजे. आयोगाच्या अनुदेशानुसार, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने त्याचे/तिच नामनिर्देशन पत्र फेटाळण्याबाबतचा आदेश संमत केल्यानंतर, तात्काळ त्याची एक प्रत मिळण्यास उमेदवार हक्कदार असेल व त्यासाठी त्याला/तिला कोणतीही फी अथवा आकार देण्याची गरज असणार नाही.

४.५.३ उमेदवार म्हणून त्याच्या/तिच्या नामनिर्देशनाविरुद्ध कोणताही आक्षेप घेण्यात आल्याचे त्याला/तिला आढळून आले आणि त्या आक्षेपाचे खंडन करण्यासाठी त्याला/तिला काही वेळ पाहिजे असेल तर, उमेदवारास कोणत्याही आक्षेपाचे खंडन करण्यासाठी वेळ मिळण्याकरिता अर्ज करता येईल. उमेदवारास अशा अवधीसाठी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे ताबडतोब अर्ज करता येईल. अशा प्रकरणी निवडणूक निर्णय अधिकारी, कलम ३६ च्या पोट-कलम (५) च्या परंतुकानुसार स्थगित करण्याची परवानगी देऊ शकेल, त्यात असे नमूद केले आहे की, संबंधित उमेदवारास, छाननीसाठी निश्चित केलेल्या दिनांकाच्या नंतरच्या दिनांकाच्या पुढील एका दिवसापेक्षा उशिराचा नसेल असा वेळ देता येईल.

#### ४.६ उमेदवाराने शपथ घेणे किंवा दृढकथन करणे

४.६.१ उमेदवारास नामनिर्देशित करण्यात आल्यानंतर आणि छाननीसाठी निश्चित केलेल्या तारखेपूर्वी त्याने शपथ घेतली पाहिजे किंवा प्रतिज्ञाकथन केले पाहिजे.

#### ४.७ एक नामनिर्देशनपत्र फेटाळल्यामुळे वैध असल्याचे आढळून आलेल्या इतर कोणत्याही वैध नामनिर्देशनावर त्याचा परिणाम होणार नाही.

४.७.१ एकाच मतदारसंघातून उमेदवारास जास्तीतजास्त चार नामनिर्देशनपत्रे सादर करता येतील असे यापूर्वीच नमूद करण्यात आले आहे. जर या चार नामनिर्देशन पत्रांपैकी कोणतेही तीन नामनिर्देशनपत्र वैध असल्याचे आढळून आले तर, एखादे नामनिर्देशनपत्र फेटाळण्यात आला असला तरीही, त्याच्या/तिच्या वैध नामनिर्देशनासाठी तेवढे पुरेसे होईल.

#### ४.८ उमेदवाराने छाननीच्या वेळी कोणत्या कागदपत्रांनिशी व साहित्यानिशी उपस्थित राहावे

४.८.१ आपल्या नामनिर्देशनाविरुद्धच्या संभाव्य आक्षेपांना उत्तर देण्यासाठी, छाननीच्या ठिकाणी आपण आपल्याबरोबर खालील कागदपत्रे न्यावीत :—

(अ) चालू मतदार यादीची प्रत किंवा त्या मतदार यादीच्या संबद्ध भागाची प्रत किंवा आपले नाव आणि आपल्या प्रस्तावकाचे नाव असलेल्या, त्या मतदार यादीतील नोंदीची प्रमाणित प्रत ;

(ब) आपल्या वयासंबंधी समाधानकारक पुरावा ;

(क) अनामत रक्कम रोखीने देण्यात आली असेल तेव्हा, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने किंवा प्राधिकृत सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने आपल्याला दिलेली पावती, आणि शासकीय कोषागारात किंवा भारतीय रिझर्व्ह बँकेत अनामत रक्कम जमा करण्यात आली असेल तेव्हा, कोषागार पावतीची किंवा चलनाची दुसरी प्रत ;

(ड) आपण नामनिर्देशन सादर केल्यावर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने किंवा प्राधिकृत सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने आपल्याला दिलेली नामनिर्देशन पत्राची पोच आणि छाननीची सूचना ; आणि

(ई) नमुना २६ मध्ये दाखल केलेल्या प्रतिज्ञापत्राची प्रत ; आणि

(फ) सक्षम प्राधिकाऱ्याकडून प्राप्त झालेल्या अनुसूचित जाती / अनुसूचित जमाती प्रमाणपत्राची प्रत लागू असल्यास; आणि

(ग) आपल्या नामनिर्देशनाविरुद्ध जो आक्षेप घेण्यात आला असेल किंवा घेण्यात येईल अशा आक्षेपाचे निरसन किंवा खंडन करण्यासाठी आवश्यक असेल असा इतर कोणताही पुरावा किंवा साहित्य.

## ४.९ उमेदवारांच्या नावांमधील दुरुस्ती

४.९.१ प्रत्येक उमेदवाराने किंवा त्याच्या अनुपस्थितीत, त्याच्या मतदान प्रतिनिधीने किंवा त्याच्या प्रस्तावकाने एकतर नामनिर्देशनपत्र दाखल करतेवेळी किंवा नामनिर्देशनपत्रांची छाननी झाल्यावर ताबडतोब किंवा चिन्हांच्या वाटपाच्यावेळी, ज्या भाषांमध्ये मतपत्रिका छापण्यात येणार आहेत, त्या प्रत्येक भाषेत उमेदवाराच्या नावाचे अचूक वर्णलेखन लेखीस्वरूपात देणे आवश्यक असेल. जर उमेदवारास त्याचे नाव त्याच्या नामनिर्देशनपत्रात चुकीचे लिहिण्यात आले आहे किंवा अन्यथा चुकीचे दर्शविण्यात आले आहे किंवा ज्या नावाने तो लोकांमध्ये ओळखला जातो त्या नावापेक्षा वेगळे आहे असे उमेदवारास वाटले तर, त्यास, निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांची यादी तयार करण्यात येण्यापूर्वी कोणत्याही वेळी, त्याच्या नावाचे योग्य रूप व वर्णलेखन त्या दाव्याच्या पुष्ट्यर्थ जोडलेल्या पुराव्यांसह निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे लेखी स्वरूपात सादर करता येईल आणि निवडणूक निर्णय अधिकारी, अशा विनंतीच्या खरेपणाविषयी खात्री पटल्यावर, नमुना ४ मधील यादीत आवश्यक ती दुरुस्ती किंवा फेरबदल करील आणि निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या यादीत त्या नावाचे रूप व वर्णलेखन स्वीकारील. निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांची यादी तयार झाल्यावर, अशी विनंती विचारात घेतली जाणार नाही.

## ४.१० उमेदवारांनी काय करावे आणि काय करू नये

४.१०.१ आपल्या देशाचा निवडणूक कायदा अत्यंत व्यापक असून कार्यपद्धती अत्यंत तपशीलवार तयार केलेली आहे. त्यांचे योग्यरीत्या पालन करण्यावरच निवडणुकीची शुचिता अवलंबून असते. उमेदवारांनी **काय करावे आणि काय करू नये** याबद्दलची काही माहिती उमेदवारांच्या मार्गदर्शनासाठी **भाग-तीन काय करावे आणि काय करू नये** या मध्ये देण्यात आली आहे. ती माहिती परिपूर्ण नसून केवळ उदाहरणादाखल देण्यात आली आहे, याची नोंद घ्यावी.

## ४.११ आचारसंहिता-राजकीय पक्ष आणि उमेदवार यांनी काय करावे आणि काय करू नये

४.११.१ निवडणूक जाहीर झाल्यापासून ते निवडणूक प्रक्रिया पूर्ण होईपर्यंतच्या कालावधीत राजकीय पक्षांनी आणि उमेदवारांनी काय करावे आणि काय करू नये यासंबंधी आयोगाने आदर्श आचारसंहिते व्यतिरिक्त (**पहा जोडपत्र दहा**) अलिकडेच आणखी आचारसंहितेची माहिती प्रसिद्ध केली आहे. काय करावे आणि काय करू नये यासंबंधीच्या आचारसंहितेच्या माहितीची प्रत **भाग तीन** मध्येही दिली आहे. काय करावे किंवा काय करू नये यासंबंधीचा या उक्त संहितेतील सूचनांचे ज्यामुळे उल्लंघन होईल अशी कोणतीही कृति किंवा अकृति, त्याने/तिने किंवा ज्याने त्याला/तिला उभे केले तो राजकीय पक्ष, त्याचे/तिचे प्रतिनिधी, कार्यकर्ते, समर्थक आणि तुमच्याबद्दल सहानुभूती असणाऱ्या व्यक्ती करणार नाहीत याची सुनिश्चिती करण्याची जबाबदारी उमेदवाराची आहे.

## प्रकरण पाच : उमेदवारी मागे घेणे

### ५.१. उमेदवारी मागे घेणे

५.१.१. जर उमेदवारांची नामनिर्देशनपत्र स्वीकारण्यात आली तर तो/ती वैधरीत्या नामनिर्देशित उमेदवार बनतात. परंतु तरीसुद्धा, त्याला/तिला लढतीतून माघार घेण्याची इच्छा होऊ शकते. नामनिर्देशनाची छाननी पूर्ण झाल्यानंतर त्याला/तिला उमेदवारी मागे घेता येते, त्यापूर्वी कोणत्याही टप्प्यावर त्याची/तिची उमेदवारी मागे घेता येत नाही, याची उमेदवाराने नोंद घ्यावी.

### ५.२. उमेदवारी मागे घेण्याची नोटीस

५.२.१. जर उमेदवाराने त्याची/तिची उमेदवारी मागे घेण्याचा निर्णय घेतला असेल तर, लेखी सूचना देऊन त्याने/तिने तसे केले पाहिजे आणि अशी सूचना, निवडणूका घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ सोबत जोडलेल्या नमुना ५ मध्ये ( जोडपत्र ६ ) असेल. उमेदवाराने नमुना ५ मध्ये सर्व आवश्यक माहिती भरावी आणि त्यावर त्याची/तिची स्वाक्षरी करावी.

### ५.३. वैधरीत्या उमेदवारी मागे घेण्यासाठी आवश्यक असलेल्या गोष्टी

- ५.३.१. उमेदवारी मागे घेण्याबाबतची सूचना, विहित नमुन्यात असेल (नमुना ५) ;
- ५.३.२. त्यावर उमेदवारानेच सही केली पाहिजे, त्याच्या/तिच्यावतीने दुसऱ्या कोणीही सही करता कामा नये ;
- ५.३.३. ती सूचना उमेदवारी मागे घेण्याच्या अंतिम तारखेस दुपारी ३ वाजण्यापूर्वी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांकडे सुपूर्द केली पाहिजे ; आणि
- ५.३.४. अशी सूचना उमेदवाराला स्वतः किंवा त्याचा/तिचा प्रस्तावक असेल अशा प्रस्तावकांपैकी एका प्रस्तावकाद्वारे किंवा त्याने/तिने यथोचितरीत्या नियुक्त केलेल्या निवडणूक प्रतिनिधी मार्फत सुपूर्द करता येईल. परंतु जर, प्रस्तावकाने किंवा आपल्या निवडणूक प्रतिनिधीने ती सूचना सुपूर्द केली तर, अशा प्रस्तावकास किंवा निवडणूक प्रतिनिधीस उमेदवाराद्वारे याबाबत लेखी अधिकृत केले असले पाहिजे.
- ५.३.५. लेखी प्राधिकृत केल्याशिवाय, उमेदवारी मागे घेण्याची सूचना वैध ठरणार नाही. उमेदवारी मागे घेण्याची सूचना टपालाद्वारे किंवा इतर कोणत्याही प्रकारे पाठवली जाणार नाही.

### ५.४. उमेदवारी मागे घेण्याबाबतची सूचना अंतिम असण्याबाबत

- ५.४.१. आणखी एका गोष्टीची आपण अत्यंत काळजीपूर्वक नोंद घेतली पाहिजे, ती म्हणजे एकदा का उमेदवाराने त्याची/तिची उमेदवारी मागे घेत असल्याबाबतची सूचना निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला दिली की, ती लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ३७ ( २ ) अन्वये अंतिम ठरते आणि सूचना परत घेण्यासंबंधी कोणतीही कायदेशीर तरतूद नाही.
- ५.४.२. मात्र जर उमेदवारी लढतीतून माघार घेण्याचा निर्णय घेतला असेल तर, त्याला/तिला वर नमूद करण्यात आलेल्या सर्व शर्ती पूर्ण करण्याविषयी विशेष काळजी घ्यावी लागेल. अन्यथा त्याची/तिची उमेदवारी मागे घेणे हे कायद्याच्या दृष्टीने उमेदवारी मागे घेणे समजण्यात येणार नाही आणि निवडणूक निर्णय अधिकारी, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ३८ अन्वये त्याने तयार केलेल्या निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या यादीत त्याचे/तिचे नाव समाविष्ट करील. परिणामी, आपण प्रत्यक्षात निवडणूक लढवली नाही तरीही, त्याने/तिने आपल्या नामनिर्देशनपत्राबरोबर जी रक्कम जमा केली असेल ती रक्कम आपल्याला परत मिळणार नाही आणि तुम्हाला आपला खर्चाचा हिशेब दाखल करावा लागेल. परंतु जर, उमेदवारी मागे घेण्याबाबतची सूचना उचित व वैध असेल आणि निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने ती स्वीकारली असेल तर, उमेदवाराला त्याच्या/तिच्या नामनिर्देशनपत्राबरोबर जमा केलेली रक्कम त्याला/तिला परत मिळण्याचा हक्क असेल आणि त्याला/तिला निवडणुकीचा हिशेब दाखल करण्याची आवश्यकता असणार नाही.

### ५.५. उमेदवारी मागे घेण्याबाबतच्या नोटीशीची पोच

५.५.१. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास उमेदवारी मागे घेण्याबाबतची सूचना सुपूर्द केल्यानंतर, त्याबद्दलची पोच घेण्यासाठी काही वेळ तेथेच थांबणे. ही पोचपावती, निवडणूक निर्णय अधिकारी, आपल्या स्वाधीन करील. अशी पोचपावती

घेतल्याखेरीज निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याचे कार्यालय सोडू नका, कारण ही पोचपावती त्याची/तिची अनामत रक्कम परत मिळण्यासाठी उपयोगी पडेल.

#### ५.६. निवडणूक लढवण्याच्या उमेदवारांची यादी

- ५.६.१. उमेदवारी मागे घेण्यासाठी व चिन्हांचे वाटप करण्यासाठी निश्चित केलेल्या अंतिम तारखेस दुपारचे ३ वाजल्यानंतर, लगेच, त्यानंतर निवडणूक निर्णय अधिकारी, नमुना ७-अ मध्ये, उमेदवारी मागे न घेतलेल्या निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांची एक यादी तयार करील ; त्या यादीत नामनिर्देशनपत्रांत दिल्याप्रमाणे निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांची नावे, त्यांचे पत्ते आणि त्यांना नेमून दिलेल्या निशाण्या यांचा समावेश असेल. निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांची यादी **नमुना ७-अ** मध्ये असेल.
- ५.६.२. निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांची यादी तयार केल्यावर लगेच यादीची एक प्रत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या कार्यालयातील एखाद्या ठळक जागी प्रदर्शित करण्याची व्यवस्था करण्यात येईल. निवडणूक निर्णय अधिकारी, निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या यादीची एक प्रत अशा प्रत्येक उमेदवारास किंवा त्याच्या मतदान प्रतिनिधीसदेखील पुरविल.
- ५.६.३. निवडणूका घेण्याबाबत नियम, १९६१ याच्या नियम ३१ च्या पोट-नियम (१) द्वारे, निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या यादीची एक प्रत प्रत्येक मतदान केंद्राबाहेर लावणे आवश्यक असेल.
- ५.६.४. लोकसभेच्या निवडणुकीच्या बाबतीत यादी भारताच्या **राजपत्रात** व विधानसभेच्या निवडणुकीच्या बाबतीत संबंधित राज्याच्या **राजपत्रात** देखील प्रसिद्ध करण्यात येईल.

#### ५.७. निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या यादीतील नावांचा क्रम

- ५.७.१. लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ३८ व सुधारित **नमुना ४** (वैधरीत्या नामनिर्देशित उमेदवारांची यादी) आणि नमुना ७-अ (निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांची यादी) अनुसार उक्त याद्यांमधील उमेदवारांची नावे पुढील तीन प्रवर्गांमध्ये असणे आवश्यक आहे ते प्रवर्ग म्हणजे (एक) मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय व राज्याच्या संबंधात राज्यीय राजकीय पक्षांचे उमेदवार, (दोन) इतर नोंदणीकृत राजकीय पक्षांचे उमेदवार आणि, (तीन) इतर अपक्ष उमेदवार म्हणून, या प्रवर्गांतर्गत याद्यांमध्ये आणि मतपत्रिकांवरही उमेदवारांची नावे उक्त क्रमाने सुद्धा लावण्यात येतील. उपरोल्लिखित तीन प्रवर्गांमध्ये ही नावे स्वतंत्रपणे वर्णक्रमाने लावण्यात येतील याचीही नोंद घ्यावी. (तथापि, सुधारित **नमुना ७-अ** मध्ये देण्यात आलेल्या उपरोल्लिखित तीन प्रवर्गांची शीर्षे मतपत्रिकांवर दिसणार नाहीत.) तथापि, सर्व तिन्ही प्रवर्गांना अनुक्रमांनुसार क्रमांक देणे सुरू राहिल.
- ५.७.२. निवडणूक निर्णय अधिकारी, त्याला प्राप्त झालेले (उमेदवारांचे) नाव, विशेष नाम आहे की आडनाव आहे याकडे दुर्लक्ष करून नावाच्या आद्याक्षराच्या आधारे, वैधरीत्या नामनिर्देशित उमेदवारांच्या यादीतील, निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या यादीतील व मतपत्रिकांतील देखील या तिन्ही प्रवर्गांतील उमेदवारांच्या नावाचा क्रम वर्णक्रमानुसार निश्चित करील. उमेदवारांच्या नावाच्या मागे कोणतीही आद्याक्षरे जोडण्यात आली असतील तर, पूर्वोक्त प्रयोजनासाठी त्याकडे दुर्लक्ष करण्यात येईल. अशारीतीने “ टी. के. रेड्डी ” असे आपले नाव देणाऱ्या उमेदवारांच्या बाबतीत, वर्णक्रमानुसार व निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या यादीतील त्या उमेदवारांचे स्थान “ र ” या अक्षराच्या संदर्भात निश्चित करण्यात येईल, “ ट ” या अक्षराच्या संदर्भात नव्हे. तथापि, जर दोन उमेदवारांची नावे एकच असतील परंतु आद्याक्षरे वेगवेगळी असतील तेव्हा, उदाहरणार्थ, पी. एस. रेड्डी आणि टी. के. रेड्डी अशी असतील, तेव्हा ती दोन आद्याक्षरांतील पहिल्या अक्षराच्या संदर्भात एकानंतर एक अशी क्रमाने लावण्यात येतील. आणखी असे की, दोन किंवा अधिक उमेदवारांची नावे एकच असतील परंतु आडनावे वेगवेगळी असतील तर, त्यांची नावे आडनाव्याच्या संदर्भात त्यांच्या त्यांच्यात वर्णक्रमाने लावण्यात येतील.
- ५.७.३. निवडणूक घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ याच्या नियम २२(३) आणि ३०(३) मध्ये अशी तरतूद करण्यात आली आहे की, दोन किंवा अधिक उमेदवारांचे नाव एकच असेल तर, त्याचा व्यवसाय किंवा निवासस्थान नमूद करून किंवा तशाच इतर मार्गाने त्यांच्यात फरक दर्शविण्यात यावा. अशा प्रकरणांत, ज्या उमेदवारांची नावे वैधरीत्या नामनिर्देशित उमेदवारांच्या यादीत व निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या यादीत आणि मतपत्रिका यामध्ये एकाच प्रवर्गाखाली येत असतील तर अशा उमेदवारांच्या नावाचा क्रम उमेदवारांच्या फरक दर्शवणाऱ्या नावाच्या संदर्भात लावण्यात येईल.

- ५.७.४. कोणतीही सन्मानदर्शक, विद्याविषयक, वंशपरंपरागत, व्यावसायिक किंवा इतर कोणतीही पदवी उमेदवाराच्या नावाला जोडण्यास कोणतीही हरकत असणार नाही. परंतु अशी पदवी, वैधरीत्या नामनिर्देशित उमेदवारांच्या किंवा निवडणूक लढणाऱ्या उमेदवारांच्या यादीतील आणि मतपत्रिकांतील नावे वर्णानुक्रमे लावताना, केव्हाही विचारात घेतली जाणार नाही.
- ५.७.५. निवडणूक निर्णय अधिकारी, वैधरीत्या नामनिर्देशित उमेदवारांच्या यादीमध्ये उमेदवारांची नावे (परिशिष्ट-९ आणि ९-क) आयोगाने विनिर्दिष्ट केल्याप्रमाणे, अशा भाषेच्या लिपीनुसार वर्णानुक्रमे लाविल.

#### ५.८. निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांना ओळखपत्र देणे

- ५.८.१. निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या यादीला अंतिम रूप देण्यात आल्यानंतर, निवडणूक निर्णय अधिकारी, निवडणूक लढवणाऱ्या प्रत्येक उमेदवाराला, खाली दिलेल्या नमुन्यात एक ओळखपत्र देईल:

| <b>उमेदवाराचे ओळखपत्र</b>   |   |
|---|---|
|   | <div style="border: 1px solid black; width: 80px; height: 60px; margin: 0 auto; display: flex; align-items: center; justify-content: center;">           छायाचित्र         </div> |
| <p>श्री./श्रीमती ..... हे/ह्या ..... मतदारसंघातील .....<br/>           ..... च्या निवडणुकीसाठी, निवडणूक लढवणारे उमेदवार आहेत आणि त्यांना ..... पक्षाने<br/>           उभे केले आहे.</p> |   |
| <p>.....<br/>           ( उमेदवाराची सही )</p>  |   |
| ठिकाण : .....   | .....   |
| दिनांक : .....  | निवडणूक निर्णय अधिकारी यांचेद्वारे साक्षांकित.( मोहोर )   |

**टीप.—** जर उमेदवारास आयोगाकडे नोंदणी केलेल्या राज्य पक्षाचे नाव दर्शवणारी पक्षाने किंवा राष्ट्रीय पक्षाने किंवा बिगर मान्यताप्राप्त पक्षाने उभे केले असेल तर, त्याने/तिने पक्षाचे नाव नमूद करावे, अन्यथा नमुन्यातील पक्षाचे नाव दर्शविणारी मजकुरातील शेवटची ओळ खोडून टाकावी.

५.८.२. सर्व निवडणुकांच्या बाबतीत निवडणूक आयोगाने असा निर्णय घेतलेला आहे की, निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांना देण्यात येणाऱ्या ओळखपत्रांवर त्यांची छायाचित्रे असावीत. या प्रयोजनासाठी उमेदवारी मागे घेण्याच्या अंतिम दिवशी निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांची यादी अंतिम स्वरूपात तयार झाल्यानंतर लगेचच उमेदवारांनी आपल्या अलीकडील छायाचित्राच्या दोन प्रती निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे द्याव्यात अशा सूचना त्यांना निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याद्वारे देण्यात येतील. ओळखपत्रे दुहेरी प्रतीत तयार करण्यात येतील, जेणेकरून दुसरी प्रत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या अभिलेखासाठी कार्यालय प्रत म्हणून ठेवता येईल.

५.८.३. उमेदवाराने निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांकडून आपले ओळखपत्र घेण्यास कसूर करू नये आणि ते ओळखपत्र त्याने/ तिने नेहमी स्वतःजवळ बाळगावे. निवडणुकीची मोहिम, मतदानाचा दिवस आणि मतमोजणीची तारीख या वेळी असे बरेच प्रसंग उद्भवतील की ज्यावेळी आपल्याला उमेदवार म्हणून आपली ओळख पटवण्याची आवश्यकता भासेल आणि या ओळखपत्रामुळे उमेदवार म्हणून आपली ओळख चटकन पटेल.

## निवडणूक प्रतिनिधी

### ६.१. निवडणूक प्रतिनिधींची नियुक्ती

६.१.१. उमेदवार इतर कोणत्याही व्यक्तीला त्याचा/तिचा निवडणूक प्रतिनिधी म्हणून नेमू शकतो. तथापि, कायद्यांतर्गत, निवडणूक प्रतिनिधी नेमण्याची आपल्यावर सक्ती असणार नाही याची नोंद घ्यावी. उमेदवाराची तशी इच्छा असेल तर, अशी नेमणूक, उमेदवार, नामनिर्देशित झाल्यानंतर कोणत्याही वेळी करू शकतो किंवा अशी नेमणूक केली नाही तरी चालेल. अशी प्रत्येक नेमणूक ही निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे **नमुना ८** (निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१ च्या नियम १२ अन्वये) (**परिशिष्ट सात**) मध्ये दोन प्रतीत रीतसर पत्र जमा करून करावी लागेल, निवडणूक निर्णय अधिकारी त्याची एक प्रत ठेवून घेईल आणि दुसरी प्रत, नेमणुकीस त्याची मान्यता आहे हे दर्शवून त्यावर आपली सही करून, उमेदवार/निवडणूक प्रतिनिधीकडे परत करेल.

### ६.२. नोंद घेण्यासाठी महत्त्वपूर्ण मुद्दे

६.१.२. ज्या व्यक्तीस संविधानान्वये किंवा लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ अन्वये संसदेच्या कोणत्याही सभागृहाचा किंवा राज्य विधानमंडळाच्या कोणत्याही सभागृहाचा सदस्य होण्यास किंवा निवडणुकांत मतदान करण्यास काही काळापुरते निरह ठरवण्यात आले असेल अशी कोणतीही व्यक्ती, निरहता अस्तित्वात असेपर्यंत, निवडणूक प्रतिनिधी होण्यास निरह असेल.

केंद्र सरकार किंवा राज्य शासन यांचा कोणताही विद्यमान मंत्री, विद्यमान संसद सदस्य, विधानसभा/विधानपरिषदेचा विद्यमान सदस्य, नागरी स्वराज्य संस्थांचे मुख्य/प्रमुख/अध्यक्ष जसे की, महानगरपालिकेचा महापौर किंवा नगरपालिकेचा/जिल्हा परिषद/पंचायत संघाचा अध्यक्ष/जिल्हा स्तर/गट स्तर/मंडळ परिषद, पंचायत समिती इ. चे अध्यक्ष/उपाध्यक्ष इत्यादी यांना निवडणुकी दरम्यान कोणत्याही उमेदवाराचा निवडणूक प्रतिनिधी, मतदान प्रतिनिधी किंवा मतमोजणी प्रतिनिधी म्हणून काम करण्याची परवानगी असणार नाही. ( अलिकडचे अनुदेश पहावेत. )

- केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम/राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमाचे अध्यक्ष आणि सदस्य, शासकीय मंडळे/महानगरपालिका/सहकारी संस्था.

- शासनाकडून कोणतेही मानधन किंवा सहाय्य घेणारी व्यक्ती किंवा कोणत्याही शासकीय/शासन अनुदानित संस्थेत अर्ध वेळ काम करणारी व्यक्ती, निवडणूक प्रतिनिधी म्हणून काम करू शकणार नाही.

- शासन/शासन अनुदानित संस्थांमधील निम-वैद्यकीय/आरोग्य सेवक कर्मचारी, रास्त भावाच्या दुकानाचे (रेशनिंग) व्यापारी. अंगणवाडी कर्मचारी.

- शासकीय सेवेतील कोणतीही व्यक्ती मतदान प्रतिनिधी म्हणू काम करता येणार नाही. असे करणे हा गुन्हा आहे आणि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १३४-क अन्वये अशा नियुक्त व्यक्तीस तीन महिन्यांपर्यंत असू शकेल स रम कारावासाची किंवा दंड किंवा दोन्ही शिक्षा होऊ शकतात, प्रतिनिधी म्हणून नियुक्त करण्यात येणार नाही. सुरक्षा कवच असलेल्या कोणत्याही व्यक्तीस निवडणूक प्रतिनिधी होण्यास सहाय्यभूत व्हावे म्हणून आपले सुरक्षा संरक्षण सोडून देण्याची परवानगी देण्यात येणार नाही.

६.१.३. उमेदवाराला, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे त्यांच्या/तिच्या सहीने नमुना ९ ( जोडपत्र ८ ) मध्ये लेखी अर्ज सादर करून निवडणूक प्रतिनिधीची नेमणूक रद्द करता येईल. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे असा अर्ज केल्याच्या तारखेपासून अशी नेमणूक रद्द होईल. अशारीतीने नेमणूक रद्द करण्यात आल्यास किंवा निवडणूक प्रतिनिधी मरण पावल्यास, उमेदवाराला, त्याच्या जागी दुसऱ्या निवडणूक प्रतिनिधीची नेमणूक करता येईल.

६.१.४. निवडणूक प्रतिनिधीस, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ आणि त्यांतर्गत केलेले नियम याद्वारे जी अधिकृत असतील अशी, आपल्या निवडणुकीच्या संबंधातील कामे पार पाडता येतील. विशेषतः उमेदवाराने किंवा त्याच्या/



तिच्या निवडणूक प्रतिनिधीने, प्रत्येक बाबींवर रोजच्या रोज केलेल्या त्याच्या/तिच्या निवडणूक खर्चाचा संपूर्ण हिशेब ठेवला पाहिजे आणि त्याच्या पुष्ट्यर्थ योग्य ती प्रमाणके ठेवली पाहिजेत आणि निवडणूक खर्चाच्या हिशेबाबरोबर तीही सादर केली पाहिजेत. आणखी असेही निदर्शनास आणून देण्यात आले आहे की, त्याच्या/ तिच्या निवडणूक प्रतिनिधीने (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १२३ मध्ये नमूद केलेला) कोणताही भ्रष्टाचार हा, उमेदवाराने केलेला भ्रष्टाचार असल्याचे समजण्यात येईल आणि त्यामुळे त्याच्या/तिच्या निवडणुकीस बाध येईल. म्हणून, उमेदवाराने त्याचा/तिचा निवडणूक प्रतिनिधी निवडताना योग्य ती काळजी घ्यावी. उमेदवाराने निवडणूक प्रतिनिधीस भ्रष्टाचाराच्या संबंधातील अधिनियमाच्या कलम १२३ मधील तरतुदी काळजीपूर्वक वाचण्यास सांगव्या उमेदवाराच्यावतीने निवडणूक प्रतिनिधीने केलेल्या कृत्यांस तो/ती जबाबदार असेल.

- ६.१.५. प्रत्येक उमेदवाराला विविध खर्चासंबंधी बाबींमध्ये सहाय्य करण्यासाठी अतिरिक्त प्रतिनिधी नियुक्त करण्याची परवानगी देखील आहे. आयोगाने विहित केलेल्या नमुन्यात ही नियुक्ती केली जाईल. हा अतिरिक्त प्रतिनिधी केवळ खर्च निरीक्षणाच्या प्रकरणांशी संबंधित असांविधिक कर्तव्ये पार पाडण्याच्या उद्देशानेच असेल. उमेदवाराच्या वतीने सांविधिक कर्तव्ये पार पाडण्यासाठी निवडणूक प्रतिनिधी अधिकृत आहे, अशी कर्तव्ये केवळ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ४० तसेच निवडणूका घेण्याबाबत नियम, १९६१ च्या नियम १२ अन्वये नियुक्त केलेल्या निवडणूक प्रतिनिधीद्वारेच पार पाडता येतील.
- ६.१.६. वरील परिच्छेद ६.१.२ मध्ये स्पष्ट केल्यानुसार कायदानुसार निवडणूक प्रतिनिधी म्हणून अपात्र ठरलेल्या व्यक्तीची असा अतिरिक्त प्रतिनिधी म्हणून नियुक्ती करण्यात येऊ नये. मंत्री/खासदार/आमदार/महानगरपालिकेचा महापौर/नगरपरिषदेचा/जिल्हापरिषदेचा अध्यक्ष आणि सुरक्षा कवच प्रदान केलेल्या व्यक्ती यांच्या अशा अतिरिक्त प्रतिनिधीसाठी देखील असलेले सर्वसाधारण प्रतिबंध लागू होतील.
- ६.१.७. संपूर्ण राज्य किंवा एकापेक्षा जास्त जिल्ह्यांमध्ये पसरलेल्या मोठ्या संसदीय मतदार संघातील उमेदवारांना कायद्यांतर्गत परवानगी नसलेल्या केवळ एका निवडणूक प्रतिनिधीच्या मदतीने संपूर्ण संसदीय मतदार संघातील निवडणुकीच्या प्रक्रियेवर नियंत्रण ठेवणे कठीण जाते. आयोगाने, अशा प्रकरणांमध्ये निवडणूक प्रतिनिधींव्यतिरिक्त "अधिकृत नामनिर्देशित व्यक्तींची" नियुक्ती करण्यास परवानगी देण्याचा निर्णय घेतला आहे. अशी नियुक्ती विहित नमुन्यात करावी लागेल. अशा "अधिकृत नामनिर्देशित व्यक्तींना" निवडणूक प्रतिनिधींना कायादेशीर दर्जा नसेल, परंतु ते अधिकाऱ्याबरोबरच्या भेटींमध्ये उमेदवारांचे प्रतिनिधित्व करू शकतील आणि उमेदवाराच्या वतीने असांविधिक कार्य पार पाडू शकतील. अशा अधिकृत नामनिर्देशितांची संख्या संसदीय मतदारसंघातील विधानसभा विभागांच्या संख्येपेक्षा जास्त नसेल आणि एक किंवा दोन संसदीय मतदार संघ असलेल्या लहान राज्यांच्या बाबतीत अधिकृत नामनिर्देशितांची संख्या त्या संसदीय मतदारसंघात असणाऱ्या जिल्ह्यांच्या संख्येपेक्षा जास्त नसेल. अधिकृत नामनिर्देशित व्यक्तींना प्रचार कालावधी संपेपर्यंत उमेदवाराने ज्या विशिष्ट क्षेत्रासाठी त्याला नामनिर्देशित केले आहे त्या क्षेत्रासाठी वाहन परवाना जारी केला जाऊ शकतो. अधिकृत नामनिर्देशित व्यक्तीने वापरलेल्या वाहनावरील खर्च उमेदवाराच्या निवडणूक खर्चाच्या खात्यात जमा केला जाईल हे नमूद करण्याची गरज नाही."
- ६.१.८. लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ४१ अन्वये घालून दिलेल्या सर्व शर्ती या निवडणूक प्रतिनिधीच्या नियुक्तीसाठी आणि मंत्री/आमदार/खासदार/विधानपरिषद सदस्य/महानगरपालिकेचे महापौर/नगरपालिका/जिल्हा परिषदेचे अध्यक्ष यांना नियुक्ती करण्याबाबतच्या उमेदवारासाठी कोणताही प्रतिनिधी म्हणून सर्वसाधारण प्रतिबंधाबाबतच्या सर्व अटी अशा अधिकृत नामनिर्देशित व्यक्तीसाठी देखील लागू असतोच.
- ६.१.९. निवडणूक प्रतिनिधींनासुद्धा ओळखपत्रे देण्याचा निर्णय देखील आयोगाने घेतलेला आहे. नमुना '८' मधील निवडणूक प्रतिनिधीचे नेमणूक पत्र हेच असे ओळखपत्र म्हणून वापरता येईल. उमेदवाराने त्याच्या/तिच्या निवडणूक प्रतिनिधीची छायाचित्रे देखील नमुना-८ मधील त्याच्या नेमणूक पत्राच्या दोन्ही प्रतींवर उजव्या बाजूला वरच्या भागात चिकटवली पाहिजेत. ही छायाचित्रे, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांकडून, उमेदवारांच्या छायाचित्रांच्या साक्षांकनाच्या बाबतीत मागच्या प्रकरणात देण्यात आलेल्या सूचनांप्रमाणे साक्षांकित करण्यात येतील.

## प्रचाराचा कालावधी

### ७.१. प्रारंभिक

- ७.१.१. निवडणूक कायद्याने, उमेदवारी मागे घेण्यासाठी निश्चित केलेली अंतिम तारीख आणि मतदान या दरम्यान तेरा दिवसांपेक्षा कमी नसेल इतक्या कालावधीची तरतूद केली आहे. हा कालावधी, मतदारांमध्ये प्रचार करण्यासाठी व त्यांना शिक्षण देण्यासाठी आणि उमेदवाराला जे बरेचसे कार्यकर्ते व प्रतिनिधी नेमावयाचे असतील त्या कार्यकर्त्यांना व प्रतिनिधींना प्रशिक्षित करण्यासाठी योग्य प्रकारे उपयोगात आणावा.
- ७.१.२. निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवाराने मतदारांना मतदान यंत्राद्वारे आपली मते कशा प्रकारे नोंदवायची आहेत हे शिकवण्यासाठी या कालावधीचा पुरेपूर वापर केला पाहिजे. त्याचप्रमाणे, उमेदवाराद्वारे त्याचा/तिचा मतदान प्रतिनिधी व मतमोजणी प्रतिनिधी म्हणून ज्या व्यक्तींची नेमणूक करण्याचे ठरवले आहे त्या व्यक्तींना देखील या यंत्रांचा वापर करताना अनुसरावयाच्या मतदान व मतमोजणी कार्यपद्धतीविषयी सखोल माहिती करून घेण्यास सांगितले पाहिजे. त्याच्या मार्गदर्शनासाठी, आयोगाने त्यांच्याकरिता एक स्वतंत्र निदेशपुस्तक प्रसिद्ध केले आहे. त्याचा, त्यांनी काळजीपूर्वक अभ्यास केला पाहिजे.

### ७.२. भ्रष्टाचार आणि निवडणूकविषयक अपराध

- ७.२.१. निवडणूक मोहिम हाती घेताना, उच्च दर्जाची नैतिकता व शुचिता पाळली जाईल याची उमेदवाराने खात्री करून घ्यावी, कारण त्यामुळे निवडणुकाही खात्रीपूर्वक मुक्त व निःपक्ष वातावरणात पार पडतील. निवडणुका सुरळीतपणे पार पाडण्यात अडथळा येतो आणि निवडणुकीच्या वेळी मैत्रीपूर्ण चुरशीचे वातावरण बिघडण्याचे असे मुख्य कारण म्हणजे, निवडणूक कायद्यात भ्रष्टाचार आणि निवडणूकविषयक अपराध यासंबंधीच्या ज्या सांविधिक तरतुदी आहेत त्यांचा भंग होणे. निवडणूक कायद्याने लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ ची कलमे १२३ ते १३६ आणि भारतीय दंड संहितेचे प्रकरण नऊ-क यामध्ये निरनिराळे भ्रष्टाचार आणि निवडणूकविषयक अपराध नमूद केले आहेत. उमेदवाराच्या सोयीसाठी, वर नमूद केलेल्या तरतुदी परिशिष्ट-नऊ मध्ये उद्धृत केल्या आहेत. उमेदवारांच्या प्रतिनिधींनी व कार्यकर्त्यांनी असा कोणताही भ्रष्टाचार आणि अपराध केल्यास त्याच्या/तिच्या निवडणुकीस बाध येऊ शकेल. म्हणून, उमेदवारांच्या उमेदवाराने त्याच्या/तिच्या अतिउत्साही प्रतिनिधींना आणि कार्यकर्त्यांना कोणत्याही आक्षेपाई कृत्यांमध्ये भाग घेण्यापासून रोखावे. उमेदवार निवडणुकीमध्ये यशस्वी झाला असला तरी, भ्रष्टाचाराची एखादी घटना सिद्ध झाली तर, ती त्याला/तिला अयशस्वी ठरवण्यास पुरेशी होईल.

### ७.२.२. विशेषतः उमेदवाराने, त्याच्या/तिच्या वतीने पुढील गोष्टी करण्यास परवानगी देऊ नये.—

- (एक) लाचलुचपत किंवा जबरदस्ती किंवा धाकदपटशा याद्वारे किंवा अन्यथा मतदारांवर अनुचित दबाव किंवा तोतयेगिरी ;
- (दोन) कोणत्याही, मतदाराला कोणत्याही प्रकारच्या वाहनातून कोणत्याही मतदान केंद्रावर नेण्या-आणण्याची कोणतीही प्रत्यक्ष किंवा अप्रत्यक्ष व्यवस्था करणे ( हा फौजदारी अपराध देखील आहे ) ;

**टीप.—**शासकीय कर्मचाऱ्याने असे सहाय्य करणे हा भ्रष्टाचार आहे, त्याचप्रमाणे अपराधही आहे. जर उमेदवाराने त्याला तसे करण्यास चिथावणी दिली तर, तो/ती अशा अपप्रेरणेबद्दल फौजदारीरित्या जबाबदार ठरेल. परंतु, शासनाच्या सेवेत असलेली व विनिर्दिष्ट वर्गांपैकी कोणत्याही वर्गाची कोणतीही व्यक्ती आपली पदीय कर्तव्ये पार पाडताना किंवा पार पाडणे अभिप्रेत असताना, कोणताही उमेदवार किंवा त्याचा निवडणूक प्रतिनिधी किंवा उमेदवाराच्या किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीच्या संमतीने काम करणारी कोणतीही व्यक्ती याच्यासाठी किंवा यांच्या संबंधात कोणतीही व्यवस्था करील किंवा कोणतीही सोय पुरविल किंवा इतर कोणतीही कृती किंवा गोष्ट करील ( उमेदवाराने धारण केलेल्या पदामुळे असो किंवा इतर कोणत्याही कारणामुळे असो ) तेव्हा, अशी व्यवस्था, सोय किंवा कृती किंवा गोष्ट ही, त्या निवडणुकीत तो उमेदवार निवडून येण्याची शक्यता वाढण्यासाठी केलेले साहाय्य असल्याचे समजण्यात येणार नाही.

- (तीन) धर्म, जात, जमात किंवा भाषा यांच्या आधारे भारतीय नागरिकांच्या निरनिराळ्या वर्गामध्ये शत्रुत्वाची किंवा तिरस्काराची भावना वाढवणे किंवा वाढवण्याचा प्रयत्न करणे हा भ्रष्टाचार असून त्यामुळे उमेदवाराची निवडणूक निरर्थक ठरू शकेल आणि सदस्यत्वासाठी ती निरर्हता ठरू शकेल ; तसेच तो, तीन वर्षांपर्यंत वाढवता येईल इतक्या मुदतीच्या कारावासाच्या शिक्षेस किंवा दंडाच्या शिक्षेस किंवा या दोन्ही शिक्षांस पात्र असा निवडणूकविषयक अपराधही आहे ;
- (चार) निवडणुकीत उमेदवारास निवडून घेण्याची शक्यता वाढविण्यासाठी कोणत्याही शासकीय कर्मचाऱ्याने कोणतेही सहाय्य करणे, मात्र, शासकीय कर्मचाऱ्याची त्याला/तिला मत देण्याची इच्छा असेल तर त्याला तसे करता येईल ;
- (पाच) उमेदवाराने निवडणूक खर्च वैध कमाल मर्यादितेने वाढणे ;
- (सहा) बळाचा वापर करून किंवा अन्यथा मतदान केंद्रातून मतपत्रिका किंवा मतदानयंत्र कोणत्याही प्रकारे हलवणे किंवा मतपेट्यांमध्ये किंवा मतदानयंत्रांमध्ये गैरफेर करणे (हे फौजदारी अपराध आहेत) ;
- (सात) उमेदवाराने किंवा त्याच्या/तिच्या निवडणूक प्रतिनिधीने, किंवा त्याच्या/तिच्या संमतीने किंवा त्याच्या/तिच्या निवडणूक प्रतिनिधीच्या संमतीने इतर कोणत्याही व्यक्तीने, कोणत्याही व्यक्तीसाठी तिचा धर्म, वंश, जात, जमात किंवा भाषा यांच्या आधारे मतदान करण्यासाठी किंवा मतदानापासून दूर राहण्यासाठी आवाहन करणे किंवा धार्मिक निशाण्यांचा वापर करणे किंवा त्यांचे आवाहन करणे किंवा राष्ट्रध्वज किंवा राष्ट्रचिन्ह यांसारख्या राष्ट्रीय निशाण्यांचा वापर करणे किंवा त्यांचे आवाहन करणे; असे करणे कायद्यान्वये भ्रष्टाचार आहे. (तथापि, उमेदवाराला नेमून दिलेली कोणतीही निशाणी ही, धार्मिक निशाणी किंवा राष्ट्रीय निशाणी असल्याचे समजण्यात येणार नाही) ;
- (आठ) कोणत्याही उमेदवाराच्या वैयक्तिक चारित्र्याच्या किंवा वर्तणूकीच्या संबंधात जे खोटे आहे असे, वस्तुस्थितीसंबंधी कोणतेही निवेदन प्रसिद्ध करणे ;
- (नऊ) लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १३५-क मध्ये व्याख्या केल्याप्रमाणे केंद्र ताब्यात घेणे हा भ्रष्टाचार व निवडणूकविषयक अपराध असून त्याबद्दल सहा महिन्यांहून कमी नसेल व दोन वर्षांपर्यंत असू शकेल इतक्या कालावधीचा कारावास आणि द्रव्यदंड होऊ शकेल.

**१३५क. बूथ ताब्यात घेण्याचा अपराध.**—जो कोणी, बूथ (मतदान केंद्र) ताब्यात घेण्याचा अपराध करील तो एक वर्षांपेक्षा कमी नसेल पण तीन वर्षांपर्यंत असू शकेल एवढ्या कारावासाच्या आणि द्रव्यदंडाच्या शिक्षेस पात्र होईल आणि शासकीय सेवेतील व्यक्तीने जर असा अपराध केला तर त्या बाबतीत ती (व्यक्ती) तीन वर्षांपेक्षा कमी नसेल पण पाच वर्षांपर्यंत असू शकेल. एवढ्या कारावासाच्या आणि द्रव्यदंडाच्या शिक्षेस पात्र होईल.

### ७.३. आदर्श आचारसंहिता आणि तिचे अनुपालन

- ७.३.१. वर नमूद केलेले भ्रष्टाचार आणि निवडणूकविषयक अपराध याशिवाय, ज्यामुळे निरनिराळ्या राजकीय पक्षांमध्ये आणि उमेदवारांमध्ये कटुता, क्षोभ, भांडण आणि संताप यांची भावना निर्माण होईल आणि वातावरण दूषित होईल असे आणखी वेगवेगळे प्रकार निवडणूक मोहिमेच्या वेळी घडू शकतात. निवडणूक सुरळीतपणे पार पाडण्यासाठी हितावह असे मुक्त व निःपक्ष वातावरण राखण्याकरिता, आयोगाने राजकीय पक्षांच्या व उमेदवारांच्या मार्गदर्शनासाठी आदर्श आचारसंहिता तयार केली आहे.
- ७.३.२. मतदारसंघातील निवडणूकीचा कार्यक्रम आयोग ज्या दिवशी घोषित करील त्या दिवसापासून आदर्श आचारसंहिता लागू होईल. आचारसंहिता परिशिष्ट सतरामध्ये उद्धृत करण्यात आली आहे.
- ७.३.३. राजकीय पक्षांनी व निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांनी आणि तसेच, त्यांच्या कार्यकर्त्यांनी ही आचारसंहिता साक्षेपाने अनुसरली तर, त्यांच्यामध्ये द्वेषभावना किंवा तेढ निर्माण होण्यास क्वचितच कारण मिळेल आणि निवडणुकीचे काम ज्यांच्याकडे सोपविण्यात आले असेल त्या अधिकाऱ्यांना निवडणूक सुरळीतपणे व योग्य प्रकारे पार पाडता येईल. आशारितीने, या उदात्त कार्यात या अधिकाऱ्यांना उमेदवारांच्या सहकार्याची आवश्यकता असेल.

### ७.४. स्थायी समित्या

- ७.४.१. उक्त आदर्श आचारसंहितेचे, सर्व राजकीय पक्ष आणि निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांद्वारे योग्य रीतीने पालन व्हावे यासाठी, आणि आदर्श आचारसंहितेच्या उल्लंघनाच्या विनिर्दिष्ट प्रकरणांचा विचार करण्यासाठी आयोगाने पूर्वी अशा सूचना दिल्या होत्या की, प्रत्येक जिल्ह्यात जिल्हा प्रशासन प्रमुखाच्या, म्हणजे उप-आयुक्त, जिल्हा दंडाधिकारी इत्यादीच्या अध्यक्षतेखाली स्थायी समित्या असाव्यात, आणि जिल्ह्याच्या वरिष्ठ पोलीस अधिकाऱ्यांव्यतिरिक्त, जिल्ह्यात काम करत असलेल्या सर्व राष्ट्रीय/राज्यस्तरीय पक्षांचे प्रतिनिधी अशा समित्यांशी संबंधित असावेत.
- ७.४.२. आयोगाने अशा सुद्धा सूचना दिल्या आहेत की, पुर्वोक्त जिल्हा समित्यांबरोबरच, प्रत्येक मतदारसंघातही तशीच समिती स्थापन करण्यात यावी. ही समिती, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या अधिकारात कामे करील आणि ती, वरिष्ठ पोलीस अधिकाऱ्यांव्यतिरिक्त, निवडणूक लढवणारे सर्व उमेदवार किंवा त्यांचे प्राधिकृत प्रतिनिधी यांची मिळून बनलेली असेल. समितीची वारंवार, शक्य असेल तर, दररोज बैठक होईल. आदर्श आचारसंहितेचे पालन करण्यात येत आहे हे पाहण्यासाठी ती जागरूक राहिल. अशा संहितेचा भंग झाल्याचा कोणताही प्रसंग उमेदवाराच्या निदर्शनास आला तर, आवश्यक त्या सुधारात्मक किंवा शिक्षात्मक कार्यवाहीसाठी त्याने/तिने त्या प्रसंगाबाबत समितीला कळवले पाहिजे.

### ७.५. मिरवणुका व सभा

- ७.५.१. कोणत्याही सार्वजनिक किंवा खाजगी ठिकाणी सभा घेण्यासाठी उमेदवार किंवा त्याच्या/तिच्या पक्षाने वेळच्यावेळी योग्य त्या प्राधिकाऱ्याकडून आवश्यक ती परवानगी मिळवली पाहिजे. आयोगाने अशा सूचना दिल्या आहेत की, सर्व सार्वजनिक मैदाने, सभागृहे, इत्यादि सर्व उमेदवारांना समानतेने उपलब्ध करून देण्यात यावीत आणि याबाबतीत कोणत्याही विशिष्ट राजकीय पक्षाचा उमेदवाराच्या बाबतीत कोणतीही गैरवाजवी मर्जी किंवा पसंती दाखवण्यात येऊ नये. अशा सभेसाठी किंवा कोणत्याही निवडणूक प्रचारासाठी व्यासपीठ म्हणून मंदिरे, मशिदी, चर्च किंवा इतर प्रार्थनास्थळांचा वापर करण्यात येऊ नये. तसेच, मिरवणुका काढण्यासाठीही परवानगी मिळवावी, स्थानिक पोलीस प्राधिकाऱ्यांना वाहतुकीची व सुरक्षिततेची आवश्यक ती व्यवस्था करता यावी म्हणून वेळच्यावेळी अर्ज करावा. ज्या रस्त्यावरून किंवा मार्गाने एखाद्या उमेदवाराची मिरवणूक काढण्यात येणार असेल त्याच रस्त्यावरून किंवा मार्गाने त्याच दिवशी दुसऱ्या एखाद्या उमेदवारानेही मिरवणूक काढण्याचे टाळावे. चित्रदर्शन हे संयत व नेमस्त आणि मतदारासाठी खरोखर शैक्षणिक मूल्य असलेले, असे असावे. भाषणे करताना किंवा घोषणा देताना उच्च दर्जाची सभ्यता व औचित्य राखावे. संबंधित प्राधिकाऱ्याच्या लिखित परवानगी शिवाय आणि यासंदर्भात आयोगाने निश्चित केलेल्या वेळेनंतर कोणत्याही अशा सभेसाठी किंवा मिरवणुकीसाठी किंवा सर्वसाधारण प्रचारासाठी ध्वनिक्षेपकाचा (लाऊडस्पीकर) वापर करण्यात येऊ नये.
- ७.५.२. सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली किंवा ध्वनिक्षेपक (लाऊडस्पीकर) किंवा कोणत्याही प्रकारच्या वाहनांवर जोडलेला किंवा एका ठिकाणी असेल अशा कोणताही ध्वनिवर्धकाचा, निवडणूक प्रयोजनासाठी सार्वजनिक सभेकरिता वापर करावयाचा असेल तर, तो रात्री १०-०० ते सकाळी ६-०० या दरम्यान करता येणार नाही.
- ७.५.३. कोणत्याही मतदान क्षेत्रात मतदान समाप्त होण्यासाठी निश्चित केलेली वेळ संपण्याच्या ४८ तासांदरम्यान कोणत्याही प्रकारचा किंवा अन्य कोणत्याही पद्धतीने वाहनांवर बसवलेल्या ध्वनिक्षेपकाचा वापर करू नये.
- ७.५.४. **निवडणूक प्रचारासाठी वापर करावयाच्या वाहनांच्या संख्येवरती निर्बंध असणार नाही. तथापि, वैध परवाना मिळाल्याशिवाय ते वाहन वापरता येणार नाही.** प्रचारास सुरुवात करण्यापूर्वी उमेदवाराने तो/ती वापरत असेल अशा सर्व वाहनांचे तपशील, जिल्हा निवडणूक अधिकारी किंवा जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याच्या वतीने विशेष प्राधिकृत केलेल्या इतर दुसऱ्या अधिकाऱ्याकडे/अधिकाऱ्यांकडे सादर केले पाहिजेत आणि अशा वाहनांच्या बाबतीतील परवाने मिळवले पाहिजेत. उमेदवाराने किंवा त्याच्या/तिच्या प्रतिनिधीने, जादा वाहनांच्या प्रत्यक्ष तैनातीपूर्वी, अशा अतिरिक्त वाहनांचा तपशील दाखल केल्यानंतर आणि अशा अतिरिक्त वाहनांसाठीचा परवाना (परवानगी) मिळवल्यानंतरच, उमेदवाराद्वारे अशा कोणत्याही अतिरिक्त वाहनांची तैनाती होऊ शकते. वाहनांचा तपशील सादर करताना, निवडणूक प्रचारमोहिमेसाठी तैनात करण्यात येणारी वाहने ज्या क्षेत्रात कार्यरत राहणार

आहेत त्या क्षेत्राचा तपशीलही सादर करण्यात यावा. **निवडणूक प्रचारमोहिमेसाठी वापरण्यात येणाऱ्या अशा सर्व वाहनांवर करण्यात येणाऱ्या खर्चाची उमेदवारांच्या निवडणूक खर्चात नोंद करण्यात यावी.**

- ७.५.५. जिल्हा प्रशासनाकडे प्रचार मोहिमेसाठी नोंद न केलेले वाहन जर प्रचार मोहिमेसाठी वापरात येत असल्याचे आढळून आल्यास, आपण अनधिकृत प्रचार करीत असल्याचे मानण्यात येईल आणि भारतीय दंड संहितेच्या प्रकरण नऊ-क च्या दंड तरतुदीचा वापर करावा लागेल आणि ते वाहन प्रचार मोहिमेतून तात्काळ काढून घेण्यात येईल.
- ७.५.६. वाहनावर ध्वनिक्षेपक ( लाऊडस्पीकर ) बसविणे यासह वाहनांचे बाहेरील फेरबदल हे मोटार वाहन अधिनियमाच्या/ नियमाच्या तरतुदीच्या आणि कोणत्याही इतर स्थानिक अधिनियम/नियमाच्या अधीन असतील. फेरबदल केलेले वाहन आणि व्हिडिओ रथ इत्यादींसारखे विशेष प्रचार मोहिमेची वाहने इत्यादी मोटार वाहन अधिनियमांतर्गत सक्षम प्राधिकाऱ्याकडून आवश्यक परवाना मिळवल्यानंतरच वापरता येतील.
- ७.५.७. प्रचार मोहिमेसाठी ( चालविण्यात ) येणारी वाहने निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या पूर्व परवानगीनेच चालविण्यात येत असल्याची उमेदवाराने खात्री करून घ्यावी आणि निर्गमित केलेला मूळ परवाना ( छायाचित्रप्रत नाही ) पुढे आलेल्या दर्शनिकेवर दिसेल असा लावावा. परवान्यावर वाहनाचा क्रमांक व कोणत्या उमेदवाराच्या वतीने तो जारी करण्यात आला आहे त्याचे नाव दिसले पाहिजे.
- ७.५.८. हेलिकॉप्टर उतरविण्याआधी आणि त्यातून प्रवास करणाऱ्या व्यक्तीची जिल्हा प्रशासनाला ३ दिवस आधी पूर्वसूचना देण्यात यावी आणि असे हेलिकॉप्टर उतरविण्यासाठी पूर्व परवानगी मिळवावी.
- ७.५.९. उमेदवार राजकीय पक्षांना विविध प्रकारच्या परवानग्या/सुविधा यांच्या ऑनलाईन सुविधा पुरविण्यासाठी सुविधा पोर्टल सुरू करण्यात आले आहे. या पोर्टलचा, उमेदवारांना परवानगी देणारा भाग ( Candidate Permissions Module ) <https://suvidha.eci.gov.in/> या सुविधा पोर्टलद्वारे उमेदवार, राजकीय पक्ष, किंवा उमेदवाराच्या कोणत्याही प्रतिनिधीला सभा, मिरवणूका, ध्वनिक्षेपके, तात्पुरती ( अस्थायी ) कार्यालये आणि इतर गोष्टींसाठी परवानगी घेण्यासाठी ऑनलाईन अर्ज करण्यासाठी सहाय्य करतो. उमेदवार या पोर्टलद्वारेच आपल्या अर्जाची सद्यःस्थिती जाणून घेऊ शकतो.

**७.६. सार्वजनिक किंवा खाजगी मालमत्ता विरूपित करणे.**— अनेक राज्य/संघ राज्य क्षेत्रात मालमत्तेच्या विरूपणास प्रतिबंध करणारा कायदा करण्यात आला असून, त्यांच्या संज्ञेत, कोणतीही इमारत, संरचना, झोपडी, भिंत, झाड, कुंपण, चौकी, खांब, बांबू किंवा कोणतेही इतर उभारलेले बांधकाम याचा समावेश आहे. विरूपित करणे यामध्ये चांगल्या गोष्टींना हानी पोचविणे किंवा त्यात हस्तक्षेप करणे, कोणत्याही प्रकारचे नुकसान, विद्रूपण, लूट किंवा हानी यांचा यात समावेश आहे. असा गुन्हा, हा दखलपात्र आणि कारावास किंवा दंड किंवा दोन्हीसह दंडनिय आहे. उमेदवार किंवा त्याचा/तिचा प्रतिनिधी, इत्यादी या कायद्याच्या आणि/ किंवा खाजगी किंवा सार्वजनिक मालमत्तेचे विरूपण करण्याच्या संबंधातील सर्वसाधारण कायद्याच्या तरतुदींचे उल्लंघन करणार नाहीत याची त्याने/तिने (उमेदवार) सुनिश्चिती करावी. सार्वजनिक आणि खाजगी मालमत्तेच्या विरूपणाकरिता, भारताचा निवडणूक आयोगाने, वेळोवेळी निदेश जारी केले आहेत. उमेदवारास, मालमत्तेच्या विरूपणाबाबतच्या स्थानिक कायद्याचा परिचय असावा आणि आयोगाच्या पुढील निदेशांचा देखील उमेदवारास परिचय असावा :—

**(एक) सार्वजनिक स्थळांचे विरूपण :**

(१) कोणत्याही शासकीय ठिकाणांवरील ( त्यातील नागरी संरचनांसह ) भिंतीवर लिहिणे, भिंतीपत्रके/कागद चिकटवणे किंवा कोणत्याही अन्य स्वरूपातील विरूपण करणे, किंवा कटआऊट, जाहिरात फलक, निशाणीचे झेंडे इत्यादी लावण्यास परवानगी देण्यात येणार नाही. या प्रयोजनासाठी, शासकीय ठिकाणांमध्ये कोणतेही शासकीय कार्यालय आणि कार्यालय इमारत जिथे स्थित आहे तेथील परिसर याचा समावेश असेल.

(२) जर स्थानिक कायद्याने, (शासकीय परिसराला लागून असलेल्या) कोणत्याही सार्वजनिक स्थळांवर, (ठराविक) रक्कम भरल्यावर, घोषणा लिहिणे, भिंतीपत्रके लावणे इत्यादी किंवा कटआऊट, जाहिरात फलक, बॅनर्स, राजकीय जाहिराती इत्यादीं उभारण्यासाठी स्पष्टपणे परवानगी दिली असेल किंवा तरतूद केली असेल तर किंवा अन्यथा, कायद्याच्या त्या संदर्भातील तरतुदींनुसार किंवा याविषयी कोणताही न्यायालयीन आदेश असेल तर त्याला काटेकोरपणे अधीन राहून वरीलप्रमाणे परवानगी दिली जाऊ शकेल. अशा कोणत्याही जागेत कोणत्याही पक्षाचे ( पक्षांचे ) किंवा उमेदवाराचे ( उमेदवारांचे ) वर्चस्व असणार नाही/मक्तेदारी असणार नाही याची खात्री करण्यात यावी. यासंबंधात सर्व पक्षांना व उमेदवारांना समान संधी मिळाली पाहिजे.



(३) जर, बिल बोर्ड, जाहिरात फलक इत्यादी सारखी सार्वजनिक ठिकाणी जाहिरात लावण्यासाठी तरतूद केलेल्या विशेषतः राखून ठेवलेली जागा असेल तर आणि खाजगी ग्राहकाच्या पुढील वाटपासाठी कोणत्याही अभिकरणाला अशी जागा यापूर्वीच दिली असेल तर, जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने संबंधित महानगरपालिका प्राधिकरणाद्वारे, जर कोणतेही असल्यास, निवडणुकीच्या काळात निवडणूक संबंधित जाहिरातीसाठी, सर्व राजकीय पक्षांना आणि उमेदवारांना अशा जाहिरात करण्यासाठीच्या जागेत जाहिरात करण्यासाठी समान संधी मिळेल याची खात्री करेल.

### (दोन) खाजगी जागांचे विरूपण करणे :

(१) अशा राज्यात जेथे या विषयाच्या संबंधात कोणताही स्थानिक कायदा अस्तित्वात नसेल आणि जेथे असा कायदा केलेला आहे त्या कायद्याच्या निर्बंधांच्या अधीन राहून, मालकाच्या स्वेच्छा परवानगीने खाजगी जागेत, झेंडे, भित्तिपत्रके यासारख्या तात्पुरता व सहजपणे काढतायेण्याजोगा जाहिरातविषयक सामग्री लावता येईल. ही परवानगी स्वेच्छेने दिलेली असावी आणि त्यासाठी कोणताही दबाव किंवा धमकी देऊन जबरदस्ती करण्यात येऊ नये. असे भित्तिपत्रक किंवा झेंडे हे इतरांस कोणत्याही प्रकारे उपद्रवकारक करणारे असू नये. अशा प्रकरणांमध्ये यासंबंधात लेखी मिळवण्यात आलेली स्वेच्छा परवानगीची एक छायाचित्र प्रत, झेंडे व भित्तिपत्रके लावण्याच्या दिनांकापासून तीन दिवसांच्या आत, खालील उप-परिच्छेद (३) मध्ये विहित केलेल्या पद्धतीने निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे सादर करण्यात यावे.

(२) जर भिंतीवर लिहिणे, भित्तिपत्रके चिटकविणे आणि ज्या सहजपणे हलवता येणार नाहीत अशा, इतर स्थायी/निम-स्थायी विरूपणास, स्थानिक कायदा स्पष्टपणे परवानगी देत नसेल तर, कोणत्याही परिस्थितीत, मालमत्तेच्या मालकाची परवानगी घेतली आहे या बहाण्याने सुद्धा वरील गोष्टींचा अवलंब केला जाऊ नये. मालमत्तेच्या विरूपणास प्रतिबंध करण्याबाबत अधीन, जेथे स्थानिक कायदा नसेल तेथे अशा राज्यांत सुद्धा हे लागू असेल.

(३) जेथे खाजगी जागेत मालकाच्या परवानगीने भिंतीवर लिहिणे व भित्तिपत्रके चिटकवणे, जाहिरात फलक, निशाण्या इत्यादी लावण्याकरिता स्थानिक कायद्याने स्पष्टपणे परवानगी असते तेथे, निवडणूक लढवणारा उमेदवार किंवा संबंधित राजकीय पक्ष मालमत्तेच्या मालकाकडून लेखी पूर्व परवानगी मिळवेल, आणि या परवानगीच्या छायाचित्राची प्रत ३ दिवसांच्या आत विवरणपत्रासह पुढील प्रपत्रात निवडणूक निर्णय अधिकारी किंवा त्याने या प्रयोजनासाठी नामनिर्देशित केला असेल अशा अधिकाऱ्याकडे सादर करेल. अशा प्रकरणातील आणि वरील उप-परिच्छेद (१) मध्ये नमूद केलेल्या प्रकरणांतील विवरणपत्रांमध्ये वरील प्रयोजनासाठी आलेला खर्च किंवा होणाऱ्या संभाव्य खर्चासह, अशी परवानगी ज्याच्याकडून प्राप्त करण्यात आली अशा मालमत्तेच्या मालकाचे नाव व पत्ता स्पष्टपणे नमूद केलेला असावा. भडक किंवा जाती जातींमध्ये तेढ न वाढवेल अशा लिखाणास/प्रदर्शित वस्तूंना परवानगी असणार नाही. उमेदवाराच्या विशिष्ट प्रचार मोहिमेकरिता या मार्गाने करण्यात आलेला खर्च हा, उमेदवाराने केलेल्या निवडणूक खर्चाला जोडण्यात येईल. कोणत्याही उमेदवाराचा उल्लेख न करता पक्षाच्या विशेष प्रचारावर करण्यात आलेला खर्च हा, उमेदवाराच्या खर्चामध्ये धरण्यात येऊ नये. निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवाराने, आवश्यक परवानगी मिळाल्यानंतर ३ दिवसांच्या आत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला किंवा प्राधिकृत अधिकाऱ्याला अशी माहिती गाव/ठिकाण/शहर-निहाय पुरवावी जेणेकरून निवडणूक निर्णय अधिकारी किंवा निवडणूक निरीक्षक किंवा निवडणूक घेण्याशी संबंधात कोणत्याही अधिकाऱ्यास सहजपणे ती माहिती तपासता येईल.

..... संसदीय मतदारसंघ/विधानसभा मतदारसंघ यामधून निवडणूक लढविणारा उमेदवार, श्री./ श्रीमती/

कुमारी ..... यांच्याकडून प्रदर्शित केले जाणारे भिंतीवरचे लिखाण/भित्तिपत्रक/जाहिरात फलक/कापडी फलक इत्यादींचा तपशील देणारे विवरणपत्र खेड्याचे/नगराचे/ठिकाणाचे नाव .....





### (चार) वाहनांची मोडतोड :

(१) मोटार वाहन अधिनियमाच्या तरतुदींच्या, त्यातील नियमांच्या अधीन राहून आणि अंमलात असलेला न्यायालयाच्या आदेशाच्या अधीन राहून, कोणत्याही खाजगी वाहनात, कोणतेही गैरसोईचे कारण होणार नाही किंवा रस्त्याचा वापर करणाऱ्या इतरांना विमनस्क होणार नाही अशा पद्धतीने, वाहन ज्याच्या मालकीचे आहे त्या मालकाच्या स्वेच्छेने वाहनामध्ये, जर कोणतेही असल्यास, झेंडे व स्टिकर लावता येतील. कोणत्याही विशिष्ट उमेदवारासाठी मताची याचना करण्याच्या हेतूने असे झेंडे किंवा स्टिकर दाखवण्यात आले असतील तर भारतीय दंड संहितेच्या कलम १७१ ज च्या तरतुदीकडे त्याचे लक्ष वेधण्यात येईल आणि त्याचे पालन करण्यात येईल.

(२) व्यावसायिक वाहनावर कोणताही झेंडा, स्टिकर इत्यादी दर्शविणे यास, अशा वाहनासाठी, जिल्हा निवडणूक अधिकारी/निवडणूक निर्णय अधिकारी यांच्याकडून आवश्यक परवानगी मिळवल्यानंतर निवडणूक प्रचार मोहिमेसाठी वैधरित्या त्याचा वापर करण्यात येत असल्याखेरीज आणि समोरच्या काचेवर (विण्ड स्क्रीनवर) त्याची मूळ कॉपी दर्शविण्यासाठी लावली असेल याखेरीज परवानगी असणार नाही.

(३) वाहनात ध्वनिक्षेपक बसविणे यासह त्यात बाहेरून फेरबदल करावयाचे असल्यास ते, मोटार वाहन अधिनियमाच्या/नियमाच्या आणि कोणत्याही इतर स्थानिक अधिनियमाच्या/नियमाच्या तरतुदींच्या अधीन असतील. बदललेले वाहन आणि व्हिडिओ रथ इत्यादींसारखे विशेष निवडणूक प्रचार मोहिमेकरिता असलेले वाहन, मोटार वाहन अधिनियमांतर्गत सक्षम प्राधिकाऱ्याकडून आवश्यक परवानगी मिळविल्यानंतर वापरता येणे शक्य होईल.

### (पाच) प्रचार मोहिमेसंबंधातील इतर बाबी :

खर्चाच्या लेखांकनाच्या अधीन, पुढील बाबींसाठी परवानगी देण्यात यावी :—

(१) मिरवणूक आणि मेळावा इत्यादीत, स्थानिक नियमाच्या आणि अंमलात असलेल्या मनाई आदेशाच्या अधीन, झेंडे, भित्तिपत्रके, कटआऊट इत्यादी वस्तू वाहून नेता येणे शक्य होईल.

(२) अशा मिरवणुकीमध्ये, टोपी, मुखवटा, गळपट्टा इत्यादी पक्षाने/उमेदवाराने पुरवलेली विशेष उपसाधने घालण्याची परवानगी असेल. तथापि, पक्षाने/उमेदवाराने, साडी, शर्ट, इत्यादी सारख्या पुरविलेल्या मुख्य वस्तू परिधान करण्याची परवानगी असणार नाही.

(३) शैक्षणिक संस्थांची मैदाने यासह शैक्षणिक संस्थांचा (शासकीय प्राप्तानुदान, खाजगी किंवा शासकीय असतील तेथे) राजकीय प्रचार मोहिम आणि मेळाव्यांसाठी वापर करण्यात येणार नाही. हे आदर्श आचार संहिता नियमावली, २०१९ च्या परस्परविरोधी कथन आहे.

### (सहा) तात्पुरत्या प्रचार मोहिम कार्यालयाचे कार्य :

स्थानिक प्रचार मोहिमेच्या प्रयोजनार्थ, पुढील शर्तींच्या अधीन तात्पुरते प्रचार मोहिम कार्यालय उघडण्याची आणि कार्य करण्याची आपणास परवानगी असेल :—

(१) सार्वजनिक किंवा खाजगी मालमत्तेवर कोणत्याही प्रकारचे अतिक्रमण करून त्याद्वारे असे कोणतेही कार्यालय सुरू करता येणार नाही.

(२) अशी कोणतीही कार्यालये कोणत्याही धार्मिक स्थळावर किंवा अशा धार्मिक स्थळांच्या आवारात सुरू करता येणार नाही.

(३) कोणतीही शैक्षणिक संस्था/रुग्णालय यांच्या लगतच्या भागात अशी कोणतीही कार्यालये सुरू करता येणार नाही.

(४) विद्यमान मतदान केंद्राच्या २०० मीटरमध्ये असे कोणतेही कार्यालय सुरू करता येणार नाही.

(५) अशा कार्यालयात पक्षाच्या चिन्ह/छायाचित्र यासह केवळ एकाच पक्षाचा झेंडा व भित्तिपत्रक/दर्शविता येईल.

(६) अशा कार्यालयात वापरण्यात येणाऱ्या भित्तिपत्रकाचा आकार हा भित्तिपत्रक/जाहिरात फलक इत्यादीसाठी स्थानिक कायद्याने विहित केलेला कमी आकाराचा असेल तर, त्याचा पुढील शर्तींच्या अधीन ४ फूट X ८ फूट यापेक्षा अधिक असता कामा नये; त्यानंतर स्थानिक कायद्याने विहित केलेल्या कमी आकाराला प्राधान्य दिले जाईल. मतदान केंद्राच्या बाहेर सूचनेत तपशील जोडावे की नाही हे स्पष्टपणे नमूद केलेले असेल.

### ७.७. असुरक्षिततेचे मापन :

७.७.१ देशातील काही भागामध्ये समाजाच्या दुर्बल घटकातील मतदार, विशेषतः या मतदारांना धमकी देणे व धाकदपटशा दाखविणे हे एक चिंतेचे कारण झाले आहे. निवडणुकीच्या संदर्भात असुरक्षिततेची व्याख्या अशी करण्यात येते की, कोणताही मतदार किंवा मतदारांचा घटक मग—तो ओळखता येण्याजोग्या भौगोलिक क्षेत्रात राहणारा, असो अथवा नसो —अशा मतदाराला त्याचा/तिचा मतदानाचा हक्क निर्भय व योग्यरितीने बजावण्याच्या बाबतीत, किंवा चुकीच्या पद्धतीने रोखले जाते किंवा त्यांच्यावर प्रभाव टाकण्यात येतो. त्यांना धमकावण्यात येते अथवा त्यांच्यावर कोणत्याही प्रकारचा अनुचित प्रभाव टाकण्यात येतो अथवा बळाचा वापर करण्यात येतो. हे आव्हान पेलण्यासाठी निवडणूक आयोगाने “असुरक्षिततेच्या मापन” सुरू केले आहे. असुरक्षित व्यक्तींच्या भोवती सुरक्षा जाळी लावण्यासाठी आणि धमकावणाऱ्या व्यक्तीचा शोध घेण्यासाठी असुरक्षित व्यक्ती शोधून काढणे, धमकावणे आणि धमकावणाऱ्या व्यक्ती यांच्यासहीत असुरक्षित क्षेत्रे, वस्त्या आणि समूह यांची ओळख पटवून असुरक्षिततेच्या मापनाच्या संकल्पनेचे अनुसरण करण्यात येते.

कायदा व सुव्यवस्थेच्या दृष्टिकोनातून अनुकूल वातावरणातच मुक्त आणि निष्पक्ष निवडणूक घेता येऊ शकते. त्यामुळे निवडणुकीच्या काळात आणि मतदानाच्या दिवशी कायदा व सुव्यवस्थेच्या स्थितीवर लक्ष ठेवणे आवश्यक ठरते. निवडणुकीत दाखवल्या जाणाऱ्या शारीरिक बळाच्या वापराची योग्य ती दखल घेऊन आणि निवडणुकीच्या राजकारणातील काही प्रचलित सामाजिक-आर्थिक वास्तव लक्षात घेऊन, निवडणूक आयोगाने, अशा धमक्या आणि धमक्यांतील असुरक्षितता असणारी मतदान केंद्राच्या क्षेत्रातील ठिकाणे ओळखून निवडणुकांमधील धमक्या आणि धमक्यांच्या आशयांना आळा घालण्यासाठी विविध अनुदेश जारी केले आहेत.

### ७.८. मतदान समाप्त होण्याच्या निकटपूर्वीच्या ४८ तासात सार्वजनिक सभांना व मिरवणूकांना मनाई :

७.८.१. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम १२६ मध्ये अशी तरतूद करण्यात आली आहे की, कोणतीही व्यक्ती कोणत्याही मतदान क्षेत्रामध्ये त्या मतदान क्षेत्रातील कोणत्याही निवडणुकीसाठी मतदान संपण्याकरिता निश्चित केलेली वेळ संपण्याच्या अठ्ठेचाळीस तासांच्या कालावधीत—

(अ) निवडणुकीच्या संबंधात कोणतीही सार्वजनिक सभा किंवा मिरवणुका बोलवणार नाही, घेणार नाही, सभेत उपस्थित राहणार नाही, सहभागी होणार नाही किंवा भाषण करणार नाही ; किंवा

(ब) चलचित्रक, दूरदर्शन किंवा तत्सम अन्य उपकरण संचाद्वारे कोणतीही निवडणूकविषयक माहिती जनतेसाठी प्रदर्शित करणार नाही ; किंवा

(क) त्या मतदान क्षेत्रातील कोणत्याही निवडणुकीसाठी मतदानाच्या समाप्तीसाठी निश्चित केलेल्या समाप्त होणाऱ्या अठ्ठेचाळीस तासांच्या कालावधीदरम्यान आम जनेतला आकर्षित करण्याच्या हेतूने कोणताही संगीतमय जलसा भरवून किंवा तो भरण्याची व्यवस्था करून किंवा कोणत्याही प्रकारच्या नाटकाचा प्रयोग करून, किंवा कोणत्याही प्रकारची करमणूक वा मनोरंजन करून कोणत्याही निवडणूकविषयक गोष्टींचा प्रचार करणार नाही.

७.८.२. जी कोणतीही व्यक्ती वरील तरतुदीचा भंग करील, ती दोन वर्षांपर्यंत वाढविता येईल इतक्या मुदतीच्या कारावासाच्या शिक्षेस किंवा दंडाच्या शिक्षेस किंवा दोन्हीही शिक्षांस पात्र असेल.

७.८.३. “निवडणूकविषयक गोष्ट” या शब्दप्रयोगाचा अर्थ निवडणुकीच्या निकालावर प्रभाव पाडण्याच्या किंवा परिणाम करण्याच्या उद्देशाने केलेली किंवा पूर्वकालीन अशी कोणती गोष्ट असा आहे.

७.८.४. सार्वजनिक सभा घेताना किंवा कोणत्याही मिरवणुका इत्यादी काढताना या तरतुदी तुम्ही लक्षात ठेवल्या पाहिजेत.

७.८.५. यात, जनमत कल चाचणीचादेखील समावेश आहे, जसे की, सार्वत्रिक निवडणुकीच्या संबंधित, मतदान समाप्त होण्यासाठी निश्चित केलेल्या ४८ तासांच्या कालावधीदरम्यान कोणत्याही इलेक्ट्रॉनिक माध्यमांमध्ये ज्यामध्ये जनमत कल चाचणी जी कोणतीही जनमत चाचणीस किंवा इतर कोणत्याही मतदान सर्वेक्षणाचा स्थितीविषयक कोणतेही निकाल या सहित कोणतीही निवडणूक विषयक बाब प्रदर्शित करणे प्रतिबंधित आहे.

### ७.९. सार्वजनिक सभातील शांतता भंग :

- ७.९.१. जर प्रतिस्पर्धी उमेदवाराच्या कोणत्याही पाठिराख्याने किंवा आपल्या किंवा पक्षाच्या विरोधात असणाऱ्या कोणीही आपल्या कोणत्याही निवडणूक सभेत शांतता भंग केला तर, सभेच्या अध्यक्ष, उपस्थित असलेल्या कोणत्याही पोलीस अधिकाऱ्याला जिने सभेत शांतता भंग केला आहे त्या व्यक्तीचे नाव व पत्ता याबाबत खात्री करून घेण्याविषयी विनंती करता येईल. लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १२७ अन्वये पोलीस अपराध्यावर खटला भरण्याची कारवाई करतील. सदर कलम जोडपत्र ९ उद्धृत करण्यात आले आहे. कलम १२७ खालील अपराध हा दखली अपराध आहे.
- ७.९.२. तसेच, आपल्या कार्यकर्त्यांना, प्रतिनिधींना आणि पाठिराख्यांनाही प्रतिस्पर्धी उमेदवारांच्या सार्वजनिक सभांमध्ये शांतता भंग न करण्याविषयी सांगावे.

### ७.१०. राजकीय पक्ष व उमेदवारांच्या अनुपालनाकरिता काय करावे आणि काय करू नये यासंबंधीच्या सूचनांचे काटेकोरपणे पालन :

- ७.१०.१. मागील प्रकरणांमध्ये सांगितल्याप्रमाणे खुल्या, मुक्त आणि शांततापूर्व वातावरणात निवडणुका व्हाव्यात म्हणून भाग-चार अंतर्गत “काय करावे आणि काय करू नये” या अन्वये विहित केल्याप्रमाणे राजकीय पक्षांच्या आणि उमेदवारांच्या मार्गदर्शनासाठी त्यांनी काय करावे आणि काय करू नये यासंबंधीच्या माहितीचे दोन संच आयोगाने दिलेले आहेत. निवडणुका जाहीर झाल्यापासून ते त्या पूर्ण होईपर्यंत आपण, आपल्याला कोणत्याही पक्षाने उभे केले असेल तर तो राजकीय पक्ष, आपले प्रतिनिधी, कार्यकर्ते, समर्थक आणि आपल्याला सहानुभूती दर्शविणाऱ्या व्यक्ती या काय करावे आणि काय करू नये यासंबंधीच्या सूचनांचे कोटेकोरपणे पालन करतील याची सुनिश्चिती आपण करून घ्यावी.

### ७.११. निवडणुकीची पत्रके छापणे व प्रकाशित करणे यांवर निर्बंध :

- ७.११.१. लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १२७-क कडेही आपले लक्ष वेधण्यात येत आहे. त्यात, निवडणुकीची पत्रके व भित्तिपत्रके छापण्यावर व प्रकाशित करण्यावर निर्बंध लादण्यात आले आहेत. या कलमात अशी तरतूद करण्यात आली आहे की,—
- (अ) छापलेल्या किंवा कोणत्याही प्रक्रियेद्वारे प्रती काढलेल्या ( हाताने प्रती काढणेखेरीज करून ) निवडणुकीच्या प्रत्येक पत्रकावर हस्तपत्रकावर, घोषणाफलकावर किंवा भित्तिचित्रावर पुढच्या बाजूला मुद्रकाचे नाव व पत्ता आणि प्रकाशकाचे नाव, पत्ता असलाच पाहिजे.
- (ब) अशा कोणत्याही कागदपत्राच्या मुद्रकाने इच्छूक प्रकाशकाकडून, त्याने सही केलेले आणि त्याला व्यक्तिशः ओळखणाऱ्या दोन व्यक्तींनी साक्षांकित केलेले त्याच्या ओळखीसंबंधीचे प्रतिज्ञापन ( दोन प्रतीत ) मिळविले पाहिजे (जोडपत्र ११ जोडपत्र-अ पहा).
- (क) कागदपत्रे छापल्यानंतर लवकरात लवकर, मुद्रकाने प्रतिज्ञापनाची एक प्रत आणि कागदपत्राची एक प्रत, जर कागदपत्र राज्याच्या राजधानीत छापण्यात आले असेल तर, मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याकडे आणि इतर कोणत्याही प्रकरणी, ज्या जिल्ह्यात ते छापण्यात आले असेल त्या जिल्ह्याच्या जिल्हादंडाधिकाऱ्याकडे पाठविली पाहिजे.
- (ड) या कलमातील कोणत्याही तरतुदींचे उल्लंघन केल्यास, सहा महिन्यांपर्यंतच्या कारावासाची, किंवा दोनशे रुपयांपर्यंतच्या दंडाची शिक्षा किंवा या दोन्ही शिक्षा होतील.
- (ई) तथापि, हे निर्बंध केवळ निवडणूक सभेची तारीख, वेळ, ठिकाण व इतर तपशील जाहीर करणाऱ्या किंवा निवडणूक प्रतिनिधीना किंवा कार्यकर्त्यांनी नेहमीच्या सूचना देणाऱ्या कोणत्याही हस्तपत्रकाला, घोषणाफलकाला किंवा भित्तिपत्रकाला लागू होत नाहीत.

७.११.२. वर नमूद केलेल्या कायद्याच्या तरतुदींच्या आवश्यकतांचे काटेकोरपणे पालन व अनुपालन व्हावे म्हणून आयोगाने २ सप्टेंबर १९९४ रोजी तपशिलवार आदेश दिले आहेत (जोडपत्र ११) आदेशात पुढीलप्रमाणे तरतूद आहे :—

- (अ) मुद्रकाने, वरील उप परिच्छेद (क) मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे एका प्रतीऐवजी छापील साहित्याच्या चार प्रती आणि प्रकाशकाच्या प्रतिज्ञापनाची एक प्रत, मुद्रणाच्या तारखेपासून ३ दिवसांच्या आत मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याकडे/जिल्हादंडाधिकाऱ्याकडे पाठवाव्यात, तसे न केल्यास, वरील तरतुदींचे उल्लंघन झाले असल्याचे समजण्यात येईल.
- (ब) मुद्रकाने, प्रतिज्ञापत्र व छापील साहित्याच्या प्रती यांबरोबरच, छापलेली पत्रके, इत्यादींची संख्या व अशा कामासाठी आकारलेली किंमत यासंबंधीचा पूर्ण तपशील, आयोगाने विहित केलेल्या प्रपत्रात, यथोचितरीत्या स्वाक्षरित व अधिप्रमाणित करून, पुरवावा या प्रयोजनासाठी विहित करण्यात आलेल्या प्रपत्राची प्रत, परिशिष्ट ११च्या जोडपत्र-ब मध्ये उद्धृत करण्यात आली आहे.
- (क) जिल्हादंडाधिकारी, त्यांना मुद्रणालयाकडून मिळालेली निवडणुकीची सर्व भित्तिपत्रके, पत्रके इत्यादी आपल्या कार्यालयात एखाद्या ठळक जागी प्रदर्शित करतील; त्यामुळे उमेदवारांना आणि इतर हित-संबंधित व्यक्तींना, कोणत्या कागदपत्रांच्या बाबतीत कायद्यातील आवश्यकतांचे अनुपालन करण्यात आले आहे ते तपासून पाहणे शक्य होईल आणि ज्यांच्या बाबतीत कायद्यातील वरील आवश्यकतांचे उल्लंघन करण्यात आले असेल अशी निवडणुकीची इतर भित्तिपत्रके, पत्रके इत्यादींची प्रकरणे संबंधित प्राधिकाऱ्यांच्या निदर्शनास आणणे शक्य होईल.
- (ड) तसेच, मुख्य निवडणूक अधिकारीही त्यांना मिळालेल्या अशा कागदपत्रांच्या बाबतीत अशीच कार्यवाही करतील.
- (ई) जिल्हा दंडाधिकारी आणि अपराधांच्या तपासाचे व अन्वेषणाचे काम सोपवलेले इतर प्राधिकारी यांना असे निर्देश देण्यात आले आहे की, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १२७-क च्या उपरोल्लिखित तरतुदींचे उल्लंघन करून निवडणुकीचे भित्तिपत्रक, पत्रक इत्यादी प्रकाशित केल्याचे कोणतेही प्रकरण त्यांच्या निदर्शनास आले किंवा आणून देण्यात आले तर, त्यांनी त्वरित कार्यवाही करून अन्वेषणास सुरुवात करावी. अशा सर्व प्रकरणांत, शीघ्रतेने अपराध्यांविरुद्ध खटला सुरू करावा.

७.११.३. अलिकडच्या काळात निवडणूक आयोगाला असे आढळून आले आहे की, निवडणुकीच्या काळात काही भाडोत्री आणि काही एखाद्या संघटनेच्या नावाखाली, विशिष्ट राजकीय पक्ष आणि उमेदवार यांच्याबाबत किंवा यांच्याविरुद्ध प्रसार माध्यमांमध्ये, विशेषतः वर्तमानपत्रांत जाहिराती देताना दिसून येतात. लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १२७-क मधील तरतुदींचे काटेकोरपणे पालन व अनुपालन व्हावे म्हणून आयोगाने पुढील आदेश दिले आहेत :—

- (अ) ज्याचे मूळ/(स्रोत) शोधून काढता येईल अशा जाहिरातींबाबत पुढील कार्यवाही करण्यात येईल :—
- (एक) जर उमेदवाराच्या (उमेदवारांच्या) संमतीने जाहिरात दिली असेल किंवा त्याबद्दल त्याला माहिती असेल तर ती संबंधित उमेदवाराची (उमेदवारांची) अधिकृत जाहिरात समजण्यात येईल आणि तिचा खर्च, उमेदवाराच्या (उमेदवारांच्या) निवडणूकविषयक खर्चाच्या खात्यात जमा केला जाईल.
- (दोन) उमेदवाराच्या परवानगीखेरीज जाहिरात दिली असेल तर भारतीय दंड संहिता याच्या कलम १७१ एच [ संबंधित उमेदवाराच्या (उमेदवारांच्या) लेखी परवानगीखेरीज जाहिरातीवर खर्च करणे] याचे उल्लंघन केल्याच्या कारणास्तव प्रकाशकावर खटला दाखल करण्याची कार्यवाही करण्यात येईल.
- (ब) जाहिरातीत प्रकाशकाची ओळख दिलेली नसेल तर, जिल्हा निवडणूक अधिकारी/निवडणूक निर्णय अधिकारी, संबंधित वर्तमानपत्राशी संपर्क साधून माहिती मिळवील व वरीलप्रमाणे यथोचित कार्यवाही करील.



७.११.४ उमेदवाराने किंवा त्याच्या/तिच्या वतीने छापलेल्या व प्रकाशित केलेल्या निवडणुकीच्या पत्रकांच्या व भित्तिपत्रकांच्या बाबतीत, कायद्याच्या उपरोक्त सर्व आवश्यकतांचे आणि आयोगाच्या निदेशांचे अनुपालन करण्यात आले आहे हे उमेदवाराने न चुकता पाहिले पाहिजे. निकोप निवडणूक मोहिमांच्या निश्चितीसाठी आणि निवडणुकांची शुचिता राखण्यासाठी हे आवश्यक आहे. तसेच कायद्याच्या उपरोक्त तरतुदींचे उल्लंघन करून निवडणुकीचे कोणतेही भित्तिपत्रक किंवा पत्रक प्रकाशित केल्याबाबतची कोणतीही बाब त्याच्या/तिच्या निदर्शनास आली किंवा आपल्याला माहित झाली तर त्याबद्दल संबंधित प्राधिकाऱ्यांना कळविण्यात उमेदवाराने हयगय करून नये.

### ७.१२. लघुसंदेश (SMS)/ आयव्हीआरएस सेवेच्या गैरवापरास प्रतिबंध :

७.१२.१. अलिकडच्या काळात भारताच्या निवडणूक आयोगाला असेही आढळून आले की, निवडणूक कायदा, आचारसंहिता आणि त्याने यासंदर्भात दिलेले निदेश/सूचना यांचे उल्लंघन करून, निवडणुकीदरम्यान काही व्यक्ती, निहित हितसंबंध जपण्यासाठी, एसएमएसद्वारे काही आक्षेपार्ह संदेश पाठवितात. उपरोक्त कृतीमुळे, खुल्या, मुक्त व शांततापूर्ण वातावरणात निवडणूक प्रक्रिया पार पाडण्यास बाधा पोहोचते मोठ्या प्रमाणात एसएमएस ( लघुसंदेश )/ व्हाईस संदेशाद्वारे करण्यात येणाऱ्या राजकीय जाहिराती नियुक्त केलेल्या माध्यम प्रमाणन व संनियंत्रण समिती याद्वारे पूर्व-प्रमाणित केल्या पाहिजेत. याबाबतीत भारताच्या निवडणूक आयोगाने पुढील निदेश दिले आहेत :-

( एक ) निवडणूक कायदा, आचारसंहिता आणि यासंदर्भात आयोगाने दिलेले निदेश/सूचना यांच्या तरतुदींचे उल्लंघन करणाऱ्या आक्षेपार्ह एसएमएसबाबत पोलीस विशेष मोबाईल क्रमांकाची जाहिरात देतील ; ज्यावर असे एसएमएस मिळणाऱ्या व्यक्ती, उक्त एसएमएस ( आक्षेपार्ह एसएमएस पाठविणाऱ्याच्या क्रमांकासह ) पाठवू शकेल. पोलीस यथोचित चौकशी करून असे एसएमएस पाठविणाऱ्या व्यक्तीचा माग लावू शकेल आणि भारतीय दंड संहिता, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ ; निवडणूक चालनपद्धती नियम, १९६१ ; आयोगाने त्याखाली दिलेल्या सूचना निदेश आणि याप्रकरणी लागू असलेला इतर कोणताही कायदा यातील संबद्ध तरतुदी अन्वये यथोचित कार्यवाही करतील.

( दोन ) पर्यायी निवडणूक कार्याचा भाग म्हणून प्रचारमोहिमेच्या कालावधीत पाठविलेले असे एकत्रित एसएमएस जेव्हा निवडणूक निर्णय अधिकारी किंवा जिल्हा निवडणूक अधिकारी यांना आढळून येतील तेव्हा ते त्वरित मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याच्या निदर्शनास आणून देण्यात येतील आणि तो त्यात अंतर्भूत असलेला खर्च सेवा पुरविणाऱ्याकडून शोधून काढेल आणि त्याचे संविभाजन उमेदवारात किंवा यथास्थिति; उमेदवारांमध्ये करेल.

( तीन ) मतदान समाप्तीच्या वेळेपूर्वी ४८ तासांच्या अवधीत राजकीय स्वरूपाचे एकत्रित एसएमएस/ आयव्हीआरएस पाठविण्यास प्रतिबंध करण्यात येईल.

### ७.१३. राजकीय जाहिरातींचे पूर्व-प्रमाणीकरण

७.१३.१. सर्वोच्च न्यायालयाच्या दिनांक १३ एप्रिल २००४ च्या आदेशानुसार, कोणत्याही नोंदणीकृत राजकीय पक्षाद्वारे किंवा कोणत्याही संघटनेच्या/संघाच्या गटाद्वारे किंवा निवडणूक लढविणारा उमेदवार/व्यक्तीद्वारे सर्व राजकीय जाहिराती, दूरदर्शनवर आणि केबल नेटवर्क/केबल वाहिन्यांवर प्रसारित/ध्वनिक्षेपित करण्यापूर्वी माध्यम प्रमाणन आणि संनियंत्रण समितीद्वारे प्रमाणित केल्या जातील. यामध्ये, चित्रपटगृह, खाजगी एफएम वाहिन्यांसहित रेडिओ, सार्वजनिक ठिकाणी प्रदर्शित होणारे दृकश्राव्य साधन, ई-वृत्तपत्रामधील जाहिराती, मोठ्या प्रमाणातील एसएमएस/ व्हाईस संदेशाचा केला जाणारा वापर, समाज माध्यम आणि इंटरनेट संकेतस्थळावर प्रदर्शित करण्यात येणाऱ्या जाहिरातींचा समावेश आहे.

७.१३.२. राजकीय जाहिरातींचे पूर्व-प्रमाणीकरण वृत्तपत्र माध्यमांना तसेच मतदान-पूर्व आणि मतदानाच्या दिवशी लागू आहे.

७.१३.३. जिल्हा माध्यम प्रमाणन व संनियंत्रण समिती, संबंधित संसदीय मतदारसंघातील व्यक्ती किंवा निवडणूक लढविणारा उमेदवार किंवा त्या संसदीय मतदार संघा अंतर्गत येणाऱ्या विधानसभा मतदारसंघातील निवडणूक लढविणारा उमेदवार यांच्याकडून जाहिरातीच्या प्रमाणपत्रासाठी प्राप्त झालेले अर्ज स्वीकारेल.



### ७.१४. पैसे किंवा मोबदला देऊन छापून आलेली बातमी (पेड न्यूज)

- ७.१४.१. (वृत्तपत्र किंवा इलेक्ट्रॉनिक अशा) कोणत्याही माध्यमातून दिसणाऱ्या "कोणत्याही बातम्या किंवा विश्लेषण यांचा मोबदला म्हणून रोख किंवा वस्तू स्वरूपातील किंमत" असे पेड न्यूज म्हणून परिभाषित करण्यात आले आहे. उमेदवाराना पैसे देऊन बातम्या छापून आणण्यापासून स्वतःला दूर ठेवण्याचा सल्ला दिला जातो. उमेदवाराने नामनिर्देशन दाखल केल्याच्या दिनांकापासून पदनिर्देशित केलेल्या माध्यम प्रमाणन व संनियंत्रण समितीकडून अशा हालचालींवर लक्ष ठेवण्यात येते.
- ७.१४.२. जिल्हा माध्यम प्रमाणन व संनियंत्रण समितीच्या वरील संदर्भात, निवडणूक निर्णय अधिकारी, उमेदवारांना प्रकाशन/प्रसारण/प्रक्षेपण/तक्रार प्राप्त झाल्यानंतर ९६ तासांच्या आत, 'बातम्या' किंवा यांसारख्या बाबी प्रकाशित करण्यासाठी झालेल्या खर्चाचे स्पष्टीकरण देण्यासाठी केलेला खर्च उघड करण्यासाठी किंवा ( डीआयपीआर/डिएव्हीपी दरांवर आधारित ) प्रमाण दरानुसार खर्चाची गणना का करू नये हे सांगण्यासाठी उमेदवारांना नोटीस देते. आणि उमेदवारांच्या खर्चात समाविष्ट करण्यात येते. कारणे दाखवा नोटीसचे उत्तर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला संबोधित करून दिले जाईल आणि नोटीस बजावल्यापासून ४८ तासांच्या आत, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने कोणतेही उत्तर न दिल्यास, माध्यम प्रमाण व संनियंत्रण समितीचा निर्णय अंतिम असेल.
- ७.१४.३ उमेदवाराला जिल्हास्तरीय माध्यम प्रमाणन व संनियंत्रण समितीच्या अंतिम निर्णयाविरुद्ध राज्यस्तरीय माध्यम प्रमाणन व संनियंत्रण समितीकडे निर्णय मिळाल्यापासून ४८ तासांच्या आत, जिल्हास्तरीय माध्यम प्रमाणन व संनियंत्रण समितीच्या माहितीसह अपील करता येईल. याशिवाय, उमेदवाराला, राज्यस्तरीय माध्यम प्रमाणन व संनियंत्रण समितीकडून आदेश प्राप्त झाल्यापासून ४८ तासांच्या आत, राज्यस्तरीय माध्यम प्रमाणन व संनियंत्रण समितीच्या निर्णयाविरुद्ध भारताच्या निवडणूक आयोगाकडे अपील करता येईल.

### ७.१५. समाज माध्यामाशी संबंधित मार्गदर्शक तत्त्वे

- ७.१५.१. उमेदवारांनी नामनिर्देशनपत्रे भरताना नमुना-२६ मध्ये त्यांच्या अधिकृत समाजमाध्यम खात्यांचा तपशील सादर करणे आवश्यक आहे.
- ७.१५.२. उमेदवार आणि राजकीय पक्षांनी राजकीय जाहिराती खाते सांभाळण्याचा खर्च, सामग्री विकसित करणे आणि खाते व्यवस्थापित करणाऱ्या कर्मचाऱ्यांचे वेतन यांवरील खर्च यांसहित समाजमाध्यमावरील प्रचाराचा खर्च यांचा उमेदवारांच्या निवडणूक खर्चामध्ये समावेश करणे आवश्यक आहे.
- ७.१५.३. आदर्श आचार संहितेच्या तरतुदी आणि संबंधित सूचना उमेदवार आणि राजकीय पक्षांनी समाजमाध्यमाच्या मंचावर पाठवलेल्या मजकुरांना लागू आहेत.
- ७.१५.४. व्याख्येनुसार समाजमाध्यम हे, ईलेक्ट्रॉनिक माध्यमाच्या श्रेणीत येते. त्यामुळे, समाज माध्यमावरील सर्व राजकीय जाहिराती पूर्व-प्रमाणीकरणाच्या कक्षेत येतात.
- ७.१५.५. संकेतस्थळावरील ब्लॉगवर/स्वतःच्या खात्यावर पोस्ट केलेले/अपलोड केलेले संदेश/अभिप्राय/छायाचित्रे/व्हिडीओ या स्वरूपातील कोणताही राजकीय मजकूर हा राजकीय जाहिरात असल्याचे मानले जाणार नाही आणि त्यामुळे ते राजकीय पक्षांनी/उमेदवारांनी पोस्ट केलेले अपलोड केलेले/असले तरी देखील त्यांचे पूर्व-प्रमाणीकरण करण्याची आवश्यकता नाही.

### ७.१६. प्रचार कालावधी समाप्त झाल्यानंतर राजकीय कार्याधिकाऱ्यांच्या मतदारसंघातील उपस्थितीबाबत निर्बंध :-

- ७.१६.१. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम १२६ कडे देखील उमेदवारांचे लक्ष वेधण्यात आले आहे. मतदान समाप्त होण्याच्या ४८ तासांदरम्यानच्या कालावधीत प्रचारमोहिमेवर निर्बंध लादते. म्हणून आयोगाने अशा सूचना दिल्या आहेत की, प्रचार कालावधी समाप्त झाल्यानंतर जिल्हा निवडणूक प्रशासन/पोलीस प्रशासन या बाबीची सुनिश्चिती करतील की, प्रचार कालावधी समाप्त होताच ही सर्व यंत्रणा मतदारसंघ सोडून जाईल. तथापि, आयोगाने असे ठरवले आहे की, संसदीय मतदार संघ/विधानसभा मतदारसंघ निवडणुकीत निवडून आलेल्या संसदसदस्यांना किंवा निवडून आलेल्या विधानसभा सदस्यांना जरी तो/ती संसदीय मतदारसंघ/विधानसभा मतदारसंघाचे मतदार

नसले तरी लोकसभा/राज्य विधानसभेच्या निवडणुकीदरम्यान त्यांचा मतदारसंघ सोडण्यास सांगू नये. तथापि, अशा संसद सदस्याला/विधानसभा सदस्याला प्रचाराचा कालावधी संपलेल्या मतदारसंघात म्हणजे, मतदान संपण्याच्या वेळेच्या ४८ तास अगोदर, कोणताही प्रचार करण्याची परवानगी असणार नाही. शिवाय, विधानसभा सदस्यच केवळ त्याच्या स्वतःच्या मतदारसंघातच राहिल आणि संसदीय मतदारासंघामधील निवडणुकीच्या बाबतीत, संसदीय मतदारसंघातील इतर कोणत्याही विधानसभा क्षेत्राला भेट देणार नाही.

### ७.१७. अनधिकृत ओळख-चिठ्या

७.१७.१. राजकीय पक्षांना आणि उमेदवारांना पुढील माहिती अंतर्भूत असलेल्या अनधिकृत ओळख-चिठ्या मतदारांना देता येतील :—

(एक) मतदार यादीतील मतदारांचे नाव व अनुक्रमांक ;

(दोन) मतदारांच्या यादीचा भाग क्रमांक ; आणि

(तीन) मतदान केंद्राचा अनुक्रमांक व नाव.

७.१७.२. ओळख-चिठ्या पांढऱ्या कागदावर असाव्यात आणि त्यावर, उमेदवाराचे नाव आणि/किंवा/त्याच्या पक्षाचे नाव आणि/किंवा उमेदवाराचे किंवा त्याच्या पक्षाचे निवडणूक चिन्ह असता कामा नये. तसेच, त्यावर पक्षाला किंवा उमेदवाराला मत देण्यासाठी कोणत्याही घोषणा किंवा कोणताही सल्ला असता कामा नये, कारण मतदारांनी या चिठ्या मतदान केंद्रावर नेल्या तर ते मतदान केंद्रात प्रचार केल्यासारखे होईल आणि असे करणे अनुज्ञेय नाही. तसेच, मतदान केंद्रापासून २०० मीटरच्या आत कोणत्याही चिठ्या वाटणे हे देखील प्रचार केल्यासारखेच होईल आणि कायद्यान्वये तेही अनुज्ञेय नाही. आपल्या मार्गदर्शनासाठी ओळख-चिठ्यांचे दोन नमुने खाली देण्यात आले आहेत :—

\* लोकसभा/विधानसभा मतदारसंघ/विधानसभा मतदारसंघाचे नाव : .....

\* मतदान केंद्र क्रमांक व नाव : .....

\*(ठिकाणाचे विवरण) : .....

\*मतदाराचा मतदार यादीतील अनुक्रमांक : .....

\*भाग क्रमांक : .....

\*नाव : .....

### ७.१८. मतदानाची तालीम

७.१८.१. आपल्या मतदान प्रतिनिधींनी आपापल्या क्षेत्रात घेतल्या जाणाऱ्या मतदानाच्या तालीमींना हजर राहावे म्हणून आपल्याला व्यवस्था करता येईल, त्यामुळे त्यांना मतदानाच्या व मतयंत्राच्या कार्यपद्धतीची माहिती होईल.

### ७.१९. बनावट मतपत्रिका

७.१९.१. आपल्याला आपले नाव व निशाणी वापरून आणि मतदान युनिटमध्ये लावण्यात येतील अशा खऱ्याखुऱ्या मतपत्रिकेवर ते कोणत्या जागी असेल ते दर्शवून बनावट मतपत्रिका छापता येतील. तथापि, बनावट मतपत्रिकेत, त्या मतदार संघात निवडणूक लढवणाऱ्या इतर उमेदवारांची खरीखुरी नावे व निशाण्या समाविष्ट करण्यात येऊ नयेत. या मतपत्रिका गुलाबी व पांढऱ्या या रंगाव्यतिरिक्त तपकिरी, पिवळा किंवा करडा यासारख्या इतर कोणत्याही रंगावर छापता येतील. बनावट मतपत्रिका या आकाराने व रंगाने खऱ्या मतपत्रिकांशी मिळत्याजुळत्या असणार नाहीत याची आपण खात्री करून घेतली पाहिजे.

## ७.२०. बनावट मतदान युनिटे

७.२०.१. मतदारांना/राजकीय पक्षांना शिकविण्याच्या प्रयोजनासाठी आपण बनावट मतदान युनिटे तयार केल्यास त्यास कोणताही आक्षेप घेतला जाणार नाही. बनावट मतदान युनिटे ही लाकूड, स्टीक किंवा स्लायबोर्डची खोकी यापासून बनविता येतील. त्याचा आकार अधिकृत मतदान युनिटापेक्षा निम्मा असेल व त्यास तपकिरी, पिवळा किंवा करडा रंग लावता येईल. या बनावट मतदान युनिटांमध्ये डमी मतपत्रिकेमध्ये असल्याप्रमाणे आपला अनुक्रमांक, नाव, निशाणी दाखविण्याची सोय असेल तसेच त्यामध्ये बॅटरीवर चालणारे बटण आणि हे बटण दाबल्यावर पेटेल असा एक दिवादेखील असेल.

## ७.२१. मतदान केंद्रावर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राचा छापील नमुना

७.२१.१. अशिक्षित मतदारांना इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र कसे हाताळावयाचे हे सांगण्यासाठी आयोगाने खालील सूचना दिल्या आहेत :—

- (अ) इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र व मतदान युनिटचा छापील नमुना कार्डबोर्डवर चिकटवून सर्व मतदान केंद्राध्यक्षांकडे पाठविण्यात येईल. असा नमुना छापताना केवळ कमी नावे आणि वापरात नसलेल्या डमी निशाण्या यांचाच केवळ वापर करावा आणि कोणतीही खरी नावे किंवा निशाण्या वापरू नये. हे वेगवेगळ्या रंगात छपावे जेणेकरून “ निळे बटण ” “ हिरवा दिवा ” आणि “ लाल दिवा ” इत्यादी स्पष्टपणे दाखविता येईल.
- (ब) एखाद्या मतदाराला इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रावर मत नोंदविताना मदतीची आवश्यकता असेल किंवा मत नोंदविता येत नसेल तर मतदान केंद्राध्यक्ष कार्डबोर्डवरील इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राच्या मतपत्रिकेवर मत कसे नोंदवायचे हे त्याला समजेल अशा रीतीने सांगेल. हे काम मतदान कक्षाच्या बाहेर आणि मतदान प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत करावे. कधीही मतदानकक्षात करू नये.
- (क) मतदान केंद्राध्यक्ष किंवा मतदानाच्या कामासाठी आलेल्या इतर कर्मचाऱ्यांनी मतदान कक्षाकडे सारख्या फेऱ्या मारू नये, कारण त्यामुळे तक्रारींना वाव मिळू शकतो.
- (ड) एखादा मतदार, कोणत्याही निशाणीवर/नावार/मतपत्रिका बटणवर कोणताही कागद, टेप इत्यादी चिकटवून खोडसाळपणा करणार नाही याची खात्री करून घेण्यासाठी मतदान केंद्राध्यक्ष वेळोवेळी मतदान युनिटची तपासणी करील. परंतु असे करताना जवळच्या मतदान प्रतिनिधीला तसे सांगून आणि मतदान कक्षात मतदार नसतानाच करावे.

## ७.२२. निशाणी :

७.२२.१. मतदारांच्या सोयीसाठी आपल्याला आपल्या निशाण्यांच्या प्रती छापून घेता येतील व वाटता येतील. परंतु, मतदारांना, निशाणी समाविष्ट असलेला कागद आपल्याबरोबर मतदान केंद्रात नेता येणार नाही.

## ७.२३. मृत, अनुपस्थित, स्थलांतरित आणि दुबार मतदारांची यादी :

७.२३.१. भारताच्या निवडणूक आयोगाच्या असे निदर्शनास आले आहे की, मतदानाच्या दिवशी मतदान केंद्रावर काही व्यक्ती मृत व्यक्तीच्या नावे अथवा दुसरीकडे राहायला गेलेल्या व्यक्तीच्या नावे मतदान करायला येतात. आपल्यावतीने मतदानासाठी प्रचार करताना, आपल्या कार्यकर्त्यांना व प्रतिनिधींना असे आढळून येईल की, ज्यांची नावे मतदारांच्या यादीत आहेत असे काही मतदार मरण पावलेले आहेत. काही मतदारांनी जवळजवळ कायमचीच ती जागा सोडली आहे आणि इतर काही खऱ्याखऱ्या व्यक्ती नाहीत. आपल्या त्याच्या/त्याची कार्यकर्त्यांना प्रत्येक मतदान केंद्रासाठी स्वतंत्रपणे, अशी मृत, अनुपस्थित किंवा स्थलांतरित आणि दुबार मतदारांची एक यादी तयार करण्यास सांगता येईल. शक्य असेल तर, अशा मतदारांची यादी, निवडणूक लढवणाऱ्या सर्व उमेदवारांकडून मान्य करून घ्यावी आणि अशा मान्य याद्या, मतदारसंघातील मतदानाच्या पहिल्या दिवसापूर्वी निदान ७ दिवस अगोदर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे पाठविण्याची व्यवस्था करावी. निवडणूक लढवणाऱ्या सर्व उमेदवारांमध्ये

याबाबत एकमत झाले नाही तरी त्यांच्यापैकी शक्य होईल तितक्या जणांची मान्यता घ्यावी किंवा तसेही करता आले नाही तर, तिने/त्याने आपली स्वतःची यादी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांकडे द्यावी.

७.२३.२. मतदानाच्या वेळी तोतयेगिरीस प्रतिबंध करण्याच्या दृष्टीने आयोगाने अनुपस्थित, स्थलांतरित व मृत मतदारांच्या बाबतीत पुढील निर्देश दिले आहेत :—

\*मतदान केंद्रनिहाय अनुपस्थित, स्थलांतरित व मृत मतदारांची (ASD) यादी तयार करावी आणि प्रत्येक केंद्राध्यक्षास अनुपस्थित, स्थलांतरित व मृत मतदारांची एक स्वतंत्र यादी देण्यात आली आहे याची सुनिश्चिती करावी.

\*मतदानाच्या दिवशी मतदान करण्याच्या दृष्टीने अशा यादीत ज्या मतदाराचे नाव आहे त्या मतदाराने त्याच्या/ तिच्या ओळखी-करिता मतदार छायाचित्र ओळखपत्र किंवा आयोगाने परवानगी दिलेल्यापैकी पर्यायी छायाचित्र ओळख पटविणारे विहित ओळख दस्तावेज सादर करावी लागतील. मतदान केंद्राध्यक्ष, ओळख पटविणारे दस्तावेजाची स्वतः पडताळणी करील आणि त्याचा तपशील संबंधित मतदान अधिकारी नमुना १७-क मधील मतदार नोंदवहीत योग्य रितीने नोंदवील.

\*मतदार नोंदवहीतील (नमुना १७-क) “ सही/अंगठ्याचा ठसा ” च्या स्तंभासमोर सही व्यतिरिक्त अशा मतदाराच्या अंगठ्याचा ठसादेखील घेण्यात येईल. जो मतदार साक्षर आहे व सही करू शकत असेल त्या मतदाराचादेखील सहीव्यतिरिक्त अंगठ्याचा ठसा घेण्यात येईल.

\*मतदान केंद्राध्यक्ष योग्यरितीने छाननी केल्यानंतर अनुपस्थित, स्थलांतरित व मृत मतदारांसाठी किती मतदारांना मत देण्यास परवानगी देण्यात आली होती. याबाबतचा अभिलेख (पडताळणीसाठी नमुना १७-अ मध्ये ठेवावयाचा) ठेवील व मतदानाच्या शेवटी त्याबाबतचे प्रमाणपत्र देईल.

\*जर मतदान केंद्रात व्हिडियोचित्रण/छायाचित्रण करण्यात येत असेल तर अशा मतदारांचे छायाचित्रण करण्यात येईल. त्यांचा अभिलेख ठेवण्यात येईल.

७.२३.३. उपस्थित असलेल्या सूक्ष्म निरीक्षकाने अनुपस्थित, स्थलांतरित व मृत मतदारांच्याबाबतीतील या निदेशांचे काळजीपूर्वक अनुपालन करण्यात येत असल्याची सुनिश्चिती करावी आणि त्यांच्या अहवालात याबाबतीत विनिर्देशपूर्वक उल्लेख करावा. ज्या मतदारांची नावे अनुपस्थित, स्थलांतरित व मृत मतदारांच्या यादीत आहेत. अशा मतदारांसाठी मतदान केंद्रात अनुसरावयाच्या या प्रक्रियेविषयी मतदान केंद्राध्यक्ष विशेषकरून थोडक्यात माहिती देईल. आयोगाने असे निदेश दिले आहेत की, मतदान केंद्रात मतदान करते वेळी समुद्रपार मतदारांची ओळख त्यांनी सादर केलेल्या मूळ पारपत्राच्या आधारेच केवळ करण्यात येईल. मतदारांकडून केलेल्या मतदार चिठ्ठ्या अनुक्रमे एकत्र करून ठेवण्यात येतील आणि मतदान पूर्ण झाल्यानंतर, त्या प्रयोजनासाठी देण्यात आलेल्या एका स्वतंत्र पाकिटात त्या ठेवण्यात याव्यात.

७.२३.४. यादी योग्यरितीने तयार करण्यात यावी. कोणत्याही खऱ्या मतदाराचे नाव त्यात समावेश करण्यात येणार नाही याची काळजी घ्यावी. मृत, अनुपस्थित किंवा स्थलांतरित व दुबार मतदारांच्या यादीत खऱ्या मतदाराचा चुकीने समावेश केल्यास ते त्रासदायक ठरू शकते व मतदानकेंद्रात मतदानाचा त्याचा हक्क प्रश्नास्पद ठरू शकतो.

७.२३.५. उमेदवाराने त्याच्या/तिच्या मतदान प्रतिनिधीला प्रत्येक मतदान केंद्रासाठीची मृत, अनुपस्थित किंवा स्थलांतरित व दुबार बनावट तोतया मतदारांची यादीची एकप्रत सोपवावी जेणे करून मतदानाच्या दिवशी यापैकी कोणत्याही मतदाराच्या नावाने कोणतीही व्यक्ती मत देण्यासाठी आल्यास त्यावर त्याला लक्ष ठेवता येईल व या वस्तुस्थितीकडे मतदान केंद्राध्यक्षाचे लक्ष वेधता येईल.

७.२३.६. वरील निर्देशांचे नीट अनुसरण करून उमेदवार बनावट तोतया मतदानास प्रतिबंध करण्यामध्ये केवळ त्याची/तिची स्वतःची मदत करणार नाही तर निवडणूक प्राधिकाऱ्यांसदेखील महत्त्वाचे सहाय्य करील.

## ७.२४. मतदानापूर्वी उमेदवाराचा मृत्यू :

- ७.२४.१. कोणत्याही उमेदवाराचा मृत्यू घडून आल्यानंतर निवडणुकीचा आदेश मागे घेण्यासंदर्भात याआधी केलेल्या कायद्यामध्ये (लोक प्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ५२) लोक प्रतिनिधित्व (सुधारणा) अधिनियम, १९९६ अन्वये बराच मोठा बदल करण्यात आला आहे. सुधारित कलम ५२ अनुसार केवळ मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षाच्या उमेदवाराचा मृत्यू झाल्यास मतदान पुढील परिस्थितीमध्ये स्थगित करण्यात येईल :-
- (अ) नामनिर्देशन करण्यासाठी असलेल्या अखेरच्या तारखेस सकाळी ११ नंतर कोणत्याही वेळी उमेदवाराचा मृत्यू झाला असेल आणि कलम ३६ अन्वये करण्यात आलेल्या छाननीनंतर त्याचे नामनिर्देशन वैध असल्याचे आढळून आले असेल ; किंवा
- (ब) कलम ३६ अन्वये करण्यात आलेल्या छाननीनंतर त्याचे नामनिर्देशन वैध असल्याचे आढळून आले असेल आणि कलम ३७ अन्वये त्याने आपली उमेदवारी मागे घेतलेली नसेल व तो मरण पावला असेल तर आणि दोन्ही प्रकरणांपैकी एका प्रकरणी त्याच्या मृत्यूची बातमी, कलम ३८ अन्वये निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांची यादी जाहीर होण्यापूर्वी कोणत्याही वेळी मिळाली असेल ; किंवा
- (क) असा उमेदवार निवडणूक लढविणारा उमेदवार म्हणून मरण पावला असेल आणि त्याच्या मृत्यूची बातमी मतदान सुरू होण्यापूर्वी कळली असेल.
- ७.२४.२. उक्त उमेदवाराच्या मृत्यूबाबत स्वतःची खात्री करून घेतल्यानंतर निवडणूक निर्णय अधिकारी, निवडणूक आयोग, नंतर अधिसूचित करील त्या दिनांकापर्यंत मतदान तहकूब करण्याचे आदेश देईल.
- ७.२४.३. वर उल्लेखिलेल्या (अ) प्रमाणे उमेदवाराचा मृत्यू घडून आल्यास, मृत उमेदवाराच्या नामनिर्देशनासह सर्व नामनिर्देशनांची छाननी केल्यानंतरच मतदान तहकूब करण्याबाबतचा आदेश देण्यात येईल. अशा प्रकरणात, उमेदवाराच्या मृत्यूपूर्वी, निवडणूक निशाण्या (राखून ठेवणे व वाटप करणे) आदेश, १९६८ च्या परिच्छेद १३ मध्ये नमूद केलेल्या सर्व आवश्यकतांची पूर्तता करण्यात आली असेल तरच फक्त उमेदवारास मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षाने उभे केले असल्याचे मानण्यात येईल याची नोंद घ्यावी. पक्षाने उमेदवाराच्या मृत्यूच्यावेळी, विहित करण्यात आलेल्या नमुना "अ" व "ब" मध्ये उमेदवार उभा केल्यासंबंधीची माहिती दिलेली नसेल तर, मतदान तहकूब करण्याच्या प्रयोजनार्थ उमेदवारास मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षाने उभे केले असल्याचे मानण्यात येणार नाही. अशा प्रकरणात, (निशाण्यासंबंधी आदेशातील परिच्छेद १३ अन्वये आवश्यक असल्याप्रमाणे) त्या दिवशी दुपारी ३ पूर्वी आवश्यक ती माहिती दिली असती असे कोणत्याही पक्षाने म्हटल्यास ते मान्य करता येणार नाही.
- ७.२४.४. या संबन्धातील नोंद घ्यावयाचा दुसरा महत्त्वाचा मुद्दा असा आहे की, लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम ५२ च्या प्रयोजनासाठी, "मान्यताप्राप्त राजकीय पक्ष" याचा अर्थ मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय पक्ष किंवा राज्यस्तरीय पक्ष म्हणून मान्यताप्राप्त असलेल्या संबंधीत राज्यातील मान्यताप्राप्त पक्ष असा आहे. एका विशिष्ट राज्यातील राज्यस्तरीय पक्ष म्हणून मान्यताप्राप्त असलेला पक्ष हा तो ज्या राज्यांमध्ये राज्यस्तरीय पक्ष म्हणून मान्यताप्राप्त नसेल तेथे, त्याची निशाणी वापरण्यास सवलत देण्यात आलेली असली तरी, इतर राज्यांमध्ये बिगर मान्यताप्राप्त नोंदणीकृत पक्ष मानण्यात येईल. म्हणून, अशा पक्षाने उभ्या केलेल्या उमेदवाराचा मृत्यू झाल्यावर मतदान तहकूब करण्यात येणार नाही.
- ७.२४.५. मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षाने उभे केलेल्या उमेदवाराच्या मृत्यूविषयी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडून माहिती मिळाल्यावर, निवडणूक आयोग मृत उमेदवाराच्या जागी उक्त निवडणुकीसाठी दुसऱ्या उमेदवाराचे नामनिर्देशन करण्यासाठी संबंधित राजकीय पक्षाला कळवील. निवडणूक आयोगाने याबाबतची नोटीस प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासून सात दिवसांच्या आत राजकीय पक्षाला नामनिर्देशन करावे लागेल अशा उमेदवाराचे नामनिर्देशन विहित नमुन्यात (यथास्थिति नमुना २ अ किंवा २ ब) मध्ये करावे लागेल आणि अनामतीची रक्कमही त्याला नव्याने ठेवावी लागेल. विहित नमुन्यातील नामनिर्देशनासोबत निवडणूक चिन्हे (राखून ठेवणे व वाटप करणे) आदेश, १९६८ यातील परिच्छेद १३ अनुसार विहित केलेल्या नमुना "अ" व नमुना "ब" मध्ये पक्षाची आवश्यक ती माहितीदेखील द्यावी. अशा उमेदवाराच्या संबन्धात नामनिर्देशन करणे, नामनिर्देशनाची छाननी करणे, उमेदवारी मागे घेणे या संबंधीच्या कायद्याच्या इतर सर्व आवश्यकता पूर्ण कराव्या लागतील.
- ७.२४.६. मतदान तहकूब करण्यापूर्वी कलम ३७ च्या पोट-कलम (१) अन्वये उमेदवारी मागे घेण्याची नोटीस दिलेली कोणतीही व्यक्ती मृत उमेदवाराच्या जागी उमेदवार म्हणून नामनिर्देशित करावयास पात्र असेल.

७.२४.७. निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांची यादी कलम ३८ अन्वये मतदान तहकूब करण्यापूर्वीच प्रसिद्ध करण्यात आलेली असली तर निवडणूक निर्णय अधिकारी मृत व्यक्तीच्या जागी नामनिर्देशित केलेल्या व्यक्तीच्या नावासह निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांची नवीन यादी तयार करून ती प्रकाशित करील.

७.२४.८. निवडणुकीचे पुढील टप्पे आयोगाने अधिसूचित केलेल्या वेळापत्रकानुसार असतील.

### ७.२५. गंभीर घटनांचे व्हिडिओचित्रण :

७.२५.१. निवडणूक कायदा आणि त्याच्या स्थायी अनुदेशांचे उल्लंघन केल्याचा अचूक, विश्वासाह आणि समवर्ती अभिलेख ठेवण्यासाठी आणि सुधारात्मक उपाययोजनांच्या परिणामांचे निर्धारण करण्यासाठी निवडणूक आयोगाने, निवडणूक प्रक्रियेदरम्यानच्या गंभीर घटनांचे व्हिडिओचित्रण करण्याच्या सूचना जारी केल्या आहेत. ज्यात सार्वजनिक प्रचाराचा कालावधी, मतदानाचा दिवस, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र/व्हीव्हीपीएटी आणि इतर साहित्याची वाहतूक आणि ते जमा करणे, मतांची मोजणी आणि स्वतंत्र बुद्धिमानता आणि हेतूपूर्ण पद्धतीने निकाल जाहीर करणे यासारख्या बाबींचा अंतर्भाव आहे परंतु त्या तेवढ्यापुरत्याच मर्यादित नाहीत.

७.२५.२ पुढील बाबींकडे विशेष लक्ष द्यावे व व्हिडिओ छायाचित्रण करावे.—

\*मंत्र्यांनी संबोधित केलेल्या/ते उपस्थित असलेल्या सभा, मान्यताप्राप्त पक्षाचे राष्ट्रीयस्तरावरील/राज्यस्तरीय मान्यवर नेते.

\* दंगल किंवा दंगलसदृश परिस्थिती अथवा क्षोभ, दगडफेक, सर्वत्र अंदाधुंदी माजणे इत्यादी.

\* हिंसाचाराच्या घटना, मालमत्तेचे नुकसान करणे, लूटमार, जाळपोळ, शस्त्रे परजणे इत्यादी.

\* मतदान केंद्र हस्तगत करणे.

\* मतदारांना धाकटपशा दाखवणे.

\*साड्या, धोतर, ब्लॅकॅट्स इत्यादींचे वाटप करून मतदारांना लालूच दाखवणे/लाच देणे.

\*मतदान केंद्राच्या १०० मीटर आवारात प्रचार करणे.

\* मोठमोठ्या कटआऊट इत्यादीद्वारे खर्चाचे हीन प्रदर्शन.

\* संशयास्पद/गुन्हेगारी पार्श्वभूमी असलेल्या उमेदवारांच्या हालचाली व कृत्ये.

\*नामनिर्देशन, छाननी व उमेदवारी मागे घेणे अशा महत्त्वाच्या घटना.

\*निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र तयार करणे.

\*इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आत ठेवल्यानंतर सुरक्षित कक्ष (स्ट्रॉंग रूम) बंद करणे.

\*मतमोजणीसाठी इलेक्ट्रॉनिक यंत्र बाहेर काढण्यासाठी सुरक्षित कक्ष (स्ट्रॉंग रूम) उघडणे.

\*मतमोजणी.

**टीप.—** या बाबी स्पष्टीकरणात्मक असून संपूर्ण नाहीत. सर्व व्हिडिओ छायाचित्रण आणि डिजिटल छायाचित्रण दिनांक आणि वेळेच्या नोंदीसह करावे, जेणेकरून प्रत्यक्ष वेळ आणि दिनांक याची पडताळणी करता येईल.

७.२५.३. मतदान केंद्रातील तसेच त्याच्या आजुबाजुच्या परिसरातील गंभीर घटना अशा मतदान केंद्रावरील व्हिडिओ/डिजिटल कॅमेऱ्यात टिपाव्यात, उदा.—

\*अभिरूप मतदान आणि मतदान सुरू करण्यापूर्वी इलेक्ट्रॉनिक मतदानयंत्र मोहोरबंद करणे.

\*मतदान कक्षाची स्थिती.

\*मतदान प्रतिनिधीची उपस्थिती.

\*मतदान संपण्याच्या नियोजित वेळेस रांगेत उभे असलेले मतदार आणि रांगेतील शेवटचा मतदार.

\*क्षेत्रीय अधिकारी निरीक्षक आणि इतर निवडणूक कार्याधिकारी यांनी मतदान केंद्राला दिलेली भेट.

७.२५.४. सार्वजनिक सभेचे आयोजक/वक्ते किंवा इतर सहभागी व्यक्ती यांनी निवडणुका घेण्याशी संबंधित सांविधिक तरतुदींचे आणि आयोगाच्या निर्देशांचे किंवा आदर्श आचार संहितेचे उल्लंघन/व्यतिक्रमण केले आहे किंवा कसे हे ओळखण्यासाठी अशा प्रकारे तयार केलेले व्हिडीओ, ध्वनीमुद्रण, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याद्वारे ताबडतोब पाहण्यात येते की, यात दोषी आढळलेल्या सर्वांवर शिस्तभंगाच्या कारवाईसह तात्काळ सुधारात्मक कारवाई करण्यात येईल.



## प्रकरण ८. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी प्रस्तावना आणि माहिती

### ८.१ प्रस्तावनात्मक

- ८.१.१ इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रामध्ये दोन युनिटस् असतात. म्हणजे केबलसह नियंत्रण युनिट (सीयु) आणि मतदान युनिट (बीयु) (५ मीटर लांबीचे). एका नियंत्रण युनिटासोबत (नोटा सह) एका मतदान युनिटामध्ये १६ उमेदवार आणि २४ मतदान युनिटामध्ये ३८४ उमेदवार असू शकतात. हे ७.५ होल्टस् च्या बॅटरी संचावर (पॉवर पॅकवर) चालते. मतदान युनिटच्या उजव्या बाजूला उमेदवारांच्या मतदान बटनासोबत दृष्टीहीन मतदारांच्या मार्गदर्शनासाठी १ ते १६ अंक ब्रेल लिपीत दिलेले आहेत.
- ८.१.२ मतदान पडताळणीयोग्य कागदी परिनिरीक्षण निशाणी ही इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रास जोडलेली एक स्वतंत्र प्रणाली आहे, जी मतदारांना त्यांची मते त्यांनी दिलेल्या इच्छेनुसारच दिली गेली आहेत याची पडताळणी करू देते. व्हीव्हीपीएटी २२.५ व्होल्टच्या बॅटरी संचावर (पॉवर पॅक) चालते.
- ८.१.३ नियंत्रण युनिट मतदान केंद्राध्यक्ष/मतदान अधिकारी यांच्याकडे ठेवले जाते आणि मतदान युनिट आणि व्हीव्हीपीएटी मतदान कक्षात ठेवले जातात.
- ८.१.४ मतदान केल्यावर, व्हीव्हीपीएटी प्रिंटरवर उमेदवाराचा अनुक्रमांक, नाव आणि चिन्ह असलेली चिठ्ठी छापली जाते आणि सुमारे ७ सेकंदापर्यंत पारदर्शक खिडकी खुली राहते. त्यानंतर, ही मुद्रित चिठ्ठी आपोआप वेगळी घेऊन (कट होऊन) व्हीव्हीपीएटीच्या सीलबंद ड्रॉपबॉक्समध्ये पडते आणि इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रामध्ये मत यशस्वीपणे नोंदवले गेले आहे, याची पुष्टी करणारा बीप असा आवाज नियंत्रण युनिटमधून येतो.

### ८.२ इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी यांची साठवण आणि इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांची गोदामे उघडणे आणि इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी यांची ने-आण करणे :-

#### ८.२.१ इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राच्या साठवणुकीचे विविध प्रकार :-

(क) इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांचे गोदाम :- इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांचे गोदाम याचा अर्थ, जिल्हा मुख्यालयात/तहसील मुख्यालयात निवडणूक नसलेल्या कालावधीत (अपवादात्मक बाबतीत वैध कारणासाठी) इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटीची साठवून ठेवण्यासाठी खोली (खोल्या) असलेली इमारत, असा आहे.

(ख) इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राचा सुरक्षित कक्ष :-

इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राचा सुरक्षित कक्ष याचा अर्थ, (एफएलसी) प्रथम स्तरीय तपासणी ते निवडणूक प्रक्रिया पूर्ण होण्याच्या कालावधीपर्यंत इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी साठवण्यासाठी पदनिर्देशित केलेला कक्ष/खोली, असा आहे. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांच्या सुरक्षित कक्षांच्या विविध प्रकारांमध्ये पुढील प्रकारांचा समावेश होतो; प्रथम स्तरीय तपासणी सुरक्षित कक्ष, दुरुस्ती सुरक्षित कक्ष, प्रशिक्षण आणि जनजागृती सुरक्षित कक्ष, विधानसभा मसतदारसंघ/विधानसभा प्रभाग सुरक्षित कक्ष मतदान सुरक्षित कक्ष, राखीव सुरक्षित कक्ष आणि जिल्हा सुरक्षित कक्ष.

● इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी गोदामाचे प्रत्यक्ष स्वरूप

- (१) प्रवेश/बाहेर पडण्याचा मार्ग - गोदामास प्रवेश करण्यास आणि बाहेर पडण्यास फक्त एकच मार्ग असेल.
- गोदामाची इतर सर्व दारे/खिडक्या वीट-गवंडी काम किंवा काँक्रीट वापरून बंद करण्यात येतील.
- मुख्य स्वीच गोदाम/सुरक्षित कक्षा यांच्या बाहेर बसविण्यात आला आहे आणि मोहोरबंद केल्यावर वीज खंडित करावी.

- ओलसरपणा, कीटक, उंदीर पूर/पाणी साचण्याचा धोका/तडे/गळती इत्यादीपासून मुक्त असावे.
- हवा खेळती राहण्यासाठी सर्वात जास्त शक्य असेल अशा ठिकाणी (बहि सर्जक) एक्झॉस्ट पंखा लावावा आणि खेळती हवा असलेल्या जागी/मोकळ्या जागी मजबूत लोखंडी जाळी लावावीत.
- (आयोगाने विहित केलेली कागदपत्रे/साहित्य वगळून) अन्य कोणतेही साहित्य मग ते निवडणुकीशी संबंधित असो अथवा नसो इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी यांच्या सोबत ठेवण्यात येणार नाही.
- कोणत्याही परिस्थितीत, राज्य निवडणूक आयोगाचे (एसईसीचे) इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि राज्य निवडणूक आयोगाला (एसईसीला) उसनवारीने दिलेले भारताच्या निवडणूक आयोगाचे (इसीआयचे) इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र भारताच्या निवडणूक आयोगाची इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे, साठवणीसाठी असलेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राच्या गोदामात साठवून ठेवण्यात येणार नाही.
- नव्याने बांधलेल्या गोदामात किंवा कोणत्याही इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राच्या गोदामात इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे साठवण्यापूर्वी, जिल्हा निवडणूक अधिकारी, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राच्या गोदामाची गुणवत्ता आणि प्रत्यक्ष स्वरूप तपासून खात्री करण्यासाठी आणि भविष्यातील संदर्भासाठी अभिलेख ठेवण्यासाठी संबंधित प्राधिकाऱ्याकडून प्रमाणपत्र घेईल.
- गोदामासाठी सुरक्षा आणि सुरक्षितता व्यवस्था :
  - विनिर्दिष्ट केलेल्या दोन स्वतंत्र अधिकाऱ्यांकडे प्रत्येक कुलुपाच्या सर्व चाव्या देण्यात याव्यात दुहेरी कुलुप यंत्रणा असावी.
  - २४ X ७ सुरक्षेसाठी सशस्त्र पोलिसांचा किमान अर्धा भाग (केवळ शासकीय सुरक्षा कर्मचारी वर्ग) नियमित पोलीस नियुक्त करता येत नसल्यास, अपवादात्मक स्थितीत गृहरक्षादलाचे जवान (होम गार्ड) नेमावे.
  - किमान ३० दिवसांच्या (रेकॉर्डिंग) ध्वनिमुद्रणाच्या नोंदी ठेवता येतील असा डिव्हीआर सह, सभागृहाचा दरवाजा आणि मार्गिकेचे छायाचित्रण करण्यासाठी (कॉरिडॉर कॅप्चर), सीसीटीव्ही कॅमेरा बसवणे.
  - प्रत्येक प्रवेश आणि निर्गमनासाठी (लॉग बुक) ये-जा नोंदवही ठेवणे.
  - सुरक्षा कर्मचाऱ्यांसाठी कर्तव्य-नामावली (ड्यूटी रोस्टर) ठेवणे.
  - गोदाम उघडण्याच्या आणि बंद करण्याच्या वेळी व्हीडीओग्राफी (व्हिडिओ छायाचित्रण) करावे. राष्ट्रीय आणि राज्य मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांच्या/उमेदवारांच्या प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत गोदाम उघडणे आणि बंद करणे.
  - पुरेशी अग्निसुरक्षा आणि आगीचा इशारा देणारी प्रणाली.

### ८.३ इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी यांची प्रथमस्तरीय तपासणी :-

- ८.३.१ विधानसभा आणि संसदीय मतदारसंघाच्या प्रत्येक सार्वत्रिक/पोट-निवडणुकीपूर्वी जिल्हा निवडणूक अधिकारी यांच्या प्रत्यक्ष देखरेखीखाली जिल्हास्तरावर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड/इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड यांच्या अधिकृत अभियंत्याकडून इलेक्ट्रॉनिक्स मतदान यंत्राची व व्हीव्हीपीएटीची प्रथमस्तरीय तपासणी आयोजित करण्यात येते.

- ८.३.२ राष्ट्रीय आणि राज्य मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांच्या प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत सीसीटीव्हीच्या निगराणीखाली आणि चांगल्याप्रकारे दस्तऐवजीकरण करून प्रथमस्तरीय तपासणी करण्यात येते.
- ८.३.३ प्रथमस्तरीय तपासणीमध्ये, स्वच्छता आणि दृश्य तपासणी, पी-प्रथमस्तरीय तपासणी युनिटचा वापर करून कार्यक्षमता तपासणे, संपूर्ण कार्यक्षमता तपासणे, प्रत्येक १६ उमेदवारांच्या बटणांपुढे ६ (सहा) मते टाकून अभिरूप मतदान आयोजित करणे, निकालाचे निरीक्षण करणे आणि प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक (बीयु+सीयु) व व्हीव्हीपीएटीमधील अभिरूप मतदानाचा डेटा काढून टाकणे, यांचा समावेश होतो. याव्यतिरिक्त, १२०० मतांच्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राला आणि व्हीव्हीपीएटीला १% , १००० मतांच्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राला आणि व्हीव्हीपीएटीला २% आणि ५०० मतांच्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राला आणि व्हीव्हीपीएटीला मध्ये २% अभिरूप मतदान राजकीय पक्षांच्या प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत, घेण्यात येईल आणि इलेक्ट्रॉनिक मतमोजणी ही, व्हीव्हीपीएटी चिठ्ठ्यांच्या मोजणीशी जुळत असल्याची खात्री करण्यात येईल प्रथम स्तरीय तपासणी ओके नियंत्रण युनिटच्या प्रमाणानुसार टक्केवारी घेतली व मोजली जाईल. नियंत्रण युनिटच्या मोजणीसह ४ मतदान युनिटला १ नियंत्रण युनिटला आणि १ व्हीव्हीपीएटीला जोडून यादृच्छिकपणे निवडलेल्या प्रथमस्तरीय तपासणी पूर्ण झालेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांच्या १% वरील भार चाचणी आयोजित करण्यात येईल आणि मतदान युनिटांना जोडलेल्या प्रत्येक उमेदवार बटणासाठी किमान १ मत (म्हणजे, ६४ मते) देणे आणि व्हीव्हीपीएटीमधील चिठ्ठ्या मोजून जुळत असल्याची खात्री करणे.
- ८.३.४ निवडणुकीत फक्त प्रथमस्तरीय तपासणी पूर्ण झालेली इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी यांचाच वापर करण्यात येतो आणि प्रथमस्तरीय तपासणी-ओके-इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी यांची यादी मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांसोबत शेअर (वितरित) करण्यात येते.
- ८.३.५ प्रथमस्तरीय तपासणीपासून मतदानाच्या दिवसापर्यंत, २४ x ७ सुरक्षेसाठी सशस्त्र पोलिसांची एक तुकडी असेल.

#### ८.४. प्रशिक्षण आणि जनजागृती करण्यासाठी १०% इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपीएटी घेणे

- ८.४.१ प्रशिक्षण आणि जागरूकता (जनजागृती) (टी आणि ए) करण्याच्या प्रयोजनार्थ, जिल्हा निवडणूक अधिकारी, जिल्ह्यातील एकूण मतदान केंद्रांच्या एकूण संख्येच्या १०% कमाल मर्यादा ठेवून इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे काढून घेईल, "प्रशिक्षण/जनजागृती" असा उल्लेख असलेले पिवळ्या रंगाचे स्टीकर अशा इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रावर आणि ती वाहून नेणाऱ्या पेट्यांवर चिकटविण्यात येतील.
- ८.४.२ प्रशिक्षण आणि जनजागृतीसाठी घेतलेल्या अशा इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राची आणि व्हीव्हीपीएटीची यादी राष्ट्रीय व राज्य मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांसोबत शेअर केली जाते.
- ८.४.३ इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपीएटी सुरू करण्यापूर्वी नंतरच्या टप्प्यावर नव्याने प्रथमस्तरीय तपासणी आणि मोठ्या प्रमाणावरील पूरक यादृच्छिकीकरण इत्यादीचे अनुसरण करून कोणत्याही कमतरतेची पूर्तता करण्यासाठी इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपीएटी यांचे प्रशिक्षण आणि जनजागृती पुन्हा प्रस्तुत करता येईल. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपीएटी सुरू करताना, नव्याने (डि. नोव्हो) प्रथमस्तरीय तपासणी, यादृच्छिकीकरण, प्रारंभ इत्यादी केल्यानंतर या युनिटांचा आरक्षित इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी म्हणून समावेश करण्यात येईल.

#### ८.५. प्रथमस्तरीय तपासणी (एफ एल सी) पूर्ण झालेली इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपीएटीचे पहिले यादृच्छिकीकरण

- ८.५.१. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपीएटी यांचे प्रथम यादृच्छिकीकरण, भारत निवडणूक आयोगाने विकसित केलेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र व्यवस्था प्रणाली (३ एम एस) मार्फत करण्यात येते.
- ८.५.२ इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी यांचे विधानसभा मतदार संघ/प्रभाग निहाय वाटप, मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांच्या उपस्थितीत जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडून करण्यात येऊन इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपीएटी संबंधित निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांना पुरविण्यात येतात.

८.५.३ निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांची यादी अंतिम झाल्यानंतर प्रथम यादृच्छिकीकरणाची यादी राष्ट्रीय आणि राज्य मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांना तसेच उमेदवारांना देखिल पुरविण्यात येते.

## ८.६ प्रथमस्तरीय तपासणी (एफ एल सी) पूर्ण झालेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपीएटी यांचे दुसरे यादृच्छिकीकरण :

८.६.१ निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांची यादी अंतिम झाल्यानंतर आणि भारत निवडणूक आयोगाने विकसित केलेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र व्यवस्थापन प्रणाली (इएमएस) द्वारे अगदी इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपीएटी सुरू करण्यापूर्वी इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपीएटी यांचे दुसरे यादृच्छिकीकरण आयोजित करण्यात येते.

८.६.२ इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपीएटी यांचे मतदान केंद्रनिहाय वाटप करण्यासाठी उमेदवार/त्यांचे प्रतिनिधी आणि सामान्य निरीक्षक यांच्या उपस्थितीत, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याद्वारे आयोजित करण्यात येते.

८.६.३ दुसऱ्या यादृच्छिकीकरणाची यादी उमेदवारांना पुरविण्यात येते.

## ८.७ इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे (उमेदवार संच) आणि व्हीव्हीपीएटी सुरू करणे.

८.७.१ उमेदवारी अर्ज मागे घेण्याच्या शेवटच्या दिनांकांनंतर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे/व्हीव्हीपीएटी सुरू करणे

- निवडणूक निर्णय अधिकारी/सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी यांच्या देखरेखीखाली सर्व विधानसभा मतदारसंघ/प्रभाग यांच्यासाठी स्वतंत्र कक्षामध्ये इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपीएटी सुरू करण्यात येतात.

- निवडणूक निर्णय अधिकारी, सर्व उमेदवारांना त्यांच्या देखरेखीसाठी व सक्रीय सहभागासाठी वरील यंत्रे सुरू करण्याच्या वेळापत्रकाबद्दल लेखी सूचना देईल.

- सशस्त्र पोलीस दलाची किमान १ तुकडी चोवीस तास (round the clock) आणि २४ × ७ सीसीटीव्ही कव्हेरेजच्या संपूर्ण सुरक्षेसह एकेरी प्रवेश आणि बाहेर पडण्याचा एकच मार्ग असलेल्या निर्जंतुकीकरण करून स्वच्छ केलेल्या सभागृहात सुरू करण्याची प्रक्रिया आयोजित करण्यात येते. सभागृहात धातूशोधक यंत्र असलेल्या द्वारचौकटीमधून प्रवेश करण्याची परवानगी (डोअर फ्रेम मेटल डिटेक्टर) (डीएफएमडी) जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्यान जारी केलेले प्राधिकृत कर्मचाऱ्याचे ओळखपत्र/पास सादर केल्यावर देण्यात येते.

### ● मतदान युनिट तयार करणे:

मतपत्रिका बसवणे, थंब व्हीला स्वीच लावणे, न वापरलेल्या बटनांवर आवरण लावणे : बॅलेट स्क्रीन आणि अॅड्रेस टॅगसह कॅबिनेट आणि गुलाबी पेपर सील मोहोरबंद करणे.

### ● व्हीव्हीपीएटी तयार करणे:

नवीन थर्मल पेपररोल आणि पॉवर पॅक बसवणे, मोठ्या टीव्ही/मॉनिटरमध्ये एकाचवेळी सिम्बॉल लोडींग पाहण्याची सुविधेसह सिम्बॉल लोडींग युनिट (एसएलयु) वापरून सिम्बॉल लोडींग करणे, अॅड्रेस टॅगसह पेपर रोल कंपार्टमेंट मोहोरबंद करणे.

### ● नियंत्रण युनिटची तयारी:

नवीन पॉवर पॅक बसवणे, मतदान युनिट आणि व्हीव्हीपीएटी जोडून उमेदवार सेट करणे, उमेदवार सेट विभाग आणि नियंत्रण युनिटचा पॉवर पॅक विभाग पत्ता टॅगसह मोहोरबंद करणे.

### ● राखीव युनिटची ओळख (बीयु/सीयु/व्हीव्हीपीएटी):

‘राखीव’ मतदान युनिट/नियंत्रण युनिट/व्हीव्हीपीएटीच्या पेट्यांवर ‘राखीव’ असे लिहिलेले स्टीकर चिकटवले जातात. विधानसभा निवडणुकीसाठी गुलाबी स्टीकर आणि संसदीय निवडणुकीसाठी पांढरे स्टीकर चिकटवतात.

- **उच्च दराचे अभिरूप मतदान आयोजित करणे:**

व्हीव्हीपीएटी चिठ्ठ्या अचूकपणे छापण्यात येत आहेत हे तपासण्यासाठी प्रत्येक उमेदवाराला एक मत देऊन १००% व्हीव्हीपीएटी तपासणे, याव्यतिरिक्त १००० मतांचे अभिरूप मतदान ५% घेऊन यादृच्छिकपणे निवडलेली इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे तसेच व्हीव्हीपीएटी आणि नियंत्रण युनिटचे इलेक्ट्रॉनिक निकालाची व्हीव्हीपीएटी चिठ्ठ्यांच्या संख्येवरून पडताळणी करण्यात येते.

- मतदान युनिटवरील ब्रेल चिन्हांकन सुविधेव्यतिरिक्त, दृष्टीदोष असलेल्या मतदारांना त्यांच्या मताधिकाराचा उपयोग करण्याची सुविधा देण्यासाठी डमी मतपत्रिका तयार केल्या आहेत.
- कातरण यंत्राचा उपयोग करून दैनंदिन तत्वावर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी सुरू करताना काढलेल्या व्हीव्हीपीएटी कागदी चिठ्ठ्या नष्ट करणे.

**टीप :** इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र व व्हीव्हीपीएटी सुरू करताना वापरल्या जाणाऱ्या सर्व मोहोरांवर निवडणूक निर्णय अधिकारी आणि उमेदवार/त्यांच्या प्रतिनिधींच्या स्वाक्षऱ्या करण्यात येतील.

तपशीलासाठी, इलेक्ट्रॉनिक मतदार यंत्र निदेशपुस्तिका (अद्ययावत आवृत्ती) आणि निवडणूक निर्णय अधिकारी निदेशपुस्तिका (अद्ययावत आवृत्ती) यांचा संदर्भ घेतला जाऊ शकतो.

#### ८.८ इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र व व्हीव्हीपीएटी यांचे वितरण

- ८.८.१ निवडणूक निर्णय अधिकारी, मतदान केंद्रावर इलेक्ट्रॉनिक मतदार यंत्र व व्हीव्हीपीएटी पाठविण्यासाठी इलेक्ट्रॉनिक मतदार यंत्र सुरक्षित कक्ष (स्ट्रॉंग रूम) उघडण्यासाठीची तारीख व वेळेबाबत निवडणूक लढवणाऱ्या सर्व उमेदवारांना लेखी निमंत्रण देतो.
- ८.८.२ इलेक्ट्रॉनिक मतदार यंत्र व व्हीव्हीपीएटी यांचे वितरण सुयोग्य सुरक्षे अंतर्गत केले जाते.
- ८.८.३ मतदानापूर्वी आणि मतदानानंतर मध्यवर्ती ठिकाणी इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र व व्हीव्हीपीएटी यांसह राहणाऱ्या मतदान पथकांसाठी इलेक्ट्रॉनिक मतदार यंत्र मध्यवर्ती सुरक्षा कक्ष (स्ट्रॉंग रूम) निर्धारित करण्यात आले आहेत. अशा मध्यवर्ती सुरक्षा कक्षाची सूची निवडणूक लढवणाऱ्या सर्व उमेदवारांना देण्यात येते आणि त्यांची इच्छा असल्यास, देखरेखीकरिता त्यांच्या प्रतिनिधींची देखील नेमणूक करण्याची मुभा आहे.

## प्रकरण ९ टपाली मतपत्रिका

### ९.१ टपाली मतपत्रिकेद्वारे मतदान करण्यास हक्कदार असलेले मतदार

मतदारांना नेमून दिलेल्या मतदान केंद्रावर उपस्थित राहून प्रत्यक्ष मतदान करणे हा निवडणुकीतील मतदानाचा मानक निकष आहे. तथापि, कायदानुसार, मतदारांच्या विवक्षित प्रवर्गांना टपाली मतपत्रिकेद्वारे मतदान करण्याची सुविधा देण्यात आली आहे. लोकसभा व विधानसभा निवडणुकांमध्ये टपाली मतपत्रिकेद्वारे मतदानाची सुविधा उपलब्ध करून देण्यात आलेल्या मतदारांचे प्रवर्ग पुढीलप्रमाणे आहेत :

(क) विशेष मतदार [ लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५० च्या कलम २०(४) नुसार राष्ट्रपतींनी घोषित केलेले आणि परिणामी त्यांच्या मूळ मतदारसंघात नोंदणीकृत असलेले राष्ट्रपती, उप राष्ट्रपती, राज्यपाल इ. पदे धारण करणारे मतदार ],

(ख) सेवा मतदार [ सशस्त्र आणि निम लष्करी दलाचे जवान जे त्यांच्या मूळ मतदारसंघात नोंदणीकृत आहेत. एखाद्या राज्याचे सशस्त्र पोलीस दल कर्मचारी त्या राज्याच्या बाहेर तैनात आहेत, आणि जे लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५० च्या कलम २०(३) च्या शर्तीनुसार मतदार परदेशात भारत सरकारच्या सेवेत असलेले नोंदणीकृत आहेत ],

(ग) निवडणूक कर्तव्यावर असलेले मतदार,

(घ) प्रतिबंधक स्थानबद्धतेत असलेले मतदार,

(ङ) ८० वर्षांवरील ज्येष्ठ नागरिक,

(च) ४०% किंवा त्यापेक्षा जास्त बेंचमार्क दिव्यांगत्व असलेले मतदार

(छ) अत्यावश्यक सेवेच्या निश्चित प्रवर्गात कार्यरत असणारे व टपाली मतपत्रिकेद्वारे मतदान करण्यास पात्र म्हणून आयोगाद्वारे अधिसूचित केलेले मतदार,

(ज) टपाली मतपत्रिकेद्वारे मतदान करण्यासाठी शासनाच्या सल्ल्यानुसार आयोगाद्वारे अधिसूचित केलेल्या व्यक्तींच्या प्रवर्गांशी संबंधित मतदार (कृपया लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ६० आणि निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१ चा नियम १८ पहा.)

वर (ख) मध्ये नमूद केलेल्या सेवा मतदारांच्या चार प्रवर्गांपैकी जे सशस्त्र आणि निमलष्करी दलांशी संबंधित आहेत त्यांना देखील निवडणुकीत मतदानाकरिता बदली मतदार म्हणून एखाद्या व्यक्तीची नेमणूक करण्याची पर्यायी सुविधा देण्यात आली आहे. नियुक्त करण्यात येणारा बदली मतदार कमीतकमी १८ वर्षांचा असावा, सामान्यतः संबंधित मतदार संघातील रहिवासी असावा आणि मतदार यादीत नाव नोंदणीसाठी अपात्र ठरलेला नसावा.



## १.२ सेवेतील मतदार :

सेवेतील मतदार [ज्यांनी बदली (प्रॉक्सी) मतदान करण्याचा पर्याय स्वीकारला आहे त्यांच्या व्यतिरिक्त] टपाली मतपत्रिका मिळण्यास पात्र असतील. (परिशिष्ट - २४)

- १.२.१. ज्यांची नावे मतदार यादीच्या शेवटच्या भागात समाविष्ट आहेत अशा सर्व सेवा मतदारांना टपाली मतपत्रिका पाठवायच्या आहेत. परंतु त्यांनी बदली (प्रॉक्सी) मतदान करण्याचा पर्याय स्वीकारलेला नसावा, ज्यांनी बदली (प्रॉक्सी) मतदार नेमलेला असेल त्यांना वर्गीकृत सेवा मतदार (सी एस व्ही एस) असे संबोधले जाते. त्यांच्या प्रकरणी, सेवा मतदाराच्या घरचा पत्ता ज्या क्षेत्रात येतो त्या क्षेत्रासाठी नेमून दिलेल्या मतदान केंद्रात बदली (प्रॉक्सी) मतदार मतदान करील.

दिनांक २१ ऑक्टोबर २०१६ च्या अधिसूचनेद्वारे निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ मध्ये सुधारणा करून त्याद्वारे सेवा मतदारांसाठी भारत निवडणूक आयोगाकडून विनिर्दिष्ट करण्यात येईल अशा इलेक्ट्रॉनिक साधनांद्वारे निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याद्वारे सेवा मतदारांसाठी टपाल मतपत्रिका पारेषित करता येतील.

- १.२.२. निवडणूका घेण्याबाबत नियम, १९६१ याच्या नियम २३ च्या पोट-नियम (१) च्या दुसऱ्या परंतुकाच्या तरतुदीनुसार, सेवा मतदारांना इलेक्ट्रॉनिक साधनांद्वारे टपाली मतपत्रिका पारेषित करण्यासाठी आयोगाने पुढील पद्धती निर्धारित केली आहे. निवडणूक निर्णय अधिकारी पुढील दस्तऐवज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात पाठवील :-

अ. टपाली मतपत्रिका,

ब. मतदाराचे नमुना - १३ अ मधील घोषणापत्र,

क. नमुना - १३ - ब चा लेबल - आवरण - अ (आतील पाकीट),

ड. नमुना - १३ - क चा लेबल - आवरण - ब (बाहेरील पाकीट),

इ. नमुना १३ - ड मतदाराच्या मार्गदर्शनासाठी सूचना.

उमेदवारांनी उमेदवारीमागे घेण्याचा कालावधी पूर्ण झाल्यानंतर, निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांची यादी तयार झाल्याबरोबर लगेच निवडणूक निर्णय अधिकारी, सेवा मतदारांसाठी टपाली मतपत्रिका तयार करील आणि उमेदवारांनी उमेदवारी मागे घेण्याच्या शेवटच्या तारखेच्या पुढील दिवशी इलेक्ट्रॉनिक पारेषित टपाल मतपत्रिका व्यवस्थापन यंत्रणा (इ टी पी बी एम एस) यावर सेवा मतदारांसाठी टपाली मतपत्रिका व संबंधित कागदपत्रे अपलोड करण्याची व्यवस्था करील.

इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात (इटीपीबीएमएस द्वारे) पारेषित केलेल्या टपाली मतपत्रिका प्राप्त झालेल्या सेवा मतदाराने ही टपाली मतपत्रिका डाऊनलोड करून त्याची मुद्रित प्रत घ्यावी आणि विहित केल्याप्रमाणे प्रत्यक्षपणे मतदान करावे आणि ओळख प्रतज्ञापत्रावर स्वाक्षरी करावी व त्यास साक्षांकित करून घ्यावे. त्यानंतर, लहान लिफाफ्यातील मतपत्रिका आणि साक्षांकित प्रतज्ञापत्र मतदार संघाच्या संबंधित निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे एका मोहोरबंद लिफाफ्यात शीघ्र डाकेने पाठवणे आवश्यक आहे. अशा प्रकारे, या यंत्रणेत, मतपत्रिका पुढे पाठवण्याची पद्धती ही इलेक्ट्रॉनिक आणि परत पाठविण्याची प्रक्रिया ही पारंपारिक टपाली मार्गाने अशी आहे. टपाली मतपत्रिका मोजणीसाठी घेताना, ती निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे मतमोजणी सुरू होण्यासाठी निश्चित केलेल्या वेळेवूरी पोहोचाला हवी.

## १.३ टपाली मतपत्रिका - नमुना व भाषा :

- १.३.१. याची नोंद घेण्यात यावी की, दोन प्रकारच्या टपाली मतपत्रिकांसाठी वेगवेगळे नमुने (विनिर्देशने) असतील, म्हणजेच,—

एक— सेवा मतदारांसाठी टपाल मतपत्रिका.

दोन — टपाली मतपत्रिकेद्वारे मत देण्यास हक्कदार असलेल्या मतदारांच्या अन्य प्रवर्गासाठी टपाली मतपत्रिका.

- १.३.२. सेवा मतदारांसाठी, उमेदवारांची नावे आणि पक्षाची संलग्नता यासंबंधातील तपशील, राज्याच्या राजभाषेत आणि इंग्रजीत मुद्रित करावयाचा असेल. उमेदवारांचे छायाचित्र त्यांच्या नावासमोर मुद्रित केले जाईल-सेवा मतदारांच्या टपाली पत्रिकांवर निवडणुकीचे चिन्ह मुद्रित करावयाचे नाही. उमेदवारांच्या नावासोबत त्यांची संलग्नता असलेल्या त्यांच्या पक्षाचे नाव, म्हणजेच ज्या पक्षाने उमेदवारास उभे केले आहे त्या पक्षाचे नाव देखील उमेदवाराच्या नावाखाली मुद्रित करावयाचे आहे. अपक्ष उमेदवारांच्या बाबतीत “अपक्ष” असा शब्द मुद्रित करावयाचा आहे.
- १.३.३. **मतदारांच्या अन्य प्रवर्गासाठीच्या म्हणजेच जे टपाली मतपत्रिकेद्वारे मतदान करण्यास हक्कदार आहेत अशा (सेवा मतदारांव्यतिरिक्त अन्य)** मतदारांच्या टपाली मतपत्रिकांवरील तपशील राज्याच्या राजभाषेत आणि इंग्रजीत (जिथे इंग्रजी हा राजभाषा नसेल तेथे देखील) मुद्रित केला जाईल. उमेदवारांचे छायाचित्र त्यांच्या नावासमोर छापण्यात येईल. या प्रकरणात मतपत्रिकावर संलग्नीत पक्षाचे नाव मुद्रित करण्याची आवश्यकता नाही. उमेदवारांचे छायाचित्र आणि मतदान करावयाची जागा यामध्ये निवडणूक चिन्ह मुद्रित करण्यात येईल.
- १.३.४. उमेदवारांच्या नावाच्या नामिकेत उमेदवारांची छायाचित्रे मुद्रित करण्यात येतील आणि ती उमेदवारांचे नाव व चिन्ह यामधील नावाच्या किंवा, यथास्थिति, मतदान करण्याच्या/पसंती दर्शविण्याच्या स्तंभांच्या उजव्या बाजूला दर्शविण्यात येतील. मतपत्रिकावर २ सेमी २.५ सेमी आकाराचे छायाचित्र (फोटो) मुद्रित करण्यात येईल.

#### १.४. निवडणूक कर्तव्यावरील कर्मचारीवर्गासाठी टपाली मतपत्रिका :

- १.४.१. जे निवडणूक कर्तव्यावर आहेत अशा ज्या व्यक्ती असे टपाली मतपत्रिकेसाठी (पीबी) व निवडणूक कर्तव्य प्रमाणपत्रासाठी (इडीसी) हक्कदार असतील, जेथे मतदार म्हणून त्यांची नोंदणी झालेली आहे तेथील मतदान केंद्रावर त्यांना मतदान करणे शक्य नाही अशा निवडणूक कर्तव्यावर नियुक्त केलेल्या सर्व व्यक्ती, एकतर (इडीसीच्या) निवडणूक कर्तव्य प्रमाणपत्राच्या किंवा टपाली मतपत्रिकेच्या सुविधा घेण्यास हक्कदार असतील. ज्या मतदारसंघामध्ये त्यांची मतदार म्हणून नाव नोंदणी झाली असेल, त्याच मतदार संघामध्ये जर त्यांची निवडणूक कार्यात नेमणूक झाली असेल तर, ते निवडणूक कर्तव्य प्रमाणपत्र मिळण्यास हक्कदार असतील, ज्याद्वारे ते जेथे निवडणूक कर्तव्यावर कार्यरत आहेत त्या मतदान केंद्रात त्यांचे मतदान करण्यास हक्कदार ठरतील. ज्या मतदार संघात मतदार म्हणून त्यांची नोंद केली आहे त्या मतदार संघाव्यतिरिक्त अन्य मतदार संघामध्ये ते निवडणूक कर्तव्यावर असतील तर, ते टपाली मतपत्रिकेसाठी हक्कदार असतील. या व्यक्तींमध्ये, मतदान पथकातील कर्मचारी, क्षेत्र अधिकारी, क्षेत्रीय अधिकारी, निवडणूक निर्णय अधिकारी व सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी यांचा समावेश असेल. जिल्हा निवडणूक अधिकारी, निवडणूक निर्णय अधिकारी यांच्या कार्यालयांत नियंत्रण कक्षात व इतर निवडणुकीशी संबंधित कार्यालये यात नियुक्त केलेले जिल्हा निवडणूक अधिकारी, उप जिल्हा निवडणूक अधिकारी, कर्मचारी, सूक्ष्म निरीक्षक, सर्व पोलीस कर्मचारी, होमगार्ड, वाहन चालक, वाहनांचे वाहक व स्वच्छक तसेच निवडणुकीच्या कामावर लावण्यात आलेले कर्मचारी, इत्यादी जर अशा व्यक्तींना त्यांचे नाव ज्या मतदान केंद्रात मतदार म्हणून नोंदण्यात आलेले असेल त्या मतदान केंद्रात, त्याला/तिला निवडणुकांशी संबंधित कर्तव्यावर असल्याच्या कारणामुळे त्यांचे मत देता येत नसेल तर यांचा समावेश असेल. या प्रयोजनार्थ, उमेदवारांचे मतदान प्रतिनिधी देखील निवडणूक कर्तव्यावरील कर्मचाऱ्यांच्या प्रवर्गात मोडतात. त्याची/तिची ज्या मतदारसंघात तो किंवा ती कर्तव्य करीत असेल त्याच मतदार संघात मतदार म्हणून नाव नोंदणी करण्यात आलेली असेल तर, अशी व्यक्ती निवडणूक सेवा प्रमाणपत्र मिळण्यास हक्कदार असेल, आणि तो किंवा ती, कोणत्याही मतदारसंघात कर्तव्यावर असेल तर, टपाल मतपत्रिका मिळण्यास हक्कदार असेल.
- १.४.२. **निवडणूक कर्तव्यावर असलेल्या मतदारांसाठी टपाली मतपत्रिका.**— नव्याने समाविष्ट केलेल्या नियम १८ए नुसार, निवडणूक कर्तव्यावर असलेल्या मतदाराला त्याची टपाली मतपत्रिका मिळेल, त्यावर त्याने त्याचे मत नोंदवावे आणि निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने लेखी निर्दिष्ट केल्याप्रमाणे, सुविधा केंद्रावर ती मतपत्रिका परत करावी. सुविधा केंद्रे हे प्रशिक्षणाच्या ठिकाणी आणि निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या कार्यालयात स्थापना करण्यात उभारण्यात येणार आहेत. त्या जिल्ह्यामध्ये समाविष्ट असलेल्या प्रत्येक विधानसभा मतदारसंघाकरिता, प्रशिक्षण केंद्रावर एक सुविधा केंद्र उभारण्यात येईल; तर इतर जिल्ह्यातील निवडणूक कर्तव्यावर असलेल्या मतदारांसाठी एक अतिरिक्त सुविधा केंद्र प्रशिक्षणाच्या ठिकाणी पुरविण्यात येईल.

या सुविधा केंद्राशिवाय, निवडणूक निर्णय अधिकारी त्यांच्या कार्यालयात देखील एक सुविधा केंद्राची स्थापना करेल. मतदान पथकामधील आणि मतदान पथकांसोबत असलेल्या इतर मतदारांव्यतिरिक्त ( वर नमूद केल्याप्रमाणे ) निवडणूक कर्तव्यावर असलेल्या मतदारांनी, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांच्या कार्यालयात उभारलेल्या सुविधा केंद्रावर मतदान करावे.

निवडणूक कर्तव्यावर असलेल्या मतदाराला संपूर्ण गोपनीयतेत त्याच्या टपाली मतपत्रिकेवर मतदान करता यावे यासाठी प्रत्येक सुविधा केंद्रावर पुरेसे मतदान कक्ष उभारण्यात यावेत. नमूना १३ए मधील प्रतिज्ञापत्र साक्षांकित करण्यासाठी गट 'अ' किंवा 'ब' श्रेणीचे अधिकारी नियुक्त केले जातील.

**१.४.३ राजकीय पक्षाची माहिती—** उमेदवारांना सुविधा केंद्रावरील टपाली मतदानाच्या सुविधेबाबतचे वेळापत्रक लेखी स्वरूपात कळवले जाईल. त्यांना सुविधा केंद्रांवर सुविधा प्रक्रियेबाबतचे साक्षीदार होण्यासाठी त्यांची प्रतिनिधी पाठवण्याची परवानगी असेल.

**१.४.४ टपाली मतदानासाठी सुविधा केंद्राच्या कामकाजाची वेळ व त्याचा कालावधी.**

प्रशिक्षण ठिकाणावरील सुविधा केंद्रे दुसऱ्या आणि त्यानंतरच्या प्रशिक्षण दिवसांमध्ये प्रशिक्षणाच्या वेळेत काम करतात. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांच्या कार्यालयातील सुविधा केंद्र पी-३ ते पी-१ दिवसा दरम्यान सामान्य कार्यालयीन वेळेत कार्य करतात. निवडणूक कर्तव्यासाठी जेथे पोलीस कर्मचाऱ्यांची नेमणूक, मतदानाच्या ३ दिवस आधी केली जाते, तेथे निवडणूक कर्तव्यासाठी तैनात असलेल्या पोलीस कर्मचाऱ्यांच्या टपाली मतदान करण्याची सुविधा देण्यासाठी निवडणूक निर्णय अधिकारी त्यानुसार त्यांच्या कार्यालयात सुविधा केंद्राची उभारणी करू शकतात.

निवडणूक कर्तव्यावर असलेल्या कोणत्याही प्रवर्गातील मतदारासाठी एकापेक्षा जास्त प्रशिक्षण सत्र आयोजित करणे आवश्यक असल्यास, सुविधा केंद्र सर्व सत्रांदरम्यान कार्यरत राहिल जेणेकरून, एखाद्या कर्मचाऱ्याने आधीच्या सत्रात टपाली मतपत्रिकाद्वारे मत दिले नसेल, तर प्रशिक्षण संपल्यानंतर, तो किंवा ती टपाली मतपत्रिकाद्वारे मतदान करू शकेल.

**१.४.५ उमेदवारांच्या प्रतिनिधींची व्यवस्था—** सुविधा केंद्रावरील प्रक्रियेत हस्तक्षेप न करता, सर्व प्रक्रिया पाहण्यासाठी उमेदवारांनासाठी बसण्याची व्यवस्था करण्यात येईल. सुविधा प्रक्रियेत कोणत्याही व्यक्तीने हस्तक्षेप केल्यास, सुविधा केंद्राचा प्रभारी अधिकारी अशा व्यक्तीला तात्काळ परिसर सोडण्याचा आदेश देऊ शकतात.

**१.४.६ सुविधा केंद्रावर टपाली मतपत्रिकेद्वारे मतदान करणे.**

टपाली मतपत्रिकेवर मतदान करण्यासाठी वरच्या बाजूला उघडलेले/खुले असलेली एक मोठी स्टील ट्रंक सुविधा केंद्रावर मतपेटी म्हणून वापरले जाईल. याचा प्रभार संबंधित सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी यांच्याकडे ठेवण्यात येईल. टपाली मतपत्रिकेद्वारे मत देणे सुरू करण्यापूर्वी रिकामी असलेली मतपेटी उघडली जाईल आणि उपस्थित असलेल्या सर्वांना दाखवली जाईल. त्यानंतर सुविधा केंद्राच्या प्रभारी यांच्याद्वारे मतपेटी मोहोरबंद केली जाईल.

**१.४.७ टपाली मतपत्रिकांचे पृथक्करण (वेगवेगळ्या) करणे**

दिवसभर सर्व टपाली मतपत्रिकेद्वारे मतदान करून झाल्यानंतर, राजकीय पक्षांच्या/उमेदवारांच्या उपस्थिती सुविधा केंद्राच्या प्रभारींनी पेटी उघडायची आहे. सर्व टपाली मतपत्रिका पेटीतून बाहेर काढल्या जातील आणि रिकामी झालेली पेटी उपस्थित असलेल्या सर्वांना दाखवली जाईल. प्रत्येक संसदीय/विधानसभा मतदारसंघासाठी प्राप्त झालेल्या टपाली मतपत्रिकांच्या लिफाफ्यांची एकूण संख्या सुविधा केंद्रामध्ये या उद्देशासाठी ठेवल्या जाणाऱ्या नमुना १ मधील (जोडपत्र २८) विवरणपत्रामध्ये प्रविष्ट केली जाईल. उपस्थित असलेल्या पक्षांच्या प्रतिनिधींना/उमेदवारांना त्यांच्या स्वाक्षऱ्या करण्याची विनंती केली जाईल आणि त्यांना या नमुन्याची एक प्रत दिली जाईल. विधानसभा मतदारसंघासाठीच्या सर्व टपाली मतपत्रिकांचे लिफाफे हे त्या त्या विधानसभा मतदारसंघासाठी असलेल्या मोठ्या लिफाफ्यात/कापडी पिशवीत ठेवले जातील. या लिफाफ्यावर/कापडी पिशवीवर विधानसभा मतदारसंघाचा क्रमांक व नाव, सुविधा केंद्राचे नाव मतदानाची तारीख आणि त्यात समाविष्ट असलेल्या टपाली मतपत्रिकांची संख्या (१३ सी मधील लिफाफे) इत्यादी बाबी स्पष्टपणे लिहिलेल्या असतील. हा मोठा लिफाफा/कापडी पिशवी ही नंतर या प्रयोजनासाठी नियुक्त

केलेल्या, नायब तहसीलदारांच्या दर्जापेक्षा कमी दर्जा नसलेल्या विशेष संदेशवाहनामार्फत प्रपत्र-१ च्या प्रतीसह संबंधित विधानसभा मतदारसंघाच्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे पाठवला जाईल. याचा उपयोग मतदानाच्या प्रत्येक दिवशी सुविधा केंद्रावर केला जाईल. मतदान केलेल्या सर्व टपाली मतपत्रिका आणि संबंधित कागदपत्रे असलेले असे सर्व मोठे लिफाफे/कापडी पिशव्या संबंधित अधिकाऱ्याच्या ताब्यात ठेवाव्यात.

१.४.८. २३ ऑगस्ट २०२३ रोजीची अलीकडील दुरुस्ती पाहता, निवडणूक कर्तव्यावर असलेले कर्मचारी आता फक्त सुविधा केंद्रावरच मतदान करू शकतात.

#### १.५ टपालाद्वारे टपाली मतपत्रिकांची प्राप्ती :-

- (क) टपाली मतपत्रिका टपालाने परत मिळवण्यासाठी टपाल विभागासोबत करावयाची व्यवस्था मुख्य निवडणूक अधिकारी टपाल विभागाची व्यवस्था करतील आणि त्यांना प्रत्येक लोकसभा/विधानसभा मतदारसंघासाठी एक टपाल कार्यालय नामनिर्देशित करण्यास सांगतील, जे संबंधित निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांना दररोज टपाली मतपत्रिका वितरित करतील. त्या विधानसभा मतदारसंघाच्या मतमोजणी केंद्रावर जेव्हा टपाली मतपत्रिका वितरणाची वेळ सकाळी ८-०० च्या आधी असेल अशा मतमोजणीचा दिवस किंवा मतमोजणी सुरु करण्यासाठी निश्चित केलेली इतर वेळ वगळता निवडणूक निर्णय अधिकारी यांच्या कार्यालयात टपाली मतपत्रिका वितरित करण्याची वेळ दररोज दुपारी ३ वाजता निश्चित केली जाईल. मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याद्वारे मतमोजणी केंद्रांची यादी आणि निवडणूक निर्णय अधिकारी यांच्या कार्यालयांचे पत्ते इत्यादी बाबतची माहिती टपाल विभागाला लेखी कळविले जाईल.
- (ख) राजकीय पक्ष आणि उमेदवारांनी टपालाद्वारे टपाली मतपत्रिका मिळवण्याच्या वेळी उपस्थित राहावे. सर्व मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांना आणि निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांना लेखी कळवले जाईल की, ते किंवा त्यांचे प्रतिनिधी हे टपाल कार्यालयाद्वारे टपाली मतपत्रिका वितरण करण्याच्या वेळी उपस्थित राहू शकतात. या प्रयोजनासाठी, मतमोजणीच्या दिवशी टपाल विभागाच्या नामनिर्देशित कर्मचाऱ्यांना मतमोजणी केंद्रामध्ये प्रवेश करण्यासाठी पासेस (प्रवेशिका) दिल्या जाव्यात.
- (ग) टपालाद्वारे टपाली मतपत्रिका प्राप्त करण्याची पद्धत टपाल कार्यालयाद्वारे वितरित केलेल्या टपाली मतपत्रिकांची संख्या राजकीय पक्षांचे प्रतिनिधी आणि उमेदवारांचे प्रतिनिधी यांच्या उपस्थितीत निश्चित केली जाईल आणि प्राप्त झालेल्या टपाली मतपत्रिकांच्या संख्येची पोच टपाल कार्यालयाला दिली जाईल. या पोच पावतीची एक प्रत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या अभिलेखामध्ये ठेवली जाईल. संपूर्ण प्रक्रियेचे व्हिडीओ (दृकश्राव्य) चित्रण केले जाईल.
- (घ) टपालाद्वारे प्राप्त झालेल्या टपाली मतपत्रिकांची साठवणूक करणे- प्रत्येक दिवशी प्राप्त झालेल्या सर्व टपाली मतपत्रिका, निवडणूक निर्णय अधिकारी एका स्वतंत्र लिफाफ्यात ठेवतील आणि त्या लिफाफ्यावर तारीख व "टपालाद्वारे प्राप्त झालेल्या टपाली मतपत्रिका" असे नमूद करतील. तसेच तो, टपाल मिळाल्यानंतर, दररोज प्राप्त झालेल्या टपाली मतपत्रिकेचा लिफाफा सुरक्षा कक्षामध्ये ठेविल.

१.६ निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या मुख्यालयामध्ये जेथे मतमोजणी होत नाही अशा मतमोजणीच्या ठिकाणी टपाली मतपत्रिका पाठवणे. ज्या प्रकरणांमध्ये निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या मुख्यालयाव्यतिरिक्त इतर ठिकाणी मतमोजणी केली जाते, तेथे संसदीय/विधानसभा मतदारसंघातील टपाली मतपत्रिका मतमोजणीच्या दिवसाच्या एक दिवस आधी, मतमोजणी केंद्रावरील संबंधित संसदीय/विधानसभा मतदारसंघाच्या टपाली मतपत्रिका ठेवण्यासाठी असलेल्या अन्य सुरक्षा कक्षामध्ये हस्तांतरित केल्या जातील. या प्रयोजनासाठी, निवडणूक निर्णय अधिकारी, हे कोणत्या वेळी केले जाईल याची लेखी माहिती उमेदवारांना देतील. टपाली मतपत्रिका असलेला सुरक्षा कक्ष उमेदवार किंवा त्यांचे प्रतिनिधी यांच्या उपस्थितीमध्ये उघडण्यात येईल. सर्व टपाली मतपत्रिका नंतर एका मोठ्या स्टीलच्या पेटीमध्ये (बॉक्स) ठेवल्या जातील आणि ती पेटी उमेदवार व त्यांचे प्रतिनिधी यांच्या उपस्थितीत मोहोरबंद केली जाईल. त्यानंतर ही पेटी मतमोजणी केंद्रामध्ये टपाली मतपत्रिका ठेवण्यासाठी असलेल्या सुरक्षा कक्षामध्ये केंद्रिय सशस्त्र पोलीस दलाच्या सुरक्षेअंतर्गत नेली जाईल. उमेदवार आणि त्यांचे प्रतिनिधी यांना टपाली मतपत्रिका घेऊन जाणाऱ्या वाहनाच्या मागोमाग जाण्याची मुभा असेल. टपाली मतपत्रिका असलेली पेटी नंतर मतमोजणी केंद्रावर उमेदवार आणि त्यांच्या प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत टपाली मतपत्रिकांसाठी असलेल्या सुरक्षा कक्षामध्ये ठेवली जाईल. त्यानंतर सुरक्षा कक्ष मोहोरबंद करण्यात येईल आणि याचा पुरावा म्हणून मोहोरेवर उमेदवार आणि त्यांचे प्रतिनिधी यांच्या स्वाक्षरी घेतल्या जातील.

उमेदवार आणि त्यांच्या प्रतिनिधींना जर इच्छा असल्यास, त्यांना सुरक्षा कक्षावर लक्ष ठेवण्याची परवानगी असेल. संपूर्ण प्रक्रियेचे दृकश्राव्य चित्रण केले जाईल. मतमोजणीच्या दिवशी, निवडणूक निर्णय अधिकारी सुरक्षा कक्ष उघडतील आणि सर्व टपाली मतपत्रिका आणि सुविधा केंद्रांकडून प्राप्त झालेल्या नोंदवहीच्या संबंधित पानांच्या प्रती, जिथे टपाली मतपत्रिकांची मोजणी केली जाईल त्या त्या टेबलावर आणतील.

#### ९.७ मतमोजणीपूर्वी टपाली मतपत्रिकांच्या संख्याचा मेळ घालणे—

सुविधा केंद्रांकडून प्राप्त झालेले लिफाफे एक एक करून उघडण्यात येईल आणि प्रत्येक लिफाफ्यात दिसून आलेल्या टपाली मतपत्रिकांची संख्या ही सुविधा केंद्रांकडून प्राप्त झालेल्या नोंदवहीच्या/रजिस्टरच्या संबंधित पानांच्या प्रतींमध्ये नमूद केलेल्या संख्यांसोबत मेळ घालून पाहिली जाईल. अशी मेळ घातलेला मतपत्रिकेचा निकाल उमेदवार आणि त्यांच्या प्रतिनिधी यांना टपाली मतपत्रिकांची मोजणी करण्यापूर्वी दाखवला जाईल. त्याचप्रमाणे, टपालाने आणि टपाली मतदान केंद्रांकडून प्राप्त झालेल्या टपाली मतपत्रिकांची रजिस्टर/नोंदवही देखील उमेदवार आणि त्यांच्या निवडणूक प्रतिनिधींना दाखवली जाईल.

#### ९.८ प्रतिबंधात्मक स्थानबद्धतेत असलेल्या मतदारांसाठी टपाली मतपत्रिका—

प्रतिबंधात्मक स्थानबद्धतेत होत असलेला मतदार म्हणजे त्या त्या वेळी अंमलात असलेल्या कोणत्याही कायदानुसार प्रतिबंधात्मक स्थानबद्धतेच्या अधीन असलेली कोणतीही व्यक्ती निवडणूक जाहीर झाल्यापासून पंधरा दिवसांच्या आत, समुचित सरकारने प्रतिबंधात्मक स्थानबद्धतेत ठेवलेल्या मतदारांची नावे, त्यांचे पत्ते आणि मतदार यादी क्रमांक आणि त्यांच्या स्थानबद्धतेच्या ठिकाणांबद्दलचे तपशील इत्यादीबाबत खात्री करून घेणे आणि त्याची माहिती निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला कळविणे. प्रतिबंधात्मक स्थानबद्धत असलेला मतदार स्वतः निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला निवडणूका जाहीर केल्यापासून पंधरा दिवसांच्या आत वरील आशयाची सूचना देऊ शकतो. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला प्रतिबंधात्मक स्थानबद्धतेखाली असलेल्या मतदारांच्या संदर्भातील कोणतीही सूचना प्राप्त झाल्यावर, तो मतदारांना टपाली मतपत्रिका पाठवतो.

#### ९.९ उशीरा परत केलेल्या टपाली मतपत्रिका—

निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला त्याच्या लिफाफ्यामध्ये खूप उशीरा प्राप्त झालेल्या टपाली मतपत्रिका (म्हणजे, मतदारसंघातील मतमोजणी सुरु होण्यासाठी किंवा त्यानंतरच्या कोणत्याही तारखेला निश्चित केलेल्या तासानंतर) मोजल्या जात नाहीत.

#### ९.१० ज्येष्ठ नागरिक (८० पेक्षा अधिक) आणि दिव्यांग मतदार :

जे मतदार ८० वर्षांपेक्षा अधिक वयाचे आहेत असे आणि ज्यांना मतदार यादीच्या डेटाबेसमध्ये (आधारसामाग्री) आधीच अपंग व्यक्ती म्हणून चिन्हांकित केले आहे आणि त्यांच्याकडे प्रमाण स्थिर चिन्ह (benchmark) प्रमाणपत्र आहे (निर्दिष्ट अपंगत्वाच्या ४० टक्क्यापेक्षा कमी नाही इतके) अशांना देखील टपाली मतपत्रिका मिळवण्यासाठी अर्ज करण्याचा पर्याय आहे. मतदान केंद्र स्तरीय अधिकारी त्यांना टपाली मतपत्रिकेसाठी अर्ज करण्यास मदत करतील. ही मतदारांची निवड आहे हे कृपया लक्षात घ्यावे. या प्रवर्गातील जे मतदार टपाली मतपत्रिकेसाठी मागणी करणार नाहीत, ते मतदान केंद्रावर जाऊन मतदान करू शकतात.

ज्येष्ठ नागरिक व दिव्यांग असलेल्या मतदारांच्या या प्रवर्गातील टपाली मतपत्रिकांची मागणी करणाऱ्या मतदारांची पात्रता तपासल्यानंतर, निवडणूक निर्णय अधिकारी, या प्रयोजनासाठी नियुक्त केलेल्या मतदान अधिकाऱ्यांमार्फत त्यांना टपाली मतपत्रिका निर्गमित करतील. याबाबत निवडणूक अधिकारी संबंधित मतदारांना पूर्वसूचना देऊन त्यांच्या घरी जातील. मतदान पथक टपाली मतपत्रिका वितरीत करेल आणि संबंधित मतदाराने गुप्ततेने मत दिले आहे का आणि चिन्हांकित मतपत्रिका त्याच्यासाठी असलेल्या लिफाफ्यात ठेवली आहे आणि ती बंद केली आहे, मतदान अधिकारी याची सुनिश्चिती करेल. मतदाराला आवश्यक त्या घोषणापत्रावर / प्रतिज्ञापत्रावर स्वाक्षरी करण्यास देखील सांगितले जाईल आणि मतदान अधिकारी ते प्रतिज्ञापत्र संक्षिप्त करील. हे प्रतिज्ञापत्र आणि मतपत्रिका असलेला बंद लिफाफा एका मोठ्या लिफाफ्यात ठेवला जाईल आणि तो मोहोरबंद केला जाईल. मतदान पथक असे सर्व लिफाफे निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे परत घेऊन जाईल आणि तो त्या लिफाफ्याला सुरक्षित कक्षात ठेवील.

उमेदवार, त्यांची इच्छा असल्यास, मतदान पथकासोबत राहण्यासाठी त्यांचा अधिकृत प्रतिनिधी (मतदान केंद्र स्तरीय अधिकारी यासह) नियुक्त करू शकतात, जेणेकरून ते संपूर्ण प्रक्रिया पाहू शकतील. आणि अशा प्रतिनिधीच्या नियुक्तीसाठी निवडणूक घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ च्या नमुना १० मधील सर्व योग्य ती प्रक्रिया पाळली जात असल्याबाबत स्वतः खात्री करून घेतील

### ९.११ अत्यावश्यक सेवा म्हणून ओळखल्या जाणाऱ्या प्रकारातील / श्रेणीतील पात्र कर्मचाऱ्यांसाठी टपाली मतदानाची सुविधा :

आयोगाने अधिसूचित केलेल्या काही विशिष्ट अत्यावश्यक सेवेतील कर्तव्याकरिता बोलावल्यामुळे, मतदानाच्या दिवशी मतदान केंद्रावर जाऊन वैयक्तिकरीत्या मतदान करू शकत नाहीत, अशा अधिकाऱ्यांना टपाली मतपत्रिकेद्वारे आगाऊ मतदान करण्याचा पर्यायही आहे. अशा अधिकाऱ्यांनी टपाली मतपत्रिकेची मागणी करणारा निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे अर्ज सादर करण्यापूर्वी त्याला संबंधित संस्थेच्या नोडल अधिकाऱ्याने मान्यता दिली पाहिजे. अर्जाची योग्य पडताळणी केल्यानंतर, अशा मतदारांना आगाऊ मतदान करता यावे यासाठी निवडणूक निर्णय अधिकारी एक सामाईक टपाली मतदान केंद्र उपलब्ध करून देतील. टपाली मतदान केंद्र मध्यवर्ती ठिकाणी असेल आणि ते सलग तीन दिवस सुरू राहिल. अगोदर मतदान करण्याची परवानगी असलेले मतदार या तीन दिवसांपैकी कोणत्याही दिवशी टपाली मतदान केंद्राला भेट देऊ शकतात आणि टपाली मतदान केंद्रावर त्यांना दिलेल्या टपाली मतपत्रिकेद्वारे ते मतदान करू शकतात. मतदान केल्यानंतर, मतदारांनी मतपत्रिकेसाठी असलेल्या लिफाफ्यात मतपत्रिका टाकून लिफाफा बंद करणे आवश्यक आहे आणि सर्व प्रकरणांमध्ये टपाली मतपत्रिकाद्वारे मतदान करण्याकरिता अवलंबिल्या जाणाऱ्या प्रक्रियेप्रमाणे मोठ्या लिफाफ्यात ते लिफाफे यथोचित रीत्या प्रमाणित केलेल्या घोषणेसह/प्रतिज्ञापत्रासह ठेवावे. हे लिफाफे टपाली मतदान केंद्रामध्ये या प्रयोजनासाठी ठेवलेल्या बॉक्स (पेटीमध्ये) यामध्ये टाकले जातील. टपाली मतदान केंद्राचे ठिकाण, ते कोणत्या दिवशी आणि कोणत्या वेळी खुले राहिल याबाबतचा तपशील संबंधित मतदाराला कळविला जाईल. टपाली मतदान केंद्र हे मतदान केंद्राप्रमाणेच मतदान पथकाद्वारे व्यवस्थापित केले जाईल. उमेदवारांना देखील या संदर्भात सूचना देण्यात येईल जेणेकरून, ते जेष्ठ नागरिक (प्रवर्गातील) अनुपस्थित मतदार/दिव्यांग (प्रवर्गातील) अनुपस्थित मतदारांच्या घरातून मतदान करण्याच्या प्रक्रियेप्रमाणेच टपाली मतदान केंद्रातील मतदानाची कार्यवाही पाहण्यासाठी त्याच्या प्रतिनिधींना नामनिर्देशित करू शकतात.

९.१२ सर्व प्रवर्गातील मतपत्रिकेचा वापर करणाऱ्या सर्व प्रवर्गातील मतदारांकडून परत प्राप्त झालेल्या टपाली मतपत्रिकांचे सर्व लिफाफे हे निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या ताब्यात सुरक्षितपणे ठेवण्यात येतील.



## प्रकरण १० : मतदान कर्मचारी वर्ग

### १०.१ मतदान पथके स्थापन करणे :

- १०.१.१ जिल्हा निवडणूक अधिकारी हे सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमातील, शिक्षक इत्यादींसह राज्य शासनाचे कर्मचारी यांची मतदान कर्मचारी म्हणून नियुक्ती करण्यासाठी त्यांचा डेटाबेस/माहिती जसे की, नाव, लिंग, निवासाचे ठिकाण (मतदारसंघ), कामाचे ठिकाण, स्वतःचा मतदारसंघ, विधानसभा मतदारसंघाचा क्रमांक, भाग क्रमांक, अनुक्रमांक, पदनाम, कार्यालय व विभाग/संस्था यासारख्या सर्व संबंधित तपशील इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात स्पष्टपणे आणि स्वतंत्रपणे जतन करून ठेवतील. कोणत्याही व्यक्तीला तो ज्या विधानसभा मतदारसंघात त्याची नियुक्ती केली आहे (नोकरीला आहे) किंवा तो ज्या मतदारसंघामध्ये राहतो किंवा जो त्याचा स्वतःचा मतदारसंघ आहे त्या ठिकाणी त्याच्याकडे मतदानाची कर्तव्ये सोपवली जाणार नाहीत.
- १०.१.२ सुक्ष्म निरीक्षक म्हणून योग्य व्यक्तींची निवड करण्यासाठी सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, बँक इत्यादींसह केंद्र सरकारचे सर्व कर्मचारी यांचा डेटाबेस/माहिती जतन करून ठेवली जाईल.
- १०.१.३ जिल्ह्यातील अधिकाऱ्याची वेतन श्रेणी, श्रेणी आणि उपलब्धता इत्यादी विचारात घेऊन मतदान केंद्राध्यक्ष आणि मतदान अधिकारी यांची नियुक्ती करण्यात येईल. व्यवहार्य असेल तेथवर राजपत्रित अधिकारी मतदान केंद्राध्यक्ष म्हणून नियुक्त केले जातात आणि ते मतदान अधिकाऱ्याच्या तुलनेत उच्च श्रेणी/दर्जाचे असावेत.
- १०.१.४ मुक्त व निष्पक्षपणे निवडणुकांची सुनिश्चिती करण्यासाठी, मतदान पथक तयार करते वेळी विविध कार्यालये, विभाग, शाळां यांमधून निवडलेल्या मतदान कर्मचाऱ्यांचे योग्य मिश्रण केले आहे याची सुनिश्चिती केले जाते. एकाच कार्यालयात/विभागात/शाळेत (एकाच कामाच्या ठिकाणी) काम करणाऱ्या कर्मचाऱ्यांना मतदान केंद्रात एकत्र ठेवू नये.
- १०.१.५ केंद्र सरकारच्या कर्मचाऱ्यांचा निरीक्षकांनी ठरवावयाच्या सुक्ष्म निरीक्षकाच्या कर्तव्याकरिता वापर करून घ्यावा. विनिर्दिष्टपणे निर्देशित केल्याशिवाय मतदान कर्मचारी जिल्ह्यामध्ये नियुक्त केले जातील अन्यथा नाही.

### १०.२ मतदान पथक स्थापन करण्याची कार्यपद्धती

- १०.२.१ यादृच्छिकीकरणात आधारसामग्रीमधून, कार्यक्रमसामग्रीचा वापर करून मतदान कर्मचाऱ्यांच्या आवश्यक संख्येच्या १२० टक्के कर्मचाऱ्यांची (राखीव कर्मचाऱ्यांसह) यादी तयार करावी. यादृष्ट्यावर निरीक्षकांच्या उपस्थितीची आवश्यकता नाही ही त्या जिल्ह्यातील कोणत्याही मतदारसंघास मतदान केंद्राध्यक्ष व मतदान अधिकारी म्हणून मतदानाची कामे पार पाडण्याचे प्रशिक्षण देण्याकरिता अधिकारी निश्चित करून त्यांची निवड करण्यासाठीच केवळ ही यादी आहे असा मतदान कर्मचारी (तो/ती) मतदान केंद्राध्यक्ष असणार की मतदान अधिकारी असणार याची आणि त्यांच्या प्रशिक्षणाचे ठिकाण व वेळ त्या कर्मचाऱ्यास होईल.
- १०.२.२ यादृक्षिक निवड प्रक्रियेचा दुसरा टप्पा हा, त्या मतदारसंघात नियुक्त केलेल्या निरीक्षकांच्या उपस्थितीत पार पाडणे आवश्यक आहे. आणि या टप्प्यावर, कर्मचाऱ्यांच्या निवड प्रक्रियेबाबतच्या कार्यक्रमासामग्रीचा (सॉफ्टवेअर) वापर करून यादृच्छेने प्रत्यक्ष मतदान पथक स्थापन करण्यात येईल. या टप्प्यावर विधानसभा मतदारसंघ आणि पथकाची रचना माहित होईल. ही सहजगत्या करण्यात येणारी कर्मचाऱ्यांची निवड, मतदानाच्या दिवसाच्या ६ किंवा ७ दिवस अगोदर होता कामा नये. नियुक्ती पत्रे देण्याच्या कामाकरिता, जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याला पुरस्कृत विभागांची/प्राधिकारणांची सेवा घेता येईल आणि/किंवा ज्या दिवशी त्यांना शेवटची माहिती देता येईल आणि नियुक्ती पत्रे वाटता येतील त्या दिवशी पथकातील मतदान कर्मचाऱ्यांचा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता येईल. यामुळे टपाली मतदान देखील सुकर होईल.
- १०.२.३ जेव्हा मतदान पथकांना मतदान केंद्रे नेमून दिली जाऊन ती पथके विखुरली जातील त्यावेळी कर्मचारी निवडीचा तिसरा टप्पा पार पडेल. प्रत्येक मतदान पथकाला अंतिमतः मतदान केंद्र नेमून देण्याचा हा तिसरा टप्पादेखील निरीक्षकांच्या उपस्थितीतच पार पडला पाहिजे. मतदान कर्मचाऱ्याला वैयक्तिकपणे नेमून दिलेले प्रत्यक्ष मतदान केंद्र हे, मतदान पथकाने नेमून दिलेल्या मतदान केंद्रावर जाण्याच्या निकटपूर्वी जाहीर करावयाचे आहे.

१०.२.४. जिल्हा निवडणूक अधिकारी निवडणुकीसाठी मतदान पथके स्थापन करण्यात आल्याच्या लगेच नंतर निरीक्षकामार्फत निवडणूक आयोगाला आणि स्वतंत्ररीत्या राज्याच्या/संघ राज्यक्षेत्राच्या मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याला पुढील आशयाचे प्रमाणपत्र सादर करील :-

“ असे प्रमाणित करण्यात येते की,—

- (एक) विविध कार्यालये व विभाग यांमधून घेतलेल्या कर्मचाऱ्यांची योग्य सरमिसळ करून, निरीक्षकांच्या उपस्थितीत मतदान पथके स्थापन करण्यात आली आहेत.
- (दोन) शक्य असेल तेथवर राज्य शासनाच्या विभागांमधून तसेच राज्याचे सार्वजनिक क्षेत्रातील उपक्रम, इत्यादींमधून अधिकारी घेतलेले आहेत.
- (तीन) मतदान पथके स्थापन करण्याच्या प्रयोजनार्थ, जिल्ह्यातील सर्व पात्र कर्मचाऱ्यांच्या संपूर्ण आधारसामग्रीचा वापर करण्यात आला आहे. ”

१०.२.५. संपूर्ण कर्मचारी निवड प्रक्रिया ही, पहिला टप्पा वगळता, न चुकता, त्या मतदारसंघात पाठवलेल्या निरीक्षकांच्या उपस्थितीतच पार पाडली पाहिजे. जर कर्मचारी निवड प्रक्रियेच्या दुसऱ्या टप्प्यामध्ये, सहजपणे निरीक्षकांच्या अनुपस्थितीत मतदान पथके स्थापन करण्यात आली तर, हा दुसरा टप्पा निरीक्षकांच्या उपस्थितीत नव्याने पार पाडण्यात यावा आणि त्याबाबतचा अनुपालन अहवाल सादर करण्यात यावा.

१०.२.६. महिला मतदान कर्मचाऱ्यांची संगणकाच्या या दृच्छिकरण प्रक्रियेच्या आधारे कर्तव्यावर नेमणूक करू नये. जवळच्या मतदानकेंद्रांवर निरीक्षकांनी स्वतः यादृच्छिकरणाने त्यांच्या नेमणूका करण्यात जेणेकरून मतदानाच्या दिवशी सकाळी त्या स्वतः मतदान केंद्रावर जाऊ शकतील.

### १०.३ मतदान पथकाची रचना

१०.३.१. सर्वसाधारण प्रकरणी, मतदान पथक हे मतदान केंद्राध्यक्ष व तीन मतदान अधिकारी यांचे मिळून बनलेले असेल. पहिला मतदान अधिकारी, मतदार यादीच्या चिन्हांकित प्रतीचा प्रभारी असतो व मतदारांची ओळख पटविण्यासाठी जबाबदार असतो. दुसरा मतदान अधिकारी, मतदार छायाचित्र ओळखपत्र (इपीआयसी)/इतर पर्यायी ओळखपत्राच्या तपशीलासह मतदार नोंदवही (नमुना १७अ) मध्ये नोंदी करतो, मतदारांची स्वाक्षरी किंवा अंगठ्याचा ठसा (निरक्षर मतदारांच्या बाबतीत) ठसा घेतो, मतदाराच्या डाव्या हाताच्या तर्जनीवर पक्क्या शाईची खूण करतो, आणि ज्या अनुक्रमाने मतदान कक्षात मत नोंदविण्यासाठी जाणार आहे ते अनुक्रमांक दर्शविणाऱ्या मतदार चिठ्ठ्या त्यांना देतो. तिसरा मतदान अधिकारी, मतदान यंत्राच्या नियंत्रण युनिटचा (सीयु) प्रभारी असतो व नियंत्रण युनिटाचे बटन दाबून मतदान कक्षात ठेवलेले मतदान युनिट कार्यान्वीत करतो आणि मतदाराला दुसऱ्या मतदान अधिकाऱ्याने दिलेल्या मतदार चिठ्ठीवरील अनुक्रमांनुसार मत नोंदविण्यासाठी मतदान कक्षात जाण्यास परवानगी देतो. आयोगाने असा निर्णय घेतला आहे की, एखाद्या विशिष्ट जिल्ह्यात मतदारसंघामध्ये मतदान कर्मचाऱ्यांची कमतरता असेल अशा प्रसंगी अशा ठिकाणी मतदान पथक हे मतदान केंद्राध्यक्ष व तीन मतदान अधिकारी या प्रमाण नियमाएवजी दोन मतदान अधिकाऱ्यांचे मिळून बनलेले असेल. त्या प्रकरणी, पहिल्या मतदान अधिकाऱ्याच्या कर्तव्यात, मतदाराची ओळख पटविल्यानंतर मतदाराच्या बोटाला पक्की शाई लावण्याचे कर्तव्य देखील अंतर्भूत असेल. असा प्रकरणी, दुसरा मतदान अधिकारी, नमुना १७अ मध्ये (मतदारांची नोंदवही) नोंद करण्याच्या, व त्यावर मतदारांची सही/अंगठ्याचा ठसा घेण्याच्या सर्वसाधारण कामांबरोबरच अशा प्रकरणी, दुसरा मतदान अधिकारी, नियंत्रण युनिटदेखील सांभाळण्याचे काम करील. अशा प्रकरणी जेव्हा केवळ दोन मतदान अधिकारी वापरण्यात येणार असतील तर मतदार पावती, अनुक्रमांक इत्यादी करण्याची आवश्यकता असणार नाही. त्याएवजी दुसरा मतदान अधिकारी, नियंत्रण युनिट चालू करील आणि त्यानंतर ज्या क्रमाने मतदार, मतदार नोंदवहीत (नमुना १७ क) सही करून ते मतदान कक्षात गेले असते अगदी त्याच क्रमाने ते मतदान कक्षात जातील अशा प्रकरणी मतदान केंद्रात मतदार पावती बनविण्याची आवश्यकता असणार नाही. तसेच जर मतदान अधिकाऱ्यांची संख्या दोन इतकी निर्बंधित केली असेल तर याबद्दल निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांना आगाऊ लेखी माहिती देण्यात यावी. मतदानाची कामे दोन मतदान अधिकारी करणार असल्याबाबतचे देखील स्पष्टीकरण उमेदवारांना देखील देण्यात यावे.

### १०.४ क्षेत्र अधिकारी

१०.४.१ भारत निवडणूक आयोगाने, निवडणुकीचे वेळापत्रक जाहीर केल्याच्या दिवसापासून मतदानाची प्रक्रिया पूर्ण होईपर्यंत, निवडणुकीच्या व्यवस्थापनाकरिता प्रत्येकी १०-१२ मतदान केंद्रांसाठी क्षेत्र अधिकाऱ्यांच्या नेमणुकीची पद्धत सुरू केली आहे. मतदानाच्या दिवसाच्या ७ दिवस आधी त्यांना क्षेत्रीय दंडाधिकारी म्हणून नामनिर्देशित केले जाईल आणि त्यांना विशेष कार्यकारी दंडाधिकार्यांचे अधिकार असतील व त्यांच्यासोबत पोलीस अधिकारी असतील. क्षेत्र अधिकाऱ्यांची मुख्य कामे व जबाबदाऱ्या खाली दिल्या आहेत :-

#### १०.४.२ मतदान-पूर्व जबाबदारी

१. मतदान केंद्रांकडे जाण्याचा मार्ग सहज व सोपा असण्याची खात्री करून घेणे.
२. मतदान केंद्रावरील पाणी, छपर, उतार, प्रसाधनगृहे, दूरध्वनी इत्यादी पायाभूत सुविधांची व इमारतीच्या दर्जाची प्रत्यक्ष खात्री करणे.
३. नवीन मतदान केंद्रांना व्यापक प्रसिद्धी देण्यात आल्याची खात्री करणे.
४. दूरध्वनी क्रमांक गोळा करणे, मतदान केंद्रांवरील भ्रमणध्वनी जोडणीची खात्री करणे.
५. विशेष कार्य दंडाधिकारी अनधिकृत प्रचाराच्या वाहनांची, मालमतेचे विरूपण, अनधिकृत प्रचार, सार्वजनिक इमारती/शासकीय वाहने/शासकीय कर्मचारी यांचा गैरवापर आणि आदर्श आचार-संहितेचेपणे होत असलेले सर्व उल्लंघन यांवर लक्ष ठेवेल आणि त्याबाबत अहवाल देईल.
६. व्याप्ती क्षेत्रांमध्ये मतदारांना इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र व व्हीव्हीपीएटी चे प्रात्यक्षिक देणे आणि मतदारांना “नोटा” (वरीलपैकी कोणीही नाही) पर्याय स्पष्ट करून सांगणे.
७. मतदार छायाचित्र ओळखपत्र समावेशक कार्यक्रमाविषयी विशेष माहिती देणे.
८. मतदारांना, त्यांच्या मतदान केंद्राच्या हेल्ललाईन व ठिकाणांविषयी माहिती देणे.
९. मतदारांना, त्यांची नावे व नोंदी, मतदान केंद्र स्तरीय अधिकाऱ्यामार्फत छायाचित्र मतदार यादीमध्ये तपासण्यास सांगणे.
१०. संवेदनशील म्हणून निश्चित केलेल्या केंद्रांच्या ठिकाणी विश्वास निर्माण करणाऱ्या उपाययोजना करण्यासाठी व सुसंवाद ठेवण्यासाठी अशा ठिकाणांना वारंवार भेटी देणे.
११. संवेदनशील केंद्रे निश्चित करणे.
१२. धमकी व धाकदपटशाखालील अतिसंवेदनशील मतदारांची गावे, पाडे (वस्त्या) व क्षेत्र खंड निश्चित करणे.
१३. अतिसंवेदनशीलता निर्माण करणाऱ्या व्यक्ती ओळखून त्यांच्याबद्दल निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला अहवाल पाठविणे.
१४. मतदानास येण्यासाठी मतदारांना बंधमुक्त प्रवेश असल्याची खात्री करणे.
१५. अतिसंवेदनशील समुदायामधील त्यांच्या दूरध्वनी क्रमांकासहीत संपर्क साधणे.

#### १०.४.३ मतदान पूर्व संध्येची जबाबदारी

१. मतदान पथक व सर्व साहित्य त्यांच्या मतदान केंद्रांवर पोहोचले आहेत याची खात्री करणे.
२. योजनेनुसार सुरक्षा दल (पोलीस बल) मतदान केंद्रांवर पोहोचले आहेत याची खात्री करणे.
३. मतदान कर्मचाऱ्यांमधील इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र व व्हीव्हीपीएटी च्या कार्यचालनाविषयी किंवा मतदान प्रक्रियेविषयी असलेली कोणतीही शंका शेवटच्या क्षणापर्यंत स्पष्ट करणे.
४. नियंत्रण कक्षाला सर्व ठीक असल्याचा अहवाल देणे.

### १०.४.४. मतदानाच्या दिवशी असलेली जबाबदारी

१. मतदानास प्रारंभ करण्यापूर्वी अभिरूप मतदानाच्या स्थितीची खात्री करणे. समस्या कोणतीही असल्यास, सोडविण्यासाठी सुधारात्मक कारवाई करणे.
२. मतदान प्रतिनिधींच्या अनुपस्थितीमध्ये जेथे अभिरूप मतदान करावयाचे होते अशा मतदान केंद्रांवर वारंवार भेट देणे व लक्ष ठेवणे.
३. मतदान सुरू झाल्याचा अहवाल देणे.
४. मतदान केंद्रांवर तैनात केलेली संरक्षक दले योग्य तयारीत असल्याची खात्री करणे.
५. जेथे आवश्यक असेल तेथे इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे व व्हीव्हीपीएटी बदलून देणे (क्षेत्र अधिकाऱ्याकडे जास्तीची इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे व व्हीव्हीपीएटी असतील).
६. मतदान प्रतिनिधींची उपस्थिती/अनुपस्थिती यांचा शोध घेणे व त्याचा अहवाल देणे.
७. मतदान पथकाला, मतदान केंद्रांमध्ये कार्यपद्धतीनुसार सहाय्य करणे.
८. मतदान प्रक्रियेचे पावित्र्य राखणे व मतदान केंद्रांना भेटी देऊन मतदानाच्या सर्व बाबी तपासणे.
९. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला ३० मिनीटांच्या आत अभिरूप मतदानाचा अहवाल देणे.
१०. मतदानाचे स्वरूप तपासणे-एखादा खंड/उप विभाग यांतील मतदारांची अनुपस्थिती ठळकपणे दिसून येत असल्याने दाखविणे. सुधारात्मक उपाययोजनांसाठी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला कळविणे.
११. दिलेल्या निर्देशाप्रमाणे, वेळोवेळी मतदानाची टक्केवारी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला कळविणे.
१२. मतदानाच्या दिवशी येणाऱ्या तक्रारी हाताळणे.
१३. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र व्हीव्हीपीएटी मोहोरबंद केल्याचे तपासणे आणि मतदान पथकांकडील कागदपत्रांची तयारी करणे.
१४. मतदान पथकांसह इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र व व्हीव्हीपीएटी संरक्षणात संकलन केंद्रांकडे घेऊन जाणे.
१५. राखीव पथकांमधून मतदान कर्मचाऱ्यांची अदलाबदल करणे.
१६. मतदानाच्या शेवटी, मतदान केंद्राध्यक्षाची दैनंदिनी योग्यरीत्या भरलेली आहे, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र व व्हीव्हीपीएटी योग्य रीतीने मोहोरबंद केलेले आहे, १७सी ची प्रत मतदान प्रतिनिधींना दिली आहे; मतदार नोंदवही १७ए योग्य रीतीने भरलेली आहे याची तो खात्री करील आणि मतदान केंद्राध्यक्षाचा निरीक्षकाला सादर करावयाचा अतिरिक्त अहवालाचा नमुना योग्य रीतीने भरलेला आहे, याची तो खात्री करील.
- १०.४.५. मतदानानंतर, क्षेत्र अधिकारी मतदानावरील त्याचा अहवाल निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे सादर करील. क्षेत्र अधिकारी संवेदनशील क्षेत्र निश्चित करण्यासाठी आणि अति संवेदनशील मतदान केंद्र निश्चित करण्यासाठी क्षेत्रीय पोलीस अधिकाऱ्यासोबत समन्वय साधील. ( असुरक्षिततेचे मापन यावरील नियमपुस्तिका )

## प्रकरण ११: निरीक्षक

### ११.१ प्रारंभिक

मुक्त व निःपक्ष निवडणुकांचे आयोजन करण्यासाठी निवडणुकांचे तटस्थपणे निरीक्षण करणे व अहवाल देणे आवश्यक आहे. भारत निवडणूक आयोगाद्वारे नियुक्त केलेले निरीक्षक तटस्थता अचूकता व पारदर्शकता या नैतिक तत्वांनुसार त्यांचे काम पार पाडतात. निरीक्षक म्हणून वरिष्ठ अधिकाऱ्यांची प्रतिनियुक्ती करण्याची संकल्पना सन १९९० पासून सुरू झाली. गेल्या दोन दशकांमध्ये एका राज्यातून दुसऱ्या राज्यामध्ये निरीक्षकांची प्रतिनियुक्ती करणे, हे देशातील निवडणुकांचे व्यवस्थापन करण्यासाठी अतिशय महत्त्वपूर्ण बनलेले आहे. बऱ्याचदा, अखिल भारतीय सेवांमधील आणि भारतीय महसूल सेवा (केंद्रीय प्रत्यक्ष कर मंडळ आणि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर व सीमा शुल्क मंडळ) भारतीय संरक्षण लेखा सेवा, राष्ट्रीय लेखापरीक्षण व लेखा अकादमी, भारतीय नागरी लेखा सेवा, इत्यादींसारख्या केंद्रीय सेवामधील अधिकाऱ्यांची निवडणूक निरीक्षक म्हणून प्रतिनियुक्ती करण्यात येते. निरीक्षक व्यावसायिक तटस्थपणे निःपक्षपातीपणे भूमिका बजावतात आणि निरीक्षकांना केंद्रस्थानी ठेवणे हे लोकशाहीच्या समर्थनार्थ असलेली सर्व ध्येये साध्य करताना दीर्घकाळ उपयुक्त असल्याचे सिद्ध झालेले आहे. भारत निवडणूक आयोग, भारत निवडणूक आयोगाने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम २०ख अन्वये निरीक्षकांची नियुक्ती करतो आणि त्यास भारतीय संविधानाद्वारे संपूर्ण अधिकार दिलेले आहेत. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ यात नवीन खंड-कलम २०ख जादा दाखल करण्यासाठी ऑगस्ट, १९९६ मध्ये सुधारणा करण्यात आली. त्यामध्ये निवडणूकांच्या आयोजन आणि विशेषकरून मतमोजणीचे निरीक्षण करण्यासाठी, निरीक्षकांकरिता सांविधानिक अधिकारांची तरतूद केलेली आहे. पोट-कलम (१) अन्वये नामनिर्देशित केलेल्या निरीक्षकाला, त्याला/तिला ज्या मतदारसंघासाठी नामनिर्देशित केले असेल त्या मतदारसंघाच्या किंवा मतदारसंघामधील कोणत्याही मतदारसंघाच्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला निकाल घोषित करण्यापूर्वी कोणत्याही वेळी मतमोजणी थांबविण्याचा किंवा अनेक मतदान केंद्रे किंवा मतदानासाठी किंवा मतमोजणीसाठी निश्चित केलेल्या जागा ताब्यात घेतल्या असल्याबद्दल किंवा मतदान केंद्रावर किंवा मतदानासाठी निश्चित केलेल्या जागी वापरण्यात आलेली कोणतीही मतपत्रिका निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या अभिरक्षेतून बेकायदेशीररित्या ताब्यात घेण्यात आल्याबद्दल किंवा त्या मतदान केंद्रावरील किंवा जागेवरील मतदानाचा निकाल निश्चित करता येणार नाही इतक्या प्रमाणात ती मतपत्रिका अनवधानाने किंवा हेतुपुरस्सर नष्ट करण्यात किंवा गहाळ करण्यात किंवा खराब करण्यात आली असल्याची किंवा त्यात छेडछाड करण्यात आल्याबद्दल जर निरीक्षकांची खात्री झाली असेल तर, तेथील निवडणुकीचा निकाल जाहीर न करण्याचा निदेश देण्याचा अधिकार असेल.

### ११.२ निरीक्षकांच्या कर्तव्याचा आढावा

- क्षेत्र स्तरावर निवडणूक प्रक्रियेची तत्पर व प्रभावी देखरेख करणे.
- निवडणूकविषयक चक्रादरम्यान भारत निवडणूक आयोगाचे डोळे व कान असणे.
- मध्यवर्ती सुधारणा करणे सुलभ करण्यासाठी भारत निवडणूक आयोग/मुख्य निवडणूक अधिकारी/निवडणूक निर्णय अधिकारी/जिल्हा निवडणूक अधिकारी यांच्यासोबत चर्चा करणे.
- मुक्त व निःपक्ष मतदानाची सुनिश्चिती करत असल्याना क्षेत्रीय प्रशासन सुलभ करणे.

### ११.३ निरीक्षकांचे प्रकार

- सर्वसाधारण निरीक्षक
- पोलीस निरीक्षक
- खर्च निरीक्षक

### ११.४ सर्वसाधारण निरीक्षक

११.४.१ भारत निवडणूक आयोग स्वतंत्र व निःपक्ष मतदान घेण्यामध्ये सहाय्य करण्यासाठी, त्याचे निरीक्षक म्हणून, वरिष्ठ व अनुभवी प्रशासनिक सेवेतील अधिकाऱ्यांची नियुक्ती करतो. ते क्षेत्रीय स्तरावर मतदान प्रक्रियेच्या कार्यक्षम व प्रभावी व्यवस्थापनाची देखरेख करतात आणि ते, निवडणुकांशी संबंधित अधिनियमांचे, नियमांचे, कार्यपद्धतीचे, निदेशांचे, सूचनांचे आणि मार्गदर्शक तत्वांचे सर्व संबंधितांनी काटेकोरपणे व निःपक्षपातीपणे अनुपालन केले आहे

याबद्दलची सुनिश्चिती करण्यासाठी निवडणूक यंत्रणा, उमेदवार, राजकीय पक्ष व मतदार यांच्यातील अंतर्गत दुवा म्हणून क्षेत्रांमधील बाबींची थेट माहितीदेखील पुरवतात.

११.४.२ सर्वसाधारण निरीक्षकांचे सांविधिक अधिकार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम २०ख कडे उमेदवारांचे लक्ष वेधण्यात येत असून ते पुढीलप्रमाणे आहे :

- (१) निवडणूक आयोग, एखाद्या मतदारसंघामधील किंवा मतदारसंघाच्या गटामधील निवडणूक किंवा निवडणुका पार पाडण्याच्या कामावर लक्ष ठेवण्यासाठी आणि निवडणूक आयोग, त्याच्याकडे सोपविल अशी अन्य कार्ये पार पाडण्यासाठी एखाद्या शासकीय अधिकाऱ्याचे निरीक्षक म्हणून नामनिर्देशन करील.
- (२) पोट-कलम (१) अन्वये नामनिर्देशित केलेल्या निरीक्षकाला त्याला ज्या मतदारसंघासाठी नामनिर्देशित केले असेल त्या मतदारसंघाच्या किंवा मतदारसंघामधील कोणत्याही मतदारसंघाच्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला, निकाल घोषित करण्यापूर्वी कोणत्याही वेळी मतमोजणी थांबविण्याचा किंवा अनेक मतदान केंद्रे किंवा मतदानासाठी किंवा मतमोजणीसाठी निश्चित केलेल्या जागा ताब्यात घेतल्या असल्याबद्दल किंवा मतदान केंद्रावर किंवा मतदानासाठी निश्चित केलेल्या जागी वापरण्यात आलेली कोणतीही मतपत्रिका, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या अभिरक्षेतून बेकायदेशीररीत्या ताब्यात घेण्यात आल्याबद्दल किंवा त्या मतदान केंद्रावरील किंवा जागेवरील मतदानाचा निर्णय निश्चित करता येणार नाही इतक्या प्रमाणात त्या मतपत्रिका अनवधानाने किंवा हेतुपुरस्सर नष्ट करण्यात आल्या किंवा गहाळ करण्यात किंवा खराब करण्यात किंवा विरूप करण्यात आल्याबद्दल निरीक्षकाची खात्री झाल्यास, तेथील निवडणुकीचा निकाल जाहीर न करण्याबाबत निदेश देण्याचा अधिकार असेल.
- (३) जेव्हा एखाद्या निरीक्षकाने या कलमान्वये निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला मतमोजणी थांबविण्याचा किंवा निकाल जाहीर करण्याचा निदेश दिला असेल तेव्हा तो निरीक्षक ती बाब ताबडतोब निवडणूक आयोगाला कळवील आणि त्यानंतर निवडणूक आयोग सर्व महत्त्वाची परिस्थिती लक्षात घेतल्यावर, कलम ५८ क किंवा कलम ६४ क किंवा कलम ६६ अन्वये योग्य ते निदेश देईल. निरीक्षक, उमेदवाराद्वारे केलेल्या खर्चावर देखरेख / सनियंत्रण देखील ठेवतील आणि उमेदवारांनी केलेल्या निवडणूक दैनंदिन खर्चाच्या लेख्यासंदर्भातील आयोगाची मार्गदर्शक तत्त्वे काटेकोरपणे अंमलात आणली आहेत का याची सुनिश्चिती करतील आणि त्यांनी उमेदवारांद्वारे ठेवलेल्या लेखा नोंदवहीची छाननी करणेदेखील आवश्यक आहे.

## ११.५ पोलीस निरीक्षक

११.५.१. आयोग गरज, संवेदनशीलता आणि जिल्हा/विधानसभा मतदारसंघाच्या प्रत्यक्ष परिस्थितीचे निर्धारण यांवर आधारित, जेथे आवश्यक असेल तेथे, भारतीय पोलीस सेवेतील अधिकाऱ्यांची जिल्हा विधानसभा मतदारासंघ स्तरावर पोलीस निरीक्षक म्हणून नेमणूक करील. त्यांनी मुक्त व निःपक्ष निवडणुकांची सुनिश्चिती करण्यासाठी दल तैनातीकरणे कायदा व सुव्यवस्था स्थिती यांच्याशी संबंधित सर्व कृतींचे सनियंत्रण करणे आणि नागरी व पोलीस प्रशासन यामध्ये समन्वय साधणे आवश्यक आहे. भारत निवडणूक आयोगाद्वारे मतदारसंघाच्या संवेदनशीलतेवर आधारित, जेथे आवश्यक असेल तेथे, राज्य व जिल्हा स्तरावरील भारतीय पोलीस सेवेतील ( आयपीएस ) अधिकाऱ्यांच्या श्रेणीतील अधिकाऱ्यांमधून पोलीस निरीक्षकाची नियुक्ती करण्यात येते. ते पुढील बाबींसाठी जबाबदार असतील :

१. मुक्त व निःपक्ष निवडणुकीची सुनिश्चिती करण्यासाठी दल तैनात करणे, कायदा व सुव्यवस्था स्थिती यांच्याशी संबंधित सर्व कृतींचे सनियंत्रण करणे आणि नागरी व पोलीस प्रशासन यांमध्ये समन्वय साधणे,
२. पुढील बाबींचा आढावा घेणे व निरीक्षण करणे :—
  - पोलीस कर्मचाऱ्यांची पर्याप्तता
  - केंद्रीय दलांची आवश्यकता



- केलेल्या प्रतिबंधात्मक कारवाई (प्रतिबंधात्मक स्थानबद्धता, बंधने व शस्त्रे जमा करणे),
- असुरक्षितता निर्देशांक मापनामार्फत अतिसंवेदनशील समूह व मतदान केंद्रे निश्चित करणे,
- मतदानाच्या दिवशी पोलीस संरक्षणासाठीची क्षेत्रीय योजना, आणि
- आंतर-जिल्हा, राष्ट्रीय व आंतरराष्ट्रीय सीमांची संवेदनशीलता.

## ११.६. खर्च निरीक्षक

- ११.६.१. आयोग, पुरेशा संख्येत खर्च निरीक्षकांची आणि सहायक खर्च निरीक्षकांची नियुक्ती करतो, ते केवळ निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांच्या निवडणूक खर्चाचे संनियंत्रण करतात. नियंत्रण कक्ष आणि २४ तास मोफत क्रमांकासह असलेले तक्रार संनियंत्रण केंद्र संपूर्ण निवडणूक प्रक्रियेदरम्यान कार्यरत असताना बँका आणि भारत सरकारचे वित्तीय गुप्तवार्ता युनिट हे संशयास्पद रोख रक्कम काढल्याचे अहवाल निवडणूक कर्मचाऱ्यांना पाठवतात. उमेदवारांच्या निवडणूक खर्चाचे कार्यक्षमपणे संनियंत्रण करण्यासाठी वेळोवेळी सर्वसमानवेशक अनुदेश आयोगाद्वारे स्वतंत्रपणे काढण्यात येतात आणि भारत निवडणूक आयोगाच्या संकेतस्थळावर (<https://eci.gov.in>) तात्काळ उपलब्ध केले जातात.
- ११.६.२. निवडणूक खर्चाचे संनियंत्रण करण्यासाठी खर्च निरीक्षकांची नियुक्ती करण्यात येते. तो/ती मतदारसंघामध्ये कामावर असलेल्या सर्व निवडणूक खर्च संनियंत्रण कर्मचारी वर्गाची पर्यवेक्षण करतात आणि त्यांना मार्गदर्शन करतात.

## प्रकरण: १२ मतदान केंद्राची सुरक्षा व्यवस्था

### १२.१ सुरक्षा

- १२.७.१ आयोग, निवडणुका सुरळीतपणे, मुक्त व निःपक्षपणे पार पाडण्यासाठी निवडणुकीच्या कालावधीत केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दले तैनात करतो. निवडणुकीच्या वेळी स्थानिक राज्य पोलीस ( त्यांच्या सर्व रूपभेदासह ) आणि केंद्रीय निमलष्करी दले भारताच्या निवडणूक आयोगाकडे नेहमीच प्रतिनियुक्तीवर ठेवलेली असतात. आणि ती दले सर्व प्रयोजनांसाठी त्याच्या अधीक्षण व नियंत्रणाखाली असतात. आयोग निवडणुका सुरळीतपणे पार पाडण्यासाठी या दलांच्या कर्मचारीवर्गाच्या सेवांचा उपयोग करून होतो.
- १२.१.२ आयोगाच्या निदेशानुसार, ज्या मतदान केंद्रावर केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दलाचे कर्मचारी तैनात केले जातात, तेथे त्यांचा उपयोग मतदान केंद्राबाहेरील स्थैतिक दल म्हणून करण्यात येतो.
- १२.१.३ मतदान केंद्राच्या प्रवेश द्वारावर पदस्थापित केलेला आलेला केंद्रीय ( सशस्त्र पोलीस ) दलाचा जवान विशेषतः पुढील बाबींवर लक्ष ठेविले :—
- मतदानाच्या दरम्यान कोणत्याही वेळी मतदान केंद्राच्या आत कोणतीही अनधिकृत व्यक्ती उपस्थित राहणार नाही.
  - जेव्हा मतदान कक्षाच्या आत कोणताही मतदार उपस्थित नसेल तेव्हा मतदान कर्मचारी किंवा मतदान प्रतिनिधी कोणतेही मत किंवा मते देणार नाही किंवा देण्याचा प्रयत्न करणार नाही.
  - मतदान केंद्राध्यक्ष/मतदान अधिकारी हे, कोणत्याही मतदारा बरोबर मतदान कक्षात जाणार नाही.
  - कोणताही मतदान प्रतिनिधी किंवा मतदान अधिकारी हा. कोणत्याही मतदाराला धमकी देणार नाही किंवा त्याला धमकी देण्याची कोणतीही सूचक कृती करणार नाही.
  - मतदान केंद्राच्या आत कोणतेही शस्त्र आणले जाणार नाही.
  - मतदान केंद्रात कोणतीही लबाडी करण्यात येणार नाही.
- १२.१.४ मतदान केंद्राच्या प्रवेशद्वार पदस्थापित केलेल्या केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दलाच्या जवानाला जरी वर नमूद केल्याप्रमाणे मतदान प्रक्रियेत भंग होत असल्याचे आढळून आले किंवा मतदान केंद्राच्या आतल्या बाजूस नेहमीपेक्षा निराळे असे काही घडत असल्याचे दिसून आले, तर तो मतदान प्रक्रियेत कोणताही हस्ताक्षेप करणार नाही, परंतु मतदान केंद्रावरील केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दलाच्या पथकाच्या प्रभारी अधिकाऱ्याला किंवा निरीक्षकाला ही बाब कळविली. केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दलाच्या पथकाचा प्रभारी अधिकारी तात्काळ, पुढील आवश्यक ती कारवाई करण्यासाठी लेखी स्वरूपात ही बाब निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या आणि निरीक्षकाच्याही निदर्शनास आणून देईल.
- १२.१.५ एकापेक्षा अधिक मतदान केंद्रे आहेत अशा इमारतींमध्ये आणि जेथे केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दलाच्या कर्मचाऱ्यांची केवळ निम्मीच तुकडी तैनात केली असेल अशा ठिकाणी, मतदान केंद्राच्या प्रवेशद्वारावर कामासाठी निवड केलेल्या केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दलाच्या जवानाला एका मतदान केंद्रापासून दुसऱ्या मतदान केंद्रापर्यंत फिरत राहण्यास आणि त्या मतदान केंद्राच्या आत काय चालले आहे याकडे लक्ष देण्यास आणि जर त्याला कोणतीही नियमबाह्य गोष्टी घडत असल्याचे दिसून आले, तर त्याबाबतीत केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दलाच्या त्या भागाच्या प्रभारी अधिकाऱ्याला किंवा निरीक्षकाला कळविण्याबाबत सांगण्यात येईल.
- १२.१.६ निवडणूक निर्णय अधिकारी/निरीक्षक हे केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दलाच्या पथकाकडून जेथून प्रतिकूल अहवाल मिळाले आहेत, अशा प्रकरणांबाबत पुढील सूचनांसाठी त्या प्रकरणांचा अहवाल आयोगास देतील.
- १२.१.७ हे स्पष्ट करण्यात येत आहे की, जेथे केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दल तैनात केले आहे. केवळ त्याच मतदान केंद्राच्या प्रवेशद्वारावर केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दलाच्या जवानाची पदस्थापना केली जाईल.

- १२.१.८ आणखी असे स्पष्ट करण्यात येत आहे की, मतदान केंद्राच्या प्रवेशद्वारावर पदस्थापित केलेला केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दलाचा जवान, मतदान केंद्रात मत द्यायला येणाऱ्या मतदाराच्या ओळखीची पडताळणी करणार नाही, कारण अशी पडताळणी करणे हे मतदान कर्मचारी वर्गाचे काम आहे.
- १२.१.९ केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दलाच्या जवानांसाठी मतदान केंद्राच्या आतल्या बाजूस कोणतीही जागा ठेवण्यात येणार नाही.
- १२.१.१० मतदान पूर्ण झाल्यावर, मत नोंदवलेली इलेक्ट्रॉनिक्स मतदान यंत्रे / व्ही व्ही पीएटी आणि मतदान केंद्राध्यक्ष यांना सामान स्वीकारण्याच्या केंद्रापर्यंत केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दलाची एक तुकडी संरक्षक म्हणून सोबत करेल. यासंबंधीचा तपशील हा, अगोदरच निरीक्षकाशी विचारविनियम करून, जिल्हा निवडणूक अधिकारी आणि पोलीस अधीक्षक यांच्याकडून सविस्तरपणे तयार करण्यात येईल.
- १२.१.११ जेथे मत नोंदविलेली इलेक्ट्रॉनिक्स मतदान यंत्रे / व्ही व्ही पीएटी गोळा करून ठेवली असतील आणि मतमोजणीच्या दिवसापर्यंत ठेवण्यात येतील, अशा सुरक्षित कक्षाचे (स्ट्रॉंग रूम) रक्षण करण्यासाठीदेखील केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दल जबाबदार असेल.

## प्रकरण १३ : मतदानाचा दिवस

### १३.१ प्रस्तावना :

१३.१.१ मतदान ही निवडणूक प्रक्रियेतील सहळ्यात महत्त्वाची घटना आहे. लोकशाहीमध्ये संसदेत किंवा राज्य विधानमंडळात त्यांचे प्रतिनिधित्व करण्यासाठी आपल्या आवडीच्या उमेदवारीची निवड, मतदार, मतदानाद्वारे व्यक्त करतात.

### १३.२ मतदानाच्या दिवशी सुट्टी जाहीर करणे

१३.२.१ निवडणूक कायद्यात अशी तरतूद केली आहे की, लोकसभा किंवा राज्य विधानसभेच्या निवडणुकीच्या दिवशी कोणताही उद्योगधंदा, वाणिज्यिक किंवा औद्योगिक उपक्रम किंवा इतर कोणत्याही आस्थापना यांमध्ये काम करणारी मतदान करण्यास हक्कदार असलेल्या प्रत्येक व्यक्तीस, मतदानाच्या दिवशी भर पगारी सुट्टी मंजूर करण्यात येईल.

### १३.३ प्रचारास प्रतिषेध

१३.३.१ मतदानाच्या दिवशी मतदान केंद्रांमध्ये किंवा त्यांच्या जवळपास प्रचार करण्यास निवडणूक कायद्याने प्रतिषेध केलेला आहे. कोणतीही व्यक्ती मतदान केंद्रांमध्ये किंवा मतदान केंद्रापासून १०० मीटर अंतराच्या आतील कोणत्याही सार्वजनिक वा खाजगी जागेमध्ये पुढील कृतींपैकी कोणतीही कृती करणार नाही :-

- (अ) मते मिळवण्यासाठी प्रचार करणे ;
- (ब) कोणत्याही मतदाराकडे मताची अभियाचना करणे ;
- (क) कोणत्याही विशिष्ट उमेदवारास मत न देण्याबद्दल कोणत्याही मतदाराचे मन वळविणे ;
- (ड) निवडणुकीच्या वेळी मत न देण्याबद्दल कोणत्याही मतदाराचे मन वळविणे ;
- (ई) निवडणुकीशी संबंधित अशी (शासकीय सूचनेव्यतिरिक्त अन्य) कोणतीही सूचना किंवा खूण प्रदर्शित करणे ;
- (फ) मतदान केंद्रांमध्ये किंवा त्याच्या प्रवेशद्वाराजवळ किंवा त्याच्या आसपासच्या भागातील कोणत्याही सार्वजनिक वा खाजगी जागेमध्ये शांतता कालावधी दरम्यान ध्वनिवर्धक किंवा ध्वनिक्षेपक यासारखे मानवी आवाजाचे वर्धन करणारा किंवा तो जसाच्या तसा ऐकवणारा कोणताही उपकरणसंच वापरणे किंवा चालविणे ; आणि
- (ग) मतदान केंद्रांमध्ये किंवा त्याच्या प्रवेशद्वाराजवळ किंवा त्याच्या आसपासच्या भागातील कोणत्याही सार्वजनिक वा खाजगी जागेमध्ये आरडाओरडा करणे किंवा अन्यथा गैरशिस्तीने वागणे.

**टीप.-** ज्या अंतरावरून ध्वनिक्षेपक इत्यादीचा वापर करण्यात येत असेल त्या अंतराला महत्त्व नसते. १०० मीटरपेक्षा अधिक अंतरावरून त्याचा वापर केला जात असेल, तरीही त्यामुळे मतदानासाठी मतदान केंद्रात येणाऱ्या व्यक्तीला त्रास होत असेल किंवा मतदान केंद्रांमध्ये कामावर असलेल्या अधिकाऱ्यांच्या आणि इतर व्यक्तींच्या कामात अडथळा येत असेल तर तो अपराध असेल.

### १३.४ मतदान केंद्रात किंवा त्याच्याजवळ शस्त्र नेण्यास मनाई करणे

१३.४.१ श्लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १३४ ख कडे उमेदवारांचे लक्ष वेधण्यात येत आहे की, त्या कलमाखाली स्पष्टपणे ज्यास परवानगी दिलेली आहे असे खाली दिलेले उद्देश वगळता अन्य कोणासही मतदान केंद्रात किंवा त्याच्या जवळपासच्या भागात कोणतेही शस्त्र बाळगता येणार नाही किंवा शस्त्र दाखविता येणार नाही, यांची सुनिश्चिती करण्यात यावी. तथापि, निवडणूक आयोगाने असे अनुदेश दिले आहेत की, कोणत्याही व्यक्तीला कोणत्याही ठिकाणापासून सुरक्षेच्या कोणत्याही स्वरूपात कोणत्याही मतदान केंद्रात प्रवेश करण्यास किंवा त्याच्या शेजारील केंद्रात प्रवेश करण्यास किंवा अशा सुरक्षा कर्मचाऱ्यांसोबत जाता येणार नाही. तथापि, विशेष संरक्षण गटाचे (एसपीजी) संरक्षण मिळणाऱ्या उमेदवाराच्या बाबतीत हे सीपीटी (CPT) शस्त्रासह मतदान केंद्राच्या प्रवेशद्वारापर्यंत उमेदवाराबरोबर जातील आणि त्यानंतर केवळ एक पीएसओ (PSO) गुप्त शस्त्रासह आतमध्ये

उमेदवारासोबत असेल आणि कामकाजात कोणत्याही प्रकारे आडकाठी न येऊ देता लोकप्रतिनिधीला (PR) आवश्यक ते संरक्षण देणे शक्य व्हावे म्हणून अशा पद्धतीने संरक्षण देण्यासाठी तेथे उभा राहिल.

### १३.५ उमेदवारांचे निवडणूक मंडप

१३.५.१ आयोगाने दिलेल्या अनुदेशानुसार मतदानाच्या दिवशी मतदान केंद्राजवळ उमेदवारांचे निवडणूक मंडप उभारण्यास परवानगी देण्यात येऊ नये कारण अशा मंडपामुळे, मतदारांना अडथळा येतो, वेगवेगळे पक्ष, कार्यकर्ते आमनेसमाने येतात आणि कायदा व सुव्यवस्थाविषयक समस्या निर्माण होऊन खुल्या, न्याय आणि सुरळीत निवडणुका घेण्याच्या कामात अनेक अडचणी उभ्या राहतात. तथापि, उमेदवार हे मतदारांना अनौपचारिक ओळखपत्रिका वाटण्यासाठी, त्यांचे प्रतिनिधी व कार्यकर्ते यांच्याकरिता मतदान केंद्रापासून २०० मीटर अंतराच्या पलिकडे एक टेबल व दोन खुर्चा यांची आणि ऊन/पाऊस यापासून निवारा मिळण्यासाठी डोक्यावर छत्रीची किंवा ताडपत्रीच्या तुकड्यांची सोय करू शकतील. अशा टेबलाभोवती गर्दी जमू देऊ नये.

### १३.६ मतदारांना मतदान करण्यापासून प्रतिबंध करणे

१३.६.१ कोणत्याही मतदाराला त्याच्या संमतीने किंवा संमतीविना शिबिरामध्ये किंवा इतर कोणत्याही ठिकाणी थांबवून ठेवणे किंवा मतदान केंद्राकडे जाण्याच्या त्याच्या मार्गात अडथळा आणणे किंवा मतदान करण्यास कोणत्याही प्रकारे प्रतिबंध करणे हा दखलपात्र अपराध आहे. कोणत्याही व्यक्तीला अशा प्रकारे थांबवण्यात आल्याची किंवा अडथळा किंवा प्रतिबंध केल्याची माहिती उमेदवारास मिळाली तर, त्याने / तिने ती गोष्ट मतदान केंद्राध्यक्ष, सर्वात नजिकचे पोलीस ठाणे किंवा निवडणूक निर्णय अधिकारी याला कळवावी, तो, अशा अडथळा आणलेल्या किंवा अनुचित रीतीने थांबवण्यात आलेल्या किंवा अडथळा केलेल्या किंवा प्रतिबंध केलेल्या व्यक्तींना, जरी त्यांना खाजगी जागी थांबवण्यात आले असले किंवा प्रतिबंध करण्यात आला असला तरी, त्याचा मतधिकार बजावणे शक्य करण्यासाठी परिणामकारक कार्यवाही करील.

### १३.७ मतदारांना नेण्या-आणण्यासाठी वाहने बेकायदेशीरपणे भाड्याने घेणे.

१३.७.१ उमेदवाराने मतदानाच्या दिवशी मतदारांना नेण्या-आणण्यासाठी वाहनाची तरतूद करण्याकरिता आपल्यावतीने कोणालाही परवानगी देऊ नका. तो भ्रष्टाचार आहे आणि निवडणुकविषयक अपराधही आहे. दुसरा कोणताही उमेदवार किंवा त्याचे प्रतिनिधी, पुरस्कर्ता किंवा कार्यकर्ता मतदारांसाठी अशा प्रकारे वाहनांची व्यवस्था करीत असल्याचे उमेदवाराला आढळून आल्यास त्याने / तिने ताबडतोब तेथल्या तेथे त्याबाबत तक्रार करावी आणि लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १३३ अन्वये अपराध्यावर खटला भरण्याची कारवाई करावी. उमेदवाराने तसे केले नाही आणि निवडणूक प्राधिकाऱ्याकडे फक्त तक्रारच पाठवली तर अपराध्याविरुद्धचा फार मौल्यवान पुरावा नष्ट होईल. मतदारांना मतदान केंद्राकडे नेण्यासाठी किंवा तेथून आणण्यासाठी वाहनाची विनामूल्य व्यवस्था करणे हा सुद्धा भ्रष्टाचार असल्याने तुम्हाला अपराधी उमेदवाराविरुद्ध यथावकाश निवडणूक विनंती अर्ज दाखल करण्याकरिता वरील तक्रारीचा आधारही घेता येईल. तुमच्या निवडणूक प्रतिनिधीला या संबंधात मतदान केंद्राध्यक्षाकडे लेखी तक्रारही करता येईल आणि मतदान केंद्राध्यक्ष ती तक्रार, अशी प्रकरणे हाताळण्याची अधिकारिता असणाऱ्या संबंधित दंडाधिकाऱ्याकडे पाठविल. तुम्ही मतदान केंद्राध्यक्षाला त्या तक्रारीवर त्याच्या स्वतःच्या निरीक्षणावरून अभिप्राय नमूद करण्यासही सांगू शकाल.

### १३.८ मतदानाच्या दिवशीचे वाहतूक नियमन.

१३.८.१ मतदानाच्या दिवशी मतदारांसाठी वाहतुकीची विनामूल्य व्यवस्था करण्याची भ्रष्ट प्रथा व निवडणुकविषयक अपराध यांना आळा घालण्याकरिता आयोगाने एक खास योजना तयार केलेली आहे. त्या योजनेची प्रमुख मार्गदर्शक तत्वे पुढीलप्रमाणे आहेत :-

(१) निवडणूकविषयक कायद्याचे उल्लंघन करून मतदानाच्या दिवशी मतदारांची मतदान केंद्राकडे ने-आण करण्यास प्रतिबंध करण्याकरिता सर्व मतदान क्षेत्रे वाहनांच्या वाहतुकीपासून अलग राखणे, हे याचे उद्दिष्ट आहे.

- (२) बसगाड्या, छोट्या बसगाड्या यांसारख्या सार्वजनिक प्रवाशी वाहनांना जाण्या-येण्याची परवानगी असेल परंतु, त्याचा वापर चोरटेपणाने मतदारांची ने-आण करण्याकरिता केला जात नाहीना याची खातरजमा करून घ्यावी.
- (३) तथापि, मतदान केंद्रांव्यतिरिक्त अन्य ठिकाणी उदा. रुग्णालये, विमानतळे, रेल्वे स्थानके, बस-स्थानके, मित्रांची व नातलगांची घरे, क्लब, उपाहारगृहे, येथे प्रवाशांना घेऊन जाणाऱ्या खाजगी मोटारगाड्या व टॅक्सी यांना त्या रस्त्यावर परवानगी असेल. परंतु, त्यांनी मतदारांची वाहतूक करण्याकरिता चोरटेपणाने मतदान केंद्राच्या जवळपास येऊ नये. या वाहनांची वाहतूक अशा मार्गाने वळवण्यात यावी की जेणेकरून त्यांच्या गैरवापरावर परिणामकारक नियंत्रण राहिल.
- (४) मालमोटारी, ट्रक यांच्या वाहतुकीचेही तशाच प्रकारे नियमन केले जाईल.
- (५) जिल्हादंडाधिकारी, प्रादेशिक परिवहन प्राधिकारी इत्यादींना या विनियमांची अक्षरशः व तत्त्वतः प्रभावीरीत्या व संपूर्णतः अंमलबजावणी करण्याचे अनुदेश देण्यात येतील आणि संबंधित प्राधिकाऱ्यांकडून प्रमाणपत्रही मिळविण्यात येईल.
- (६) राजकीय पक्ष आणि निवडणूक लढविणारे उमेदवार आणि त्यांचे प्रतिनिधी व कार्यकर्ते यांना असा इशारा देण्यात यावा की, या विनियमांचे कोणत्याही प्रकारे उल्लंघन केल्यास त्याची गंभीर दखल घेतली जाईल आणि निवडणूक विनंती अर्जाद्वारे त्या निवडणुकीस आक्षेप घेण्यास तो पुरेसा आधारही ठरू शकेल तसेच त्याबाबत कायदानुसार शिक्षार्थ कारवाईही होऊ शकेल.

१३.८.२. लोकसभेच्या निवडणुकांसाठी, निवडणूक लढवणाऱ्या प्रत्येक उमेदवाराला—

- अ. संपूर्ण मतदारसंघाच्या संबंधात आपले स्वतःचे एक वाहन वापरण्याचा हक्क असेल.
- ब. संपूर्ण मतदारसंघासाठी त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीसाठी एक वाहन वापरण्याचा हक्क असेल.
- क. याशिवाय, संसदीय मतदारसंघात येणाऱ्या प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रासाठी त्याचे कार्यकर्ते किंवा यथास्थिती पक्षाचे कार्यकर्ते यांच्या वापरासाठी एक वाहन वापरण्याचा हक्क असेल.

१३.८.३. राज्य विधानसभेच्या निवडणुकीसाठी प्रत्येक निवडणूक उमेदवाराला----

- (अ) त्याच्या स्वतःच्या वापरासाठी एक वाहन वापरण्याचा हक्क असेल.
- (ब) त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीला एक वाहन वापरण्याचा हक्क असेल.
- (क) याशिवाय, त्याचे कार्यकर्ते किंवा पक्षाचे कार्यकर्ते यांना एक वाहन वापरण्याचा हक्क असेल.

**टीप.—** मतदानाच्या दिवशी, मतदारसंघातील उमेदवार उपस्थित राहिला नसेल तर, त्याच्या वापरासाठी वाटप केलेले वाहन, अन्य कोणत्याही व्यक्तीस वापरता येणार नाही.

१३.८.४. ठळक अक्षरात “ निवडणूक परवाना ” असे मुद्रित केलेले आणि परवाना देणाऱ्या प्राधिकाऱ्यांची मोहोर व स्वाक्षरी उमटवलेले परवाने वाहनाच्या दर्शनी काचेवर ठळकपणे नजरेत भरतील अशा रीतीने लावण्यात येतील.

१३.८.५. उमेदवाराने आयोगाच्या योजनेचे वरील मार्गदर्शक तत्वांचे तुम्ही काटेकोरपणे पालन करून मतदानाच्या दिवशी त्याला / तिला आणि ज्याच्या / तिच्या पक्षातील कार्यकर्त्यांच्या वापरासाठी असलेल्या वाहनांचा परवाना पुरेसा अगोदर मिळवला पाहिजे.

**१३.९ मतदान केंद्रातून मतपत्रिका किंवा इलेक्टॉनिक मतदानयंत्र हलवणे हा अपराध असेल.**

१३.९.१. एखादा मतदार बेकायदेशीररीत्या एखादी मतपत्रिका किंवा मतदान यंत्र मतदान केंद्रातून घेऊन जात आहे किंवा अनधिकृतपणे वा लबाडीने त्यात गैरफेर करीत आहे अशी उमेदवाराला किंवा त्याच्या तिच्या प्रतिनिधीला प्रामाणिक शंका आल्यास, त्याने/ तिने मतदान केंद्राध्यक्षांचे लक्ष ताबडतोब त्या गोष्टीकडे वेधावे म्हणजे त्याला त्याबाबत आवश्यक ती कारवाई करता येईल.



### १३.१० मतदान प्रतिनिधी.

- १३.१०.१. निवडणूक लढविणाऱ्या प्रत्येक उमेदवाराला प्रत्येक मतदान केंद्रावर मतदान प्रतिनिधी म्हणून काम करण्यासाठी एक मतदान प्रतिनिधी आणि दोन कार्यमोचक प्रतिनिधी नेमण्याचा हक्क आहे. तथापि, मतदान केंद्रांमध्ये त्यापैकी एका वेळी एकच प्रतिनिधी उपस्थित राहू शकेल ; तथापि, एकावेळी एकच मतदान प्रतिनिधी किंवा त्याचा बदली प्रतिनिधी मतदान केंद्रांमध्ये उपस्थित राहू शकेल, याची खात्री करावी. मतदान केंद्राध्यक्ष मतदान प्रतिनिधीला मतदान पूर्ण होऊन इव्हीएम व व्हीव्हीपॅट मोहोरबंद करण्याच्या पद्धतीवर देखरेख करण्यासाठी आणि घोषणापत्रावर स्वाक्षरी इत्यादीसाठी मतदान केंद्रात उपस्थित राहण्यास सांगेल. प्रत्येक मतदान केंद्रावर मतदान प्रतिनिधी/कार्यमोचक प्रतिनिधीची ये जा नोंद तक्ता दिलेला असेल, त्यात प्रत्येक मतदान प्रतिनिधीने मतदान केंद्राच्या आत येण्याच्या वेळेची व बाहेर जाण्याच्या वेळेची नोंद करून त्यापुढे स्वाक्षरी करणे आवश्यक आहे. तसेच आयोगाने सूचना केली आहे की, केंद्रीय किंवा राज्यांचे मंत्री व संसद सदस्य ; विधानसभा सदस्य, विधानपरिषद सदस्य आणि राज्याने सुरक्षा पुरविलेली इतर कोणतीही व्यक्ती यांची मतदान प्रतिनिधी म्हणून नियुक्ती करण्यात येणार नाही, कारण त्यांच्या सोबत असलेल्या सुरक्षा कर्मचारीवर्गाला मतदान केंद्रांमध्ये प्रवेश करण्यास परवानगी देण्यात येणार नाही, परिणामी सुरक्षा कर्मचारीवर्गाच्या अभावी त्यांची सुरक्षितता धोक्यात येईल. सुरक्षाकवच असलेली कोणतीही व्यक्ती तिला मतदान प्रतिनिधी होता यावे म्हणून आपले सुरक्षा कवच सोडून देणार नाही.
- १३.१०.२. मतदान प्रतिनिधींची नेमणूक लेखी स्वरूपात नमुना १० ( जोडपत्र १३ ) मध्ये करण्यात येते. उमेदवाराकडून नियुक्त करण्यात येणारे मतदान प्रतिनिधी हे सर्वसाधारण रहिवाशी असतील आणि ते केवळ त्याच मतदान केंद्रातील मतदार असतील. निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवाराला त्याच मतदान केंद्रात किंवा शेजारच्या मतदान केंद्रांत मतदार असलेला मतदान प्रतिनिधी सापडत नसल्यास, तो / ती त्याच विधानसभा मतदारसंघातील कोणत्याही मतदाराला त्यांच्या मतदान केंद्रासाठी त्यांचे मतदान प्रतिनिधी म्हणून नियुक्त करू शकेल. अशा मतदान प्रतिनिधींकडे मतदार छायाचित्र ओळखपत्र असावे. जर एखादी व्यक्ती त्या मतदान क्षेत्रातील नोंदणीकृत मतदार असेल आणि तिला उमेदवाराने मतदान प्रतिनिधी म्हणून नियुक्त करण्याचे प्रस्तावित केले असेल परंतु तिच्याकडे मतदार छायाचित्र ओळखपत्र नसेल तर, अशावेळी उमेदवाराने किंवा त्याच्या / तिच्या निवडणूक प्रतिनिधीने अशा मतदारासाठी मतदार छायाचित्र ओळखपत्र देण्यासाठी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांकडे लेखी विनंती केल्यावर तो आवश्यक ती व्यवस्था करेल. सर्व मतदान प्रतिनिधींनी आपले मतदार छायाचित्र असलेली ओळखपत्रे दिसतील अशी लावावीत. उमेदवाराने नियुक्ती आदेशाची प्रत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांकडे पाठविण्याची गरज नाही. मतदान प्रतिनिधीने त्याच्या नियुक्ती आदेशाची मूळप्रत मतदान केंद्रात सादर करावी म्हणजे मतदान केंद्राध्यक्ष त्याला मतदान केंद्रात प्रवेश देऊ शकेल. मतदान प्रतिनिधीने आपला मतदान प्रतिनिधी म्हणून काम करण्यास त्याची संमती असल्याचे प्रतीक म्हणून नमुना १० मधील नियुक्तीपत्रावर सही करावी. त्याने उमेदवाराच्या उपस्थितीत किंवा त्याची नियुक्ती आपल्या निवडणूक प्रतिनिधीने केलेली असल्यास, त्या निवडणूक प्रतिनिधीच्या उपस्थितीत सही करणे इष्ट ठरेल. मतदान प्रतिनिधीला मतदान केंद्रांमध्ये मतदान केंद्राध्यक्षाच्या उपस्थितीत पुन्हा सही करावी लागेल. त्याच्या सहीमध्ये विसंगती राहू नये म्हणून, त्याने उमेदवारासमोर किंवा आपल्या निवडणूक प्रतिनिधीसमोर जशी सही केली असेल तशीच सही मतदान केंद्राध्यक्षासमोर करण्यास त्याला सांगण्यात यावे. यामुळे त्याची तत्परतेने ओळख पटण्यास मदत होईल.
- १३.१०.३. मतदान केंद्राच्या मतदान केंद्राध्यक्षास नमुना १० मधील दिलेल्या नियुक्तीपत्राप्रमाणे उमेदवार किंवा त्याच्या मतदान प्रतिनिधीची सही पडताळून पाहणे शक्य व्हावे म्हणून, निवडणूक निर्णय अधिकारी उमेदवाराची नमुना सही किंवा त्याच्या / तिच्या मतदान प्रतिनिधीची नमुना सही प्रपत्रावर ( परिशिष्ट १५ ) घेईल व त्याच्या पुरेशा प्रती त्या मतदारसंघातील प्रत्येक मतदान केंद्राध्यक्ष, आयोगाचा निरीक्षक, क्षेत्रीयदंडाधिकारी व क्षेत्रदंडाधिकारी, इत्यादींना पुरविण्यात येतील. जर उमेदवाराने कोणताही मतदान प्रतिनिधी नियुक्त केला नसेल तर, उक्त प्रपत्रातील निवडणूक प्रतिनिधीच्या सहीसाठी असलेल्या स्तंभामध्ये “ कोणताही निवडणूक प्रतिनिधी नेमलेला नाही ” अशी नोंद करावी. आधी नेमलेल्या प्रतिनिधीची नियुक्ती रद्द करून त्याच्या जागी नवीन प्रतिनिधीची नेमणूक करण्याचे स्वातंत्र्य उमेदवाराला आहे. तुमची नमुन्याची सही असलेल्या प्रपत्राची प्रत ( परिशिष्ट १५ ) मतदान केंद्राध्यक्षांकडे आधीच पाठवल्यानंतर आयत्यावेळी या नियुक्तीमध्ये काही बदल करण्यात आल्यास मतदान केंद्राध्यक्षांना आधीच्या

मतदान प्रतिनिधीची नेमणूक रद्द करणारी नमुना ९ ची प्रत आणि नवीन मतदान प्रतिनिधीची नियुक्ती करणारी नमुना ८ ची प्रत पाठवण्याची जबाबदारी उमेदवाराची असेल.

१३.१०.४. उमेदवाराला किंवा त्याच्या / तिच्या निवडणूक प्रतिनिधीला आपल्या मतदान प्रतिनिधीपैकी कोणाचीही नियुक्ती नमुना ११ (परिशिष्ट १४) मध्ये लेखी रद्द करता येईल आणि रद्द करण्यासंबंधीचा आदेश मतदान केंद्राच्या मतदान केंद्राध्यक्षाकडे सादर करता येईल. एखादा मतदान प्रतिनिधी मतदानाअगोदर मरण पावला तर, उमेदवाराने किंवा त्याच्या / तिच्या निवडणूक प्रतिनिधीने मतदान केंद्राध्यक्षास तसे कळवावे. नियुक्ती रद्द करण्याच्या किंवा मृत्यूच्या बाबतीत, उमेदवाराला किंवा त्याच्या / तिच्या निवडणूक प्रतिनिधीला, अगोदरच्या नियुक्तीच्याच रीतीने, नमुना १० मधील नवीन नियुक्तीपत्राद्वारे दुसऱ्या मतदान प्रतिनिधीची नियुक्ती करता येईल. परंतु त्याबाबतीत, अशा नियुक्तीस कारणीभूत झालेल्या गोष्टी पत्रात नमूद कराव्यात.

### १३.११ मतदान प्रतिनिधीने मतदान केंद्रावर केव्हा पोचावे

१३.११.१. मतदान प्रतिनिधीने, मतदान सुरु होण्याच्या किमान **नव्वद मिनिटे** अगोदर मतदान केंद्रावर पोचावे. यामुळे मतदान केंद्राध्यक्ष मतदानासाठी मतदानयंत्र व व्हीव्हीपीएटी तयार करील आणि मतदान सुरु होण्यापूर्वी इतर प्रारंभिक व्यवस्था करील त्यावेळी हजर राहणे मतदान प्रतिनिधीस शक्य होईल. या प्रारंभिक गोष्टीपैकी काही गोष्टी अगोदरच पूर्ण झालेल्या असतील तर कोणत्याही उशीरा आलेल्या प्रतिनिधीसाठी कार्यवाही नव्याने सुरु करण्यात येणार नाही. मतदान केंद्राध्यक्ष प्रत्येक मतदान प्रतिनिधीला एक पास देईल या पासाचा प्राधिकार वापरून मतदान प्रतिनिधी आवश्यक तेव्हा मतदान केंद्रात जाऊ-येऊ शकेल.

### १३.१२ मतदान केंद्रावर मतदान प्रतिनिधी उपस्थित असल्याचा शोध घेणे व अभिरूप मतदान घेणे आणि प्रमाणन करणे अनिवार्य असणे.

१३.१२.१. उमेदवाराने आपले मतदान प्रतिनिधी मतदान सुरु होण्याच्या पुरेशा वेळे आगोदरच मतदान केंद्रावर पोचतील याची खात्री करून घ्यावी. जेणेकरून, मतदान सुरु होण्यापूर्वीच्या औपचारिक बाबी; जसे की, प्रतिनिधींना प्रवेश पास देणे, अभिरूप मतदान घेणे इत्यादी वेळेत पूर्ण करता येईल.

१३.१२.२. मतदान केंद्राध्यक्ष मतदान प्रतिनिधीच्या उपस्थितीत अभिरूप मतदान घेईल आणि विहित नमुन्यातील **(परिशिष्ट १७)** अभिरूप मतदान प्रमाणपत्र तयार करील आणि त्याखाली सही करील.

१३.१२.३. मतदान केंद्राध्यक्ष, मतदान प्रतिनिधीची नावे, ते ज्यांचे प्रतिनिधीत्व करित आहेत त्या उमेदवारांच्या नावासह नमूद करील आणि त्यांच्या सहा अभिलेखासाठी घेईल.

१३.१२.४. अभिरूप मतदान, प्रत्यक्ष मतदान सुरु होण्याच्या साधारण ९० मिनिटापूर्वी पार पडेल. निवडणूक लढविणाऱ्या सर्व उमेदवारांना अभिरूप मतदान, हे प्रत्यक्ष मतदान सुरु होण्याच्या साधारण ९० मिनिटापूर्वी सुरु होईल हे, आगोदरच लेखी कळविले पाहिजे तसेच अभिरूप मतदानकरिता मतदान प्रतिनिधींना वेळेत उपस्थित राहण्याची सूचना देण्याचा सल्ला त्यांना देण्यात यावा. अभिरूप मतदानाच्या वेळी किमान दोन उमेदवारांच्या मतदान प्रतिनिधींनी उपस्थित असले पाहिजे. तथापि, किमान दोन उमेदवारांचे प्रतिनिधीदेखील नसतील अशा प्रकरणी, मतदान केंद्राध्यक्ष आणखी १५ मिनिटांपर्यंत वाट पाहील आणि त्यानंतरदेखील प्रतिनिधी उपस्थित झाले नाहीत तर मतदान केंद्राध्यक्ष, अभिरूप मतदान पार पाडेल. आणखी स्पष्ट करण्यात येते की, १५ मिनिटे वाट पाहिल्यानंतर, केवळ एकच मतदान प्रतिनिधी उपस्थित असू शकेल, किंवा कोणीही उपस्थित नसेल अशा परिस्थितीत मतदान केंद्राध्यक्षाने प्रक्रिया सुरु ठेवावी व अभिरूप मतदान सुरु करावे. अशा प्रकरणात या बाबतीत अभिरूप मतदान प्रमाणपत्रामध्ये विनिर्देशपूर्वक तसे नमूद करावे.

१३.१२.५. निवडणूक निर्णय अधिकारी, क्षेत्र अधिकाऱ्यांमार्फत आणि मतदान केंद्र/फिरत्या पथकांशी संवाद साधून अभिरूप मतदान किंवा अन्य व्यवस्थेचा आढावा घेईल, आणि ३० मिनिटात अभिरूप मतदानाच्या स्थितीबद्दल खात्री करून घेईल. अभिरूप मतदानाबाबत खात्री पटली नाही तर मतदान केंद्राध्यक्ष किंवा इलेक्ट्रॉनिक मतदान केंद्रात काही समस्या उद्भवली असेल असे समजून निवडणूक निर्णय अधिकारी, ती दूर करण्यासाठी तात्काळ हस्तक्षेप करील.

- १३.१२.६. ज्या मतदान केंद्रावर मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षाचे प्रतिस्पर्धी उमेदवार हजर नसतील आणि जेथे मतदान प्रतिनिधींच्या अनुपस्थितीत अभिरूप मतदान घ्यायचे असेल तेव्हा तो आपले लक्ष निवडणुकीच्या यंत्रणेकडे केंद्रीत करेल. राखीव सूक्ष्म निरीक्षक नियुक्त करणे. व्हिडीओ कॅमेरा तैनात करणे, क्षेत्र अधिकाऱ्याने आणि इतर वरिष्ठ अधिकाऱ्याने वारंवार भेटी देणे इत्यादी गोष्टींकडे लक्ष पुरविले.
- १३.१२.७. मतदान समाप्तीनंतर अभिरूप मतदानाच्या आधारे प्रमाणन प्राप्त मतदान केंद्राध्यक्षाचे प्रमाणन प्राप्त झाल्यानंतर निवडणूक निर्णय अधिकारी ज्या मतदान केंद्रावर मतदान प्रतिनिधींच्या अनुपस्थितीत किंवा अभिरूप मतदानाच्या वेळी मान्यताप्राप्त पक्षाच्या एकाहून अधिक प्रतिस्पर्धी उमेदवारांचे प्रतिनिधी हजर नव्हते, अशा मतदान केंद्राची सूची तयार करील आणि योग्य छाननीसाठी अशा मतदान केंद्रावरून प्राप्त झालेल्या दस्तऐवजाकडे विशेष लक्ष देईल. निरीक्षक देखील या बाबीकडे लक्ष देतील.

### १३.१३ मतदान प्रतिनिधीची कर्तव्ये

- १३.१३.१. मतदान केंद्रामध्ये उमेदवाराचे हितसंबंध सुरक्षित राखले जात आहेत हे पाहणे मतदान प्रतिनिधीचे मुख्य कर्तव्य आहे आणि त्यासाठीच, उमेदवाराचा मतदान प्रतिनिधी म्हणून त्याची नियुक्ती झालेली असते त्याची इतर कर्तव्ये पुढीलप्रमाणे आहेत :-
- (अ) मतदार असल्याची बतावणी करू पाहणाऱ्या व्यक्तींना आक्षेप घेऊन मतदारांची तोतयेगिरी शोधून काढण्यास व तिला प्रतिबंध करण्यास मतदान केंद्राध्यक्षाला मदत करणे ;
- (ब) मतदानापूर्वी आणि मतदानानंतर मतदानयंत्रे नियमानुसार सुरक्षित व मोहोरबंद करण्यास मदत करणे ;
- (क) मतदान समाप्त झाल्यानंतर मतदान केंद्राध्यक्षाकडून नोंदविलेल्या मतांच्या नमुना १७-क मधील हिशोबाची व कागदी मोहोराच्या हिशोबाची प्रत घेणे ; आणि
- (ड) मतदानाशी संबंधित असलेले कागदपत्रदेखील कायद्याने आवश्यक केल्याप्रमाणे योग्यप्रकारे सुरक्षित व मोहोरबंद केले आहेत ते पाहणे.
- (इ) अभिरूप मतदानामध्ये भाग घेणे आणि इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्ही व्ही पीएटी सुरस्थितीत काम करित असल्याची स्वतः खात्री करून घेणे.
- (फ) मतदान केंद्रात वापरल्या जाणाऱ्या नियंत्रण युनिट, मतदान युनिट आणि व्ही व्ही पीएटी यांचे अनुक्रमांक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने दिलेल्या तपशिलांशी सुसंगत आहेत, हे पाहणे.
- १३.१३.२. आयोगाने “ मतदान प्रतिनिधीसाठी निदेशपुस्तिका ” या नावाची एक स्वतंत्र पुस्तिका काढलेली असून आवश्यक वाटल्यास, आपल्या मतदान प्रतिनिधींना वाटण्यासाठी आयोगाच्या संकेतस्थळावरून उमेदवाराला तिच्या पुरेशा प्रती डाऊनलोड करता येतील.

### १३.१४ मतदान प्रतिनिधीने आणावयाचे साहित्य.

- १३.१४.१. मतदान प्रतिनिधीने मतदान केंद्रावर येताना स्वतःसाठी पुढील गोष्टी घ्याव्यात.-
- (अ) नमुना १० मधील नियुक्तीचे मूळ पत्र ;
- (ब) मतदान केंद्रासाठी नवीनतम एकात्मिक मतदार यादीची प्रत ;
- (क) मतमोजणी केंद्र/संकलन केंद्रे येथे घेऊन जाण्यापूर्वी मतदान युनिटाच्या आणि व्ही व्ही पीएटीच्या मत पेटीवर उमटवण्यासाठी ज्याचा वापर करतात ते लहान पितळी मोहोर ;
- (ड) पेन, कागद व पेन्सिल.
- (इ) निवडणूक निर्णय अधिकारी आणि/ किंवा उमेदवाराने दिल्यानुसार मतदान केंद्रात वापरल्या जाणाऱ्या इव्हीएम ( नियंत्रण आणि मतपत्रिका ) आणि व्ही व्ही पीएटी यांचे तपशील.

### १३.१५ मतदान केंद्राच्या आत बिल्ले, इत्यादी लावणे.

- १३.१५.१. कोणत्याही व्यक्तीला मतदान केंद्रात किंवा त्यापासून शंभर मीटर अंतराच्या आत, निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवाराचा प्रचार करण्यासाठी उमेदवार किंवा राजकीय पक्षाचे नाव असलेले बिल्ले, चिन्हे इत्यादी आणि किंवा त्यांची चिन्हे किंवा त्याचे चित्रस्वरूप प्रतिनिधित्व करण्यास परवानगी असणार नाही.
- १३.१५.२. राजकीय पक्षांचे नाव, चिन्ह किंवा घोषणा असलेली टोपी, शाल इत्यादीसारख्या घालण्यायोग्य कपडे, मतदानाच्या दिवशी मतदान केंद्रांमध्ये घालून घेण्यास परवानगी दिली जाणार नाही.
- १३.१५.३. तथापि, निवडणूक प्रतिनिधी, म्हणून त्याची तात्काळ ओळख पटावी या प्रयोजनार्थ तो ज्या उमेदवाराचा प्रतिनिधी आहे त्या उमेदवाराचे नाव दर्शविणारा बिल्ला लावेल.

### १३.१६ मतदान केंद्रात प्रवेश

१३.१६.१. मतदाराशिवाय, मतदान केंद्राध्यक्ष मतदान केंद्रात केवळ पुढील व्यक्तींना प्रवेश देईल :-

- (अ) मतदान अधिकारी ;
- (ब) प्रत्येक उमेदवार, त्याचा निवडणूक प्रतिनिधी आणि प्रत्येक उमेदवाराचा एकावेळी फक्त एक मतदान प्रतिनिधी;
- (क) निवडणूक आयोगाने प्राधिकृत केलेल्या व्यक्ती ;
- (ड) निवडणुकीशी संबंधित कामावर असलेले लोकसेवक ;

**टीप.-** “ निवडणुकीच्या कर्तव्यावरील लोकसेवक ” यामध्ये पोलीस अधिकारी ( मतदान केंद्रांमध्ये कायदा व सुव्यवस्था राखण्यासाठी वा कोणत्याही इतर प्रयोजनाकरिता मतदान केंद्राध्यक्षाने बोलावले असल्याशिवाय ) केंद्राचे किंवा राज्याचे/संघराज्यांचे मंत्री, राज्यमंत्री, आणि उप मंत्री यांचा समावेश होणार नाही.

- (इ) आयोगाने नियुक्त केलेले निरीक्षक ;
- (फ) मतदाराच्या कडेवर असलेले मूल ;
- (ग) जिला मदतीशिवाय चालता येत नाही अशी अंध किंवा विकलांग व्यक्तीसोबत येणारी व्यक्ती, आणि
- (ह) मतदारांना ओळखण्याकरिता किंवा मतदानाच्या प्रक्रियेत मतदान केंद्राध्यक्षाला सहाय करण्यासाठी, मतदान केंद्राध्यक्ष वेळोवेळी ज्यांना प्रवेश देऊ शकेल अशा अन्य व्यक्ती.

**टीप.-** मतदार, उमेदवार किंवा त्याचा निवडणूक प्रतिनिधी किंवा मतदान प्रतिनिधी यांच्याबरोबर असणाऱ्या कोणत्याही सुरक्षा कर्मचाऱ्यांना “ मतदान केंद्रांशेजारील परिसर ” वर्णन केलेल्या मतदान केंद्रासभोवतीच्या १०० मीटरच्या परिसरात प्रवेश दिला जाणार नाही.

### १३.१७ मतदान प्रतिनिधींची बसवण्याची व्यवस्था.

१३.१७.१. मतदान केंद्राध्यक्षाने मतदान प्रतिनिधी मतदान केंद्रात उपस्थित राहतील तेव्हा त्यांच्याकरिता यथोचित बैठक व्यवस्था केलेली असावी. त्यांच्या बैठक व्यवस्थेची तरतूद अशी करम्यात यावी की, बसलेल्या ठिकाणाहून त्यांना मतदारांना ओळखण्याची पुरेशी संधी मिळेल, त्यांना केंद्राध्यक्षाच्या टेबलावरील किंवा नियंत्रण युनिट ठेवलेल्या ३ व्या मतदान अधिकाराचा टेबलावरील संपूर्ण कार्यवाही पाहता येईल, आणि तसेच, मतदाराची मतदान केंद्राध्यक्षाच्या किंवा ३ व्या मतदान अधिकाऱ्याच्या टेबलाकडून मतदान कक्षाकडे जाण्याची हालचाल आणि मतदान कक्षाच्या आत ठेवलेल्या मतदान यंत्रात मतदाराने आपले मत नोंदवल्यानंतर तो / ती बाहेर पडण्याची हालचाल, त्यांना स्पष्टपणे पाहता येईल. परंतु, जेथून मतदान प्रतिनिधींना मतदार त्याचे / तिचे मत नोंदवताना पाहण्याची संधी मिळेल, जेणेकरून मतदानाची गुप्तता धोक्यात येईल, अशा ठिकाणी, कोणत्याही परिस्थितीत मतदान प्रतिनिधींची बसवण्याची व्यवस्था करण्यात येऊ नये.

१३.१७.२. आयोगाच्या अगदी अलिरडच्या सूचनांनुसार उमेदवारांच्या मतदान प्रतिनिधींची मतदान केंद्रात बसवण्याची व्यवस्था पुढील प्राथम्य क्रमांच्या तत्वावर केली जाईल. उदा. –

- (१) मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय पक्षाचे उमेदवार.
- (२) मान्यताप्राप्त राज्यपातळीवरील पक्षाचे उमेदवार.
- (३) ज्यांना आपले राखीव चिन्ह मतदारसंघात वापरावयाची परवानगी असेल असे, मान्यताप्राप्त राज्य पातळीवरील पक्षांचे उमेदवार.
- (४) नोंदणीकृत अमान्यताप्राप्त पक्षांचे उमेदवार, आणि
- (५) अपक्ष उमेदवार.

१३.१८ मतदानाच्या दिवशी अभिरूप मतदान घेणे आणि इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्ही व्ही पीएटी मोहोर बंद करणे.

- (१) जर २ किंवा अधिक मतदान प्रतिनिधी उपस्थित असल्यास, प्रत्येक मतदान केंद्रावर नियोजित मतदान वेळेच्या ९० मिनिटे आधी अभिरूप मतदान सुरू करणे.
- (२) जर एक किंवा कोणताही मतदान प्रतिनिधी उपलब्ध नसल्यास अभिरूप मतदान सुरू करण्यास १५ मिनिटे प्रतीक्षा करावी.
- (३) अभिरूप मतदानाच्या आधी मतदान युनिट आणि व्ही व्ही पीएटी मतदान कक्षात ठेवण्यात येतील.
- (४) मतदान केंद्राध्यक्ष / मतदान अधिकारी ( नियंत्रण युनिटाचे प्रभारी ) यांच्या टेबलावर नियंत्रण युनिट ठेवलेले असेल.
- (५) व्ही व्ही पीएटी ची केबल नियंत्रण युनिटशी जोडलेली असावी आणि मतदान युनिटाची केबल व्ही व्ही पीएटीशी जोडलेली असावी. १ पेक्षा अधिक मतदान युनिटे वापरलेली असल्यास १ ल्या मतदान युनिटाची केबल व्ही व्ही पीएटीशी जोडलेली असावी आणि दुसऱ्या मतदान युनिटाची केबल त्याच्याशी जोडलेली असावी, म्हणजे २-्या मतदान युनिटाची केबल १ ल्या मतदान युनिटाशी एकसर जोडलेली असावी म्हणजेच, २-्या मतदान युनिटाची केबल १ ल्या शी, ३-्या मतदान युनिटाची केबल २-्या मतदान युनिटाशी अशाप्रकारे त्यापुढील मतदान युनिटांची केबल जोडलेली असावी.
- (६) व्ही व्ही पीएटी संग्रह कप्पा ( ड्रॉप बॉक्स ) मध्ये आधीच कोणत्याही पीएटी स्लिपा नाहीत, याच्या सुनिश्चितीसाठी मतदान प्रतिनिधींना तो संग्रह कप्पा दाखविला जावा.
- (७) नियंत्रण युनिट चालू करण्यापूर्वी व्ही व्ही पीएटीचा कागदी रीळाची कळ उघडावी ( कार्य स्थिती मध्ये )
- (८) नियंत्रण युनिटमध्ये कोणतेही मत नाही, हे दर्शविण्यासाठी नियंत्रण युनिटाचे 'CLEAR' बटण दाबावे.
- (९) अभिरूप मतदानामध्ये 'NOTA' सह निवडणूक लढविणाऱ्या प्रत्येक उमेदवाराला पडलेली मते सुनिश्चित करण्यासाठी किमान ५० मते दिलेली असावीत आणि प्रत्येक उमेदवाराला दिलेल्या मतांची संख्या नोंदवलेली असावी. मतदान प्रतिनिधींना अभिरूप मतदान करू देण्यात यावे.
- (१०) अभिरूप मतादानानंतर, नियंत्रण युनिटावरील 'CLOSE' बटण दाबावे. त्यानंतर, अभिरूप मतदानाचा निकाल विनिश्चित करण्यासाठी नियंत्रण युनिटाचे 'RESULT' बटण दाबावे आणि त्यात दिसणाऱ्या मतांच्या संख्या व्यक्तीशः नोंदविलेल्या मतांच्या ( मॅन्युअल रेकॉर्ड ) संख्येशी ताडून पहाव्यात.
- (११) अभिरूप मतदानाच्या व्ही व्ही पीएटी चिठ्ठ्या व्ही व्ही पीएटी मधून काढल्या जाव्यात आणि त्यांची नियंत्रण युनिटाच्या निकालाशी मेळ बसविला जावा.

- (१२) त्यानंतर, अभिरूप मतदानाच्या निकाल नष्ट करण्यासाठी नियंत्रण युनिटवरील 'CLEAR' बटण दाबले जावे.
- (१३) व्ही व्ही पीएटी अभिरूप चिठ्ठ्यांवर MOCK POLL SLIP असा शिक्का मारावा. त्यानंतर, त्या चिठ्ठ्या एका काळ्या लिफाफ्यात ठेवल्या जाव्यात आणि गुलाबी कागदी मोहोरेने तो मोहोर बंद केला जावा.
- (१४) मतदान केंद्राध्यक्षाने अभिरूप मतदान प्रमाणपत्र भरून त्यावर मतदान प्रतिनिधी आमि मतदान अधिकारी यांची स्वाक्षरी घ्यावी.
- (१५) त्यानंतर, मतदान केंद्राध्यक्षाने नियंत्रण युनिटाचा निकाल विभाग हिरवी पेपर मोहोर; विशेष टॅग (खूण चिठ्ठी) आणि अॅड्रेस (निर्देश खूण) टॅग आणि व्ही व्ही पीएटीचा संग्रह कप्पा (ड्राप बॉक्स) अॅड्रेस टॅगने (निर्देश खूण चिठ्ठीने) मोहोर बंद करण्यासाठी नियंत्रण युनिट बंद करावे. मतदान केंद्राध्यक्षाने मोहोरवर आपली स्वाक्षरी करावी आणि मतदान प्रतिनिधीनांसुद्धा आपआपली स्वाक्षरी करू द्यावी.
- (१६) मतदान सुरू होण्यापूर्वी नियोजित / अधिसूचित वेळी पुन्हा एकदा नियंत्रण युनिटाची कळ सुरू (स्विच ऑन) करावी. नमुना १७ अ (मतदार नोंदवही) मध्ये पहिल्या मतदाराने स्वाक्षरी करण्यापूर्वी मतदान अधिकारी एक याने मतदान केंद्राध्यक्षाबरोबर तपासणी करावी आणि नमुना १७अ मध्ये पेनाने, "नियंत्रण युनिटामध्ये एकूण बेरीज तपासली असता ती शून्य असल्याने आढळले" अशी नोंद करावी.

### १३.१९ मतदान केंद्राध्यक्षाला बनावट मतपत्रिकेचा पुरवठा करणे.

- १३.१९.१ पुढ्यावर (खऱ्या आकारात) चिकटविलेले बनावट इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आकाराच्या मतपत्रिकेचा छापिल नमुना सर्व मतदान केंद्राध्यक्षांना इतर मतदान साहित्यासह पुरविण्यात यावा. जेव्हा जेव्हा कोणताही मतदार किंवा इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रावर मतदान करण्यासाठी मदत मागेल किंवा असमर्थना व्यक्त करील तेव्हा तेव्हा मतदान केंद्राध्यक्ष मतदान प्रतिनिधीच्या उपस्थितीत त्या मतदाराना कार्ड बोर्डवरील नमुना इव्हीएमचा वापर करून मतदान प्रक्रिया समजावून सांगिल.

### १३.२० मतदानाच्या दिवशी इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र (इव्हीएम) आणि व्ही व्ही पीएटी बदलून मिळण्याची कार्यपद्धती अभिरूप मतदान (प्रत्यक्ष मतदानापूर्वी)

- जर मतदान युनिट काम करीत नसेल तर केवळ मतदान युनिट बदलण्यात यावे.
- जर नियंत्रण युनिट काम करीत नसेल तर केवळ नियंत्रण युनिट बदलण्यात यावे.
- जर व्ही व्ही पीएटी काम करीत नसेल तर केवळ व्ही व्ही पीएटी बदलण्यात यावे.

#### प्रत्यक्ष मतदान

- जर मतदान युनिट (बीयु) किंवा नियंत्रण युनिट (सी यु) काम करीत नसेल संपूर्ण संच म्हणजे बीयु + सीयु+ व्ही व्ही पीएटी बदलण्यात यावेत.  
(अशा परिस्थितीत, बीयु + सीयु + व्ही व्ही पीएटी च्या नवीन संचामध्ये, 'NOTA' (नोटा) सह निवडणूक लढविणाऱ्या प्रत्येक उमेदवारास एकेक मत देऊन अभिरूप मतदान घेण्यात यावे आणि अन्य अभिरूप मतदान प्रक्रियेचे अनुसरण करण्यात यावे).
- जर व्ही व्ही पीएटी काम करीत नसेल तर केवळ व्ही व्ही पीएटी बदलण्यात यावे.  
(अशा प्रकरणात, कोणतेही अभिरूप मतदान घेतले जाऊ नये).
- जर नियंत्रण युनिटाने ERROR त्रुटी दाखवली तर नियंत्रण युनिटवर "Replace Power Pack of CU" किंवा "Replace Power Pack of VVPAT" असा संदेश प्रदर्शित होत असेल तर, सीयू किंवा व्ही व्ही पीएटीचा वीज संच (पॉवर पॅक) बदलण्यात यावा"  
(अशा प्रकरणामध्ये कोणतेही अभिरूप मतदान घेतले जाणार नाही.)

टीप.— कोणतेही युनिट बदलण्यापूर्वी, नियंत्रण युनिट बंद (स्विच ऑफ) केले जावे.



### १३.२१ मतदाना दरम्यान आकस्मिक परिस्थिती हाताळणे.

१३.२१.१ जर व्ही व्ही पीएटीमधून कागदी चिठ्ठी मुद्रित होत नसेल, किंवा त्या मुद्रित कागदी चिठ्ठी कापली न जाता ती तशीच लटकत असेल तेव्हा पेपर रोलमधून लटकणारी चिठ्ठी काढण्याचा / ती कापण्याचा प्रयत्न करू नये, ती संग्रह कण्यात ( ड्रॉप बॉक्स ) पडण्यासाठी कोणतेही प्रयत्न करू नयेत. नियंत्रण युनिटमध्ये मत नोंदवले गेले नाही आणि छापील कागदी चिठ्ठीच्या मोडणीच्या वेळी मोजले जाणार नाही, म्हणून ते लटकत राहू द्यावे. अशा घटनेचा तपशील मतदान केंद्राध्यक्षांच्या नोंदवहीत खालील नमुन्यात स्पष्टपणे नोंदविला गेला पाहिजे.

- घटनेचा दिनांक आणि वेळ.
- ज्याला व्ही व्ही पीएटी बदलल्यानंतर मतदान करण्याची परवानगी होती, अशा मतदाराचे मतदार यादीच्या भागामधील नाव आणि त्याचा अनुक्रमांक.
- व्हीव्हीपीएटी बदलल्यानंतर मतदाराने आपले मतदान केले किंवा आपले मतदान न करता निघून गेला किंवा कसे.
- घटना घडण्यापूर्वी एकूण नोंदविलेल्या मतांची संख्या.
- व्हीव्हीपीएटी बदलल्यानंतर, शेवटच्या मतदाराला आपले मतदान करू देण्यात आले.

१३.२१.२ चुकीच्या चिठ्ठी मुद्रणाची तक्रार करणे. : जर एखादया मतदाराने प्रिंटरद्वारे मुद्रित केलेल्या व्ही व्ही पीएटी चिठ्ठीवर उमेदवाराचे तपशील आणि / किंवा त्या उमेदवाराच्या चिन्हाची चुकीची छपाई केल्याचा आरोप केला तर, त्या प्रिंटरच्या मतदान युनिटावरील संबंधित निळे ( उमेदवार ) बटण दाबून संबंधित मतदान केंद्राच्या मतदान केंद्राध्यक्षाने तक्रार नोंदविल्यासाठी आणि नियम ४९ एम ए अंतर्गत विहित केलेल्या प्रक्रियेचे पालन करण्यासाठी त्यांना/ तिला घोषणापत्राचा नमुना प्रदान करावा. मतदान केंद्राध्यक्ष आणि मतदान प्रतिनिधी यांच्या उपस्थितीत तक्रारदाराकडून अभिरूप मतदान केले जावे.

### १३.२२ मतदान बंद करणे.

१३.२२.१. कोणत्याही अपरिहार्य कारणामुळे मतदान सुरू होण्यासाठी नियत केलेल्या वेळेपेक्षा थोडा विलंब झालेला असला त्या प्रयोजनासाठी निश्चित केलेल्या वेळीच मतदान बंद केले जावे.

१३.२२.२. शेवटच्या मतदाराने मतदान केल्यानंतर, मतदान केंद्राध्यक्षाने नियंत्रण युनिटवरील 'CLOSE' बटण दाबावे. आणि नमुना १७ क च्या भाग एक मधील बाब ६ मध्ये आणि तसेच मतदान केंद्राध्यक्षांच्या दैनंदिनीमध्ये इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रामध्ये नोंदविलेल्या एकूण मतांची संख्या नोंदवून घ्यावी. नमुना १७क ची एकेक प्रत मतदान प्रतिनिधींना (शेअर) देण्यात यावी.

१३.२२.३. निवडणुकीचे विहित नमुने काळजीपूर्वक आणि यथोचितरित्या भरल्यानंतर, नियंत्रण युनिट बंद केले जावे. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्ही पीएटी केबलची जोडणी काढली जावी आणि निर्देश खूणचिठ्ठी ( अँड्रेस टॅग ) वापरून ते संबंधित वहन पेटीमध्ये ( कॅरी केसेस ) मोहोर बंद केले जावेत. एकाच वेळी निवडणूक झाल्यास, कागदपत्रे स्वतंत्रपणे तयार करून ती मोहोबंद करावीत.

१३.२२.४. मतदान केंद्राध्यक्षाने अँड्रेस टॅगवर ( निर्देश खूणचिठ्ठीवर ) आपली स्वाक्षरी करावी आणि तसेच, त्यांवर+ मतदान प्रतिनिधींच्याही स्वाक्षऱ्या घ्याव्यात.

१३.२२.५. मतदानानंतर मतदान केलेले इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्ही व्ही पीएटी आणि इतर निवडणूक साहित्य संकलन/ वितरण केंद्राकडे नेले जावे. मतदान प्रतिनिधींना मतदान केंद्रातून संकल / वितरण केंद्राकडे जाणाऱ्या वाहनांच्या मागे -मागे येऊ देण्याची परवानगी द्यावी.

### १३.२३ मतदानाच्या दिवशी इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्ही व्ही पीएटी हलविणे त्यांची साठवणूक आणि सुरक्षा यांसंबंधीची कार्यपद्धती.

- १३.२३.१. क्षेत्र अधिकारी / क्षेत्रीय दंडाधिकारी यांना मतदानाच्या दिवशी राखीव इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र (इ व्ही एम) आणि व्ही व्ही पीएटी पुरविले जातात पी-१/पी-२/ पी-३ च्या बाबतीत, आरक्षित इव्हीएम/ व्ही व्ही पीएटी मध्यवर्ती सुरक्षा कक्षामध्ये ठेवले जातात. उमेदवारांना आगाऊ सूचना दिल्या जातात.
- १३.२३.२. क्षेत्र अधिकारी/क्षेत्रीय दंडाधिकारी यांना मतादनाच्या दिवसापूर्वी राखीव इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र (इव्ही एम) आणि व्ही व्ही पीएटी पुरविले गेल्यास असे राखीव इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्ही व्ही पीएटी सरकारी इमारतीमध्ये योग्य त्या सुरक्षेत ठेवल्या जातात.
- १३.२३.३. मतदान संचलन पथकांना किंवा क्षेत्र अधिकार्यांना / क्षेत्रीय देडाधिकार्यांना पुरविण्यात येणारे सर्व इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्ही व्ही पीएटी हे नेहमी सशस्त्र पोलिसांच्या निगरानीखाली असतात.
- १३.२३.४. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्ही व्ही पीएटी यांच्या वाहतुकीच्या बाबतीत वाहनांमध्ये जीपीएस ट्रॅकिंग / भ्रमनध्वनी अॅपआधारित ट्रॅकिंग यंत्रणा असावी.
- १३.२३.५. राखीव आणि अराखीव मतदान नोंदविलेले इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र / व्ही व्ही पीएटी क्षेत्र अधिकारी "राखीव" "अभिरूप मतदान पुनःस्थापन" सारख्या योग्य खुनाचिठ्ठीसह वाहून नेले जातात.
- १३.२३.६. प्रत्यक्ष मतदान (अभिरूप मतदान) सुरू होण्यापूर्वी बदललेले अकार्यक्षम युनिट मतदान केंद्रात मतदान केंद्राध्यक्षाकडे ठेवले जाणार नाही. ते क्षेत्र घेतात.
- १३.२३.७. राखीव इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्ही व्ही पीएटी साठवण्याचे ठिकाण निश्चित केले आणि आगाऊ राखून ठेवले जाते आणि निवडणूक लढविणाऱ्या सर्व उमेदवारांना / त्यांच्या प्रतिनिधींना सूचित केले जाते.
- १३.२३.८. श्रेणी-क (मतदान न केलेले-अ कार्यात्मक-मतदानाच्या दिवशी अभिरूप मतदानाच्या दरम्यान बदलेले गेले) आणि श्रेणी- ड (न वापरलेले राखीव) इ व्ही एम आणि व्ही व्ही पीएटी हे देखील मतदान प्राप्त सुरक्षा कक्षा व्यतिरिक्त इतर सुरक्षा कक्षामध्ये संग्रहित केले जातात. जेथे वश्रेणी क आणि ड इ व्ही एम आणि व्ही व्ही पीएटी संग्रहित केले जातात. तेथे १/२ विभाग गोदाम / सुरक्षा कक्षाची सुरक्षा पुरविली जाते.
- १३.२३.९. सर्व मतदान केलेले इव्हीएम / व्ही व्ही पीएटी (श्रीणी-अ) आणि मतदान न केलेले इ व्हीएम / व्ही व्ही पीएटी (श्रीणी-ब), उमेदवार / त्यांच्या प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत व्हीडीओचित्रण होत असताना सुरक्षा कक्षामध्ये संग्रहित केले जातात. मतदान केलेल्या सुरक्षा कक्षासाठी एक तुकडी सुरक्षा प्रदान करण्यात येते. निवडणूक लढविणाऱ्या सर्व उमेदवारांना सुरक्षा कक्षाची सुरक्षा व्यवस्था पाहण्यासाठी त्यांचे प्रतिनिधी नियुक्ती करण्याची आणि त्यांना आतील परिमितीच्या बाहेर राहण्याची परवानगी असते. सुरक्षा कक्षाचे प्रवेशद्वार दिसत नसल्यास, त्यांच्यासाठी सीसीटीव्ही डिस्प्लेची व्यवस्था करण्यात केली जाते.

### १३.२४ फेरमतदानाच्या बाबतीत इव्हीएम आणि व्हीव्ही पीएटी चा वापर

- १३.२४.१. न वापरलेल्या राखीव यादीतील इव्हीएम / व्ही व्ही पीएटी तयार केले जातात आणि उमेदवारांना / प्रतिनिधींना त्याबाबत कळविलेल जाते.
- १३.२४.२. इव्हीएम / व्ही व्ही पीएटी वरील अॅड्रेस टॅग (निर्देश खूणचिठ्ठीवर) नमूद केलेले असावे की, इ व्हीएम / व्ही व्ही पीएटी दिनांक आणि मतदान केंद्र क्रमांक दर्शविणाऱ्या फेर मतदानाकरिता वापरण्यासाठी आहेत.
- १३.२४.३. पुनमुद्रित स्टिकर्स फेरमतदान इव्हीएम / व्ही व्ही पीएटी आणि त्यांच्या वहन पेट्यांवर (कॅरी केस) चिकटविले जातात.

- १३.२४.४. फेरमतदानानंतर मतदान केलेले इव्हीएम / व्ही व्ही पीएटी सुरक्षा कक्ष, उमेदवार/ त्यांच्या प्रतिनिधी आणि निरीक्षक यांच्या उपस्थितीत फेर मतदान केलेल्या इव्ही एमच्या साठवणुकीसाठी उघडले जाते.
- १३.२४.५. फेरमतदान केलेले इव्ही एम/ व्ही व्ही पीएटी, अगोदर मुळ मतदानात वापरलेल्या जुन्या इव्ही एम/ व्ही व्ही पीएटी सोबत ठेवलेले आहेत. ठळक प्रिंट असलेले " TO BE COUNTED " स्टिकर्स फेर मतदान केलेल्या इव्ही एम आणि व्ही व्ही पीएटी वर फेरमतदान ईव्हीएम ठेवण्याचा वेळी चिकटविले जातात.
- १३.२४.६. मोजणीच्या वेळी कोणतीही संदिग्धता दूर करण्यासाठी, जुन्या इ व्हीएम / व्ही व्ही पीएटी ठळक मुद्रित असलेले स्टिकर्स चिकटविले जातात.

इ व्हीएम आणि व्ही व्ही पीएटी शी संबंधित सुरक्षा आणि प्रशासकीय सुरक्षा आणि सुचनांबद्दल अधिक जाणून घेण्यासाठी कृपया **इ व्हीएम निदेशपुस्तिका, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रावरील स्टेटस पेपर, इ व्हीएम आणि व्ही व्ही पीएटी वरील सादरीकरण आणि ईसीआयच्या संकेत स्थळावर उपलब्ध असलेले एफएक्यू वाचावे.**

### १३.२५ मतदानाची गुप्तता राखणे.

- १३.२५.१ प्रत्येक मतदान प्रतिनिधीने, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १२८ अन्वये मतदानाची गुप्तता राखणे आणि ती राखण्यात मदत करणे आवश्यक असेल त्याचप्रमाणे, मतदानाच्या गुप्ततेचा भंग होईल अशी कोणतीही माहिती त्याने अन्य व्यक्तीस सांगता कामा नये. वरील कायद्याच्या तरतुदींचे उल्लंघन करणारी कोणतीही व्यक्ती, ३ महिन्यांपर्यंतच्या कारावासाच्या किंवा दंडाच्या शिक्षेस किंवा दोन्ही शिक्षांना पात्र असेल.
- १३.२५.२ मतदानास प्रारंभ होण्यापूर्वी, मतदान केंद्राध्यक्ष, सर्व उपस्थितांना मतदान गुप्त राखण्याविषयीच्या त्यांचे कर्तव्य आणि त्याचा भंग केल्यास होणारी शिक्षा/दंड यांसंबंधी लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या उपरोक्त अधिनियमाचे कलम १२८ च्या तरतुदी निदर्शनास आणून देईल.

### १३.२६ मतदानास प्रारंभ होण्यापूर्वी मतदान केंद्राध्यक्षानी करावयाचे प्रतिज्ञापन

- १३.२६.१ उपरोक्त नमूद केलेली पूर्वतयारी पूर्ण केल्यानंतर मतदान केंद्राध्यक्ष, त्याने ती पूर्ण केली असल्याचे विहित नमुन्यातील **(परिशिष्ट १६)** भाग एक प्रतिज्ञापन करील. हे प्रतिज्ञापन, मतदान केंद्रामध्ये हजर असणाऱ्या सर्व उपस्थित व्यक्तींना ऐकू जाईल इतपत मोठ्याने तो वाचून दाखवेल आणि त्यावर सही करील. तसेच, तेथे उपस्थित आणि सहाय्य करण्यास राजी असलेल्या मतदान प्रतिनिधींच्या तो त्यावर सहाय्य घेईल. मतदान प्रतिनिधींनी त्यावर केलेल्या सहाय्यांवरून, मतदानाचा प्रारंभ खुल्या व निःपक्षपाती वातावरणात झाल्याची खातरजमा केली जाईल. एखाद्या प्रतिनिधीने प्रतिज्ञापनावर सही करण्यास नकार दिल्यास, मतदान केंद्राध्यक्ष वरील प्रतिज्ञापनाच्या नमुन्यातील त्यासाठी सोडलेल्या परिच्छेदात त्याचे नाव नोंदवील.
- १३.२६.२ मतादन केंद्राध्यक्ष हिरव्या कागदाच्या मोहोरेवर उमेदवार /मतदान प्रतिनिधी यांची स्वाक्षरी घेतात आणि त्यांना मतदान सुरु होण्यापूर्वी त्यांचे अनुक्रमांक नोंदविण्याची त्यांना परवानगी देतात.

### १३.२७ मतदानास प्रारंभ

- १३.२७.१ मतदानासाठी नेमून दिलेल्या वेळेवर मतदानास प्रारंभ होईल. तोपर्यंत त्याची सर्व पूर्वतयारी मतदान केंद्राध्यक्षाने पूर्ण केलेली असेल.
- १३.२७.२ मतदान केंद्राध्यक्ष कोणत्याही परिस्थितीत मतदानास नेमून दिलेली वेळ वाढविणार नाही पण मतदान समाप्त करण्यासाठी नेमून दिलेल्या वेळी मतदान केंद्रावर उपस्थित आणि मतदाराच्या रांगेत उभ्या असणाऱ्या सर्व मतदारांना मत देण्याची परवानगी देईल. या प्रयोजनाकरिता, मतदान केंद्राध्यक्ष जर मतदार मतदान केंद्रावर, मतदान बंद करण्यासाठी निश्चित करण्यात आलेल्या वेळेत हजर असतील तर, त्या रांगेतील शेवटच्या मतदारापासून सुरूवात करून रांगेतील सर्वात पुढच्या मतदारापर्यंत सर्व मतदारांना त्याने यथोचितरीत्या सही केलेल्या चिठ्ठ्यांचे वितरण करील, जेणेकरून, अतिरिक्त मतदारांना रांगेत सामील होता येवू नये.

१३.२७.३ पहिला मतदार नमुना १७अ मध्ये मतदारांची नोंदवहीत स्वाक्षरी करण्यापूर्वी मतदान अधिकारी एक हा मतदान केंद्राध्यक्षाबरोबर अशी तपासणी करील आणि नमुना १७-अ (मतदाराची मध्ये पेनाने आशां नोंद करील की, नियंत्रण युनिटामधील एकूण बेरीज तपासली असता ती शून्य असल्याचे दिसून आली.

### १३.२८ मतदारांचे मतदान केंद्रात आगमन

१३.२८.१ सामान्यपणे, पुरुष व स्त्री मतदारांसाठी स्वतंत्र रांगा असतील. रांगेचे नियंत्रण करणाऱ्या व्यक्ती मतदान केंद्राध्यक्ष निदेश देईल त्याप्रमाणे एकावेळी तीन किंवा चार मतदारांना मतदान केंद्रात सोडतील. इतर मतदारांना बाहेर रांगेत उभे केले जाईल. पुरुष मतदार किंवा स्त्री मतदारांसाठी एकापेक्षा अधिक रांगा तयार करण्यास परवानगी दिली जाऊ नये. मतदान प्रतिनिधींनी याला आक्षेप घेऊ नये. मतदान केंद्रावर मतदान करण्यासाठी येणाऱ्या स्त्री मतदारांना अनेक घरगुती कामे असतात, ही वस्तुस्थिती लक्षात घेता, प्रत्येक पुरुष मतदारामागे दोन स्त्री मतदारांना मतदान केंद्रात प्रवेश करण्यास परवानगी द्यावी. वरिष्ठ नागरिक व शारीरिकदृष्ट्या विकलांग मतदारांना इतर मतदारांप्रमाणे रांगेत उभे न करता मतदान केंद्रात प्रवेश करण्यास प्राधान्य दिले जात असल्याची मतदान केंद्राध्यक्षाने खात्री करावी. मतदान केंद्रावर त्यांना आवश्यक असणारे सर्व सहाय्य पुरविण्यात यावे. या प्रयोजनाकरिता, आवश्यक असल्यास, अशा व्यक्तींकरिता स्वतंत्र रांग तयार करण्याची व्यवस्था करावी. अशा मतदारांना त्यांची चाकाची खुर्ची मतदान केंद्रात नेण्यासाठी संपूर्ण सुविधा पुरविली असल्याची खातरजमा मतदान केंद्राध्यक्ष करील. पुरुष व स्त्री मतदारांना आळीपाळीने मतदान केंद्रात प्रवेश दिला पाहिजे.

### १३.२९ वृत्तपत्र प्रतिनिधीना व छायाचित्रकारांना सुविधा

१३.२९.१ शांतता व सुव्यवस्था राखण्याच्या अधीन राहून, कोणत्याही छायाचित्रकाराने मतदानकेंद्रा बाहेर रांगेत उभ्या असणाऱ्या मतदारांचे छायाचित्र घेण्यास हरकत नाही. तथापि, निवडणूक आयोगाचे प्राधिकारपत्र आणल्याशिवाय कोणत्याही व्यक्तीला, अगदी राज्य शासनाच्या प्रसिद्धी अधिकाऱ्यांनाही मतदान केंद्रात आणि मतमोजणी केंद्रात परवानगी दिली जाणार नाही. कोणत्याही परिस्थितीत मतदाराचे तो आपले मत नोंदवीत असतानाचे छायाचित्र घेण्यास परवानगी दिली जाणार नाही.

### १३.३० मतदान यंत्राद्वारे मते नोंदविण्याची पद्धती

१३.३०.१ मतदान प्रतिनिधी हा, ईव्हीएमवर मत नोंदविण्याच्या पद्धतीविषयी परिचित असावा जेणेकरून ते मतदान केंद्रावर अनुसरण्यात येण्याचा प्रक्रियेविषयी अनावश्यक आक्षेप घेणार नाहीत.

१३.३०.२ मतदाराची ओळख पटवणे, त्याच्या डाव्या तर्जनीवर पक्क्या शाईची खूण करणे आणि मतदार नोंदवहीमध्ये (नंतरच्या परिच्छेदात सविस्तरपणे स्पष्ट केल्याप्रमाणे) त्याची सही/अंगठ्याचा ठसा घेणे यांसंबंधीची आवश्यक ती कार्यवाही पूर्ण केल्यानंतर आणि मतदाराला मतदान यंत्रात त्याचे मत नोंदविण्याची परवानगी दिल्यानंतर, मतदान केंद्राध्यक्ष/मतदानयंत्राच्या नियंत्रण युनिटाचा प्रभारी असलेला मतदान अधिकारी त्या नियंत्रण युनिटावरील “बॅलट” बटण दाबील म्हणजे, मतदार युनिट मतदाराचे मत नोंदवण्यासाठी तयार होईल. “बॅलेट” बटण दाबल्यावर, नियंत्रण युनिटावरील “बीझी” (Busy) असे चिन्हांकित केलेला लाल दिवा पेटेल. त्याचवेळी मतदान कक्षात ठेवलेल्या प्रत्येक मतदार युनिटावरील “रेडी” (Ready) असे चिन्हांकित केलेला हिरवा दिवा देखील पेटेल. मतदार, आपले मत नोंदविण्यासाठी मतदार युनिटावरील त्याच्या पसंतीच्या उमेदवाराचे नाव आणि चिन्हापुढे असलेले निळे बटण (उमेदवाराचे बटण म्हणून ओळखले जाणारे बटण) दाबेल. (प्रत्येक उमेदवारासाठी, त्याचे नाव छायाचित्र आणि चिन्हापुढे स्वतंत्र निळ्या बटणाची तरतूद आहे) मतदाराने उमेदवाराचे बटण दाबल्यावर मतदान युनिटावरील “रेडी” (Ready) हा दिवा विझेल आणि बटणाजवळचा उमेदवाराचा लाल दिवा पेटेल. व्हीव्हीपीएटी मत दिलेल्या उमेदवाराचे चिन्ह, नाव व अनुक्रमांक असलेली एक लहान कागदी चिठ्ठी मुद्रित करील, व ती व्हीव्हीपीएटीच्या विन्डोवर सात सेंकदापर्यंत दिसेल. त्याचवेळी, नियंत्रण युनिटमधून “बीप” असा आवाज सर्व उपस्थितांना ऐकू येईल. काही क्षणानंतर मतदान युनिटावरील उमेदवाराचा लाल दिवा, नियंत्रण युनिटावरचा “बीझी” (Busy) हा लाल दिवा आणि “बीप” हा आवाज बंद होईल. ह्या दृक-श्राव्य चिन्हांवरून असा अर्थ काढता येईल की, मतदाराने ज्याचे बटण दाबले त्या उमेदवाराचे मत नियंत्रण युनिटमध्ये नोंदवले गेले आहे.

मतदान युनिट मग आपोआप बंद होईल आणि मतदान केंद्राध्यक्ष/प्रभारी मतदान अधिकारी यांनी नियंत्रण युनिटवरील “ बॅलट ” बटण पुढील मतदाराला त्याचे मत नोंदवू देण्यासाठी पुन्हा दाबल्यावर पुढील मत नोंदवले जाईल.

- १३.३०.३ जर कोणत्याही मतदाराला इलेक्ट्रॉनिक मतदानयंत्राद्वारे मत नोंदवण्याची उचित माहिती नसेल तर, मतदान केंद्राध्यक्ष, मतदान ठेवलेले पुठ्याचे इव्हीएम यंत्र वापरून, मतदान प्रक्रिया स्पष्ट करून सांगील. मतदान प्रतिनिधींनी मतदारांना साहाय्य करण्यासाठी मतदान कक्षात जाऊ नये.

### १३.३१ मतदान केंद्रावरील मतदान प्रक्रिया

मतदान प्रक्रिया थोडक्यात याप्रमाणे आहे :-

- १३.३१.१ मतदार मत नोंदवण्यासाठी जेव्हा मतदान केंद्रात प्रवेश करेल, तेव्हा तो सरळ पहिल्या मतदान अधिकाऱ्याकडे जाईल. ज्याच्याकडे मतदान यादीची चिन्हांकित प्रत असेल आणि तो मतदारांची ओळख पटवण्याचे काम करित असेल. त्याची ओळख पटल्यावर कोणीही मतदान प्रतिनिधींकडून त्याच्या ओळखीबाबत आक्षेप घेतला जाणार नाही, मतदाराच्या डाव्या तर्जनीवर दुसऱ्या मतदान अधिकाऱ्याकडून पक्क्या शाईची खूण केली जाईल. दुसरा मतदान अधिकारी मतदार नोंदवहीचा (नमुना १७अ) प्रभारी असल्याने, तो दुसरा मतदान अधिकारी मतदार नोंदवहीत (नमुना १७ अ) नोंद करण्यापूर्वी याची खात्री करील की, मतदाराने मतदान केंद्र सोडण्यापूर्वी पक्क्या शाईची खूण सुकलेली आहे मतदान अधिकारी मतदार यादीनुसार त्याचा (मतदाराचा) अनुक्रमांची नोंद स्तंभ (२) मध्ये करील. तो नमुना १७अ (मतदार नोंदवही) च्या स्तंभ (३) मध्ये त्याच्या (मतदाराच्या) ओळखपत्राच्या कागदपत्राच्या शेवटचे चार अंक नमूद करील. मतदार ओळखपत्राच्या आधारावर मतदान करण्यास आलेल्या मतदारांबाबत संबंधित स्तंभात (रकान्यात) ‘ EP ’ (ईपी) (मतदार ओळखपत्र निर्देशित करते) अक्षरांची नोंद केली तरी पुरेसे आहे आणि मतदार ओळखपत्राचा क्रमांक लिहिण्याची (नमूद) आवश्यकता नाही. तथापि, कोणत्याही इतर पर्यायी कागदपत्राच्या आधारावर जो मतदान करण्यास आला असल्यास, कागदपत्राचे शेवटचे चार अंक नमूद करण्याच्या सूचनेचे पालन करण्यात यावे. मतदाराने आणलेल्या ओळखपत्र (कागदपत्राचा) प्रकार त्यामध्ये नमूद करावा. तो उक्त नोंदवहीच्या स्तंभ (४) मध्ये मतदाराशी संबंधित नोंदीसमोर (मतदाराचा) त्याची सही किंवा अंगठ्याचा ठसा घेईल. मतदाराने आणलेल्या मतदार ओळखपत्र/ओळखपत्र दस्तऐवजाचा शेवटचे चार अंक मतदार नोंदवही (नमुना १७-अ) च्या ‘ शेरा ’ स्तंभ (स्तंभ ५) मध्ये नोंद घ्यावी. तसेच दुसरा मतदान अधिकारी नंतर मतदारांसाठी मतदार चिठ्ठी तयार करील.
- १३.३१.२ नंतर मतदार ही मतदान चिठ्ठी घेऊन मतदान केंद्राध्यक्षाकडे किंवा मतदानयंत्राच्या नियंत्रण युनिटाचा प्रभारी असलेल्या तिसऱ्या मतदान अधिकाऱ्याकडे जाईल. मतदान केंद्राध्यक्ष/ यथास्थिति तिसरा मतदान अधिकारी मतदाराच्या डाव्या तर्जनीवरील पक्क्या शाईची खूण तपासून पाहील आणि उक्त मतदान चिठ्ठीच्या आधारे त्याला मतदानयंत्रात आपले मत नोंदवू देईल. मतदानयंत्रात मत नोंदवण्याची प्रक्रिया मागील परिच्छेदात स्पष्ट करून सांगितली आहे.
- १३.३१.३ मतदार नोंदवहीत (नमुना १७-अ) मतदारांची नोंद ज्या क्रमाने आलेली असेल बरोबर त्याच क्रमाने त्यांना त्यांचे मत नोंदवण्यासाठी परवानगी देण्यात येईल. जर काही अपरिहार्य किंवा आकस्मिक किंवा टाकला न येण्याजोग्या कारणामुळे कोणत्याही मतदाराच्या बाबतीत असा वर सांगितलेला क्रम पाळणे शक्य न झाल्यास मतदान केंद्राध्यक्ष, नोंदवहीमधील शेऱ्याच्या स्तंभामध्ये अशा मतदारांच्या बदललेल्या अनुक्रमांकाची नोंद करेल. ज्याचा अनुक्रम यामुळे बदलला असेल असा नंतरच्या मतदारांच्या बाबतीत तशाच नोंदी कराव्यात.
- १३.३१.४ मतदाराने मतदान केंद्र सोडण्यापूर्वी मतदान केंद्राध्यक्षाने किंवा त्याच्या पथकातील इतर सदस्याने, त्याला लावलेल्या पक्क्या शाईची खूण स्पष्ट आहे हे सुनिश्चित करण्यासाठी त्याची डावी तर्जनी पुन्हा तपासली पाहिजे. जर का मतदाराने शाई पुसली असेल किंवा खूण अस्पष्ट असेल तर मतदाराच्या डाव्या तर्जनीवर तो पुन्हा पक्क्या शाईची खूण करील.
- १३.३१.५ संबंधित मतदान केंद्रावर मत देताना परदेशातील मतदारांची ओळख त्यांनी दिलेल्या मूळ पासपोर्टच्या आधारेच केली जाईल.

### १३.३२ मतदाराच्या ओळखीबाबत आक्षेप घेणे :

१३.३२.१ वर नमूद केल्याप्रमाणे तोतया मतदार शोधून काढण्याच्या आणि त्याला मतदान करू न देण्याच्या कामात मतदान केंद्राध्यक्षाला मदत करणे हे मतदान प्रतिनिधीचे मुख्य काम असेल. म्हणून, मतदानासाठी आलेली व्यक्ती आणि आपण विशिष्ट मतदार असल्याचे सांगत असेल आणि ती, ती व्यक्ती नसल्याचे मतदान प्रतिनिधीला व्यक्तिगतरीत्या माहित असेल तर, तिच्या खरेपणाबद्दल आक्षेप घेण्याच्या मतदान प्रतिनिधीला हक्क असेल. तथापि, मतदान प्रतिनिधीने तारतम्यहीन आक्षेप घेता कामा नयेत कारण यामुळे मतदानाच्या कामात अडथळे निर्माण होऊन मतदानास विलंब होईल आणि परिणामी काही मतदार कंटाळून जातील आणि मतदान न करताच रांग सोडून निघून जातील. यामध्ये त्याच्या स्वतःच्या उमेदवारांच्या समर्थकांचाही समावेश असू शकेल.

### १३.३३ अनुपस्थित, अन्यत्रवासी स्थलांतरित आणि मृत / मयत मतदारांची यादी :

१३.३३.१ मतदान प्रतिनिधीकडे मतदार यादीची आणि उमेदवाराने किंवा त्यांच्या पक्षाने बनवलेल्या मृत, गैरहजर आणि तथाकथित संशयास्पद मतदारांच्या यादीची एक प्रत असेल, असे अपेक्षित धरण्यात येते. या यादीची एक प्रत मतदान केंद्राध्यक्षालासुद्धा देण्यात यावी. त्या यादीमध्ये नाव असलेल्या एखाद्या व्यक्तीने मतदार असल्याचा दावा केल्यास ती बाब मतदान प्रतिनिधीने मतदान केंद्राध्यक्षाच्या निदर्शनास आणून द्यावी. ही बाब औपचारिक म्हणून समजली जाणार नाही. मतदान केंद्राध्यक्ष त्या व्यक्तीच्या ओळखीबाबत तपासणी करील.

### १३.३४ मतदाराच्या ओळखीबाबत औपचारिक आक्षेप :

१३.३४.१ मतदान केंद्राध्यक्षाने त्या यादीकडे दुर्लक्ष केल्यास, मतदान प्रतिनिधीला त्या व्यक्तीच्या ओळखीस रीतसर आक्षेप घेता येईल. मात्र तो/ ती तोतया मतदार असल्याबद्दल त्याची खात्री असणे आवश्यक आहे.

१३.३४.२ मृत, अन्यत्रवासी व तथाकथित संशयित मतदाराच्या यादीमध्ये एखाद्या मतदाराचे नाव नमूद केलेले नसेल आणि विशिष्ट मतदार असल्याचा दावा करणारी व्यक्ती, ही खरी मतदार नाही अशी माहिती व्यक्तिशः मतदान प्रतिनिधीला असेल तर, त्याला त्या व्यक्तीच्या ओळखीबद्दल रीतसर आक्षेप घेता येईल.

१३.३४.३ मतदार यादीमध्ये नाव असलेल्या प्रत्येक व्यक्तीस निवडणुकीत मत देण्याचा अधिकार आहे, एखादी व्यक्ती विशिष्ट मतदार आपणच असल्याचा दावा करील आणि आपले नाव व इतर तपशील बिनचूक सांगील आणि मतदार छायाचित्र ओळखपत्र किंवा आयोगाने मान्य केलेल्या इतर कागदपत्रांपैकी एक कागदपत्र सादर करील, तर, तीच व्यक्ती खरी मतदार असल्याचे सर्व साधारणपणे समजण्यात यावे. म्हणून. मतदान प्रतिनिधींना अशी सूचना करण्यात येते की, आक्षेप घ्यावयाच्या व्यक्तीबाबत पूर्ण खात्री असेल तरच त्यांनी मतदाराच्या ओळखीला आक्षेप घ्यावा.

### १३.३५ आक्षेप शुल्क :

१३.३५.१ मतदान केंद्राध्यक्ष, मतदान प्रतिनिधीने मतदाराच्या ओळखीबाबत घेतलेला कोणताही आक्षेप, आक्षेप घेणाऱ्याकडून त्याला रोख २ रुपये (रुपये दोन फक्त) भरल्याखेरीज स्वीकारणार नाही. रक्कम भरल्यानंतर, मतदार केंद्राध्यक्ष निवडणूक आयोगाने विहित केलेल्या नमुन्यात आक्षेपकाला त्याबद्दल पावती देईल.

### १३.३६ आक्षेपाबाबत संक्षिप्त चौकशी :

१३.३६.१ मतदान प्रतिनिधीने मतदाराच्या ओळखीबाबत रीतसर आक्षेप घेतल्यावर, मतदान केंद्राध्यक्ष, ज्या व्यक्तीबाबत आक्षेप घेतला गेला आहे त्या व्यक्तीला तोतयेगिरीबद्दल होऊ शकणाऱ्या शिक्षेबाबत ताकीद देईल व मतदार यादीमधील संबंधित संपूर्ण नोंद मोठ्याने वाचून दाखवील आणि संबंधित नोंद असलेली व्यक्ती म्हणजे तुम्हीच आहात किंवा कसे ते विचारील. आक्षेपित मतांच्या यादीत तिचे नाव व पत्ता नोंदवून त्यावर त्याची सही किंवा अंगठ्याचा ठसा घेईल. जर ती व्यक्ती असे करावयाचे नाकारील तर, मतदान केंद्राध्यक्ष तिला मतदान करण्यास परवानगी देणार नाही.



१३.३६.२ मतदान केंद्राध्यक्षाने आक्षेपित मतांच्या यादीतील नोंदी पूर्ण केल्यानंतर आणि त्या यादीतील संबंधित स्तंभामध्ये आक्षेपित व्यक्तीची सही किंवा अंगठ्याचा ठसा घेतल्यानंतर, मतदान केंद्राध्यक्ष, आक्षेपकाने दावा केल्यानुसार, आक्षेपित व्यक्ती ही खरीखुरी मतदार नसल्याबाबतचा पुरावा देण्यास त्याला सांगेल. आक्षेपक व्यक्ती आपल्या आक्षेपास प्रथमदर्शनी पृष्ठी देणारा पुरावा देऊ शकत नसेल तर, मतदान केंद्राध्यक्ष त्याचा आक्षेप अग्राह्य ठरवून मतदारास आक्षेपित व्यक्तीस मतदान करू देईल. आक्षेपकाने आक्षेपित व्यक्ती ही विशिष्ट मतदार नसल्याबाबतचा प्रथम दर्शनीच पुरावा दिला तर. मतदान केंद्राध्यक्ष त्यानंतर आक्षेपित व्यक्तीस आक्षेपाचे खंडन करणारा पुरावा सादर करण्यास सांगेल. म्हणजेच ती व्यक्ती जो मतदार म्हणून दावा करित आहे तोच विशिष्ट मतदार असल्याचे तिला सिद्ध करावे लागेल. चौकशी करित असताना मतदान केंद्राध्यक्षाला, आक्षेपित व्यक्तीची ओळख पटवण्याच्या कामी त्या व्यक्तीला आवश्यक असे कोणतेही प्रश्न विचारून वस्तुस्थितीबाबत खात्री करून घेण्यास मोकळीक आहे आणि तो आक्षेपित व्यक्तीला शपथेवर उत्तरे देण्यास भाग पाडील. तो चौकशी करित असताना चौकशीमध्ये मदत होईल असा ग्राम अधिकारी आक्षेपित मतदाराचे शेजारी किंवा तेथे उपस्थित असलेली इतर कोणतीही व्यक्ती यापैकी कोणत्याही व्यक्तीची त्याला साक्ष घेता येईल. साक्ष दाखल करून घेत असताना आक्षेपित व्यक्ती किंवा पुरावा देणाऱ्या इतर कोणत्याही व्यक्तीस मतदान केंद्राध्यक्षाला शपथ देता येईल.

१३.३६.३ चौकशी पूर्ण केल्यानंतर, जर आक्षेप शाबीत झाला नाही असे मतदान केंद्राध्यक्षाला वाटेल तर, तो आक्षेपित व्यक्तीस मतदान करण्यास परवानगी देईल. तथापि, आक्षेप शाबीत झाला आहे असे त्यास वाटले तर तो आक्षेपित व्यक्तीस मतदान करण्यास मनाई करील. ह्या प्रकरणी संबंधित व्यक्तीने तोतयेगिरीचा गुन्हा केल्याबद्दल तिच्यावर खटला दाखल करण्यासाठी मतदान केंद्राध्यक्ष त्या व्यक्तीला मतदान केंद्र ज्या पोलीस ठाण्याच्या अधिकारक्षेत्रात येत असेल त्या पोलीस ठाण्याच्या अंमलदाराच्या नावे तक्रार नोंदवून कामावर असलेल्या पोलिसांच्या ताब्यात द्यावे अशीही सूचना मतदान केंद्राध्यक्षाला दिलेली असते.

### १३.३७ आक्षेपादाखल घेतलेली फी परत करणे किंवा जप्त करणे :

१३.३७.१ चौकशी संपल्यानंतर आणि आक्षेप सिद्ध झाल्यानंतर मतदान केंद्राध्यक्ष, वर निर्दिष्ट केलेल्या आक्षेपित मतांच्या यादीतील योग्य त्या स्तंभामध्ये (स्तंभ १० मध्ये) त्याची पावती घेतल्यानंतर आणि पावती पुस्तकातील संबंधित पावतीच्या स्थळप्रतीवर आक्षेपकाची सही घेतल्यानंतर त्याला लगेच दोन रुपये आक्षेप फी परत करील.

१३.३७.२ तथापि, आक्षेप क्षुल्लक आहे किंवा प्रामाणिकपणे घेतलेला नाही असे मतदान केंद्राध्यक्षाला वाटेल तर तो अशा बाबतीत, आक्षेप फी सरकार जमा करील आणि ती आक्षेप घेणाऱ्यास परत करणार नाही.

### १३.३८ मतदार यादीतील लेखनदोष व मुद्रणदोष याकडे दुर्लक्ष करणे :

१३.३८.१ कधी कधी मतदार यादीत समाविष्ट करण्यात आलेला मतदारांसंबंधीचा तपशील चुकीचा छापलेला असतो किंवा तो कालबाह्य झालेला असतो, उदाहरणार्थ, उमेदवाराचे वय. अशा बाबतीत मतदारांच्या ओळखीबाबत अन्यथा खात्री झाली असेल तर, मतदान प्रतिनिधीने मतदाराच्या बाबतीतील कोणत्याही नोंदीसंबंधी झालेल्या केवळ हस्तदोषांकडे किंवा छपाईच्या चुकांकडे दुर्लक्ष करावे व अशा मतदाराबद्दल आक्षेप घेऊ नये. जेव्हा एकाहून अधिक भाषांत मतदार यादी तयार केलेली असेल आणि चिन्हांकित मतदार यादीत जर त्या व्यक्तीचे नाव नसेल, परंतु त्याचे नाव दुसऱ्या भाषेतील मतदार यादीत असेल तर, त्याला मतदान करण्यास परवानगी द्यावी अशी सूचना मतदान केंद्राध्यक्षाला देण्यात आलेल्या आहेत. तुमच्या मतदान प्रतिनिधींनी अशा मतदारांच्या बाबतीत कोणताही आक्षेप घेऊ नये अशी सूचना तुम्ही त्यांना करावी.

### १३.३९ मतदाराच्या पात्रतेबाबत आक्षेप न घेणे :

१३.३९.१ चिन्हांकित मतदार यादीच्या प्रतीमध्ये जिचे नाव आहे अशा प्रत्येक व्यक्तीस निवडणुकीच्या वेळी मतदान करण्याचा हक्क आहे. अशा व्यक्तीच्या ओळखीसंबंधी जोपर्यंत कोणताही आक्षेप घेण्यात येत नाही तोपर्यंत, मतदार म्हणून नोंद केलेल्या अशा व्यक्तीच्या पात्रतेसंबंधी मतदान केंद्रामधील मतदान प्रतिनिधीना मतदान केंद्राध्यक्षासमोर कोणताही प्रश्न उपस्थित करता येणार नाही.

### १३.४० अल्पवयीन मतदारांकडून होणाऱ्या मतदानाबाबत घ्यावयाची सावधगिरी :

- १३.४०.१ वर नमूद करण्यात आल्याप्रमाणे, ज्या व्यक्तीचे नाव मतदार यादीमध्ये समाविष्ट असेल अशा व्यक्तीच्या मतदार म्हणून असलेल्या पात्रतेसंबंधी मतदान केंद्रातील मतदान केंद्राध्यक्षांना आक्षेप घेता येणार नाही किंवा त्याबाबत चौकशी करता येणार नाही. तथापि, मतदान केंद्राध्यक्षांचे मतदाराच्या ओळखीसंबंधी तसेच त्याचे नाव मतदाराच्या यादीत समाविष्ट असल्याबद्दल प्रथमदर्शनी समाधान झाले असेल परंतु, अशा व्यक्तीचे वय मतदानाच्या किमान वयापेक्षा कमी आहे असे मतदान केंद्राध्यक्षाला वाटत असेल तर, संबंधित व्यक्तीकडून तिची वयासंबंधी विहित नमुन्यामध्ये प्रतिज्ञापन घेण्याचे आदेश निवडणूक आयोगाने मतदान केंद्राध्यक्षाला दिले आहेत. अशा मतदाराकडून प्रतिज्ञापन भरून घेण्यापूर्वी, मतदान केंद्राध्यक्ष, मतदाराच्या यादीमध्ये त्याचे नाव समाविष्ट करण्यासंबंधी खोटे प्रतिज्ञापन करण्याबाबत लोकप्रतिनिधी अधिनियम, १९५० याच्या कलम ३१ मधील दंडात्मक असलेल्या तरतुदींची त्यास माहिती देईल.
- १३.४०.२ ज्या मतदारांची नावे मतदार यादीमध्ये समाविष्ट करण्यात आली आहेत, परंतु, ज्या मतदारांचे वय मतदानासाठी विहित करण्यात आलेल्या वयापेक्षा कमी असल्याचे दिसत असेल अशा मतदारांची प्रकरणे मतदान प्रतिनिधींना मतदान केंद्राध्यक्षांच्या निदर्शनास आणून देता येतील. त्यामुळे मतदान केंद्राध्यक्षाला अशा वर नमूद केलेल्या मतदारांच्या बाबतीत कार्यवाही करता येईल.

### १३.४१ बदली व्यक्तीद्वारे मतदान :

#### वर्गीकृत सेवेतील मतदार—

- १३.४१.१ डाकेने मतदान करण्यासाठी पर्याय म्हणून, सशस्त्र दलातील, मतदार व सेना अधिनियम, १९५० च्या तरतुदी ज्या दलाला लागू होतात त्या दलातील सदस्य यांच्यासाठी बदली व्यक्तीद्वारे किंवा डाक मतपत्रिकेद्वारे मतदान करण्याच्या सुविधेची तरतूद करण्यात आली आहे. बदली व्यक्तीद्वारे मतदान करण्याचा पर्याय असलेल्या सेनादलातील मतदारांना “वर्गीकृत सेवेतील मतदार” अशा प्रवर्गात ठेवण्यात आले आहे. या वर्गीकृत सेवेतील मतदारांनी त्यांची बदली व्यक्ती म्हणून, संबंधित मतदार संघात समाविष्ट होणाऱ्या क्षेत्रात राहणाऱ्या व्यक्तीस नेमण्याची आवश्यकता आहे. ही बदली व्यक्ती किमान १८ वर्षे वयाची असावी व मतदार म्हणून नोंदणी करण्यास अनर्ह नसावी. ही नेमणूक नमुना १३ फ मध्ये करण्यात येईल. एकदा नेमणूक केल्यावर ती नेमणूक सेवा मतदार म्हणून नेमणूक सुरू असेपर्यंत किंवा ती नेमणूक रद्द करेपर्यंत किंवा बदली व्यक्तीचा मृत्यू होई तोपर्यंत भविष्यातील सर्व निवडणुकीसाठी विधिग्राह्य असेल. वर्गीकृत सेवेतील मतदारास, ही नेमणूक रद्द करण्याचा व पूर्वीच्या बदली व्यक्तीचा मृत्यू झाल्यास किंवा इतर कारणासाठी नवीन बदली व्यक्तीची नेमणूक करण्याचा पर्याय असेल. ही नेमणूक, नव्याने समाविष्ट करण्यात आलेल्या नमुना १३ ग मध्ये करण्यात यावी.
- १३.४१.२ वर्गीकृत सेवेतील मतदाराकडून नेमणुकीची सूचना प्राप्त झाल्यानंतर, निवडणूक निर्णय अधिकारी, मतदार यादीच्या शेवटच्या भागात मतदाराने त्याच्यावतीने मतदान करण्यासाठी बदली व्यक्तीची नेमणूक केली आहे, असा निर्देश करून सेवा मतदाराच्या समोर “सीएसव्ही” अशा अक्षरांचे चिन्ह करील. पुढील लगतच्या निवडणुकीच्या वेळी बदली व्यक्तीने करावयाच्या मतदानाची सुविधा वापरण्यासाठी त्या निवडणुकीच्या वेळी बदली व्यक्तीच्या नेमणुकीची सूचना नामनिर्देशन करण्याच्या शेवटच्या तारखेपर्यंत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे पोहोचली पाहिजे. निवडणूक निर्णय अधिकारी ही वर्गीकृत सेवेतील मतदारांची व त्यांच्या बदली व्यक्तीची, आयोगाने विनिर्दिष्ट केलेल्या रीतीने व नमुन्यात त्यांच्या संपूर्ण पत्त्यासह स्वतंत्र यादी ठेवील. नामनिर्देशन करण्याच्या शेवटच्या तारखेनंतर, निवडणूक निर्णय अधिकारी सर्व वर्गीकृत सेवेतील उमेदवार व त्यांच्या बदली व्यक्ती यांच्या मतदान केंद्र निहाय उप याद्या तयार करील. ही उपयाद्या संबंधित मतदान केंद्रांशी संबंधित मतदार यादीच्या शेवटच्या भागात जोडील आणि उपयादीसह मतदार यादीचा हा भाग मतदान केंद्रासाठी मतदार यादीची चिन्हांकित प्रत असेल.
- १३.४१.३ त्या मतदान केंद्रावर नेमून दिलेला इतर कोणताही मतदार ज्या पद्धतीने मतदान करील त्याच पद्धतीने बदली व्यक्ती वर्गीकृत सेवेतील मतदाराला नेमून दिलेल्या मतदान केंद्रावर, वर्गीकृत सेवेतील मतदाराच्या वतीने मत नोंदवील. नियम ३७ अन्वये, बदली व्यक्तीच्या बाबतीत, पक्क्या शाईचे चिन्ह, बदली व्यक्तीच्या डाव्या हाताच्या मधल्या

बोटावर करण्यात येईल. ह्याची नोंद घेता येईल. या बदली व्यक्तीला जर त्या व्यक्तीचे नाव मतदार संघातील नोंदणीकृत मतदार म्हणून असेल तर, सर्वसाधारणपणे नेमून दिलेल्या मतदान केंद्रावर तिच्या स्वतःच्या मतदानाव्यतिरिक्त, वर्गीकृत सेवेतील मतदाराच्या वतीने मतदान करण्याचा हक्क असेल.

१३.४१.४ ज्याने बदली व्यक्तीची नेमणूक केली आहे अशा वर्गीकृत सेवेतील मतदारास डाक मतपत्रिका देण्यात येणार नाही.

### १३.४२ अंध किंवा दिव्यांग मतदारांकडून मतदान :

१३.४२.१ अंधत्वामुळे किंवा इतर शारीरिक विकलांगतेमुळे एखादा मतदार दुसऱ्याचे सहाय्य घेतल्याशिवाय मतपत्रिकेवरील निशाण्या ओळखू शकत नाही किंवा त्यांचे मत मतपत्रिकेवर नोंदवू शकत नाही, याविषयी मतदान केंद्राध्यक्षाची खात्री होईल तर, मतदान केंद्राध्यक्ष, त्या मतदाराला, त्याच्या वतीने व त्याच्या इच्छेप्रमाणे मत नोंदवण्यासाठी १८ वर्षपेक्षा कमी वय नसलेल्या एखाद्या प्रौढ सोबत्याला मतदान कक्षात त्याच्याबरोबर नेण्याची परवानगी देईल. परंतु मतदाराच्या वतीने मत नोंदवण्याकरिता त्याला सोबत्याची मदत देण्यासाठी मतदारांची निरक्षरता हे कारण पुरेसे असणार नाही. अंध व्यक्तींच्या सोयीसाठी प्रत्येक निवडणूक लढविण्याच्या उमेदवाराकरिता निळ्या बटणाच्या वरच्या बाजूला मतदान युनिटवर ब्रेल लिपितील संख्या ( १ ते १६ ) देण्यात आलेली आहे.

१३.४२.२ ज्यांना ईव्हीएमच्या मतदान युनिटवर आपल्या पसंतीच्या उमेदवाराचे बटण दाबून स्वतः मतदान करणे शक्य आहे अशा दिव्यांग मतदारांना मतदान कक्षात न जाता केवळ मतदान कक्षापर्यंत अधिकृत सोबतीने नेण्याची परवानगी द्यावी. जिथे शारीरिक अशक्तपणाचे (रुग्णाचे) स्वरूप असे आहे की, मदतीशिवाय मतदाराला हालचाल करणे शक्य नसल्यास हे लागू होईल आणि हे मतदानासाठी नाही. अशा प्रकरणात मतदान केंद्राध्यक्ष निर्णय घेईल.

१३.४२.३ मतदान कर्मचारी वर्गापैकी कोणीही अंध मतदाराचा सोबती म्हणून कोणत्याही परिस्थितीत त्याच्या वतीने मत नोंदविणार नाही.

१३.४२.४ एखाद्या उमेदवाराला, त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीला किंवा मतदान प्रतिनिधीला अंध किंवा दिव्यांग मतदाराचा सोबती म्हणून काम करता येईल ( मात्र त्याचे वय १८ वर्षपेक्षा कमी नसावे ). परंतु, त्या दिवशी केवळ एकाच मतदाराचा सोबती म्हणून त्यास काम करता येईल. असा सोबती म्हणून काम करणाऱ्या व्यक्तीला, मतदाराच्या वतीने तिने नोंदलेले मत ती गुप्त ठेवील व त्या दिवशी तिने कोणत्याही मतदान केंद्रावर इतर कोणत्याही मतदाराचा सोबती म्हणून यापूर्वी काम केलेले नाही अशा अर्थाचे विहित नमुन्यामध्ये प्रतिज्ञापन करणे आवश्यक असेल.

१३.४२.५ नियम ४९ ढ, च्या उप-नियम ( १ ) च्या पहिल्या परंतुकानुसार एक व्यक्ती, एकापेक्षा अधिक मतदाराचा सोबती म्हणून काम करू शकत नाही. ह्या तरतुदींचे पालन करण्याची सुनिश्चिती करण्यासाठी, मतदान कर्मचारीवर्गाच्या सोयीकरिता, पक्की शाई ही, त्याच्या सोबत्याला देखील लावण्यात येईल. पक्की शाई सोबत्याच्या उजव्या तर्जनीवर लावण्यात येईल. अशा प्रकरणांमध्ये, विद्यमान तरतुदीनुसार मतदाराच्या डाव्या तर्जनीवर शाईची खूण करणे सुरू राहिल.

१३.४२.६ मतदान कक्षामध्ये, मतदाराच्या सोबत्यासह त्याला आत येण्याची परवानगी देण्यापूर्वी, पक्क्या शाईची अगोदर खूण केलेली नाही याची सुनिश्चिती करण्याची सोबत्याची उजवी तर्जनी तपासावी. जर अशी खूण अगोदरच केली असल्याचे आढळून आले तर, नियम, ४९ ढ च्या नियम प्रयोजनासाठी अशा व्यक्तीस सोबती म्हणून परवानगी दिली जाऊ शकत नाही.

१३.४२.७ कोणत्याही व्यक्तीला, मतदाराचा सोबती म्हणून काम करण्याची परवानगी देण्यापूर्वी मतदाराच्या वतीने त्याने नोंदविलेले मत तो गुप्त ठेवील आणि त्याने त्या दिवशी इतर कोणत्याही मतदान केंद्रावर इतर कोणत्याही मतदाराचा सोबती म्हणून अगोदरच काम केलेले नाही हे त्याने घोषित करण्याची आवश्यकता असेल. मतदान केंद्राध्यक्षाकडून विहित नमुन्यातील सोबत्याचे घोषणापत्र घेण्यात येईल.

१३.४२.८ नियम ४९ ढ च्या उप-नियम २ मध्ये अशी तरतूद केली आहे की, मतदान केंद्राध्यक्ष हा मतदारांनी सोबत्याच्या सहाय्याने मतदान केले आहे- अशा प्रकरणांची नोंद नमुना १४ अ मध्ये घेईल. जेथे मतदाराला मत देताना सहाय्य करण्यासाठी सोबत्याला त्याच्या सोबत मतदान कक्षामध्ये जाण्याची परवानगी दिलेली आहे अशा सर्व प्रकरणांचा

यामध्ये समावेश करावा. जेथे सोबती हे केवळ मतदाराला त्याला हालचाल करण्यामध्ये सहाय्य करण्यासाठी येतात आणि ते मतदान कक्षामध्ये जात नाहीत अशी प्रकरणे नमुना-१४-अ मध्ये समाविष्ट केली जाणार नाहीत.

### १३.४३ प्रदत्त मते :

१३.४३.१ अमुक एक विशिष्ट मतदार म्हणून एखादी इतर व्यक्ती अगोदरच अशी मतदार म्हणून मतदान करून गेल्यावर आणखी एखादी दुसरी व्यक्ती आपणच तो मतदार आहोत असा दावा करून मतदान करण्यास येईल असे घडण्याची शक्यता आहे. अशा बाबतीत, त्या मतदारास आवश्यक ते प्रश्न विचारल्या नंतर, अशी व्यक्ती खरोखरीच मतदार आहे अशी त्या मतदाराच्या ओळखीबाबत मतदान केंद्राध्यक्षांची खात्री होईल तर, मतदान केंद्राध्यक्ष प्रदत्त मतपत्रिकेद्वारे त्याला मतदान करण्यास परवानगी देईल. परंतु मतदान यंत्राद्वारे नव्हे. त्या प्रयोजनासाठी मतदान केंद्राध्यक्ष प्रदत्त मताच्या यादीत (निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ या सोबतचा नमुना-१७-ब) आवश्यक ती नोंद घेईल व तीवर मतदाराची सही किंवा त्याच्या अंगठ्याचा ठसा घेईल. मतदारास मतदानयंत्राच्या मतदान युनिटावर लावण्यात आलेल्या मतपत्रिकेसारखीच एक सर्वसाधारण मतपत्रिका देण्यात येईल व अशा प्रत्येक मतपत्रिकेच्या मागच्या बाजूवर व तिच्या स्थळप्रतीवर मतदान केंद्राध्यक्षाकडून “ प्रदत्त मतपत्रिका ” असा मजकूर लिहिण्यात येईल किंवा तसा शिक्का मारण्यात येईल. परंपरागत मतदान पद्धतीमध्ये मतपत्रिकांवर खूण करण्यासाठी वापरण्यात येणाऱ्या बाणफुलीचा रबरी शिक्का मारून मतदार प्रदत्त मतपत्रिकेवर त्याचे मत नोंदवील. अशा प्रदत्त मतपत्रिकेवर मतदान कक्षामध्ये मतदाराकडून खूण करण्यात आल्यावर व मतपत्रिकेची घडी घालण्यात आल्यावर अशी मतपत्रिका मतपेटीत न टाकता खास करून त्या प्रयोजनासाठी देण्यात आलेल्या वेगळ्या लिफाफ्यात मतदान केंद्राध्यक्षाकडून ठेवण्यात येईल.

### १३.४४ मतदान न करण्याचे ठरवलेले मतदार :

१३.४४.१ एखाद्या मतदाराने मतदार नोंदवहीत ( नमुना-१७-अ ) त्याचा मतदार यादी क्रमांक यथोचित लिहून झाल्यावर आणि त्या नोंदवहीत त्याची सही/अंगठ्याचा ठसा उमटविल्यावर मत न देण्याचे ठरविले तर, त्याच्यावर मत देण्यासाठी दडपण आणू नये किंवा सक्ती करू नये. मतदान केंद्राध्यक्षाने नोंदवहीमधील त्याच्याशी संबंधित नोंदीपुढे शेऱ्याच्या स्तंभात त्याने “ मतदान करण्याचे नाकारले ” असा शेरा लिहावा आणि नियम ४९-ण अन्वये त्यावर त्या उमेदवाराची सही किंवा अंगठ्याचा ठसा घ्यावा. मतदार नोंदवहीच्या स्तंभ ( १ ) मधील त्याच्या किंवा त्याच्या नंतरच्या मतदाराच्या अनुक्रमांकामध्ये कोणताही बदल करण्याची आवश्यकता नाही.

१३.४४.२ मतदाराला मतदान युनिटवर मतदान करू देण्यासाठी नियंत्रण युनिटवरील “ बॅलट ” बटण दाबण्यात आले असेल आणि त्या मतदाराने मत देण्याचे नाकारले असेल तर, नियंत्रण युनिटाचा जो कोणी प्रभारी असेल त्या मतदान केंद्राध्यक्षाने/तिसऱ्या मतदान अधिकार्याने पुढच्या मतदाराला त्याचे मत नोंदविण्यासाठी सरळ मतदान कक्षाकडे जाण्याचा किंवा नियंत्रण युनिटाच्या मागच्या कक्षातील “ पावर ” स्विच “ बंद ” करण्याचा निदेश द्यावा, नंतर ते “ चालू ” करण्यासाठी “ बॅलट ” बटण दाबावे आणि पुढच्या मतदाराला त्याचे मत नोंदविण्यासाठी मतदान कक्षाकडे जाण्याचा निदेश द्यावा. जर मतदान युनिटवर मतदान करू देण्यासाठी नियंत्रण युनिटवरील “ बॅलट ” बटण दाबण्यात आले असेल आणि शेवटच्या मतदाराने मत देण्याचे नाकारले असेल तर, नियंत्रण युनिटाचा जो कोणी प्रभारी असेल तो मतदान केंद्राध्यक्ष/तिसरा मतदान अधिकारी नियंत्रण युनिटाच्या मागच्या कक्षातील “ पावर ” स्विच “ बंद ” करील आणि व्हीव्हीपॅट व मतदान युनिट ( युनिटे ) नियंत्रण युनिटापासून खंडित करील. व्हीव्हीपॅट व मतदान युनिट ( युनिटे ) नियंत्रण युनिटापासून खंडित केल्यानंतर “ पावर ” स्विच पुन्हा “ चालू ” करावे. आता “ बीझी ” ( Busy ) दिवा विझेल आणि मतदान बंद करण्यासाठी “ क्लोज ” बटण कार्यशील होईल.

१३.४४.३ ज्यांना कोणत्याही उमेदवाराला मत देण्याची इच्छा नाही असे मतदार त्यांच्या निर्णयाच्या गुप्ततेचा भंग न करता कोणत्याही उमेदवाराला मत न देण्याचा त्यांच्या हक्काचा वापर करू शकतात. मतदान पॅनेलमध्ये “ वरीलपैकी कोणीही नाही ” असे शब्द लिहिलेले आणि नोटा चिन्ह असलेले मतदान पॅनेल, मत देण्यासाठी उपलब्ध असेल.

### १३.४५ मतदानाच्या गुप्ततेचा भंग :

१३.४५.१ मत नोंदविण्यास परवानगी देण्यात आलेल्या प्रत्येक मतदाराने, मतदान केंद्रात मतदानाची गुप्तता राखणे आणि विहित मतदान प्रक्रियेचे पालन करणे आवश्यक आहे. जर कोणताही मतदार, त्याला मतदान केंद्राध्यक्षाने ताकीद दिल्यानंतर, मतदानाची गुप्तता राखण्यास आणि मतदान प्रक्रियेचे पालन करण्यास नकार देईल तर, त्याला केंद्राध्यक्ष किंवा त्याच्या निदेशान्वये मतदान अधिकारी मतदान करू देणार नाही. अशा मतदाराला दिलेली मतदार चिठ्ठी त्याच्याकडून परत घेण्यात येईल. अशा वेळी मतदान केंद्राध्यक्ष मतदाराच्या नोंदवहीमध्ये “ मतदान करू दिले नाही – मतदान प्रक्रियेचा भंग ” असा शेरालिहून त्याखाली त्याची स्वतःची सही करील. तथापि, मतदार नोंदवहीच्या स्तंभ १ मधील त्या मतदाराच्या किंवा नंतरच्या मतदारांच्या अनुक्रमांकात कोणताही बदल करण्याची आवश्यकता असणार नाही.

### १३.४६ पेपर ट्रेल वर मुद्रित केलेल्या तपशीलाबद्दल तक्रार असल्यास त्याबाबतची कार्यपद्धती :

१३.४६.१ जर मतदाराने त्याचे मत दिल्यानंतर असे अभिकथन केले की, ज्या उमेदवाराला त्याने मत दिले असेल त्याव्यतिरिक्त दुसऱ्या उमेदवाराचे नाव व चिन्ह व्हीव्हीपॅट द्वारे मुद्रित झालेल्या कागदी चिठ्ठीवर दर्शविले असेल तर, चुकीचे अभिकथन केल्याच्या परिणामांविषयी मतदाराला ताकीद दिल्यानंतर, मतदान केंद्राध्यक्ष, अभिकथनाविषयी मतदाराकडून लेखी घोषणापत्र घेईल. जर मतदाराने लेखी घोषणापत्र दिले असेल तर, मतदान केंद्राध्यक्ष, त्या मतदाराच्या संबंधातील दुसरी नोंद नमुना-१७-अ मध्ये करील आणि त्याच्या उपस्थितीत आणि मतदान केंद्रावर उपस्थित असलेल्या उमेदवारांच्या किंवा मतदान प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत मतदाराला ईव्हीएम वर चाचणी मत देण्याची परवानगी देईल. आणि व्हीव्हीपॅट द्वारे मुद्रित झालेल्या कागदी चिठ्ठीचे निरीक्षण करील. जर, अभिकथन खरे असल्याचे आढळून आले तर, मतदान केंद्राध्यक्ष निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला तात्काळ ही वस्तुस्थिती कळवील, त्या ईव्हीएम मध्ये आणखी मतदान करण्यास थांबवील आणि निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांकडून दिल्या जाणाऱ्या निदेशांप्रमाणे कृती करील. तथापि, जर अभिकथन खोटे असल्याचे आणि मतदाराने दिलेले चाचणी मत अशा प्रकारे मुद्रित झालेल्या कागदी चिठ्ठी बरोबर जुळल्याचे आढळून आले असेल तर, मतदान केंद्राध्यक्ष :-

- अ. ज्याला असे चाचणी मत देण्यात आले आहे त्या उमेदवाराचा अनुक्रमांक व नाव नमूद करून नमुना-१७-अ मध्ये त्या उमेदवाराच्या संबंधातील दुसऱ्या नोंदीसमोर तशा आशयाचा शेरालिहील ;
- ब. अशा शेर्याच्या समोर मतदाराची स्वाक्षरी अथवा अंगठ्याचा ठसा घेईल ;
- क. नमुना-१७-क ( जोडपत्र-१२ ) च्या भाग एक मधील बाब ५ मध्ये अशा चाचणी मताच्या संबंधित आवश्यक नोंदी करील.

### १३.४७ मतदान चालू असताना मतदान केंद्राध्यक्ष (आणि इतर अधिकारी) यांच्या मतदान कक्षातील प्रवेशावर निर्बंध :

१३.४७.१ काही वेळा मतदान केंद्राध्यक्षास मतदान कक्षातील मतदान युनिट व व्हीव्हीपॅट व्यवस्थितपणे कार्य करत नाही किंवा मतदान कक्षात प्रवेश केलेला मतदार मतदान युनिटमध्ये/व्हीव्हीपॅटमध्ये गैरफेर करित आहे किंवा अन्यथा त्यामध्ये हस्तक्षेप करत आहे किंवा मतदान कक्षात अवाजवी विलंब लावत आहे असा संशय येईल किंवा असा संशय घेण्यास पुरेसे कारण असेल अशा बाबतीत मतदान युनिटमध्ये/व्हीव्हीपॅटमध्ये कोणत्याही प्रकारचा गैरफेर झालेला नाही किंवा कोणताही हस्तक्षेप झालेला नाही आणि निवडणुकीची प्रक्रिया सुरळीतपणे व व्यवस्थितपणे चालू आहे हे सुनिश्चित करून घेण्यासाठी मतदान कक्षात प्रवेश करण्याचा आणि आवश्यक वाटतील ती पावले उचलण्याचा अधिकार नियम ४९ थ अन्वये मतदान केंद्राध्यक्षाला देण्यात आला आहे.

१३.४७.२ मतदाराने चिन्ह/नावे/बॅलट बटण यावर कोणताही कागद, पट्टी, इत्यादी चिकटवून कोणतेही अपकृत्य केलेले नाही याची खात्री करण्यासाठी, मतदान केंद्राध्यक्षास, वेळोवेळी मतदान युनिटाची (बी.यू.) व व्हीव्हीपॅटची तपासणी करता येईल. परंतु, त्याने अशी तपासणी मतदान कक्षात कोणताही मतदार नसेल तेव्हा मतदान प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत केली पाहिजे.



### १३.४८ मतदान समाप्त होताना उपस्थित असलेल्या व्यक्तींचे मतदान

१३.४८.१ मतदान केंद्राध्यक्ष, मतदानासाठी नेमून दिलेल्या वेळेनंतर मतदान केंद्र बंद करील आणि त्यानंतर तो मतदान केंद्रामध्ये कोणत्याही मतदाराला प्रवेश देणार नाही. परंतु, मतदान केंद्र बंद होण्यापूर्वी मतदान केंद्राच्या ठिकाणी उपस्थित असलेल्या सर्व मतदारांचे मतदान पूर्ण होईपर्यंत मतदानासाठी नेमून दिलेली वेळ संपल्यानंतरदेखील असे मतदान चालू ठेविले. वरील प्रयोजनाकरिता, मतदान केंद्राध्यक्ष, रांगेमध्ये उभ्या असलेल्या व मतदानासाठी नेमून दिलेल्या अखेरच्या वेळेस मत देण्यास उभ्या असलेल्या सर्व मतदारांना त्याने पूर्ण सहा केलेल्या अनुक्रमांक १ पासून पुढील अनुक्रमांक असलेल्या चिठ्ठ्या वाटून देईल. त्यानंतर, कोणत्याही व्यक्तीला तो रांगेमध्ये येण्याची परवानगी देणार नाही आणि याची खात्री होण्याकरिता त्यास रांगेतील अगदी शेवटच्या मतदारापासून वरीलप्रमाणे चिठ्ठ्या देण्यास प्रारंभ करील व उलट दिशेने रांगेतील पहिल्या मतदारापर्यंत येईल.

### १३.४९ मतदान समाप्ती

१३.४९.१ मतदान केंद्राध्यक्षाने, शेवटचा मतदार, आपले मत नोंदवून गेल्यानंतर, मतदान समाप्त करण्यासाठी नियंत्रण युनिटावरील “ क्लोज ” बटण दाबील, जेणेकरून त्या यंत्रात त्यानंतर कोणत्याही मताची नोंद करणे शक्य होणार नाही यासाठी मतदान केंद्राध्यक्षाने, नियंत्रण युनिटाचा पॉवर स्वीच “ ऑफ ” (OFF) या स्थितीत आणावा व नियंत्रण विभागापासून मतदान युनिट (युनिटे) व व्हीव्हीपॅट अलग करावे आणि नियंत्रण विभागातील “ क्लोज ” (Close) बटन दाबावे. “ क्लोज ” (Close) चे बटण दाबल्यावर, नियंत्रण विभागाच्या दर्शनी पटावर मतदान बंद झाले (Poll Closed) असे दर्शविले जाईल. आता हे मतदान यंत्र पुढे कोणतेही मत स्वीकारणार नाही.

१३.४९.२ मतदान केंद्राध्यक्षाने मतदान यंत्रात नोंदल्या गेलेल्या मतांची एकूण संख्या ताबडतोब, “ नोंदलेल्या मतांच्या हिशोबाच्या ” नमुना १७-क मध्ये नोंदवावी.

१३.४९.३ मतदान समाप्ती होताना मतदान केंद्राध्यक्षाने एकदा क्लोज (Close) बटन दाबल्यानंतर, आणखी मतदान करता येणार नाही.

१३.४९.४ मतदान समाप्त झाल्यानंतर, मतदान केंद्राध्यक्ष असे स्वाक्षरीसह निवेदन देईल की, मतदार नोंदवहीतील (नमुना १७-अ) शेवटच्या मतदाराचे नाव (मतदाराचा अनुक्रमांक दर्शवून लाल रेषा आखून तो शेवटचा मतदार असल्याचे दर्शविले व मतदान प्रतिनिधींची तशी इच्छा असल्यास तो, त्यांना त्यावर स्वाक्षरी करण्यास अनुमती देईल.

### १३.५० मतदान केंद्राध्यक्षानी नोंदलेल्या मतांच्या हिशोबाची प्रत (नमुना १७-क) सादर करणे

१३.५०.१ निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ याच्या नियम ४९ ध मध्ये अशी तरतूद केली आहे की, मतदान केंद्राध्यक्षाने मतदानाच्या समाप्तीनंतर विहित केलेल्या नमुना १७-क मध्ये मतदान यंत्रामध्ये नोंदवलेल्या मतांचा हिशोब तयार केला पाहिजे. तसेच, मतदान केंद्राध्यक्षाने मतदान समाप्त झाल्यानंतर तेथे उपस्थित असलेल्या प्रत्येक मतदान प्रतिनिधीला तयार केलेल्या हिशोबाची एक साक्षांकित प्रत, त्याबद्दल त्याच्याकडून पोचपावती घेऊन देणे वरील नियमान्वये आवश्यक आहे. मतदान प्रतिनिधीनांही मतमोजणीच्या वेळी त्यांच्या उमेदवारांसाठी उक्त हिशोबाची प्रत आवश्यक असल्याने, त्यांनीही मतदान केंद्राध्यक्षाकडून अशी प्रत घेतल्याची खात्री करून घ्यावी. मतदान केंद्राध्यक्षांकडून हिशोबाची उक्त प्रत मिळाल्यानंतर प्रत्येक मतदान प्रतिनिधीने मतदान समाप्तीच्या वेळेस निवडणूक आयोगाकडून विहित केलेल्या (जोडपत्र १६ - भाग - तीन) प्रतिज्ञापनाच्या नमुन्यावर सही करावी. जर एखाद्या मतदान प्रतिनिधीने हिशोबाची उक्त प्रत स्वीकारण्यास नकार दिल्यास, मतदान केंद्राध्यक्षाने उक्त प्रतिज्ञापनावर अशा मतदान प्रतिनिधीचे नाव लिहून ठेवावे.

### १३.५१ मतदान समाप्तीनंतर मतदानयंत्र व व्हीव्हीपॅट मोहोरबंद करणे

१३.५१.१ मतदान समाप्त झाल्यानंतर आणि मतदानयंत्रात नोंदविल्या गेलेल्या मतांचा हिशोब नमुना १७क मध्ये लिहून ठेवल्यानंतर आणि त्याच्या प्रती उपस्थित मतदान प्रतिनिधींना सादर केल्यानंतर, ती मतदान यंत्रे मतदान केंद्राध्यक्षांकडून मतमोजणी/संकलन केंद्राकडे पाठवण्यासाठी मोहोरबंद व सुरक्षित करण्यात येतील.



- १३.५१.२ मतदान यंत्र मोहोरबंद आणि सुरक्षित करण्यासाठी, नियंत्रण युनिटमधील “ पॉवर स्वीच ” बंद केल्यानंतर मतदान युनिट (युनिटे) व नियंत्रण युनिट व व्हीव्हीपॅट अलग करावीत आणि व्हीव्हीपीएटीची कागदी रीळ बंद स्थितीत (उभी) ठेवावी नियंत्रण युनिट आणि मतदान युनिट (युनिटे) व व्हीव्हीपॅट अनुक्रमे त्या त्या वहन पेट्यांमध्ये ठेवण्यात येतील. मग या वहनपेट्यांना दोन्ही बाजूंनी मतदान केंद्र आणि निवडणूक यांचा तपशील दर्शविणारी पत्ता खूणचिह्नी व मतदान केंद्राध्यक्षाची मोहोर लावून मोहोरबंद केले जाईल.
- १३.५१.३ उमेदवार किंवा त्यांचे उपस्थित असलेले प्रतिनिधी यांना या वहनपेट्यांवर त्यांची मोहोर लावण्याची इच्छा असल्यास त्यांना त्यासाठी परवानगी देण्यात येईल.
- १३.५१.४ ज्या उमेदवारांनी/मतदान प्रतिनिधींनी नियंत्रण युनिट व मतदान युनिट (युनिटे) आणि व्हीव्हीपॅट यांच्या वहनपेट्यांवर आपली मोहोर लावली असेल त्यांची नावे मतदान केंद्राध्यक्षाकडून जोडपत्र -१६ च्या भाग चार अन्वये मतदान समाप्तीच्या वेळी करावयाच्या प्रतिज्ञापनामध्ये नोंदवली जातील.

### १३.५२ निवडणुकविषयक कागदपत्रे मोहोरबंद करणे, त्यावर मतदान प्रतिनिधींनी मोहोर लावणे

- १३.५२.१ मतदान समाप्तीनंतर, मतदान केंद्राध्यक्ष निवडणूक आयोगाच्या नियम व सूचना यांना अनुसरून सर्व निवडणुकविषयक कागदपत्रेही स्वतंत्र लिफाफ्यात मोहोरबंद करील. मतदान केंद्रात उपस्थित असलेल्या मतदान प्रतिनिधींना, मतदान केंद्राध्यक्षाच्या मोहोरव्यतिरिक्त त्यांची देखील स्वतःची मोहोर, पुढील कागदपत्रे असलेल्या लिफाफे व पाकिटावर लावण्याची परवानगी दिली आहे :-
- एक. मतदार यादीची चिन्हांकित प्रत ;  
 दोन. मतदार नोंदवही ;  
 तीन. मतदार चिह्नी ;  
 चार. प्रदत्त मतपत्रिका आणि नमुना १७ ब मधील प्रदत्त मतपत्रिकांची यादी ;  
 पाच. न वापरलेल्या प्रदत्त मतपत्रिका ;  
 सहा. आक्षेपित मतांची यादी ;  
 सात. कोणत्याही, न वापरलेल्या आणि खराब झालेल्या कागदी मोहोरा असल्यास ;  
 आठ. मतदान प्रतिनिधींची नियुक्ती पत्रे ; आणि  
 नऊ. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने मोहोरबंद पाकिटात ठेवण्याचा निर्देश दिला असेल अशी अन्य कोणतीही कागदपत्रे.
- १३.५२.२ मतदान प्रतिनिधींना त्याच्या / तिच्या उमेदवारांच्या हितार्थ निवडणुकविषयक कागदपत्रांच्या वरील पाकिटांवर त्यांची मोहोर लावण्याचा सल्ला देण्यात येत आहे.

### १३.५३ मतदान यंत्र, व्हीव्हीपीएटी व निवडणुकविषयक कागदपत्रे संकलन / साठवण केंद्राकडे पाठवणे

- १३.५३.१ मतदान केंद्राध्यक्षाने मतदानयंत्र, व्हीव्हीपीएटी व सर्व निवडणुकविषयक कागदपत्रे मोहोरबंद करून सुरक्षित केल्यानंतर, तो ते संकलन/साठवण केंद्राकडे सुपूर्द करील किंवा सुपूर्द करण्याची व्यवस्था करील.
- १३.५३.२ मोहोरबंद केलेली इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपीएटी यंत्रे, सुरक्षा नियमांचा काटेकोर अवलंब करून मोहोरबंद निवडणूक दस्तऐवजांसह वाहून नेण्यात यावीत.

### १३.५४ मतदान यंत्रे वाहून नेणाऱ्या वाहनासोबत जाणे

- १३.५४.१ मतदान यंत्र व व्हीव्हीपीएटी आणि निवडणुकविषयक कागदपत्रे संकलन/साठवण केंद्राकडे वाहून नेणाऱ्या, वाहनाबरोबर जाण्याची मतदान प्रतिनिधींना परवानगी द्यावी. पण त्यांच्या जाण्याची परिवहन व्यवस्था त्याला / तिला स्वतंत्रपणे करावी लागेल आणि मतदान यंत्र व निवडणुकविषयक कागदपत्रे वाहून नेणाऱ्या वाहनातून त्याला/ तिला प्रवास करता येणार नाही.

## १३.५५ संकलनकेंद्रात इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र व व्हीव्हीपीएटी आणि इतर साहित्य संकलनाची व्यवस्था करणे.

### मतदान यंत्राची व व्हीव्हीपीएटीची अभिरक्षा

१३.५५.१ एखाद्या मतदार संघातील मतदान पूर्ण झाल्यानंतर, मतदान यंत्र व व्हीव्हीपीएटी साठवणीच्या ठिकाणी नेण्यात येतील व त्या मतमोजणीच्या ठिकाणी नेल्या जाईपर्यंत योग्य पहाऱ्याखाली सुरक्षित अभिरक्षेत ठेवण्यात येतील. मतदान यंत्र व व्हीव्हीपीएटीची मतदान केंद्रामधून जमा करण्यासाठी आणि त्या साठवणीच्या ठिकाणी नेण्यासाठी निवडणूक निर्णय अधिकारी ज्या संकलन पथकांना पाठवील त्यांचा कार्यक्रम व मार्ग तो उमेदवाराला आधीच कळवील. उमेदवाराची इच्छा असल्यास, त्याला / तिला त्याच्या / तिच्या प्रतिनिधींना संकलन पथकांबरोबर जाण्यास सांगता येईल. तथापि, त्यांना शासकीय वाहनातून प्रवास करण्याची परवानगी दिली जाणार नसल्यामुळे त्यांच्या परिवहनासाठी उमेदवारालाच व्यवस्था करावी लागेल. उमेदवाराला हवे असल्यास. जेथे मतदान यंत्रे व व्हीव्हीपीएटी ठेवलेली असतील त्या ठिकाणी लक्ष ठेवण्याकरिता त्याला / तिला एक प्रतिनिधीदेखील तेथे ठेवता येईल, आणि त्या प्रतिनिधीला जेथे मतदान यंत्रे साठवून ठेवलेली असतील त्या इमारतीची दारे व खिडक्या यांवर निवडणूक निर्णय अधिकारी लावेल अशा मोहोरबरोबर त्याची मोहोर लावण्याची मुभा देण्यात येईल. उमेदवार स्वतः किंवा त्याच्या / तिच्या निवडणूक प्रतिनिधीने अशी मोहोर लावली नसल्यास, प्रतिनिधीच्या ओळखीविषयीची पडताळणी करणे शक्य व्हावे म्हणून उमेदवाराने, अशी मोहोर लावणाऱ्या प्रतिनिधीचा संपूर्ण तपशील द्यावा. सर्व मतदान यंत्रे व व्हीव्हीपीएटी आल्यावर आणि ते खोलीत ठेवल्यावर त्या खोलीला कुलूप लावण्यात आल्यानंतर, मतमोजणीसाठी निश्चित केलेल्या दिवसाच्या सकाळपर्यंत कोणालाही आत जाण्याची परवानगी असणार नाही. मध्यंतरीच्या काळात, काही कारणांमुळे खोली उघडायची असेल तर, निवडणूक निर्णय अधिकारी उमेदवारांना तसे कळवून त्यांच्या उपस्थितीत खोली उघडली व ज्यासाठी खोली उघडली ते काम पूर्ण झाल्यानंतर ताबडतोब उमेदवारांना किंवा त्यांच्या प्रतिनिधींना पुन्हा दारांवर व खिडक्यांवर मोहोर लावण्याची मुभा देण्यात येईल. खोलीत प्रवेश करणाऱ्या व्यक्ती, भेटीचे प्रयोजन, प्रवेश करण्याची वेळ, बाहेर पडण्याची वेळ, इत्यादींचा पूर्ण अभिलेख उपलब्ध व्हावा म्हणून एक रोजवही देखील ठेवण्यात येईल. संपूर्ण प्रक्रियेचे ध्वनिचित्रमुद्रण करण्यात येईल आणि कार्यवाही करून त्यावर उमेदवार/ त्यांचे प्रतिनिधी यांची यथोचित स्वाक्षरी घेतली जाईल.

## १३.५६ तहकूब मतदान

१३.५६.१ मतदान केंद्राच्या ठिकाणी दंगा किंवा अनिर्बंध हिंसाचार चालू असेल किंवा जबरदस्त वादळ, मुसळधार हिमवृष्टी किंवा तत्सम नैसर्गिक आपत्ती ओढवलेली असेल किंवा एखादे इतर पुरेसे कारण असेल तर, मतदान केंद्राध्यक्ष कलम ५७ च्या पोट-कलम (१) च्या तरतुदीनुसार मतदान तहकूब करील. पावसाची हलकीशी सर किंवा सोसाट्याचा वारा हे, मतदान स्थगित करण्यासाठी पुरेसे कारण ठरणार नाही. तथापि, आयोगाने असे ठरविले आहे की, जेथे दोन तासांपर्यंत मतदान सुरू होऊ शकले नसेल अशा सर्व मतदान केंद्रांचे मतदान तहकूब करण्याचे आदेश देण्यात यावेत. स्थगित मतदान, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने निवडणूक आयोगाच्या पूर्वमान्यतेने निश्चित करावयाच्या तारखेला, वेळी व ठिकाणी घेण्यात येईल. स्थगित मतदान पूर्ण करण्यात येईपर्यंत त्या मतदारसंघातील मतमोजणी सुरू करण्यात येणार नाही.

१३.५६.२ एखाद्या मतदान केंद्रातील मतदान स्थगित करण्यात आलेले असेल अशा बाबतीत मतदान जेव्हा स्थगित करण्यात आलेले असेल त्याच्या लागतपूर्वी ते ज्या टप्यावर होते त्याच टप्यावरून ते सुरू करण्यात येईल, म्हणजेच मतदान स्थगित होण्यापूर्वी ज्या मतदारांनी मतदान केलेले नव्हते त्यांनाच केवळ मतदान करण्याची परवानगी असेल. तहकूब केलेले मतदान ज्या मतदान केंद्रावरील असेल त्या केंद्राच्या मतदान केंद्राध्यक्षांना (एक) मतदार यादीची चिन्हांकित प्रत, आणि (दोन) ज्या मतदान केंद्रावरील मतदान तहकूब करण्यात आले होते त्या मतदान केंद्राच्या अगोदरच्या मतदान केंद्राध्यक्षांकडून मिळालेल्या मतदार नोंदवह्या यांची मोहोरबंद पाकिटे आणि त्याचप्रमाणे नवीन मतदान यंत्र देण्यात येईल.

१५.५६.३ मतदानास प्रारंभ होण्यापूर्वी, मतदार यादीची चिन्हांकित प्रत आणि मतदार नोंदवही असलेली मोहोरबंद पाकीटे मतदान केंद्रावर उपस्थित असलेल्या उमेदवाराच्या किंवा त्याच्या प्रतिनिधीच्या उपस्थितीत मतदान केंद्राध्यक्षांकडून पुनः उघडण्यात येतील आणि तीच चिन्हांकित प्रत आणि मतदार नोंदवही तहकूब मतदानासाठी वापरली जाईल.

१५.५६.४ नियम २८ आणि ४९-क ते ४९-फ यांच्या तरतुदी, मतदान स्थगित होण्यापूर्वी जशा लागू होत होत्या तशाच त्या स्थगित मतदान घेण्याच्या बाबतीतही लागू होतील.

### १३.५७ नव्याने मतदान घेणे

१३.५७.१ जर एखाद्या मतदान केंद्रावर वापरलेले कोणतेही मतदान यंत्र,—

एक. एखाद्या अनधिकृत व्यक्तीने बेकायदेशीररीत्या पळवून नेले असेल ; किंवा

दोन. अकस्मात किंवा हेतूपुरस्सर नष्ट करण्यात आले असेल किंवा गहाळ झाले असेल किंवा त्यास हानी पोहोचली असेल किंवा त्यात गैरफेर झाला असेल आणि त्या कारणामुळे त्या मतदान केंद्रावरील मतदानाचा निकाल निश्चित करता येणार नाही याविषयी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याची खात्री झाली असेल ; किंवा

तीन. ज्यामुळे मतदानास बाध येण्याचा संभव आहे अशी कार्यपद्धतीतील कोणतीही चूक किंवा नियमबाह्य गोष्ट मतदान केंद्रावर घडली असेल ;

तर, निवडणूक निर्णय अधिकारी ती वस्तुस्थिती निवडणूक आयोगास आणि राज्याच्या मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्यास कळवील.

१३.५७.२ आयोग, सर्व महत्त्वाची परिस्थिती विशेष विचारात घेतल्यानंतर, आवश्यक असेल तर,—

एक. त्या मतदान केंद्रावरील मतदान रद्दबातल म्हणून घोषित करील ; आणि

दोन. रीतसरपणे, नव्याने मतदान घेण्यासाठी तारीख व वेळ निश्चित करून ती अधिसूचित करील.

१३.५७.३ आयोगाकडून सूचना मिळाल्यावर, निवडणूक निर्णय अधिकारी, निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांना किंवा त्यांच्या निवडणूक प्रतिनिधींना नव्याने मतदान घेण्यासाठी निश्चित केलेली तारीख, वेळ आणि ठिकाण कळवील, आणि आपल्या सूचनाफलकावर एक सूचना लावून त्यात, अशा रीतीने निश्चित केलेली दिनांक व वेळ अधिसूचित करील. त्याचप्रमाणे अशा प्रकारे निश्चित केलेली दिनांक व वेळ ही संबंधित मतदान क्षेत्रामध्ये दवंडी पिटून किंवा अन्य प्रकारे जाहीर करील.

१३.५७.४ मूळ मतदानासाठी विहित करण्यात आलेल्या कार्यपद्धतीनुसारच नव्याने मतदान घेण्यात येईल.

१३.५७.५ उर्वरित मतदारसंघाच्या बाबतीत मतमोजणीस कायद्याची कोणतीही आडकाठी असणार नाही. तथापि, निवडणूक निर्णय अधिकारी, नव्याने घेण्यात येणारे मतदान पूर्ण होणे, आणि अशा नव्याने घेतलेल्या मतदानात नोंदलेली मते मोजणे व ती निकालपत्रात समाविष्ट करणे या गोष्टी होईपर्यंत निवडणुकीचा निकाल घोषित करणार नाही.

### १३.५८ मतदान केंद्र ताब्यात घेतल्याच्याबाबतीत नव्याने मतदान घेणे किंवा निवडणूक रद्द करण्याचे आदेश देणे

१३.५८.१ मतदान केंद्राचा निकाल निश्चित करता येणार नाही अशा प्रकारे मतदान केंद्र ताब्यात घेण्यात (कलम १३५-क मध्ये व्याख्या केल्याप्रमाणे) आले असेल अशा बाबतीत कलम ५८-क अन्वये निवडणूक निर्णय अधिकारी त्या प्रकरणी निवडणूक आयोगाला ताबडतोब अहवाल देईल, निवडणूक आयोग निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडून तो अहवाल मिळाल्यानंतर सर्व महत्त्वाची परिस्थिती लक्षात घेऊन एकतर

(एक) त्या मतदान केंद्रातील मतदान रद्द केल्याचे घोषित करील आणि आयोगाकडूनच नेमण्यात येईल अशा दिनांकास नव्याने मतदान घेण्याचा निदेश देईल, किंवा

(दोन) मतदान केंद्र ताब्यात घेतल्याच्या घटना बऱ्याच मोठ्या संख्येने मतदान केंद्रामध्ये घडल्या असल्याने लक्षात घेता निवडणुकीच्या निकालांवर परिणाम होण्याची शक्यता असल्याची त्याची खात्री झाल्यास, ती निवडणूक रद्द करण्याचे आदेश देईल.

- १३.५८.२ कोणत्याही मतदान केंद्रामध्ये नव्याने मतदान घेण्याचा निदेश आयोगाने दिला असेल त्याबाबतीत, निवडणूक निर्णय अधिकारी, पूर्ववर्ती परिच्छेदामध्ये दिलेल्या निदेशांच्या अनुसार असे नव्याने मतदान करण्याची कार्यवाही करील.
- १३.५८.३ मतदान केंद्र ताब्यात घेतल्यामुळे आयोगाने निवडणूक रद्द करण्याच आदेश दिला असेल तर, त्या निवडणुकीच्या संबंधातील सर्व कार्यवाही नव्याने सुरू करण्यात येईल आणि निवडणूक घेण्यासंबंधीची नवीन अधिसूचना यथावकाश काढण्यात येईल.

**१३.५९ कोणत्याही मतदान केंद्रासंबंधातील मतदार नोंदवही (नमुना १७-अ) आणि इतर कागदपत्रे यांची छाननी केल्यानंतर तेथील मतदान बाधित झाल्याचे आढळून आल्यास नव्याने मतदान घेणे.**

- १३.५९.१ बनावट (बोगस) मतदानाला आळा घालण्यासाठी, निवडणूक आयोग मतदानाच्या टक्केवारीवर नजर ठेवते. आयोग, मतदान पूर्ण झाल्यानंतर, मुख्य निवडणूक अधिकारी/निवडणूक निरीक्षक यांच्यामार्फत सर्व मतदान केंद्रातील मतदानाच्या टक्केवारीबाबतचे अहवाल संकलित करते. एखाद्या मतदान केंद्रात झालेले मतदान नेहमीपेक्षा जास्त आहे आणि त्याचा स्पष्टपणे खुलासा देता येत नाही असे आढळून येईल, त्यावेळी आयोगास, आवश्यकता भासल्यास, जेथे मतदानाची विनिर्दिष्ट टक्केवारी ओलांडण्यात आली असेल अशा मतदान केंद्रांच्या संबंधातील मतदान केंद्राध्यक्षांच्या दैनंदिनी, भेटपत्रके, गस्त/क्षेत्र/परिमंडल दंडाधिकाऱ्यांनी ठेवलेल्या दैनंदिनी, नमुना १७अ आणि १७क इत्यादीसारख्या विभिन्न कागदपत्रांची छाननी करण्यासाठी निवडणूक प्राधिकाऱ्यांना आदेश देता येतील.
- १३.५९.२ अशा प्रकरणांमध्ये, निवडणूक निर्णय अधिकारी आणि संबंधित निरीक्षक, प्रत्येक टप्प्याचे मतदान समाप्त झाल्यानंतर ज्या मतदान केंद्रांमधील मतदानाची टक्केवारी, आयोगाने विहित केलेल्या टक्केवारीपेक्षा अधिक आलेली असेल अशा सर्व मतदान केंद्रांच्या संबंधातील नमुना १७अ आणि इतर कागदपत्रे यांची छाननी करतील. निवडणूक निर्णय अधिकारी आणि निवडणूक निरीक्षक, सहा/अंगठ्याचे ठसे कुठे सारखे दिसत आहेत हे शोधण्यासाठी, नमुना १७अ, मते नोंदवण्याची रीत (सलग अनुक्रमांक), नमुना १७अ मधील नोंदी, नमुना १७क यांमधील नोंदीशी पडताळून पाहणे, मतदान यादीची चिन्हांकित प्रत आणि नमुना १७अ मधील शेऱ्यांचा स्तंभ यांची तपासणी करतील.

**१३.५९.३ छाननी**

**एक.** मतदान समाप्त झाल्यानंतर आयोगाने विहित केलेल्या टक्केवारीपेक्षा मतदानाची अधिक टक्केवारी आलेल्या मतदान केंद्रांसंबंधातील नमुना १७अ आणि इतर कागदपत्रे आणि साहित्य यांची छाननी मतदानाच्या दिनांकानंतरच्या दुसऱ्या दिवशी सकाळी ९-०० वाजता हाती घेण्यात येईल. तथापि, त्या वेळेपर्यंत पुरेशी म्हणजे समजा १० टक्के इतकी मतदान पथके परत आली नसतील तर, ती मतदान पथके परत येईपर्यंत, ती छाननी पुढे ढकलण्यात यावी. अशी छाननी, अगोदरच निवडलेल्या, विशेषकरून सुरक्षित खोलीजवळच्या ठिकाणी/खोलीत निवडणूक निर्णय अधिकारी आणि निवडणूक निरीक्षक यांच्याकडून करण्यात येईल. अशा ठिकाणी छाननीची पुरेशी व्यवस्था करण्यात येईल. **निवडणूक लढविणाऱ्या सर्व उमेदवारांना**, नमुना १७अ, १७क आणि इतर कागदपत्रे यांच्या छाननीविषयी, अशा छाननीचे ठिकाण, दिनांक आणि ती सुरू करण्याची वेळ नमूद असलेली, **आगाऊ लेखी नोटीस (योग्य ती पोच घेऊन) देण्यात येईल.** अशा नोटीशीत, मतदान समाप्त झाल्यानंतर आयोगाने विहित केलेल्या टक्केवारीपेक्षा अधिक मतदान झालेल्या मतदान केंद्रांच्या संबंधातील नमुना १७अ, १७क आणि इतर कागदपत्रांची निवडणूक निर्णय अधिकारी आणि निवडणूक निरीक्षकाकडून करण्यात येणाऱ्या छाननीच्या **कार्यवाहीवर लक्ष ठेवण्यासाठी**, केवळ स्वतः उमेदवाराने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने किंवा उमेदवाराने रीतसर प्राधिकृत केलेल्या एका प्रतिनिधीने उपस्थित राहावे, असे नमूद करण्यात येईल. या अभिलेखांमध्ये कोणीही गैरफेर केलेले नाहीत याबद्दल त्यांची खात्री करण्याच्या प्रयोजनासाठी छाननीच्या वेळी उमेदवाराची/निवडणूक प्रतिनिधीची/प्रतिनिधीची उपस्थिती आवश्यक आहे. तथापि, त्या अभिलेखाच्या छाननी संबंधातील निरीक्षक आणि निवडणूक निर्णय अधिकारी यांच्यामधील चर्चा आणि त्यांचे म्हणणे गोपनीय ठेवण्यात येईल. उमेदवारास, त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीस किंवा त्या उमेदवाराच्या प्राधिकृत प्रतिनिधीस अशा छाननीच्या कालावधीत सेल्युलर (मोबाईल) फोन बाळगण्याची परवानगी देण्यात येणार नाही.

- दोन.** छाननीच्या प्रक्रियेत उमेदवारांना / त्यांच्या निवडणूक प्रतिनिधींना किंवा त्यांच्या प्राधिकृत प्रतिनिधींना, छाननीची कार्यवाही त्यांना स्पष्टपणे दिसेल परंतु, निवडणुकीची कागदपत्रे हाताळता येणार नाहीत किंवा त्यासंबंधातील छाननीच्या कार्यवाहीत हस्तक्षेप करता येणार नाही, अशा सुरक्षित अंतरावरून छाननीच्या कार्यवाहीवर लक्ष ठेवता येईल. हे सुनिश्चित करण्यासाठी सथोचित बॅरीकेड लावण्याची व्यवस्था करण्यात येईल, आणि उमेदवार किंवा त्यांचे प्रतिनिधी यांना कोणत्याही परिस्थितीत संरक्षक अडथळा पार करण्याची परवानगी देण्यात येणार नाही.
- तीन.** निवडणुकीचा अभिलेख ठेवलेली साठवण खोली उघडण्याची आणि बंद करण्याची वेळ नोंदवण्यासाठी योग्य ती रोजवही ठेवण्यात येईल. ती खोली, त्या प्रयोजनासाठी नेमून दिलेल्या वेळी निरीक्षक आणि उमेदवार/त्यांचे निवडणूक प्रतिनिधी/प्राधिकृत प्रतिनिधी यांच्या उपस्थितीत उघडण्यात येईल. परंतु, कोणताही उमेदवार/निवडणूक प्रतिनिधी/प्राधिकृत प्रतिनिधी, लेखी नोटीस बजावूनसुद्धा, या कार्यवाहीत अनुपस्थित राहिला, तरी ती कार्यवाही नियत वेळीच सुरू करण्यात येईल आणि केवळ त्यांच्या अनुपस्थितीमुळे तिला विलंब करण्यात येणार नाही/ती तहकूब करण्यात येणार नाही. ते उशिरा कार्यवाही सुरू झाल्यावर आले तर त्यांना फक्त त्यापुढील कार्यवाहीवरच लक्ष ठेवण्याची परवानगी देण्यात येईल.
- चार.** (आयोगाने मतदानाच्या शेवटी विहित केली असेल त्यापेक्षा अधिक मतदानाची टक्केवारी असलेल्या) मतदान केंद्रांमधून नमुना १७-क, नमुना १७-अ चे नमुने असलेली पाकिटे आणि मतदार यादीच्या चिन्हांकित प्रती छाननीसाठी काढून घेतल्यानंतर रोजवहीत नोंद घेऊन आणि उपस्थित उमेदवार किंवा त्यांचे प्रतिनिधी याची स्वाक्षरी घेऊन सुरक्षित खोली यथोचितरीत्या बंद व सीलबंद करण्यात येईल.

#### १३.५९.४ छाननीनंतरची कार्यपद्धती

- एक.** छाननीनंतर, नमुन १७-अ, १७-क आणि प्रत्येक मतदान केंद्रांच्या मतदार यादीच्या चिन्हांकित प्रती, इतर कागदपत्रे आणि साहित्य निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या मोहोरेने पुन्हा मोहोरबंद करण्यात येईल. तेथे उपस्थित असलेले उमेदवार किंवा त्यांचे निवडणूक प्रतिनिधी/ प्रतिनिधी यांनादेखील त्यांची इच्छा असल्यास, त्यावर त्यांची मोहोर लावण्यास किंवा सही करण्यास परवानगी देण्यात येईल. नंतर ही मोहोरबंद पाकीटे जेथून ती आणली असतील त्या सुरक्षित खोलीत ठेवण्यात येतील. ही सर्व कार्यवाही, उमेदवार किंवा त्यांचे निवडणूक प्रतिनिधी/ प्रतिनिधी यांच्या उपस्थितीत करण्यात येईल. नंतर ती खोली निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांच्या मोहोरेने, मोहोरबंद करण्यात येईल. उमेदवार किंवा त्यांचे प्रतिनिधी यांनादेखील त्यांची इच्छा असल्यास, त्यावर त्यांच्या मोहोरा लावता/सह्या करता येतील.
- दोन.** नमुना १७अ, १७क आणि इतर कागदपत्रे आणि साहित्य यांची छाननी केल्यानंतर, निवडणूक निर्णय अधिकारी आणि निवडणूक निरीक्षक, मतदान केंद्र निहाय कारणे देऊन, आवश्यकता वाटेल त्या त्या ठिकाणी, पुनर्मतदान घेण्यासाठी आवश्यक त्या शिफारसी करतील. कोणतीही मतभिन्नता असल्यास त्याबद्दलचे कारण नमूद करून ते आपआपल्या अहवालांमध्ये त्यांची नोंद करतील.
- तीन.** मतदान केंद्राध्यक्षांच्या दैनंदिनी, भेटपत्रक, गस्त/क्षेत्र/परिमंडल दंडाधिकाऱ्यांनी ठेवलेल्या दैनंदिनी, जिल्हा नियंत्रण कक्षात ठेवलेल्या तक्रार नोंदवह्या, आकृत्यांची विवरणे यांचे छाननी करण्याची नेहमीची आवश्यकता, मतदानाची टक्केवारी विचारात न घेता सर्व मतदान केंद्रांसाठी काटेकोरपणे अनुसरण्यात येईल, आणि या कागदपत्रांच्या छाननीनंतर उघडकीस आलेली तथ्ये, फेरमतदानाच्या शिफारसीचे मत बनविण्यासाठी विचारात घेण्यात येतील.

१३.५९.५ आयोगाने कोणत्याही मतदान केंद्रांमध्ये नव्याने मतदान घेण्याचा निदेश दिल्यास, निवडणूक निर्णय अधिकारी, अशा प्रकारे नव्याने मतदान घेण्याची कार्यवाही करील.

१३.५९.६ नव्याने घेतलेले मतदान, मूळ मतदानासाठी विहित केलेल्या रीतीनेच घेण्यात येईल.

## प्रकरण चौदा

### मतमोजणी

#### १४.१ प्रस्तावना

- १४.१.१ मतमोजणी हा निवडणूक प्रक्रियेच्या कळसाचा शेवटचा महत्त्वाचा टप्पा होय. मतदारांनी केलेली खरी निवड, अचूक आणि योग्य मतमोजणीमधूनच व्यक्त होते आणि त्यांची खरी निवड अशा रीतीने निर्धारित झाल्यावरच त्यांनी निवडलेल्या प्रतिनिधी हा निवडून आल्याचे जाहीर करण्यात येते. म्हणून, मतमोजणी प्रक्रिया किती महत्त्वपूर्ण आहे याची जाणीवपूर्वक नोंद घेणे आवश्यक आहे.
- १४.१.२ कायदानुसार मतमोजणीचे काम, उमेदवार व त्याचे प्रतिनिधी यांच्या उपस्थितीत, त्या मतदारसंघाच्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने किंवा त्याच्या देखरेखीखाली व निदेशानुसार करावयाचे असते. कायदाने सहाय्यक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांना सुद्धा मतमोजणीचे काम हाती घेण्यास प्रधिकृत करता येते. मतमोजणीचे काम एकाचवेळी एकापेक्षा अधिक ठिकाणी आणि एका ठिकाणी एकापेक्षा अधिक टेबलवर करता येते. मतमोजणीच्या अशा प्रत्येक ठिकाणी आणि प्रत्येक टेबलाजवळ उमेदवाराने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने प्रत्यक्ष उपस्थित रहावे असे अपेक्षित असल्यामुळे उमेदवारास आपले मतमोजणी प्रतिनिधी नियुक्त करण्यास कायदाने परवानगी आहे. ह्या मतमोजणी प्रतिनिधींना उक्त मतमोजणीच्या प्रत्येक ठिकाणी व मतमोजणीच्या प्रत्येक टेबलाजवळ उपस्थित राहून उमेदवाराच्या हिताकडे लक्ष पुरविता येते.

#### १४.२ मतमोजणी कर्मचाऱ्यांची नेमणूक आणि यादृच्छिकीकरण :

- १४.२.१ मतमोजणी पर्यवेक्षक आणि मतमोजणी सहायक यांची पदस्थापना यादृच्छिकेने अशारीतीने करण्यात येईल की, मतमोजणी कर्मचारी मतमोजणीच्या दिवशी मतमोजणी केंद्रात आल्यावर त्यांना नेमून दिलेल्या विधानसभा मतदार संघ/विधानसभा क्षेत्र आणि टेबल माहीत होईल.
- १४.२.२ जिल्हा निवडणूक अधिकारी मतमोजणी केंद्र असलेल्या जागेत मतमोजणी कर्मचाऱ्यांचे यादृच्छिकीकरण करण्याची व्यवस्था करेल.
- १४.१.३ इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र मतदाराने दिलेल्या प्रत्येक मताची अचूकपणे नोंद घेते आणि अशा प्रकारे दिलेल्या अशा प्रत्येक मताचा उमेदवार निहाय हिशेब अचूक व अद्ययावत ठेवते. मतदान यंत्राच्याद्वारे दिलेली सर्व मते ही वैध मते असतात आणि म्हणून, कोणतेही मत अवैध नसते किंवा फेटाळण्यात येत नाही. त्यामुळे, मतमोजणीची प्रक्रिया ही सहज, सोपी व जलद बनली आहे. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रासोबत वापरण्यात येणारे व्हीव्हीपीएटीच्या मोहोरबंद कप्प्यामध्ये नोंदवलेल्या मतदान चिठ्ठ्या जमा होत रहातात ज्या, आयोगाद्वारे देण्यात आलेल्या निर्देशानुसार, विशिष्ट परिस्थितीअन्वये मतमोजणीच्या अधीन असतात.
- १४.२.३ मतमोजणी कर्मचाऱ्यांचे यादृच्छिकीकरण तीन टप्प्यांमध्ये करण्यात येईल. वर उल्लेखित मतमोजणी कर्मचाऱ्यांचे यादृच्छिकीकरण मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याने केंद्रीय स्तरावर विकसित केलेल्या सॉफ्टवेअरचा वापर करून करण्यात येईल.
- १४.२.४ मतमोजणी कर्मचाऱ्यांचे पहिले यादृच्छिकीकरण निर्णय अधिकाऱ्यांच्या उपस्थितीतच करण्यात येईल. या टप्प्यावर निरीक्षकाच्या उपस्थितीची आवश्यकता नसेल. जिल्हा निवडणूक अधिकारी मतमोजणी कामासाठी ओळखपत्रे व सूचनापत्र निर्गमित करील.
- १४.२.५ विधानसभा मतदारसंघ/विधानसभा खंडनिहाय यादृच्छिकरीत्या मतमोजणी कर्मचारी नेमण्यासाठी जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडून निवडणूक निर्णय अधिकारी व निरीक्षकांच्या उपस्थितीत मतमोजणीस प्रारंभ होण्याच्या २४ तासांपूर्वी सॉफ्टवेअर वापरून मतमोजणी कर्मचाऱ्यांचे दुसरे यादृच्छिकीकरण करण्यात येईल. त्यानंतर संबंधित निवडणूक निर्णय अधिकारी त्याच्या/तिच्या मतदारसंघासाठी नियुक्त केलेल्या कर्मचाऱ्यांना नियुक्ती पत्रे जारी करील.
- १४.२.६ मतमोजणी सभागृहामध्ये नियंत्रण युनिट आणि व्हीव्हीपीएटी आणि टपाली मतपत्रिकांमधील मतांची मोजणी करण्याकरिता



त्यांना मतमोजणी टेबल नेमून देण्यासाठी प्रत्येक प्रवर्गातील मतमोजणी कर्मचाऱ्यांचे तिसरे यादृच्छिकीकरण करण्यात येईल. ईटीपीबी एस स्कॅनिंगची पूर्व मोजणी करण्यासाठी मतमोजणी कर्मचाऱ्यांचे यादृच्छिकीकरण करण्याची आवश्यकता असणार नाही. ही प्रक्रिया मतमोजणीच्या दिवशी सकाळी ५-०० वाजता भारत निवडणूक आयोगाच्या निरीक्षकाच्या उपस्थितीत संबंधित निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याद्वारे ( लोकसभा मतदारसंघाच्या बाबतीत निवडणूक निर्णय अधिकारी नसेल तेथे सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याद्वारे ) पार पाडण्यात येईल.

- १४.२.७ सॉफ्टवेअर वापरून ही प्रक्रिया करण्यास प्राधान्य दिले जाईल. काही विशेष प्रकरणांत, जेथे सॉफ्टवेअरद्वारे यादृच्छिकीकरण व्यवहार्य नसेल अशा ठिकाणी ही प्रक्रिया मनुष्यबळाद्वारे केली जाईल. मनुष्यबळाद्वारे यादृच्छिकीकरण केल्या जाणाऱ्या बाबतीत, उपस्थित वरिष्ठतम निरीक्षक, चिट्ठ्या टाकून, म्हणजेच मतमोजणी कर्मचाऱ्यांना टेबल क्रमांकाला दिलेल्या विशिष्ट अनुक्रमांकाची चिट्ठी उचलून मतमोजणी कर्मचाऱ्यांना यादृच्छिक पद्धतीने टेबल क्रमांक नेमून देईल. जिल्हा निवडणूक अधिकारी यादृच्छिकीकरणाची प्रक्रिया जलद व सुलभ होईल याची खात्री करण्यासाठी अगोदरच सर्व व्यवस्था करून ठेवील. ही प्रक्रिया संगणकाच्या सहाय्याने केली जाईल त्याबाबतीत निरीक्षक स्वतः अशी खात्री करील की, प्रक्रिया सर्व दोषमुक्त असून ती यादृच्छिक रीतीने अचूकपणे कार्य पार पाडत आहे.
- १४.२.८ मतमोजणी कर्मचाऱ्यांना मतमोजणी केंद्रातील नियंत्रण कक्षात पोहोचल्यावर नेमून देण्यात येणाऱ्या कमाचा तपशील देण्यात येईल. त्यानंतर त्यांना असे निर्देशित करण्यात येईल की, त्यांना नेमून दिलेल्या मतदारसंघाच्या क्षेत्र/खंडाच्या मतमोजणी सभागृहातील संबंधित टेबलांवर हजर व्हावे.
- १४.२.९ मतमोजणीच्या दिवशी यादृच्छिकीकरणाची संपूर्ण प्रक्रिया सकाळी ६.०० वजेपर्यंत पूर्ण होईल याची खात्री करावी जेणेकरून मतमोजणी प्रक्रिया सुरू होण्यापूर्वी मतमोजणी कर्मचाऱ्यांना नेमलेल्या जागी सुलभपणे पोहोचता येईल.
- १४.२.१० तिसरे यादृच्छिकीकरण झाल्यानंतर राखीव कर्मचाऱ्यांसाठी मतमोजणी केंद्र/परिसरामध्ये बसण्या-उठण्यासाठी स्वतंत्र व्यवस्था करण्यात येईल.
- १४.२.११ जिल्हा निवडणूक अधिकारी याची खात्री करतील की, अभिलेख ठेवण्यासाठी यादृच्छिकीकरण प्रक्रियेची व्हिडिओ चित्रण करण्यात आलेले आहे.

### १४.३ निरीक्षकाने यादृच्छिक उलट तपासणी करणे :

- १४.३.१ यापूर्वी दिलेल्या सूचनांनुसार, मतमोजणीच्या प्रत्येक फेरीनंतर, निवडणूक निर्णय अधिकारी, मतमोजणी पर्यवेक्षकांनी पुरविलेल्या टेबलनिहाय निकालांच्या आधारे मतमोजणी फेऱ्यांचे कोष्टक तयार करील. फेऱ्यांच्या टेबलनिहाय निकालावर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने त्या फेरीचा निकाल घोषित करण्यापूर्वी निरीक्षकाने प्रतिस्वाक्षरी केलेली असेल.
- १४.३.२ मतमोजणीच्या अचूकतेची प्रतितपासणीचा एक उपाय म्हणून, प्रत्येक मतमोजणी फेरी संपवताना, निरीक्षक संबंधित फेरीचा मतमोजणी ज्याच्यामधून करण्यात आली आहे अशा नियंत्रण युनिटांमधून कोणतीही दोन इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे यादृच्छिकपणे निवडील. तक्त्यामधून मिळालेला निकाल आणि वर नमूद केल्याप्रमाणे निरीक्षकाने केलेल्या यादृच्छिक तपासणीमधून खात्री करून घेतलेले निकाल यामध्ये काही विसंगती आढळली तर :—
- प्रत्येक टेबलाच्या त्या फेरीच्या निकालाची इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रामधून पुन्हा पडताळणी केली जाईल.
  - मतमोजणी निकालाची चुकीची नोंद घेणारा कर्मचारीवर्ग काढून घेतला जाईल आणि त्याजागी कर्मचारीवर्गाचे दुसरे पथक आणले जाईल. चुका करणाऱ्या कर्मचाऱ्यांवर त्यांच्या कृती व अकृतीसाठी शिस्तभंगाची कडक कारवाई केली जाईल.
  - मागील फेऱ्यांमधील अशा कर्मचारीवर्गाने ( आणि टेबलाद्वारे ) पुरवलेल्या/सादर केलेल्या निकालांची निरीक्षकाच्या उपस्थितीत पुन्हा तपासणी केली जाईल आणि आवश्यकता पडल्यास सुधारित निकालपत्र तयार केले जाईल.
- १४.३.३ मतमोजणी कर्मचारी तसेच उमेदवार आणि त्यांचे मतमोजणी प्रतिनिधी, यांना निरीक्षकांकडून पार पाडावयाच्या यादृच्छिक उलट तपासणीच्या या तरतुदीविषयी माहिती देण्यात येईल. उलट तपासणीमध्ये आढळलेल्या कोणत्याही विसंगतीकडे,

आयोगाकडून गंभीरपणे पाहिले जाईल आणि याच्या परिणामी जबाबदार व्यक्तीवर शिस्तभंगाची गंभीर कारवाई होईल आणि खटला चालविला जाईल. ही माहितीदेखील देण्यात येईल.

१४.३.४ प्रत्येक मतमोजणी टेबलाकरिता एक मतमोजणी पर्यवेक्षक व एक मतमोजणी सहायक यांच्याशिवाय प्रत्येक १४ मतमोजणी टेबलांच्याबाबतीत एक सूक्ष्मनिरीक्षक बसविण्यात येईल. हा अतिरिक्त कर्मचारी अनिवार्यपणे केंद्र सरकारी, केंद्र सरकारच्या सार्वजनिक उपक्रमातला कर्मचारी असेल.

#### १४.४ निरीक्षकाची भूमिका :

१४.४.१ मोठ्या प्रमाणातील मतदान केंद्रे किंवा मतदानासाठी किंवा मतमोजणीसाठी निश्चित केलेली ठिकाणे ताब्यात घेण्यात आल्याचे किंवा त्या मतदान केंद्राचा किंवा ठिकाणाचा मतदानाचा निकाल निश्चित करण्यात येणार नाही अशा तऱ्हेने मतदान केंद्रामध्ये किंवा मतदानासाठी निश्चित केलेल्या ठिकाणी वापरण्यात आलेल्या मतपत्रिका किंवा मतदान यंत्रे, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या अभिरक्षेतून बेकायदेशीरपणे बाहेर नेण्यात आल्याचे किंवा अपघाताने किंवा जाणूनबुजून नष्ट करण्यात आल्याचे किंवा त्यांना नुकसान पोहोचविण्यात आल्याचे किंवा खराब करण्यात आले किंवा त्यामध्ये गैरफेर केल्याचे निरीक्षकाचे मत बनले तर, त्या मतदारसंघासाठी किंवा अशा मतदारसंघापैकी एखाद्या मतदारसंघासाठी ज्याचे नामनिर्देशन करण्यात आले असेल अशा निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला निकाल जाहीर होण्यापूर्वी कोणत्याही वेळेस मतमोजणी थांबविण्याचा किंवा निकाल जाहीर न करण्याचा निदेश देण्याचा त्यांना अधिकार असेल.

१४.४.२ अशा प्रकरणात, पुनर्रमतमोजणीचा आदेश देण्याचा कोणताही अधिकार निरीक्षकाला नसेल. पुनर्रमतमोजणी केवळ आयोगाच्या आदेशानेच केली जाईल.

#### १४.५ मतमोजणीची तारीख, ठिकाण व वेळ :

१४.५.१ निवडणूक निर्णय अधिकारी निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवाराला किंवा त्याच्या/तिच्या निवडणूक प्रतिनिधीला जोडपत्र १८ किंवा जोडपत्र १९ नुसार यापैकी जे लागू असेल त्याप्रमाणे, या प्रयोजनाकरिता आयोगाने विहित केलेल्या नमुन्यात मतदानासाठी निश्चित केलेल्या तारखेपूर्वी किंवा निश्चित केलेल्या तारखांपैकी पहिल्या तारखेपूर्वी निदान एक आठवडा अगोदर, मतमोजणीसाठी निश्चित केलेले ठिकाण तारीख व वेळ यासंबंधी लेखी सूचना देईल.

१४.५.२ तो मतमोजणी सभागृहात पुरविण्यात येणाऱ्या मतमोजणी टेबलांच्या संख्येची माहिती त्यांना पुरेशी अगोदरच देईल, जेणेकरून, त्या त्या प्रमाणे ते त्यांचे मतमोजणी प्रतिनिधी नेमतील.

#### १४.६ निरनिराळ्या जागांवरील मतमोजणी :

१४.६.१ संपूर्ण विधानसभा मतदानसंघातील मतांची मतमोजणी एकाच ठिकाणी करण्यात येईल आणि ती त्याच दिवशी पूर्ण करण्यासाठी प्रयत्नांची पराकाष्ठा करण्यात येईल. या प्रयोजनार्थ, निवडणूक आयोगाने निदेशित केल्याप्रमाणे, मतमोजणीला सकाळी लवकरच सुरुवात करण्यात येईल.

१४.६.२ विधानसभा मतदारसंघातील मतांची मोजणी एका ठिकाणी करता येईल, तर लोकसभेच्या निवडणुकीची मतमोजणी एकापेक्षा अधिक ठिकाणी, (विविध विधानसभाक्षेत्रांतील) म्हणजे त्या लोकसभा मतदारसंघात समाविष्ट असलेल्या विधानसभा मतदारसंघाच्या मतमोजणीसाठी निश्चित केलेल्या सर्व ठिकाणी करता येईल.

१४.६.३ जर संसदीय मतदारसंघातील मते एकापेक्षा जास्त ठिकाणी मोजण्यात आली तर, निवडणूक निर्णय अधिकारी उमेदवाराला किंवा त्याच्या/तिच्या निवडणूक प्रतिनिधीला पुरेसे अगोदर कळवील, जेणेकरून उमेदवारास अशा प्रत्येक ठिकाणासाठी मतमोजणी प्रतिनिधींचा स्वतंत्र गट नेमता येईल.

१४.६.४ लोकसभेच्या व राज्य विधानसभेच्या एकत्रित निवडणुकांमध्ये, मतमोजणी एकाचवेळी विधानसभा व विधानसभा क्षेत्रखंडनिहाय घेण्यात येईल. अशा प्रसंगी, लोकसभा व विधानसभा निवडणुकींच्या उमेदवारांना स्वतंत्रपणे आपआपले मतमोजणी प्रतिनिधी नियुक्त करण्याची परवानगी देण्यात येईल.

### १४.७ मतमोजणी गृहात प्रवेश करण्यास परवानगी असलेल्या व्यक्ती :

१४.७.१ केवळ खालील व्यक्तींनाच मतमोजणी कक्षात प्रवेश करण्यास परवानगी दिलेली असेल—

- मतमोजणी पर्यवेक्षक, मतमोजणी सहायक आणि सूक्ष्मनिरीक्षक ;
- निवडणूक आयोगाने प्राधिकृत केलेल्या व्यक्ती ;
- निवडणुकीच्या संबंधात कामावर असलेले लोकसेवक ;
- उमेदवार, त्यांचे/तिचे निवडणूक प्रतिनिधी आणि मतमोजणी प्रतिनिधी.

टीप.—(१) “ कामावर असलेले लोकसेवक ” यामध्ये पोलीस अधिकारी—मग ते गणवेशात असो किंवा गणवेशाशिवाय असो ( कायदा व सुव्यवस्था राखण्यासाठी किंवा अन्य कामासाठी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने त्यांना पाचारण केल्याखेरीज ) केंद्रीय आणि राज्यांचे मंत्री, राज्यमंत्री व उपमंत्री यांचा समावेश होणार नाही. ते केवळ उमेदवार म्हणूनच मतमोजणी सभागृहात प्रवेश करू शकतील.

(२) एखाद्या उमेदवाराबरोबर किंवा त्यांच्या निवडणूक प्रतिनिधींबरोबर किंवा मतमोजणी प्रतिनिधींबरोबर कोणत्याही सुरक्षा कर्मचाऱ्यास मतमोजणी कक्षात प्रवेश करण्यास अनुमती असणार नाही.

### १४.८ मतमोजणी प्रतिनिधी किती नेमता येतील ती संख्या :

१४.८.१ प्रत्येक उमेदवारास, त्याच्या/तिच्या मतदारसंघात टपाली मतपत्रिकांच्या मतमोजणी टेबलांसह जितके मतमोजणी टेबल असतील तितके मतमोजणी प्रतिनिधी नेमण्याची मुभा आहे. उमेदवारास, स्वतःच्या किंवा आपल्या निवडणूक प्रतिनिधीच्या अनुपस्थितीत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांच्या टेबलावरील मतमोजणीवर लक्ष ठेवण्यासाठी आणखी एक मतमोजणी प्रतिनिधी नियुक्त करता येईल.

### १४.९ मतमोजणी प्रतिनिधींसाठी अर्हता :

१४.९.१ मतमोजणी प्रतिनिधी म्हणून नियुक्त करावयाच्या व्यक्तींसाठी कोणत्याही विशिष्ट अर्हता कायद्यामध्ये विहित करण्यात आलेल्या नाहीत. तथापि, उमेदवारांनी, त्यांच्या हितसंबंधाकडे योग्यरित्या लक्ष देण्यात यावे म्हणून त्यांचे मतमोजणी प्रतिनिधी म्हणून पोक्त व सज्जन व्यक्तींची नेमणूक करावी असा सल्ला त्यांना देण्यात येत आहे.

१४.९.२ तथापि, केंद्र सरकार किंवा राज्यसरकारमधील कोणत्याही विद्यमान मंत्राला, संसद सदस्याला किंवा विधानसभा सदस्याला किंवा विधानपरिषद सदस्याला किंवा महानगरपालिकेचा महापौर किंवा नगरपरिषदेचा अध्यक्ष/जिल्हा परिषद अध्यक्ष/नगर पंचायत अध्यक्ष इत्यादी, केंद्र व राज्य यांच्या सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमाचे, शासनाच्या संस्था/महामंडळाचे सदस्य व अध्यक्ष, शासनाकडून मानधम मिळणारी कोणतीही व्यक्ती किंवा कोणत्याही शासनाच्या /शासनाचे अनुदान मिळणाऱ्या संस्थेत अर्धवेळ काम करणारी व्यक्ती आणि शासनाच्या/ शासनाचे अनुदान मिळणाऱ्या संस्थांमध्ये काम करणारे वैद्यकीय कर्मचारी/आरोग्य कर्मचारी, रास्त भाव दुकानदार, अंगणवाडी कर्मचारी असलेल्या व्यक्तीला मतमोजणी प्रतिनिधी म्हणून नियुक्त करता येणार नाही.

१४.९.३ राज्यांद्वारे ( संघराज्यक्षेत्र व राज्य शासन या दोन्ही ) सुरक्षाकवच असलेल्या इतर कोणत्याही व्यक्तीला जरी त्यांनी सुरक्षाकवच नाकारले किंवा सुरक्षा सोडण्याचा निर्णय घेतला तरी, निवडणूकीदरम्यान कोणत्याही उदवाराचा निवडणूक प्रतिनिधी किंवा मतमोजणी प्रतिनिधी म्हणून काम करण्यास परवानगी दिली जाणार नाही. अशी व्यक्ती सुरक्षा कर्मचाऱ्यांसह किंवा त्याशिवाय मतमोजणी सभागृहात प्रवेश करू शकणार नाही.

१४.९.४ शासकीय कर्मचाऱ्यास एखाद्या उमेदवाराचा मतमोजणी प्रतिनिधी म्हणून काम करता येणार नाही आणि त्याने तसे केल्यास, त्याला तीन महिन्यांपर्यंत असू शकेल इतक्या मुदतीच्या कारावासाची किंवा दंडाची अथवा दोन्हीही शिक्षा करण्यात येतील.

### १४.१० मतमोजणी प्रतिनिधींची नेमणूक :

- १४.१०.१ मतमोजणी प्रतिनिधींची नेमणूक एकतर खुद्द उमेदवाराने किंवा त्यांच्या निवडणूक प्रतिनिधीने करावयाची आहे. अशी नेमणूक, निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ (जोडपत्र २०) याला जोडलेल्या नमुना-१८ मध्ये करण्यात येते. त्या नमुन्यात मतमोजणी प्रतिनिधीचे नाव आणि पत्ता भरण्यात येईल आणि उमेदवार किंवा त्याचा निवडणूक प्रतिनिधी स्वतः त्या नमुन्यावर सही करील. मतमोजणी प्रतिनिधीसुद्धा नियुक्ती स्वीकारल्याचे दर्शक म्हणून त्या नमुन्यावर सही करील. सर्व प्रकरणांमध्ये, अशा नमुन्यांच्या प्रतिनिधींची छायाचित्रे असलेल्या दोन प्रती तयार करण्यात येतील व त्यावर स्वाक्षरी करण्यात येईल. त्या नमुन्याची एक प्रत उमेदवाराने/निवडणूक प्रतिनिधीने निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास मतमोजणीसाठी निश्चित केलेल्या तारखेच्या तीन दिवसात संध्याकाळी ५-०० वाजेपर्यंत सादर करावयाची असून दुसरी प्रत निवडणुकीच्या दिवशी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे प्रस्तुत करण्यासाठी मतमोजणी प्रतिनिधीस द्यावयाची आहे.
- १४.१०.२ उमेदवारास नमुना १८ मधील एकाच नियुक्तीपत्राद्वारे आपल्या सर्व मतमोजणी प्रतिनिधींची नेमणूक करता येईल. मात्र त्याबाबतीत, सर्व मतमोजणी प्रतिनिधींनी नियुक्ती स्वीकारल्याचे दर्शक म्हणून त्याच नियुक्तीपत्रावर सही करणे आवश्यक आहे.
- १४.१०.३ एखाद्या उमेदवाराची नियुक्तीच्या नमुन्यातील प्रतिरूप स्वाक्षरीसुद्धा स्वीकारता येईल.
- १४.१०.४ मतमोजणी प्रतिनिधी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने दिलेल्या छायाचित्र ओळखपत्रासोबत, नमुना १८ ची दुसरी प्रत सादर करील आणि निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमोर मतमोजणीच्या दिवशी मतमोजणीसाठी निश्चित केलेल्या वेळेच्या एक तासाच्या आत त्यात समाविष्ट असलेल्या घोषणापत्रावर स्वाक्षरी करील. निवडणूक निर्णय अधिकारी उपरोक्त वेळेनंतर प्राप्त झालेले नियुक्ती पत्र स्वीकारणार नाही. निवडणूक निर्णय अधिकारी उमेदवारांना सूचित करेल की, मतमोजणी प्रतिनिधी नमुना-१८ चा दुसरी प्रत व छायाचित्र ओळखपत्र आणण्यास विसरला तर त्याला मतमोजणी कक्षामध्ये प्रवेश नाकारला जाईल. त्याचप्रमाणे, उमेदवारांच्या निवडणूक प्रतिनिधींनी देखील त्यांच्या नियुक्त पत्रांची प्रमाणित दुसरी प्रत सादर करणे आवश्यक आहे. त्यानंतर निवडणूक निर्णय अधिकारी प्रतिनिधींना मतमोजणी कक्षामध्ये प्रवेश करण्यास परवानगी देईल.

### १४.११ मतमोजणी प्रतिनिधींची नेमणूक रद्द करणे :

- १४.११.१ उमेदवारास किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीस, मतमोजणी प्रतिनिधींची नेमणूक रद्द करण्याचा प्राधिकार आहे.
- १४.११.२ निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ (जोडपत्र २१) याला जोडलेला नमुना-१९ द्वारे अशी नेमणूक रद्द करता येते आणि निवडणूक अधिकाऱ्याकडे तो नमुना ज्यावेळी दाखल केला असेल त्या वेळेपासून ती अंमलात येते. अशा प्रकरणी, उमेदवारास मतमोजणी सुरु होण्याआधी कोणत्याही वेळी. ज्याची नेमणूक रद्द करण्यात आली असेल त्याच्या जागी दुसरा मतमोजणी प्रतिनिधी नियुक्त करण्याचा प्राधिकार आहे. मात्र, एकदा मतमोजणीस सुरुवात झाल्यानंतर, कोणत्याही नवीन मतमोजणी प्रतिनिधींची नेमणूक करता येणार नाही
- १४.११.३ अशा नवीन मतमोजणी प्रतिनिधींची नियुक्ती वरील परिच्छेद ८ मध्ये स्पष्ट केलेल्या रीतीने करावयाची आहे.

### १४.१२ मतमोजणी कक्षात मतमोजणी प्रतिनिधीस प्रवेश :

- १४.१२.१. मतमोजणी प्रतिनिधीने आपले नियुक्तीपत्र आणि ओळखपत्र निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमोर सादर केल्यानंतर, त्याच्या नियुक्तीपत्रातील, मतदानासंबंधी गुप्तता राखण्याबाबतच्या प्रतिज्ञापनावर त्याने, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमोर स्वाक्षरी करणे आवश्यक असेल. नियुक्तीपत्राची, ओळखपत्राची आणि प्रतिज्ञापत्राची पडताळणी केल्यानंतर, निवडणूक निर्णय अधिकारी मतमोजणी दालनात प्रवेश करण्यासाठी मतमोजणी प्रतिनिधीस परवानगी देईल.
- १४.१२.२ मतदान प्रतिनिधीना, मतदान समाप्तीनंतर, मतमोजणीच्या प्रक्रियेदरम्यान मतमोजणी सभागृहात त्यांच्या वापरासाठी/संदर्भासाठी दिलेले पेन, पेन्सिल, साधा कोरा कागद/नोडपॅड आणि मतदान प्रतिनिधींना मतदान केंद्राध्यक्षाने दिलेली नमुना १७-सी ची दुबार प्रत नेण्याची मुभा असेल.

१४.१२.३. कोणत्याही मतमोजणी प्रतिनिधीने मतमोजणी कक्षात प्रवेश करण्यापूर्वी त्याची अंगझडती घेण्यास भाग पाडण्याचा अधिकार निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास प्रदान करण्यात आला आहे.

### १४.१३ मतमोजणी प्रतिनिधीसाठी बिल्ले :

१४.१३.१. प्रत्येक मतमोजणी प्रतिनिधीस निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडून एक बिल्ला देण्यात येईल. त्या बिल्ल्यावर तो कोणाचा प्रतिनिधी आहे ते आणि तो ज्या टेबलावरील मतमोजणीवर लक्ष ठेवणार असेल त्या टेबलाचा अनुक्रमांक या गोष्टी दर्शविलेल्या असतील. त्याला नेमून दिलेल्या टेबलाजवळ त्याने बसले पाहिजे. संपूर्ण कक्षभर फिरण्याची त्याला मुभा नसेल. तथापि, उमेदवार, त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधी आणि ते अनुपस्थित असल्यास निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या टेबलाशेजारील उमेदवाराचा मतदान प्रतिनिधी यांना सर्व मोजणी टेबलावर फेरी मारण्याची मुभा असेल.

### १४.१४ मतमोजणी दालनात शिस्त व सुव्यवस्था राखणे :

१४.१४.१ मतमोजणी कक्षात शिस्त व सुव्यवस्था राखण्यासाठी प्रत्येकाने निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास पूर्णपणे सहकार्य केले पाहिजे. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांनी दिलेल्या सर्व निदेशांचे त्यांनी पालन केले पाहिजे. ज्या व्यक्ती निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या निदेशांचे अनुपालन करणार नाहीत, त्या व्यक्तींना निवडणूक निर्णय अधिकारी मतमोजणी कक्षाबाहेर जाण्यास फर्माविल, याची त्यांनी नोंद घ्यावी.

१४.१४.२ मतमोजणीची प्रक्रिया चालू असताना कोणत्याही मतमोजणी प्रतिनिधीस किंवा इतरांना मतमोजणी कक्षाबाहेर जाण्याची मुभा असणार नाही. दुसऱ्या शब्दात सांगावयाचे झाले तर, एकदा मतमोजणी प्रतिनिधी व इतर व्यक्ती मतमोजणी कक्षात आल्या की, सामान्यपणे निवडणुकीचा निकाल घोषित झाल्यानंतरच त्यांना मतमोजणी कक्षाबाहेर जाण्याची मुभा असेल.

१४.१४.३ सर्व वाजवी सुखसोयी. उदाहरणार्थ पिण्याचे पाणी, अल्पोपाहार व प्रसाधन कक्ष इत्यादीची मतमोजणी कक्षाच्या लगतच तरतूद करण्यात येईल.

१४.१४.४ मतमोजणी प्रतिनिधींना मतमोजणी केंद्रात भ्रमणध्वनी, आयपॅड, लॅपटॉप किंवा इतर कोणतेही इलेक्ट्रॉनिक वस्तू जी रेकॉर्डिंग करू शकेल किंवा मतमोजणी कक्षाचे व्हिडीओ चित्रण करू शकेल, बाळगण्याची मुभा असणार नाही. तथापि, आयोगाच्या निरीक्षकांना भ्रमणध्वनी बाळगण्याची मुभा असेल. मात्र, ते आपले भ्रमणध्वनी ध्वनिविरहित अवस्थेत ठेवतील. तथापि, उमेदवार त्यांचे प्रतिनिधी, मतमोजणी कर्मचारी इ. साठी कोणत्याही आवश्यक बाबींसाठी एक स्वतंत्र जनसंपर्क कक्ष करून देण्यात येईल. त्या कक्षात उमेदवार, त्यांचे प्रतिनिधी आणि मतमोजणी कर्मचारी यांना भ्रमणध्वनी, फोन आणि इतर समान सुरक्षित ठेवायची व्यवस्था असेल.

### १४.१५ मतमोजणी आवारात व मतमोजणी कक्षात धूम्रपानास प्रतिबंध :

१४.१५.१. सिगारेट व इतर तंबाखू उत्पादने ( जाहिरातीस प्रतिबंध आणि व्यापार व वाणिज्य व्यवहार आणि उत्पादन, पुरवठा व वितरण याचे विनियमन ) अधिनियम, २००३ ( २००३ चा ३४ ) याच्या कलम ४ कडे तुमचे लक्ष वेधण्यात येत आहे. यात “ सार्वजनिक ठिकाणी ” धूम्रपानास प्रतिबंध केलेला आहे. म्हणून, निवडणूक आयोगाने, कोणत्याही व्यक्तीला मतमोजणी आवारात व मतमोजणी कक्षात धूम्रपान करण्याची अनुमती नसेल, असे आदेश दिले आहेत.

### १४.१६. मतमोजणी प्रतिनिधींसाठी बैठक व्यवस्था :

१४.१६.१ मतमोजणी, रांगेत मांडण्यात आलेल्या टेबलावर करण्यात येईल. प्रत्येक रांगेतील टेबलांना अनुक्रमांक दिले जातील.

१४.१६.२ प्रत्येक मतमोजणी टेबलाच्या मध्यभागी मतदान यंत्राचे नियंत्रण युनिट ठेवण्यात येईल. तेथे मतमोजणी पर्यवेक्षक आणि एक मतमोजणी सहायक यांना टेबलाच्या एका बाजूला बसविण्यात येईल. जेणेकरून मतमोजणी पर्यवेक्षकांकडून केली जाणारी नियंत्रण युनिटावरील मतमोजणीची संपूर्ण प्रक्रिया त्यांना पाहता यावी यासाठी मतमोजणी प्रतिनिधींना नियंत्रण युनिटासमोर बसविण्यात येईल.

१४.१६.३ प्रत्येक मतमोजणी टेबलावर, मतमोजणी प्रतिनिधींची बैठक व्यवस्था पुढील वर्गाच्या प्राथम्यानुसार करण्यात येईल, ती अशी :—

( एक ) मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय पक्षांचे उमेदवार ;

(दोन) मान्यताप्राप्त राज्यस्तरीय पक्षांचे उमेदवार ;

(तीन) इतर राज्यांच्या ज्या मान्यताप्राप्त राज्यस्तरीय पक्षांच्या उमेदवारांना मतदारसंघात त्यांची राखीव निशाणी वापरण्याची परवानगी देण्यात आलेली आहे असे उमेदवार ;

(चार) नोंदणीकृत मान्यताप्राप्त नसलेल्या पक्षांचे उमेदवार ;

(पाच) अपक्ष उमेदवार.

#### १४.१७. गुप्तता राखणे :

१४.१७.१ मतमोजणी दालनातील प्रत्येक व्यक्तीने मतदानाबद्दल गुप्तता राखणे व गुप्तता राखण्यास मदत करणे कायद्याने आवश्यक आहे आणि गुप्ततेचा भंग करणारी अशी कोणतीही माहिती त्याने कोणाही व्यक्तींना कळवता कामा नये. यासंबंधातील कायद्याच्या तरतुदींचे उल्लंघन करणाऱ्या कोणत्याही व्यक्तीला ३ महिन्यांपर्यंत असू शकेल अशा मुदतीच्या कारावासाची किंवा दंडाची अथवा दोहोंची शिक्षा होऊ शकेल हे त्यांनी लक्षात घ्यावे ( लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२८).

१४.१७.२ मतमोजणी सुरू होण्यापूर्वी, सर्व उपस्थितांच्या माहितीसाठी आणि त्यांच्याकडून त्याचे अनुपालन व्हावे यासाठी निवडणूक निर्णय अधिकारी लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम १९५१ चे कलम १२८ आणि निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ च्या नियम ५४ च्या तरतुदी वाचून दाखवील आणि त्यांचे स्पष्टीकरण करील.

#### १४.१८ मतमोजणी सतत चालू ठेवणे :

१४.१८.१. मतमोजणी कोणत्याही मध्यंतराशिवाय चालू राहिल. जर कोणीही निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या कायदेशीर नियमांचे पालन करण्यात कसूर केली तर, त्याला मतमोजणी कक्षाबाहेर जाण्यासाठी निदेश देण्याचा अधिकार निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला आहे.

#### १४.१९ टपाली मतपत्रिकांची प्रथम मोजणी करणे :

१४.१९.१ मतमोजणीच्या दिवशी, टपाली मतपत्रिकांची मोजणी प्रथम केली जाईल आणि ३० मिनिटांच्या अंतरानंतर, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रातील मतमोजणी सुरू करता येईल. टपाली मतपत्रिकांच्या मोजणीसाठी स्वतंत्र टेबल आणि स्वतंत्र व्यवस्था असावी. प्रत्येकी ५०० टपाल मतपत्रिकेमागे मोजणीसाठी एक जादा टेबल वापरण्यात यावा. निवडणूक निर्णय अधिकारी, त्याच्या टेबलावरील टपाली मतपत्रिकांच्या मोजणीसाठी जबाबदार असेल. टपाली मतपत्रिकांची मोजणी करण्याचे काम एका सहायक निवडणूक अधिकाऱ्याकडे सोपविण्यात येईल. निरीक्षक आणि निवडणूक निर्णय अधिकारी, एकाचवेळी टपाली मतपत्रिकेची तसेच, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रातील मजमोजणीचे सूक्ष्मपणे संनियंत्रण करतील. उमेदवार/त्यांचे निवडणूक प्रतिनिधी यांना स्वतंत्र मतमोजणी प्रतिनिधीचे नामनिर्देशन करण्याची सूचना करण्यात येईल आणि जेथे टपाली मतपत्रिकांची मोजणी करण्यात येईल अशा टेबलाजवळ त्यास उपस्थित राहाता येईल.

#### १४.२० मत मोजणी :

(अ) सेवा मतदारांसाठी असणाऱ्या इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने पारेषित केलेल्या टपाली मतपत्रिकांची मोजणी :

१४.२०.१ इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने पारेषित केलेल्या टपाली मतपत्रिकांची मोजणी, इतर टपाली मतपत्रिकांच्या मोजणीप्रमाणेच निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या टेबलावर करण्यात येईल. मतमोजणी सुरू करण्यासाठी निश्चित केलेल्या वेळेपूर्वी प्राप्त झालेल्या असतील केवळ अशाच टपाली मतपत्रिकांची मोजणी करण्यात येईल. सेवा मतदारांसाठी वापरल्या जाणाऱ्या इलेक्ट्रॉनिक पारेषित टपाली मतपत्रिकांसाठी मोजणी पूर्व व्यवस्था खालीलप्रमाणे केली जाईल :—

१४.२०.२ क्यूआर संकेतांक वाचन मुख्य मतमोजणी कक्षाला लागून असलेल्या वेगळ्या कक्षात करण्यात यावे. या प्रत्येक गटामध्ये क्यूआर संकेतांक वाचकासबरोबर एक पर्यवेक्षक आणि एक सहायक असावा. जास्तीत जास्त १० क्यूआर संकेतांक वाचन करणाऱ्या गटावर देखरेख करण्यासाठी एक सहायक निवडणूक अधिकारी नियुक्त करण्यात यावा क्यूआर संकेतांक वाचनासाठी प्रत्येक उमेदवारासाठी एक निवडणूक प्रतिनिधी, असे टेबलांच्या संख्येप्रमाणे क्यूआर संकेतांक वाचनाची प्रक्रिया पाहण्यासाठी परवानगी देण्यात येईल आणि त्यांच्यासाठी योग्य आसन व्यवस्था करण्यात यावी.



- १४.२०.३ वैध आणि अवैध नमुना १३बी ची प्रत्यक्ष वेगळे करण्याची स्वतंत्र व्यवस्था तेथे केलेली असेल.
- १४.२०.४ क्यूआर संकेतांकाचे वाचन पूर्ण केल्यानंतर, निर्धारित प्रक्रियेनुसार, लिफाफ्यांचे संच, टपाली मतपत्रिकांच्या मोजणीसाठी मांडलेल्या मोजणी टेबलांवर दिला जाईल.

**(ब) टपाली मतपत्रिकांची मोजणी—**

- १४.२०.५ निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१ च्या नियम ५४ ए अन्वये, टपाली मतपत्रिकांचे मोजणी, प्रथम निवडणुक निर्णय अधिकाऱ्याच्या टेबलावर सुरू केली जाईल. ज्या निवडणुक निर्णय अधिकाऱ्याकडे मतमोजणी सुरू होण्याच्यावेळेपूर्वी एत तास आधी प्राप्त झाल्या असतील अशाच मतपत्रिका मतमोजणीसाठी घेतल्या जातील. निवडणुक निर्णय अधिकारी, मतमोजणी सुरू होण्याच्या वेळी एकूण टपाली मतपत्रिकांचा (सुविधा केंद्रावरून आणि टपाला द्वारे प्राप्त झालेल्या) अंतिम हिशेब निरीक्षकास सादर करील.
- १४.२०.६ निवडणुक निर्णय अधिकारी किंवा सहायक निवडणुक अधिकारी यापैकी एक जण सर्व मतमोजणी पर्यवेक्षक, सहायक आणि सूक्ष्म निरीक्षक यांना टपाली मतपत्रिकांचे लिफाफे प्रत्येक मतमोजणी टेबलावर वितरीत करण्यापूर्वी आणि मतमोजणी पर्यवेक्षकाकडून प्रत्यक्ष छाननी घोषणापत्रांची आणि घोषणासंबंधी आवश्यक बाबी समजून सांगेल आणि त्यांचे प्रात्यक्षिक दाखवेल. निवडणुक निर्णय अधिकारी हे सुनिश्चित करेल की, सहायक निवडणुक निर्णय अधिकारी आणि मतमोजणी पर्यवेक्षकाद्वारे घोषणापत्राची छाननी करताना कोणताही आणखी विलंब केला जाणार नाही.
- १४.२०.७ सहायक निवडणुक निर्णय अधिकारी आणि मतमोजणी पर्यवेक्षकांद्वारे घोषणापत्राच्या छाननीमध्ये कोणताही आणखी विलंब होणार नाही याची निवडणुक निर्णय अधिकारी खात्री करले.
- १४.२०.८ नमुना-१३ ए मधील घोषणापत्रातील त्रुटीमुळे नाकारल्या गेलेल्या सर्व टपाली मतपत्रिका, प्रत्यक्षात नाकारण्यापूर्वी निवडणुक निर्णय अधिकाऱ्यांने पुन्हा पडताळणी करावी.
- १४.२०.९ निरीक्षक टपाली मतपत्रिकेद्वारे मतमोजणीच्या प्रक्रियेवर विशेषतः नमुना १३-ए मधील घोषणापत्राच्या छाननीचे अत्यंत बारकाईने निरीक्षण करेल.
- १४.२०.१० मतमोजणीस प्रारंभ करण्यासाठी निश्चित केलेल्या वेळेनंतर उशिरा मिळालेल्या नमुना १३-सी, ज्यात टपाली मतपत्रिकेत ठेवलेली आहे. मधील कोणताही लिफाफा-बी उघडण्यात आणि मोजण्यात येणार नाही आणि मतमोजणीस प्रारंभ झाल्यानंतर मिळालेल्या अशा प्रत्येक लिफाफ्यावर तशा आशयाचे (मतपत्रिका उशिरा मिळाली)/ सुयोग्य पृष्ठांकन निवडणुक निर्णय अधिकारी/ प्राधिकृत सहायक निवडणुक निर्णय अधिकारी यांच्याकडून करण्यात यावे. त्यानंतर नमुना १३-सी चा समावेश असणार हे लिफाफे त्यापुढील कार्यवाही करण्यापूर्वी एका मोठ्या पाकीटात ठेवण्यात येतील आणि ते मोहोरबंद करण्यात येतील.
- १४.२०.११ मतमोजणी सुरू होण्यासाठी निश्चित केलेल्या वेळेपर्यंत प्राप्त झालेल्या सर्व टपाली मतपत्रिका, मतमोजणीसाठी उघडल्या जातील. टपाली मतपत्रिकांच्या मोजणीसाठी, खालील मुद्दे/टप्पे काळजीपूर्वक अनुसरण्यात यावेत.
- (अ) निवडणुक निर्णय अधिकाऱ्याला वेळेवर मिळालेली टपाली मतपत्रिकांचा समावेश असलेली नमुना १३-सी मधील "बी" असलेले सर्व लिफाफे तो एका मागून एक उघडण्यात येतील.
- (ब) नमुना-१३-सी मधील लिफाफा-बी उघडल्यावर त्याच्या आत दोन दस्तऐवज असणे आवश्यक आहे. पहिला म्हणजे नमुना-१३ए मधील मतदाराचे प्रतिज्ञापत्र आणि दुसरा लिफाफा म्हणजे टपाली मतपत्रिकांचा अंतर्भाव असेला लिफाफा-ए (नमुना-१३-बी) टपाली मतपत्रिकेचा समावेश असलेला लिफाफा "ए" उघडण्यापूर्वी निवडणुक निर्णय अधिकारी घोषणापत्र (नमुना १३-ए) तपासणी करील.
- नमुना-१३-ए मधील व नमुना १३-सी असलेल्या लिफाफा "बी" मध्ये प्रतिज्ञापत्र आढळले नाही तरी ;
  - प्रतिज्ञापनावर मतदाराने यथोचितरीत्या स्वाक्षरी केलेली नसेल तर किंवा ते साक्षांकित करण्यास सक्षम असणाऱ्या अधिकाऱ्याकडून यथोचितरीत्या प्रमाणात केले गेले नसले तर, किंवा अन्यथा ते

## मुळातच सदोष असेल तर

- नमुना १३ए मधील प्रतिज्ञापत्रावर दर्शविलेल्या मतपत्रिकेचा अनुक्रमांक हा जर, नमुना १३-बी मधील आतील पाकीट 'ए' वर पृष्ठांकित केलेल्या अनुक्रमांकापेक्षा वेगळा असेल.

- १४.२०.१२ टपाली मतपत्रिकेचा समावेश असलेली अशी नमुना १३-बी मधील सर्व बाद ठरविलेली लिफाफा ए ची पाकिटे, निवडणूक निर्णय अधिकारी/किंवा प्राधिकृत सहायक निवडणूका निर्णय अधिकाऱ्याकडून यथोचितरित्या पृष्ठांकित केली जातील ब आणि त्या त्या प्रतिज्ञापनासह नमुना १३-सी मधील लिफाफा-बी मध्ये आणखी मोठ्या पाकिटात पुन्हा ठेवण्यात येतील.
- १४.२०.१३ असे मोठे लिफाफे "ब" वेगळ्या पाकिटात ठेवून ते संबंधित निवडणूक निर्णय सहायक निवडणूक अधिकाऱ्यांकडून सीलबंद केले जातील आणि पाकीट ओळखता यावे म्हणून मतदारसंघाचे नाव, मतमोजणीचा दिनांक आणि आतील वस्तुचे थोडक्यात वर्णन यांसारखा संपूर्ण तपशील त्यावर लिहिला जाईल.
- १४.२०.१४ त्यानंतर निवडणूक निर्णय अधिकारी/ सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी नमुना १३-बी मधील लिफाफा-अ मध्ये उरलेल्या म्हणजेच वरीप्रमाणे वर सांगितलेल्या लिफाफ्याखेरीज इतर लिफाफ्याचे काम हाती घेईल. टपाली मतपत्रिकांच्या बाबतीत गुप्ततेचा भंग होण्याचा धोका असल्यामुळे निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास नमुना १३-ए मधील सर्व प्रतिज्ञापनांची छाननी केल्यावर ती व्यवस्थित असल्याचे आढळून आल्यानंतर, ती प्रथम वेगळ्या पाकिटात ठेवून सीलबंद केली जातील ओळख पटविणारा तपशील पाकिटावर नमूद करण्यात येईल. कोणत्याही रितसर मतपत्रिका, त्यांच्या नमुना १३-बी मधील लिफाफा-ए मधून बाहेर काढण्यापूर्वी ही प्रतिज्ञापत्रे बाजूला काढून एका सीलबंद पाकिटात ठेवणे आवश्यक आहे, कारण या प्रतिज्ञापनामध्ये मतदारांची नाव त्यांच्या टपाली मतपत्रिकांच्या संबंधित अनुक्रमांकासह दिलेली असतात.
- १४.२०.१५ वरील कार्यपद्धती पूर्ण झाल्यानंतर, निवडणूक निर्णय अधिकारी/ सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी नमुना-१३ बी मधील लिफाफा एकामागून एक उघडील आणि त्यात असलेल्या टपाली मतपत्रिका बाहेर काढल्या जातील. अशा प्रत्येक मतपत्रिकेची निवडणूक निर्णय अधिकारी/ सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी छाननी करील आणि तिची वैधता ठरवील.
- १४.२०.१६ टपाली मतपत्रिका पुढील कारणावरून बाद ठरविली जाईल —
- (अ) त्यावर मत नोंदविलेले नसेल तर, किंवा
  - (ब) एकापेक्षा अधिक उमेदवाराला मते दिली असतील तर, किंवा
  - (क) मतपत्रिका बनावट असेल तर, किंवा
  - (ड) मतपत्रिका अस्सल असल्याचे सिद्ध करणे शक्य होणार नाही अशारीतीने ती खराब किंवा छिन्नविच्छिन्न केली असेल तर, किंवा
  - (ई) निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने मतदाराला मतपत्रिकेसह पाठविलेल्या लिफाफा बी मधून ती परत करण्यात आली नसेल तर, किंवा
  - (फ) कोणत्याही उमेदवाराला मत देण्यात आले आहे, याबद्दल शंका निर्माण होईल अशा तऱ्हेने मतदर्शक चिन्ह उमटवलेले असेल ; किंवा
  - (ग) मतदाराची ओळख पटेल अशा तऱ्हेची कोणतीही खूण किंवा लिखाण मतपत्रिकेवर असेल तर.
- १४.२०.१७ टपाली मतपत्रिकेवरील आपले मत दर्शविण्यासाठी मतदाराने कोणतीही विशिष्ट खून करणे कायद्याने आवश्यक नाही. एका विशिष्ट उमेदवारालाच मत देण्याचा मतदाराचा हेतू आहे, याबाबत कोणतीही वाजवी शंका निर्माण होणार नाही इतक्या स्पष्टपणे मतपत्रिकेवर खून करण्यात आली असेल, तोपर्यंत कोणतीही खून वैध म्हणून स्विकारता येईल. म्हणून, उमेदवारांसाठी मोकळ्या ठेवण्यात आलेल्या जागेत कोठेही केलेली खून ही, संबंधित उमेदवाराला दिलेले वैध मत असल्याचे गृहीत धरता येईल. तसेच जर मतपत्रिका चिन्हित करण्याच्या पद्धतीवरून विशिष्ट उमेदवारालाच

मत देण्याचा हेतू स्पष्टपणे लक्षात येत असेल, तर केवळ मतदर्शक चिन्ह अस्पष्ट असल्याच्या किंवा एकाच उमेदवारासाठी एकाहून अधिक वेळा उमटविले असल्याच्या कारणावरून टपाली मतपत्रिकेवर नोंदविलेले मत बाद करता येणार नाही. निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१ चा नियम, ५४ ए (१०).

१४.२०.१८ त्यानंतर वैद्य मतांची मोजणी करण्यात येईल. आणि प्रत्येक उमेदवाराला दिलेली मते त्यांच्या नावे जमा करण्यात येतील. नंतर प्रत्येक उमेदवाराला मिळालेली मते मोजण्यात येतील, **नमुना २०** मधील निकालपत्रावर नोंदविण्यात येतील आणि उमेदवार/ निवडणूक प्रतिनिधीं/मतमोजणी प्रतिनिधीं यांच्या माहितीसाठी जाहीर केली जातील.

१४.२०.१९ त्यानंतर, सर्व वैध मतपत्रिका आणि सर्व बाद मतपत्रिका यांचे वेगवेगळे गट्टे करण्यात येतील व ते एका लिफाफ्यात ठेवून निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांची मोहोर लावून मोहोरबंद करण्यात येतील आणि अशा उमेदवारांना, त्यांच्या निवडणूक प्रतिनिधींना किंवा मतमोजणी प्रतिनिधींना त्यांची मोहोर लावण्याची इच्छा असेल तर त्यांना त्यांच्या मोहोरा त्यावर लावता येतील.

१४.२०.२० मत मोजणीच्यावेळी अवैध म्हणून नाकारलेल्या टपाली मतपत्रिकांच्या संख्येपेक्षा विजयी झालेल्या मताची संख्येतील फरक कमी असल्यास, निकील जाहीर करण्यापूर्वी नाकारलेल्या सर्व टपाली मतपत्रिकांची निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडून पुनर्पडताळणी करणे अनिवार्य करण्यात येईल. जेव्हा अशी पुनर्पडताळणी करण्यात येईल, तेव्हा त्या संपूर्ण कार्यवाहीचे दृकश्राव्यचित्रण ( व्हीडीओग्राफी ) करण्यात येईल.

### १४.२१. नियंत्रण युनिट कडून इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रा (इव्हीएम) मध्ये केलेल्या मतांची मोजणी.

१४.२१.१ सर्वसाधारण सूचना

१४.२१.२ टपाली मतपत्रिकांची मोजणी सुरू वर ३० मिनिटानंतर, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रामधील (इव्हीएम)मतमोजणी सुरू करावी. खालील बाबतीत. मतमोजणीच्या नियोजित वेळेवर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रामधील (इव्हीएम)मतांची मोजणी सुरू केली जाईल.

(अ) मतदार संघात कोणतीही टपाली मतपत्रिका नसल्यास.

(ब) लोकसभा मतदार संघातील इतर विधानसभा क्षेत्रे टपाली मतपत्रिका मोजल्या जात नसतील.

१४.२१.३ मतमोजणीच्यावेळी, निकाल निश्चित करण्यासाठी मतदान केंद्रात वापरलेल्या इव्हीएमला जोडलेल्या नियंत्रण युनिटांची आवश्यकता असते. त्यामुळे इव्हीएम मधील मतांच्या मोजणीसाठी संबंधित नमुना-१७ सी सोबत फक्त नियंत्रण युनिटे मतमोजणीच्या टेबलावर आणली जातील.

१४.२१.४ मतमोजणीच्यावेळी, मतमोजणी कक्षामध्ये केवळ नियंत्रण युनिटे आणली जातील.

१४.२१.५ नियंत्रण युनिटमधील निकालाची खात्री करण्यासाठी, नियंत्रण युनिटांवरील (RESULT) 'निकाल' हे बटण दाबले जाते. तथापि, नियंत्रण युनिटमधील निकाल निश्चित करण्यापूर्वी खालीलप्रमाणे पडताळणी केली जाते आणि मतमोजणी प्रतिनिधींना दाखवली जाते:

- वहनपेटी आणि नियंत्रण युनिटच्या कॅबिनेट वर लावलेली खूण चिठ्ठी जोडणी जशीच्या तशी आहे.
- गुलाबी कागदी मोहोर आणि हिरवी कागदी मोहोर यांची जोडणी व विशिष्ट ओळख क्रमांक जशीच्या तशीच (अखंड) आहे.
- मतदान सुरू करणे आणि समाप्त करण्याच्यावेळा.
- नमुना-१७सी सह नियंत्रण युनिट मधील झालेले एकूण मतदान.

१४.२१.६. मतमोजणी सहायकाकडून नियंत्रण युनिट हे, अशा रीतीने आणि अशा स्थितीत ठेवले जाईल की, दर्शक पटल (डिस्प्ले पॅनल) मतमोजणी पर्यवेक्षक, सूक्ष्म निरीक्षक आणि उमेदवारांचे मतमोजणी (प्रतिनिधी) यांना बसवलेली जाळी/ कुंपणाच्या पलीकडे बसलेल्या प्रत्येक उमेदवाराला "नोटा" सह मिळालेली मते लिहून घेण्यासाठी स्पष्टपणे दिसेल. कोणत्याही मतदान प्रतिनिधीची इच्छा असल्यास, ही संपूर्ण प्रक्रिया परत एकदा नव्याने करून दाखवण्यात येईल.

### १४.२२. नमुना-१७ सी भाग दोन च्या मोजणीच्या निकालाचे संकलन :-

- १४.२२.१ नमुना-१७ सी च्या भाग-दोन मध्ये उमेदवार निहाय निकाल नमूद करण्यात येईल आणि उमेदवार/ त्यांचे प्रतिनिधी / मतमोजणी प्रतिनिधी यांच्या त्यावर स्वाक्षऱ्या घेण्यात येतील. नमुना-१७-सी च्या भाग दोन मध्ये उमेदवार / त्यांचे प्रतिनिधी / मतमोजणी प्रतिनिधी यांची स्वाक्षरी घेण्यापूर्वी, मतमोजणी पर्यवेक्षकाची स्वाक्षरी आणि उमेदवारांची / त्यांचे प्रतिनिधी / मतमोजणी प्रतिनिधी यांची स्वाक्षरी यांमधील जागेत "आम्ही याद्वारे प्रमाणित करतो की, हे / ही नियंत्रण युनिट (CU)/ युनिटे क्रमांक ..... मतदान केंद्र क्रमांक ..... मध्ये मतदानासाठी जे वापरलेले होते / तेच आहे" असे पेनाने लिहण्यात येईल.
- १४.२२.२ प्रत्येक मतमोजणी फेरी नहाय निकालपत्राची छायाप्रत संबंधित टेबलावरील मत मोजणी प्रतिनिधींना पुरविली जाईल. या प्रतीवर उपस्थित असलेल्या मतमोजणी प्रतिनिधींच्या आणि त्यानंतर टेबलावर उपस्थित असलेल्या मतमोजणी पर्यवेक्षक यांच्या स्वाक्षऱ्या करून घेण्यात येतील.
- १४.२२.३ प्रत्येक मतदान केंद्राचे सारणी पत्रक ( नमुना-१७-सी ) निवडणूक निर्णय अधिकारी/सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी यांच्या टेबलावर प्राप्त झाल्यावर, ते निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्या जवळील टेबलावर बसलेल्या उमेदवारांना/ त्यांच्या निवडणूक प्रतिनिधींना / मतमोजणी प्रतिनिधींना दाखवले जाईल, जेणे करून ते प्रत्येक मतदान केंद्रासाठी प्रत्येक उमेदवाराच्या निकालाची नोंद घेऊ सकतील. नमुना-१७-सी सर्व बाबतीत यथोचितरित्या भरला आहे आणि सर्व बाबतीत परिपूर्ण आहे अशी त्याची खात्री पटल्यावर निवडणूक निर्णय अधिकारी / सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी मूळ नमुना १७-सी यावर प्रतिस्वाक्षरी करील. अशाप्रकारे निवडणूक निर्णय अधिकारी सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी यांनी प्रतिस्वाक्षरी केलेला नमुना, अंतिम निकाल संकलन करणाऱ्या आणि नमुना २० मध्ये अंतिम निकाल तयार करणाऱ्या, अधिकाऱ्याकडे पाठविण्यात येईल.
- १४.२२.४ निरीक्षक आणि निवडणूक निर्णय अधिकारी, प्रत्येक बाब तपासल्यानंतर त्या फेरीच्या उमेदवार निहाय निकालावर स्वाक्षरी करतील आणि मतमोजणीच्या त्या फेरीचे मतमोजणीचे निकाल सूचना फलक / इलेक्ट्रॉनिक सूचना फलक यावर ठळकपणे दिसतील अशा रीतीने प्रदर्शित केल्याची खात्री करतील. त्याची सार्वजनिक उद्घोषणा यंत्रणेमार्फत (Public Address System) घोषणा ही करण्यात येईल. मतमोजणी त्या त्या फेरीच्या निकालाची एक प्रत, ती फेरी पूर्ण झाल्यानंतर सर्व उमेदवार/ प्रतिनिधींना सामायिक ( शेअर ) करण्यात यावी.
- १४.२२.५ प्रत्येक मतदान केंद्रावर प्रत्येक उमेदवाराला मिळालेल्या मतांची एकूण संख्या आणि टपाली मतपत्रिकेद्वारे मिळालेली मते, यांचा अंतिम निकाल पत्रिकेत समाविष्ट केल्यानंतर, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने प्रत्येक मतदारसंघासाठी प्रत्येक उमेदवाराच्या संदर्भातील प्रत्येक नोंदी, बरोबर असल्याची आणि नमुना कोणत्याही बाबतीत अपूर्ण नसल्याची, खात्री केली पाहिजे.

### १४.२३ व्ही.व्ही.पी.ए.टी. चिठ्ठ्यांची मोजणी :

- १४.२३.१ नियंत्रण युनिटमधील मतांची मोजणी पूर्ण झाल्यानंतरच जसेकी मतमोजणीसाठी कोणतेही नियंत्रण युनिट बाकी राहिलेले नाही व्हीव्हीपीएटीमधील चिठ्ठ्यांची मोजणी सुरू करण्यात येईल.
- १४.२३.२ व्हीव्हीपीएटी मधील चिठ्ठ्यांची मोजणी, केवळ व्हीव्हीपीएटी मोजणी केंद्र ( VCB ) मध्येच उमेदवारांच्या /त्यांच्या प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत निवडणूक निर्णय अधिकारी आणि निरीक्षकांच्या बारीक देखरेखीखाली केली जाईल. व्हीव्हीपीएटी चिठ्ठ्यांची मोजणी सुरू करण्यापूर्वी, मतमोजणी कर्मचारी व इतर मोजणी टेबलावरील मोजणी प्रतिनिधी यांना मतमोजणी सभागृहाबाहेर काढले जाईल.

### १४.२३.३ व्ही.व्ही.पी.ए.टी. चिठ्ठ्यांचा मोजणी क्रम :

- ( अ ) ज्या नियंत्रण युनिटच्या दर्शक पटलावर ( डिस्प्ले पॅनलवर ) मतमोजणीचा निकाल दिसत नाही, त्या मतदान केंद्राच्या ( केंद्रांच्या ) व्हीव्हीपीएटी चिठ्ठ्यांची मोजणी.
- ( ब ) ज्या मतदान केंद्रांमध्ये अभिरूप मतदानाची माहिती काढून न टाकल्याने/चिठ्ठ्या नाहिशा न केल्याने ( क्लिअर ) अभिरूप मतदानाची प्रक्रिया नीटपणे पार पडलेली नाही अशा किंवा नियंत्रण युनिटमधील मिळालेली मते व नमुना-१७सी मधील मतांचा ताळमेळ न जुळणे, जर त्या केंद्रावर अंतर जिंकलेल्या उमेदवार व इतर यातील

मतांचे फरकाची संख्या मतदान केंद्रावर झालेल्या एकूण मतांच्या समान आहे किंवा त्यापेक्षा कमी असल्यास, अशा मतदान केंद्राच्या (केंद्रांच्या) व्हीव्हीपेटच्या चिट्ट्यांची मोजणी.

- (क) नियम ५६(ए) अंतर्गत कोणताही उमेदवार/निवडणूक प्रतिनिधी/ मतमोजणी प्रतिनिधी यांच्याकडून लेखी स्वरूपातील अर्ज प्राप्त झाल्यावर, एखाद्या मतदान केंद्रांच्या छापील कागदी चिट्ट्यांची मोजणी करण्याच्या (मौखिक आदेश) निर्णय निवडणूक निर्णय अधिकारी घेतला असल्यास, निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ च्या नियम ५६(ड) अंतर्गत व्हीव्हीपीए चिट्ट्यांची मोजणी.
- (ड) प्रत्येक विधानसभा मतदारसंघ / प्रत्येक लोकसभा मतदार संघातील विधानसभा विभागाची मतमोजणी पूर्ण झाल्यानंतरच, यादृच्छिकपणे निवडलेल्या ५ मतदान केंद्रांच्या व्हीव्हीपीएटी चिट्ट्यांची अनिवार्य पडताळणी ही, करण्यात येईल.

**१४.२३.४** नियंत्रण युनिटमधून अभिरूप मतदानाची माहिती काढून न टाकणे किंवा व्हीव्हीपीएटीमधून अभिरूप मतदानाच्या चिट्ट्या न काढणे किंवा नियंत्रण युनिटमध्ये मिळालेली एकूण मते नमुना-१७सी मधील मतांच्या अहवालाशी न जुळणे अशा समस्या संबंधी :

- (अ) जेथे वर नमूद केल्याप्रमाणे, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपीएटी बाजूला ठेवण्यात आले आहेत, अशा सर्व मतदान केंद्रांकरिता, त्या लोकसभा मतदार संघाच्या सर्व विधानसभा क्षेत्रातील मतमोजणी पूर्ण होईपर्यंत, लोकसभा मतदारसंघातील कोणत्याही विधानसभा विभागाची मतमोजणी केली जाणार नाही.
- (ब) जर अशा सर्व मतदान केंद्रांतील मतदान झालेल्या एकूण मतांपेक्षा विजयी झालेल्या उमेदवाराच्या मतांतील फरक अधिक असेल तर, वर नमूद केल्याप्रमाणे निश्चित केलेली अशी मतदान केंद्रांची मतमोजणी केली जाणार नाही आणि ही मतदान केंद्रे वगळून निकाल घोषित करण्यात येईल.
- (क) त्या मतदान केंद्रांत झालेल्या एकूण मतदानापेक्षा विजयासाठी आवश्यक मतांचे फरक कमी किंवा समान असेल अशा प्रकरणांत अशा परिस्थितीत केवळ संबंधित व्हीव्हीपीएच्या कागदी चिट्ट्यांचीच मोजणी केली जाईल आणि नियंत्रण युनिटे, मोजणीच्या हेतूने म्हणजेच मत मोजणीसाठी नियंत्रण युनिटांचा वापर केला जाणार नाही बाजूला ठेवली जातील.
- (ड) जरी, अभिरूप मतदानाशी संबंधित व्हीव्हीपीएटीमधील चिन्हांकित चिट्ट्या, व्हीव्हीपीएटीच्या ड्रॉप बॉक्स मधून काढल्या गेल्या नसल्या तरी, व्हीव्हीपीएटीतील चिट्ट्यांची मोजणी करण्यात येईल आणि मतदान झालेल्या उमेदवारनिहाय मताची अचूक संख्या मिळण्यासाठी अभिरूप मतदान प्रमाणपत्रातून उमेदवारनिहाय मते वजा केली जातील.
- (ई) या सर्व मतदान केंद्रांच्या व्हीव्हीपीएटी कागदील चिट्ट्यांच्या मोजणीचा निकाल उमेदवारनिहाय जुळणी करून येणाऱ्या बेरजेत मिळवला जाईल आणि अंतिम निकाल संकलित केला जाईल.
- (फ) उमेदवारनिहाय मिळालेल्या मतांची अचूक मोजणी करण्यात, काही तफावत किंवा अडचण आल्यास, या बाबतीत हे प्रकरण पुढील निर्देशासाठी आयोगाकडे पाठविले जाईल.

**१४.२४. नियम ५६(ड) अंतर्गत व्हीव्हीपीएटी चिन्हांकित चिट्टीच्या मोजणीसाठी मागणी करणारे उमेदवार :**

निकाल पत्रातील नोंदी जाहीर झाल्यानंतर, जर कोणताही उमेदवार, त्यांचे निवडणूक प्रतिनिधी किंवा मतमोजणी प्रतिनिधी यांनी कोणत्याही किंवा सर्व मतदान केंद्रांच्या व्हीव्हीपीएटी छापील कागदी चिट्ट्यांच्या मोजणीसाठी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे लेखी अर्ज केला असेल आणि जर असा अर्ज प्राप्त झाला असेल तर, निवडणूक निर्णय अधिकारी व्हीव्हीपीएटी मधील कागदी चिट्ट्या मोजण्याचा सकारण आदेश देईल. जर, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने, कोणताही किंवा सर्व मतदान केंद्रांच्या व्हीव्हीपीएटीमधील कागदी चिट्ट्यांच्या मोजणीस मान्यता देण्याचा निर्णय घेतला असेल तर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या अशा निर्णयाची त्याच्या कारणांसह लेखी नोंद करणे आवश्यक असेल. निवडणूक निर्णय अधिकारी, पुढील गोष्टींचा योग्य विचार करेल :



- (अ) एखाद्या मतदान केंद्रात मतदान झालेल्या एकूण मतांची संख्या निवडून आलेल्या उमेदवार आणि मतमोजणीची मागणी करणारा उमेदवार यांच्यामधील मतांचा फरक अधिक किंवा कमी असेल किंवा कसे.
- (ब) मतदान केंद्रावर मतदानादरम्यान इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र (EVM) आणि व्हीव्हीपीएटीची काही समस्या होती का आणि ते बदलण्यात आलेले होते किंवा कसे?
- (क) मतदान केंद्रावर मतदानादरम्यान नियम ४९ एमए अंतर्गत कोणत्याही मतदाराने व्हीव्हीपीएटीमधून चिन्हांकित चिठ्ठ्या छापल्या जात नसल्याबाबत तक्रार किंवा कोणतीही तक्रार केली होती किंवा कसे?

#### १४.२५ एखाद्या मतदान केंद्राच्या मतदार पडताळणीयोग्य कागदी परिनिरीक्षण निशाणीच्या (विव्हीपॅट) कागदी चिठ्ठ्यांची अनिवार्य पडताळणी :

इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांमध्ये नोंदविलेल्या मतमोजणीची अंतिम फेरी पूर्ण झाल्यानंतर निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ याच्या नियम ५६डच्या तरतुदी लोकसभा व राज्य विधानसभेच्या सर्व सार्वत्रिक व पोट-निवडणुकीच्या बाबतीत, यादृच्छिकपणे निवड केलेल्या कोणत्याही ५ मतदार केंद्राच्या व्हीव्हीपॅटच्या कागदी चिठ्ठ्यांची पडताळणी पुढे दिल्याप्रमाणे करण्यात येईल :

- (अ) प्रत्येक विधानसभा मतदार संघ/विधानसभा क्षेत्राशी संबंधित निवडणूक निर्णय अधिकारी/सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी, यादृच्छिकपणे निवडलेल्या ०५ मतदान केंद्रांमधील व्हीव्हीपीएटीमधील सोडतीच्या चिठ्ठ्या टाकून अनिवार्य पडताळणी आयोजित करतील. उमेदवार / त्यांच्या प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत आणि त्या मतदार संघासाठी आयोगाने नियुक्त केलेल्या निरीक्षकाच्या उपस्थितीत किंवा निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१ च्या नियम ५६(ड) अन्वये किंवा नियंत्रण युनिटमधून निकाल प्रदर्शित न झाल्यामुळे त्याचे कारण काहीही असोत इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांमधील नोंदविलेल्या मतांची मोजणी आणि व्हीव्हीपीएटीच्या चिन्हांकित कागदी चिठ्ठ्यांची मोजणी ही शेवटची फेरी पूर्ण झाल्यानंतर करण्यात येईल.
- (ब) ही पडताळणी व्हीव्हीपीएटी मतमोजणी केंद्रांमध्ये करण्यात येईल.
- (क) सोडतीच्या चिठ्ठ्या टाकण्यासाठी खालील मतदान केंद्राचा (केंद्रांचा) समावेश होणार नाही :—
- ज्या मतदान केंद्रांवरील नियंत्रण युनिटमधील निकाल दिसत नसल्यामुळे, त्या मतदान केंद्रांवरील व्हीव्हीपीएटी कागदी चिठ्ठ्यांची मोजणी करण्यात आलेली नसल्यास, मतदान केंद्र (केंद्रे).
  - निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१ च्या नियम ५६(डी) अन्वये ज्या मतदान केंद्रावर (केंद्रांवर) व्हीव्हीपीएटी कागदी चिठ्ठ्यांची मोजमी केली गेली आहे मतदान केंद्र (केंद्रे).
  - ज्या मतदान केंद्रांवरील नियंत्रण युनिटमधून अभिरूप मतदानाची माहिती काढून टाकण्यात आलेली नाही किंवा व्हीव्हीपीएटीमधून अभिरूप मतदानाच्या कागदी चिठ्ठ्या काढलेल्या नाहीत किंवा नियंत्रण युनिटमधील एकूण मतांची नोंद नमुना-१७सी बरोबर जुळत नाहीत, असे मतदान केंद्र (केंद्रे).
- (ड) लोकसभा आणि विधानसभेच्या निवडणुकांची मतमोजणी एकाचवेळी होत असल्यास, अशा लोकसभा आणि विधानसभेच्या निवडणुकांच्या व्हीव्हीपीएटी मोजणीकरिता मतमोजणी केंद्रांसाठी स्वतंत्र टेबलांची व्यवस्था करण्यात आली असल्यास,

१४.२६ निवडणुका घेण्याबाबत नियम १९६१ च्या नियम ५६डी(४)(ब) नुसार, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांमधील मतमोजणी आणि कागदी चिठ्ठ्यांवरील मोजणीमध्ये काही तफावत असल्यास, कागदी चिठ्ठ्यांची मोजणीस प्राधान्य असेल. म्हणून नियंत्रण युनिटवरील प्रदर्शित मतांची मोजणी आणि त्यासंबंधित मतदान केंद्रातील छापील कागदी चिठ्ठ्यांची मोजणी यांमध्ये तफावत आढळल्यास निकालपत्रात छापील कागदी चिठ्ठ्यांच्या मोजणीनुसार सुधारणा करण्यात येईल.

#### १४.२७ फेरमतमोजणी :—

- १४.२७.१ सामान्यतः मतदान यंत्रात नोंदविलेल्या मतांची फेरमोजणी करण्याचा प्रश्न उद्भवणार नाही. मतदान यंत्राद्वारे नोंदवण्यात आलेले प्रत्येक मत वैध असते आणि त्यांच्या वैधतेबाबत किंवा अवैधतेबाबत कोणताही वाद निर्माण होणार नाही. मतदान यंत्राच्या वापरामुळे फेरमतमोजणी करण्याची गरज भासत असली तरी, सर्व मतदार संघाच्या बाबतीत, निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ च्या नियम ६३ मध्ये समाविष्ट असलेल्या फेरमतमोजणी संबंधातील तरतुदी अजून लागू आहेत.



- १४.२७.२ जेव्हा मतमोजणी पूर्ण होईल आणि नमुना २० मधील अंतिम निकालपत्र तयार करण्यात येईल तेव्हा निवडणूक निर्णय अधिकारी, नमुना २० मध्ये नोंदविल्याप्रमाणे प्रत्येक उमेदवाराला मिळालेल्या एकूण मतांची संख्या देऊन निकाल घोषित करील. त्यानंतर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांनी एक किंवा दोन मिनिटे थांबावी.
- १४.२७.३ जर या कालावधीत, जर कोणताही उमेदवार किंवा त्यांच्या अनुपस्थित, त्याचा निवडणूक प्रतिनिधी किंवा मतमोजणी प्रतिनिधी कोणीही एक फेरमतमोजणीची मागणी करित असेल, तर निवडणूक निर्णय अधिकारी त्याच्याकडून फेर मोजणीसाठी निश्चित केलेल्या वेळेत लेखी अर्जाची मागणी करेल. तथापि, जिथे मतमोजणीची ठिकाणे वेगवेगळ्या ठिकाणी आहेत. याबाबतीत, अशा संदर्भातील फेरमोजणीसाठी विधानसभा विभागातील मतमोजणीचे पर्यवेक्षण करणाऱ्या सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे अर्ज सादर केला जाऊ शकतो. संबंधित सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी इतर मोजणीच्या ठिकाणी असलेल्या उमेदवारांना / प्रतिनिधींना निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या ठिकाणी पुनर्मोजणीचा अर्ज करण्यासाठी वेळेत पोहोचणे कठीण असल्यामुळे, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या परवानगीने फेर मोजणीसाठी आलेला अर्ज हाताळू शकतात. सर्व किंवा काही मतदान केंद्रांवर मतदान झालेल्या मतपत्रिकांची आणि / किंवा मतदान केलेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांची पुनर्मोजणी करण्याची विनंती करण्याचा पर्याय उमेदवाराकडे असतो.
- १४.२७.४ जर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला असे वाटले की, अर्ज करण्यासाठी वाजवी वेळ आहे तर, तो त्यास परवानगी देईल आणि ती त्यासाठीची निश्चित वेळ जाहीर करेल त्यावेळेपर्यंत निवडणूक निर्णय अधिकारी फेरमोजणीसाठी लेखी अर्ज प्राप्त होण्याची वाट पाहील. निवडणूक निर्णय अधिकारी अशाप्रकारे जाहीर केलेली निश्चित वेळ संपेपर्यंत नमुना-२० मधील अंतिम निकालपत्रावर स्वाक्षरी करणार नाही.
- १४.२७.५ जर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला फेरमोजणीसाठी अर्ज प्राप्त झाला तर, त्याने त्यासाठी विनंती केलेल्या कारणावर विचार करेल आणि प्रकरणांवर न्यायपूर्वक निर्णय घेईल. जर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास प्राप्त झालेला अर्ज पूर्णपणे किंवा काही अंशी वाजवी असल्यास तो घेण्यास मुभा देईल किंवा विनाकारण किंवा अवास्तव असल्याचे कळले तर, तो नाकारील. पण नियम ६३ अन्वये उमेदवाराच्या फेरमोजणीची मागणी करण्याचा अधिकार असला तरी, केवळ त्याने मागणी केली म्हणजे फेरमोजणी घेतलीच पाहिजे असा त्याचा अर्थ होत नाही. एखाद्या पक्षाने मतमोजणी बरोबर झाली नसल्याचे आणि न्याय हितासाठी फेरमोजणी आवश्यक असल्याचे प्रथम दर्शनी पाहता मागणी केली आहे, अशा प्रत्येक प्रकरणात, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने निर्णयाच्या कारणांचे संक्षिप्त विवरण नोंदवले पाहिजे आणि सकारण आदेश दिला पाहिजे. अशा वेळी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याचा निर्णय अंतिम असेल.
- १४.२७.६ जर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने संपूर्णतः किंवा काही अंशी फेरमोजणीकरिता अर्जाला परवानगी दिली, तर त्याच्या निर्णयानुसार मतादन यंत्रामध्ये नोंदवलेली मते पुन्हा मोजली जातील. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने जर तसे ठरवले तर, टपाली मतपत्रिकांचीदेखील पुन्हा मोजणी केली जाईल.
- १४.२७.७ फेरमोजणी नंतर, निवडणूक निर्णय अधिकारी, अंतिम निकालपत्रात आवश्यक दुरुस्ती करेल आणि अशाप्रकारे दुरुस्त्या कोणत्याही असल्यास, जाहीर करेल.
- १४.२७.८ फेरमोजणी झाल्यानंतर प्रत्येक उमेदवाराला मिळालेल्या एकूण मतांची संख्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याद्वारे जाहीर केली जाईल, त्यानंतर निकालपत्रक पूर्ण करून त्यावर स्वाक्षरी करेल. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने निकालपत्र पूर्ण केल्यानंतर आणि अंतिम निकालपत्रावर स्वाक्षरी झाल्यानंतर कोणत्याही उमेदवाराला फेरमोजणीची मागणी करण्याचा अधिकार नाही. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने निकालपत्र पूर्ण केल्यावर आणि अंतिम निकालपत्रावर स्वाक्षरी केल्यानंतर कोणतीही फेरमोजणीची कोणतीही मागणी फेटाळण्यात येईल आणि अंतिम निकालपत्रावर स्वाक्षरी करण्यात येईल. ही संपूर्ण प्रक्रिया काळजीपूर्वक व्हिडीओचित्रण करणे आवश्यक आहे.
- १४.२७.९ दुसऱ्या फेरमोजणीसाठी उमेदवाराला विनंतीअर्ज दाखल करण्याचा अधिकार आहे. परंतु जर पहिल्या फेरमोजणीत थोड्याफार प्रमाणात तफावत दिसून येत असेल, आणि त्याच वेळी एका उमेदवाराच्या बाजूने फार मोठे बहुमत दिसून आले तर, दुसऱ्यांदा फेरमोजणीची मागणी अवाजवी ठरेल. याउलट, जेव्हा पहिल्या दोन उमेदवारांमधील मतांचा फरक अगदीच कमी असेल आणि तिथे मागील फेरमोजणीच्या निकालामध्ये भिन्नता दिसत असेल, तेथे आणखी फेरमोजणीची मागणी करणे वाजवी ठरेल.

- १४.२७.१० दुसऱ्या फेरमोजणीच्या प्रत्येक प्रकरणात निवडणूक निर्णय अधिकारी निर्णयाच्या कारणांचे संक्षिप्त विवरण जोडील आणि मगच सकारण आदेश देईल. परंतु निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला जेव्हा मागील फेरमोजणी सारखेच परिणाम दिसत असतील, तसेच प्रतिस्पर्धी उमेदवारांमधील मतांचा फरक फारच कमी दिसत असेल, तेव्हा परत फेरमोजणी करणे नाकारणे न्याय ठरू शकेल.
- १४.२७.११ इथे हे नमूद करणे उचित ठरेल की, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने मतांची अचूक मोजणी करणे त्याचे कर्तव्य आहे. म्हणून, मतमोजणी दरम्यान कोणत्याही वेळी मतमोजणी कर्मचाऱ्यांना पुन्हा मतमोजणी करण्याचे आदेश देण्याचा अधिकार त्यांना आहे.
- १४.२७.१२ जर, एकापेक्षा अधिक ठिकाणी मतांची मोजणी झाली असेल, तर या प्रयोजनासाठी निश्चित केलेल्या ठिकाणांपैकी शेवटच्या ठिकाणी मतमोजणी पूर्ण झाल्यानंतरच केवळ मतांच्या फेरमोजणीची मागणी करता येईल. अशाप्रकारे लोकसभा मतदार संघाच्या बाबतीत, ज्या ठिकाणी निवडणूक निर्णय अधिकारी, टपाली मतपत्रिकांची मोजणी करतो व नमुना २० मध्ये अंतिम निकालाचा भाग दोन पूर्ण करतो त्या ठिकाणी अशी फेरमोजणी करता येऊ शकते आणि विधानसभा मतदार संघानुसार मतांची फेरमोजणी केली जाऊ शकते अशा ठिकाणी नाही.

#### १४.२८ मतमोजणी स्थगित करणे :

- १४.२८.१ निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने प्रत्येक ठिकाणी सतत मतमोजणी चालू ठेवली पाहिजे. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला कोणत्याही अपरिहार्य कारणास्तव मतमोजणी पूर्ण होण्याअगोदर तहकूब किंवा पुढे ढकलावी लागली तर त्याने सर्व मतदान यंत्रे आणि निवडणुकीशी संबंधित इतर सर्व कागदपत्रे मोहोरबंद केली पाहिजेत. तो प्रत्येक उमेदवार किंवा निवडणूक प्रतिनिधीला, जर त्यांची तशी इच्छा असेल तर, प्रत्येक मतदान यंत्रावर आणि ज्यामध्ये निवडणूक संबंधी कागदपत्रे ठेवली आहेत अशा लिफाफ्यावर, त्याची मोहोर लावण्याची परवानगी देईल.
- १४.२८.२ सर्व मोहोरबंद मतदान यंत्रे आणि लिफाफे इत्यादी स्वतंत्र कक्षात ठेवण्यास अधिक पसंती देण्यात येईल आणि त्या कक्षास निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याची मोहोर लावून मोहोरबंद व सुरक्षित केले जाईल. उमेदवार, अशा कक्षावर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याबरोबरच त्यांची स्वतःची कुलुपेही आलटून पालटून लावू शकतील.

#### १४.२९ मतमोजणी सुरू झाल्यावर निदेश दिलेल्या पुनर्मतदानानंतरची मतमोजणी :

आयोगाने दिलेल्या निर्देशानुसार, मतदान केंद्रावर कोणतेही पुनर्मतदान घेण्यात आले असल्यास, निवडणूक निर्णय अधिकारी, अशा पुनर्मतदानात नोंदवलेल्या मतांची मोजणी करण्यासाठी तारीख, वेळ आणि ठिकाण निश्चित करेल आणि तसेच त्याबाबत प्रत्येक उमेदवाराला किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीस लेखी नोटीस देईल. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने जेथवर लागू होईल तेथवर, अशा पुढील मतमोजणीसाठी, वर तपशीलवार नमूद केलेलीच प्रक्रिया अनुसरावी.

#### १४.३० मतमोजणीनंतर इलेक्ट्रॉनिक मतदानयंत्रे (EVMs) आणि व्हीव्हीपीएटी मोहोरबंद करणे :

मतमोजणीनंतर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे (EVMs) आणि व्हीव्हीपीएटी व इतर कागदपत्रे मोहोरबंद करणे:

- १४.३०.१ निकाल घोषित झाल्यानंतर, सर्व नियंत्रण युनिटे (पॉवर-पॅक) बॅटरी काढून टाकून, त्यांच्या संबंधित वहन पेट्यांमध्ये ठेवले जातील आणि पत्ता खूण चिठ्ठींसह मोहोरबंद केले जातील. त्यानंतर, व्हीव्हीपीएटी मधून छापील कागदी चिकु्या काढल्या जातील आणि काळ्या लिफाफ्यामध्ये (एक व्हीव्हीपीएटीसाठी एक लिफाफा) मोहोरबंद केल्या जातील आणि एका पेटीमध्ये ठेवल्या जातील. एका पेटीमध्ये, एकाच विधानसभा मतदार संघाचे किंवा, यथास्थिती, विधानसभा प्रभागाच्या असे लिफाफे ठेवण्यात यावेत. त्याचप्रमाणे त्यावर निवडणुकीशी संबंधित सर्व तपशील चिकटवण्यात येतील/ लिहिले जातील.
- १४.३०.२ आयोगाने पुरविलेली निवडणुकीशी संबंधित कागदपत्रे असलेली पाकिटे देखील द्विभाषिक गोपनीय शिक्क्याने मोहोरबंद केली जातील. ही पाकिटे लोखंडी (प्रत्येक प्रकारचे पाकीट स्वतंत्रपणे) दुहेरी कुलूप असलेल्या पेट्यांमध्ये जातील.
- १४.३०.३ उमेदवार किंवा त्यांच्या प्रतिनिधींना / प्राधिकृत प्रतिनिधींना उचित पोच देऊन मोहोरबंद प्रक्रिये दरम्यान उपस्थित राहण्याचे कळविले जाईल. आयोगाच्या द्विभाषिक गोपनीय मोहोराचा अनुक्रमांक नोंदवून ठेवण्याची आणि त्यांची इच्छा असल्यास,

त्यांची मोहोर त्यावर लावण्यास देखील परवानगी दिली जाईल. संपूर्ण मोहोरबंद करण्याची प्रक्रिया ही, सीसीटीव्ही/व्हिडिओग्राफी अंतर्गत करण्यात येईल. सीसीटीव्ही / व्हिडिओग्राफी अंतर्गत करण्यात येईल. सीसीटीव्ही / व्हिडिओग्राफी प्रक्रिया अशा प्रकारे करण्यात येईल, जेणेकरून त्यात संपूर्ण प्रक्रिया स्पष्टपणे दिसून येईल.

### १४.३१ मतमोजणीनंतर, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे (EVMs) / व्हीव्हीपीएटी आणि इतर कागदपत्रे जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याच्या सुरक्षित अभिरक्षेत ठेवणे.

१४.३१.१ निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ च्या नियम ९२ तसेच नियम ९३ त्यामध्ये अशी तरतूद करण्यात आली आहे की, नियम ५७सी अंतर्गत मोहोरबंद केलेली ही यंत्रे आणि कागदपत्रे जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याच्या सुरक्षित अभिरक्षेत ठेवली जातील. आणि सक्षम न्यायालयाच्या आदेशाशिवाय कोणतीही व्यक्ती किंवा प्राधिकरणासमोर उघडली किंवा त्यांचे निरीक्षण केले जाणार नाही, किंवा त्यांच्या समोर सादर केले जाणार नाहीत अशा प्रकारे मोहोरबंद केलेली यंत्रे आणि छापील कागदी चिठ्ठ्या ( व्हीव्हीपीएटी चिठ्ठ्या ) भारत निवडणूक आयोगाने, जारी केलेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांच्या दिलेल्या निदेशांवरील नियम पुस्तिकांच्या नवीन केलेल्या आवृत्तीमध्ये नमूद करण्यात येईल अशा कालावधीसाठी जशाच्या तशाच सुरक्षित ठेवण्यात येतील.

१४.३१.२ निवडणुकीचा निकाल जाहीर झाल्यानंतर लगेचच, सर्व इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे (EVM) (मतदानयंत्र (BU) आणि नियंत्रण युनिट (CU), व्हीव्हीपीएटी आणि दस्तऐवज ठेवलेले लिफाफे यांच्या मोहोरबंद केलेल्या पेट्या त्याच दिवशी आणि, कोणत्याही परिस्थितीत दुसऱ्या दिवशी दुपारनंतर नसेल अशा रीतीने, लगेच त्याच दिवशी जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्यांकडे मुख्यालयात पाठवावेत आणि ते मिळाल्यावर, जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्यांनी ताबडतोब त्यांच्या सुरक्षित अभिरक्षेत ठेवण्याची व्यवस्था करावी.

१४.३१.३ इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र (EVM) व्हीव्हीपीएटी आणि निवडणूक कागदपत्रे जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याच्या ताब्यात सुरक्षित ठेवण्याचे ठिकाण हे जर मतमोजणी केंद्राच्या ठिकाणाच्या अन्य व्यतिरिक्त असेल तर, पुढील नियम प्रक्रिया अनुसरण्यात येईल :—

(अ) मतमोजणीनंतर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे (EVMs), व्हीव्हीपीएटी आणि निवडणुकीशी संबंधित कागदपत्रे ज्याठिकाणी ठेवण्यात येतील, त्याठिकाणाची माहिती निवडणूक लढविणारे उमेदवार / त्यांचे प्रतिनिधी यांना लेखी योग्य ती पोचपावती घेऊन कळविली जाईल.

(ब) इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे (EVMs) व्हीव्हीपीएटी आणि निवडणुकीसंबंधीची कागदपत्रे वाहून नेणाऱ्या वाहनांसाठी केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दल संरक्षण व्हिडिओचित्रणासह पुरविले जाईल. उमेदवार / त्यांचे प्रतिनिधी यांना देखील त्या वाहनांच्या मागे जाण्याची परवानगी दिली जाईल.

### १४.३२ मतमोजणीनंतर मतदान यंत्रे पुन्हा मोहोरबंद करणे :

१४.३२.१ निकाल घोषित केल्यानंतर, सर्व नियंत्रण युनिटे, बॅटरी (पॉवर पॅक) काढून टाकून त्यांच्या संबंधित वहन पेट्यांमध्ये ठेवली जातील आणि पत्त्याची खूण चिठ्ठ्या लावून मोहोरबंद केली जातील. तसेच, व्हीव्हीपीएटी मधून छापील कागदी चिठ्ठ्या काढल्या जातील आणि त्या काळ्या रंगाच्या लिफाफ्यामध्ये (एका व्हीव्हीपीएटीसाठी एक लिफाफा याप्रमाणे) टाकून एका पेटीत ठेवल्या जातील. एका पेटीत एकाच विधानसभा मतदारसंघ किंवा यथास्थिती विधानसभा क्षेत्राचे लिफाफे ठेवण्यात यावेत व त्यावर निवडणुकीशी संबंधित सर्व तपशील लिहिण्यात /चिकटवण्यात येईल. यासाठी इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रावरील माहिती पुस्तिकेच्या नवीन आवृत्तीमध्ये विहित केलेल्या कार्यपद्धतीचे अनुपालन केले जाईल.

### १४.३३ मते समसमान मिळणे :

१४.३३.१ एखादी जागा लढवताना दोन उमेदवारांना सर्वाधिक मते मिळाली असतील आणि त्यांची मते समसमान असल्यास, चिठ्ठ्या टाकून निकाल जाहीर करावा हे अतिशय दुर्मिळातील दुर्मिळ प्रकरण असेल. अशा प्रकरणांमध्ये सुद्धा ही बाब आयोग यावर काय निर्देश देईल हे पाहण्यासाठी प्रथम आयोगाला कळवण्यात यावे.

### १४.३४ निवडणुकीच्या निकालाची घोषणा :

- १४.३१.१ सर्व प्रकारची मतमोजणी पूर्ण झाल्यानंतर, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने, निवडणुकीच्या निकालाची औपचारिक घोषणा करण्यासाठी कार्यवाही करावी. तथापि, आयोगाचे निर्देश द्यावे लागतील असे कोणतेही प्रकरण प्रलंबित नाही, आणि आयोगाच्या निरीक्षकांकडून मतदार संघातील निकालाची घोषणा रोखून धरण्यासाठी कोणतेही सर्वसाधारण किंवा विशेष निदेश दिलेला नाही याची निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने अशी खात्री करावी की, तसे असल्यास, त्याने तात्काळ सर्व आवश्यक माहिती देऊन आयोगाला सविस्तर अहवाल पाठवावा आणि निकाल जाहीर करण्यापूर्वी त्याची पूर्वपरवानगी घ्यावी. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने निवडणूकीचा निकाल घोषित करण्यापूर्वी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने संबंधित निरीक्षकांकडून निकाल घोषित करण्यासाठी प्राधिकृत पत्र प्राप्त केले पाहिजे.
- १४.३४.२ निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ च्या यास जोडलेल्या नमुना २० मध्ये पूर्ण निकाल पत्रक पूर्ण भरल्यावर व त्यावर स्वाक्षरी केल्यानंतर आणि आवश्यक तेथे, आयोगाची आवश्यक मान्यता घेतल्यावर तसेच निरीक्षकांकडून विहित नमुन्यातील ना-हरकत प्रमाणपत्र (NOC) प्राप्त केल्यानंतर, ज्या उमेदवाराला सर्वाधिक वैध मते पडली असतील तो उमेदवार निवडून आला असल्याचे, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने मोठ्या आवाजात घोषित करणे आवश्यक आहे.

### १४.३५ निवडणुकीचे प्रमाणपत्र देणे :

- १४.३५.१ निकाल घोषित करण्यात आल्यानंतर लवकरच, निवडणूक निर्णय अधिकारी निवडून आलेल्या उमेदवारांना नमुना २२ मधील निवडणुकीचे प्रमाणपत्र देईल आणि ते मिळाल्याबद्दल त्याच्याकडून योग्यरीत्या सही केलेली पोचपावती घेईल. निकाल घोषित करण्याच्या वेळी तो उपस्थित नसल्यास, त्याने ताबडतोब निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याशी संपर्क साधून निवडणुकीचे प्रमाणपत्र मिळवावे.

यासंबंधात आयोगाने असे ठरवले आहे की,—

- १४.३५.२ संसदच्या बाबतीत निवडणुकीचे प्रमाणपत्र इंग्रजीत किंवा हिंदीत आणि राज्य विधानमंडळाच्या बाबतीत राज्याच्या कार्यालयीन प्रयोजनार्थ वापरल्या जाणाऱ्या कोणत्याही भाषेत देण्यात यावे. परंतु, निवडून आलेल्या उमेदवारास त्याची इच्छा असेल अशा कोणत्याही भाषेत सही करण्याची मोकळीक असावी.

- १४.३५.३ निवडून आलेला उमेदवार, मतमोजणीच्या ठिकाणी उपस्थित नसेल त्यानंतरच्या थोड्या वेळात तो त्या भागात आला नाही तर, उमेदवाराने त्याच्या वतीने यथोचितरीत्या प्राधिकृत केलेल्या आणि निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला व्यक्तिशः माहित असलेल्या व्यक्तीकडे प्रमाणपत्र सुपूर्द करता येईल आणि (उमेदवाराने) यथोचितरीत्या सही केलेली पोचपावतीही त्याच व्यक्तीमार्फत मिळविता येईल.

ही पोचपावती खाली दर्शविलेल्या नमुन्या असेल :—

मी, (नाव) ..... मतदारसंघातून (दिनांक) ..... रोजी घोषित करण्यात आलेल्या ..... च्या निवडणुकीच्या संदर्भातील नमुना २२ मधील निवडणुकीचे प्रमाणपत्र मिळाल्याची पोच देत आहे.

.....

निवडून आलेल्या उमेदवाराची सही.

साक्षांकित विधानसभा/लोकसभा सचिव ..... यांना अग्रेषित.

.....

(निवडणूक निर्णय अधिकारी)

- १४.३५.४ ही पोचपावती, निवडून आलेल्या उमेदवाराने सभागृहात आपली जागा घेण्यापूर्वी शपथ घेण्याअगोदर, शपथ घेण्याच्या किंवा प्रतिज्ञाकथन करण्याच्या वेळी, संबंधित अधिकाऱ्यांना त्याची ओळख पडताळून पाहण्यासाठी आवश्यक असते.

## प्रकरण पंधरा बहुविध निवडणुका

### १५.१ संसदेच्या दोन्ही सभागृहांची निवडणूक :

- १५.१.१ संसदेच्या दोन्ही सभागृहांचा सदस्य होता येणार नाही [संविधानाचा अनुच्छेद १०१(१)]
- १५.१.२ जर एखाद्या उमेदवाराची संसदेच्या दोन्ही सभागृहांवर निवड झाली असेल, परंतु, कोणत्याही सभागृहातील जागा स्वीकारली नसेल तर, अशा निवडणूक तारखेपासून, किंवा अशा तारखांपैकी जी नंतरची असेल त्या तारखेपासून दहा दिवसांच्या आत आपल्या सहीची लेखी नोटीस निवडणूक आयोगाच्या सचिवाला सुपूर्द करून, आपण कोणत्या सभागृहात काम करू इच्छितो त्याद्वारे त्याने ते कळवावे. त्यानंतर दुसऱ्या सभागृहातील त्या उमेदवाराची जागा रिकामी होईल.
- १५.१.३ उमेदवाराने त्या कालमर्यादित अशी सूचना पाठविण्यात आपण कसूर केली तर, राज्यसभेतील त्याची जागा आपोआप रिकामी होईल.
- १५.१.४ उमेदवारानी दिलेली अशी कोणतीही सूचना अंतिम व रद्द न करता येण्याजोगी असेल ( लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम ६८ ).
- १५.१.५ या प्रयोजनासाठी, संसदेच्या कोणत्याही सभागृहावर उमेदवार निवडून आल्याची तारीख ही, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने तो/ती आपण निवडून आलेल्या ज्या तारखेस घोषित केले असेल ती तारीख असेल.

### १५.२ लोकसभेच्या सदस्याने राज्यसभेवर निवडून येणे :

- १५.२.१ जर उमेदवार अगोदरपासून लोकसभेचे सदस्य असून, या सभागृहातील त्याने/तीला जागा स्वीकारली असेल, परंतु नंतर तिची राज्यसभेवर निवड झाली असेल तर, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ६७क मध्ये व्याख्या केल्याप्रमाणे, लोकसभेतील त्याची/तिची जागा राज्यसभेवर निवडून आल्याच्या तारखेस रिकामी होईल [लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५९ चे कलम ६९(२)].

### १५.३ राज्यसभेच्या सदस्याने लोकसभेवर निवडून येणे :

- १५.३.१ जर उमेदवार अगोदरपासून राज्यसभेचा सदस्य असून, त्या सभागृहातील त्याची/तिची जागा स्वीकारली असेल, परंतु नंतर त्याची लोकसभेवर निवड झाली असेल तर, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ६७(क) मध्ये व्याख्या केल्याप्रमाणे, तो लोकसभेवर निवडून आल्याच्या तारखेस राज्यसभेवरील त्याची जागा रिकामी होईल [लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५९ चे कलम ६९(२)].

### १५.४ संसदेच्या दोहोंपैकी एका सभागृहातील किंवा राज्य विधानमंडळाच्या दोहोंपैकी एका सभागृहातील एकापेक्षा अधिक जागांवर निवडून येणे :

- १५.४.१ उमेदवारास, लोकसभेतील किंवा राज्यसभेतील किंवा राज्य विधानमंडळाच्या सभागृहातील किंवा त्याच्या दोहोंपैकी एका सभागृहातील एकापेक्षा अधिक जागांवर निवडून येता येईल. अशा प्रकरणात, त्याला/तीला अशा निवडणुकीच्या तारखेपासून चौदा दिवसांच्या आत, किंवा जर निरनिराळ्या जागांच्या बाबतीत आपल्या निवडणुकीच्या तारखा निरनिराळ्या असतील तर, त्या तारखांपैकी शेवटच्या तारखेपासून चौदा दिवसांच्या आत अशा जागांपैकी एक सोडून बाकी सर्व जागांचा राजीनामा द्यावा लागेल. असा राजीनामा उमेदवारास आपल्या सहीने लेखी द्यावा लागेल. हा पत्रव्यवहार, संबंधित सभागृहाचा सभापती किंवा अध्यक्ष, किंवा आवश्यक असेल तर, सभागृहाचा उप-सभापती किंवा, उपाध्यक्ष किंवा त्यांच्या अभावी निवडणूक आयोग याला उद्देशून करण्यात यावा. जर उमेदवाराने असे केले नाही तर, त्याच्या सर्व जागा रिकाम्या होतील ( लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम ७० आणि निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ यातील नियम ९१ )

### १५.५ संसद आणि राज्य विधानमंडळ या दोहोंवर निवडून येणे :

१५.५.१ उमेदवारास संसद आणि राज्य विधानमंडळ या दोहोंचा सदस्य होता येणार नाही. जर उमेदवार संसद आणि राज्य विधानमंडळ या दोहोंवर निवडून आला असेल, तर उमेदवार तसे निवडून आला असल्याचे प्रतिज्ञापन भारताच्या राजपत्रात किंवा राज्याच्या शासकीय राजपत्रात प्रसिद्ध झाल्याच्या तारखांपैकी जी तारीख नंतरची असेल त्या तारखेपासून चौदा दिवसांच्या आत त्याला त्याच्या जागांपैकी एका जागेचा राजीनामा द्यावा लागेल. जर उमेदवाराने तसे करण्यात कसूर केली तर, संसदेतील त्याची/तिची जागा रिकामी होईल. [संविधानाचा अनुच्छेद ६०१(२) आणि एकसमयावच्छेदी सदस्यत्वास मनाई संबंधी नियम, १९५० यातील नियम २]

निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ चा नियम ९१-

(१) एका सभागृहातील एकापेक्षा अधिक जागांवर निवडून आल्यास एक सोडून बाकी सर्व जागांचा राजीनामा देणे.—  
(१) एखादी व्यक्ती लोकसभेतील किंवा राज्यसभेतील किंवा त्याच्या दोहोंपैकी एका सभागृहातील एकापेक्षा अधिक जागांवर निवडून आली असेल तर तिला—

(क) कलम ६७-क अन्वये तिच्या निवडीच्या तारखेपासून १४ दिवसांच्या आत ; किंवा

(ख) वेगवेगळ्या जागांच्या बाबतीत तिच्या निवडीची तारीख वेगळी असेल तर त्याबाबतीत, अशा तारखांपैकी शेवटच्या तारखेपासून १४ दिवसांच्या आत ;

अशा जागांपैकी एक सोडून बाकी सर्व जागांचा राजीनामा द्यावा लागेल.

(२) असा राजीनामा—

(क) संबंधित सभागृहाचे सभापती किंवा अध्यक्ष यांच्याकडे ; किंवा

(ख) जेथे सभापती किंवा अध्यक्ष यांचे पद त्या त्या काळापुरते रिकामे असेल किंवा आस्थागित केले असेल तेथे संबंधित सभागृहाचे उप-सभापती किंवा उपाध्यक्ष यांच्याकडे ; किंवा

(ग) जेथे उप-सभापती किंवा उपाध्यक्ष यांचे पदही त्या काळापुरते रिकामे असेल किंवा आस्थागित केले असेल तेथे निवडणूक आयोगाकडे पाठविण्यात येईल.

(३) पोट-नियम (२) अनुसार निवडणूक आयोगाकडे राजीनामा पाठविला असेल तर, निवडणूक आयोग तो राजीनामा मिळाल्यानंतर होईल तितक्या लवकर त्याची एक प्रत संबंधित सभागृहाच्या सचिवाकडे पाठवील.

**संविधानाचा अनुच्छेद क्र. १०१ (२).—**

(२) कोणतीही व्यक्ती संसद व राज्याच्या दोन्ही सभागृहांची सदस्य असणार नाही आणि जी व्यक्ती दोन्ही सभागृहांची सदस्य म्हणून निवडली गेली असेल तर, राष्ट्रपतींनी केलेल्या नियमात विनिर्दिष्ट केला जाईल असा कालावधी समाप्त होताच, जर तिने तत्पूर्वी त्या राज्याच्या विधानमंडळातील आपल्या जागेचा राजीनामा दिला नसेल तर, तिची संसदेतील जागा रिक्त होईल.

### १५.६ राज्य विधानमंडळाच्या दोन्ही सभागृहांवर निवडून येणे :

१५.६.१ एखाद्या उमेदवारास राज्याच्या विधानमंडळाच्या दोन्ही सभागृहांचा सदस्य होता येणार नाही. जर तो उमेदवार दोन्ही सभागृहांवर निवडून आला असेल तर, त्याने एका सभागृहातील किंवा दुसऱ्या सभागृहातील त्याची जागा कशी रिकामी करावयाची ते निश्चित करून घेण्यासाठी ताबडतोब सभागृहाच्या सचिवांशी सल्लामसलत करावी. संविधानाच्या अनुच्छेद १९०(१) अन्वये याबाबत केलेल्या तरतुदीनुसार त्याला/तिला दोहोंपैकी एका सभागृहातील आपल्या जागेचा राजीनामा द्यावा लागेल.

ज्या व्यक्तीस संसद आणि भारताच्या संविधानाच्या ( ज्याचा यात यापुढे “संविधान” असा निर्देश करण्यात आला आहे ) पहिल्या अनुसूचीमध्ये विनिर्दिष्ट केलेल्या राज्याच्या विधानमंडळाचे सभागृह या दोहोंचा सदस्य म्हणून निवडण्यात आले असेल अशा व्यक्तीची संसदेतील जागा, तिने अशा राज्याच्या विधानमंडळातील आपल्या



जागेचा राजीनामा अगोदरच दिला नसेल तर, जो कालावधी समाप्त झाल्यावर ती जागा रिक्त होईल तो कालावधी, ती अशारीतीने निवडून आल्याचे प्रतिज्ञापन भारताच्या राजपत्रात किंवा राज्याच्या **शासकीय राजपत्रात** प्रसिद्ध झाल्याच्या तारखांपैकी जी तारीख नंतरची असेल त्या तारखेपासून, चौदा दिवस, इतका असेल.

### संविधानाचा अनुच्छेद १९०—

- (१) कोणतीही व्यक्ती, राज्य विधानमंडळाच्या दोन्ही सभागृहांची सदस्य असणार नाही आणि जी व्यक्ती दोन्ही सभागृहांचा सदस्य म्हणून निवडली गेली असेल तिने दोहोंपैकी कोणत्याही एका सभागृहातील तिची जागा रिक्त करावी, यासाठी राज्य विधानमंडळाकडून कायद्याद्वारे तरतूद केली जाईल.
- (२) कोणतीही व्यक्ती पहिल्या अनुसूचित विनिर्दिष्ट केलेल्या राज्यांपैकी दोन किंवा अधिक राज्यांच्या विधानमंडळांची सदस्य असणार नाही आणि एखादी व्यक्ती अशा दोन किंवा अधिक राज्यांच्या विधानमंडळाची सदस्य म्हणून निवडली गेल्यास, राष्ट्रपतीने केलेल्या नियमात विनिर्दिष्ट केला जाईल असा कालावधी समाप्त होताच अशा सर्व राज्यांच्या विधानमंडळातील त्या व्यक्तीची जागा जर तिने तत्पूर्वी एक सोडून सर्व राज्यांच्या विधानमंडळातील आपल्या जागेचा राजीनामा दिला नसेल तर, रिक्त होईल. पहा-एम/लॉ अधिसूचना क्रमांक एफ ४६/५०-सी, दिनांक २६ जानेवारी १९५० अन्वये प्रकाशित एकसमयावच्छेदी सदस्यत्वास मनाईसंबंधी नियम, १९५०.

हा कालावधी, ती व्यक्ती अशा रीतीने निवडून आल्याचे प्रतिज्ञापन अशा राज्याच्या **शासकीय राजपत्रात** प्रसिद्ध झाल्याच्या तारखांपैकी जी तारीख नंतरची असेल, किंवा यथास्थिती, शेवटची असेल त्या तारखेपासून दहा दिवस इतका असेल.

## प्रकरण सोळा

### उमेदवारांच्या निवडणूक खर्चाचे आणि हिशेबांचे संनियंत्रण

#### १६.१ कायदेशीर तरतुदी.—

१६.१.१ लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ :

(१) कलम ७७ : निवडणूक खर्चाचा हिशेब आणि त्याची कमाल मर्यादा : लोकसभेच्या किंवा राज्य विधानसभेच्या निवडणुकीतील प्रत्येक उमेदवाराने, तो ज्या तारखेस नामनिर्देशित झाला तो दिनांक व त्या निवडणुकीचा निकाल जाहीर झाल्याचा दिनांक, हे दोन्ही दिवस धरून, होणाऱ्या कालावधीच्या दरम्यान निवडणुकीच्या संबंधात त्याला किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीला आलेल्या अथवा त्याने प्राधिकृत केलेल्या सर्व खर्चाचा स्वतः किंवा आपल्या निवडणूक प्रतिनिधीकरवी स्वतंत्र व यथातथ्य हिशेब ठेवावा लागेल.

(२) कलम ७८ : निवडणूक लढविणाऱ्या प्रत्येक उमेदवाराला, निर्वाचित उमेदवाराच्या निवडणूकीच्या तीस दिवसांच्या आत, कलम ७७ खाली त्याने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने ठेवलेल्या निवडणूक खर्चाचा हिशेब जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्यांकडे दाखल करावा लागेल, जी कलम ७७ खाली त्याने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने ठेवलेल्या हिशेबाची खरी प्रत असेल.

(३) लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १०क – निवडणूक खर्चाचा हिशेब देण्यात कसूर केल्याबद्दल निरर्हता : एखाद्या व्यक्तित्वेने—

(क) या अधिनियमानुसार किंवा त्याखाली आवश्यक असलेल्या मुदतीत आणि तशा पद्धतीने निवडणूक खर्चाचे हिशेब देण्यात कसूर केली आहे; आणि

(ख) अशा कसुरीबद्दल सबळ कारण किंवा समर्थन नाही, अशी जर निवडणूक आयोगाची खात्री झाली तर, निवडणूक आयोग, शासकीय राजपत्रात प्रसिद्ध केलेल्या आदेशाद्वारे ती व्यक्ती निरर्ह असल्याचे जाहीर करील आणि अशी कोणतीही व्यक्ती, आदेशाच्या दिनांकापासून तीन वर्षांच्या कालावधीपर्यंत निरर्ह ठरेल.

(लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम १०क अन्वये निरर्ह व्यक्तींची अद्ययावत सूची संदर्भात भारत निवडणूक आयोग संकेतस्थळ [www.eci.gov.in](http://www.eci.gov.in) न्यायिक संदर्भ पाहण्याचा उमेदवाराला सल्ला दिला आहे.)

(४) राजकीय पक्षाचे प्रमुख प्रचारक (नेते):

लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ७७च्या १(क) स्पष्टीकरण-एखाद्या राजकीय पक्षाच्या नेत्याकडून त्या राजकीय पक्षांच्या प्रचाराच्या कार्यक्रमासाठी हवाई मार्गाने किंवा वाहतुकीच्या इतर कोणत्याही साधनाने केलेल्या प्रवासावर केलेला खर्च हा, राजकीय पक्षाने केलेला किंवा पक्षाद्वारे प्राधिकृत केलेला खर्च असल्याचे मानण्यात येणार नाही. (मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षासाठी ४० आणि मान्यताप्राप्त नसलेल्या राजकीय पक्षासाठी २० व्यक्तींची नावे निवडणुकीच्या अधिसूचनेच्या ७ दिवसांच्या आत भारत निवडणूक आयोग व राज्याच्या मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्यांकडे कळविण्यात आलेली आहेत.) सूचीतील कोणतीही व्यक्ती मरण पावली असेल किंवा अशा राजकीय पक्षाचा सदस्य म्हणून राहिली नसेल तर, राजकीय पक्षाला अशा मृत पावलेल्या किंवा सदस्य म्हणून न राहिलेल्या व्यक्तींच्या जागी, अशा निवडणुकीसाठी शेवटचे मतदान समाप्त होण्यासाठी निश्चित केलेली वेळ संपण्याच्या अठ्ठेचाळीस तासांपूर्वी संपणाऱ्या कालावधीच्या आत, तात्काळ नवीन नाव मूळ व्यक्तीच्या नावाऐवजी दाखल करता येईल आणि निवडणूक आयोगाला व राज्याच्या मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याला कळविता येईल.

## (५) अतिरिक्त खर्च प्रतिनिधींची नियुक्ती :

प्रत्येक उमेदवाराला संबंधित बाबींच्या विविध खर्चांमध्ये उमेदवाराला सहाय्य करण्याकरिता विहित नमुन्यात अतिरिक्त प्रतिनिधीची नियुक्ती करण्याची परवानगी आहे. हा अतिरिक्त खर्च प्रतिनिधी केवळ असांविधिक कामे पार पाडण्यासाठी असेल आणि तो उमेदवाराच्या वतीने कर्तव्ये पार पाडण्याकरिता प्राधिकृत केलेला आहे, कलम ४० तसेच निवडणूक घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ च्या नियम १२ अन्वये नियुक्ती केलेल्या अशा निवडणूक प्रतिनिधीप्रमाणे त्याची कर्तव्ये असणार नाहीत. ( जोडपत्र-२२ मधील नमुना ).

## (६) निवडणूक घेण्याबाबतचे नियम, १९६० चा नियम ९०

राज्यातील/संघराज्य क्षेत्रातील लोकसभा/विधानसभा मतदारसंघासाठी विनिर्दिष्ट केल्याप्रमाणे तो केलेला किंवा प्राधिकृत केलेल्या निवडणूक खर्चाच्या कमाल मर्यादपेक्षा अधिक होणार नाही.

(कृपया राज्यातील/संघराज्य क्षेत्रातील, लोकसभा मतदारसंघ/विधानसभा मतदारसंघनिहाय एखाद्या उमेदवाराचा कमाल निवडणूक खर्च (मर्यादा) साठी कायदेशीर तरतुदी व तक्ता सविस्तर/प्रमाण संबंधात जोडपत्र-२२ संदर्भ पहावा.)

## १६.२ हिशेब ठेवणे

## १. उमेदवारांसाठी निवडणूक खर्च नोंदवही (जोडपत्र-२६)

सर्व उमेदवारांनी, निवडणूक खर्चाचा हिशेब ठेवण्याच्या आणि कायद्याद्वारे अनिवार्य केलेल्या रीतीने व मुदतीत निवडणूक खर्चाची त्यांची विवरणे दाखल करण्याच्या संबंधातील कायद्याच्या शर्तीचे पालन करावे याची सुनिश्चिती करण्याकरिता निवडणूक निर्णय अधिकारी, उमेदवाराने त्याचे नामनिर्देशन पत्र भरल्यानंतर लगेच जोडपत्र-२५ मध्ये दिलेल्या उपरोक्त तरतुदीबाबत त्याला एक पत्र देईल. उमेदवाराने किंवा त्याचा यथोचितरित्या प्राधिकृत केलेल्या निवडणूक प्रतिनिधीने जोडपत्र-२६ यासोबत जोडलेल्या उमेदवारांसाठी निवडणूक खर्चाच्या नोंदवहीचा प्रमाण नमुना दिल्याप्रमाणे ठेवणे गरजेचे आहे. नोंदवहीच्या प्रत्येक पृष्ठाला क्रमवार अनुक्रमांक देण्यात येईल आणि नोंदवहीतील एकूण पृष्ठसंख्येबाबत नोंदवहीच्या पहिल्या व शेवटच्या पृष्ठावर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याद्वारे एक प्रमाणपत्र देण्यात येईल.

प्रत्येक उमेदवार, -

- (एक) त्याने स्वतः केलेला किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने,
- (दोन) त्याला/तिला उभे करणाऱ्या राजकीय पक्षाने, आणि
- (तीन) त्याला पाठिंबा देणाऱ्या अन्य कोणत्याही राजकीय पक्षाने,
- (चार) त्याला/तिला पाठिंबा देणाऱ्या अन्य कोणत्याही संघाने/संघटनेने/निकायाने, आणि
- (पाच) त्याला/तिला त्याला पाठिंबा देणाऱ्या अन्य कोणत्याही व्यक्तीने,

केलेला/प्राधिकृत केलेल्या खर्चाचा तपशील, नमुन्यात/नोंदवहीत, ठेवील आणि निकाल घोषित केल्याच्या दिनांकापासून ३० दिवसांच्या आत संबंधित जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडे त्याचा निवडणूक खर्च सादर करील.

प्रत्येक उमेदवारास जोडपत्र-२६ मध्ये दिल्याप्रमाणे पूर्वोक्त नोंदवही मिळाल्याची पोचपावती घेण्याचा [ भाग ए : दैनंदिन हिशेब ठेवण्याची नोंदवही (पांढरी पृष्ठे), भाग बी: रोख नोंदवही (गुलाबी पृष्ठे), भाग सी : बँक नोंदवही (पिवळी पृष्ठे), भाग एक : उमेदवारासंबंधित माहिती, भाग दोन: उमेदवाराच्या निवडणूक खर्चाचे संक्षिप्त विवरण, भाग तीन: उमेदवाराने उभारलेल्या निधीच्या स्रोताचे विवरण, भाग-चार : प्रतिज्ञापत्र नमुना, अनुसूची, १-११, खर्च नोंदवही जमा केल्याची पोचपावती ] आणि जोडलेल्या विहित नमुन्यात जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडे निवडणूक खर्चाचा हिशेब दाखल केल्यानंतर, जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडून त्याबद्दलची पोच घेण्याचा देखील सल्ला दिला आहे.

नोंदवहीत संपूर्ण प्रचार मोहिम कालावधीसाठी पुरेशी होतील इतकी पृष्ठे असावीत. तथापि, नोंदवही लवकर भरली असेल तर, उमेदवार पुरवणी नोंदवहीची मागणी करू शकतो आणि निवडणूक निर्णय अधिकारी त्याला त्याच नमुन्यातील पुरवणी नोंदवही देईल. उमेदवार या नोंदवह्या घेतल्या असल्याची पोच देईल. निवडणूक निर्णय अधिकारी, उमेदवाराला दिलेल्या नोंदवह्यांच्या पोचपावत्या जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याला देईल.

**२. निवडणूक खर्चासाठी प्रत्येक उमेदवाराने काढावयाचे स्वतंत्र बँक खाते :** प्रत्येक उमेदवाराने केवळ निवडणूक खर्चाच्या प्रयोजनासाठी स्वतंत्र बँक खाते उघडणे आवश्यक आहे. हे खाते उमेदवाराने त्याचे नामनिर्देशन पत्रे सादर केल्याच्या दिनांकाच्या किमान एक दिवस आधी उघडलेले असावे. निवडणूक खर्चाच्या प्रयोजनासाठी बँक खाते एकतर उमेदवार किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीसह त्याच्या संयुक्त नावाने उघडू शकतात. उमेदवाराला त्याच्या कुटुंबातील कोणत्याही कुटुंब सदस्य किंवा इतर कोणतीही व्यक्ती जर, तो/ ती उमेदवाराचा निवडणूक प्रतिनिधी नसल्यास त्याच्यासह संयुक्त खाते उघडता येणार नाही. राज्यात कुठेही बँक खाते उघडू शकते. सहकारी बँका किंवा पोस्ट ( डाक ) कार्यालयासह कोणत्याही बँकेत खाते उघडता येईल. उमेदवाराचे विद्यमान ( सध्याचे ) बँक खाते या प्रयोजनासाठी वापरता येणार नाही म्हणून निवडणूक खर्च प्रयोजनासाठी स्वतंत्र बँक खाते उघडणे गरजेचे आहे. या बँक खात्याचा खाते क्रमांक त्याचे नामनिर्देशन भरतेवेळी उमेदवाराने लेखी स्वरूपात निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला कळवावा. सर्व निवडणूक खर्च उमेदवाराने केवळ याच बँक खात्यातून केला पाहिजे. उमेदवाराचा स्वतःच्या निधीसह कोणत्याही स्त्रोताकडून निधी मिळाला असला तरी निवडणूक प्रचारासाठी खर्च केला जाणारा सर्व पैसा या बँक खात्यात जमा करण्यात येईल.

**३. खात्याची तपासणी :** उमेदवाराला प्रचार मोहिमे दरम्यान किमान तीन वेळा पदनिर्देशित खर्च निरीक्षक किंवा इतर कोणत्याही निवडणूक प्राधिकाऱ्यास तपासणीसाठी वर नमूद केलेल्या नोंदवह्या सादर कराव्या लागतील. निवडणूक प्रक्रियेदरम्यान प्रत्येक तपासणी नंतर, उमेदवाराची दैनंदिन निवडणूक खाते नोंदवही, तपासणीच्या दिनांकापर्यंत स्कॅन करण्यात येईल आणि निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या सूचना फलकावर त्याची एक छायांकित प्रत लावण्या बरोबरच जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याच्या पोर्टलवर, मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याच्या संकेतस्थळावर दिलेल्या संदर्भ दुव्यासह, अपलोड करण्यात येईल ( लिंक ).

#### ४. तपासणी चे निष्कर्ष व उमेदवाराला ते कळविणे

- ( एक ) जर निवडणूक निर्णय अधिकारी, किंवा जिल्हा निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने/निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने प्राधिकृत केलेल्या कोणत्याही अधिकाऱ्यास, यास एखाद्या उमेदवाराने केलेल्या किंवा प्राधिकृत केलेल्या विवक्षित खर्चाची माहिती प्राप्त झाली असेल आणि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ७७(१) अन्वये त्याने निवडणूक खर्चाच्या त्याच्या दैनंदिन हिशेबामध्ये त्याचा भाग किंवा संपूर्ण भाग दर्शविण्यात आला नसेल किंवा खर्च निरीक्षकापुढे निर्धारित दिनांकाला तपासणीसाठी उक्त हिशेब सादर केला नसेल तर, निवडणूक निर्णय अधिकारी, दैनंदिन दैनिक हिशेबात सत्य व अचूकरीत्या जो खर्च दाखविण्यात आला नसेल, त्या खर्चाचा तपशील नमूद करणाऱ्या किंवा यथास्थिति, त्याने त्याचा हिशेब सादर केला नसल्याचे कळविणारी नोटीस, सादर माहिती प्राप्त झाल्याच्या किंवा तपासणीच्या दिनांकापासून २४ तासांच्या आत, त्याबाबतच्या पुराव्यासह उमेदवारावर बजावील. तथापि, संशयित पेडन्युजच्या ( वेतनी बातम्यांच्या ) बाबतीत, माध्यम प्रमाणन व संनियंत्रण समितीच्या शिफारशीनुसार निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडून नोटीस बजावण्यात आली असेल किंवा नोटीस बजावण्यात येत असेल तर, अशा बाबी या नोटीशीत अंतर्भूत असणार नाहीत.
- ( दोन ) अशा उमेदवाराला, त्याच्या नोटीशीमध्ये निदर्शनास आणून देण्यात आलेल्या, कसूरीबाबत ती वगळण्याची कारणांचे स्पष्टीकरण देणारे उत्तर, नोटीस प्राप्त झाल्यापासून ४८ तासांच्या आत देता येईल. अशा प्रकरणात जर उमेदवाराने नोटीशीत नमूद केलेल्या दडवलेल्या खर्चाविषयीची वस्तुस्थिती मान्य केली असेल तर, सादर खर्च त्याच्या निवडणूक खर्चात समाविष्ट केला जाईल.
- ( तीन ) नोटीस प्राप्त झाल्याच्या ४८ तासांच्या आत उमेदवाराने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने कोणतेही उत्तर सादर केले नसेल त्याबाबतीत, नोटीशीत उल्लेखिलेली दडविलेली रक्कम उमेदवाराने स्वीकारली असल्याचे मानण्यात येईल, आणि ती रक्कम अशा उमेदवाराच्या एसओआर मधील निवडणूक खर्चात समाविष्ट करण्यात येईल.
- ( चार ) जर उमेदवाराने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने नोटीशीत उल्लेख केलेल्या दडवलेल्या खर्चाबाबत वाद निर्माण केला तर, तो अशा असहमतीची कारणे नमूद करून उत्तर सादर करील आणि ते उत्तर पुढील सदस्यांचा

अंतर्भाव असणाऱ्या जिल्हा खर्च संनियंत्रण समितीकडे पाठवील :-

- (अ) मतदारसंघाचा प्रभार असलेला खर्च निरीक्षक,  
 (ब) जिल्हा निवडणूक अधिकारी,  
 (क) उप जिल्हा निवडणूक अधिकारी/जिल्हाच्या खर्च संनियंत्रणाचा प्रभार असलेला अधिकारी.  
 (पाच) जिल्हा खर्च संनियंत्रण समिती, नोटीशीत नमूद केलेला पुरावा व त्याबाबतचे उमेदवाराचे उत्तर, यांची तपासणी केल्यानंतर, उमेदवाराकडून असे उत्तर प्राप्त झाल्याच्या दिनांकापासून ७२ तासांच्या आत, असा गुपित खर्च उमेदवाराच्या निवडणूक खर्च हिशेबात दाखल करण्यात येईल किंवा करण्यात येणार नाही याबाबत या प्रकरणावर निर्णय करील.  
 (सहा) निकाल घोषित केल्याच्या २६ व्या दिवशी जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने आयोजित केलेल्या लेखा पुनर्मेळ बैठकीमध्ये उमेदवाराला खाली नमूद केलेल्या निवडणूक खर्चाच्या हिशेबाच्या अंतर्गत कोणतेही मेळ असल्यास, पुनर्मेळ घालण्याची दुसरी संधी देण्यात येईल.

**५. नोंदवही सादर न केल्याचा परिणाम :** जर उमेदवाराने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने या प्रयोजनासाठी निश्चित केलेल्या दिवशी निवडणूक खर्चाची नोंदवही, तपासणीसाठी सादर केली नसेल तर, नोटीशीत विनिर्दिष्ट केलेल्या दिवशी त्याने तपासणीसाठी पुन्हा नोंदवही सादर न केल्यास, लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ७७ अन्वये आवश्यक असल्याप्रमाणे त्याने निवडणूक खर्चाचा दैनंदिन हिशेब ठेवला नसल्याचे मानण्यात येईल, असे त्याला कळविणारी लेखी नोटीस, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडून त्या उमेदवारावर बजावण्यात येईल. या नोटीशीला शक्यतो विस्तृत प्रसिद्धी देण्यात येईल आणि तिची एक प्रत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या नोटीस फलकावर लावण्यात येईल. जर नोटीस बजावून देखील उमेदवार, निवडणूक खर्चाची नोंदवही तपासणीसाठी सादर करण्यास कसूर करील तर, भारतीय दंड संहितेच्या कलम १७१-एक अन्वये सक्षम न्यायालयात तक्रार दाखल करण्यात येईल. त्याशिवाय उमेदवाराने नोटीस बजावल्यापासून तीन दिवसांत नोंदवही सादर केली नाही तर, निवडणुकीदरम्यान वाहनांचा वापर करण्यासाठी देण्यात आलेली अशी परवानगी काढून घेण्यात यावी. वाहने वापरासाठीची काढून घेण्यात आलेली अशी परवानगी, सर्व दक्षता पथकांस व भरारी पथकांस कळविण्यात येईल आणि ती निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या नोटीस फलकावर देखील प्रदर्शित केली जाईल.

**६. पूर्व-नामनिर्देशन खर्च :** सर्व उमेदवार, त्यांच्या निवडणूक खर्चाच्या लेख्यांची नोंदवही ठेवताना, नामनिर्देशन पत्र दाखल करण्याच्या (म्हणजे १ल्या दिवसापासून) त्या दिवशी केलेल्या, तसेच नामनिर्देशनानंतर या कालावधीत ज्यांचा वापर करण्यात येतो अशा त्या प्रचार साहित्यावरील नामनिर्देशनाच्या दिनांकापूर्वी केलेल्या संपूर्ण खर्चाचा हिशेब त्यांत ठेवतील. नामनिर्देशन पत्र दाखल करताना आयोजित केलेल्या प्रचार यात्रा किंवा मिरवणुका यांच्याशी संबंधित सर्व खर्चाचा समावेश उमेदवारांच्या हिशेबामध्ये करण्यात येईल.

**७. जनसदस्य व त्याचा खर्च :** उमेदवाराच्या सार्वजनिक प्रचारयात्रा / मिरवणूक / सार्वजनिक सभेसाठी उपस्थित राहणारे जनसदस्यांनी जर ते कोणत्याही व्यक्तीकडून कोणतीही रक्कम न घेता किंवा प्रतिपूर्ती न घेता, स्वतःच्या वैयक्तिक वाहनाचा वापर करून उपस्थित राहिले असतील तर, तो खर्च, उमेदवाराच्या खर्चात समाविष्ट केला जाणार नाही. तथापि, कोणत्याही उमेदवाराच्या फायद्यासाठी झेंडे किंवा पताका किंवा पत्रके लावून, प्रचाराच्या प्रयोजनार्थ प्रचारयात्रा / सार्वजनिक सभा याकरिता वापरलेल्या वैयक्तिक वाहनांचा उमेदवाराच्या (उमेदवारांच्या) खर्चामध्ये समावेश करण्यात येईल. एखाद्या उमेदवाराच्या प्रचार यात्रेसाठी किंवा सार्वजनिक सभेसाठी व्यावसायिक नोंदणी क्रमांक असलेल्या व्यावसायिक वाहनांचा वापर करण्यात आला असेल तर, अशा वाहनावरील खर्च हा त्या उमेदवाराच्या (उमेदवारांच्या) हिशेबात समाविष्ट केला जाईल.

**८. उमेदवाराचे वैयक्तिक वाहन व त्याचा खर्च :** उमेदवाराने (उमेदवारांनी) प्रचाराच्या प्रयोजनासाठी, स्वतःच्या वैयक्तिक मालकीचे एक वाहन वापरले असेल तर, ते प्रचाराचे वाहन असल्याचे मानण्यात येईल आणि बाजारमूल्य दरानुसार इंधन व वाहनचालकाचा पगार यांवरील काल्पनिक खर्चाचा समावेश, उमेदवाराच्या (उमेदवारांच्या) हिशेबात करण्यात येईल. प्रचारासाठी उमेदवाराने (उमेदवारांनी) स्वतः, वापरलेल्या इतर स्वमालकीच्या वाहनांच्या बाबतीत, अशा वाहनांच्या भाड्यासाठी, अधिसूचित केलेल्या दरानुसार काल्पनिक खर्चाची उमेदवाराकडून (उमेदवारांकडून) परिगणना करण्यात येईल.

९. **जिल्हास्तरीय पक्ष पदाधिकारी यांच्या वाहनावरील खर्च :** निवडणूक प्रचारासाठीच्या जिल्ह्यांतर्गत विविध मतदार संघांना भेट देण्याच्या प्रयोजनासाठी (प्रमुख प्रचारकांऐवजी) जिल्हास्तरीय पक्ष पक्षाधिकारी/नेते यांच्या वाहनावर केलेला खर्च, उमेदवारांच्या (उमेदवारांच्या) हिशेबात समाविष्ट केला जाणार नाही. जिल्हापदाधिकारी हा, त्याच जिल्ह्यामधील निवडणूक लढविणारा स्वतः उमेदवार असेल, आणि ज्या मतदार संघामधून निवडणूक लढवीत असेल त्या मतदारसंघामध्ये त्याला जाण्या-येण्यासाठी अशा वाहनाचा उपयोग करीत असेल किंवा असे वाहन कोणत्याही खास उमेदवाराच्या (उमेदवारांच्या) प्रचारासाठी वापरण्यात येत असेल तर, निवडणूक प्रचाराच्या प्रयोजनासाठी वाहनाचा वापर करणाऱ्या उमेदवाराच्या (उमेदवारांच्या) हिशेबात त्या वाहनाचा भाडे आकार समाविष्ट करण्यात येईल.

१०. **झेंडे, शेले किंवा टोप्या यावरील खर्च :** पक्षाचे चिन्ह असलेले झेंडे, शेले किंवा टोप्या यांच्या अशा नगांवरील खर्च हा, संबंधित पक्षाचा निवडणूक खर्च म्हणून त्याच्या हिशेबात धरण्यात येईल. ती उमेदवाराचे नाव (उमेदवारांची नावे) किंवा छायाचित्र (छायाचित्रे) धारण करीत असतील तर, तो उमेदवाराच्या लेख्यांत समाविष्ट करण्यात येईल. तथापि, मुख्य पोशाख उदा. साडी, शर्ट, टी-शर्ट, धोती, इत्यादींचा पुरवठा करण्यास व वितरण करण्यास, मतदारांसाठी लाच असल्याचे समजून परवानगी दिली जाणार नाही.

### ११. **अडथळे व्यासपीठ इत्यादींवरील खर्च :**

(एक) अडथळे/व्यासपीठ इत्यादी उभारण्यावरील खर्च जेव्हा पक्ष संघटनेच्या वतीने, सुरक्षेचा विचार करून सुरुवातीला शासकीय अभिकरणांकडून केलेला असेल तेव्हा हा खर्च, उक्त सभा ज्याच्या मतदारासंघात होत असेल त्या उमेदवाराचा किंवा अशा सभेत एखाद्या राजकीय पक्षाचा नेता भाषण करतो अशा वेळी उपस्थित असणाऱ्या उमेदवारांच्या गटाचा खर्च म्हणून नोंदवावयाचा आहे. “नेत्याच्या” उक्त सभेच्या वेळी राजकीय पक्षाचे एकापेक्षा जास्त उमेदवार उपस्थित असल्यास, हा खर्च सर्वांमध्ये समानपणे संविभाजित केला जाईल. आणि अशी सभा जेथे होत आहे त्या जिल्ह्याचा जिल्हा निवडणूक अधिकारी अशा प्रसंगानंतर तीन दिवसांच्या आत, संबंधित शासकीय अभिकरणांकडून अंतिम खर्च मागवून घेईल, आणि उमेदवारांना खर्चाचा त्यांचा वैयक्तिक हिस्सा कळविल. ही माहिती, इतर उमेदवार ज्या मतदारसंघाचे/जिल्ह्याचे असतील त्यांचे निवडणूक निर्णय अधिकारी/जिल्हा निवडणूक अधिकारी यांना देखील कळविण्यात येईल.

(दोन) जेव्हा असे व्यासपीठ किंवा अडथळे हे सुरक्षेच्या कारणास्तव राजकीय पक्ष किंवा संयोजक ह्यांनी स्वतःच्या निधीमधून उभारलेले असतील तेव्हा, याबाबतची रक्कम, संबंधित उमेदवारांच्या किंवा “नेत्याच्या” सभेत उपस्थित असलेल्या उमेदवारांच्या हिशेबामध्ये दर्शविली जाईल.

(तीन) अडथळे/व्यासपीठ उभारण्याचे/बांधण्याचे काम शासकीय अभिकरणे करीत असतील तेथे, त्याबाबतच्या अंदाजित खर्चाची रक्कम उमेदवार/राजकीय पक्ष/संयोजक अगोदरच जमा करतील.

### १२. **खर्चाच्या पुष्ट्यर्थ द्यावयाची प्रमाणके :**

(१) केलेल्या किंवा प्राधिकृत केलेल्या खर्चाच्या पुष्ट्यर्थ प्रमाणके, पावत्या, पोचपावत्या यांसारखी सर्व कागदपत्रे, केलेल्या किंवा प्राधिकृत केलेल्या दैनंदिन खर्चावरून घेण्यात येतील. आणि ती वर नमूद केलेल्या दैनंदिन हिशेब दर्शविणाऱ्या नोंदवहीसह अचूक कालक्रमानुसार ठेवण्यात येतील.

### १६.३ **उमेदवाराने खर्च नोंदवही भरण्याची प्रक्रिया :**

कृपया, उमेदवारासाठी निवडणूक खर्चाची नोंदवही यास जोडलेल्या मार्गदर्शक तत्वांचा संदर्भ घ्यावा (जोडपत्र-२६).

### १६.४ **राजकीय पक्ष व त्याचे उमेदवार यांनी उभ्या केलेल्या प्रमुख प्रचारका संबंधातील खर्च :**

१. बहुविध निवडणुका असल्यास, पक्ष सार्वजनिक निवडणुकीच्या प्रत्येक टप्प्यासाठी व पोट-निवडणुकीसाठी स्वतंत्रपणे नावे कळवू शकतात. तथापि, अनुसूचित सार्वजनिक निवडणुका व पोट-निवडणुकीच्या सर्व टप्प्यांच्या वेळापत्रकाची, एका प्रसिद्धपत्रकातून घोषणा करण्यात आलेली असल्यास, निवडणुकीच्या पहिल्या टप्प्यांकरिता अधिसूचनेच्या दिनांकापासून ७ दिवसांच्या आत कळविण्यात आलेली राजकीय पक्षाच्या नेत्यांची नावे निवडणुकीच्या सर्व टप्प्यांसाठी वैध असतील, अन्यथा त्यानंतरच्या पुढील टप्प्यांबाबत नंतर स्वतंत्र सूची सादर करण्यात येईल.

२. कोणत्याही पक्षाला निवडणुकीच्या प्रत्येक टप्प्यासाठी आणि/किंवा पोट-निवडणुकीसाठी नवीन सूची द्यायची असल्यास, स्पष्टीकरण (१) (क) अनुसार उमेदवाराच्या लेख्यातून खर्चाच्या सवलतीचा लाभ संबंधित मतदार



संघात प्रवास करण्यापुरताच असेल. दुसऱ्या शब्दांत, एखाद्या नेत्याचे नाव पहिल्या टप्प्यासाठीच्या नेत्यांच्या यादीत समाविष्ट आहे परंतु दुसऱ्या टप्प्यासाठी नाही, आणि अशा व्यक्तीने, दुसऱ्या टप्प्याच्या मतदारसंघाच्या प्रवास केल्यास स्पष्टीकरण (१) (क) अनुसार खर्चाच्या सवलतीचा लाभ दुसऱ्या टप्प्यातील मतदारसंघाबाबत उपलब्ध होणार नाही.

३. कोणत्याही पक्षाने कोणत्याही टप्प्याचा उल्लेखन करता नावे संसूचित केली असतील, परंतु पहिल्या टप्प्यातील विहित कालावधीनंतर ते संसूचन प्राप्त झाले असेल तर, त्यांना निवडणुकीच्या त्यानंतरच्या सर्व टप्प्यांसाठी देखील प्रमुख प्रचारक म्हणून मानण्यात येईल. त्यानंतर, उक्त स्पष्टीकरणात नमूद केलेल्या आकस्मिक घटनाव्यतिरिक्त, ते पक्ष प्रमुख प्रचारक बदलण्यास पात्र असणार नाहीत.
४. असा नेता, जो उमेदवार असेल, जेव्हा तो स्वतः त्याच्या मतदारसंघातील निवडणूक प्रचारासाठी त्याच्या स्वतःचा संभाव्य निवडणुकीचा प्रचार करतो, तेव्हा प्रवासासंबंधित केलेला खर्च त्याच्या निवडणूक खर्चाचा भाग मानला जातो आणि त्याला त्या व्यक्तीच्या निवडणूक खर्चाच्या खात्यातून सूट (सवलत) दिली जाणार नाही.
५. जर तो नेता (प्रमुख प्रचारक) त्याच्या मतदारसंघात प्रचारयात्रा/सभा आयोजित केली असेल आणि त्या प्रचार यात्रेत/सभेत निवडणूक लढविणारे इतर उमेदवार मंचावर सहभागी झाले असतील, तेव्हा, तो नेता व निवडणूक लढविणारे असे सर्व उमेदवार यांच्यामध्ये प्रचारयात्रेचा/सभेचा खर्च सारख्या प्रमाणात विभागला जाईल. तथापि, तो त्याच्या मतदारसंघाबाहेरील त्याच्या पक्षाच्या निवडणूक लढविणाऱ्या इतर उमेदवारांच्या एखाद्या मेळाव्यात/सभेत सहभागी झाला असेल, तेव्हा, ज्यांच्या निवडणूक प्रचारासाठी, अशा मेळावा/सभेचे आयोजन केले असेल अशा सर्व उमेदवारांच्या निवडणूक खर्चात त्या सभेचा खर्च समान विभागला जाईल आणि त्याच्या मतदारसंघाच्या बाहेर आयोजित केलेल्या अशा मेळाव्याचा/सभेचा खर्च ह्या नेत्याच्या (प्रमुख प्रचारकाच्या) निवडणूक खर्चात समावेश केला जाणार नाही.
६. इतर राजकीय पक्षाच्या उमेदवारांच्या पक्षाबरोबर युती असलेल्या पक्षाचा प्रमुख प्रचारक त्या उमेदवारांच्या मेळाव्यात उपस्थित झाला असेल आणि तो त्या उमेदवारांच्या नावाचा प्रचार करित असेल किंवा त्या उमेदवारांसोबत एकाच मंचावर सहभागी झाला असेल तेव्हा, युती असलेल्या त्या पक्षाच्या त्या प्रचारकाच्या त्या मतदारसंघापर्यंतच्या प्रवास खर्चास सूट देण्यात येणार नाही आणि तो खर्च उमेदवारांच्या खर्चात समाविष्ट केला जाईल.
७. कोणत्याही उमेदवारांच्या मतदारसंघात प्रचारासाठी आलेल्या प्रमुख प्रचारकाचा तेथील निवास/भोजनाचा यावरील खर्चासह सर्व खर्च त्या विशिष्ट उमेदवारांच्या निवडणूक खर्चाच्या हिशेबात समाविष्ट केला जाईल.  
परंतु असे की,  
(एक) तो प्रमुख प्रचारकांनी त्या उमेदवारासाठीच प्रत्यक्ष प्रचार केलेला असावा, आणि,  
(दोन) प्रमुख प्रचारकांनी/प्रचारकांनी उमेदवारांच्या निवडणूक प्रचाराच्या प्रयोजनासाठी एखाद्या व्यावसायिक हॉटेलमध्ये किंवा निवासगृहात रहात असताना, असा निवास/भोजनावरील खर्च मग त्याची प्रदान अशा उमेदवाराने केलेले असो किंवा नसो हे विचारात न घेता, केलेला असावा.
८. पैशाच्या शक्तीचा प्रभाव, रोख रक्कम, दारू, भेट वस्तू किंवा मोफत जेवण यांचे वाटप करून मतदारांना प्रलोभने देणे किंवा मतदारांना धमकावणे यांवर प्रतिबंध ठेवण्याकरिता मतदारसंघात भरारी पथक व स्थिर संनियंत्रण चमू तयार करण्यात आला आहे आणि आयोगाने वाहनांच्या तपासणीसाठी प्रमाणित कार्यचालन पद्धती जारी केली आहे, त्यामध्ये इतर गोष्टींबरोबर असेही म्हटले आहे की, तपासणी दरम्यान, उमेदवार, त्याचा प्रतिनिधी, किंवा पक्षाचा कार्यकर्ता किंवा पोस्टर्स किंवा निवडणूक साहित्य घेऊन जाणाऱ्या वाहनात ५०,००० रुपयांपेक्षा जास्त रोख रक्कम आढळल्यास, किंवा १०,००० रुपयांपेक्षा अधिक किंमतीची आहेत अशी कोणतीही औषधे, दारू, शस्त्रे किंवा भेटवस्तू, मतदारांना प्रलोभन दाखविण्यासाठी वापरण्याची शक्यता आहे अशा किंवा वाहनात इतर कोणत्याही बेकायदेशीर वस्तू आढळून आल्यास त्या जप्त केल्या जातील. तपासणी व जप्तीच्या संपूर्ण घटनेचा व्हिडिओ/सीसीटीव्हीमध्ये चित्रित केलेला असेल, आणि ती चित्रफीत प्रत्येक दिवशी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे सादर करण्यात येईल.

तसेच, कोणताही प्रमुख प्रचारक केवळ त्याच्या किंवा तिच्या वैयक्तिक वापरासाठी १ लाखा रुपयापर्यंतची नेत आहे किंवा पक्षाचा कोणत्याही कार्यकर्त्यासाठी १ लाखारुपयां पर्यंतची रोख रक्कम पक्षाच्या कोषाध्यक्षाकडून ती रक्कम व तिचा संपूर्ण वापर नमूद करणाऱ्या प्रमाणपत्रासह जवळ बाळगत असेल तर, स्थिर संनियंत्रण चमूमधील प्राधिकारी प्रमाणपत्राची एक प्रत ठेवून घेतील व ती रोख रक्कम जप्त करणार नाहीत.

#### १६.५ जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने दर तक्ता तयार करणे.

निवडणूक कार्यात सामान्यतः वापरलेल्या विविध बाबींचा दर तक्ता (खाली नमुन्याची यादी आहे) जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याद्वारे तयार करण्यात येईल आणि सर्व हितसंबंधितांना पुढीलप्रमाणे उपलब्ध करण्यात येईल.

१. अम्प्लीफायर व मायक्रोफोनसह लाऊडस्पीकरचा भाडे खर्च.
२. पोटियम (मंच) पेंडाल (मंडप) बांधणे ( ४ ते ५ व्यक्ती बसतील अशा प्रमाणित आकाराचा ).
३. कापडी बॅनर (पलक).
४. कापडी झेंडे (फ्लॅग).
५. प्लॉस्टिकचे झेंडे (फ्लॅग).
६. हस्तपत्रके (मुद्रकांकडून खर्च परिगणित करावयाचा आहे आणि मुद्रणाची मागणी निश्चित करून घ्यावयाची आहे लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम १२७-क पहा.)
७. भितीपत्रके.
८. जाहिरातफलक.
९. कापीव चित्रे (लाकडी).
१०. कापीव चित्रे (कापडी/प्लॉस्टिक).
११. व्हिडीओ कॅसेट.
१२. ऑडिओ कॅसेट्स.
१३. गेट उभारणे.
१४. कमानी उभारणे.
१५. वाहनाचा दैनंदिन भाडे खर्च :-
  - (एक) जीप/टेम्पो/ट्रक, इत्यादी
  - (दोन) सुमो/क्वालिस
  - (तीन) कार
  - (चार) तीन चाकी वाहने
  - (पाच) सायकल-रिक्षा
१६. हॉटेल खोल्यांचा/विश्रामगृहांचा भाडे खर्च.
१७. चालकांच्या वेतनाचा खर्च.
१८. फर्निचरचा (खुर्च्या, सोफा. इ.) व खिळण्याचा भाडे खर्च.
१९. नगरपालिका प्राधिकरणांकडील जागांवरील जाहिरात फलकांचा भाडे खर्च.
२०. एखाद्या जिल्ह्यामध्ये सर्वसाधारणपणे वापरल्या जाणाऱ्या इतर बाबी.

### १६.६ केवळ निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांनी हिशेब दाखल करणे.—

लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ७७ अन्वये प्रत्येक उमेदवाराने त्याच्या निवडणूक खर्चाचा पूर्वोक्त प्रमाणे हिशेब लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ७८ अन्वये ठेवणे आवश्यक असले तरी, केवळ निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांनीच त्यांच्या निवडणूक खर्चाचा हिशेब दाखल करणे आवश्यक आहे.

### १६.७ एकापेक्षा अधिक मतदारसंघातून निवडणूक लढविणे.—

जर एखादा उमेदवार एकापेक्षा अधिक मतदारसंघातून निवडणूक लढवित असेल तर, त्याने तो लढवित असलेल्या प्रत्येक निवडणुकीसाठी निवडणूक खर्चाचे स्वतंत्र विवरणपत्र दाखल करावयाचे आहे. प्रत्येक मतदारसंघाची निवडणूक ही एक स्वतंत्र निवडणूक असते.

### १६.८ हिशेब ज्याला दाखल करावयाचा तो प्राधिकारी.—

१. प्रत्येक राज्य व संघराज्यक्षेत्रामध्ये, उमेदवार ज्या मतदारसंघातून निवडणूक लढवित असेल तो मतदारसंघ ज्या जिल्ह्यात असेल त्या जिल्ह्याच्या जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्यास, निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवाराकडून निवडणूक खर्चाचा हिशेब दाखल करण्यात येईल.
२. काही राज्यातील काही विधानसभा व संसदीय मतदारसंघाचा विस्तार एकापेक्षा अधिक जिल्ह्यामध्ये झालेला असल्याने, अशा प्रकरणी उमेदवाराने सादर केलेला हिशेब कोणत्या जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने स्वीकारावा असा प्रश्न निर्माण होईल. याबाबत असे स्पष्ट करण्यात येते की, ज्या जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने त्या मतदारसंघासाठी मतदान केंद्रांची तरतूद केलेली आहे त्या जिल्ह्याच्या जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडे निवडणूक खर्चाचा हिशेब सादर केला पाहिजे. ज्या मतदारसंघाच्या बाबतीत तो हिशेब स्वीकारील त्या मतदारसंघाचे नाव निर्देशित करून संबंधित जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्यांचे नाव व पदनाम उमेदवारांच्या माहितीसाठी स्थानिकरित्या प्रसिद्ध करण्यात यावे.
३. निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांच्या सोयीसाठी, जिल्हा निवडणूक अधिकारी, निवडून आलेल्या उमेदवारांच्या निवडणुकीच्या तारखेपासून तीन दिवसांच्या आत, प्रत्येक मतदारसंघातील सर्व निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांना, ज्या अधिकाऱ्याकडे हिशेब दाखल करावयाचा आहे त्या जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याचे नाव, पदनाम व पत्ता आणि तसेच ज्या तारखेपूर्वी त्याच्याकडे हिशेब पोहचविला पाहिजे ती अंतिम तारीख कळविणारे एक पत्र देखील देईल.

### १६.९. निवडणूक प्रचाराच्या प्रयोजनार्थ उमेदवाराने देणग्या, इत्यादी घेणे :

उमेदवारांनी एखाद्या संस्थेकडून/व्यक्तीकडून रोख रकमेच्या स्वरूपात घेतलेल्या देणग्या/अंशदाने किंवा केलेला (ले) व्यवहार हे रुपये, १०,००० पेक्षा अधिक असू नयेत. तथापि, राजकीय पक्षांच्याबाबतीत, प्राप्त होणाऱ्या देणग्या/अंशदाने यांच्या स्वीकारण्या बाबतील, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम २९-ग च्या विद्यमान तरतुदींद्वारे नियमित करण्याचे चालू राहिल.

### १६.१० कोणत्याही जन सदस्याला खर्च नोंदवहीची प्रत मिळणे.

खर्च नोंदवही/लेखे यांची तपासणी करण्याच्या दरम्यान जनसदस्यांना उपस्थित राहता येईल आणि कोणत्याही उमेदवाराच्या खर्च नोंदवहीची प्रत, प्रत्येक पृष्ठाकरिता रुपये १ भरून, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडून प्राप्त करून घेता येईल, यास देखील प्रसिद्धी करण्यात यावी.

### १६.११. लेखा पुनर्मेळ बैठक :

उमेदवारांना निकाल जाहीर झाल्याच्या दिनांकानंतर २६ व्या दिवशी जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याद्वारे बोलाविल्या जाणाऱ्या लेखा पुनर्मेळ बैठकीत निवडणूक खर्चाखाली निर्देशिलेली रक्कम, काहीही असल्यास, तिचा पुनर्मेळ बसविण्याकरिता आणखी एक संधी देण्यात येईल. प्रत्येक उमेदवाराला या बैठकीबाबत लेखी स्वरूपात किंवा निकाल जाहीर होण्याच्या दिवशी किंवा निकाल जाहीर होण्याच्या दिवसापर्यंत कळविण्यात येईल, जेणेकरून, ते/त्यांचे निवडणूक प्रतिनिधी निवडणूक खर्चाच्या विवादित बाबींचा, त्यांच्या निवडणूक खर्चाच्या लेख्यात निवडणूक प्रक्रियेदरम्यान गोळा केलेले पुरावे आणि निवडणूक निर्णय

अधिकाऱ्याने दिलेल्या सूचना ( नोटीस ) यांसह मेळ घालू शकतील. लेखा पुनर्मेळ बैठकीपूर्वीच उमेदवाराने त्याचे लेखे आगोदरच सादर केले, असल्यास, तो/ती, जिल्हा निवडणूक संनियंत्रण समितीच्या निष्कर्षाचा समावेश करण्याकरिता, निवडणूक निकाल जाहीर झाल्याच्या ३० दिवसांच्या सांविधिक कालावधीत, लेख्यात सुधारणा करू शकेल.

### १६.१२ हिशेब सादर करावयाची पद्धती.—

१. उमेदवाराने, निवडणूक खर्चाचा हिशेब ज्यामध्ये ठेवला आहे अशी, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याद्वारे प्रत्येक उमेदवाराला पुरवण्यात आलेली नोंदवही, कायद्याने आवश्यक असल्याप्रमाणे निवडणुकीचा निकाल जाहीर झाल्याच्या तारखेपासून ३० दिवसांच्या आत त्याच्या निवडणूक खर्चाचा हिशेब म्हणून जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडे उमेदवार स्वतः सादर करील.
२. तसेच, उमेदवाराने त्याला निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने उक्त नोंदवहीसह दिलेल्या नमुन्याच्या भाग-एक ते सहा मधील संक्षिप्त विवरणपत्र देखील सादर करणे आवश्यक आहे. नोंदवहीतील किंवा नमुन्याच्या संक्षिप्त विवरणपत्रामधील कोणताही स्तंभ कोरा सोडता कामा नये. त्यामध्ये सूचीबद्ध केलेल्या कोणत्याही बाबीवर त्याने खर्च केला नसेल किंवा प्राधिकृत केला नसेल तर, समुचित स्तंभामध्ये, “काही नाही” अशी नोंद करण्यात यावी.
३. तसेच, प्रत्येक उमेदवार विहित नमुन्यातील आपल्या निवडणुकीच्या खर्चाचे विवरण दाखल करताना, निवडणूक खर्चाच्या आपल्या हिशेबाच्या पृष्ठार्थ शपथ असलेले शपथपत्र देखील दाखल करील. प्रत्येक उमेदवाराने दाखल करावयाचा शपथपत्राचा नमुना हा, उपरोक्त नमूद केलेल्या प्रमाणे नमुन्याचा एक भाग आहे. ( संक्षिप्त विवरणपत्राचा भाग-चार. )
४. दाखल करण्यात आलेला हिशेब हा उमेदवाराने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधिने ठेवलेला सत्य व संपूर्ण हिशेब असावयास पाहिजे आणि उमेदवाराने स्वतः तसे प्रमाणित करावे. उमेदवाराच्या निवडणूक प्रतिनिधिने दिलेले प्रमाणपत्र पुरेसे नाही आणि जरी तो हिशेब निवडणूक प्रतिनिधीने प्रमाणित केला असला तरी तो उमेदवाराने स्वतः पुन्हा प्रमाणित करणे आवश्यक आहे.
५. हिशेबासोबत प्रमाणके दाखल करणे आणि स्वाक्षरी करणे —  
प्रत्येक उमेदवाराने हिशेबासोबत खर्चाच्या प्रत्येक बाबीसाठी किंवा खर्चासाठी प्रमाणके दाखल करावीत, मात्र टपाल खर्च, रेल्वेने प्रवास आणि यांसारख्या बाबीसाठी प्रमाणक प्राप्त करणे व्यवहार्य नसेल तेथे अशी प्रमाणके सादर करण्याची गरज नाही. सर्व प्रमाणकांवर उमेदवाराने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने क्रमाने अनुक्रमांक टाकावे. देयके, प्रमाणके, बँक विवरणाच्या प्रमाणित प्रति यांवर उमेदवाराने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने पूर्ण स्वाक्षरी करताना उमेदवाराने स्वतः संक्षिप्त विवरणाचा भाग एक-चार आणि शपथपत्र यावर स्वाक्षरी करावी.
६. हिशेब दाखल करण्याची शेवटची तारीख.—  
लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ७८ अन्वये निवडून आलेल्या उमेदवाराच्या निवडणुकीच्या तारखेपासून ३० दिवसांच्या आत उमेदवाराने हिशेब दाखल केला पाहिजे.

### टीप.—

- (एक) ३० दिवसांच्या कालावधीची गणना करतेवेळी ज्या दिवशी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने निवडून आलेल्या उमेदवाराला निवडून आल्याचे घोषित केले ती तारीख वगळण्यात यावी.
- (दोन) अशाप्रकारे गणना करण्यात आलेला ३० वा दिवस जर रविवार असेल किंवा अन्य सुट्टीचा दिवस असेल आणि त्यादिवशी जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याचे कार्यालय बंद असेल तर, निवडणूक खर्चाचा हिशेब जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याचे कार्यालय उघडे राहिल अशा त्यानंतरच्या दिवशी दाखल करता येईल. अशा बाबतीत हिशेब वेळेच्या आत दाखल करण्यात आला असल्याचे समजण्यात येईल.]

### १६.१३ निवडीच्या तारखेचा अर्थ.—

एखाद्या निर्वाचित उमेदवाराची “निवडीची तारीख” ही निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने तो निवडून आल्याचे ज्या तारखेस घोषित केले असेल ती तारीख असेल—मग ती लढवलेली निवडणूक असो किंवा बिनविरोध निवडणूक असो.

### १६.१४ हिशेब मिळाल्याचे प्रतीक म्हणून पोच पावती देणे.—

एखाद्या उमेदवाराने जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडे हिशेब दाखल केल्याबरोबर, जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने विहित नमुन्यातील त्याबद्दलची पोचपावती त्याला दिली पाहिजे. जर असा हिशेब त्याला पोष्टाने मिळालेला असेल तर, त्याने तात्काळ अशी पोचपावती त्याला पोष्टाने पाठविली पाहिजे. पोचपावतीची एक पत्र हिशेबांसोबत हिशेब प्राप्त करणाऱ्या जिल्हा निवडणूक अधिकारी/पदनिर्देशित अधिकारी यांनी ठेवून घेतली पाहिजे.

### १६.१५ हिशेब दाखल केल्याची नोटीस.—

ज्या तारखेस उमेदवाराने आपला निवडणूक खर्चाचा हिशेब दाखल केला असेल त्या तारखेपासून दोन दिवसांच्या आत, जिल्हा निवडणूक अधिकारी पुढील बाबींचा निदेश करणारी एक नोटीस आपल्या नोटीस बोर्डावर लावील :-

(एक) ज्या तारखेस हिशेब दाखल करण्यात आला असेल ती तारीख.

(दोन) उमेदवाराचे नाव ; आणि

(तीन) ज्या वेळी व ज्या ठिकाणी हिशेब पहाता येऊ शकेल ती वेळ व ते ठिकाण.

### १६.१६ हिशेब पाहणे व त्याच्या प्रती.—

कोणतीही व्यक्ती, एक रुपये इतकी फी प्रदान केल्यावर, एखाद्या उमेदवाराने निवडणूक अधिकाऱ्याकडे दाखल केलेल्या हिशेबाची पहाणी करू शकेल. निवडणूक घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ याच्या नियम ८८ नुसार आयोगाने, निवडणूक खर्चाच्या किंवा त्याच्या कोणत्याही भागाच्या हिशेबाच्या साक्षांकित प्रती पुरविण्यासाठी प्रती फोलिओस किंवा त्याच्या भागासाठी रुपये १ शुल्क आकारण्याचे निश्चित केले आहे.

निवडणूक आयोगाकडे ज्या कालावधीत हिशेब असेल अशा कालावधीतील कोणत्याही वेळी एखाद्या निवडणूक खर्चाच्या हिशेबाची पाहणी करण्यासाठी अर्ज केला असेल तर, आयोगाकडून हिशेब परत येईपर्यंत अर्ज प्रलंबित ठेवण्यात येईल व त्यानंतर अर्जदारास हिशेब पहाण्याची मुभा देण्यात येईल.

### १६.१७ जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने उमेदवाराच्या लेख्यावरील व परीक्षा स्वरूपाचा आयोगाला अहवाल देणे.—

उमेदवारांनी स्वतःला काळजीपूर्वक जाणीव करून द्यावी की, जिल्हा निवडणूक अधिकारी, निकाल घोषित झाल्यानंतर, प्रत्येक उमेदवाराने सादर केलेल्या निवडणूक खर्चाच्या हिशेबाच्या विवरणाची छाननी करील आणि निकाल घोषित झाल्यानंतर मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्यामार्फत संक्षिप्त अहवालासह विहित नमुन्यात आयोगाला एक अहवाल सादर करील. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने निवडणूक प्रक्रियेदरम्यान जारी केलेल्या सर्व सूचनांच्या (नोटीस) कोणत्याही असल्यास, प्रतीसह आणि त्याच्या उत्तरांसहित, (सर्व उमेदवारांच्या संक्षिप्त विवरणपत्राची) भाग-एक ते भाग-चार अनुसूची १-११ सहित कमपीक्षण, (स्कॅन केलेली) प्रत उमेदवाराने निवडणूक खर्चाचा हिशेब दाखल केल्याच्या ३ दिवसांच्या आत जिल्हा निवडणूक अधिकारी/मुख्य निवडणूक अधिकारी यांच्या संकेतस्थळावर सर्व लोकांपर्यंत माहितीचा व्यापक प्रसार होण्यासाठी टाकण्यात येईल.

एखाद्या उमेदवाराने दाखल केलेल्या निवडणूक खर्चाच्या विवरणात, “सर्व” निवडणूक खर्चाचा “अचूक” हिशेब दर्शविणे आवश्यक असल्याने, जिल्हा निवडणूक अधिकारी, विहित केलेल्या रीतीने असणारा उमेदवाराचा हिशेब स्वीकारण्यापूर्वी, त्याला आवश्यक वाटेल अशी चौकशी करील आणि निवडणूका घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ याच्या नियम ८९ अन्वये आवश्यक असल्याप्रमाणे, आयोगास आपला अहवाल पाठवितेवेळी, त्याच्यापुढे दाखल करण्यात आलेल्या व समुचित चाकशीद्वारे त्याने पडताळणी केलेल्या दस्तऐवजांच्या संदर्भात आयोगास, सादर हिशेबाचे विवरण विहित रीतीने केलेले आहे, असे प्रमाणित करील.

### १६.१८ विलंबाने दाखल केलेले हिशेब :

जर निवडणूक लढविणाऱ्या एखाद्या उमेदवाराने, जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडून त्याचा/तिचा अहवाल आयोगाला पाठविण्यात आल्यानंतर, आपला निवडणूक खर्चाचा हिशेब दाखल केला असेल तर, जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने, त्याच नमुन्यामध्ये इतर उमेदवाराच्या बाबतीतील एक पूरक अहवाल पाठवावा.

### १६.१९ अहवाल प्रसिद्ध करणे :

जिल्हा निवडणूक अधिकारी, आयोगास पाठविलेल्या प्रत्येक अहवालाची एक प्रत, त्याच्या/तिच्या सूचना फलकावर लावून प्रसिद्ध करील.

### १६.२० अहवालावरील आयोगाचा निर्णय :

आयोग अहवाल विचारात घेईल आणि निवडणूक लढविणाऱ्या कोणत्याही उमेदवाराने, निवडणूक खर्चाचा हिशेब, कायद्याद्वारे आवश्यक असलेल्या वेळेत व रीतीने दाखल करण्यात कसूर केली आहे किंवा कसे ते ठरवील. अशा प्रकरणी निवडणुका घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ याच्या नियम ८९ (५) अन्वये आयोग, उमेदवारास, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १०क अन्वये त्याला अपात्र का ठरविण्यात येऊ नये, याविषयी कारणे दाखविण्यास सांगील.

### १६.२१ आयोगाच्या नोटिसा उमेदवारांना सुपूर्द करणे :

- (क) आयोगाने काढलेल्या नोटिसा कसूरदार उमेदवारांना जलदगतीने बजावण्यात याव्यात आणि त्याची प्रकरणे कमीत - कमी वेळात निकालात निघावी याची सुनिश्चिती करण्यासाठी आयोग, आता, या नोटिसा संबंधित उमेदवारांना सुपूर्द करण्याची व्यवस्था करण्यासाठी मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्यामार्फत त्या जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्यांना पाठवीत आहे. आयोगाकडून जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याच्या कार्यालयास नोटिसा मिळाल्यापासून तीन दिवसांच्या आत, त्या संबंधित उमेदवारांना सुपूर्द करण्यासाठी जिल्हा निवडणूक अधिकारी सर्वतोपरी प्रयत्न करील.
- (ख) नोटीस मिळाल्याबाबतचे प्रतीक म्हणून संबंधित उमेदवाराकडून रीतसर पोचपावती घेऊन त्याला नोटीस बजावण्यात यावी. उमेदवाराने, त्या नोटीशीला उमेदवाराने उत्तर देण्याचा २० दिवसांचा कालावधी (सांविधिक कालावधी) हा त्या दिनांकापासून सुरू होत असल्याने नोटीस प्राप्त झाल्याचा दिनांक दर्शवणे आवश्यक आहे.
- (ग) जर उमेदवार त्याच्या पत्त्यावर उपलब्ध झाला नसेल आणि त्याच्या कुटुंबातील सदस्यांनी नोटीस घेण्यास नकार दिला असेल तर, त्या ठिकाणी राहणाऱ्या दोन अधिमानीय साक्षीदारांच्या उपस्थितीत उमेदवाराच्या निवासस्थानाच्या भिंतीवर/दरवाजावर नोटीस लावता येईल. घटनास्थळी तशा अर्थाची नोंद केली जाईल आणि साक्षीदाराच्या पत्त्यासह त्यांच्या सहा त्यावर घेतल्या जातील.
- (घ) उमेदवार पत्रव्यवहाराचा पत्त नमुना ७ए(निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांची यादी) मध्ये नोंदवल्याप्रमाणे, उमेदवाराने जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याला लेखी पत्त्यामधील कोणत्याही बदलाची माहिती देईपर्यंत तोच असेल.

### १६.२२ कसूरदार उमेदवाराने अभिवेदन देणे :

ज्याला कारणे दाखविण्यासाठी सांगण्यात आले आहे असा कोणताही निवडणूक लढविणारा उमेदवार, अशी नोटीस मिळाल्याच्या तारखेपासून वीस दिवसांच्या आत, निवडणूक आयोगाकडे लेखी अभिवेदन करू शकेल, आणि त्याचवेळी, जर त्याने अगोदर आपला असा हिशेब सादर केलेला नसेल तर, त्याच्या निवडणूक खर्चाच्या परिपूर्ण हिशेबासह उमेदवाराच्या निदर्शनास आणून दिलेल्या मुद्द्यावर त्याच्या अभिवेदनाची एक प्रत जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याला पाठवील.

### १६.२३ जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने पुरवणी अहवाल देणे-

जिल्हा निवडणूक अधिकारी, आयोगाची नोटीस प्राप्त झाल्याचे प्रतिक म्हणून उमेदवाराकडून घेतलेल्या पोचपावतीसह आपला पुरवणी अहवाल, तात्काळ आणि उमेदवाराने त्याच्या हिशेबासह, कोणताही असल्यास, त्याचे अभिवेदन सादर करण्यासाठी आयोगाने उमेदवाराला निर्देशित केलेला सांविधिक कालावधी समाप्त झाल्यानंतर, कोणत्याही बाबतीत एक आठवड्याच्या आत, आयोगाला पाठवील. उमेदवाराने कोणतेही अभिवेदन दाखल केले नाही तरी सुद्धा, पुरवणी अहवाल पाठविण्यात यावा.



## १६.२४ आयोगाचा अंतिम आदेश

उमेदवाराने सादर केलेले अभिवेदन आणि जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडून मिळालेले अभिप्राय विचारात घेतल्यानंतर आणि त्याला योग्य वाटेल अशी चौकशी केल्यानंतर, उमेदवारास कायदानुसार आवश्यक केलेल्या वेळेत व रीतीने त्याचा हिशेब सादर करण्यात कसूर करण्यासाठी उमेदवाराकडे कोणतेही उचित कारण किंवा समर्थन नव्हते याविषयी निवडणूक आयोगाची खात्री पटली असेल तर, आयोग त्याला लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १०-क अन्वये, आदेशाच्या तारखेपासून तीन वर्षांच्या कालावधीसाठी अपात्र म्हणून घोषित करील आणि हा आदेश **शासकीय राजपत्रात** प्रसिद्ध करण्याची व्यवस्था करील.

(लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १० क अन्वये अपात्र व्यक्तींची अद्ययावत यादीसाठी शीर्षक न्यायिक संदर्भाखाली आयोगाचे संकेतस्थळ [www.eci.gov.in](http://www.eci.gov.in) पहा.)

## १६.२५ अपात्रता दूर करणे :

लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ११ अन्वये निवडणूक आयोग, कारणे नमूद करून, अशी कोणतीही अपात्रता दूर करू शकेल किंवा त्याचा कालावधी कमी करू शकेल.

या प्रयोजनासाठी, अर्जदाराने त्याच्या युक्तिवादाच्या समर्थनार्थ कारणे नमूद करून, पुष्टी केलेले योग्य शपथपत्र निवडणूक उपायुक्त, भारत निवडणूक आयोग यांच्यासमोर औपचारिक अर्ज दाखल केला पाहिजे, हिशेब दाखल न केल्यामुळे उमेदवार अपात्र ठरत असेल तर, उमेदवाराने कायदाने आवश्यक असेलेल्या पद्धतीने व सर्व आवश्यक प्रमाणके, शपथपत्रे इत्यादीसह त्याचा संपूर्ण खात्याचा हिशेब सादर करावा.

## १६.२६ अर्थशक्तीच्या (पैशाच्या बळाचा वापर करणाऱ्या भ्रष्टाचारास खतपाणी घालणाऱ्या प्रभावास रोखण्यासाठी उपाययोजना

(क) निवडणुकांमध्ये अर्थसत्तेच्या वाढत्या प्रभावाविषयी सर्वांनाच खूप माहित आहे आणि ही अशी एक व्याधी आहे की, ज्यामुळे वित्तीय साधने उपलब्ध असणाऱ्या विशिष्ट उमेदवारांना, इतर उमेदवारांच्या तुलनेत स्पष्ट लाभदायक स्थितीमध्ये नेते व त्यामुळे निवडणूक हे केवळ एक नाटक उरते. निवडणुकीच्या निकालातून जनतेची वास्तव निवड प्रतीत होत नाही. तसेच, अशा निवडणूक पद्धतीमुळे लायक व सक्षम व्यक्ती काही वेळा जनतेचे प्रतिनिधित्व करण्यापासून वंचित राहतात. असे सर्वसामान्यपणे दिसून येते की, कायद्याच्या वर उद्धृत केलेल्या तरतुदी या अर्थसत्तेच्या भ्रष्टाचारजनक प्रभावास पायबंद घालण्यासाठी पूर्णपणे अपुऱ्या ठरलेल्या आहेत.

या संदर्भात मा. सर्वोच्च न्यायालयाने अलिकडे दिलेल्या न्यायनिर्णयातील काही भाग उद्धृत करणे सुसंगत ठरेल (गडाख यशवंतराव शंकरराव वि.ई.व्ही. ऊर्फ बाळासाहेब विखे पाटील व इतर-एआयआर १९९४-सर्वोच्च न्यायालय ६७८):

“विद्यमान कायदा हा विद्यमान वास्तवाच्या दृष्टीने पुरेसा नाही. खर्चाची कमाल मर्यादा ही, केवळ उमेदवाराने स्वतः केलेल्या किंवा प्राधिकृत केलेल्या खर्चाच्या संबंधात निश्चित करण्यात येते. परंतु पक्षाने किंवा अन्य कोणीही त्याच्या निवडणूक प्रचार मोहिमेमध्ये केलेला खर्च हा कायदेशीर चौकशीच्या कक्षेबाहेर राहतो. त्यामुळे त्या तरतुदीचा हेतू पळवाटामुळे विफल होतो. उमेदवाराने करावयाच्या खर्चाबाबत कमालमर्यादा विहित करणे ही केवळ धूळफेक आहे. एक परिपक्व अशी लोकशाही साध्य करण्याच्या हेतूने त्याकरिता अधिनियम अधिनियमित करण्यात आला होता त्या निवडणूक खर्चावर प्रत्यक्ष नियंत्रण नाही. कायद्यातील उणीव आहे, तथापि, कायद्याच्या त्रुटी केवळ संसदेलाच दूर करता येईल व अन्यथा सर्वांच्या सोयीसाठी ही त्रुटी मुद्दामच कायद्यामध्ये ठेवली आहे की काय असा समज होतो. जर असे करणे शक्य नसेल तर, कायद्यावर कुरघोडी करण्यासाठी व तो पायदळी तुडवण्यासाठी अप्रत्यक्ष मार्गाचा अवलंब करण्यास प्रतिबंध करणाऱ्या तरतुदी वगळून टाकणे व निवडणुकांमध्ये अर्थसत्तेचा प्रभाव निःसंकोच मान्य करणे हितावह ठरेल. ही तरतूद, अल्पांशानेदेखील वास्तव झाकून टाकण्यात पूर्णपणे अयशस्वी ठरलेली आहे ”

सन्माननीय न्यायालयाने आपल्यावर उद्धृत केलेल्या न्यायनिर्णयामध्ये आणखी आशा व्यक्त केली आहे की,

“ सर्वच राजकीय पक्षांच्या राज्यस्तरीय व राष्ट्रीय स्तरावरील वरिष्ठ नेतृत्वाचे हे कर्तव्य आहे की, त्यांनी इच्छित असा दर्जा स्वतःच्या अंगी बाणवून मतदारगणांस आवश्यक ती माहिती पुरवण्याची प्रथा रूढ करावी, म्हणजे ती अगदी खालच्या स्तरापर्यंत सर्वांना माहित होईल व त्यामुळे मुक्त व निःपक्ष निवडणुकांसाठी अनुकूल वातावरण तयार होऊ शकेल. ”

- (ख) दरम्यान, आयोगाने, सध्या असलेल्या कायद्याच्या चौकटीमध्ये राहून, शक्य होईल तितक्या कमी चुकीचा अशा उमेदवारांनी सादर केलेले निवडणूक खर्चाचा हिशेब देण्यासाठी अर्थापायांचा काळजीपूर्वक विचार केलेला आहे.
- (ग) आयोगाने नियुक्त केलेला निरीक्षक आदर्श आचारसंहितेचे तरतुदींचे अनुपालन करण्यात येते किंवा कसे यावर बारीक लक्ष ठेविले आणि तसेच तो मतदारांचे मन वळवण्यासाठी अर्थशक्तींचा गैरवापर करणाऱ्या घटनांचे बारकाईने विश्लेषण करील व त्याविषयीचा अहवाल आयोगाकडे पाठविले. आयोग या निरीक्षकांच्या अहवालाच्या संदर्भामध्ये निवडणूक खर्च किती अधिक प्रमाणात झाला, ही बाबदेखील निर्धारित करील.
- (घ) पैशाच्या बळाच्या गैरवापरास आळा घालण्याकरिता आणि कमाल मर्यादा ठेवण्याकरिता संविधानाच्या अनुच्छेद ३२४ अन्वये भारत निवडणूक आयोगाने उपाययोजना केलेल्या आहेत.
- (एक) खर्च निरीक्षकांची नियुक्ती.
- (दोन) सहायक खर्च निरीक्षकांची नियुक्ती.
- (तीन) प्रमुख मेळावे/घटनांना समाविष्ट सामावून घेण्यासाठी व्हिडिओ संनिरिक्षण चमू.
- (चार) व्हिडिओ संनिरिक्षण चमूने तयार केलेल्या सीडी टूकश्रा चित्रफीत अवलोकन चमूने पाहावे त्यामुळे केलेल्या खर्चाचे निरीक्षण प्रति निरीक्षण नोंदवहीत नोंदविण्यात येईल.
- (पाच) प्रति निरीक्षण नोंदवही व पुरावा पत्रिका ठेवण्यासाठी सहायक निवडणूक अधिकाऱ्यांच्या नेतृत्वाखालील लेखांकन चमू असेल. (पुराव्यावर आधारित उमेदवारांच्या निवडणूक खर्चाच्या उपाययोजनांच्या लेखांकनाचे निरीक्षण करण्याकरिता निवडणूक प्राधिकरणाद्वारे उमेदवारासाठी नोंदवही ठेवली असेल.)
- (सहा) पेड न्यूजवर संनियंत्रण ठेवण्याकरिता प्रसार माध्यम प्रमाणन व संनियंत्रण समिती असेल.
- (सात) प्रमाणित कार्यचालन पद्धतीनुसार वाहने तपासण्याकरिता आणि निवडणूकीदरम्यान मतदारांना लालूच देण्याकरिता वापर होऊ शकेल अशी रोख रक्कम, दारू, औषधिद्रव्ये/अंमली पदार्थ, मौल्यवान धातू व भेटवस्तू/इतर अवैध वस्तू जप्त करण्याकरिता भरारी पथके आणि स्थैतिक सर्वेक्षण चमू असतील.
- (उमेदवाराला अद्ययावत निवडणूक खर्च संनियंत्रण यांवरील अनुदेशांचा सारसंग्रहाचा संदर्भ घेण्याचा सल्ला दिला आहे जो आयोगाच्या संकेतस्थळावर ([www.eci.gov.in](http://www.eci.gov.in)) उपलब्ध आहे.

## प्रकरण १७. संकीर्ण

### १७.१ निरक्षर व्यक्तींनी सही करणे

१७.१.१. निवडणुका घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ च्या नियम २ च्या पोट-नियम (२) (क) मध्ये असे नमूद करण्यात आले आहे की, जी व्यक्ती आपले नाव लिहिण्यास असमर्थ असेल अशा व्यक्तीने निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या किंवा मतदान केंद्राध्यक्षाच्या किंवा निवडणूक आयोग याबाबत विनिर्दिष्ट करील अशा इतर अधिकाऱ्याच्या उपस्थितीत एखाद्या लेखावर किंवा अन्य कागदपत्रावर एखादी खूण केली असेल तर, त्या व्यक्तीने अशा लेखावर किंवा अन्य कागदपत्रावर सही केली असल्याचे समजण्यात येईल. तदनुसार, आयोगाने उपविभागीय अधिकाऱ्याच्या दर्जाहून खालच्या दर्जाच्या नसलेल्या प्रशासन सेवेतील प्रत्येक अधिकाऱ्यास, ज्याच्या उपस्थितीत अशी खूण करता येईल असा अधिकारी म्हणून विनिर्दिष्ट केले आहे.

### १७.२ हस्तलिखित, टंकलिखित खाजगीरीत्या मुद्रित केलेले नमुने

१७.२.१. राज्यातील कोणत्याही निवडणुकीच्या बाबतीत निवडणुका घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ याला जोडलेला नमुना म्हणून वर नमूद केलेल्या नियमांच्या नियम (२) (१) (छ) मध्ये “नमुने” याची व्याख्या करण्यात आली आहे त्या राज्यात शासकीय प्रयोजनासाठी वापरण्यात येणाऱ्या भाषांपैकी कोणत्याही भाषेतील त्याच्या अनुवादाचा समावेश होतो. जेव्हा उमेदवाराला नियमान्वये विहित केलेला नमुना वापरावयाचा असेल तेव्हा त्याने/तीने तोच नमुना वापरला पाहिजे. जर राज्य शासनाने नमुने मुद्रित केले असतील तर उमेदवाराने अशा मुद्रित नमुन्याची एक प्रत मिळवावी. जर ती उपलब्ध नसेल तर उमेदवाराला खाजगीरीत्या मुद्रित केलेला, चक्रमुद्रित, टंकलिखित किंवा अगदी हस्तलिखित नमुनाही वापरता येईल. तो स्वीकारण्यात येईल. तथापी, विहित नमुन्यातील मजकुराची बिनचूक नक्कल काढण्यात आली आहे आणि उमेदवाराने वापरलेल्या नमुन्यात कोणतीही विसंगती नाही याची खातरजमा करण्याची त्याने/तिने काळजी घेतली पाहिजे.

### १७.३ ईव्हीएम/ व्हीव्हीपीएटी व निवडणूकी विषयक इतर कागदपत्रे यांचा साठा

१७.३.१. निवडणूक घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ याच्या नियम ९२ तसेच नियम ९३ मध्ये अशी तरतूद केली आहे की, नियम ५७ ग अन्वये मोहोरबंद केलेली मतदान यंत्रे व मुद्रित कागदी चिट्ठ्या, जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याच्या अभिरक्षेत सुरक्षित ठेवण्यात येतील आणि सक्षम न्यायालयाच्या आदेशान्वये असेल तेवढे खेरीज करून, कोणत्याही व्यक्तीसमोर किंवा प्राधिकाऱ्यासमोर उघडण्यात येणार नाहीत किंवा तपासण्यात किंवा सादर करण्यात येणार नाहीत. भारत निवडणूक आयोगाने दिलेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे यावरील नियमपुस्तिकेची नवीनतम आवृत्तीत/आदेशात नमूद केलेल्या अशा कालावधीसाठी यंत्रे व मोहोरबंद केलेल्या मुद्रित कागदी चिट्ठ्या (व्हीव्हीपीएटी चिट्ठी) जसेच्या तशा ठेवण्यात येतील.

१७.३.२. निवडणुकीचा निकाल घोषित केल्यानंतर, लगेच सर्व ईव्हीएम (मतदान युनिट व नियंत्रण युनिट), व्हीव्हीपीएटी आणि पाकिटांचा समावेश असलेल्या मोहोरबंद पेट्या जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्यास त्याच्या मुख्यालयात पाठवाव्यात आणि त्याची पोचपावती घ्यावी. जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने त्याच्या सुरक्षित अभिरक्षेत ठेवण्याची पुढील व्यवस्था करावी.

१७.३.३. मतमोजणी केंद्राव्यतिरिक्त इतर ठिकाण असल्यास, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे, व्हीव्हीपीएटी यांची आणि निवडणुकीसंबंधातील कागदपत्रे इत्यादी ने-आण करणे जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याच्या ताब्यात सुरक्षित ठेवण्यासाठी पुढील नियमांचे (Protocol) पालन केले जाईल.

(क) मतमोजणी झाल्यानंतर जेथे इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे, व्हीव्हीपीएटी आणि निवडणूकसंबंधित कागदपत्रे ठेवायची आहेत त्या ठिकाणाबाबत निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांना आणि त्यांच्या प्रतिनिधींना योग्य ती लेखी पोचपावती देऊन कळविले जाईल.

(ख) इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे, व्हीव्हीपीएटी आणि दृकश्राव्य चित्रणासह निवडणुकीची कागदपत्रे वाहून नेणाऱ्या वाहनांच्या संरक्षणासाठी योग्य ते सशस्त्र दल (केंद्रीय सशस्त्र पोलीस दल) पुरविले जाईल.

१७.३.४ निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या निदेश पुस्तिकेमध्ये समाविष्ट असलेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे, व्हीव्हीपीएटी, व्हीव्हीपीएटीमधील कागदी चिठ्ठ्या आणि निवडणूक कागदपत्रे यांच्या साठवणुकीबाबत आयोगाच्या तपशीलवार सूचनांचे काटेकोरपणे पालन केले जाईल.

## १७.४ निवडणूकविषयक इतर कागदपत्रे सादर करणे व तपासणे

१७.४.१ निवडणूक घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ च्या नियम ९३च्या, पोट-नियम (२)मध्ये अशी तरतूद करण्यात आली आहे की, त्या नियमाच्या पोट-नियम (१) मध्ये निर्दिष्ट केलेल्या कागदपत्रांव्यतिरिक्त निवडणुकी संबंधित इतर सर्व कागदपत्रे, निवडणूक आयोग निर्देश देईल अशा शर्तीच्या आणि अशी कोणतीही फी असल्यास, ती देण्याच्या अधीनतेने, लोकांना तपासणीसाठी खुली असतील.

१७.४.२ उक्त उप-नियम तसेच भारतीय साक्षी पुरावा अधिनियम, १८७२ चे कलम ७६ यानुसार, आयोगाने पुढील निदेश दिले आहेत :-

### १. तपासणी-

(क) उक्त कागदपत्रांच्या (निवडणूक खर्चाच्या हिशेबाव्यतिरिक्त) तपासणीसाठीचा प्रत्येक अर्ज लेखी स्वरूपात करण्यात यावा आणि त्यात ज्याची तपासणी करावयाची असेल त्या अभिलेखासंबंधीचा तपशील देण्यात यावा ;

(ख) कागदपत्रांच्या तपासणीसाठी अर्ज करणाऱ्या कोणत्याही व्यक्तीस, तपासणीच्या दर तासास किंवा त्याच्या भागास ५ रुपये फी तिने दिल्यावर, करू देण्यात येईल ; मात्र तातडीने तपासणी करण्याची आवश्यकता असेल तर, त्या बाबतीत, दर तासास किंवा त्याच्या भागास १० रुपये फी असेल.

(ग) साध्या अर्जावर, ज्या तारखेस अर्ज करण्यात आला असेल त्या तारखेच्या पुढच्या दिवशी किंवा त्यानंतरच्या दिवशी तपासणी करू दिली जाईल आणि तातडीच्या अर्जावर त्याच दिवशी तपासणी करू दिली जाईल. निवडणूक खर्चाच्या हिशेबाची तपासणी करण्याच्या सूचना आणि त्याच्या प्रती पुरवणे यांच्या आधीच्या प्रकरणामध्ये समावेश आहे.

२. **प्रमाणित प्रत**-उक्त कागदपत्रांपैकी कोणत्याही कागदपत्राची (निवडणूक खर्चाच्या हिशेबाव्यतिरिक्त) प्रमाणित प्रतीसाठी अर्ज करणाऱ्या व्यक्तीस, महसूल अधिकाऱ्याच्या आदेशाच्या प्रतीसाठी राज्यात ज्या दराने फी आकारण्यात येते त्याच दराने त्या व्यक्तीने फी दिल्यावर, देण्यात येईल. त्यासाठीच्या अर्जाच्या बाबतीत अनुसरावयाची कार्यपद्धती ही, महसूल अधिकाऱ्याने हाताळलेल्या प्रकरणाच्या बाबतीत केलेल्या तशाच अर्जासाठी असलेल्या कार्यपद्धती सारखीच असेल.

३. तपासणीसाठीचा किंवा कागदपत्रांच्या प्रमाणित प्रती पुरवण्यासाठीचा अर्जदाराचा अधिकार अर्जाद्वारे सिद्ध झाला पाहिजे आणि त्या प्रयोजनासाठी, अर्जदाराचे अशा कागदपत्रात किंवा कागदपत्रांमध्ये असलेला थेट व स्पष्ट हितसंबंध आणि अशा हितसंबंधाचे स्वरूप स्पष्टपणे उघड झाले पाहिजे.

४. शासकीय प्रयोजनांसाठी एखाद्या कागदपत्राची तपासणी किंवा प्रमाणित प्रत आवश्यक असेल तेव्हा, कोणतीही फी आकारण्यात येणार नाही.

५. निवडणूक पूर्ण झाल्यानंतर लगेच कोणत्याही इच्छुक व्यक्तीकडून निवडणूक नोंदी तपासल्या जातात तेव्हा अधिकाऱ्यांचे प्रभावी पर्यवेक्षण आवश्यक असते. अभिलेखामधून कोणतेही कागदपत्रे काढून घेऊ नये, हे टाळण्यासाठी अनेक (मोठ्या संख्येने) व्यक्तींना एकाच वेळी तपासणी करण्यास परवानगी असणार नाही.

### १७.५ निकालपत्रे आणि निवडणुकीची विवरणे यांच्या प्रती पुरविणे

- १७.५.१ जर, निकालपत्राच्या प्रतीची मागणी करण्यात आली असेल तर, निवडणूकविषयक इतर अभिलेखांच्या प्रमाणित प्रती पुरवण्यासाठी आकारण्यात येणाऱ्या फी प्रमाणे फी दिल्यावर नमुना २० मधील निकालपत्राच्या प्रती पुरवण्यात येतील.
- १७.५.२ निवडणूक घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ याच्या नियम ९३ च्या उपनियम (३) अन्वये प्रत्येक प्रतीसाठी २ रुपये (दोन रुपये फक्त) दिल्यावर, नमुना २१ (ड) मधील निवडणुकीच्या विवरणाच्या प्रतीही मिळू शकतील.

### १७.६ अनामत रकमेचा परताव्याच्या परतावा अर्जाचा नमुना

- १७.६.१ ज्या उमेदवाराचे नामनिर्देशनपत्र वैध असल्याचे आढळले आहे, अशा प्रत्येक उमेदवाराने संसदीय मतदारसंघातून निवडणुका लढवण्यासाठी आवश्यक असलेले २५,००० रुपये किंवा यथास्थिति विधानसभा मतदारसंघातील निवडणुकीच्या बाबतीत १०,००० रुपये रक्कम जमा करणे आवश्यक आहे. अनुसूचित जाती किंवा अनुसूचित जमातीच्या उमेदवाराच्या बाबतीत अनामत रक्कम निम्मी आहे.

(एक) ज्या उमेदवारांचे नामनिर्देशन पत्र अवैध आहे आणि नाकारले गेले असल्याचे आढळून आले अशा उमेदवारांना,

(दोन) ज्यांनी त्यांची उमेदवारी माघार घेण्याची मुदत संपण्यापूर्वी कायदानुसार मागे घेतली आहे, अशा वैधपणे नामनिर्देशित केलेले उमेदवारांना,

(तीन) ज्यांचा मतदानात पराभव झाला आहे अशा उमेदवारांना आणि

(चार) जे निवडणुकीत रीतसरपणे निवडून आलेले आहेत अशा उमेदवारांना,

अनामत रक्कम परत करावी लागेल किंवा या खाली वर्णन केल्याप्रमाणे कायदानुसार सरकारकडे जमा करावी लागेल.

**टीप.—** अनामत रक्कम ज्याच्या नावाने ती कोषागारामध्ये भरली गेली होती फक्त त्याच व्यक्तीला किंवा जर तो मरण पावला असेल तर त्याच्या कायदेशीर प्रतिनिधीला परत केली जाऊ शकते.

- १७.६.२. अनामत रकमेच्या परताव्यासाठीच्या अर्जाचे नमुने, (जोडपत्र २३) मध्ये देण्यात आले आहेत. परताव्यासाठीचा प्रत्येक अर्ज, उमेदवाराने किंवा त्याच्या/तिच्या वतीने ज्या व्यक्तीने अनामत रक्कम ठेवली असेल त्या व्यक्तीने योग्य असेल त्या नमुन्यात करावा. उमेदवाराव्यतिरिक्त अन्य व्यक्तीने अनामत रक्कम ठेवली असेल तेव्हा, उमेदवाराने अर्ज पडताळून पहावा. जर उमेदवार मरण पावला असेल तर त्याच्या वैध प्रतिनिधीस योग्य त्या नमुन्यात परताव्यासाठी अर्ज करता येईल.

### १७.७ अनामत रक्कम केव्हा परत करावयाची

- १७.७.१ जर निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या यादीत उमेदवाराचे नाव दर्शविण्यात आले नसेल तर किंवा मतदानास प्रारंभ होण्यापूर्वी तो मरण पावला तर, त्याने ठेवलेली अनामत रक्कम, निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांची यादी प्रसिद्ध झाल्यानंतर किंवा यथास्थिति, त्याच्या मृत्यूनंतर, व्यवहार्य असेल तितक्या लवकर परत करण्यात येईल. काही उमेदवारांना त्यांच्या दुसऱ्या व नंतरच्या नामनिर्देशनासोबत त्याच मतदारसंघात आणखी अनामत रक्कम ठेवता येईल. दुसरी किंवा नंतरची अनामत रक्कम निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांची यादी प्रसिद्ध झाल्यानंतर, व्यवहार्य असेल तितक्या लवकर, परत करण्यात यावी. इतर प्रकरणांत निवडणुकीचा निकाल जाहीर करण्यात आल्यानंतर व्यवहार्य असेल तितक्या लवकर अशी रक्कम परत करण्यात येईल.

- १७.७.२ सार्वत्रिक निवडणुकीमध्ये, उमेदवार हा एकापेक्षा जास्त संसदीय मतदारसंघात किंवा एकापेक्षा जास्त विधानसभा मतदारसंघात निवडणूक लढवणार असल्यास, त्याला एकापेक्षा अधिक ठिकाणची अनामत रक्कम परत केली जाणार नाही आणि याबाबत इतर अनामत रक्कम जप्त करण्यात येतील.

### १७.८ केवळ एकाच मतदारसंघातील अनामत रक्कम परत करता येईल

- १७.८.१ एक गोष्ट लक्षात ठेवावी, ती म्हणजे, जर एखादा उमेदवार लोकसभेसाठी किंवा विधानसभेसाठी एकापेक्षा अधिक मतदारसंघातून सार्वत्रिक निवडणूक लढवणारा उमेदवार असेल तर, त्याने किंवा त्याच्या वतीने ठेवलेल्या एकापेक्षा अधिक अनामत रकमांचा त्यास परतावा मिळणार नाही. त्याने किंवा त्याच्या वतीने ठेवलेल्या इतर अनामत रकमा सरकार जमा होतील.
- १७.८.२ एकाच वेळी घेण्यात येणाऱ्या लोकसभेच्या व विधानसभेच्या निवडणूक लढवणारा उमेदवार हा, जर तो अन्यथा असा परतावा मिळण्यास हक्कदार असेल तर, दोन्ही निवडणुका वेगळ्या असल्याने अशा दोन्ही मतदारसंघात ठेवलेल्या अनामत रकमांचा परतावा मिळण्यास हक्कदार असेल.
- १७.८.३ उमेदवाराने एकापेक्षा जास्त संसदीय किंवा विधानसभा मतदारसंघातून निवडणूक लढवणार नसल्याची घोषणा केली असली तर, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला अशा इतर साहित्यातून आणि त्याला उपलब्ध असलेल्या माहितीवरून त्याने प्रत्यक्षात तसे केले आहे की नाही याबाबत स्वतःची खात्री करून घेण्याचा हक्क आहे.

### १७.९ अनामत रकमेच्या परताव्याच्या शर्ती

- १७.९.१ पुढील शर्तींची खात्री पटली असेल तर, उमेदवाराने ठेवलेली अनामत रक्कम परत करण्यात येईल.
- (एक) उमेदवाराचे नाव निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या यादीमध्ये दाखवलेले नाही, म्हणजे असे म्हणता येईल की, एक तर त्याचे नामनिर्देशन नाकारले होते किंवा त्याचे नामनिर्देशन स्वीकारण्यात आल्यानंतर त्याने त्याची उमेदवारी मागे घेतली होती ; किंवा
- (दोन) मतदानाच्या प्रारंभापूर्वी तो मरण पावला असेल ; किंवा
- (तीन) तो निवडून आलेला आहे ; किंवा
- (चार) तो निवडून आला नाही. परंतु, निवडणुकीत सर्व उमेदवारांना पडलेल्या एकूण वैध मतांच्या एक षष्ठांशापेक्षा जास्त मते त्याला मिळालेली आहेत.

**टीप.**—(एक)जर त्या उमेदवाराला सर्व उमेदवारांना पडलेल्या एकूण वैध मतांच्या बरोबर एक षष्ठांश इतकी मते मिळाली असतील तर, अनामत रक्कम परत करण्यात येणार नाही.

(दोन) जर उमेदवार निवडून आला असेल तर, सर्व उमेदवारांना मतदान झालेल्या एकूण वैध मतांच्या एक षष्ठांशापेक्षा जास्त मते त्याला मिळाली नसली तरीही त्याला अनामत रक्कम परत करण्यात येईल.

१७.९.२ अनामत रक्कम परत करण्याच्या उद्देशाने, प्रतिस्पर्धी उमेदवारांनी दिलेल्या एकूण वैध मतांची गणना करण्यासाठी नोटा (NOTA) ला मिळालेली मते विचारात घेतली जाणार नाहीत.

### १७.१० अनुसूचित जातीच्या किंवा अनुसूचित जमातीच्या उमेदवारांना अनामत रक्कम परत करणे

१७.१०.१ जर अनुसूचित जातीचा किंवा अनुसूचित जमातीचा उमेदवार सर्वसाधारण मतदारसंघातून निवडणूक लढवत असेल तर, कलम ३४(१) अन्वये लोकसभा मतदार संघाच्या निवडणुकीच्या बाबतीत रु. २५,००० ऐवजी फक्त रु. १२,५०० आणि विधानसभा मतदारसंघाच्या निवडणुकीच्या बाबतीत रुपये १०,००० ऐवजी रुपये ५,००० इतकी अनामत रक्कम ठेवावी लागेल. जर वर नमूद केल्याप्रमाणे प्रत्यक्षात जितकी रक्कम अनामत म्हणून ठेवणे आवश्यक असेल तितक्या रकमेऐवजी, चुकून किंवा अन्यथा, रु. २५,००० किंवा यथास्थिति रु. १०,००० इतकी पूर्ण रक्कम



अनामत म्हणून ठेवली असेल तर, निवडणूक निर्णय अधिकारी, अशी अनामत रक्कम परत करण्यापूर्वी, तो उमेदवार अनुसूचित जातीचे किंवा अनुसूचित जमातीचे सदस्य असल्याविषयी खात्री करील त्या उमेदवाराला प्रत्यक्षात अनामत ठेवलेल्या जास्तीच्या रकमेचा परतावा मिळण्याचा नेहमीच हक्क असेल.

### १७.११ निवडणूकविषयक बाबींमध्ये हस्तक्षेप करण्यास न्यायालयांना आडकाठी

१७.११.१ निवडणूकविषयक बाबींमध्ये हस्तक्षेप करण्यास न्यायालयांना केलेल्या आडकाठीसंबंधात भारताच्या संविधानात असलेल्या संबद्ध तरतुदी उमेदवारांच्या सोयीसाठी खाली उद्धृत केल्या आहेत :-

३२९ निवडणूकविषयक बाबींमध्ये हस्तक्षेप करण्यास न्यायालयांना आडकाठी-

संविधानात काहीही अंतर्भूत असेल तरी,-

- (क) मतदारसंघाचे परिसीमन किंवा अशा मतदारसंघांमध्ये जागांचे वाटप यासंबंधी अनुच्छेद ३२७ किंवा अनुच्छेद ३२८ खाली केलेल्या किंवा करण्याचे योजिलेल्या कोणत्याही कायद्याची विधिग्राहता कोणत्याही न्यायालयात प्रश्नास्पद करता येणार नाही ;
- (ख) संसदेच्या दोहोपैकी कोणत्याही सभागृहाची अथवा राज्य विधानमंडळाच्या सभागृहाची किंवा दोहोपैकी कोणत्याही सभागृहाची कोणतीही निवडणूक, समुचित विधानमंडळाने केलेल्या कोणत्याही कायद्याद्वारे किंवा तदन्वये तरतूद केलेल्या अशा प्राधिकरणास, अशा रीतीने निवडणूक याचिका सादर केल्याखेरीज, प्रश्नास्पद करता येणार नाही.

१७.११.२ मा. सर्वोच्च न्यायालयाने आपल्या निर्णयांच्या मालिकेमध्ये असा निर्णय दिला आहे की, वर उद्धृत केलेल्या संविधानाच्या अनुच्छेद ३२९ (ख) मध्ये वापरलेल्या "निवडणूक" या संज्ञेचा अर्थ, निवडणूक घोषित करणारी अधिसूचना काढण्यात आल्यापासून ते निकाल जाहीर करी पर्यंतची संपूर्ण निवडणूकविषयक प्रक्रिया, असा आहे [पहा एन्.पी. पोन्नुस्वामी विरुद्ध निर्वाचन अधिकारी नमक्कल व इतर ( अेआयआर १९५२, एसी ६४ ), मोहिंदरसिंग गिल विरुद्ध मुख्य निवडणूक आयुक्त व इतर ( अेआयआर १९७८, एसी ८५१ ), लक्ष्मी चरण सेन व इतर विरुद्ध केंद्र सरकार व इतर ( अेआयआर १९८५ एसी १२३३ ), निवडणूक आयोग विरुद्ध शिवाजी ( अेआयआर १९८८, एससी ६१ ) इत्यादी] संविधानाच्या अनुच्छेद ३२९ (ख) अन्वये सर्व न्यायालयांना निवडणूक प्रक्रियेतील कोणत्याही मधल्या टप्प्यात हस्तक्षेप करण्यास किंवा निषेधादेश देण्यात मनाई करण्यात आली आहे.

१७.११.३ निवडणूकीसंबंधीच्या सर्व शंका व वाद, निवडणूक संपल्यानंतर, संबंधित राज्याच्या/संघराज्य क्षेत्राच्या उच्च न्यायालयात सादर करावयाच्या निवडणूकविषयक अर्जात लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या भाग सहा मधील तरतुदीनुसारच फक्त निर्माण करता येतील, अन्य कोणत्याही प्रकारे नाही.

### १७.१२ बाल कामगार

१७.१२.१ आयोगाने, निवडणूकीतील वेगवेगळ्या कामांमध्ये बाल कामगारांच्या वापरास तीव्र आक्षेप घेतलेला आहे आणि निवडणूक प्रक्रियेशी संबंधित कोणत्याही कामासाठी बालकांच्या हक्कांचे उल्लंघन आयोगाद्वारे मान्य केले जाणार नाही आणि उल्लंघनाबद्दल आवश्यक ती कारवाई करण्यात यावी, असे निदेश दिले आहेत.

विभाग - दोन  
जोडपत्रे

जोडपत्र एक  
(प्रकरण तीन परिच्छेद ३.३)

नमुना २-ए  
(नियम ४ पहा)

नामनिर्देशन पत्र  
लोकसभेची निवडणूक

चेहऱ्याचे संपूर्ण चित्र  
असलेले व मागे पांढरी/  
फिकट पांढरी पार्श्वभूमी  
असलेले तिकिटाच्या  
आकाराचे ( २ सेंमी,  
× २.५ सेंमी.)  
अलिकडील छायाचित्र येथे  
चिकटवा.

(खालील भाग १ किंवा भाग २ यांपैकी जे लागू नसेल ते खोडावे)

भाग-एक

(मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षाने उभ्या केलेल्या उमेदवाराने वापरावयाचा)

मी ..... संसदीय मतदारसंघातील लोकसभेच्या निवडणुकीसाठी उमेदवाराचे नामनिर्देशन करत आहे. उमेदवाराचे नाव ..... वडिलांचे/आईचे/पतीचे नाव ..... त्याचा, टपालाचा पत्ता .....

त्याचे नाव ..... संसदीय मतदारसंघात समाविष्ट असलेल्या ..... \*(विधानसभा मतदारसंघाच्या) मतदार यादीतील भाग क्र. .... मध्ये अनुक्रमांक ..... वर नोंदलेले आहे.

माझे नाव ..... असून ते ..... संसदीय मतदारसंघात समाविष्ट असलेल्या ..... \* (विधानसभा मतदारसंघाच्या) ..... मतदार यादीतील भाग क्रमांक ..... मध्ये अनुक्रमांक ..... वर नोंदलेले आहे.

(प्रस्तावकाची सही)

दिनांक .....

## भाग दोन

(मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षाने उभ्या न केलेल्या उमेदवाराने वापरावयाचा)

आम्ही याद्वारे ..... संसदीय मतदारसंघातील लोकसभेच्या निवडणुकीसाठी उमेदवाराचे नामनिर्देशन करित आहोत.

उमेदवाराचे नाव .....

वडिलांचे/आईचे/पतीचे नाव .....

त्याचा टपालाचा पत्ता .....

त्याचे नाव ..... संसदीय मतदारसंघाच्या ..... \* (त्यात समाविष्ट असलेल्या (विधानसभा मतदारसंघाच्या) मतदार यादीतील भाग क्र. .... मध्ये अनुक्रमांक ..... वर नोंदलेले आहे.

आम्ही असे घोषित करतो की, आम्ही वरील संसदीय मतदारसंघाचे मतदार असून आमची नावे खाली दिल्याप्रमाणे संसदीय मतदारसंघाच्या मतदार यादीत नोंदवण्यात आली आहेत आणि या नामनिर्देशनाच्या समर्थनार्थ आम्ही येथे आपल्या सहाय्य करित आहोत :-

## प्रस्तावकांचा तपशील व त्यांच्या सहाय्य :

| अनु-<br>क्रमांक | प्रस्तावकाचा मतदार यादी क्र.            |                          |                            | पूर्ण नाव | सही | दिनांक |
|-----------------|---|--------------------------|----------------------------|-----------|-----|--------|
|                 | @ घटक<br>विधानसभा<br>मतदारसंघाचे<br>नाव | मतदार यादीचा<br>भाग क्र. | त्या भागातील<br>अनुक्रमांक |           |     |        |
| (१)             | (२)                                     | (३)                      | (४)                        | (५)       | (६) | (७)    |
| १.              |   |                          |                            |           |     |        |
| २.              |   |                          |                            |           |     |        |
| ३.              |   |                          |                            |           |     |        |
| ४.              |   |                          |                            |           |     |        |
| ५.              |   |                          |                            |           |     |        |
| ६.              |   |                          |                            |           |     |        |
| ७.              |   |                          |                            |           |     |        |
| ८.              |   |                          |                            |           |     |        |
| ९.              |   |                          |                            |           |     |        |
| १०.             |   |                          |                            |           |     |        |

टीप.—प्रस्तावक म्हणून मतदारसंघातील १० मतदार असले पाहिजेत.

## भाग तीन

(१) मी, उपरोल्लिखित उमेदवार भाग एक/भाग दोन (लागू नसेल ते खोडावे), या नामनिर्देशनास संमती देत असून याद्वारे असे घोषित करतो की,—

(अ) मी भारताचा नागरिक आहे आणि मी कोणत्याही विदेशी राज्याचे किंवा देशाचे नागरिकत्व स्वीकारलेले नाही.

(ब) माझ्या वयास ..... वर्षे पूर्ण झालेली आहेत.

[पुढील क (एक) किंवा क (दोन) मधील जे लागू नसेल ते खोडावे.]

(क) (एक) मी ..... या पक्षाकडून निवडणूक लढवित आहे. तो या राज्यातील मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय/राजकीय पक्ष आहे आणि वरील पक्षासाठी राखून ठेवलेली निशाणी मला देण्यात यावी.

किंवा

(क) (दोन) मी ..... या पक्षाकडून निवडणूक लढवित आहे. तो मान्यताप्राप्त नसलेला नोंदणीकृत राजकीय पक्ष आहे/मी ही निवडणूक अपक्ष उमेदवार म्हणून लढवित आहे (लागू नसेल ते खोडावे) आणि मी निवडलेल्या निशाण्या पसंतीक्रमानुसार पुढीलप्रमाणे आहेत :—

(एक) ..... (दोन) ..... (तीन) .....

(ड) माझ्या नावाचे आणि माझ्या वडिलांच्या/आईच्या/पतीच्या नावाचे वर्णलेखन वर ..... (भाषेचे नाव) मध्ये अचूक केलेले आहे.

(इ) माझ्या संपूर्ण माहितीप्रमाणे व विश्वासाप्रमाणे मी लोकसभेतील जागा भरण्यासाठी निवड केली जाण्यास अर्हताप्राप्त आहे आणि निरह देखील नाही.

+ मी आणखी असे घोषित करतो की, मी ..... \* राज्याच्या ..... \* (क्षेत्रा) शी संबंधित अशा, त्या राज्यातील अनुसूचित जात/जमात असणाऱ्या ..... जातीमधील/जमातीमधील व्यक्ती आहे.

मी असेही घोषित करतो की, दोनपेक्षा अधिक मतदारसंघातून एकाचवेळी घेतल्या जाणाऱ्या लोकसभेच्या सार्वत्रिक निवडणुकीसाठी/पोट-निवडणुकीसाठी मी नामनिर्देशन केलेले नाही किंवा कारण नाही.

दिनांक .....

(उमेदवाराची सही)

+ जम्मू व काश्मिर, अंदमान व निकोबार बेटे, चंदीगढ, दादरा व नगर हवेली, दमण व दीव आणि लक्षद्विप यांच्या बाबतीत " त्यात समाविष्ट असलेल्या विधानसभा मतदारसंघाच्या" हा मजकूर खोडावा.

\* लागू नसल्यास हा परिच्छेद खोडावा.

\*\*लागू नसलेले शब्द खोडावे.

**टीप.**— " मान्यताप्राप्त राजकीय पक्ष " याचा अर्थ निवडणूक निशाण्या ( राखून ठेवणे व नेमून देणे ) आदेश, १९६८ अनुसार संबंधित राज्यात निवडणूक आयोगाने मान्यता दिलेला राजकीय पक्ष.

## भाग तीन-ए

## (उमेदवाराने भरावयाचा)

उमेदवारास—

(एक) लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ (१९५१ चा अधिनियम क्रमांक ४३) याच्या कलम ८ च्या,—

(क) पोट-कलम (१) खालील कोणत्याही अपराधाबद्दल (अपराधांबद्दल) सिद्धापराध ठरविण्यात आले आहेत किंवा कसे; अथवा होय/नाही.

(ख) पोट-कलम (२) मध्ये विनिर्दिष्ट केलेल्या कोणत्याही कायद्याचे व्यतिक्रमण केल्याबद्दल सिद्धापराध ठरविण्यात आले आहे किंवा कसे; अथवा, होय/नाही

(दोन) ज्या अपराधासाठी त्याला दोन किंवा त्यापेक्षा अधिक वर्षांच्या कारावासाची शिक्षा ठोठावण्यात आली आहे अशा अन्य कोणत्याही अपराधाबद्दल (अपराधांबद्दल) सिद्धापराध ठरविण्यात आले आहेत किंवा कसे? होय/नाही.

जर याचे उत्तर “ होय ” असे असेल तर, उमेदवाराने पुढील माहिती सादर करावी :—

(एक) प्रकरण/प्रथम माहिती अहवालाचा क्रमांक (अनेक क्रमांक) .....

(दोन) पोलीस ठाणे/ठाणी ..... जिल्हा/(जिल्हे) ..... राज्य (राज्ये) .....

(तीन) संबंधित अधिनियमाचे कलम (कलमे) आणि त्याला ज्याबद्दल दोषी ठरविण्यात आले आहे त्या अपराधाचे (अपराधांचे) थोडक्यात वर्णन

(चार) अपराध सिद्धीची तारीख (तारखा) :

(पाच) उमेदवारास सिद्धापराध ठरविलेल्या न्यायालयाचे (न्यायालयांचे) नाव .....

(सहा) ठोठावलेली शिक्षा [कारावासाचा (कारावासांचा) कालावधी आणि/किंवा द्रव्यदंडाचे (दंडांचे प्रमाण दर्शवा)] .....

(सात) कारावासातून मुक्तता झाल्याची तारीख (तारखा) .....

(आठ) उपरोक्त अपराधसिद्धीविरुद्ध कोणतेही अपील (अपिले) केले होते/केली होती काय?..... होय/नाही.

(नऊ) पुनरीक्षणासाठी दाखल केलेल्या अपिलाची (अपिलांची)/अर्जाची (अर्जांची) तारीख व तपशील .....

(दहा) पुनरीक्षणासाठी दाखल केलेले अपील (अपिले) अर्ज ज्या न्यायालयासमोर केले. आहेत त्या न्यायालयाचे [(न्यायालयांचे) नाव .....

(अकरा) पुनरीक्षणासाठी केलेले उक्त अपील (अपिले)/अर्ज निकालात काढले आहेत काय किंवा प्रलंबित आहेत काय? किंवा कसे?

(बारा) जर पुनरीक्षणासाठी केलेले उक्त अपील (अपिले)/अर्ज निकालात काढला असेल तर,----

(क) निकाली काढल्याची तारीख

(ख) मंजूर केलेल्या आदेशाचे स्वरूप

(२) उमेदवार भारत सरकारच्या किंवा राज्य शासनाच्या अंतर्गत कोणतेही लाभाचे पद धारण करित आहे किंवा कसे?..... (होय/नाही)

—असल्यास, धारण केलेल्या पदाचा तपशील .....

(१) कोणत्याही न्यायालयाद्वारे उमेदवाराला दिवाळखोर घोषित करण्यात आले आहे कसे? ..... (होय/नाही)

—असल्यास, त्याला दिवाळखोरीमधून मुक्त करण्यात आले आहे काय .....



(२) उमेदवार हा कोणत्याही परकीय देशाशी निष्ठावंत किंवा प्रामाणिक आहे किंवा कसे? ..... (होय/नाही)

—असल्यास, त्याचा तपशील द्या .....

(३) राष्ट्रपतीच्या आदेशाद्वारे उक्त अधिनियमाच्या कलम ८अ अन्वये उमेदवाराला अपात्र ठरविण्यात आहे किंवा कसे? ..... (होय/नाही)

—असल्यास, अपात्र ठरविण्यात आल्याचा कालावधी .....

(४) उमेदवाराला भारत सरकारच्या किंवा कोणत्याही राज्य शासनाच्या अंतर्गत पद धारण केले असताना, भ्रष्टाचाराबद्दल किंवा अप्रामाणिकपणाबद्दल बडतर्फ करण्यात आले होते किंवा कसे? ..... (होय/नाही)

—असल्यास, अशा बडतर्फीचा दिनांक .....

(५) त्या सरकारला कोणत्याही मालाचा पुरवठा करण्यासाठी किंवा त्या सरकारने हाती घेतलेली कामे करण्यासाठी उमेदवाराने एकतर वैयक्तिक क्षमतेवर किंवा ज्यात उमेदवाराचा भाग आहे अशा विश्वस्त संस्थेने किंवा भागीदारी संस्थेने सरकारबरोबर कोणताही विद्यमान करार केला आहे (करार केले आहेत) किंवा कसे? ..... (होय/नाही)

—असल्यास, कोणत्या सरकार बरोबर व विद्यमान कराराचा (करारांचा) तपशील .....

(६) उमेदवार, जिच्या भांडवलात केंद्र सरकारचा किंवा राज्य शासनाचा पंचवीस टक्क्यांपेक्षा कमी नसेल इतका हिस्सा आहे अशा कोणत्याही कंपनीचा किंवा महामंडळाचा (सरकारी संस्थे व्यतिरिक्त व्यवस्थापन अभिकर्ता, किंवा व्यवस्थापक किंवा सचिव आहे किंवा कसे? ..... (होय/नाही)

—असल्यास, कोणत्या सरकारचा बरोबर व त्याच्या तपशील द्या .....

उमेदवाराला, उक्त अधिनियमाच्या कलम १० क अन्वये आयोगाकडून अपात्र ठरविण्यात आले आहे किंवा कसे? ..... (होय/नाही)

—असल्यास, अपात्र ठरविण्यात आल्याचा दिनांक .....

ठिकाण .....

दिनांक .....

(उमेदवाराची स्वाक्षरी)

## भाग चार

(निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने भरावयाचे)

नामनिर्देशनपत्राचा अनुक्रमांक .....

\* उमेदवाराने/प्रस्तावकाने (दिनांक) ..... रोजी (वेळ) ..... वाजता हे नामनिर्देशनपत्र माझ्या कार्यालयात माझ्या स्वाधीन केले.

दिनांक .....

निवडणूक निर्णय अधिकारी.

## भाग-पाच

निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याचा, नामनिर्देशनपत्र स्वीकारण्याबाबतचा किंवा फेटाळण्याबाबतचा निर्णय

मी लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ (१९५१ चा अधिनियम क्रमांक ४३) याच्या कलम ३६ अनुसार या नामनिर्देशनपत्राची तपासणी केली असून पुढीलप्रमाणे निर्णय घेतला आहे :—

दिनांक .....

.....

निवडणूक निर्णय अधिकारी.

(छिद्रांकन) .....

## भाग सहा

नामनिर्देशनपत्राची पावती आणि छाननीची नोटीस

(नामनिर्देशनपत्र सादर करणाऱ्या व्यक्तीला द्यावयाची)

नामनिर्देशनपत्राचा अनुक्रमांक .....

..... संसदीय मतदारसंघातून होणाऱ्या निवडणुकीचे उमेदवार

..... यांचे नामनिर्देशनपत्र \* उमेदवाराने/प्रस्तावकाने दिनांक..... रोजी .....

(वेळ) वाजता..... येथील माझ्या कार्यालयात माझ्या स्वाधीन केले.

सर्व नामनिर्देशनपत्रे (ठिकाण)..... येथे दिनांक..... रोजी..... (वेळ) वाजता छाननीसाठी घेण्यात येतील.

दिनांक .....

निवडणूक निर्णय अधिकारी.

\* लागू नसतील ते शब्द खोडावे.

**जोडपत्र दोन**

(प्रकरण तीन परिच्छेद ३.३)

**नमुना २-बी**

(नियम ४ पहा)

**नामनिर्देशनपत्र**

..... राज्याच्या विधानसभेची निवडणूक

चेहऱ्याचे संपूर्ण चित्र  
असलेले व मागे पांढरी/  
फिकट पांढरी पार्श्वभूमी  
असलेले तिकिटाच्या  
आकाराचे ( २ सेंमी,  
× २.५ सेंमी.)  
अलिकडील छायाचित्र येथे  
चिकटवा.

(खालील भाग १ व भाग २ पैकी लागू होत नसेल ते खोडावे)

**भाग एक****(मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षाने उभ्या केलेल्या उमेदवाराने वापरावयाचा)**

मी, ..... विधानसभा मतदारसंघातील विधानसभेच्या निवडणुकीसाठी उमेदवाराचे नामनिर्देशन करित आहे.

उमेदवाराचे नाव ..... वडिलांचे/आईचे/पतीचे नाव .....  
त्याचा टपालाचा पत्ता .....

त्याचे नाव ..... विधानसभा मतदारसंघाच्या मतदार यादीच्या भाग क्र. .... मध्ये  
अनुक्रमांक ..... वर नोंदलेले आहे.

माझे नाव ..... असून ते विधानसभा मतदारसंघाच्या मतदार यादीच्या भाग क्र. .... मध्ये  
अनुक्रमांक ..... वर नोंदलेले आहे.

दिनांक .....

(प्रस्तावकाची सही)

## भाग दोन

## (मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षाने उभ्या न केलेल्या उमेदवाराने वापरावयाचा)

आम्ही याद्वारे ..... विधानसभा मतदारसंघातील विधानसभेच्या निवडणुकीसाठी उमेदवाराचे नामनिर्देशन करित आहोत.

उमेदवाराचे नाव .....

वडिलांचे/आईचे/पतीचे नाव .....

त्याचा टपालाचा पत्ता .....

त्याचे नाव ..... मतदारसंघाच्या मतदार यादीच्या भाग क्र. .... मध्ये अनुक्रमांक ..... वर नोंदलेले आहे.

आम्ही असे घोषित करतो की, आम्ही वरील विधानसभा मतदारसंघाचे मतदार असून आमची नावे खाली दिल्याप्रमाणे विधानसभा मतदारसंघाच्या मतदार यादीत नोंदविण्यात आली आहेत आणि या नामनिर्देशनाच्या समर्थनार्थ आम्ही येथे आपल्या सहाय्य करित आहोत.

## प्रस्तावकांचा तपशील व त्यांच्या सहाय्य

| अनु-<br>क्रमांक<br>(१) | प्रस्तावकाचा मतदार यादी क्रमांक        |                                    |                                   | पूर्ण नाव<br>(५) | सही<br>(६) | दिनांक<br>(७) |
|------------------------|--|------------------------------------|-----------------------------------|------------------|------------|---------------|
|                        | घटक विधानसभा<br>मतदारसंघाचे नाव<br>(२) | मतदार यादीचा<br>भाग क्रमांक<br>(३) | त्या भागातील<br>अनुक्रमांक<br>(४) |                  |            |               |
| १                      |  |                                    |                                   |                  |            |               |
| २                      |  |                                    |                                   |                  |            |               |
| ३                      |  |                                    |                                   |                  |            |               |
| ४                      |  |                                    |                                   |                  |            |               |
| ५                      |  |                                    |                                   |                  |            |               |
| ६                      |  |                                    |                                   |                  |            |               |
| ७                      |  |                                    |                                   |                  |            |               |
| ८                      |  |                                    |                                   |                  |            |               |
| ९                      |  |                                    |                                   |                  |            |               |
| १०                     |  |                                    |                                   |                  |            |               |

टीप : प्रस्तावक म्हणून मतदारसंघातील १० मतदार असले पाहिजेत.

## भाग तीन

मी, उपरोल्लिखित उमेदवार भाग एक/भाग दोन (लागू नसेल ते खोडावे) या नामनिर्देशनास संमती देत असून याद्वारे असे घोषित करतो की,—

(अ) मी भारताचा नागरिक आहे आणि मी कोणत्याही विदेशी राज्याचे किंवा देशाचे नागरिकत्व स्वीकारलेले नाही.

(ब) माझ्या वयास ..... वर्षे पूर्ण झालेली आहेत.

[जे लागू होत नसेल ते ब (एक) किंवा ब (दोन) खोडावे]

(क) (एक) मी ..... या पक्षाकडून निवडणूक लढवित आहे. तो या राज्यातील मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय पक्ष आहे आणि वरील पदासाठी राखून ठेवलेली निशाणी मला देण्यात यावी.

### किंवा

(क) (दोन) मी ..... या पक्षाकडून निवडणूक लढवित आहे. तो मान्यताप्राप्त नसलेला नोंदणीकृत राजकीय पक्ष आहे/मी ही निवडणूक अपक्ष उमेदवार म्हणून लढवित आहे. (लागू नसेल ते खोडावे) आणि मी निवडलेल्या निशाण्या पसंतीक्रमानुसार आहेत.

(एक) ..... (दोन) ..... (तीन) .....

(ड) माझ्या नावाचे आणि माझ्या वडिलांच्या/आईच्या/पतीच्या नावाचे वर्णलेखन वर ..... (भाषेचे नाव) मध्ये अचूक केलेले आहे; आणि

(इ) माझ्या संपूर्ण माहितीप्रमाणे व विश्वासाप्रमाणे मी .....

विधानसभेतील जागा भरण्यासाठी निवड केली जाण्यास अर्हताप्राप्त आहे आणि निरह देखील नाही.

\* मी आणखी असे घोषित करतो की, मी ..... राज्याच्या ..... (क्षेत्र) शी संबंधित अशा त्या राज्याची अनुसूचित \*\* जात/जमात असणाऱ्या ..... \*\* जातीमधील/जमातीमधील व्यक्ती आहे.

मी असेही घोषित करतो की, दोनपेक्षा अधिक मतदार संघातून एकाचवेळी घेतल्या जाणाऱ्या ..... (राज्य) विधानसभेच्या विद्यमान \*\* सार्वत्रिक निवडणुकीसाठी/पोट-निवडणुकीसाठी मी नामनिर्देशन केलेले नाही किंवा करणारही नाही.

दिनांक .....

(उमेदवाराची सही)

\* लागू नसल्यास हा परिच्छेद खोडावा.

\* \* लागू नसलेले शब्द खोडावे.

**टीप.—** “मान्यताप्राप्त राजकीय पक्ष” याचा अर्थ निवडणूक निशाण्या (राखून ठेवणे व नेमून देणे) आदेश, १९६८ अनुसार संबंधित राज्यात निवडणूक आयोगाने मान्यता दिलेला राजकीय पक्ष.

## भाग तीन-ए

## (उमेदवाराने भरावयाचा)

उमेदवारास,—

(एक) लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ (१९५१ चा अधिनियम क्रमांक ४३) याच्या कलम ८ च्या,—

(क) पोट-कलम (१) खालील कोणत्याही अपराधाबद्दल (अपराधांबद्दल) सिद्धापराध ठरविण्यात आले आहेत किंवा कसे; अथवा होय/नाही.

(ख) पोट-कलम (२) मध्ये विनिर्दिष्ट केलेल्या कोणत्याही कायद्याचे व्यतिक्रमण केल्याबद्दल सिद्धापराध ठरविण्यात आले आहे किंवा कसे; अथवा होय/नाही.

(दोन) ज्या अपराधासाठी त्याला दोन किंवा त्यापेक्षा अधिक वर्षांची कारावासाची शिक्षा ठोठावण्यात आली आहे अशा अन्य कोणत्याही अपराधाबद्दल (अपराधांबद्दल) सिद्धापराध ठरविण्यात आले आहे किंवा कसे? होय/नाही

जर याचे उत्तर “होय” असे असेल तर, उमेदवाराने पुढील माहिती सादर करावी :—

(एक) प्रकरण/प्रथम माहिती अहवालाचा क्रमांक (अनेक क्रमांक) : .....

(दोन) पोलीस ठाणे/ठाणी : ..... जिल्हा (जिल्हे) ..... राज्य (राज्ये) .....

(तीन) संबंधित अधिनियमाचे कलम (कलमे) आणि त्याला ज्याबद्दल दोषी ठरविण्यात आले आहे त्या अपराधाचे (अपराधांचे) थोडक्यात वर्णन : .....

(चार) दोष सिद्धीची तारीख (तारखा) : .....

(पाच) उमेदवारास सिद्धापराध ठरविलेल्या न्यायालयाचे (न्यायालयांचे)

नाव : .....

(सहा) ठोठावलेली शिक्षा कारावासाचा (कारावसांचा) कालावधी आणि/किंवा द्रव्यदंडाचे (दंडांचे) प्रमाण दर्शवा : .....

(सात) कारावासातून मुक्तता झाल्याची तारीख (तारखा) : .....

(आठ) उपरोक्त अपराध सिद्धीविरुद्ध कोणतेही अपील (अपिले) केले होते/केली होती काय? ..... होय/नाही.

(नऊ) पुनरीक्षणासाठी दाखल केलेल्या अपिलाची (अपिलांचा) अर्जाची (अर्जांची) तारीख व तपशील : .....

(दहा) पुनरीक्षणासाठी दाखल केलेले अपील (अपिले) अर्ज ज्या न्यायालयासमोर केलेले आहेत त्या न्यायालयाचे (न्यायालयांचे)

नाव : .....

(अकरा) पुनरीक्षणासाठी केलेले उक्त अपील (अपिले) अर्ज निकालात काढले आहेत काय किंवा प्रलंबित आहेत काय? किंवा कसे?

(बारा) जर पुनरीक्षणासाठी केलेले उक्त अपील (अपिले) अर्ज निकालात काढला असेल तर,—

(क) निकाली काढल्याची तारीख

(ख) मंजूर केलेल्या आदेशाचे स्वरूप



(२) उमेदवार भारतसरकारच्या किंवा राज्यशासनाच्या अंतर्गत कोणतेही लाभाचे पद धारण करित आहे किंवा कसे ? (होय/नाही) असल्यास, धारण केलेल्या पदाचा तपशील .....

(१) कोणत्याही न्यायालयाद्वारे उमेदवाराला दिवाळखोर घोषित करण्यात आले आहे किंवा कसे ? (होय/नाही) असल्यास, त्याला दिवाळखोरीमधून मुक्त करण्यात आले काय .....

(२) उमेदवार हा कोणत्याही परकीय देशाशी निष्ठावंत किंवा प्रामाणिक आहे किंवा कसे ? ..... (होय/नाही) असल्यास, त्याचा तपशील द्या .....

(३) राष्ट्रपतीच्या आदेशाद्वारे उक्त अधिनियमाच्या कलम ८अ अन्वये उमेदवाराला अपात्र ठरविण्यात आले आहे किंवा कसे ? (होय/नाही)

असल्यास, अपात्र ठरविण्यात आल्याचा कालावधी .....

(४) उमेदवाराला भारत सरकारच्या किंवा कोणत्याही राज्य शासनाच्या अंतर्गत पद धारण केले असताना, भ्रष्टाचाराबद्दल किंवा अप्रामाणिकपणाबद्दल बडतर्फ करण्यात आले होते किंवा कसे ? (होय/नाही)

असल्यास, अशा बडतर्फीचा दिनांक .....

(५) त्या सरकारला कोणत्याही मालाचा पुरवठा करण्यासाठी किंवा त्या सरकारने हाती घेतलेली कामे करण्यासाठी उमेदवाराने एकतर वैयक्तिक क्षमतेवर किंवा ज्यात उमेदवाराचा भाग आहे अशा विश्वस्त संस्थेने किंवा भागीदारी संस्थेने सरकारबरोबर कोणताही विद्यमान करार केला आहे (करार केले आहेत) किंवा कसे ? ..... (होय/नाही)

असल्यास, कोणत्या सरकार बरोबर व विद्यमान कराराचा (करारांचा) तपशील .....

(६) उमेदवार, जिच्या भांडवलात केंद्र सरकारचा किंवा राज्य शासनाचा पंचवीस टक्क्यांपेक्षा कमी नसेल इतका हिस्सा आहे अशा कोणत्याही कंपनीचा किंवा महामंडळाचा सरकारी संस्थेव्यतिरिक्त सरकारी व्यवस्थापन अभिकर्ता, किंवा व्यवस्थापक किंवा सचिव आहे किंवा कसे ? (होय/नाही)

असल्यास, कोणत्या सरकारचा व त्याचा तपशील द्या .....

उमेदवाराला, उक्त अधिनियमाच्या कलम १०क अन्वये आयोगाकडून अपात्र ठरविण्यात आले आहे किंवा कसे ? .....(होय/नाही)

असल्यास, अपात्र ठरविण्यात आल्याचा दिनांक .....

ठिकाण : .....

दिनांक : .....

(उमेदवाराची स्वाक्षरी)

## भाग चार

(निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने भरावयाचे)

नामनिर्देशनपत्राचा अनुक्रमांक .....

\* उमेदवाराने/प्रस्तावकाने (दिनांक) ..... रोजी (वेळ) ..... वाजता हे नामनिर्देशनपत्र माझ्या कार्यालयात माझ्या स्वाधीन केले.

दिनांक : .....

निवडणूक निर्णय अधिकारी.

\* लागू नसतील ते शब्द खोडावे.

## भाग-पाच

निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याचा, नामनिर्देशनपत्र स्वीकारण्याबाबतचा किंवा फेटाळण्याबाबतचा निर्णय

मी लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ (१९५१ चा ४३) याच्या कलम ३६ अनुसार या नामनिर्देशनपत्राची तपासणी केली असून पुढीलप्रमाणे निर्णय घेतला आहे :—

दिनांक : .....

निवडणूक निर्णय अधिकारी.

(छिद्रांकन) .....

## भाग सहा

नामनिर्देशनपत्राची पावती आणि छाननीची नोटीस

(नामनिर्देशनपत्र सादर करणाऱ्या व्यक्तीला द्यावयाची)

नामनिर्देशनपत्राचा अनुक्रमांक .....

..... विधानसभा मतदारसंघातून होणाऱ्या निवडणुकीचे उमेदवार ..... यांचे नामनिर्देशनपत्र \* उमेदवाराने/प्रस्तावकाने (दिनांक) ..... रोजी ..... (वेळ) वाजता..... येथील माझ्या कार्यालयात माझ्या स्वाधीन केले.

सर्व नामनिर्देशनपत्रे (ठिकाण)..... येथे दिनांक..... रोजी..... (वेळ) वाजता छाननीसाठी घेण्यात येतील.

दिनांक : .....

निवडणूक निर्णय अधिकारी.

\* लागू नसतील ते शब्द खोडावे.

## जोडपत्र-तीन

(प्रकरण ३, परिच्छेद ३.५)

## नमुना २६

(नियम ४अ पहा)

चेहऱ्याचे संपूर्ण चित्र  
असलेले व मागे पांढरी/  
फिकट पांढरी पार्श्वभूमी  
असलेले तिकिटाच्या  
आकाराचे (२ सेंमी,  
× २.५ सेंमी.)  
अलिकडील छायाचित्र येथे  
चिकटवा.

..... (मतदारसंघाचे नाव) मतदारसंघातून .....

(सभागृहाचे नाव) निवडणुकीकरिता उमेदवाराने, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमक्ष, नामनिर्देशन पत्रासोबत सादर करावयाचे शपथपत्र.

## भाग अ

मी, ..... यांचा/यांची \*\* मुलगा/मुलगी/पती/  
पत्नी, वय ..... वर्षे, राहणार .....

(टपालाचा पूर्ण पत्ता नमूद करावा) वरील निवडणुकीसाठी उमेदवार असून याद्वारे पुढीलप्रमाणे गांभीर्यपूर्वक दृढकथन करतो/करते व शपथेवर असे नमूद करतो/करते :—

(१) मी, ..... ( \*\* राजकीय पक्षाचे नाव ) पक्षाने उभा केलेला उमेदवार म्हणून/ \*\* अपक्ष उमेदवार म्हणून निवडणूक लढवित आहे.

( \*\* लागू नसलेला मजकूर खोडावा ).

(२) माझे नाव, ..... ( मतदारसंघाचे नाव आणि राज्य )  
..... यादी भाग क्रमांक ..... मधील अनुक्रमांक ..... येथे नोंदवलेले आहे.

(३) संपर्क साधण्यासाठी माझा/माझे दूरध्वनी क्रमांक ( क्रमांक ) ..... हा आहे/हे आहेत आणि माझा ई-मेल आयडी ( कोणताही असल्यास ) ..... आहे आणि माझे समाज माध्यम खाते ( खाती ) ( कोणतीही असल्यास ) पुढीलप्रमाणे आहेत :—

(एक) .....

(दोन) .....

(तीन) .....

(४) स्थायी लेखा क्रमांक (पॅन) आणि आयकर विवरणपत्र भरल्याची स्थिती याबाबतचा तपशील :—

| अ. क्र. | नावे  | स्थायी लेखा क्रमांक | ज्या वित्तीय वर्षासाठी शेवटी आयकर विवरणपत्र भरण्यात आले आहे ते वित्तीय वर्ष | आयकर विवरणपत्रात आयकर विवरणपत्रामध्ये दर्शविलेले एकूण उत्पन्न (रुपयांमध्ये) |  |
|---------|---|---------------------|---|---|--|
| १       | स्वतः   |                     |   | (एक)  |  |
|         |   |                     |   | (दोन)   |  |
|         |   |                     |   | (तीन)   |  |
|         |   |                     |   | (चार)   |  |
|         |   |                     |   | (पाच)   |  |
| २       | पती/पत्नी   |                     |   | (एक)  |  |
|         |   |                     |   | (दोन)   |  |
|         |   |                     |   | (तीन)   |  |
|         |   |                     |   | (चार)   |  |
|         |   |                     |   | (पाच)   |  |
| ३       | एचयूएफ (उमेदवार कर्ता/सह असल्यास/अवलंबित व्यक्ती-१) |                     |   | (एक)  |  |
|         |   |                     |   | (दोन)   |  |
|         |   |                     |   | (तीन)   |  |
|         |   |                     |   | (चार)   |  |
|         |   |                     |   | (पाच)   |  |
| ४       | अवलंबित व्यक्ती-२                                   |                     |   | (एक)  |  |
|         |   |                     |   | (दोन)   |  |
|         |   |                     |   | (तीन)   |  |
|         |   |                     |   | (चार)   |  |
|         |   |                     |   | (पाच)   |  |
| ५       | अवलंबित व्यक्ती-३                                   |                     |   | (एक)  |  |
|         |   |                     |   | (दोन)   |  |
|         |   |                     |   | (तीन)   |  |
|         |   |                     |   | (चार)   |  |
|         |   |                     |   | (पाच)   |  |

**टीप.**—स्थायी खाते क्रमांक (पॅन) धारकाने पॅन क्रमांक नमूद करणे बंधनकारक आहे आणि स्थायी खाते क्रमांक (पॅन) नसल्यास स्थायी खाते क्रमांक (पॅन) दिलेला नाही असे स्पष्टपणे नमूद केले पाहिजे.

**(५) प्रलंबित फौजदारी खटले—**

(एक) मी असे घोषित करतो/करते की, माझ्या विरोधात कोणताही फौजदारी खटला प्रलंबित नाही. (जर उमेदवाराच्या विरोधात कोणताही खटला प्रलंबित नसेल तर, या पर्यायापुढे ✓ खूण करा आणि खालील पर्याय (दोन) च्या पुढे **लागू नाही** असे लिहा)

**किंवा**

(दोन) माझ्या विरोधात पुढील फौजदारी खटले प्रलंबित आहेत :

(जर उमेदवाराच्या विरोधात फौजदारी खटले प्रलंबित असतील तर या पर्यायापुढे ✓ खूण करावी आणि वरील पर्याय (एक) खोडावा आणि सर्व प्रलंबित खटल्यांचा तपशील खालील तक्त्यात द्यावा)

**तक्ता**

|     |   |  |  |  |
|-----|---|--|--|--|
| (अ) | संबंधित पोलीस ठाण्याचे नाव व पत्ता यासह प्रथम माहिती अहवाल (एफआयआर) क्रमांक   |  |  |  |
| (ब) | न्यायालयाच्या नावासह खटला क्रमांक   |  |  |  |
| (क) | अंतर्भूत असलेल्या संबंधित अधिनियमांची संहितेचे कलम (कलमे)<br>(कलम क्रमांक द्यावा, उदा. भारतीय दंड संहितेचे कलम ... इत्यादी) |  |  |  |
| (ड) | अपराधाचे संक्षिप्त वर्णन  |  |  |  |
| (इ) | दोषारोप ठेवण्यात आले आहेत किंवा कसे (होय अथवा नाही ते नमूद करा)   |  |  |  |
| (फ) | जर वरील ई चे उत्तर होय असेल तर ज्या दिनांकास दोषारोप ठेवण्यात आलेला आहे तो दिनांक   |  |  |  |
| (ग) | कार्यवाहीच्या विरोधात कोणतेही अपील/पुनरीक्षण अर्ज दाखल करण्यात आला आहे किंवा कसे (होय अथवा नाही ते नमूद करा.)               |  |  |  |

**(६) सिद्धापराधी ठरविलेले खटले**

(एक) मी असे घोषित करतो/करते की, कोणत्याही फौजदारी अपराधासाठी मला सिद्धापराधी ठरविण्यात आलेले नाही. (जर उमेदवारास सिद्धापराधी ठरविण्यात आलेले नसेल तर, या पर्यायापुढे ✓ खूण करावी आणि खालील पर्याय (दोन) च्या पुढे **लागू नाही** असे लिहा.)

**किंवा**

(दोन) खाली नमूद केलेल्या अपराधांसाठी मला सिद्धापराधी ठरविण्यात आले आहे :

(जर उमेदवारास सिद्धापराधी ठरविण्यात आले असेल तर या पर्यायापुढे ✓ खूण करावी आणि वरील पर्याय (एक) खोडावा आणि खालील तक्त्यात तपशील द्यावा.)

## तक्ता

|     |  |  |  |  |
|-----|--|--|--|--|
| (अ) | खटला क्रमांक   |  |  |  |
| (ब) | न्यायालयाचे नाव  |  |  |  |
| (क) | संबंधित अधिनियमांची/संहितेचे कलम (कलमे)<br>(कलम क्रमांक द्यावा.<br>(उदा. भारतीय दंड संहितेचे कलम .....<br>इत्यादी).      |  |  |  |
| (ड) | ज्याकरिता सिद्धापराधी ठरविण्यात आले आहे, त्या<br>अपराधाचे संक्षिप्त वर्णन.   |  |  |  |
| (इ) | सिद्धापराधी ठरविल्याच्या आदेशांचे दिनांक   |  |  |  |
| (फ) | ठोठावलेली शिक्षा   |  |  |  |
| (ग) | सिद्धापराधी ठरविल्याच्या आदेशाविरोधात कोणतेही<br>अपील दाखल करण्यात आलेले आहे किंवा कसे<br>(होय अथवा नाही ते नमूद करावे.) |  |  |  |
| (ह) | जर वरील (ग) चे उत्तर होय असे असल्यास,<br>अपिलाचा तपशील व सद्यःस्थिती द्यावी.   |  |  |  |

(६-अ) परिच्छेद (५) व (६) मध्ये दिल्याप्रमाणे माझ्या विरोधात प्रलंबित असलेल्या सर्व फौजदारी खटल्यांची आणि सिद्धापराधी ठरविलेल्या सर्व खटल्यांची संपूर्ण आणि अद्ययावत माहिती मी माझ्या राजकीय पक्षाला दिलेली आहे (ज्या उमेदवारांना, ही बाब लागू नाही त्यांनी वरील ५(एक) व ६(एक) मधील नोंदीबाबत लागू नाही असे स्पष्टपणे लिहावे).

## टिपा :

- माहिती स्पष्टपणे व सुवाच्यपणे ठळक अक्षरांत नोंदवावी.
- प्रत्येक खटल्याकरिता वेगवेगळ्या रकान्यात प्रत्येक बाबीसमोर स्वतंत्रपणे तपशील द्यावा.
- खटल्यांचा तपशील उलट क्रमाने म्हणजेच अलीकडच्या खटल्यांचा तपशील आधी द्यावा आणि अन्य खटल्यांचा तपशील त्यानंतर तारखांच्या क्रमाने द्यावा.
- आवश्यकता असल्यास, अतिरिक्त कागद जोडावा.
- २०११ च्या रिट विनंती अर्ज (सी) क्र. ५३६ मधील मा. सर्वोच्च न्यायालयाच्या निर्णयाच्या अनुपालनार्थ सर्व माहिती पुरविण्यासाठी उमेदवार जबाबदार असेल.

(७) माझ्या स्वतःच्या, माझ्या पत्नीच्या/पतीच्या व माझ्यावर अवलंबून असणाऱ्या व्यक्तींच्या (स्थावर व जंगम इत्यादी) मत्तांचा तपशील यात या खाली मी देत आहे :—

अ. जंगम मत्तांचा तपशील :—

टीप १ : संयुक्त मालकीची व्याप्ती दर्शविणाऱ्या संयुक्त नावावर असलेल्या मत्तांचा तपशील देखील द्यावयाचा आहे.

टीप २ : ठेवी/गुंतवणुका यांच्याबाबतीत, अनुक्रमांक, रक्कम, ठेव ठेवल्याचा दिनांक, योजना, बँकेचे/संस्थेचे नाव व शाखा यांचा समावेश असलेला तपशील द्यावयाचा आहे.



**टीप ३ :** सूचीबद्ध कंपन्यांच्या बाबतीत शेअर बाजारातील चालू बाजार मूल्यानुसार आणि सूचीबद्ध नसलेल्या कंपन्यांच्या बाबतीत पुस्तकानुसार बंधपत्रे/शेअर्स, ऋणपत्रे यांचे मूल्य देण्यात यावे.

**टीप ४ :** “अवलंबित व्यक्ती” याचा अर्थ, उमेदवाराचे आई-वडील, मुलगा (मुले), मुलगी (मुली) किंवा पती/पत्नी आणि ज्याच्याकडे उत्पन्नाचे स्वतंत्र साधन नाही आणि जे स्वतःच्या निर्वाहासाठी उमेदवारावर अवलंबून आहेत अशा उमेदवाराशी संबंधित असलेली इतर कोणतीही व्यक्ती, मग त्या रक्ताच्या नात्याने अथवा विवाहामुळे असो,— असा आहे.

**टीप ५ :** प्रत्येक गुंतवणुकीच्या बाबतीत रकमेसह स्वतंत्रपणे तपशील द्यावयाचा आहे :

**टीप ६ :** विदेशातील मतामधील हितसंबंध किंवा मालकी यासंबंधीचे तपशील समाविष्ट करावे.

**स्पष्टीकरण.**—या नमुन्याच्या प्रयोजनार्थ, “समुद्रपार मत्ता (ऑफशोर मत्ता)” या शब्दप्रयोगामध्ये विदेशी बँकांमधील व विदेशातील अन्य कोणत्याही निकायामधील किंवा संस्थेमधील सर्व ठेवी अथवा गुंतवणुकांचा तपशील तसेच विदेशामधील सर्व मत्ता व दायित्वे यांचा तपशील समावेश होतो.

| अ. क्र. | वर्णन  | स्वतः | पती/<br>पत्नी | हिंदू<br>अविभक्त<br>कुटुंब | अवलंबित<br>व्यक्ती-१ | अवलंबित<br>व्यक्ती-२ | अवलंबित<br>व्यक्ती-३ |
|---------|--|-------|---------------|----------------------------|----------------------|----------------------|----------------------|
| (एक)    | हातातील रोख रक्कम  |       |               |                            |                      |                      |                      |
| (दोन)   | बँक खात्यातील ठेवी (एफ.डी.आर. मुदत ठेवी आणि बचत खात्यासह सर्व इतर प्रकारच्या ठेवी), वित्तीय संस्था, बँकेतर वित्तीय कंपन्या आणि सहकारी संस्था यांमधील ठेवी व अशा प्रत्येक ठेवीची रक्कम यांचा तपशील. |       |               |                            |                      |                      |                      |
| (तीन)   | बंधपत्रे, ऋणपत्रे/शेअर्स यामधील गुंतवणुकीचा आणि कंपन्या/म्युच्युअल फंड व इतर यांमधील युनिटांचा तपशील व रक्कम.  |       |               |                            |                      |                      |                      |
| (चार)   | राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचती, विमापत्रे यामधील गुंतवणुकीचा आणि डाक कार्यालयातील किंवा आयुर्विमा कंपनीत कोणतेही वित्तीय संलेख यात केलेल्या गुंतवणुकीचा तपशील व रक्कम.                              |       |               |                            |                      |                      |                      |
| (पाच)   | कोणतीही व्यक्ती किंवा भागीदारी संस्था, कंपनी, न्यास, इत्यादींसह संस्था यास दिलेली वैयक्तिक कर्जे/आगाऊ रकमा आणि ऋणकोकडून इतर प्राप्त देणी आणि रक्कम.  |       |               |                            |                      |                      |                      |
| (सहा)   | मोटार वाहने/विमाने/विहार नौका/जहाजे (बनावट, नोंदणी क्रमांक, इत्यादींचा तपशील, खरेदी केल्याचे वर्ष व रक्कम).  |       |               |                            |                      |                      |                      |
| (सात)   | जडजवाहीर, सोनेचांदी व मौल्यवान वस्तू (वस्तू) (वजन व किंमत याबाबतचा तपशील द्यावा).  |       |               |                            |                      |                      |                      |
| (आठ)    | अन्य कोणतीही मत्ता जसे की,—हक्क मागण्या/ व्याज यांचे मूल्य   |       |               |                            |                      |                      |                      |
| (नऊ)    | <b>एकूण स्थूल मूल्य</b>  |       |               |                            |                      |                      |                      |

ब. स्थावर मत्तांचा तपशील :—

टीप १ : संयुक्त मालकीची व्याप्ती दर्शविणाऱ्या संयुक्त मालकीच्या मालमत्ता देखील दर्शवावयाच्या आहेत.

टीप २ : या नमुन्यामध्ये प्रत्येक जमीन किंवा इमारत किंवा वेश्म यांचा तपशील स्वतंत्रपणे नमूद करण्यात यावा.

टीप ३ : समुद्रपार (विदेशातील) मत्तांमधील हितसंबंध व मालकी यासंबंधीचे तपशील समाविष्ट करावे.

| अ. क्र. | वर्णन   | स्वतः | पती/<br>पत्नी | हिंदू<br>अविभक्त<br>कुटुंब | अवलंबित<br>व्यक्ती-१ | अवलंबित<br>व्यक्ती-२ | अवलंबित<br>व्यक्ती-३ |
|---------|---|-------|---------------|----------------------------|----------------------|----------------------|----------------------|
| (एक)    | शेतजमीन :<br>-ठिकाण (ठिकाणे)<br>-भूमापन क्रमांक ( भूमापन क्रमांक)                                 |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | क्षेत्र (एकूण आकारमान एकरामध्ये)  |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | मालमत्ता वारसाप्राप्त आहे किंवा कसे<br>( होय किंवा नाही ).  |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | स्वतः संपादन केलेल्या मालमत्तेच्या बाबतीत<br>खरेदीचा दिनांक                                       |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | खरेदीच्या वेळी असलेली जमिनीची किंमत<br>( खरेदी केली असल्यास )                                     |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | विकास, बांधकाम इत्यादींच्या मार्गाने जमिनीवर<br>केलेली कोणतीही गुंतवणूक                           |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | अदमासे चालू बाजारमूल्य  |       |               |                            |                      |                      |                      |
| (दोन)   | बिगरशेती जमीन :<br>-ठिकाण (ठिकाणे)<br>भूमापन क्रमांक ( भूमापन क्रमांक)                            |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | क्षेत्र (एकूण आकारमान चौरस फुटामध्ये)   |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | मालमत्ता वारसाप्राप्त आहे किंवा कसे<br>( होय किंवा नाही )   |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | स्वतः संपादित मालमत्तेच्या बाबतीत खरेदीचा<br>दिनांक   |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | खरेदीच्या वेळी असलेली जमिनीची किंमत<br>( खरेदी केली असल्यास )                                     |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | विकास, बांधकाम इत्यादींच्या मार्गाने जमिनीवर<br>केलेली कोणतीही गुंतवणूक                           |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | अदमासे चालू बाजारमूल्य  |       |               |                            |                      |                      |                      |
| (तीन)   | वाणिज्यिक इमारती :<br>(वेश्मांचा समावेश करून), ठिकाण (ठिकाणे)<br>भूमापन क्रमांक ( भूमापन क्रमांक) |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | क्षेत्र (एकूण आकारमान चौरस फुटामध्ये)   |       |               |                            |                      |                      |                      |

| अ. क्र. | वर्णन   | स्वतः | पती/<br>पत्नी | हिंदू<br>अविभक्त<br>कुटुंब | अवलंबित<br>व्यक्ती-१ | अवलंबित<br>व्यक्ती-२ | अवलंबित<br>व्यक्ती-३ |
|---------|---|-------|---------------|----------------------------|----------------------|----------------------|----------------------|
|         | बांधकाम क्षेत्र (एकूण आकारमान चौरस फुटामध्ये)                       |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | मालमत्ता वारसाप्राप्त आहे किंवा कसे (होय किंवा नाही)                |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | स्वतः संपादित मालमत्तेच्या बाबतीत खरेदीचा दिनांक                    |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | खरेदीच्या वेळी असलेले मालमत्तेचे मूल्य (खरेदी केली असल्यास)         |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | विकास, बांधकाम इत्यादीच्या मार्गाने जमिनीवर केलेली कोणतीही गुंतवणूक |       |               |                            |                      |                      |                      |
|         | अदमासे चालू बाजारमूल्य  |       |               |                            |                      |                      |                      |
| (पाच)   | इतर (जसे की, मालमत्तेमधील हितसंबंध)                                 |       |               |                            |                      |                      |                      |
| (सहा)   | वरील (एक) ते (पाच) चे एकूण चालू बाजार मूल्य                         |       |               |                            |                      |                      |                      |

(८) मी, यात याखाली, सार्वजनिक वित्तीय संस्थांच्या व शासनाच्या दायित्वांचा/देय रकमांचा तपशील देत आहे :—

**टीप :** कृपया बँकेचे, संस्थेचे किंवा व्यक्तीचे नाव यांचा स्वतंत्र तपशील देऊन प्रत्येक बाबीसमोर रक्कम द्यावी.)

| अ. क्र. | वर्णन   | स्वतः  | पती/<br>पत्नी | हिंदू<br>अविभक्त<br>कुटुंब | अवलंबित<br>व्यक्ती-१ | अवलंबित<br>व्यक्ती-२ | अवलंबित<br>व्यक्ती-३                      |
|---------|---|--|---------------|----------------------------|----------------------|----------------------|---|
| (एक)    | बँकेचे/वित्तीय संस्थेचे (संस्थांचे) कर्ज किंवा देय रकमा, बँकेचे किंवा वित्तीय संस्थांचे नाव, अदत्त रक्कम, कर्जाचे स्वरूप.                           |  |               |                            |                      |                      |   |
|         | वर नमूद केलेल्या व्यतिरिक्त इतर कोणत्याही व्यक्तीचे/संस्थेचे कर्ज किंवा देय रकमा, नाव (नावे), अदत्त रक्कम, कर्ज, कोणत्याही अन्य दायित्वांचे स्वरूप. |  |               |                            |                      |                      |   |
|         | दायित्वांची एकूण बेरीज  |  |               |                            |                      |                      |   |
| (दोन)   | शासनाच्या देय रकमा : शासकीय निवासस्थानाशी संबंधित असणाऱ्या विभागांच्या देय रकमा.  | (अ) अभिसाक्षीने विद्यमान निवडणुकीच्या अधिसूचनेच्या दिनांकापूर्वी मागील दहा वर्षांच्या कालावधीत कोणत्याही वेळी शासनाने दिलेल्या निवासस्थानाचा ताबा घेतला होता काय ?<br>(ब) वरील (अ) चे उत्तर होय असल्यास, पुढील घोषणापत्र सादर करण्यात यावे.<br>(एक) शासकीय निवासस्थानाचा पत्ता :<br>.....<br>.....<br>.....<br>..... |               |                            |                      |                      | होय/नाही (कृपया योग्य पर्यायावर खूण करा.) |

| अ. क्र. | वर्णन   | स्वतः  | पती/<br>पत्नी | हिंदू<br>अविभक्त<br>कुटुंब | अवलंबित<br>व्यक्ती-१ | अवलंबित<br>व्यक्ती-२ | अवलंबित<br>व्यक्ती-३ |
|---------|---|--|---------------|----------------------------|----------------------|----------------------|----------------------|
|         |   | (दोन) वरील शासकीय निवासस्थानाच्या बाबतीत पुढील कोणतीही देणी देय नाहीत :<br>(अ) भाडे ;<br>(ब) विद्युत आकार ;<br>(क) पाणीपट्टी ; आणि<br>(ड) दिनांक ..... पर्यंतचे दूरध्वनी आकार<br>(हा दिनांक ज्या महिन्यात निवडणूक अधिसूचित केलेली आहे त्या महिन्याच्या पूर्वीच्या तिसऱ्या महिन्याच्या शेवटची किंवा त्यानंतरची कोणतीही तारीख असावी.)<br>टीप : वरील शासकीय निवासस्थानासाठी भाडे, विद्युत आकार, पाणीपट्टी, दूरध्वनी आकार यांच्या संबंधातील संबंधित एजन्सीकडून घेतलेले 'ना देय प्रमाणपत्र' सादर करावे. |               |                            |                      |                      |                      |
| (तीन)   | शासकीय परिवहनाशी संबंधित असलेल्या विभागाच्या देय रकमा (विमाने व हेलिकॉप्टर यांसह)   |  |               |                            |                      |                      |                      |
| (चार)   | आयकराच्या देय रकमा  |  |               |                            |                      |                      |                      |
| (पाच)   | वस्तू व सेवा कराच्या देय रकमा   |  |               |                            |                      |                      |                      |
| (सहा)   | नगरपालिका मालमत्ता कराच्या देय रकमा   |  |               |                            |                      |                      |                      |
| (सात)   | इतर कोणत्याही देय रकमा  |  |               |                            |                      |                      |                      |
| (आठ)    | सर्व शासकीय देय रकमांची एकूण बेरीज  |  |               |                            |                      |                      |                      |
| (नऊ)    | इतर कोणतीही दायित्वे वादग्रस्त आहेत किंवा कसे, असल्यास, त्यात अंतर्भूत असलेली रक्कम नमूद करावी आणि ज्या प्राधिकरणासमोर ती प्रलंबित आहेत, त्या प्राधिकरणांचा उल्लेख करावा. |  |               |                            |                      |                      |                      |

(९) व्यवसाय किंवा नोकरीचा तपशील :—

(अ) स्वतः .....

(ब) पती/पत्नी .....

(९-अ) उत्पन्नाच्या स्रोताचा (स्रोतांचा) तपशील :—

(अ) स्वतः .....

(ब) पती/पत्नी .....

(क) अवलंबित व्यक्तीच्या (कोणताही असल्यास), उत्पन्नाचा स्रोत .....

.....

(१-ब) यथोचित शासकीय आणि कोणत्याही सार्वजनिक कंपनीशी किंवा कंपन्यांशी केलेली कंत्राटे :—

- (अ) उमेदवाराने केलेल्या कंत्राटांचा तपशील .....
- (ब) पतीने/पत्नीने केलेल्या कंत्राटांचा तपशील .....
- (क) अवलंबून असणाऱ्या व्यक्तींनी केलेल्या कंत्राटांचा तपशील .....
- (ड) ज्यामध्ये उमेदवार/पती/पत्नी किंवा अवलंबून असणाऱ्या व्यक्ती हितसंबंधित आहेत अशा अविभक्त हिंदू कुटुंबाने किंवा न्यासने केलेल्या कंत्राटांचा तपशील.
- (ई) ज्यामध्ये उमेदवार/पती/पत्नी किंवा अवलंबून असणाऱ्या व्यक्ती भागीदार आहेत, अशा भागीदारी संस्थेने केलेल्या कंत्राटांचा तपशील
- (फ) ज्यामध्ये उमेदवार/पती/पत्नी किंवा अवलंबून असणाऱ्या व्यक्तींचे शेअर्स आहेत अशा खाजगी कंपनीसोबत केलेला कंत्राटांचा तपशील.
- (१०) माझी शैक्षणिक अर्हता खालीलप्रमाणे .....

(प्रमाणपत्र/पदविका/पदवी पाठ्यक्रम यांचे पूर्ण नाव नमूद करून उच्च शालेय शिक्षणाचा/विद्यापीठ शिक्षणाचा तपशील द्यावा आणि शाळेचे/महाविद्यालयाचे/विद्यापीठाचे नाव आणि ज्यावर्षी पाठ्यक्रम पूर्ण केला ते वर्ष नमूद करण्यात यावे.)

### भाग ब

(११) भाग-अ च्या (१) ते (१०) मध्ये देण्यात आलेल्या तपशीलाचा गोषवारा :—

|     |  |                            |  |                      |                   |                         |                   |
|-----|--|----------------------------|--|----------------------|-------------------|-------------------------|-------------------|
| १   | उमेदवाराचे नाव   | श्री./श्रीमती/कुमार/कुमारी |  |                      |                   |                         |                   |
| २   | टपालाचा संपूर्ण पत्ता  |                            |  |                      |                   |                         |                   |
| ३   | मतदारसंघाचा क्रमांक व नाव आणि राज्य  |                            |  |                      |                   |                         |                   |
| ४   | ज्या राजकीय पक्षाकडून उमेदवार उभा आहे त्या पक्षाचे नाव (अन्यथा अपक्ष असे लिहावे) |                            |  |                      |                   |                         |                   |
| ५   | प्रलंबित असणाऱ्या फौजदारी खटल्यांची एकूण   |                            |  |                      |                   |                         |                   |
| ६   | सिद्धापराधी ठरविलेल्या खटल्यांची एकूण संख्या                                     |                            |  |                      |                   |                         |                   |
| ७   |  | चा पॅन क्रमांक             | ज्या वर्षी शेवटी आयकर विवरणपत्र दाखल करण्यात आले ते वर्ष |                      |                   | दर्शविलेले एकूण उत्पन्न |                   |
|     | (अ) उमेदवार  |                            |  |                      |                   |                         |                   |
|     | (ब) पती/पत्नी  |                            |  |                      |                   |                         |                   |
|     | (क) अवलंबित व्यक्ती  |                            |  |                      |                   |                         |                   |
| ८   | मत्ता व दायित्वाचा तपशील (रुपयांमध्ये) (विदेशातील मत्तांसहित)                    |                            |  |                      |                   |                         |                   |
|     | वर्णन  | स्वतः                      | पती/पत्नी  | हिंदू अविभक्त कुटुंब | अवलंबित व्यक्ती-१ | अवलंबित व्यक्ती-२       | अवलंबित व्यक्ती-३ |
| (अ) | जंगम मत्ता (एकूण मूल्य)  |                            |  |                      |                   |                         |                   |
| (ब) | स्थावर मत्ता   |                            |  |                      |                   |                         |                   |
|     | (एक) स्वसंपादित केलेल्या स्थावर मालमत्तेची खरेदी किंमत                           |                            |  |                      |                   |                         |                   |

|    | वर्णन  | स्वतः | पती/<br>पत्नी | हिंदू<br>अविभक्त<br>कुटुंब | अवलंबित<br>व्यक्ती-१ | अवलंबित<br>व्यक्ती-२ | अवलंबित<br>व्यक्ती-३ |
|----|--|-------|---------------|----------------------------|----------------------|----------------------|----------------------|
|    | (दोन) खरेदी केल्यानंतर स्थावर<br>मालमत्तेचा विकासाचा/बांधकामाचा<br>खर्च (लागू असल्यास)   |       |               |                            |                      |                      |                      |
|    | (तीन) अदमासे चालू बाजार किंमत  |       |               |                            |                      |                      |                      |
|    | (अ) स्वसंपादित मत्ता (एकूण मूल्य)  |       |               |                            |                      |                      |                      |
|    | (ब) वारसाप्राप्त मत्ता (एकूण मूल्य)  |       |               |                            |                      |                      |                      |
| ९  | दायित्वे   |       |               |                            |                      |                      |                      |
|    | (एक) शासकीय देणे (एकूण)  |       |               |                            |                      |                      |                      |
|    | (दोन) बँक, वित्तीय संस्था व इतर<br>यांच्याकडून कर्जे (एकूण)  |       |               |                            |                      |                      |                      |
| १० | विवादास्पद असलेली दायित्वे   |       |               |                            |                      |                      |                      |
|    | (एक) शासकीय देणे (एकूण)  |       |               |                            |                      |                      |                      |
|    | (दोन) बँक, वित्तीय संस्था व इतर<br>यांच्याकडून कर्जे (एकूण)  |       |               |                            |                      |                      |                      |
| ११ | उच्चतम शैक्षणिक अर्हता : .....   |       |               |                            |                      |                      |                      |
|    | (प्रमाणपत्र/पदविका/पदवी पाठ्यक्रम यांचे पूर्ण नाव नमूद करून उच्च शिक्षण/विद्यापीठ शिक्षण व शाळेचे/महाविद्यालये/<br>विद्यापीठाचे नाव आणि ज्या वर्षी पाठ्यक्रम पूर्ण केला ते वर्ष यांचा तपशील द्यावा.) |       |               |                            |                      |                      |                      |

### सत्यापन

मी, उपरोल्लिखित अभिसाक्षी, याद्वारे असे सत्यापित व घोषित करतो/करते की, या शपथपत्रातील मजकूर माझ्या माहितीप्रमाणे व विश्वासाप्रमाणे खरा आणि बिनचूक आहे आणि यातील कोणताही भाग खोटा नाही व त्यातून कोणतीही महत्त्वाची गोष्ट दडवून ठेवलेली नाही. मी आणखी असेही घोषित करतो की,—

(अ) वरील भाग अ व ब याच्या बाबी ५ व ६ मध्ये नमूद केलेल्या बाबींव्यतिरिक्त माझ्याविरुद्ध कोणताही दोषासिद्धीचा खटला नाही किंवा कोणताही खटला प्रलंबित नाही.

(ब) मी, माझी पत्नी/माझा पती किंवा माझ्यावर अवलंबून असणाऱ्या व्यक्ती यांच्याकडे वरील भाग-अ च्या बाबी ७ व ८ मध्ये आणि भाग-ब च्या बाबी ८, ९ व १० मध्ये नमूद केलेल्या बाबींव्यतिरिक्त कोणतीही मत्ता किंवा दायित्व नाहीत.

दिनांक : ..... रोजी ..... येथे सत्यापित केले.

### अभिसाक्षी

**टीप १ :** नामनिर्देशन पत्रे दाखल करण्याच्या शेवटच्या दिवशी उशिरात उशिरा दुपारी ३-०० वाजेपर्यंत शपथपत्र दाखल करावे.

**टीप २ :** शपथ आयुक्त किंवा प्रथम वर्ग दंडाधिकारी किंवा लेख प्रमाणक यांच्यासमोर शपथपत्र शपथबद्ध करावे.

**टीप ३ :** सर्व रकाने भरावे आणि कोणताही रकाना रिक्त ठेवू नये. जर कोणत्याही बाबीच्या संबंधात सादर करावयाची माहिती जर काहीही नसेल तर निरंक किंवा, यथास्थिति, लागू नाही, असे नमूद करावे.

**टीप ४ :** शपथपत्र एकतर टंकलिखित किंवा सुवाच्यपणे लिहिलेले व व्यवस्थित असावे.

**टीप ५ :** शपथपत्राच्या प्रत्येक पृष्ठावर अभिसाक्षीने स्वाक्षरी केली पाहिजे आणि शपथपत्राच्या प्रत्येक पृष्ठावर, ज्याच्यासमोर शपथपत्राची शपथ घेतली जाते असा लेख प्रमाणक किंवा शपथ आयुक्त किंवा दंडाधिकारी यांचा शिक्का असावा.



## जोडपत्र ४

(प्रकरण २, परिच्छेद २.५)

## शपथेचा किंवा प्रतिज्ञेचा नमुना

[ ( भारताच्या संविधानाचे अनुच्छेद ८४ (क) ]

## (संसदेच्या निवडणुकीसाठी उभ्या असलेल्या उमेदवाराने घ्यावयाच्या)

मी, ..... राज्यसभेतील \*(लोकसभेतील जागा भरण्यासाठी उमेदवार म्हणून नामनिर्देशित झालो असल्याने, ईश्वरसाक्ष शपथ घेतो की /गांभीर्यपूर्वक प्रतिज्ञा करतो की, कायद्याद्वारे स्थापित झाले आहे अशा भारताच्या संविधानाबद्दल मी खरी श्रद्धा व निष्ठा बाळगीन आणि भारताची सार्वभौमता व एकात्मता उन्नत राखीन.

(उमेदवाराची स्वाक्षरी व ठळक अक्षरामध्ये नाव)

श्री./श्रीमती ..... याने/हिने, आज दिनांक ..... २० रोजी ठीक ..... (वेळ) वाजता ..... येथे (ठिकाण) माझ्या समक्ष ईश्वरसाक्ष शपथ घेतली/गांभीर्यपूर्वक प्रतिज्ञा केली.

प्राधिकृत व्यक्तीची स्वाक्षरी

(नाव, हुद्दा व मोहोर)

## (शपथ घेतल्याचे प्रमाणपत्र)

## (प्राधिकृत व्यक्तीने उमेदवारास सुपूर्द करावयाचे)

प्रमाणित करण्यात येते की, श्री./श्रीमती ..... (नाव) याने/हिने, भारताच्या संविधानात आवश्यक असल्याप्रमाणे राज्यसभेच्या (किंवा लोकसभेच्या) निवडणुकीतील उमेदवार म्हणून ..... (दिनांक) रोजी ठीक ..... (वेळ) वाजता ..... येथे माझ्या कार्यालयात माझ्या समक्ष केलेली शपथ घेतली आहे/प्रतिज्ञा केली आहे.

दिनांक : .....

(प्राधिकृत व्यक्तीची स्वाक्षरी)

(नाव, पदनाम व मोहोर).

\* लागू नसेल ते खोडा.

टीप.—सदर नमुना, उमेदवारास इंग्रजी व राज्याची/संघ राज्यक्षेत्राची राजभाषा अशा दोन्ही भाषेत पुरविण्यात यावा.

## शपथेचा किंवा प्रतिज्ञेचा नमुना

[ भारताच्या संविधानाचे अनुच्छेद १७३ (क) ]

(राज्य विधानमंडळाच्या निवडणुकीसाठी उभ्या असलेल्या उमेदवाराने घ्यावयाच्या)

मी, ..... (नाव) ..... विधानसभेतील \* (किंवा विधानपरिषदेतील) जागा भरण्यासाठी उमेदवार म्हणून नामनिर्देशित झालो असल्याने, ईश्वरसाक्ष शपथ घेतो/गांभीर्यपूर्वक प्रतिज्ञा करतो की, कायद्याद्वारे स्थापित झाले आहे अशा भारताच्या संविधानाबद्दल मी खरी श्रद्धा व निष्ठा बाळगीन आणि भारताची सार्वभौमता व एकात्मता उन्नत राखीन.

(उमेदवाराची स्वाक्षरी व ठळक अक्षरामध्ये नाव)

श्री./श्रीमती ..... याने/हिने, आज दिनांक ..... २० रोजी ठीक ..... (वेळ) वाजता ..... येथे (ठिकाण) माझ्या समक्ष ईश्वरसाक्ष शपथ घेतली/गांभीर्यपूर्वक प्रतिज्ञा केली.

(प्राधिकृत व्यक्तीची स्वाक्षरी)

(नाव, हुद्दा व मोहोर)

(शपथ घेतल्याचे प्रमाणपत्र)

(प्राधिकृत व्यक्तीने उमेदवारास सुपूर्द करावयाचे)

प्रमाणित करण्यात येते की, श्री./श्रीमती ..... (नाव) याने/हिने विधानसभेच्या ..... \* (किंवा विधानपरिषदेच्या निवडणुकीतील उमेदवार म्हणून ..... (दिनांक) रोजी ठीक ..... (वेळ) वाजता ..... येथे माझ्या कार्यालयात माझ्या समक्ष केलेली शपथ घेतली आहे/प्रतिज्ञा केली आहे.

(प्राधिकृत व्यक्तीची स्वाक्षरी)

दिनांक .....

(नाव, हुद्दा व मोहोर).

\* लागू नसेल ते खोडा.

टीप.—सदर नमुना, उमेदवारास इंग्रजी व राज्याची/संघराज्यक्षेत्राची राजभाषा अशा दोन्ही भाषेत पुरविण्यात यावा.

## शपथेचा किंवा प्रतिज्ञेचा नमुना

[ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, १९९१ (१९९२ चा अधिनियम क्रमांक १) याचे कलम ४ (क) ]

(राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्लीच्या विधानसभेच्या निवडणुकीसाठी उभ्या असलेल्या उमेदवाराने घ्यावयाच्या)

मी, ..... विधानसभेतील जागा भरण्यासाठी उमेदवार म्हणून नामनिर्देशित झालो असल्याने, ईश्वरसाक्ष शपथ घेतो/गांभीर्यपूर्वक प्रतिज्ञा करतो की, कायद्याद्वारे स्थापित झाले आहे अशा भारताच्या संविधानाबद्दल मी खरी श्रद्धा व निष्ठा बाळगीन आणि भारताची सार्वभौमता व एकात्मता उन्नत राखीन.

(उमेदवाराची स्वाक्षरी व ठळक अक्षरामध्ये नाव)

श्री./श्रीमती ..... याने/हिने, आज दिनांक ..... २० ..... रोजी ठीक ..... (वेळ) वाजता ..... येथे (ठिकाण) माझ्या समक्ष ईश्वरसाक्ष शपथ घेतली/गांभीर्यपूर्वक प्रतिज्ञा केली.

(प्राधिकृत व्यक्तीची स्वाक्षरी)

(नाव, हुद्दा व मोहोर)

## (शपथ घेतल्याचे प्रमाणपत्र)

(प्राधिकृत व्यक्तीने उमेदवारास सुपूर्द करावयाचे)

प्रमाणित करण्यात येते की, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्लीच्या विधानसभेच्या निवडणुकीतील उमेदवार श्री./श्रीमती ..... (नाव) याने/हिने (दिनांक) २० ..... रोजी ठीक ..... (वेळ) वाजता ..... येथे माझ्या कार्यालयात माझ्या समक्ष राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, १९९१ याद्वारे आवश्यक केलेली शपथ घेतली आहे/प्रतिज्ञा केली आहे.

(प्राधिकृत व्यक्तीची स्वाक्षरी)

दिनांक .....

(नाव, हुद्दा व मोहोर).

**टीप.**—सदर नमुना, उमेदवारास इंग्रजी व राज्याची/संघराज्यक्षेत्राची राजभाषा अशा दोन्ही भाषेत पुरविण्यात यावा.

## शपथेचा किंवा प्रतिज्ञेचा नमुना

[ संघराज्य क्षेत्र शासन अधिनियम, १९६३ ( १९६३ चा अधिनियम क्रमांक २० ) याचे कलम ४ ( क ) ]

(पाँडेचरी संघराज्य क्षेत्राच्या विधानसभेच्या निवडणुकीसाठी उभ्या असलेल्या उमेदवाराने घ्यावयाच्या)

मी, ..... पाँडेचरी विधानसभेतील जागा भरण्यासाठी उमेदवार म्हणून नामनिर्देशित झालो असल्याने ईश्वरसाक्ष शपथ घेतो/गांभीर्यपूर्वक प्रतिज्ञा करतो की, कायद्याद्वारे स्थापित झाले आहे अशा भारताच्या संविधानाबद्दल मी खरी श्रद्धा व निष्ठा बाळगीन आणि भारताची सार्वभौमता व एकात्मता उन्नत राखीन.

(उमेदवाराची स्वाक्षरी व ठळक अक्षरामध्ये नाव)

श्री./श्रीमती ..... याने/हिने, आज दिनांक ..... २०

रोजी ठीक ..... (वेळ) वाजता ..... येथे (ठिकाण) माझ्या समक्ष ईश्वरसाक्ष शपथ घेतली/गांभीर्यपूर्वक प्रतिज्ञा केली.

(प्राधिकृत व्यक्तीची स्वाक्षरी)

(नाव, हुद्दा व मोहोर)

### (शपथ घेतल्याचे प्रमाणपत्र)

(प्राधिकृत व्यक्तीने उमेदवारास सुपूर्द करावयाचे)

प्रमाणित करण्यात येते की, ..... पाँडेचरी विधानसभेच्या निवडणुकीतील उमेदवार श्री./श्रीमती ..... (नाव) याने/हिने ..... (दिनांक) रोजी ठीक ..... (वेळ) वाजता ..... येथे माझ्या कार्यालयात माझ्या समक्ष संघराज्य क्षेत्र शासन अधिनियम, १९६३ याद्वारे आवश्यक केलेली शपथ घेतली आहे/प्रतिज्ञा केली आहे.

(प्राधिकृत व्यक्तीची स्वाक्षरी)

दिनांक : .....

(नाव, हुद्दा व मोहोर)

**टीप.**—सदर नमुना, उमेदवारास इंग्रजी व राज्याची/ संघ राज्यक्षेत्राची राजभाषा अशा दोन्ही भाषेत पुरविण्यात यावा.

## संघराज्य क्षेत्र अधिनियम, १९६३ यामधील उतारा

### ४. विधानसभेच्या सदस्यत्वाकरिता अर्हता—

एखादी व्यक्ती,—

(क) ती भारताचा नागरिक असून निवडणूक आयोगाने शपथ किंवा दृढकथन यांच्या संबंधात प्राधिकृत केलेल्या एखाद्या व्यक्तीसमोर, त्या प्रयोजनाकरता पहिल्या अनुसूचीत दिलेल्या नमुन्यानुसार तिने शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली स्वाक्षरी केली आहे :

(ख) ती पंचवीस वर्षांपेक्षा कमी वयाची नाही ; आणि

(ग) कोणत्याही कायद्याद्वारे किंवा त्याखाली त्यासंबंधात विहित केल्या जातील अशा इतर अर्हता तिच्याकडे आहेत.

असे असल्याखेरीज ती व्यक्ती संघराज्य क्षेत्राच्या विधानसभेतील जागा भरण्याकरता होणाऱ्या निवडणुकीस अर्ह ठरणार नाही.

**विधानसभेच्या निवडणुकीसाठी उभ्या असलेल्या उमेदवाराने घ्यावयाच्या शपथेचा किंवा करावयाच्या दृढकथनाचा नमुना :**

मी, अ, ब ..... विधानसभेतील जागा भरण्यासाठी उमेदवार म्हणून नामनिर्देशित झालो असून ईश्वरसाक्ष शपथ घेतो/ गांभीर्यपूर्वक प्रतिज्ञा करतो की, कायद्याद्वारे स्थापित झाले आहे अशा भारताच्या संविधानाबद्दल मी खरी श्रद्धा व निष्ठा बाळगीन आणि मी भारताची सार्वभौमता व एकात्मता उन्नत राखीन.

## लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ यामधील उतारा

### ४. लोकसभेच्या सदस्यत्वाकरिता अर्हता—

एखादी व्यक्ती,—

(क) कोणत्याही राज्यातील अनुसूचित जातींसाठी राखून ठेवलेल्या जागेच्या बाबतीत, अनुसूचित जातीपैकी कोणत्याही अनुसूचित जातीतील— मग ती त्या राज्यातील असो किंवा अन्य कोणत्याही राज्यातील असो - व्यक्ती असून ती एखाद्या संसदीय मतदारसंघाचा मतदार आहे ;

(ख) कोणत्याही राज्यात अनुसूचित जनजातीसाठी ( आसामच्या स्वायत्त जिल्ह्यांतील जनजातीव्यतिरिक्त ) राखून ठेवलेल्या जागेच्या बाबतीत, त्या राज्यातील किंवा अन्य कोणत्याही राज्यातील ( आसामची जनजाती—क्षेत्रे वगळून ) अनुसूचित जनजातीपैकी कोणत्याही जनजातीतील व्यक्ती असून ती एखाद्या संसदीय मतदारसंघाचा मतदार आहे ;

(ग) आसामच्या स्वायत्त जिल्ह्यातील अनुसूचित जनजातीसाठी राखून ठेवलेल्या जागेच्या बाबतीत, ती त्यापैकी कोणत्याही अनुसूचित जनजातीतील व्यक्ती असून ज्या संसदीय मतदारसंघात अशी जागा राखून ठेवली आहे त्या संसदीय मतदारसंघाचा किंवा अशा कोणत्याही स्वायत्त जिल्ह्याचा समावेश असणाऱ्या इतर कोणत्याही संसदीय मतदारसंघाचा मतदार आहे ;

(गग) लक्षद्वीप या संघराज्य क्षेत्रातील अनुसूचित जनजातीसाठी राखून ठेवलेल्या जागेच्या बाबतीत, त्यापैकी एखाद्या अनुसूचित जनजातीतील व्यक्ती असून त्या संघराज्य क्षेत्राच्या संसदीय मतदारसंघाचा मतदार आहे ;

(गगग) सिक्कीम राज्याला वाटून दिलेल्या जागेच्या बाबतीत, ती सिक्कीमच्या संसदीय मतदारसंघाचा मतदार आहे ; आणि

(घ) अन्य कोणत्याही जागेच्या बाबतीत, एखाद्या संसदीय मतदारसंघाचा मतदार आहे ;

असे असल्याखेरीज, ती व्यक्ती लोकसभेतील एखाद्या जागेच्या निवडणुकीस अर्ह ठरणार नाही.

### ५. विधानसभेच्या सदस्यत्वासाठी अर्हता—

एखादी व्यक्ती,—

(क) राज्याच्या अनुसूचित जातीसाठी किंवा अनुसूचित जनजातीसाठी राखून ठेवलेल्या जागेच्या बाबतीत, त्या जातीपैकी किंवा त्या जनजातीपैकी कोणत्याही जातीतील किंवा, यथास्थिति जनजातीतील व्यक्ती असून ती त्या राज्यातील कोणत्याही विधानसभा मतदारसंघाची मतदार आहे ;

(ख) आसामच्या स्वायत्त जिल्ह्यासाठी राखून ठेवलेल्या जागेच्या बाबतीत ती कोणत्याही स्वायत्त जिल्ह्यातील अनुसूचित जनजातीतील व्यक्ती असून त्या जिल्ह्याकरिता अशी एखादी किंवा इतर कोणतीही जागा ज्या विधानसभा मतदारसंघात राखून ठेवण्यात आली असेल त्या मतदारसंघाचा मतदार आहे ; आणि

(ग) अन्य कोणत्याही जागेच्या बाबतीत, त्या राज्यातील कोणत्याही विधानसभा मतदारसंघाची मतदार आहे,—

असे असल्याखेरीज, ती व्यक्ती त्या राज्याच्या विधानसभेतील जागा भरण्यासाठी होणाऱ्या निवडणुकीस अर्ह ठरणार नाही :

परंतु, अनुच्छेद ३७१ क च्या खंड ( २ ) मध्ये निर्देशिलेल्या कालावधीसाठी एखादी व्यक्ती, त्या अनुच्छेदामध्ये निर्देशिलेल्या प्रादेशिक परिषदेचा सदस्य नसेल तर, नागालँडच्या विधानसभेतील ट्यूएनसंग जिल्ह्याच्या वाट्याला नेमून दिलेली कोणतीही जागा भरण्यासाठी होणाऱ्या निवडणुकीस ती अर्ह ठरणार नाही.

### ७. व्याख्या—या प्रकरणामध्ये,—

(क) “समुचित शासन ” याचा अर्थ, संसदेच्या कोणत्याही सभागृहाच्या सदस्याच्या निवडणुकीबाबतच्या किंवा त्या सदस्यत्वाबाबतच्या कोणत्याही निरर्हतेच्या संबंधात केंद्र सरकार, आणि एखाद्या राज्याची विधानसभा किंवा विधानपरिषद यांच्या सदस्यांच्या निवडणुकीबाबतच्या कोणत्याही निरर्हतेच्या संबंधात राज्य शासन, असा आहे ;

(ख) “निरर्ह\* ” चा अर्थ, संसदेच्या कोणत्याही सभागृहाच्या अथवा राज्याच्या विधानसभेच्या किंवा विधानपरिषदेच्या सदस्याच्या जागेच्या निवडणुकीबाबत किंवा त्या सदस्यत्वाबाबत निरर्हता, असा आहे.

### ८. विवक्षित अपराधाबद्दल दोषसिद्धी झाल्यामुळे निरर्हता—

#### (१) एखादी व्यक्ती,—

(क) भारतीय दंड संहितेच्या ( १८६० चा ४५ ) कलम १५३ क ( धर्म, वंश, जन्मस्थान, वसतिस्थान, भाषा इ. कारणांवरून वेगवेगळ्या गटांमध्ये शत्रुत्व निर्माण करण्याचा आणि एकोप्याला बाधक कृती करण्याचा अपराध ) किंवा कलम १७१ ड ( लाच घेण्याचा अपराध ) किंवा कलम १७१ ( च ) ( निवडणुकीत गैरवाजवी दडपण आणण्याचा किंवा तोतयेगिरी करण्याचा अपराध ) किंवा कलम ३७६ चे पोट-कलम ( १ ) किंवा पोट-कलम ( २ ) किंवा कलम ३७६ क किंवा कलम ३७६ ख किंवा कलम ३७६ ग किंवा कलम ३७६ घ ( बलात्कारासंबंधीचा अपराध ) किंवा कलम ४९८ क ( पतीकडून किंवा पतीच्या नातेवाईकांकडून स्त्रीला निर्दयतेची वागणूक देण्याचा अपराध ) किंवा कलम ५०५ चे पोट-कलम ( २ ) किंवा पोट कलम ( ३ ) ( वर्गावर्गामध्ये शत्रुत्व, द्वेष किंवा द्वेषभावना निर्माण करणारी किंवा वाढवणारी विधाने करण्याचा अपराध किंवा कोणत्याही उपासनास्थानांमध्ये किंवा धार्मिक उपासना किंवा धार्मिक विधी करित असलेल्या कोणत्याही जनसमुदायामध्ये अशी विधाने करण्याशी संबंधित अपराधी ; किंवा

(ख) “अस्पृश्यता ” याचा प्रचार करणे आणि ती पाळणे याकरिता शिक्षा देण्यासाठी आणि त्यापासून उद्भवणाऱ्या कोणत्याही निःसमर्थतेसाठी शिक्षा देण्यासाठी ज्यामध्ये तरतूद करण्यात आली असा नागरी हक्क संरक्षण अधिनियम, १९५५ ( १९५५ चा २२ ) ; किंवा

(ग) सीमाशुल्क अधिनियम, १९६२ ( १९६२ चा ५२ ) याचे कलम ११ ( मनाई करण्यात आलेल्या मालाची निर्यात किंवा आयात करण्याचा अपराध ) ; किंवा

(घ) बेकायदेशीर कृत्ये ( प्रतिबंध ) अधिनियम, १९६७ ( १९६७ वा ३७ ) याची कलम १० ते १२ ( बेकायदेशीर म्हणून जाहीर केलेल्या अधिसंघाचा सदस्य असण्याचा अपराध, बेकायदेशीर अधिसंघाच्या निधीच्या व्यवहार करण्यासंबंधातील अपराध, अधिसूचित ठिकाणांच्या बाबतीत काढण्यात आलेल्या आदेशाचे व्यतिक्रमण करण्याच्या संबंधातील अपराधी ) ; किंवा

(ड) परकीय चलन ( विनियमन ) अधिनियम, १९७३ ( १९७३ चा ४६ ) ; किंवा

(च) अंमली औषधिद्रव्ये व मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, १९८५ ( १९८५ चा ६१ ) ; किंवा

(छ) दहशतवादी आणि विघटनवादी कृत्ये ( प्रतिबंध ) अधिनियम, १९८७ ( १९८७ चा २८ ) याचे कलम ३ ( दहशतवादी कृत्ये करण्याचा अपराध ) किंवा कलम ४ ( विघटनवादी कृत्ये करण्याचा अपराध ) ; किंवा



(ज) धार्मिक संस्था (दुरूपयोगास प्रतिबंध) अधिनियम, १९८८ (१९८८ चा ४१) याचे कलम ७ (कलमे ३ ते ६ यांच्या उपबंधांचे व्यतिक्रमण करण्याचा अपराध) ; किंवा

(झ) या अधिनियमाचे कलम १२५ (निवडणुकीच्या संबंधात वर्गावर्गामध्ये शत्रुत्व वाढवण्याचा अपराध) किंवा कलम १३५ (मतदान केंद्रातून मतपत्रिका पळवून नेण्याचा अपराध) किंवा कलम १३५ क (बुध मतदान केंद्र ताब्यात घेण्याचा अपराध) किंवा कलम १३६ चे पोट-कलम (२) चा खंड (क) (कोणतेही नामनिर्देशनपत्र कपटाने विरूपित करण्याचा किंवा ते कपटाने नष्ट करण्याचा अपराध) ; किंवा

(त्र) उपासनास्थाने (विशेष उपबंध) अधिनियम, १९९१ याचे कलम ६ (उपासनास्थानाचे रूपांतरण करण्याचा अपराध) ; किंवा

(ट) राष्ट्रप्रतिष्ठेचा अवमान करण्यास प्रतिबंध अधिनियम, १९७१ (१९७१ चा ६९) चे कलम २ (भारताच्या राष्ट्रीय ध्वजाचा किंवा भारताच्या संविधानाचा अवमान करण्याचा अपराध) किंवा कलम ३ (राष्ट्रगीत म्हणण्यास प्रतिबंध करण्याचा अपराध) ;

(ठ) सती (प्रतिबंध) अधिनियम, १९८७ (१९८८ चा ३) ; किंवा

(ड) भ्रष्टाचार प्रतिबंध अधिनियम, १९८८ (१९८८ चा ४९) ; किंवा

(ढ) दहशतवादास प्रतिबंध अधिनियम, २००२ (२००२ चा १५),

याखालील दंडनीय अपराधाबद्दल निरहं ठरेल, आणि अशी व्यक्ती,

(एक) अशा दोषसिद्धीच्या दिनांकापासून सहा वर्षांच्या कालावधीपर्यंत केवळ दंडाच्या शिक्षेस पात्र असेल,

(दोन) अशा दोषसिद्धीच्या दिनांकापासून कारावासाच्या शिक्षेस पात्र असेल आणि तिची मुक्तता झाल्यापासून आणखी सहा वर्षे इतका काळ ती तशीच निरहंत राहिल.

याखालील दंडनीय अपराधाबद्दल दोषसिद्ध ठरली असेल तर ती व्यक्ती, अशा दोषसिद्धीच्या दिनांकापासून सहा वर्षांच्या कालावधीसाठी निरहं ठरेल.

## (२) एखाद्या व्यक्तीने,—

(क) साठेबाजीस किंवा नफेबाजीस प्रतिबंध करण्याबाबत तरतूद करणाऱ्या कोणत्याही कायद्याचे ; किंवा

(ख) अन्न किंवा औषध भेसळ यांच्या संबंधातील कोणत्याही कायद्याचे ; किंवा

(ग) हुंडा प्रतिबंध अधिनियम, १९६१ (१९६१ चा २८) याच्या कोणत्याही तरतुदींचे ;

उल्लंघन केल्याबद्दल दोषसिद्ध ठरली असल्यास आणि सहा महिन्याहून कमी नसेल एवढी कारावासाची शिक्षा झालेली अशी व्यक्ती अशा दोषसिद्धीच्या दिनांकापासून निरहं ठरेल आणि तिची मुक्तता झाल्यापासून आणखी सहा वर्षे इतका काळ ती तशीच निरहं राहिल.

(३) कोणत्याही अपराधाबद्दल आणि पोट-कलम (१) किंवा पोट-कलम (२) मध्ये निर्दिष्ट केलेल्या कोणत्याही अपराधाव्यतिरिक्त अन्य अपराधाबद्दल दोषसिद्धी झालेली आणि दोन वर्षाहून कमी नसेल एवढ्या मुदतीच्या कारावासाची शिक्षा झालेली व्यक्ती, अशा दोषसिद्धीच्या दिनांकापासून निरहं ठरेल आणि तिची मुक्तता झाल्यापासून आणखी सहा वर्षे इतका काळ ती तशीच निरहं राहिल.

## स्पष्टीकरण.—या कलमामध्ये,—

(क) “साठेबाजीस किंवा नफेबाजीस प्रतिबंध करण्याबाबत तरतूद करणारा कायदा ” याचा अर्थ,—

(एक) कोणत्याही अत्यावश्यक वस्तूच्या उत्पादनाचे किंवा निर्मितीचे नियमन ;

(दोन) कोणतीही अत्यावश्यक वस्तू ज्या किमतीला विकत घेता येईल किंवा विकता येईल त्या किमतीचे नियंत्रण ;

(तीन) कोणत्याही अत्यावश्यक वस्तूंचे संपादन, कब्जा, साठवण, परिवहन, वितरण, विल्हेवाट, वापर किंवा उपभोग यांचे नियमन ;

(चार) सर्वसाधारणपणे विक्रीसाठी ठेवल्या जाणाऱ्या कोणत्याही अत्यावश्यक वस्तूची विक्री रोखून ठेवण्यास प्रतिबंध, यांच्यासाठी तरतूद करणारा कोणताही कायदा किंवा कायद्याचे बळ असलेला कोणताही आदेश, नियम अथवा अधिसूचना असा आहे ;

(ख) “ औषधिद्रव्य ” यास “ औषधिद्रव्ये व सौंदर्यप्रसाधने अधिनियम, १९४० ” ( १९४० चा २३ ) यामध्ये नेमून दिलेला आहे तो अर्थ आहे ;

(ग) “ अत्यावश्यक वस्तू ” यास “ अत्यावश्यक वस्तू अधिनियम, १९५५ ” ( १९५५ चा १० ) यामध्ये नेमून दिलेला आहे तो अर्थ आहे ;

(घ) “ अन्न ” यास “ अन्नभेसळ प्रतिबंधक अधिनियम, १९५४ ” ( १९५४ चा ३७ ) यामध्ये नेमून दिलेला आहे तो अर्थ आहे.

#### ८-क. भ्रष्टाचाराच्या कारणावरून निरर्हता.—

(१) कलम ९९ खालील आदेशाद्वारे भ्रष्टाचाराबद्दल दोषी ठरलेल्या प्रत्येक व्यक्तीचे प्रकरण, यासंबंधात केंद्र सरकार विनिर्दिष्ट करील अशा प्राधिकरणाला, असा आदेश अंमलात आल्याच्या दिनांकापासून तीन महिन्यांच्या कालावधीच्या आत, शक्य तितक्या लवकर, अशी व्यक्ती निरर्ह ठरते किंवा कसे आणि ठरल्यास किती कालावधीपर्यंत निरर्ह ठरेल याबाबतचा प्रश्नावर निर्णय घेण्यासाठी ते प्रकरण राष्ट्रपतीकडे सादर करण्यात येईल :

परंतु, या पोट-कलमान्वये कोणतीही व्यक्ती ज्या कालावधीपर्यंत निरर्ह ठरविण्यात येईल तो कालावधी काही झाले तरी, त्यासंबंधात कलम ९९ अन्वये काढण्यात आलेला आदेश ज्या दिनांकास अंमलात येईल त्या दिनांकापासून सहा वर्षांपेक्षा अधिक असता कामा नये.

(२) निवडणूक विधि (विशोधन) अधिनियम, १९७५ (१९७५ चा ४०) याच्या प्रारंभाच्या लगतपूर्वी जसे होते तसे या अधिनियमाचे कलम ८ क अन्वये जी निरर्ह ठरली असेल अशी कोणतीही व्यक्ती, जर असा निरर्हतेचा कालावधी संपलेला नसेल तर, उक्त कालावधीपैकी उर्वरित कालावधीकरिता अशी निरर्हता दूर करण्यासाठी राष्ट्रपतीकडे विनंती अर्ज सादर करू शकेल.

(३) पोट-कलम (१) मध्ये उल्लेखिलेल्या कोणत्याही प्रश्नावर किंवा पोट-कलम (२) खाली सादर केलेल्या कोणत्याही विनंती अर्जावर आपला निर्णय देण्यापूर्वी, राष्ट्रपती अशा प्रश्नावर किंवा विनंती अर्जावर निवडणूक आयोगाचे मत घेईल आणि अशा मतानुसार कृती करील.

#### ९. भ्रष्टाचार किंवा राजद्रोह यामुळे बडतर्फ झाल्याबद्दल निरर्हता :

(१) एखाद्या व्यक्तीने भारत सरकारच्या अखत्यारातील किंवा कोणत्याही राज्य शासनाच्या अखत्यारातील पद धारण केलेले असताना भ्रष्टाचार किंवा राजद्रोह केल्याबद्दल तिला बडतर्फ करण्यात आले असेल अशा व्यक्तीस, अशा बडतर्फीच्या दिनांकापासून पाच वर्षे इतक्या कालावधीसाठी निरर्ह ठरविण्यात येईल.

(२) पोट-कलम (१) च्या प्रयोजनार्थ, एखाद्या व्यक्तीने भारत सरकारच्या किंवा राज्य शासनाच्या अखत्यारातील पद धारण केलेले असताना तिला भ्रष्टाचाराबद्दल किंवा राज्याशी बेईमानी केल्याबद्दल बडतर्फ करण्यात आले आहे किंवा करण्यात आलेले नाही अशा अर्थाचे निवडणूक आयोगाने दिलेले प्रमाणपत्र, हे त्या तथ्याचा निर्णायक पुरावा असेल :

परंतु, भ्रष्टाचार किंवा राज्याशी बेईमानी केल्याबद्दल तिला बडतर्फ करण्यात आले आहे, अशा अर्थाचे प्रमाणपत्र उक्त व्यक्तीला तिचे म्हणणे मांडण्याची संधी दिल्याशिवाय दिले जाणार नाही.

#### ९-क. शासकीय कंत्राटे, इत्यादीबद्दल निरर्हता :

समुचित शासनाबरोबर एखाद्या व्यक्तीने, त्या शासनाला मालाचा पुरवठा करण्यासाठी किंवा त्या शासनाने हाती घेतलेली कोणतीही कामे पार पाडण्यासाठी ती व्यक्ती आपल्या व्यापाराच्या किंवा धंद्याच्या ओघात तिने केलेले कंत्राट अस्तित्वात असल्यास व असेपर्यंत तिला, निरर्ह ठरविण्यात येईल.

**स्पष्टीकरण**—या कलमाच्या प्रयोजनार्थ, समुचित शासनाबरोबर ज्या व्यक्तीने कंत्राट केले त्या व्यक्तीने त्या कंत्राटाचे पूर्णपणे पालन केलेले असेल तेव्हा, शासनाने त्याच्या पक्षी कंत्राटाचे पूर्णपणे किंवा अंशतः पालन केलेले नाही एवढ्याच गोष्टीमुळे ते कंत्राट अस्तित्वात नाही असे मानले जाईल.

#### १०. सरकारी कंपनीतील पदामुळे निरर्हता :

एखादी व्यक्ती, जिच्या भांडवलातील समुचित शासनाचा हिस्सा पंचवीस टक्क्यांपेक्षा कमी नसेल अशा कोणत्याही कंपनीमध्ये किंवा अशा निगम-निकायामध्ये (सहकारी संस्थेव्यतिरिक्त) व्यवस्थापकीय एजंट, व्यवस्थापक किंवा सचिव असेल तर आणि असेतोपर्यंत त्या व्यक्तीस निरर्ह ठरविण्यात येईल.

### १०-क. निवडणूक खर्चाचा हिशेब देण्यात कसूर केल्याबद्दल निरर्हता—

(क) या अधिनियमाद्वारे किंवा तदन्वये आवश्यक असलेल्या वेळेत आणि तशा पद्धतीने निवडणूक खर्चाचे हिशेब देण्यात कसूर केली आहे, आणि

(ख) अशा कसुरीबद्दल सबळ कारण किंवा समर्थन नाही,

अशी जर निवडणूक आयोगाची खात्री झाली तर, निवडणूक आयोग, शासकीय राजपत्रात प्रसिद्ध झालेल्या आदेशाद्वारे ती व्यक्ती निरर्ह असल्याचे जाहीर करील आणि अशी कोणत्याही व्यक्तीस, आदेशाच्या दिनांकापासून तीन वर्षांच्या कालावधीपर्यंत निरर्ह ठरविण्यात येईल.

### राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, १९९१ यामधील उतारा

(सन १९९१ चा अधिनियम क्रमांक १)

#### ४. एखादी व्यक्ती—

(क) ती भारताची नागरिक असून निवडणूक आयोगाने शपथ किंवा दृढकथन यांच्यासंबंधात प्राधिकृत केलेल्या एखाद्या व्यक्तीसमोर, त्या प्रयोजनाकरिता अनुसूचीत दिलेल्या नमुन्यानुसार तिने शपथ घेऊन किंवा दृढकथन करून त्याखाली स्वाक्षरी केली आहे ;

(ख) ती पंचवीस वर्षांपेक्षा कमी वयाची नाही ; आणि

(ग) संसदेने या बाबतीत, केलेल्या कोणत्याही कायद्याद्वारे किंवा त्याखाली विहित करण्यात आलेल्या अशा अन्य अर्हता ती धारण करत आहे ; असे असल्याशिवाय विधानसभेतील जागा भरण्यासाठी तिची निवड केली जाण्यास अर्ह ठरणार नाही.

#### १५. (१) एखादी व्यक्ती—

(क) भारत सरकारचे किंवा कोणत्याही राज्य शासनाचे अथवा कोणत्याही संघराज्यक्षेत्र शासनाचे, संसदेने किंवा कोणत्याही राज्याच्या विधानमंडळाने अथवा राजधानीच्या विधानमंडळाने किंवा अन्य कोणत्याही संघराज्य शासनाने केलेल्या कायद्याद्वारे ज्याचा धारक निरर्ह ठरणार नाही असे घोषित केलेल्या पदाव्यतिरिक्त कोणतेही लाभदेय पद धारण करित असेल तर; किंवा

(ख) अनुच्छेद १०२ चा खंड (१), उप खंड (ख), उप खंड (ग) किंवा उप खंड (घ) च्या तरतुदी अन्वये संसदेच्या कोणत्याही सभागृहाची सदस्य म्हणून निवडली जाण्यास त्या त्या वेळी आणि तशी सदस्य म्हणून राहण्यास निरर्ह ठरली असेल तर, ती विधानमंडळाचा सदस्य म्हणून निवडली जाण्यास आणि तशी सदस्य म्हणून राहण्यास निरर्ह ठरेल.

(२) या कलमाच्या प्रयोजनार्थ, एखादी व्यक्ती, केवळ ती केंद्रामध्ये किंवा अशा राज्यामध्ये अथवा संघराज्यामध्ये मंत्री आहे केवळ या कारणास्तव भारत सरकारचे किंवा कोणत्याही राज्याचे किंवा कोणत्याही संघ राज्याचे लाभदेय पद धारण करित आहे असे समजण्यात येणार नाही.

(३) विधानसभेचा एखादा सदस्य पोट-कलम (१) च्या तरतुदीन्वये असा सदस्य असण्यास निरर्ह झाला आहे किंवा कसे असा प्रश्न उद्भवला तर, तो प्रश्न राष्ट्रपतीकडे विचारार्थ पाठविण्यात येईल व त्यांचा निर्णय अंतिम असेल.

(४) अशा कोणत्याही प्रश्नावर निर्णय देण्यापूर्वी, राष्ट्रपती, निवडणूक आयोगाचे मत घेतील आणि अशा मताच्या अनुरोधाने कार्यवाही करतील.

जोडपत्र-५  
(प्रकरण ३, परिच्छेद ३.२३)  
नमुना " अ "

मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय किंवा राज्यीय राजकीय पक्षाने किंवा मान्यताप्राप्त नसलेल्या नोंदणीकृत राजकीय पक्षाने उभ्या केलेल्या उमेदवारांची नावे कळविण्यासाठी प्राधिकृत केलेल्या व्यक्तींसंबंधी सूचना

प्रति,

१. मुख्य निवडणूक अधिकारी, ..... (राज्य/संघ राज्यक्षेत्र)
२. निवडणूक निर्णय अधिकारी, ..... मतदारसंघ.

विषय : ..... (राज्य/संघ राज्यक्षेत्र) यातील सार्वत्रिक निवडणुका.  
..... निशाण्या नेमून देणे-उमेदवारांची नावे कळविण्यासाठी व्यक्तींना प्राधिकृत करणे.

महोदय,

निवडणूक निशाण्या (राखून ठेवणे आणि देणे) आदेश, १९६८ यातील परिच्छेद १३ (क) आणि (ड) आणि (इ) अनुसार, मी याद्वारे, अशी सूचना देत आहे की, जो राष्ट्रीय पक्ष/..... राज्यातील राज्यस्तरीय पक्ष/मान्यताप्राप्त नसलेला नोंदणीकृत पक्ष आहे अशा पक्षाने वर नमूद केलेल्या निवडणुकीत उभे करावयाचे योजलेल्या उमेदवारांची नावे कळविण्यासाठी पक्षाने खालील व्यक्तीला/व्यक्तींना प्राधिकृत करण्यात आले आहे :—

| अनु. क्र. | सूचना पाठविण्यासाठी प्राधिकृत केलेल्या व्यक्तींचे नाव | पक्षात धारण केलेले पद | या बाबतीत तिला प्राधिकृत करण्यात आले आहे तो जिल्हा/ ते जिल्हे/ते क्षेत्र ती क्षेत्रे, तो मतदारसंघ/ते मतदारसंघ |
|-----------|---|-----------------------|---|
| (१)       | (२)   | (३)                   | (४)   |
| १         |   |                       |   |
| २         |   |                       |   |
| ३         |   |                       |   |

२. अशारीतीने प्राधिकृत करण्यात आलेल्या वर नमूद केलेल्या व्यक्तीच्या/व्यक्तींच्या नमुना सह्या खाली देण्यात आल्या आहेत :—

- (१) श्री. .... यांच्या नमुना सह्या  
(एक) ..... (दोन) .....  
(तीन) .....
- (२) श्री. .... यांच्या नमुना सह्या  
(एक) ..... (दोन) .....  
(तीन) .....
- (३) श्री. .... यांच्या नमुना सह्या  
(एक) ..... (दोन) .....  
(तीन) .....

आपला विश्वासू,

अध्यक्ष/सचिव,  
पक्षाचे नाव  
(पक्षाची मोहोर)

ठिकाण :

दिनांक :

- टिपा.— (१) हा नमुना नामनिर्देशन करण्यासाठी जी अंतिम तारीख असेल त्या तारखेस दुपारी ३-०० वाजण्याच्या आत निवडणूक निर्णय अधिकारी आणि मुख्य निवडणूक अधिकारी यांच्याकडे सुपूर्द केलाच पाहिजे.  
(२) वर नमूद केलेल्या पदाधिकाऱ्याने/पदाधिकाऱ्यांनी या नमुन्यावर शाईने सही केलीच पाहिजे. कोणत्याही पदाधिकाऱ्याने केलेली प्रतिरूप सही किंवा रबरी शिक्का इ. च्या सह्याने केलेली सही स्वीकारली जाणार नाही.  
(३) फॅक्सने पाठवण्यात आलेला नमुना स्वीकारला जाणार नाही.

## भाग तीन

नमुना " ब "

## राजकीय पक्षाने उभ्या केलेल्या उमेदवारांच्या नावासंबंधी सूचना

[ निवडणूक निशाण्या (राखून ठेवणे आणि नेमून देणे) आदेश, १९६८ यातील परिच्छेद १३ (ब), (क) व (इ) आणि १३अ पहा ].  
प्रति,

निवडणूक निर्णय अधिकारी ..... मतदारसंघ

**विषय :** ..... (राज्य/संघ राज्यक्षेत्र) ..... च्या सार्वत्रिक ..... च्या वतीने (पक्ष) पोट-निवडणुकीसाठी ..... मधून (मतदारसंघाचे नाव) मतदारसंघाचे उमेदवार उभे करणे.  
महोदय,

निवडणूक निशाण्या (राखून ठेवणे आणि नेमून देणे) आदेश, १९६८ यातील परिच्छेद १३(ब), (क) व (इ) आणि १३अ अनुसार, मी, याद्वारे ..... च्या वतीने (पक्ष) अशी सूचना देत आहे की,—

(एक) ज्या व्यक्तीचे तपशील खालील स्तंभ (२) ते (४) मध्ये दिलेली आहेत ती व्यक्ती, वर नाव दिलेल्या पक्षाचा अधिकृत उमेदवार आहे, आणि

(दोन) ज्या व्यक्तीचे तपशील खालील स्तंभ (५) ते (७) मध्ये नमूद केलेले आहेत ती व्यक्ती त्या पक्षाचा पर्यायी उमेदवार असून, मान्य उमेदवाराचे नामनिर्देशनपत्र छाननीनंतर फेटाळण्यात आले असेल किंवा त्याने बदलीतून माघार घेतली असेल तर, पर्यायी उमेदवार, या मतदारसंघातून आगामी सार्वत्रिक/पोट निवडणुकीत निवडणूक लढवणारा उमेदवार असल्यास तो त्याची जागा घेईल.

| मतदारसंघाचे नाव | मान्य उमेदवाराचे नाव | मान्य उमेदवाराच्या वडिलांचे/ आईचे/ पतीचे नाव | मान्य उमेदवाराचा डाक पत्ता | मान्य उमेदवाराचे नाव छाननीनंतर फेटाळण्यात आले किंवा त्याने लढतीतून माघार घेतली तर पर्यायी उमेदवार लढविणारा उमेदवार असल्यास त्याची जागा घेईल | पर्यायी उमेदवाराच्या वडिलांचे/ आईचे/ पतीचे नाव | पर्यायी उमेदवाराचा डाक पत्ता |
|-----------------|----------------------|--|----------------------------|---|--|------------------------------|
| (१)             | (२)                  | (३)  | (४)                        | (५)   | (६)  | (७)                          |
|                 |                      |  |                            |   |  |                              |
|                 |                      |  |                            |   |  |                              |
|                 |                      |  |                            |   |  |                              |

\* (२) श्री./श्रीमती/कु. .... पक्षाचे मान्य उमेदवार/श्री./श्रीमती/कु. .... पक्षाचे पर्यायी उमेदवार यांच्या नावाने या अगोदर दिलेली नमुना " ब " मधील नोटीस याद्वारे रद्द केली आहे.

(३) प्रमाणित करण्यात येते की, ज्या उमेदवारांचे नाव वर नमूद केलेले आहे अशा उमेदवारांपैकी प्रत्येक उमेदवार हा, या राजकीय पक्षाचा सदस्य आहे आणि त्याचे नाव, या पक्षाच्या सदस्यांच्या यादीत यथोचितरीत्या अंतर्भूत केलेले आहे.

ठिकाण :

दिनांक :

(पक्षाची मोहोर)

आपला विश्वासू,

.....  
(पक्षाच्या प्राधिकृत व्यक्तीचे नाव व सही)

\* लागू नसेल खोडावे.

**टिपा.—** १. ही सूचना नामनिर्देशन करावयाच्या अंतिम तारखेस दुपारी ३-०० वाजण्याच्या आत निवडणूक निर्णय अधिकारी यांच्याकडे सुपूर्द केली पाहिजे.

२. वर नमूद केलेल्या पदाधिकाऱ्याने/पदाधिकाऱ्यांनी या नमुन्यावर शाईने सही केलीच पाहिजे. कोणत्याही पदाधिकाऱ्याने केलेली प्रतिसूचना सही किंवा रबरी शिक्का इ. च्या साहय्याने केलेली सही स्वीकारली जाणार नाही.

३. फॅक्सने पाठवण्यात आलेला नमुना स्वीकारला जाणार नाही.

४. नमुन्याच्या परिच्छेद २ मधील, लागू नसेल ते खोडावे किंवा लागू असेत ते योग्यरीतीने भरावे.

## जोडपत्र-६

(प्रकरण पाच, परिच्छेद ५.२ पहा)

## नमुना ५--उमेदवारी मागे घेण्याच्या सूचनेचा नमुना

[नियम ९ (१) पहा]

## उमेदवारी मागे घेण्याची सूचना

\* ..... निवडणूक

प्रति,

निवडणूक निर्णय अधिकारी,

मी, ..... वरील निवडणुकीसाठी <sup>१</sup> [वैधपणे नामनिर्देशित झालेला उमेदवार] असून, याद्वारे मी माझी उमेदवारी मागे घेत असल्याची सूचना देत आहे.

ठिकाण :

<sup>१</sup> [वैधपणे नामनिर्देशित झालेल्या] उमेदवाराची सही.

दिनांक :

ही सूचना, ..... नाव \* .....  
यांनी ..... (दिनांक) रोजी ..... (वेळ) वाजता माझ्या कार्यालयात माझ्याकडे दिली होती.

निवडणूक निर्णय अधिकारी.

## उमेदवारी मागे घेण्याबाबतच्या सूचनेची पोच

(सूचना देणाऱ्या करणाऱ्या व्यक्तीकडे सुपूर्द करावयाची)

..... \* च्या निवडणुकीतील <sup>१</sup> [वैधपणे नामनिर्देशित झालेले उमेदवार] ..... यांची उमेदवारी मागे घेण्याबाबतची सूचना, ..... + यांनी ..... (दिनांक) रोजी ..... (वेळ) वाजता माझ्या कार्यालयात माझ्याकडे दिली होती.

निवडणूक निर्णय अधिकारी.

\* या ठिकाणी पुढीलपैकी योग्य असेल तो एक पर्याय समाविष्ट करावा :

- (१) ..... मतदारसंघातून लोकसभेची.
- (२) ..... मतदारसंघातून विधानसभेची.
- (३) ..... (राज्य) च्या विधानसभेच्या निर्वाचित सदस्यांद्वारे राज्यसभेची.
- (४) ..... (संघराज्य क्षेत्र) च्या निर्वाचक गणाच्या सदस्यांद्वारे राज्यसभेची.
- (५) विधानसभेच्या सदस्यांद्वारे विधानपरिषदेची.
- (६) ..... मतदारसंघातून विधानपरिषदेची.

+ या ठिकाणी पुढीलपैकी योग्य असेल तो एक पर्याय समाविष्ट करावा :—

- (१) उमेदवार.
- (२) ही सूचना देण्यास उमेदवाराने ज्याला लेखी प्राधिकृत केले असेल तो उमेदवाराचा प्रस्तावक.
- (३) ही सूचना देण्यास उमेदवाराने ज्याला लेखी प्राधिकृत केले असेल तो उमेदवारांचा निवडणूक प्रतिनिधी.



## जोडपत्र-७

(प्रकरण सहा, परिच्छेद ६.१ पहा)

## नमुना ८-निवडणूक प्रतिनिधीची नेमणूक

## नमुना ८

## निवडणूक प्रतिनिधीची नेमणूक

[ नियम १२ (१) पहा ]

\* ..... ची निवडणूक

प्रति,

निवडणूक निर्णय अधिकारी,

मी, ..... वरील निवडणुकीतील ..... \* चा उमेदवार  
असून, याद्वारे ..... यांची आजपासून वरील निवडणुकीत ..... \* चा  
माझा निवडणूक प्रतिनिधी म्हणून नेमणूक करित आहे.

ठिकाण :

उमेदवाराची सही.

दिनांक :

मी वरील नेमणूक स्वीकारित आहे.

ठिकाण :

दिनांक :

निवडणूक प्रतिनिधीची सही.

मान्य

निवडणूक निर्णय अधिकार्याची सही व शिक्का.

\* या ठिकाणी खालीलपैकी योग्य असेल तो एक पर्याय दाखल करावा :

- (१) ..... मतदारसंघातून लोकसभेची.
- (२) ..... मतदारसंघातून विधानसभेची.
- (३) ..... (राज्य) च्या विधानसभेच्या निर्वाचित सदस्यांद्वारे राज्यसभेची.
- (४) ..... (संघराज्य क्षेत्र) च्या निर्वाचक गणाच्या सदस्यांद्वारे राज्यसभेची.
- (५) विधानसभेच्या सदस्यांद्वारे विधानपरिषदेची.
- (६) ..... मतदारसंघामधून विधानपरिषदेची

## जोडपत्र-८

(प्रकरण सहा, परिच्छेद ६.१.४)

## नमुना ९-निवडणूक प्रतिनिधींची नेमणूक रद्द करणे

## नमुना ९

## निवडणूक प्रतिनिधींची नेमणूक रद्द करणे

[नियम १२ (२) पहा]

\* ..... निवडणूक

प्रति,

निवडणूक निर्णय अधिकारी,

मी, ..... वरील निवडणुकीसाठी उमेदवार असून, याद्वारे, माझे  
निवडणूक प्रतिनिधी ..... यांची नेमणूक रद्द करित आहे.

ठिकाण :

दिनांक :

उमेदवाराची सही

\* या ठिकाणी खालीलपैकी योग्य असेल तो एक पर्याय दाखल करावा :

- (१) ..... मतदारसंघातून लोकसभेची.
- (२) ..... मतदारसंघातून विधानसभेची.
- (३) ..... (राज्य)च्या विधानसभेच्या निर्वाचित सदस्यांद्वारे राज्यसभेची.
- (४) ..... (संघ राज्यक्षेत्र) च्या निर्वाचक गणाच्या सदस्यांद्वारे राज्यसभेची.
- (५) विधानसभेच्या सदस्यांद्वारे विधानपरिषदेची.
- (६) ..... मतदारसंघामधून विधानपरिषदेची.

**जोडपत्र - ९**  
(प्रकरण ७, परिच्छेद ७.२)

**निवडणुकीसंबंधातील अपराध आणि भ्रष्टाचारी प्रथांशी संबंधित कायद्याच्या तरतुदी**

| अ.क्र.                              | अपराधाचे थोडक्यात वर्णन   | कलम/नियम  | प्रकार    | शिक्षा   |
|-------------------------------------|---|---|-----------|--|
| <b>निवडणूक सभांशी संबंधित अपराध</b> |   |   |           |  |
| १                                   | धर्म, वंश, जात, जमात किंवा भाषा या कारणावरून भारतीय नागरिकांमधील विविध वर्गांमध्ये शत्रुत्वाची किंवा विद्वेषाची भावना वाढीस लावणे   | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२५ आणि भारतीय दंड संहिता, कलम १५३अ. | दखलपात्र  | ३ वर्षांचा कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही.   |
| २                                   | मतदान पूर्ण करण्यासाठी निश्चित केलेल्या वेळेपर्यंत पूर्ण होणाऱ्या अट्टेचाळीस तासांच्या कालावधीत जाहीर सभा घेण्यास मनाई :-<br><br>कोणत्याही व्यक्तीला कोणत्याही मतदान क्षेत्रात त्या मतदान क्षेत्रातील कोणत्याही निवडणुकीतील मतदान पूर्ण करण्यासाठी निश्चित केलेल्या वेळेपर्यंत पूर्ण होणाऱ्या अट्टेचाळीस तासांच्या कालावधीत-<br><br>(क) निवडणुकीच्या संबंधात कोणतीही सार्वजनिक सभा घेता येणार नाही, भरवता येणार नाही किंवा अशा सभेला उपस्थित राहता येणार नाही किंवा सभा संबोधित करता येणार नाही ; किंवा<br><br>(ख) जनतेला निवडणूकविषयक कोणत्याही बाबींचे चलचित्र, दूरदर्शन किंवा यांसारख्या इतर साधनांद्वारे प्रदर्शित करता येणार नाही ; किंवा<br><br>(ग) जनतेला आकर्षित करण्यासाठी सभा घेऊन किंवा कोणताही संगीत कार्यक्रम किंवा रंगभूमीवरील प्रयोग अथवा कोणतेही करमणुकीचे वा मनोरंजनाचे कार्यक्रम आयोजित करून किंवा आयोजित करण्याची व्यवस्था करून निवडणूक विषयक कोणत्याही बाबीचा प्रचार करता येणार नाही. | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२६.                                 | अदखलपात्र | २ वर्षांचा कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही.   |
| ३                                   | निवडणूक सभेत व्यत्यय आणण्याच्या उद्देशाने जाहीर सभेतून गैरशिस्तीने वागण्यासाठी इतरांना प्रवृत्त करणे किंवा करवून घेणे.  | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२७.                                 | दखलपात्र  | ६ महिन्यांचा कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही. |
| <b>वाहनांशी संबंधित अपराध</b>       |   |   |           |  |
| १                                   | स्वतः उमेदवार वगळता कोणतीही व्यक्ती त्याच्या कुटुंबातील सदस्य किंवा त्याचा मतदान प्रतिनिधी यांच्या व्यतिरिक्त, कोणत्याही मतदारास, कोणत्याही मतदान केंद्राजवळ येण्या-जाण्यासाठी कोणतेही मोफत वाहन अवैधपणे भाड्याने घेतले असेल किंवा त्याची खरेदी-विक्री केली असेल तर तो अपराध असेल.  | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १३३.                                 | अदखलपात्र | ३ महिन्यांचा कारावास किंवा द्रव्यदंड                 |

| अ.क्र.   | अपराधाचे थोडक्यात वर्णन  | कलम/नियम                                    | प्रकार  | शिक्षा   |
|--|--|---|---|--|
| <b>निवडणुकीच्या कामावरील अधिकारी / व्यक्तींशी संबंधित</b>        |  |   |   |  |
| १  | जो निवडणुकीच्या वेळी मतनोंदणीच्या किंवा मतमोजणीच्या संबंधात काही काम करीत असेल असा प्रत्येक अधिकारी, लिपीक किंवा अन्य व्यक्ती यांना मतदानाची गुप्तता राखावी लागेल, त्याचे उल्लंघन हा अपराध आहे.  | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२८.   | अदखलपात्र   | ३ महिन्यांचा कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही. |
| २  | निवडणुका घेण्याच्या संबंधातील कोणत्याही कर्मचाऱ्याला निवडणूक घेताना ( मतदान करण्याव्यतिरिक्त ) कोणत्याही उमेदवाराच्या निवडणुकीवर अनुकूल परिणाम होईल अशा प्रकारे कोणतीही कृती करता येणार नाही.  | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२८.   | अदखलपात्र   | ६ महिन्यांचा कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही. |
| ३  | निवडणुकीशी संबंधित कोणत्याही कामावर लावलेल्या कोणत्याही व्यक्तीद्वारे, पुरेशा वाजवी कारणांशिवाय अधिकृत कर्तव्यांचा भंग करणे.   | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १३४.   | दखलपात्र  | ₹ ५००/- पर्यंतचा दंड.                                |
| ४  | शासकीय सेवेतील कोणत्याही व्यक्तीने उमेदवाराचा निवडणूक प्रतिनिधी किंवा मतदान प्रतिनिधी या नात्याने निवडणुकीत काम करणे.  | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १३४-क. | अदखलपात्र   | ३ महिन्यांचा कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही. |
| <b>मतदानाच्या दिवशी मतदान केंद्रामध्ये किंवा त्याच्या जवळपास</b> |  |   |   |  |
| १  | मतदानाच्या दिवशी पुढील गोष्टी करण्यास मनाई असेल: (क) मतदान केंद्रामध्ये किंवा जवळ प्रचार करणे ; किंवा (ख) कोणत्याही मतदाराकडे मतासाठी अभियाचना करणे ; किंवा (ग) कोणत्याही विशिष्ट उमेदवाराला निवडणुकीत मत न देण्याविषयी कोणत्याही मतदाराचे मन वळवणे ; किंवा (घ) निवडणुकीत कोणत्याही मतदाराचे मतदान न करण्याविषयी मन वळवणे ; (ङ) निवडणुकीसंबंधीची कोणतीही ( अधिकृत नोटिशी व्यतिरिक्त ) नोटीस किंवा निशाणी प्रदर्शित करणे ;                        | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १३०.   | दखलपात्र  | ₹ २५०/- पर्यंतचा द्रव्यदंड.                          |
| २  | मतदान केंद्रामध्ये किंवा आजूबाजूच्या ठिकाणी गोंधळ घालण्यासाठी किंवा ध्वनीवर्धक, ध्वनीक्षेपक इत्यादींचा वापर करून गैरशिस्तीने वागणाऱ्या कोणत्याही व्यक्तीला अटक केली जाऊ शकते आणि कोणत्याही पोलीस अधिकाऱ्यास असे उपकरण जप्त करता येईल.  | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १३१.   | मतदान केंद्राध्यक्षांच्या आदेशानुसार पोलीस अपराध्यास अटक करू शकतील. | ३ महिन्यांचा कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही. |
| ३  | मतदान केंद्रामध्ये कोणत्याही व्यक्तीद्वारे गैरवर्तन किंवा मतदान केंद्राध्यक्षाद्वारे देण्यात आलेल्या विहित निर्देशांचा आज्ञाभंग केला जात असल्यास तेथे कर्तव्यावर हजर असणाऱ्या कोणत्याही पोलीस अधिकाऱ्याद्वारे संबंधित व्यक्तीला मतदान केंद्राबाहेर काढण्यात येईल. अशा ज्या व्यक्तीस मतदान केंद्राबाहेर काढण्यात आले आहे. त्याने मतदान केंद्राध्यक्षांच्या परवानगीशिवाय मतदान केंद्रामध्ये पुन्हा प्रवेश केल्यास त्याला तात्काळ अटक करण्यात येईल. | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १३२.   | दखलपात्र  | ३ महिन्यांचा कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही. |

| अ.क्र.   | अपराधाचे थोडक्यात वर्णन  | कलम/नियम                                    | प्रकार  | शिक्षा   |
|--|--|---|---|--|
| <b>शस्त्र बाळगण्यास प्रतिबंध</b>                                       |  |   |   |  |
| १  | मतदान केंद्रात ज्यास नियुक्त करण्यात आले आहे असा कोणताही निवडणूक निर्णय अधिकारी, मतदान केंद्राध्यक्ष कोणताही पोलीस अधिकारी यांखेरीज अन्य कोणतीही व्यक्ती मतदान केंद्रात शांतता व सुव्यवस्था राखण्यासाठी, मतदानाच्या दिवशी कोणत्याही प्रकारचे शस्त्र घेऊन जाणार नाही. जर तो तसे करील तर गुन्हा असल्याचे मानण्यात येईल.  | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १३४ ख. | दखलपात्र  | २ महिन्यांचा कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही.   |
| <b>ईव्हीएममध्ये बिघाड करण्यास / मतपत्रिका विरुध्द करण्यास प्रतिबंध</b> |  |   |   |  |
| १  | मतदान केंद्राच्या मतदान केंद्राध्यक्षास, जर कोणतीही व्यक्ती मतपत्रिका किंवा ईव्हीएम यंत्र मतदान केंद्रातून बाहेर नेण्याचा प्रयत्न करित आहे असे सकारण वाटत असेल तर असा अधिकारी तिला अटक करू शकेल किंवा तिला अटक करण्यासाठी कोणत्याही पोलीस अधिकाऱ्याला निदेश देऊ शकेल आणि अशा व्यक्तीची झडती घेऊ शकेल किंवा पोलीस अधिकाऱ्याकरवी झडती घेऊ शकेल.  | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १३५.   | मतदान केंद्राध्यक्षांच्या आदेशानुसार पोलीस अपराध्यास अटक करतील. | १ महिन्याचा कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही.  |
| २  | मतदान केंद्र ताब्यात घेण्याचा अपराध. मतदान केंद्र ताब्यात घेणे यात-<br>१. मतदान प्राधिकाऱ्यांना मतपत्रिका किंवा मतदान यंत्र आपल्या स्वाधीन करण्यास भाग पाडून कोणत्याही व्यक्तीने मतदान केंद्र किंवा मतदानासाठी निश्चित केलेले ठिकाण यांचे अधिग्रहण करणे ;<br>२. किंवा फक्त त्याच्या किंवा त्यांच्या समर्थकांनाच मतदानाचा हक्क बजावण्यास परवानगी देणे आणि इतरांना मतदान करण्यास प्रतिबंध करणे / जबरदस्तीने करवून घेणे ;<br>३. मतमोजणीच्या जागेचे अधिग्रहण करणे, याचा समावेश असेल. | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १३५क.  | दखलपात्र  | जर शासकीय सेवेतील व्यक्तीद्वारे असा अपराध घडला असल्यास ३-५ वर्षांचा कारावास आणि द्रव्यदंड आणि इतरांसाठी १ ते ३ वर्षे आणि द्रव्यदंड.  |
| ३  | जर कोणत्याही व्यक्तीने, निवडणुकीच्या प्रयोजनासाठी असलेली कोणतीही मतपत्रिका किंवा ईव्हीएम किंवा कोणत्याही मतपत्रिकेवरील कार्यालयीन चिन्ह किंवा कोणत्याही मतपेटीमध्ये मतपत्रिकेव्यतिरिक्त कोणतीही वस्तू टाकण्याचा किंवा कोणताही पेपर, पट्टी निवडणूक चिन्हांवर/ नावांवर/ ईव्हीएमच्या मतदान करावयाच्या बटणावर चिटकवण्याचा प्रकार केल्यास तो गुन्हा ठरेल.   | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १३६.   | दखलपात्र  | निवडणूक कर्तव्यावर असलेला कोणताही अधिकारी किंवा लिपीक कर्मचारी यांच्याद्वारे असा अपराध झाला तर २ वर्षे कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही आणि इतरांसाठी ६ महिने कारावास किंवा द्रव्यदंड. |

| अ.क्र.  | अपराधाचे थोडक्यात वर्णन   | कलम/नियम                                   | प्रकार   | शिक्षा  |
|---|---|--|----------|---|
| <b>मतदानाचा अधिकार नाकारण्यास प्रतिबंध</b>                  |   |  |          |   |
| १   | नियोक्त्याने मतदानाच्या दिनांकास मतदान करण्याचा अधिकार असलेल्या कर्मचाऱ्यांना वेतनी सुट्टी न देणे.  | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १३५ख. | अदखलपत्र | ₹ ५००/- पर्यंतचा द्रव्यदंड.                       |
| <b>मतदारांना देण्यात आलेली धमकी / प्रलोभने यांची तपासणी</b> |   |  |          |   |
| १   | जो कोणी अनुसूचित जाती/ अनुसूचित जमातीच्या सदस्याला मतदान न करण्यास किंवा विशिष्ट उमेदवाराला मतदान करण्यास किंवा कायद्याने प्रदान केलेल्या व्यतिरिक्त इतर पद्धतीने मतदान करण्यास धमकावतील तर तो अपराध ठरेल.  | अनुसूचित जाती आणि अनुसूचित जनजाती.         | दखलपत्र  |   |
| २   | <b>लाचलुचपत : ( १ )</b> जो कोणी—<br>(एक) कोणत्याही व्यक्तीला कोणताही निवडणूकविषयक हक्क वापरण्यासाठी तिला किंवा अन्य कोणत्याही व्यक्तीला हक्क वापरण्याबद्दल कोणत्याही व्यक्तीला बक्षिस देण्याच्या हेतूने पारितोषिक देईल ; अथवा<br>(दोन) असा कोणताही हक्क वापरण्याबद्दल अथवा असा कोणताही हक्क वापरण्यासाठी अन्य कोणत्याही व्यक्तीला प्रवृत्त करण्याबद्दल किंवा प्रवृत्त करण्याचा प्रयत्न करण्याबद्दल बक्षिस म्हणून कोणतेही परितोषण स्वतःकरता किंवा अन्य कोणत्याही व्यक्तीकरिता स्वीकारील त्याने लाचलुचपतीचा अपराध केला असे होते; परंतु सार्वजनिक धोरण जाहीर करणे किंवा सार्वजनिक कृतीचे वचन देणे हा या कलमाखाली अपराध असणार नाही.<br>( २ ) जी व्यक्ती एखादे परितोषण देऊ करील किंवा देण्याची कबूल करील अथवा ते मिळवून देण्याची तयारी दर्शवील किंवा तसा प्रयत्न करील त्या व्यक्तीने परितोषण दिल्याचे मानले जाईल.<br>( ३ ) जी व्यक्ती एखादे परितोषण मिळविल किंवा स्वीकारल्याचे कबूल करील किंवा मिळवण्याचा प्रयत्न करील त्या व्यक्तीने परितोषण स्वीकारले त्याचे मानले जाईल आणि जी व्यक्ती आपणास जे करणे उद्देशित नाही त्यासाठी प्रलोभन म्हणून एखादे परितोषण स्वीकारले आहे असे मानले जाईल. | भारतीय दंड संहितेची कलमे १७१ब/१७१ई.        | अदखलपत्र | १ वर्षाचा कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही. |



| अ.क्र. | अपराधाचे थोडक्यात वर्णन   | कलम/नियम                            | प्रकार    | शिक्षा  |
|--------|---|-------------------------------------|-----------|---|
| ३      | <p><b>निवडणुकांमध्ये गैरवाजवी प्रभाव पाडणे.—</b></p> <p>(१) जो कोणी कोणत्याही निवडणुकविषयक हक्काच्या मुक्त वापरास स्वच्छेने अडथळा आणिल किंवा अडथळा आणण्याचा प्रयत्न करील त्याने निवडणुकीत गैरवाजवी प्रभाव पाडण्याचा अपराध केला असे होईल.</p> <p>(२) पोट-कलम (१) च्या तरतुदीच्या व्यापकतेला बाधा न येता जो कोणी—</p> <p>(अ) कोणत्याही उमेदवाराला किंवा मतदाराला अथवा उमेदवार किंवा मतदार ज्याच्याशी हितसंबंधित आहे अशा कोणत्याही व्यक्तीला, कोणत्याही प्रकारची क्षती पोचवण्याची धमकी देईल; अथवा</p> <p>(ब) उमेदवाराला किंवा मतदाराला तो किंवा ज्याच्याशी तो हितसंबंधित आहे अशी कोणतीही व्यक्ती दैवी प्रकोपाचा किंवा अध्यात्मिक आनंदाचा विषय होईल किंवा करण्यात येईल असा समज करून घेण्यास प्रवृत्त करण्याचा प्रयत्न करील. तो अशा उमेदवाराच्या किंवा मतदाराच्या निवडणुकविषयक हक्काच्या मुक्त वापरास पोट-कलम(१) च्या अर्थानुसार अडथळा आणतो असे मानले जाईल.</p> <p>(३) सार्वजनिक जाहीर करणे किंवा लोकोपयोगी कारवाईचे वचन देणे किंवा निवडणूक हक्कास अडथळा आणण्याचा उद्देश नसताना वैध हक्काचा नुसता वापर करणे हा या कलमाच्या अर्थातर्गत अडथळा असल्याचे मानले जाणार नाही.</p> | भारतीय दंड संहितेची कलमे १७१क/१७१फ. | अदखलपात्र | १ वर्षाचा कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही. |
| ४      | <p><b>निवडणुकांमध्ये तोतयेगिरी करणे.—</b></p> <p>जो कोणी अन्य कोणत्याही व्यक्तीच्या नावाने, मग ती हयात असो वा मृत असो किंवा कल्पित नावाने निवडणुकीमध्ये मतपत्रिका मागतो किंवा मतदान करतो अथवा अशा निवडणुकीत एकदा मतदान केले असता जो त्याच निवडणुकीत स्वतःच्या नावाने मतपत्रिका मागतो आणि जो कोणी कोणत्याही व्यक्तीकडून अशा प्रकारे मतदान होण्यास अपप्रेरणा देतो किंवा तसे योजून आणतो किंवा योजून आणण्याचा प्रयत्न करतो त्याने निवडणुकीत तोतयेगिरी करण्याचा अपराध केला असे ठरेल.</p> <p>परंतू असे की, या कलमातील कोणतीही गोष्ट कोणत्याही कायदानुसार ज्याला मतदाराचा बदली मतदार म्हणून मतदान करण्याचा अधिकार जोवर देण्यात आला आहे, तोवर तो अशा मतदाराचा बदली मतदार म्हणून मतदान करील त्यास लागू होणार नाही.</p>   | भारतीय दंड संहितेची कलमे १७१ड/१७१फ. | दखलपात्र  | १ वर्षाचा कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही. |

| अ.क्र. | अपराधाचे थोडक्यात वर्णन  | कलम/नियम                                   | प्रकार    | शिक्षा   |
|--------|--|--|-----------|--|
| ५      | निवडणुकीच्या निकालावर परिणाम करण्याच्या उद्देशाने जो कोणी, कोणत्याही उमेदवाराचे व्यक्तिगत चारित्र्य किंवा वर्तन या संबधात वस्तुस्थिती दर्शक जे कथन करील ते खोटे असल्यास, असे कोणतेही कथन करील किंवा प्रकाशित करील त्याला गुन्हा समजण्यात येईल.   | भारतीय दंड संहितेचे कलमे १७१ग.             | अदखलपात्र | द्रव्यदंड  |
| ६      | उमेदवारांकडून सर्वसाधारण किंवा विशेष लेखी प्राधिकार नसताना जो कोणी, अशा उमेदवाराच्या निवडणुकीला चालना देण्याकरिता किंवा त्यास निवडून आणण्याकरिता कोणतीही सार्वजनिक सभा भरविण्यासाठी अथवा कोणतीही जाहिरात, परिपत्रक किंवा प्रकाशन यावर अथवा अन्य कोणत्याही प्रकारे खर्च करील:<br>परंतु, जर कोणत्याही व्यक्तीने प्राधिकार नसताना, दहा रुपयांपेक्षा अधिक नसेल इतकी रक्कम अशा रीतीने खर्च करण्याच्या दिनांकापासून दहा दिवसांच्या आत, या खर्चासाठी उमेदवाराची लेखी मान्यता मिळावली तर असा खर्च उमेदवाराच्या प्राधिकाराने केला असल्याचे समजण्यात येईल.   | भारतीय दंड संहितेचे कलमे १७१ह.             | अदखलपात्र | पाचशे रुपयांपर्यंत वाढविता येईल इतक्या द्रव्यदंडाची शिक्षा होईल. |
| ७      | <b>वर्गावर्गामध्ये शत्रुत्व, द्वेषभाव किंवा दुष्टावा निर्माण करणारी किंवा त्यास प्रोत्साहन देणारी विधाने.-</b><br>जो कोणी, अफवा किंवा भयप्रद वृत्त अंतर्भूत असलेली कोणतीही विधाने किंवा अहवाल करील, प्रसिद्ध करील किंवा प्रसृत करील आणि धर्म, वंश, जन्मस्थान, निवासस्थान, भाषा, जात किंवा समाज या कारणावरून किंवा इतर कोणत्याही कारणावरून निरनिराळे धार्मिक, वांशिक, भाषिक किंवा प्रादेशिक गट किंवा जाती किंवा समाज यांच्यामध्ये शत्रुत्वाची किंवा द्वेषाची भावना किंवा दुर्भावना निर्माण करण्याचा किंवा तिला प्रोत्साहन देण्याचा त्यामागे उद्देश असेल अथवा त्यामुळे अशी शत्रुत्वाची किंवा द्वेषाची भावना किंवा दुष्टावा निर्माण होण्याची शक्यता असेल तर त्याला, तीन वर्षांपर्यंत असू शकेल इतक्या कारावासाची किंवा द्रव्यदंडाची किंवा अशा दोन्ही शिक्षा होतील. | भारतीय दंड संहितेचे कलम ५०५(२).            | दखलपात्र  | पाच वर्षांपर्यंतचा कारावास आणि द्रव्यदंड.                        |
| ८      | खोटी शपथपत्रे दाखल करणे किंवा उमेदवाराद्वारे भरण्यात आलेल्या शपथपत्रामध्ये कोणतीही माहिती लपविणे.  | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२५क. | अदखलपात्र | सहा महिन्यांचा कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही.           |

| अ.क्र.  | अपराधाचे थोडक्यात वर्णन   | कलम/नियम                                      | प्रकार    | शिक्षा   |
|---|---|---|-----------|--|
| ९   | मतदार यादी तयार करणे, पुनःरिक्षण करणे कंवा दुरुस्त करणे किंवा मतदार यादीतील किंवा त्यामधून कोणतीही नोंद समाविष्ट करणे किंवा वगळणे या संदर्भातील खोटे घोषणापत्र  | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ३१.      | अदखलपात्र | १ वर्षाचा कारावास किंवा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही.                                  |
| <b>कर्तव्यावरील लोकसेवकास इजा पोचविण्यास प्रतिबंध</b>                 |   |   |           |  |
| १   | जो कोणी स्वेच्छेने कर्तव्यावर असणाऱ्या लोकसेवकावर त्याचे कर्तव्य बजावण्यापासून परावृत्त करण्यासाठी सामान्य किंवा गंभीर दुखापत किंवा हल्ला करणे.   | भारतीय दंड संहितेची कलम ३३२/३३३/३५३.          | दखलपात्र  | २ ते १० वर्षांपर्यंतचा कारावास आणि द्रव्यदंड                                       |
| <b>पत्रके/ भिक्तीपत्रके/ हस्तपत्रके/ घोषणाफलक यांच्याशी संबंधित :</b> |   |   |           |  |
| १   | जो कोणी, निवडणूक पत्रके, भिक्तीपत्रके, हस्तपत्रके आणि घोषणाफलक छापत असेल किंवा प्रकाशित करित असेल त्याने त्यांच्या मुखपृष्ठावर मुद्रक आणि प्रकाशक यांचे नाव आणि पत्ता न छापणे हा अपराध असेल.  | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२७क.    | अदखलपात्र | सहा महिन्यांपर्यंतचा कारावास किंवा २०००/- रुपयांपर्यंतचा द्रव्यदंड किंवा दोन्हीही. |
| <b>भ्रष्टाचारी प्रथा :</b>  |   |   |           |  |
| १   | <b>लाचलुचपत.-</b><br>(क) उमेदवाराने किंवा त्याच्या प्रतिनिधीने अथवा उमेदवाराच्या किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीच्या संमतीने अन्य कोणत्याही व्यक्तीने, दुसऱ्या कोणत्याही व्यक्तीला-<br><br>(क) निवडणुकीचा उमेदवार म्हणून उभे राहण्यास किंवा न राहण्यास किंवा (उमेदवार म्हणून नाव मागे घेण्यास किंवा न घेण्यास),<br>अथवा<br>(ख) निवडणुकीच्या वेळी एखाद्या मतदाराला मत देण्यास किंवा मतदान न करण्यास प्रत्यक्षपणे किंवा अप्रत्यक्षपणे प्रवृत्त करण्याच्या हेतूने-<br>(एक) अशारीतीने उमेदवार म्हणून उभे राहिल्याबद्दल किंवा न राहिल्याबद्दल किंवा ( आपली उमेदवारी मागे घेतल्याबद्दल किंवा मागे न घेतल्याबद्दल ) एखाद्या व्यक्तीला किंवा<br>(दोन) मतदान केल्याबद्दल किंवा मतदान करण्यापासून परावृत्त केल्याबद्दल मतदारास;<br>(ख) मतदाराला कोणतीही भेटवस्तू देणे, देऊ करणे, अभिवचन देणे ; | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२३((१). |           | उच्च न्यायालयासमोरील निवडणूक याचिकेत भ्रष्टाचारी प्रथांचा निषेध केला जाऊ शकतो.     |

| अ.क्र. | अपराधाचे थोडक्यात वर्णन  | कलम/नियम                                     | प्रकार | शिक्षा   |
|--------|--|--|--------|--|
|        | <p>(क) उमेदवार म्हणून उभे राहण्याबद्दल किंवा उभे न राहण्याबद्दल किंवा ( आपली उमेदवारी मागे घेण्याबद्दल किंवा न घेण्याबद्दल ) एखाद्या व्यक्तीने बक्षीस देणे, देवू करणे किंवा तसे अभिवचन देणे, -</p> <p>(ख) एखाद्या व्यक्तीने स्वतः किंवा अन्य कोणत्याही व्यक्तीने मतदान करण्याबद्दल किंवा न करण्याबद्दल किंवा एखाद्या मतदाराला मत देण्यास किंवा देण्यास नाकारल्यास किंवा उमेदवाराला त्याची उमेदवारी ( मागे घेण्यास किंवा न घेण्यास ) प्रवृत्त करण्याबद्दल प्रलोभन किंवा बक्षीस म्हणून एखादे पारितोषक घेणे किंवा घेण्याचा करार करणे.</p>   |  |        |  |
| २      | <p><b>गैरवाजवी दडपणे.-</b></p> <p>एखाद्या उमेदवाराने किंवा त्याच्या प्रतिनिधीने अथवा ( उमेदवाराच्या किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीच्या संमतीने ) अन्य कोणत्याही व्यक्तीने, कोणत्याही निवडणूक विषयक अधिकाराच्या मुक्त वापरामध्ये प्रत्यक्षपणे किंवा अप्रत्यक्षपणे हस्तक्षेप करणे किंवा हस्तक्षेप करण्याचा प्रयत्न करणे:</p> <p>(क) या खंडातील तरतुदींच्या व्यापकतेला बाधा न येता, त्यामध्ये निर्देशिल्याप्रमाणे अशी जी कोणतीही व्यक्ती, -</p> <p>(एक) कोणत्याही उमेदवाराला किंवा कोणत्याही मतदाराला किंवा ज्या व्यक्तीशी उमेदवाराचा किंवा मतदाराचा हितसंबंध आहे अशा व्यक्तीला सामाजिक बहिष्कार तसेच जातीबहिष्कार किंवा कोणत्याही जातीतून किंवा समाजातून वाळीत टाकणे यांसह अशा कोणत्याही प्रकारची क्षती पोहोचवण्याची धमकी देईल; किंवा</p> <p>(दोन) उमेदवाराला किंवा कोणत्याही मतदाराला तो स्वतः किंवा ज्याच्याशी त्याचा हितसंबंध आहे अशी अन्य व्यक्ती दैवी अवकृपेचा किंवा धार्मिक रोषाचा बळी होईल किंवा केला जाईल असे समजण्यास प्रवृत्त करील किंवा प्रवृत्त करण्याचा प्रयत्न करील, ती व्यक्ती, या खंडाच्या अर्थानुसार अशा उमेदवाराच्या किंवा मतदाराच्या निवडणूकविषयक अधिकाराच्या वापरामध्ये हस्तक्षेप करित असल्याचे समजण्यात येईल.</p> <p>(ख) सार्वजनिक धोरणाची घोषणा किंवा सार्वजनिक कार्य करण्याचे वचन किंवा निवडणूकविषयक अधिकारांमध्ये हस्तक्षेप करण्याचा उद्देश नसताना केवळ वैध अधिकाराचा वापर हा, या खंडाचा अर्थातर्गत हस्तक्षेप असल्याचे मानले जाणार नाही.</p> | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२३(२). |        | उच्च न्यायालयासमोरील निवडणूक याचिकेत भ्रष्टाचारी प्रथांचा निषेध केला जाऊ शकतो. |

| अ.क्र. | अपराधाचे थोडक्यात वर्णन  | कलम/नियम                                      | प्रकार | शिक्षा   |
|--------|--|---|--------|--|
| ३      | उमेदवाराने किंवा त्याच्या प्रतिनिधीने अथवा उमेदवाराच्या किंवा त्याच्या मतदान प्रतिनिधीच्या संमतीने अन्य कोणत्याही व्यक्तीने, त्या उमेदवाराच्या निवडणुकीवर अनुकूल परिणाम करण्यासाठी किंवा कोणत्याही उमेदवाराच्या निवडणुकीवर प्रतिकूल परिणाम करण्यासाठी एखाद्या व्यक्तीला तिचा धर्म, वंश, जात, जमात किंवा भाषा किंवा धार्मिक प्रतीकांचा वापर किंवा त्यांना आवाहन अगर राष्ट्रध्वज किंवा राष्ट्रचिन्ह यांसारख्या राष्ट्रीय प्रतीकांचा वापर त्यांना आवाहन करण्याच्या कारणावरून मतदान करण्याचे आवाहन करणे किंवा मतदान करण्यास परावृत्त करणे. | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२३(३).  |        | उच्च न्यायालयासमोरील निवडणूक याचिकेत भ्रष्टाचारी प्रथांचा निषेध केला जाऊ शकतो. |
| ४      | उमेदवाराने किंवा त्याच्या प्रतिनिधीने अथवा उमेदवाराच्या किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीच्या संमतीने अन्य कोणत्याही व्यक्तीने त्या उमेदवाराच्या निवडणुकीवर अनुकूल परिणाम करण्यासाठी किंवा कोणत्याही उमेदवाराच्या निवडणुकीवर प्रतिकूल परिणाम करण्यासाठी धर्म, वंश, जात, जमात किंवा भाषा या कारणांवरून भारतीय नागरिकांच्या निरनिराळ्या वर्गांमध्ये आपापसात शत्रुत्वाची किंवा विद्वेषाची भावना वाढीस लावण्याचा प्रयत्न करणे.  | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२३(३क). |        |  |
| ५      | उमेदवाराने किंवा त्याच्या प्रतिनिधीने अथवा उमेदवाराच्या किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधींच्या संमतीने अन्य कोणत्याही व्यक्तीने त्या उमेदवाराच्या निवडणुकीवर अनुकूल परिणाम करण्यासाठी किंवा कोणत्याही उमेदवाराच्या निवडणुकीवर प्रतिकूल परिणाम करण्यासाठी, सतीची प्रथा किंवा सती जाणे या प्रथेचा प्रचार करणे किंवा तिचे उदात्तीकरण करणे.   | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२३(३ख). |        | उच्च न्यायालयासमोरील निवडणूक याचिकेत भ्रष्टाचारी प्रथांचा निषेध केला जाऊ शकतो. |
| ६      | उमेदवाराने किंवा त्याच्या प्रतिनिधीने अथवा (उमेदवाराच्या किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधींच्या संमतीने) अन्य कोणत्याही व्यक्तीने, कोणत्याही उमेदवाराचे व्यक्तीगत चारित्र्य किंवा वर्तणूक या संबंधातील अथवा त्याच्या उमेदवारीच्या किंवा उमेदवारी मागे घेण्याच्या संबंधातील कोणतेही तथ्यविषयक कथन खोटे असेल किंवा जे एकतर खोटे आहे असे त्याला वाटत असेल किंवा जे खरे नाही असे त्याला वाटत असेल व ज्यामुळे या उमेदवाराच्या निवडणुकीवर प्रतिकूल परिणाम होण्यासारखा आहे असे वाटण्यास पुरेसे कारण असेल असे तथ्यविषयक कथन प्रकाशित करणे.      | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२३(४).  |        |  |

| अ.क्र. | अपराधाचे थोडक्यात वर्णन   | कलम/नियम                                     | प्रकार | शिक्षा   |
|--------|---|--|--------|--|
| ७      | उमेदवाराने किंवा त्याच्या प्रतिनिधीने अथवा (उमेदवाराच्या किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधींच्या संमतीने) अन्य कोणत्याही व्यक्तीने पैसे देऊन किंवा अन्यथा वाहन किंवा जलमान भाड्याने घेणे किंवा मिळवणे अथवा कोणत्याही मतदाराला (उमेदवार, त्याचे कुटुंबीय किंवा त्याच्या प्रतिनिधी यांच्या व्यतिरिक्त) मतदानासाठी कलम २५ खाली व्यवस्था केलेल्या मतदान केंद्रावर किंवा कलम २९ च्या पोट-कलम (१) खाली मतदानासाठी निश्चित केलेल्या ठिकाणी (विनाशुल्क नेण्यासाठी किंवा तेथून परत आणण्यासाठी) अशा वाहनांचा किंवा जलयानाचा वापर करणे.  | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२३(५). |        |  |
| ८      | कलम ७७ चे व्यतिक्रमण करून खर्च करणे किंवा तो प्राधिकृत करणे   | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२३(६). |        |  |
| ९      | उमेदवाराने किंवा त्याच्या प्रतिनिधीने अथवा उमेदवाराच्या किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधींच्या संमतीने अन्य कोणत्याही व्यक्तीने त्या उमेदवाराच्या निवडणुकीवर अनुकूल परिणाम करण्यासाठी शासनाच्या सेवेतील आणि पुढील प्रवर्गापैकी कोणत्याही व्यक्तीकडून (मतदानाव्यतिरिक्त) कोणतेही सहाय्य घेणे किंवा मिळवणे अथवा घेण्याच्या किंवा मिळवण्यासाठी अपप्रेरणा देणे किंवा तसा प्रयत्न करणे, ते प्रवर्ग असे :-<br>(क) राजपत्रित अधिकारी;<br>(ख) वृत्तिधारी न्यायाधिश व दंडाधिकारी ;<br>(ग) संघराज्याच्या सशस्त्र सेनेचे सदस्य ;<br>(घ) पोलीस दलाचे सदस्य ;<br>(ङ) उत्पादन शुल्क अधिकारी ;<br>(च) जमीन महसूल गोळा करणे हे ज्याचे कर्तव्य असते आणि त्यांनी गोळा केलेल्या जमीन महसुलाच्या रकमेचा भाग किंवा अडत या स्वरूपात जे पारिश्रमिक घेतात मात्र ज्यांना पोलीसांची कामे करावी लागत नाहीत असे लंबरदार , मालगुजार, पटेल, देशमुख किंवा अन्य कोणत्याही नावाने ओळखल्या जाणाऱ्या ग्रामीण महसूल अधिकाऱ्यांव्यतिरिक्त अन्य महसूल अधिकारी ; आणि<br>(छ) विहित करण्यात येईल असा शासकीय सेवेतील अन्य व्यक्तीवर्ग. | लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२३(७). |        | उच्च न्यायालयासमोरील निवडणूक याचिकेत भ्रष्टाचारी प्रथांचा निषेध केला जाऊ शकतो. |

| अ.क्र. | अपराधाचे थोडक्यात वर्णन  | कलम/नियम  | प्रकार | शिक्षा  |
|--------|--|---|--------|---|
| १०     | <p>उमेदवाराने किंवा त्याच्या प्रतिनिधीने किंवा इतर व्यक्तीने मतदान केंद्र ताब्यात घेणे.</p> <p>(१) या कलमामधील "प्रतिनिधी" या शब्दप्रयोगामध्ये निवडणूक प्रतिनिधी, मतदान प्रतिनिधी आणि उमेदवाराच्या संमतीने निवडणुकीच्या संबंधात ज्या व्यक्तीने प्रतिनिधी म्हणून काम केले आहे, अशी कोणतीही व्यक्ती यांचा समावेश असेल.</p> <p>(२) खंड (७) च्या प्रयोजनार्थ, एखादी व्यक्ती, एखाद्या उमेदवाराचा निवडणूक प्रतिनिधी म्हणून काम करीत असल्यास, ती व्यक्ती त्या उमेदवाराच्या निवडणुकीवर अनुकूल परिणाम करण्यासाठी सहाय्य करीत असल्याचे समजण्यात येईल.</p> <p>(३) खंड (७) च्या प्रयोजनार्थ, अन्य कोणत्याही कायद्यात काहीही अंतर्भूत असले तरी, केंद्र शासनाच्या सेवेत असलेल्या (एखाद्या संघराज्य क्षेत्राच्या प्रशासनाच्या संबंधात सेवा करणारी व्यक्ती धरून) किंवा एखाद्या राज्य शासनाच्या सेवेत असलेल्या व्यक्तीची नियुक्ती, राजीनामा, सेवासमाप्ती, बडतर्फी किंवा तिला सेवेतून दूर करणे यासंबंधी <b>शासकीय राजपत्रात</b> देण्यात आलेली प्रसिध्दी असेल हा पुढील गोष्टींचा निर्णायक पुरावा असेल—</p> <p>(एक) अशा व्यक्तीची नियुक्ती, राजीनामा, सेवासमाप्ती, बडतर्फी किंवा यथास्थिती तिला सेवेतून दूर करण्यात आल्याचा पुरावा आणि</p> <p>(दोन) अशी नियुक्ती, राजीनामा, सेवासमाप्ती, बडतर्फी किंवा यथास्थिती, तिला त्याप्रमाणे सेवेतून दूर केले जाणे ही घटना ज्या दिनांकापासून अंमलात येईल तो दिनांक अशा प्रकाशनामध्ये नमूद केलेला असेल तर, अशी व्यक्ती उक्त दिनांकास व तेव्हापासून नियुक्त करण्यात आली असेल अथवा तसेच राजीनामा, सेवासमाप्ती, बडतर्फी किंवा तिला सेवेतून दूर करणे यांच्या बाबतीत अशी व्यक्ती उक्त दिनांक व तेव्हापासून अशा सेवेत असण्याचे बंद झाले होते या गोष्टीचाही तो निर्णायक पुरावा असेल.</p> <p>(४) खंड (८) च्या प्रयोजनार्थ, "मतदान केंद्र ताब्यात घेणे" यास उपरोक्त नमूद केले असेल त्याप्रमाणे कलम १३५ क मध्ये जो अर्थ असेल तोच अर्थ असेल.</p> | <p>लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२३(८).</p> |        | <p>उच्च न्यायालयासमोरील निवडणूक याचिकेत भ्रष्टाचारी प्रथांचा निषेध केला जाऊ शकतो.</p> |



## जोडपत्र १०

(प्रकरण ४, परिच्छेद ४.१ .१ पहा)

## राजकीय पक्ष आणि उमेदवार यांच्यासाठी आदर्श आचारसंहिता

## एक. सर्वसाधारण वर्तणूक

- (१) कोणताही पक्ष किंवा उमेदवार, ज्यामुळे विद्यमान मतभेद विकोपास जातील किंवा परस्परात द्वेष निर्माण होईल किंवा भिन्नभिन्न जाती व समाज, धार्मिक वा भाषिक यांच्यामध्ये तणाव उत्पन्न होईल असे कोणतेही कार्य करणार नाही.
- (२) अन्य राजकीय पक्षांवर टीका करण्यात येईल, तेव्हा ती त्याची धोरणे व कार्यक्रम, त्यांच्या पूर्वोतिहास आणि कार्य यापुरती मर्यादित असेल. पक्ष व उमेदवार हे दुसऱ्या पक्षांचे नेते किंवा कार्यकर्ते यांच्या सार्वजनिक कार्याशी संबंधित नसलेल्या खाजगी आयुष्याच्या कोणत्याही पैलूवर टीका करण्याचे टाळतील. शहानिशा न करताच घेतलेले आळ किंवा विपर्यास यांचा आधार घेऊन दुसऱ्या पक्षांवर किंवा त्यांच्या कार्यकर्त्यांवर टीका करण्याचे टाळण्यात येईल.
- (३) मते मिळविण्यासाठी जातीला किंवा जातीय भावनांना आवाहन करण्यात येणार नाही. निवडणूक प्रचाराचे व्यासपीठ म्हणून मशिदी चर्च, देवळे किंवा इतर उपासनास्थाने यांचा वापर केला जाणार नाही.
- (४) मतदारांना लाच देणे, मतदाराना धाकदपटशा दाखवणे, उमेदवाराची तोतयेगिरी करणे, मतदान केंद्रापासून १०० मीटर अंतराच्या आत प्रचार करणे, मतदान समाप्तीसाठी निश्चित केलेल्या वेळेबरोबर संपणाऱ्या ४८ तासांच्या कालावधीत जाहीर सभा घेणे आणि मतदारांना मतदान केंद्रावर ने-आण करणे यांसारखी, निवडणूक कायदानुसार भ्रष्टाचार व अपराध असलेली सर्व कामे करण्याचे सर्व पक्ष व उमेदवार कटाक्षाने टाळतील.
- (५) राजकीय पक्षांना किंवा उमेदवारांना व्यक्तीच्या राजकीय मतांचा किंवा कामांचा कितीही राग असला तरी शांततापूर्ण आणि निर्वेध असे गृहजीवन जगण्याचा प्रत्येक व्यक्तीच्या अधिकाराचा मान राखण्यात येईल. व्यक्तीच्या मतांबद्दल किंवा कामांबद्दल निषेध व्यक्त करण्यासाठी त्यांच्या घरांसमोर निदर्शने किंवा धरणे आयोजित करण्याचा मार्ग कोणत्याही परिस्थितीत अवलंबण्यात येणार नाही.
- (६) कोणताही राजकीय पक्ष किंवा उमेदवार त्याच्या अनुयायांना, ध्वजदंड उभारण्यासाठी, निशाण लावणे, नोटीसा चिकटवणे, घोषणा लिहीणे इत्यादीसाठी कोणत्याही व्यक्तीची जमीन, इमारत, कुंपन, भिंत इत्यादी तिच्या परवानगीवाचून वापरण्याची अनुज्ञा देणार नाही.
- (७) राजकीय पक्ष आणि उमेदवार, हे त्याचे अनुयायी दुसऱ्या पक्षांनी आयोजित केलेल्या सभामध्ये व मिरवणुकांमध्ये अडथळा निर्माण करत नसल्याची किंवा त्या उधळून लावत नसल्याची खातरजमा करून घेतील. एका राजकीय पक्षाचे कार्यकर्ते किंवा हितचिंतक हे, दुसऱ्या राजकीय पक्षाने आयोजिलेल्या सार्वजनिक सभामध्ये तोंडी वा लेखी प्रश्न विचारून किंवा त्यांच्या स्वतःच्या पक्षाची पत्रके वाटून अडथळे आणणार नाहीत. एखाद्या पक्षाच्या सभा जेथे चालू असतील त्या ठिकाणाजवळून दुसरा पक्ष मिरवणुका नेणार नाही. एका पक्षाने लावलेली भित्तिपत्रके दुसऱ्या पक्षाचे कार्यकर्ते काढणार नाहीत.

## दोन. कल्याणकारी योजना आणि शासकीय कामे यांबाबत :

१. ज्यायोगे मतदार सत्ताधारी पक्षाच्या बाजूने झुकेल आणि मतदान करील अशाप्रकारे नवीन प्रकल्प वा कार्यक्रम किंवा कोणत्याही स्वरूपातील सवलती व वित्तीय अनुदाने देण्याबाबत घोषणा करण्यास किंवा त्यांबाबत वचने देण्यास अथवा कोनशिला बसविणे, यांसारखे कार्यक्रम पार पाडण्यास मनाई करण्यास येत आहे.
२. हे निर्बंध, नवीन योजना आणि चालू असलेल्या योजना यांना सारखेच लागू असतील परंतु याचा अर्थ असा होत नाही की, ज्या राष्ट्रीय, प्रादेशिक व राज्य परिसेवा योजना अगोदरच पूर्णत्वास आणण्यात आल्या आहेत जनहिताच्या दृष्टीने त्यांचा वापर किंवा त्या चालू करणे थांबवण्यात यावे किंवा त्यासाठी विलंब करावा. आदर्श आचार संहिता लागू केल्यामुळे या योजना राबविण्यात आल्या नाहीत किंवा त्या तशाच पडून राहिल्या असे कारण देता येणार

नाही. त्याचप्रमाणे, या योजना नागरी प्राधिकरणाकडून राजकीय कार्यकर्त्यांना सहभागी करून न घेता आणि कोणताही गाजावाजा न करता किंवा समारंभ जो कोणताही असेल तो न करता राबविण्यात येत असल्याबद्दल खात्री करणेदेखील आवश्यक आहे. त्यामुळे सत्ताधारी पक्षाच्या बाजूने मतदारांना वळविण्यात येत आहे, या हेतूने या योजना राबविण्यात येत आहेत, असा अभिप्राय देण्यात येणार नाही किंवा तसा समज करून दिला जाणार नाही. याबाबत कोणतीही शंका असल्यास, मुख्य निवडणूक अधिकारी/भारताचा निवडणूक आयोग यांच्याकडून त्याबाबत स्पष्टीकरण मागविण्यात यावे.

३. आणखी असेही स्पष्ट करण्यात येते की, एखाद्या विशिष्ट योजनेकरिता अर्थसंकल्पीय तरतूद करण्यात आली आहे किंवा त्या योजनेला अगोदरच मंजुरी मिळालेली आहे किंवा राज्यपालांच्या अभिभाषणामध्ये अथवा मंत्र्यांच्या अर्थसंकल्पीय भाषणामध्ये त्या योजनेचा निर्देश करण्यात आला होता. यावरून निवडणुका जाहीर झाल्यानंतर, आदर्श आचारसंहिता लागू केली असताना त्या योजनेची घोषणा करता येईल अथवा शुभारंभ करता येईल अथवा हाती घेता येईल असा आपोआप अर्थ काढता येणार नाही. कारण त्यातून मतदारांना आपल्याकडे वळवण्यात येत असल्याचा हेतू स्पष्टपणे दिसून येईल अशी कृती करण्यात आली तर, त्यामुळे आदर्श आचारसंहितेचा भंग झाल्याचे मानण्यात येईल.
४. कोणत्याही नवीन शासकीय योजनांना मंजुरी देण्यात येणार नाही. राजकीय पदाधिकारी ( मंत्री इत्यादी मार्फत पाहणी आणि लाभाभिमुख योजनांचे कामकाज, चालू असले तरी ते, निवडणुका होईपर्यंत थांबवण्यात यावे, जेथे निवडणुका घेतल्या जात असतील अशा राज्याच्या कोणत्याही भागात, आयोगाच्या पूर्व परवानगीशिवाय, कल्याणकारी योजना व कामे याकरिता कोणताही नवीन निधी देण्यात येऊ नये अथवा कामांसाठीचे कंत्राट देण्यात येऊ नये. संसद सदस्य ( राज्यसभा सदस्यांसह ) स्थानिक क्षेत्र विकास निधी किंवा विधानसभा/विधानपरिषद सदस्य ( आमदार ) स्थानिक क्षेत्र विकास निधी यासारखी कोणतीही योजना राज्यात अंमलात असेल तर, या कामांमध्ये या योजनेखालील कामांचा समावेश होतो.
५. ज्या कामाच्या बाबतीत आदर्श आचारसंहिता लागू होण्यापूर्वी कायदेशि काढण्यात आला असेल आणि ते प्रत्यक्षात कार्यक्षेत्रांमध्ये सुरू करण्यात आले नसेल तर, ते चालू करता येणार नाही. ही कामे, निवडणूक प्रक्रिया पूर्ण झाल्यावरच सुरू करता येतील. असे असले तरी, एखाद्या कामास प्रत्यक्ष सुरुवात करण्यात आली असेल तर ते चालू ठेवता येईल.
६. संबंधित अधिकाऱ्यांची पूर्ण खात्री होण्यास अधीन राहून पूर्ण केलेल्या कामासाठी ( कामांसाठी ) प्रदान करण्यास कोणतीही बंदी असणार नाही.
७. अवर्षण, पूर, प्राणघातक साथीचे रोग, अन्य नैसर्गिक आपत्ती अशा समस्यांनी ग्रस्त लोकांना सहाय्य देणे यासारखी आपत्कालीन वा अकल्पित परिस्थिती हाताळण्यासाठी किंवा वृद्ध, अपंग, इत्यादींसाठी कल्याणकारी उपाययोजना म्हणून हाती घेण्यात आलेल्या योजनांना मान्यता देण्यास आयोग नकार देणार नाही. तथापि, याबाबतीत आयोगाची पूर्वपरवानगी घेणे आवश्यक असून भपकेबाज कार्यक्रम कटाक्षाने टाळले गेले पाहिजेत. त्याचप्रमाणे सत्ताधारी पक्षाच्या बाजूने मतदार झुकावेत याकरिता या कल्याणकारी योजना किंवा मदत व पुनर्वसनाची कामे सत्ताधारी पक्षाकडून हाती घेण्यास येत आहेत, अशी प्रतिक्रिया उमटवू देऊ नये किंवा असा समज निर्माण करण्याची संधी देऊ नये. याचा इतर पक्षांच्या भवितव्यावर प्रतिकूल परिणाम होईल.

### तीन. कर्मचारीवर्गाच्या बदल्या व पदस्थापना यांच्याबाबत :-

निवडणूक आयोगाकडून असा निर्देश देण्यात येत आहे की, निवडणुका घेण्याशी संबंधित सर्व अधिकारी/कर्मचारी यांची बदली करण्यास पूर्णपणे बंदी असेल. या बाबीमध्ये पुढील अधिकारी/कर्मचारी यांचा समावेश होतो, परंतु, ती त्यांच्यापुरती मर्यादित नाही :-

- (१) मुख्य निवडणूक अधिकारी आणि अतिरिक्त/सह/उप मुख्य निवडणूक अधिकारी;
- (२) विभागीय आयुक्त;

- (३) जिल्हा निवडणूक अधिकारी, निवडणूक निर्णय अधिकारी, सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी आणि निवडणूका घेण्याशी संबंधित अन्य महसूल अधिकारी;
- (४) पोलीस विभागातील निवडणूकीच्या व्यवस्थापनाशी संबंधित अधिकारी, जसे पोलीस महानिरीक्षक व पोलीस उप महानिरीक्षक, वरिष्ठ पोलीस अधीक्षक व पोलीस अधीक्षक, उप-विभागीयस्तरावरील पोलीस अधिकारी, जसे पोलीस उप अधीक्षक आणि लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम २८-क अन्वये आयोगाने प्रतिनियुक्त केलेले अन्य पोलीस अधिकारी;
- (५) क्षेत्र व परिमंडल (झोनल) अधिकाऱ्याप्रमाणे, परिवहन कक्ष इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र कक्ष, मतदान सामग्री खरेदी व वितरण कक्ष, प्रशिक्षण कक्ष मुद्रण कक्ष इत्यादींसारख्या निवडणूकविषयक कामावर नियुक्त केलेले इतर अधिकारी; राज्यामध्ये निवडणूकीच्या व्यवस्थापनामध्ये महत्त्वाची भूमिका बजावणारे वरिष्ठ अधिकारीही या निदेशनाच्या कक्षेत येतात.
- (६) निवडणूकीच्या घोषणेच्या दिनांकापूर्वी काढलेले, परंतु आदर्श आचारसंहिता अंमलात येईपर्यंत अंमलबजावणी न केलेले, उपरोक्त प्रवर्गाच्या अधिकाऱ्याच्या बदलीचे आदेश, आयोगाकडून विशिष्ट परवानगी मिळविल्याखेरीज अंमलात आणता येणार नाहीत.
- (७) ही बंदी निवडणूक प्रक्रिया पूर्ण होईपर्यंत परिणामक असेल.
- (८) प्रशासनिक निकडीमुळे एखाद्या अधिकाऱ्याची बदली करणे आवश्यक असेल अशा प्रकरणांमध्ये, राज्य शासनास, संपूर्ण समर्थनासह, पूर्व परवानगीसाठी आयोगाकडे जाता येईल.
- (९) या कालावधीत आयोगाच्या पूर्व परवानगीशिवाय सरकारी विभागामध्ये सार्वजनिक उपक्रमामध्ये नियुक्त्या करण्यात येणार नाहीत किंवा पदेन्नत्या देण्यात येणार नाहीत.

#### चार. सरकारी साधनसामग्रीचा गैरवापर केल्याबाबत

- (१) निवडणूक कार्यासाठी सरकारी वाहनांचा वापर करता येणार नाही. सरकारी वाहन यामध्ये पुढील विभागातील सर्व वाहनांचा अंतर्भाव होतो :-
  - \* केंद्र सरकार
  - \* राज्य शासन
  - \* केंद्र व राज्य शासनाचे सार्वजनिक उपक्रम
  - \* केंद्र व राज्य शासनाचे संयुक्त क्षेत्रातील उपक्रम
  - \* स्थानिक संस्था, महानगरपालिका, नगरपालिका
  - \* पणन मंडळे (कोणत्याही नावाने प्रचलित असलेली)
  - \* सहकारी संस्था
  - \* स्वायत्ता जिल्हा परिषदा, किंवा

जिच्यामध्ये एकूण सरकारी निधीचा थोडा भाग गुंतविण्यात आला असेल अशी अन्य कोणतीही संस्था आणि त्याचप्रमाणे संरक्षण मंत्रालयाची, तसेच गृह मंत्रालय आणि राज्य शासनाच्या अखत्यारीतील मध्यवर्ती पोलीस संघटनांची वाहने.
- (२) केंद्रीय अथवा राज्याच्या मंत्राला त्याचे/तिचे स्वतःचे खाजगी वाहन (वाहने) वापरून खाजगी दौरे करण्यास अनुमती देण्यात आली आहे. अशा खाजगी दौऱ्यावर त्या मंत्र्यांना, कार्यालयीन स्वीय कर्मचारीवर्गाला सोबत नेता येणार नाही. तथापि, एखाद्या मंत्री काही तातडीच्या प्रसंगी त्याच्या मुख्यालयाच्या कक्षेबाहेर जनहिताच्या दृष्टीने जे टाळता येणार नाही अशा केवळ कार्यालयीन कामासाठी प्रवास करीत असेल तर, त्या विभागाच्या संबंधित सचिवाकडून तो मंत्री ज्या राज्यास भेट देणार असेल त्या राज्याच्या मुख्य सचिवाला तसा आशय प्रमाणित केलेले पत्र पाठविण्यात यावे आणि त्याची एक प्रत आयोगाकडे पाठविण्यात यावी. या दौऱ्याच्या काळात मुख्य सचिवास

त्या मंत्र्याला त्याच्या अधिकृत दौऱ्यासाठी सरकारी वाहन निवासव्यवस्था पुरवता येईल तसेच इतर नेहमीचे शिष्टाचार प्रदान करता येतील. येथील तथापि, कोणत्याही मंत्र्यास अधिकृत दौऱ्याच्या लगतनंतरच्या काळात किंवा त्या दौऱ्याच्या काळात किंवा त्याला जोडून कोणतीही निवडणूक प्रचार मोहीम अथवा राजकीय कार्यक्रम पार पाडता येणार नाही अथवा दौऱ्याच्या कामकाजासोबत एकत्रितपणे तसे करता येणार नाही. आयोग आपल्या मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याशी योग्य विचारविनिमय करून अशा घडामोडींवर बारीक लक्ष ठेवील.

- (३) केंद्राचा किंवा राज्याचा कोणताही मंत्री, निवडणुकांची घोषणा झाल्यापासून सुरू होणाऱ्या निवडणूक कालावधीमध्ये मतदारसंघाच्या किंवा राज्याच्या, निवडणुकीशी संबंधित कोणत्याही अधिकाऱ्याला कोणत्याही कार्यालयीन कामाबाबत चर्चेसाठी बोलवणार नाही. परंतु, एखाद्या मतदारसंघात कायदा व सुव्यवस्था ढासळल्यामुळे किंवा नैसर्गिक आपत्तीमुळे किंवा अशा कोणत्याही निकडीच्या परिस्थितीमुळे, ज्यामध्ये त्या मंत्र्याने/मुख्यमंत्र्याने आपत्तीनंतरच्या बचतकार्याचे अवलोकन करणे/मदतकार्याचा आढावा घेणे यांसारख्या विशेष प्रयोजनासाठी जातीने उपस्थित राहणे आवश्यक असेल अशा परिस्थितीत त्याने संबंधित विभागाचा प्रभारी किंवा मुख्यमंत्री या नात्याने केलेला दौरा याला अपवाद असेल.
- (४) मंत्री हे कार्यालयीन कामासाठी त्यांच्या सरकारी निवासापासून ते त्यांच्या कार्यालयापर्यंत प्रवास करण्याकरिताच त्यांच्या सरकारी वाहनाचा वापर करण्यास हक्कदार आहेत. मात्र अशा प्रवासास जोडून त्यांना निवडणूक प्रचारासाठी किंवा कोणत्याही राजकीय कार्यक्रमासाठी त्या वाहनातून प्रवास करता येणार नाही.
- (५) केंद्राचे किंवा राज्याचे मंत्री कोणत्याही प्रकारे त्यांचे अधिकृत दौरे आणि निवडणूक प्रचारकार्य हे एकत्रितपणे करणार नाहीत.
- (६) कोणत्याही राजकीय पदाधिकाऱ्याच्या दौऱ्यावर, ---मग तो खाजगी असो की अधिकृत असो---राज्य प्रशासनाने त्याच्यासोबत सशस्त्र सुरक्षारक्षक असलेले संरक्षककडे दिलेले असले तरी, तो, अतिमहत्त्वाच्या व्यक्तींसाठीचे सुरक्षा वाहन (वाहने) अथवा कोणत्याही रंगाचे संकेत दिवे असलेले वाहन (वाहने) अथवा कोणत्याही प्रकारचे भोंगे लावलेले वाहन (वाहने) वापरणार नाही. हे सर्व वाहनांना, मग ती सरकारी मालकीची असोत की खाजगी मालकीची असोत लागू असेल.
- (७) जेथे निवडणुका होत आहेत अशा मतदारसंघामध्ये मंत्र्याने दिलेल्या खाजगी भेटीमध्ये कोणत्याही कर्मचाऱ्याने त्या मंत्र्यांची भेट घेतल्यास, तो संबंधित सेवाविषयक नियमान्वये दुराचरणाबद्दल दोषी असेल; आणि जर तो लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम १२९ (१) मध्ये उल्लेख केलेला कर्मचारी असेल तर, त्याने त्याशिवाय त्या कलमाच्या सांविधिक तरतुदींचा भंग केल्याचेदेखील समजण्यात येईल, आणि त्यानुसार त्याच्याविरुद्ध दंडात्मक कारवाई करण्यास तो पात्र असेल.

#### पाच. सभा

- (१) पोलिसांना वाहतूक नियंत्रणासाठी आणि शांतता व सुव्यवस्था राखण्यासाठी आवश्यक व्यवस्था करणे शक्य व्हावे यासाठी पक्ष किंवा उमेदवार कोणत्याही नियोजित सभेचे स्थळ व वेळ स्थानिक पोलीस प्राधिकाऱ्यांना कळवील.
- (२) सभेसाठी योजलेले ठिकाण कोणतेही निबंधक किंवा मनाई आदेश अंमलात आहेत काय याबद्दल पक्ष किंवा उमेदवार आधीच निश्चित माहिती करून घेईल. असे आदेश अस्तित्वात असल्यास ते काटेकोरपणे पाळण्यात येतील. अशा आदेशांपासून कोणतीही सूट पाहिजे असल्यास त्यासाठी वेळीच अर्ज करून ती मिळवण्यात येईल.
- (३) कोणत्याही नियोजित सभेच्या संबन्धात, ध्वनिक्षेपकांच्या वापरासाठी किंवा इतर कोणत्याही सुविधेसाठी परवानगी किंवा लायसन्स मिळवायचे असेल तर पक्ष किंवा उमेदवार संबंधित प्राधिकरणाकडे बरेच अगोदर अर्ज करून अशी परवानगी किंवा लायसन्स मिळवील.
- (४) सभेमध्ये अडथळा आणणाऱ्या किंवा अन्यथा शांतताभंग करणाऱ्या व्यक्तीचा परामर्श घेण्यासाठी सभेचे आयोजक न चुकता कामावर असलेल्या पोलिसांकडे मदत मागतील. आयोजक स्वतः अशा व्यक्तीविरुद्ध कारवाई करणार नाहीत.

### तीन. मिरवणुका

- (१) मिरवणूक आयोजित करणारा पक्ष किंवा उमेदवार मिरवणुकीस प्रारंभ करण्याची वेळ वा ठिकाण, ती ज्या मार्गाने न्यावयाची तो मार्ग आणि मिरवणूक जेव्हा व जेथे समाप्त करावयाची ती वेळ व ते ठिकाण आधीच ठरवील. सर्व साधारणपणे या कार्यक्रमाबाहेरची अशी कोणतीही गोष्ट करण्यात येणार नाही.
- (२) स्थानिक पोलीस प्राधिकाऱ्यांना आवश्यक ती व्यवस्था करता यावी यासाठी संघटक त्यांना कार्यक्रम आगाऊ कळवतील.
- (३) मिरवणुकीस ज्यामधून जावे लागत असेल त्या स्थानिक भागांमध्ये कोणतेही निर्बंधक आदेश अंमलात आहेत काय याची निश्चित माहिती संघटक करून घेतील आणि सक्षम प्राधिकाऱ्याने त्या निर्बंधापासून विशेष सूट दिलेली नसेल तर त्या निर्बंधाचे पालन करतील: आणि वाहतूकविषयक विनियम किंवा निर्बंध देखील काळजीपूर्वक पाळण्यात येतील.
- (४) वाहतुकीची कोंडी किंवा त्यामध्ये अडथळा निर्माण होऊ नये म्हणून संघटक मिरवणूक पुढे जाऊ देण्याची व्यवस्था करण्यासाठी अगोदरच उपाय योजतील. मिरवणूक अतिशय लांब असेल तर ती योग्य अशा लांबीच्या भागांमध्ये आयोजित करण्यात येईल. म्हणजे सोयीस्कर अशा अंतरा अंतरावर, विशेषतः अनेक रस्ते एकत्र येणाऱ्या अशा ज्या ठिकाणांवरून मिरवणूक जाणार असेल त्या ठिकाणी रोखून ठेवलेली वाहतूक टप्पाटप्प्याने सोडता येईल व त्यायोगे वाहतुकीतील दाटीवाटी टाळता येईल.
- (५) मिरवणूक रस्त्याच्या शक्य तितक्या उजव्या बाजूला राहिल अशा प्रकारे ती नियंत्रित करण्यात येईल. आणि तेथे कामावर असलेल्या पोलिसांच्या सूचनेचे काटेकोरपणे पालन करण्यात येईल.
- (६) दोन किंवा अधिक राजकीय पक्षांनी किंवा उमेदवारांनी जवळजवळ एकाच वेळी एकाच मार्गावरून किंवा त्याच्या भागावरून मिरवणूक नेण्याचे योजिले तर संघटक बऱ्याच अगोदर, एकमेकांशी संपर्क साधतील व मिरवणुकांचा संघर्ष होऊ नये किंवा वाहतुकीत अडथळा येऊ नये म्हणून करावयाचे उपाय ठरवतील. समाधानकारक व्यवस्था करता यावी यासाठी स्थानिक पोलिसांची मदत घेण्यात येईल. या प्रयोजनार्थ, पक्ष लवकरात लवकर पोलिसांबरोबर संपर्क साधतील.
- (७) विशेषतः खळबळजनकक्षणी समाजकंटकांना ज्यांचा गैरवापर करता येईल अशा वस्तू मिरवणुकीतील व्यक्तींनी बाळगल्यास त्यावर संबंधित राजकीय पक्ष किंवा उमेदवार शक्यतोवर जास्ती जास्तीत नियंत्रण ठेवतील.
- (८) कोणताही राजकीय पक्ष किंवा उमेदवार दुसऱ्या राजकीय पक्षांच्या सभासदांची किंवा नेत्यांची प्रतिकृती असल्याचे अभिप्रेत असणाऱ्या प्रतिमा वाहून नेणे किंवा अशा प्रतिमा जाहीरपणे जाळणे किंवा निदर्शनाचे असे इतर प्रकार चालवून घेणार नाही.

### सात. मतदानाचा दिवस.

सर्व राजकीय पक्ष आणि उमेदवार,—

- (एक) मतदान शांततापूर्ण व सुव्यवस्थित रीतीने होत असल्याची आणि मतदारांना कोणताही उपद्रव न होता किंवा अडथळा न येता त्यांचा मताधिकार वापरण्याचे पूर्ण स्वातंत्र्य मिळत असल्याची खातरजमा करण्यासाठी, मतदानाच्या कामावर असलेल्या अधिकाऱ्यांबरोबर सहकार्य करतील;
- (दोन) त्यांच्या प्राधिकृत कार्यकर्त्यांना योग्य ते बिल्ले वा ओळखपत्रिका देतील;
- (तीन) त्यांनी मतदारांच्या द्यावयाच्या ओळखचिठ्ठ्या साध्या (पांढऱ्या) कागदावर असतील आणि त्यामध्ये कोणतीही निशाणी, उमेदवाराचे नाव किंवा पक्षाचे नाव अंतर्भूत नसल्याचे मान्य करतील;
- (चार) मतदानाच्या दिवशी आणि त्या अगोदरच्या चौवीस तासांमध्ये दारू देणार नाहीत किंवा वाटणार नाहीत;
- (पाच) पक्ष आणि उमेदवार यांचे कार्यकर्ते आणि हितचिंतक यांचा आमनासामना होऊ नये आणि त्यांच्यामध्ये तणाव

निर्माण होऊ नये म्हणून राजकीय पक्ष व उमेदवार मतदान मंडपाजवळ उभारलेल्या शिबिरांजवळ अनावश्यक गर्दी जमू देणार नाही;

- (सहा) उमेदवाराची शिबिरे साधी असल्याबद्दल खात्री करून घेतील. या शिबिरांवर कोणतीही भित्तिपत्रके, ध्वज, निशाण्या किंवा प्रचाराचे इतर कोणतेही साहित्य लावण्यात येणार नाही. शिबिरांमध्ये कोणतेही खाद्यपदार्थ देण्यात येणार नाहीत किंवा गर्दी जमू दिली जाणार नाही; आणि
- (सात) मतदानाच्या दिवशी वाहने चालवण्यावर घालावयाच्या निर्बंधाचे अनुपालन करण्यात प्राधिकाऱ्यांबरोबर सहकार्य करतील आणि त्या वाहनांसाठी परवाने मिळवतील. हे परवाने त्या वाहनांवर ठळक दिसतील अशा ठिकाणी लावण्यात यावेत.

#### आठ. मतदान केंद्र

मतदार वगळता, निवडणूक आयोगाकडून मिळालेला विधिग्राह्य पास जिच्याजवळ नाही अशी कोणतीही व्यक्ती मतदान मंडपात प्रवेश करणार नाही.

#### नऊ. निरीक्षक

निवडणूक आयोग प्रत्येक संसदीय मतदारसंघासाठी निरीक्षकांची नियुक्ती करत असतो. उमेदवारांची किंवा त्यांच्या प्रतिनिधींची निवडणूक घेण्यासंबंधात कोणतीही विशिष्ट तक्रार किंवा समस्या असेल तर त्यांना ती निरीक्षकांच्या निदर्शनास आणून देता येईल.

#### दहा. सत्तारूढ पक्ष

सत्तारूढ पक्ष मग तो केंद्रातील असो किंवा संबंधित राज्यातील वा राज्यांतील असो, त्याने त्याच्या निवडणूक मोहिमेच्या प्रयोजनार्थ त्याच्या पदीय अधिकारांचा वापर केलेला आहे, अशा कोणत्याही तक्रारीस कोणतेही निमित्त दिले न जाण्याची खातरजमा करून घेईल आणि विशेषतः :-

- (एक) (अ) मंत्री त्यांच्या अधिकृत भेटीची सांगड निवडणुकीच्या कामाबरोबर घालणार नाहीत आणि निवडणूक कार्य करताना शासकीय यंत्रणेचा किंवा कर्मचाऱ्यांचा उपयोगही करणार नाही ;
- (ब) शासकीय विमाने, वाहने, यंत्रणा आणि कर्मचारी यांसह शासकीय परिवहन व्यवस्थेचा, सत्तारूढ पक्षाच्या हितसंबंधाचे संवर्धन करण्यासाठी वापर करणार नाही.
- (दोन) निवडणुकीच्या सभा भरवण्यासाठी मैदाने, इत्यादींसारखी सार्वजनिक ठिकाणे आणि निवडणुकीच्या संबंधात वायुयानांचे उड्डाण व अवतरण यांसाठी हेलिपॅड्सचा वापर यांवर स्वतःच एकाधिकार गाजवणार नाही. सत्तारूढ पक्ष अशा ठिकाणांचा आणि सुविधांचा वापर ज्या अटी-शर्तीवर करत असेल त्याच अटी-शर्तीवर इतर पक्ष आणि उमेदवार यांना अशा वापराची परवानगी राहिल ;
- (तीन) विश्रामगृहे, डाकबंगले आणि इतर शासकीय निवास व्यवस्थेवर सत्तारूढ पक्ष आणि त्यांचे उमेदवार एकाधिकार गाजवणार नाहीत, तर या जागांचा इतर पक्ष किंवा उमेदवार यांनाही रास्त वापर करण्यासाठी परवानगी देण्यात येईल, परंतु, कोणत्याही पक्षाला किंवा उमेदवाराला अशी जागा (तेथील परिसरासह) कार्यालय म्हणून किंवा निवडणुकीच्या प्रचारासाठी सभा घेण्यासाठी वापरता येणार नाही ;
- (चार) सत्तारूढ पक्षाच्या आशाअपेक्षा वृद्धिगत करण्यासाठी निवडणुकीच्या कालावधीत सरकारी राजकोषातून खर्च करून वृत्तपत्रांमध्ये आणि इतर माध्यमांद्वारे तसेच, शासकीय जनसंपर्क माध्यमांचा दुरुपयोग करून आपण केलेल्या कामगिरीची जाहिरात करण्याचे साक्षेपाने टाळील ;
- (पाच) आयोग निवडणुका घोषित करील त्या वेळेपासून मंत्री व इतर प्राधिकारी स्वेच्छाधीन निधीतून अनुदाने/प्रदाने मंजूर करणार नाहीत ;
- (सहा) आयोग निवडणुका घोषित करील त्या वेळेपासून मंत्री व इतर प्राधिकारी, ज्यामुळे मतदारांवर सत्तारूढ पक्षास अनुकूल होईल असा प्रभाव पडेल अशी, -



- (अ) कोणत्याही स्वरूपातील वित्तीय अनुदाने किंवा त्यासंबंधीची अभिवचने घोषित करणार नाहीत; किंवा
- (ब) कोणत्याही प्रकारच्या प्रकल्पांचा किंवा योजनांचा कोनशिला बसवणार नाहीत ; किंवा
- (क) रस्ते बांधण्याची, पिण्याच्या पाण्याच्या सोयी पुरवण्याची, इत्यादी कोणतीही अभिवचने देणार नाहीत; आणि
- (ड) मतदारांवर सत्तारूढ पक्षाला अनुकूल होईल असा प्रभाव पडेल अशा कोणत्याही तदर्थ नेमणुका शासन, सार्वजनिक उपक्रम इत्यादींमध्ये करणार नाहीत.

टीप.- आयोग कोणत्याही निवडणुकीचा दिनांक घोषित करील, की जो अशा निवडणुकीच्या संबंधात च्या दिनांकास अधिसूचना निर्गमित करावयाची आहे त्या दिनांकानंतर तीन आठवड्यांपेक्षा अधिक नसेल असा असेल.

(सात) केंद्र किंवा राज्य शासनाचे मैत्री हे, उमेदवार किंवा मतदार किंवा प्राधिकृत प्रतिनिधी या नात्याने असेल त्या व्यतिरिक्त अन्य प्रकारे कोणत्याही मतदान केंद्रामध्ये किंवा मतमोजणीच्या ठिकाणी प्रवेश करणार नाहीत.

### अकरा. निवडणूक जाहीरनामा

सर्वोच्च न्यायालयाने, एसएलपी (सी) २००८ चा क्रमांक २१४५५ (एस. सुब्रमण्यम बालाजी विरुद्ध तामिळनाडू सरकार आणि इतर) मधील दिनांक ५ जुलै २०१३ च्या न्यायनिर्णयात निवडणूक आयोगाला सर्व मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांशी विचारविनिमय करून, निवडणूक जाहीरनाम्यातील आशयाबाबत मार्गदर्शक तत्त्वे तयार करण्याचे निर्देश दिले आहेत. जी मार्गदर्शक तत्त्वे अशा मार्गदर्शक तत्त्वांच्या रचनेसाठी कारणीभूत ठरतील, ती या न्यायनिर्णयातून खाली उद्धृत केली आहेत:

" लोकप्रतिनिधित्व अधिनियमाच्या कलम १२३ अन्वये निवडणूक जाहीरनाम्यातील आश्वासनांचा अर्थ 'भ्रष्टाचारी प्रथा' असा लावला जाऊ शकत नाही, असे उघडणपणे कायदा सांगत असला तरी, कोणत्याही प्रकारच्या मोफत भेटवस्तूंचे वाटप निःसंशयपणे सर्व लोकांना प्रभावित करते हे वास्तव नाकारता येत नाही. यामुळे मुक्त आणि निष्पक्ष निवडणुकांच्या मुळास धक्का बसतो."

" निवडणूक आयोगाने, निवडणूक लढणारे पक्ष आणि उमेदवार यांच्यातील लढतीचा स्तर सुनिश्चित करण्यासाठी आणि पूर्वीप्रमाणे आदर्श आचारसंहितेअंतर्गत सूचना दिल्याप्रमाणे, निवडणूक प्रक्रियेची शुद्धता बिघडू नये याकडे देखील लक्ष दिले जाईल. ज्या अधिकारांखाली आयोग हे आदेश जारी करतो, तो संविधानाचा अनुच्छेद ३२४ असून त्याद्वारे आयोगाला मुक्त आणि निष्पक्ष निवडणुका घेण्याचा आदेश देतो."

(तीन) आम्हाला या वस्तुस्थितीची जाणीव आहे की, सामान्यतः राजकीय पक्ष निवडणुकीचा दिनांक जाहीर होण्यापूर्वी त्यांचा निवडणूक जाहीरनामा प्रसिद्ध करतात, अशा परिस्थितीत, काटेकोरपणे सांगायचे तर, दिनांक जाहीर होण्यापूर्वी केलेल्या कोणत्याही कृतीचे विनियमन करण्याचा अधिकार निवडणूक आयोगाला नसेल. असे असले तरी, निवडणूक जाहीरनाम्याचा उद्देश थेट निवडणूक प्रक्रियेशी संबंधित असल्यास, अशा बाबतीत सूट दिली जाऊ शकते.

२. माननीय सर्वोच्च न्यायालयाचे वरील निर्देश मिळाल्यानंतर, निवडणूक आयोगाने या प्रकरणात मान्यताप्राप्त राज्यातील राष्ट्रीय आणि राज्य राजकीय पक्षांशी विचारविनिमय करण्यासाठी बैठक घेतली आणि या प्रकरणातील त्यांच्या परस्परविरोधी मतांची दखल घेतली आहे.

विचारविनिमयादरम्यान, काही राजकीय पक्षांनी अशा मार्गदर्शक सूचना देण्यास पाठिंबा दर्शविला आहे, तर इतरांचे असे मत होते की, निकोप लोकशाही राजवटीमध्ये जाहीरनाम्यांमधील असे प्रस्ताव आणि आश्वासने देणे हा मतदारांप्रती असलेला त्यांचा अधिकार आणि कर्तव्य आहे. जाहीरनामा तयार करणे हा राजकीय पक्षांचा अधिकार आहे या दृष्टिकोनाशी आयोग तत्त्वतः सहमत असला तरी, मुक्त आणि निष्पक्ष निवडणुका आयोजित करण्यावर आणि सर्व राजकीय पक्षांसाठी व उमेदवारांना समान संधी देण्यासाठी काही आश्वासने आणि प्रस्तावांच्या अनिष्ट परिणामाकडे डोळेझाक दुर्लक्ष करू शकत नाही.

३. संविधानाच्या अनुच्छेद ३२४ अन्वये निवडणूक आयोगाला संसदेच्या व राज्य विधान मंडळांच्या निवडणुका घेण्याचे आदेश देण्यात आले आहेत. सर्वोच्च न्यायालयाच्या वरील निर्देशांचा योग्य विचार करून आणि राजकीय असे पक्षांशी विचारविनिमय केल्यानंतर, आयोग मुक्त आणि निष्पक्ष निवडणुकांच्या हितासाठी याद्वारे असे निर्देश देतो की राजकीय पक्ष व उमेदवार संसदेच्या किंवा राज्य विधान मंडळांच्या कोणत्याही निवडणुकीसाठी निवडणूक जाहीरनामे प्रसिद्ध करताना पुढील मार्गदर्शक तत्त्वांचे पालन करतील:-



- (एक) संविधानात नमूद केलेल्या आदर्श आणि तत्त्वांच्या विरोधात निवडणूक जाहीरनाम्यामध्ये काहीही असणार नाही आणि तसेच ते आदर्श आचारसंहितेच्या इतर तरतुदींच्या आशयाशी व तत्त्वांशी सुसंगत असेल.
- (दोन) संविधानात नमूद केलेली राज्याच्या धोरणाची मार्गदर्शक तत्त्वे राज्याला नागरिकांसाठी विविध कल्याणकारी उपाययोजना आखण्याचे आदेश देतात आणि त्यामुळे अशा निवडणूक जाहीरनाम्यांमध्ये कल्याणकारी उपाययोजनांच्या आश्वासनांना आक्षेप घेता येत नाही. तथापि, राजकीय पक्षांनी अशी आश्वासने देणे टाळले की पाहिजे की ज्यामुळे निवडणूक प्रक्रियेचे पावित्र्य बिघडू शकते किंवा मतदारांवर त्याच्या मतदाना करताना अनुचित प्रभाव पडू शकतो.
- (तीन) पारदर्शकता, समान संधी आणि आश्वासनांची विश्वासाहता यांच्या हितासाठी, जाहीरनाम्यांमध्ये आश्वासनांचे तर्क देखील प्रतिबिंबित होण्याची आणि त्यासाठीच्या आर्थिक गरजा पूर्ण करण्याचे मार्ग व साधने व्यापकपणे सूचित होण्याची अपेक्षा आहे. मतदारांचा विश्वास केवळ त्या आश्वासनांवरच मिळायला हवा जे पूर्ण करणे शक्य आहे.
- (४) निवडणुकांदरम्यान जाहीरनामा प्रसिद्ध करण्यासाठीचा प्रतिबंधात्मक कालावधी
- (एक) एकाच टप्प्यातील निवडणुकांच्या बाबतीत, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १२६ अन्वये विहित केलेल्या प्रतिबंधात्मक कालावधीत जाहीरनामा प्रसिद्ध केला जाणार नाही.
- (दोन) एकापेक्षा अधिक टप्प्यातील निवडणुकांच्या बाबतीत, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१, याच्या कलम १२६ अन्वये त्या निवडणुकांच्या सर्व टप्प्यांच्या विहित केलेल्या प्रतिबंधात्मक कालावधीत जाहीरनामे प्रसिद्ध केले जाणार नाहीत.

## जोडपत्र ११

(प्रकरण सात, परिच्छेद ७.११.४ पहा)

## भारताचा निवडणूक आयोग

पत्रके इत्यादींच्या मुद्रणावरील निर्बंधाकरिता आदेश

क्रमांक ३/९(ईएस ००८)/९४-जे-एस-दोन, दिनांक २ सप्टेंबर १९९४.

विषय : पत्रके, भित्तिपत्रके, इत्यादींच्या मुद्रणावरील निर्बंध.

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १२७क अन्वये पत्रके, भित्तिपत्रके, इत्यादींचे मुद्रण व प्रकाशन नियमित केले आहे.

२. निवडणूक पत्रके, भित्तिपत्रके इत्यादींच्या मुद्रणासंबंधातील वरील निर्बंध हे अशा दस्तऐवजांचे प्रकाशक व मुद्रक यांची ओळख सिद्ध करण्याकरता कायद्याअन्वये बंधनकारक करण्यात आले आहेत. त्यामुळे अशा कोणत्याही दस्ताऐवजामध्ये विरुद्ध उमेदवाराचा धर्म, वंश जात, समाज किंवा भाषा यांसारख्या कारणावरून किंवा चारित्र्यहनन करून त्यांच्याविरुद्ध आवाहन करणारा मजकूर छापण्यात आला असेल तर, अशा अवैध मानहानीकारक किंवा आक्षेपार्ह मजकुराबद्दल संबंधित व्यक्तीविरुद्ध शिक्षात्मक किंवा प्रतिबंधात्मक कारवाई करता येते. तसेच या निर्बंधामुळे राजकीय पक्ष, उमेदवार व त्यांचे समर्थक यांच्याकडून निवडणूक पत्रके, भित्तिपत्रके इत्यादींच्या मुद्रणावर व प्रकाशनावर करण्यात येणाऱ्या अनधिकृत निवडणूक खर्चाला आळा घालण्याचा हेतूदेखील सफल होतो.

३. आयोगाच्या असे निदर्शनास आले आहे की, निवडणूक पत्रके, भित्तिपत्रके इत्यादींचे मुद्रण व प्रकाशन यांच्या संबंधातील कायद्याच्या वरील तरतुदींचे पालन करण्यापेक्षा त्यांचा भंग करण्याकडेच लोकांची प्रवृत्ती दिसून येते. ज्यांच्या बाबतीत, उपरोल्लेखित आवश्यकतांचे पालन करण्यात आलेले नाही अशी पत्रके निवडणुकीच्यावेळी मोठ्या प्रमाणावर छापण्यात येतात. प्रसिद्ध करण्यात येतात, प्रसृत करण्यात येतात व खाजगी तसेच शासकीय इमारतींच्या भिंतीवर चिकटविण्यात येतात. मुद्रणालयदेखील कलम १२७-क (२) अन्वये आवश्यक असल्याप्रमाणे, मुद्रित दस्तऐवजी व प्रकाशकाकडून घेण्यात आलेले प्रतिज्ञापत्रक यथास्थिती, निर्वाचन अधिकारी किंवा संबंधित जिल्हादंडाधिकारी यांच्याकडे क्वचितच पाठवतात. बऱ्याच वेळा ही निवडणूक पत्रके, भित्तिपत्रके इत्यादींवर ती छापणाऱ्या किंवा प्रसिद्ध करणाऱ्या मुद्रकाची आणि/किंवा प्रकाशकाची नावे व पत्ते दिलेले नसतात. त्यामुळे कलम १२७-क(१) चा भंग होतो.

४. अशा अपराध्यांविरुद्ध वेळीच कारवाई केली जात नाही व त्यामुळे असा आक्षेपार्ह मजकूर उघडपणे व निर्धास्तपणे प्रसिद्ध केला जातो व प्रसृत केला जातो. अशीही तक्रार आयोगाकडे करण्यात आली आहे. यासंबंधात सर्वोच्च न्यायालयाने रहीम खान विरुद्ध खुर्शीद अहमद व इतर या प्रकरणामध्ये (१९७५ चा अखिल भारतीय अहवाल, सर्वोच्च न्यायालय २९०) दिलेल्या पुढील अभिप्रायाकडे लक्ष वेधण्यात येत आहे.—

“ या टप्प्यालादेखील आपल्याला असे दिसून येईल की, प्रस्तुत हस्तपत्रिकेमध्ये मुद्रकाचे व प्रकाशकाचे नाव दिलेले नाही. वास्तविक, निवडणूक कायद्यान्वये ते देणे आवश्यक आहे. दुदैवाने, असा छापिल मजकूर प्रसृत केला जातो त्याबाबतीत, त्या संबंधात योग्य ती चौकशी करून त्वरित कारवाई करू शकेल अशी कोणतीही कायदेशीर यंत्रणा नाही. परिणामी, निवडणुकीच्यावेळी, कोणताही मुद्रक किंवा उमेदवार किंवा प्रचारक कायद्याची पर्वा करत नाही आणि एखाद्या वादंग माजविणाऱ्या दाव्यात हा प्रश्न उपस्थित केला जाईपर्यंत निवडणूक होऊन बराच काळ लोटलेला असेल, तोपर्यंत याबाबतीत काहीही होणार नाही याची जाणीव असल्यामुळे तो असा अपप्रचार कुणाकडून करण्यात आला आहे. याबद्दलचा मागमूसही न ठेवता असा अपप्रचार करण्यात यशस्वी होतो. कायदा करण्याबरोबरच त्याची वेळीच अंमलबजावणी करणे हेही महत्त्वाचे आहे. ”

५. या विषयासंबंधातील, कायद्याच्या उपरोल्लेखित तरतुदीद्वारे आवश्यक करण्यात आलेल्या बाबीचे भविष्यात कडक पालन केले जावे याकरिता, आयोग, संविधानाच्या अनुच्छेद ३२४ खालील आपल्या अधिकारांचा तसेच याबाबतीत त्या समर्थ करणाऱ्या इतर सर्व अधिकारांचा वापर करून तसेच या विषयावरील त्याच्या पूर्वीच्या सर्व सुचनांचे अधिक्रमण करून, याद्वारे पुढील निदेश देत आहे :-

- (१) निवडणूक आयोगाने संसदीय मतदार संघातील, विधानसभा मतदारसंघातील किंवा विधानपरिषद मतदारसंघातील कोणतीही निवडणूक घोषित केल्यानंतर, जिल्हादंडाधिकारी, निवडणुकीची अशी घोषणा झाल्यापासून लगेचच, तीन दिवसांच्या आत आपल्या जिल्ह्यातील सर्व मुद्रणालयांना—

- (अ) उपरोल्लिखित कलम १२७-क मधील आवश्यकतांकडे त्यांचे लक्ष वेधून घेणारे व विशेषतः कोणतेही निवडणूक पत्र किंवा भित्तिपत्रक छापणाऱ्या व प्रसिद्ध करणाऱ्या व्यक्तीची नावे व पत्ते प्रकाशनाच्या माहितीमध्ये स्पष्ट नमूद करण्याबद्दल किंवा त्यांच्याकडून छापण्यात येणाऱ्या अशा इतर साहित्यावर त्यांची नावे व पत्ते स्पष्टपणे नमूद करण्याबद्दल सूचना देणारे पत्र पाठविले.
- (ब) मुद्रित केलेला मजकूर ( अशा प्रत्येक मुद्रित मजकुराच्या तीन अतिरिक्त प्रतीसह ) आणि कलम १२७-क ( २ ) अन्वये आवश्यक असल्याप्रमाणे प्रकाशकाकडून मिळविलेले प्रतिज्ञापत्र, असा मजकूर छापण्यात आल्यापासून तीन दिवसांच्या आत, पाठविण्यास सांगणारे पत्र पाठवतील.
- (क) खऱ्या अर्थाने त्यांच्यावर प्रभावित होऊन कलम १२७-क आणि आयोगाचे वरील निदेश यांचा कोणताही भंग केल्यास त्याची गंभीर दखल घेण्यात येईल आणि काही समुचित बाबतीत राज्यातील प्रचलित मुद्रणालयाची अनुज्ञप्ती रद्द करण्यासह कडक कारवाई करण्यात येईल
- (२) मुख्य निवडणूक अधिकारी, त्याप्रमाणे राज्याच्या राजधानीत स्थित असलेल्या मुद्रणालयांच्या बाबतीत कारवाई करतील.
- (३) कोणतीही निवडणूक पत्रके किंवा भित्तिपत्रके इत्यादीची छपाई करण्याचे काम हाती घेण्यापूर्वी, मुद्रकाने प्रकाशकाकडून कलम १२७-क ( २ ) च्या बाबतीत आयोगाने विहित केलेल्या नमुन्यात जोडपत्र-अ प्रमाणे प्रतिज्ञापत्र मिळवले पाहिजे. या प्रतिज्ञापत्रावर प्रकाशकाने यथोचितरीत्या स्वाक्षरी केली पाहिजे आणि प्रकाशक ज्यांना व्यक्तिशः ओळखतो अशा दोन व्यक्तींकडून ते साक्षात्कृत करण्यात आले पाहिजे. हे प्रतिज्ञापत्र मुख्य निवडणूक अधिकारी किंवा यथास्थिती जिल्हादंडाधिकारी यांच्याकडे पाठविण्यात येईल तेव्हा ते अधिप्रमाणित देखील करण्यात आले पाहिजे.
- (४) वर निर्देशित केल्याप्रमाणे, प्रकाशकाने छपाई केलेल्या साहित्यांच्या चार ( ४ ) प्रती, प्रकाशकाच्या प्रतिज्ञापत्रासह त्याची छपाई झाल्यापासून तीन ( ३ ) दिवसांच्या आत सादर केल्या पाहिजेत. प्रकाशकाने अशा छपाई केलेल्या साहित्यासह व प्रतिज्ञापत्रासह आयोगाने जोडपत्र "जोडपत्र - ब " प्रमाणे विहित केलेल्या नमुन्यात छपाई केलेल्या कागदपत्रांच्या प्रतीची संख्या आणि अशा छपाईच्या कामासाठी आकारण्यात आलेला खर्च याबाबतची माहिती देखील सादर केली पाहिजे. प्रकाशकाने अशा प्रकारची माहिती सामुदायिकरीत्या नव्हे तर स्वतंत्रपणे अशा प्रत्येक कागदपत्राची छपाई झाल्यापासून तीन ( ३ ) दिवसांच्या आत प्रत्येक निवडणूक पत्रके, भित्तिपत्रके इत्यादींची माहिती सादर केली पाहिजे.
- (५) जिल्हादंडाधिकारी यांस मुद्रणालयांकडून कोणतीही निवडणूक पत्रके, भित्तिपत्रके इत्यादी मिळाल्यावर त्याने लगेचच प्रकाशक आणि मुद्रक यांनी कायद्यांच्या तरतुदीचे आणि आयोगाच्या वरील निदेशांचे अनुपालन केले आहे किंवा नाही याची तपासणी केली पाहिजे. त्यांनी त्याची एक प्रत आपल्या कार्यालयातील ठळक ठिकाणी प्रदर्शित केली पाहिजे. त्यामुळे सर्व राजकीय पक्ष, उमेदवार व इतर हितसंबंधित व्यक्ती यांना अशा कागदपत्रांच्या संबंधात कायद्याच्या तरतुदीचे यथोचितरीत्या अनुपालन करण्यात आले आहे, याबाबतची तपासणी करणे शक्य होईल तसेच इतर निवडणूकविषयक पत्रके, भित्तिपत्रके इत्यादींच्या संबंधातील कायद्याच्या वरील तरतुदींचा भंग झाला आहे. अशी काही प्रकरणे संबंधित प्राधिकाऱ्यांच्या निदर्शनास आणून देणे देखील शक्य होईल
- (६) त्याप्रमाणे मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्यांनी वरील उप-परिच्छेद ( ५ ) मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे, त्यांना प्राप्त झालेली पत्रके, भित्तिपत्रके इत्यादींच्या बाबतीत आणखी पाठपुरावादेखील केला पाहिजे.
- (७) मुख्य निवडणूक अधिकारी आणि जिल्हादंडाधिकारी यांनी, निवडणूक पत्रके, भित्तिपत्रके इत्यादींच्या छपाईच्याबाबतीत उक्त कलम १२७-क आणि/किंवा आयोगाचे उपरोक्त निदेश यांचा भंग झाला आहे असे एकतर निदर्शनास आले किंवा त्यांच्या निदर्शनास आणून देण्यात आले तर त्यांनी त्याबाबतची तातडीने तपासणी करण्यासाठी सत्वर कार्यवाही सुरू केली पाहिजे. अशा सर्व प्रकरणांच्या बाबतीत गुन्हेगार व्यक्तीविरुद्ध अत्यंत तातडीने खटला भरण्यास सुरुवात करण्यात येईल आणि अशा खटल्यांवर संबंधित न्यायालयात जोमाने पाठपुरावा करण्यात आला पाहिजे.

६. आयोग याद्वारे सर्व राजकीय पक्ष, उमेदवार व इतर संबंधितांना असा इशारा देत आहे की, वरील विषयाच्या संबंधात कायद्याच्या किंवा आयोगाच्या निदेशाचा कोणताही भंग झाला तर गुन्हेगारांविरुद्ध गंभीर व कडक कारवाई करण्यात येईल.

७. कायद्याच्या वरील तरतुदींची आणि आयोगाच्या निदेशांची अंमलबजावणी करण्यास जबाबदार असलेल्या कोणत्याही अधिकाऱ्याने याबाबतीत आपली कर्तव्ये नीटपणे बजावली नाहीत तर त्याने त्याच्या अधिकृत कर्तव्यांचा भंग केल्याबद्दल त्याच्याविरुद्ध करावयाच्या कोणत्याही दंडात्मक कारवाई व्यतिरिक्त तो गंभीर अशा शिस्तभंगाच्या कारवाईस पात्र ठरेल.

भारताच्या निवडणूक आयोगाच्या सचिव यांच्या आदेशानुसार.

२०४

जोडपत्र-अ

(प्रकरण ७, परिच्छेद ७.११ पहा)

निवडणूकविषयक भित्तिपत्रके, पत्रके इत्यादींबाबत प्रकाशकाने सादर

करावयाच्या प्रतिज्ञापत्राचे प्रपत्र

(लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२७-क पहा)

मी, .....

(नाव)

(नाव)

यांचा मुलगा/मुलगी/पत्नी, राहाणार ..... (गाव/शहर) ..... ..

(जिल्हा) ..... (राज्य) याद्वारे असे घोषित करतो

की, ..... येथे प्रकाशित करावयाच्या .....

.....(मुद्रणालयाचे नाव) .....

(निवडणूकविषयक भित्तिपत्रके, पत्रके इत्यादींचा तपशील द्यावा)

यांचा प्रकाशक आहे.

(प्रकाशकाची सही)

संपूर्ण पत्ता .....

ठिकाण .....

दिनांक .....

(प्रकाशकास व्यक्तिशः ओळखणाऱ्या व्यक्तीने) साक्षांकित करावयाचे.

१. सही, नाव व पत्ता १.

२. सही, नाव व पत्ता २.

.....यांच्याकडून प्रतिस्वाक्षरित

प्रकाशकाची स्वाक्षरी, नाव व पत्ता.

## जोडपत्र-ब

[ प्रकरण सात, परिच्छेद ११.२ (ख) पहा ]

निवडणूकविषयक भित्तिपत्रके, पत्रके इत्यादींच्या छपाईबाबतची माहिती सादर  
करण्यासाठीचे प्रपत्र

१. मुद्रकाचे नाव व पत्ता .....
- .....
- .....
२. प्रकाशकाचे नाव व पत्ता .....
- .....
३. प्रकाशकाच्या मुद्रण आदेशाचा दिनांक .....
४. प्रकाशकाच्या प्रतिज्ञापत्राचा दिनांक .....
५. निवडणूकविषयक भित्तिपत्रके, पत्रके इत्यादींचा संक्षिप्त तपशील .....
- .....
६. वरील कागदपत्राची छपाई केलेल्या प्रतींची संख्या .....
७. छपाईचा दिनांक .....
८. वरील कागदपत्रांच्या संबंधात प्रकाशकाकडून आकारावयाचा छपाई खर्च (कागदाच्या किमतीसह)  
.....

ठिकाण .....

दिनांक .....

(मुद्रकाची सही)

(मुद्रकाची मोहोर)

## जोडपत्र-१२

(प्रकरण १३, परिच्छेद १३.४६)

[ नियम ४९ ध व ५६ ग (२) पहा ]

नमुना १७-सी

भाग एक

नोंदविलेल्या मतांचा हिशोब

|  |   |
|--|---|
| लोकसभेची/.....   | राज्याच्या/संघराज्य क्षेत्राच्या विधानसभेची निवडणूक |
| मतदारसंघाचे नाव  | .. .. .   |
| मतदान केंद्राचा क्रमांक व नाव  | .. .. .   |
| मतदार केंद्रावर वापरलेल्या मतदान यंत्राचा ओळख क्रमांक                  | .. नियंत्रण युनिट .....                             |
|  | मतदान युनिट .....                                   |
|  | मुद्रक (वापरले असल्यास) .....                       |
| १. मतदान केंद्रावरील मतदारांची एकूण संख्या.                            | ..  |
| २. मतदार नोंदवहीत (नमुना १७अ) नोंदविलेल्या मतदारांची एकूण संख्या.      | ..  |
| ३. नियम ४९-ण अन्वये मत न नोंदवण्याचे ठरवलेल्या मतदारांची संख्या.       | ..  |
| ४. नियम ४९-ड अन्वये मतदान करण्याची परवानगी न दिलेल्या मतदारांची संख्या | ..  |
| ५. नियम ४९-डक (घ) अन्वये नोंदवलेली चाचणी मते ही वजा करणे आवश्यक आहे -  | ..  |

(अ) वजा करावयाच्या चाचणी मतांची एकूण संख्या :

एकूण संख्या नमुना १७ अ मधील मतदारांचे अनुक्रमांक

.....

(ब) ज्या उमेदवाराला (उमेदवारांना) चाचणी मत (मते) दिले असे उमेदवार

| अनुक्रमांक | उमेदवाराचे नाव | मतांची संख्या |
|------------|----------------|---------------|
| .....      | ..             | ..            |
| .....      | ..             | ..            |
| .....      | ..             | ..            |
| .....      | ..             | ..            |

६. मतदान यंत्रानुसार नोंदवण्यात आलेल्या मतांची एकूण संख्या
७. बाब-६ समोर दाखविण्यात आलेल्या मतांच्या एकूण संख्येचा बाब-२ समोर दाखविण्यात आलेली मतदारांची एकूण संख्या वजा बाब-३ समोर दाखविण्यात आलेली मत न नोंदवण्याचे ठरविलेल्या मतदारांची संख्या वजा बाब-४ (२-३-४) समोर दाखविण्यात आलेल्या मतदारांची संख्या या वजाबाकीशी मेळ बसतो आहे काय? किंवा कोणतीही विसंगती आढळून आली आहे काय?
८. नियम ४९-त अन्वये ज्या मतदारांना प्रदत्त मतपत्रिका देण्यात आल्या त्या मतदारांची संख्या.
९. प्रदत्त मतपत्रिकांची संख्या-



|   | अनुक्रमांक      |            |
|---|-----------------|------------|
|   | पासून           | पर्यंत     |
| (अ) वापरण्यासाठी प्राप्त झालेल्या   | .....           | .....      |
| (ब) मतदारांना दिलेल्या  | .....           | .....      |
| (क) न वापरता परत केल्या   | .....           | .....      |
| (१०) कागदी मोहोरांचा हिशेब :  | .....           | .....      |
|   | अनुक्रमांक..... | पासून..... |
| (१) पुरविलेल्या कागदी मोहोरांचे अनुक्रमांक  | ..              |            |
| (२) वापरलेल्या कागदी मोहोरांची संख्या   | ..              |            |
| (३) न वापरता, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास परत केलेल्या कागदी मोहोरांची संख्या<br>(बाब क्र. २ मधून बाब क्र. ३ वजा करा) | ..              |            |
| (४) कागदी मोहोरा खराब झाल्या असल्यास, अनुक्रमांक  | ..              |            |
|   | (५) .....       |            |
|   | (६) .....       |            |

दिनांक : .....

मतदान केंद्राध्यक्षाची सही

ठिकाण : .....

मतदान केंद्र क्रमांक .....

मतदान प्रतिनिधींच्या सहा

१. ....
२. ....
३. ....
४. ....
५. ....
६. ....

## भाग दोन

## मतमोजणीचा निकाल

| अनु-<br>क्रमांक | उमेदवाराचे नाव       | नियंत्रण युनिटवर<br>दर्शविल्याप्रमाणे मतांची<br>संख्या | भाग १ च्या बाब ५<br>नुसार वजा करावयाच्या<br>चाचणी मतांची संख्या | वैध मते<br>(३-४) |
|-----------------|----------------------|--|---|------------------|
| (१)             | (२)                  | (३)  | (४)   | (५)              |
| १               |                      |  | ..  |                  |
| २               |                      |  | ..  |                  |
| ३               |                      |  | ..  |                  |
| ४               |                      |  | ..  |                  |
| ५               |                      |  | ..  |                  |
| एन              | वरीलपैकी कोणीही नाही |  | ..  |                  |
|                 | एकूण                 |  | एकूण  |                  |

वर दिलेल्या मतांचा एकूण संख्येचा भाग एक मधील बाब क्र. ६ समोर दर्शविलेल्या मतांच्या

होय, मेळ बसतो.

एकूण संख्येशी मेळ बसतो काय ? किंवा या दोन संख्येमध्ये विसंगती आढळून आली काय ?

दिनांक : .....

ठिकाण : .....

मतमोजणी पर्यवेक्षकाची पूर्ण सही.

उमेदवारांचे/निवडणूक प्रतिनिधीचे/मतमोजणी प्रतिनिधीचे नाव.

१.

२.

३.

४.

५.

६.

७.

दिनांक : .....

निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याचे स्वाक्षरी

ठिकाण : .....

२०९

परिशिष्ट १३

(प्रकरण १३ परिच्छेद १३.१०)

नमुना १०

\* मतदान प्रतिनिधीची नेमणूक

[नियम १३(२) पहा]

\*\* मतदान प्रतिनिधीची नेमणूक

..... साठी निवडणूक

मी, ..... \* निवडणुकीतील उमेदवार .....  
..... यांचा निवडणूक प्रतिनिधी, याद्वारे .....  
..... यांची (नाव व पत्ता) ..... येथील मतदान केंद्र  
क्र. .... वर/मतदानासाठी निश्चित केलेल्या ..... या ठिकाणी  
..... वाजता हजर राहण्यासाठी मतदान प्रतिनिधी म्हणून नेमणूक करित आहे.

ठिकाण : .....

\* उमेदनाराची/निवडणूक

दिनांक : .....

प्रतिनिधीची सही.

मी असा मतदान प्रतिनिधी म्हणून काम करण्याचे कबूल करतो.

ठिकाण : .....

मतदान प्रतिनिधीची सही.

दिनांक : .....

**मतदान प्रतिनिधीचे मतदान केंद्राध्यक्षासमक्ष सही करून द्यावयाचे प्रतिज्ञापन**

मी, याद्वारे जाहीर करतो की, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे † कलम १२८ मी वाचले असून/मला वाचून दाखविण्यात आले असून त्या कलमाद्वारे निषिद्ध ठरविण्यात आलेले कोणतेही कृत्य मी वरील निवडणुकीत करणार नाही.

दिनांक : .....

मतदान प्रतिनिधीची सही.

माझ्या समक्ष सही केली.

दिनांक : .....

**मतदान केंद्राध्यक्ष**

\* मतदान केंद्रावर किंवा मतदानासाठी निश्चित केलेल्या ठिकाणी सादर करण्याकरिता मतदान प्रतिनिधीस द्यावा.

\*\* येथे पुढीलपैकी एक योग्य पर्याय भरावा :-

- (१) ..... मतदार संघातून लोकसभेची
- (२) ..... मतदार संघातून विधानसभेची
- (३) ..... (राज्याच्या) विधानसभेच्या निवडून आलेल्या सदस्यांकडून राज्यसभेची
- (४) ..... (संघ राज्यक्षेत्राच्या) निर्वाचक गणाच्या सदस्यांकडून राज्यसभेची
- (५) ..... विधानसभेच्या सदस्यांकडून विधानपरिषदेची
- (६) ..... मतदार संघातून विधानपरिषदेची

\* अयोग्य पर्याय खोडावा.

† लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम १२८.

**१२८. मतदान गुप्त राखणे :**

(१) जो निवडणुकीच्या वेळी मतनोंदणीच्या किंवा मतमोजणीच्या संबंधात काही काम करतो असा प्रत्येक अधिकारी, लिपिक, प्रतिनिधी किंवा अन्य व्यक्ती याला मतदान गुप्त राखावे लागेल, तसेच ते गुप्त राखण्यास मदत करावी लागेल आणि (कोणत्याही कायदानुसार किंवा त्याखाली काही प्रयोजनासाठी अधिकृत केले असेल त्याव्यतिरिक्त एरव्ही) ज्यामुळे अशी गुप्तता भंग पावेल असे मानण्याजोगी कोणतीही माहिती कोणत्याही व्यक्तीला सांगता येणार नाही.

(२) जी व्यक्ती पोट-कलम (१) मधील तरतुदीचे व्यतिक्रमण करील ती व्यक्ती, तीन महिन्यांपर्यंत असू शकेल इतक्या मुदतीच्या कारावासास किंवा द्रव्यदंडास, किंवा दोन्ही शिक्षांस पात्र होईल.

जोडपत्र १४  
(प्रकरण १३, परिच्छेद १३.१०)

नमुना ११

[ नियम १४(१) पहा ]

मतदान प्रतिनिधीची नेमणूक रद्द करणे

..... ची निवडणूक

प्रति,

मतदान केंद्राध्यक्ष,

मी, ..... ( वरील निवडणुकीतील उमेदवार .....

यांचा निवडणूक प्रतिनिधी ) याद्वारे माझा/त्यांचा मतदान प्रतिनिधी म्हणून करण्यात आलेली ..... यांची नेमणूक रद्द करत आहे.

ठिकाण : .....

.....

दिनांक : .....

नेमणूक रद्द करणाऱ्या व्यक्तीची सही

\* येथे पुढीलपैकी एक योग्य पर्याय भरावा :-

- (१) ..... मतदारसंघातून लोकसभेची,
- (२) ..... मतदारसंघातून विधानसभेची,
- (३) ..... ( राज्याच्या ) विधानसभेच्या निवडून आलेल्या सदस्यांकडून राज्यसभेची,
- (४) ..... ( संघ राज्यक्षेत्राच्या ) निर्वाचक गणाच्या सदस्यांकडून राज्यसभेची,
- (५) ..... विधानसभेच्या सदस्यांकडून विधान परिषदेची,
- (६) ..... मतदारसंघातून विधानपरिषदेची,

टीप .- आवश्यकते अनुसार कंसातील शब्द वगळावे.

## जोडपत्र १५

(प्रकरण १३, परिच्छेद १३.१०)

## उमेदवार व त्यांचे निवडणूक प्रतिनिधी यांच्या नमुना सहांच्या प्रपत्र

(महिना/वर्ष) ..... \* सार्वत्रिक/द्विवार्षिक/पोट-निवडणूक

\* लोकसभा/विधानसभा/विधानपरिषद मतदारसंघाचे नाव व क्रमांक.....

\*(लागू नसेल ते वगळावे.)

मतदानाच्या वेळी मतदान प्रतिनिधीच्या नियुक्तीपत्रावरील त्यांच्या सहांच्या मतदान केंद्राध्यक्षाला पडताळणी करता यावी या प्रयोजनासाठी निवडणूक लढवणारे उमेदवार आणि त्यांचे निवडणूक प्रतिनिधी यांच्या नमुना सहा खाली दिल्या आहेत :-

| निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवाराचे नाव | नमुना सही | त्याच्या/तिच्या प्रतिनिधीचे नाव | नमुना सही |
|----------------------------------|-----------|---------------------------------|-----------|
| १. श्री./श्रीमती/कुमारी .....    |           | श्री./श्रीमती/कुमारी .....      |           |
| २. श्री./श्रीमती/कुमारी .....    |           | श्री./श्रीमती/कुमारी .....      |           |
| ३. श्री./श्रीमती/कुमारी .....    |           | श्री./श्रीमती/कुमारी .....      |           |
| ४. श्री./श्रीमती/कुमारी .....    |           | श्री./श्रीमती/कुमारी .....      |           |

ठिकाण : .....

सही .....

दिनांक : .....

(मोहोर)

निवडणूक निर्णय अधिकारी.

## जोडपत्र १६

(प्रकरण १३, परिच्छेद १३.२६)

मतदान केंद्राध्यक्षाचे प्रतिज्ञापत्र

भाग एक

मतदान प्रारंभ होण्यापूर्वी मतदान केंद्राध्यक्षाने करावयाचे प्रतिज्ञापत्र

..... लोकसभा/विधानसभा मतदारसंघाची निवडणूक, मतदान केंद्राचा  
अनुक्रमांक व नाव ..... मतदानाचा दिनांक .....

मी, याद्वारे घोषित करतो की—

(१) मी, उपस्थित असलेल्या मतदान प्रतिनिधींना व अन्य व्यक्तींना पुढील गोष्टींचे प्रात्यक्षिक दाखवले आहे :-

- (अ) मतदान यंत्र चांगल्या रितीने काम करीत असून त्यामध्ये यापूर्वी मतनोंदणी करण्यात आलेली नाही; हे पाहण्यासाठी अभिरूप मतदान घेतलेले आहे. अभिरूप मतदानानंतर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रातून (नियंत्रण युनिट) अभिरूप मतदानाचा डाटा रिकामा केला आहे आणि मतदार पडताळणी योग्य कागदी परिनिरीक्षण चिन्ह (व्हीव्हीपीएटी) च्या ड्रॉप बॉक्स मधून मुद्रित कागदी चिठ्ठ्या काढून टाकल्या आहेत.
- (ब) मतदानाच्या वेळी वापरावयाच्या मतदार यादीच्या चिन्हांकित प्रतीवर, टपाली मतपत्रिका व निवडणूक कार्य प्रमाणपत्र देण्यासाठी केलेल्या खुणांव्यतिरिक्त इतर कोणत्याही प्रकारच्या खुणा नाहीत;
- (क) मतदानाच्या वेळी वापरावयाच्या मतदारांच्या नोंदवहीत (नमुना क्र. १७ ए) कोणत्याही मतदाराच्या संबंधात कोणतीही नोंद करण्यात आलेली नाही.

(२) मतदान यंत्राच्या नियंत्रण युनिटाचा निकाल विभाग सुरक्षित करण्यासाठी वापरावयाच्या कागदी मोहोरेवर/मोहोरांवर मी माझी स्वतःची सही केली आहे आणि त्यावर उपस्थित असलेल्या व सही करण्यास राजी असलेल्या मतदान प्रतिनिधींच्या सहा घेतल्या आहेत.

(३) मी, विशेष पत्ता खूणचिठ्ठीवर (स्पेशल टॅग) नियंत्रण युनिटाचा अनुक्रमांक लिहिला आहे, आणि मी, विशेष पत्ता खूणचिठ्ठीच्या मागील बाजूवर माझी सही केली आहे आणि तेथे उपस्थित असलेल्या व स्वाक्षरी करण्याची इच्छा असलेल्या उमेदवारांच्या/मतदान प्रतिनिधींच्या त्यावर सहा घेतल्या आहेत.

(४) मी, सुधारित नवीन हिरव्या कागदी मोहोरेवर माझी सही केली आहे आणि तसेच तेथे उपस्थित असलेल्या व सही करण्याची इच्छा असलेल्या उमेदवारांच्या/मतदान प्रतिनिधींच्या त्यावर सहा घेतल्या आहेत.

(५) मी, विशेष पत्ता खूणचिठ्ठीचा पूर्व-मुद्रित अनुक्रमांक मोठ्याने वाचला आहे आणि तेथे उपस्थित असलेल्या उमेदवारांना/मतदान प्रतिनिधींना सदर अनुक्रमांक लिहून घेण्यास सांगितले आहे.

सही .....

मतदान केंद्राध्यक्ष.

मतदान प्रतिनिधींच्या सहा —

- १ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )  
 २ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )  
 ३ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )  
 ४ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )  
 ५ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )  
 ६ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )  
 ७ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )  
 ८ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )  
 ९ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )



या प्रतिज्ञापत्रावर खालील मतदान प्रतिनिधींनी ( त्याची/तिची/त्यांची ) सही करण्यास नकार दिला—

- १ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )  
२ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )  
३ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )  
४ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )

दिनांक : .....

सही .....

मतदान केंद्राध्यक्ष.

## भाग दोन

## मागाहून दुसरे मतदान यंत्र उपयोगात आणल्यास त्यावेळी मतदान केंद्राध्यक्षाने करावयाचे प्रतिज्ञापत्र

..... या लोकसभा/विधानसभा मतदारसंघाची निवडणूक,  
मतदान केंद्राचा अनुक्रमांक व नाव .....

मतदानाचा दिनांक .....

मी, याद्वारे घोषित करतो की :

मतदान युनिट/नियंत्रण युनिटच्या (कृपया त्रुटीचा प्रकार नमूद करावा) मुळे मतदान युनिट/नियंत्रण युनिट/मतदार पडताळणी योग्य कागदी परिनिरीक्षण चिन्ह याचा समावेश असलेले संपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र बदलले आहे.

(१) मी, उपस्थित असलेल्या मतदान प्रतिनिधींना व अन्य व्यक्तींना पुढील गोष्टीचे प्रात्यक्षिक दाखवले आहे :-

- (अ) मतदान यंत्र चांगल्या रीतीने काम करित असून, त्यामध्ये त्यापूर्वी मतनोंदणी करण्यात आलेली नाही हे पाहण्यासाठी अभिरूप मतदान घेतलेले आहे.
- (ब) मतदानाच्या वेळी वापरावयाच्या मतदार यादीच्या चिन्हांकित प्रतीवर, टपाली मतपत्रिका व निवडणूक कार्य प्रमाणपत्र देण्यासाठी केलेल्या खुणांव्यतिरिक्त इतर कोणत्याही प्रकारच्या खुणा नाहीत.
- (क) मतदानाच्या वेळी वापरावयाच्या मतदारांच्या नोंदवहीत (नमुना क्र. १७-ए) कोणत्याही मतदाराच्या संबंधात कोणतीही नोंद करण्यात आलेली नाही.

(२) मतदान यंत्राच्या नियंत्रण युनिटाचा निकाल विभाग सुरक्षित करण्यासाठी वापरावयाच्या कागदी मोहोरेवर/मोहोरांवर मी माझी स्वतःची सही केली आहे आणि त्यावर उपस्थित असलेल्या व सही करण्यास राजी असलेल्या मतदान प्रतिनिधींच्या सहा घेतल्या आहेत.

(३) मी, विशेष पत्ता खूणचिठीवर (स्पेशल टॅग) नियंत्रण युनिटाचा अनुक्रमांक लिहिला आहे, आणि मी, विशेष पत्ता खूणचिठीच्या मागील बाजूवर माझी सही केली आहे आणि तेथे उपस्थित असलेल्या व स्वाक्षरी करण्याची इच्छा असलेल्या उमेदवारांच्या/मतदान प्रतिनिधींच्या त्यावर सहा घेतल्या आहेत.

(४) मी, सुधारित नवीन हिरव्या कागदी मोहोरेवर माझी सही केली आहे आणि तसेच तेथे उपस्थित असलेल्या व सही करण्याची इच्छा असलेल्या उमेदवारांच्या/मतदान प्रतिनिधींच्या त्यावर सहा घेतल्या आहेत.

(५) मी, विशेष खूणचिठीचा पूर्व-मुद्रित अनुक्रमांक मोठ्याने वाचला आहे आणि तेथे उपस्थित असलेल्या उमेदवारांना/मतदान प्रतिनिधींना सदर अनुक्रमांक लिहून घेण्यास सांगितले आहे.

सही .....

मतदान केंद्राध्यक्ष.

मतदान प्रतिनिधींच्या सहा -

- १ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- २ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ३ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ४ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ५ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ६ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ७ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ८ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ९ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )

या प्रतिज्ञापत्रावर खालील मतदान प्रतिनिधींनी ( त्याची/तिची/त्यांची ) सही करण्यास नकार दिला—

- १ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )  
२ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )  
३ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )  
४ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )

दिनांक : .....

सही .....

मतदान केंद्राध्यक्ष.

## भाग तीन

## मतदान समाप्तीचे प्रतिज्ञापत्र

निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ याच्या नियम ४९-घ (२) अन्वये आवश्यक असल्याप्रमाणे मतदान संपल्यावर, मतदान केंद्रावर उपस्थित असलेल्या व खाली सही केलेल्या मतदान प्रतिनिधींना, मी नमुना १७-क मधील "भाग एक नोंदवलेल्या मतांचा हिशोब" याची प्रत्येकी एक साक्षांकित प्रत दिली आहे.

दिनांक : .....

सही .....

वेळ : .....

मतदान केंद्राध्यक्ष.

नोंदविलेल्या मतांचा हिशोब (नमुना १७-सी, भाग-एक) यामधील नोंदीची साक्षांकित प्रत मिळाली.

मतदान प्रतिनिधींच्या सहा-

- १ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- २ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ३ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ४ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ५ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ६ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ७ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ८ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ९ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )

मतदान संपल्यावर उपस्थित असलेल्या पुढील मतदान प्रतिनिधींनी नमुना १७-सी वा भाग एकची साक्षांकित प्रत घेण्यास व त्यासाठी पोच देण्यास नकार दिला म्हणून त्यांना त्या नमुन्याची साक्षांकित प्रत देण्यात आली नाही.

- १ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- २ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ३ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ४ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ५ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ६ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ७ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ८ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ९ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )

दिनांक : .....

सही .....

वेळ : .....

मतदान केंद्राध्यक्ष.

## भाग चार

## मतदान यंत्र मोहोरबंद केल्यानंतर करावयाचे प्रतिज्ञापत्र

मतदान यंत्राचे नियंत्रण युनिट व मतदान युनिट यांच्या वहन पेट्यांवर मी माझी स्वतःची मोहोर लावली आहे. तसेच मतदान समाप्त होण्याच्या वेळेस मतदान केंद्रात हजर असलेल्या मतदान प्रतिनिधींना त्यांच्या स्वतःच्या मोहोर लावण्याची परवानगी दिली आहे.

दिनांक : .....

सही .....

वेळ : .....

मतदान केंद्राध्यक्ष.

खालील मतदान प्रतिनिधींनी त्यांच्या स्वतःच्या मोहोरा लावल्या .

मतदान प्रतिनिधींच्या सहा-

- १ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- २ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ३ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ४ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ५ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ६ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )

खालील मतदान प्रतिनिधींनी त्यांचा स्वतःच्या मोहोरा लावायला नकार दिला किंवा त्यांना त्याची आवश्यकता वाटली नाही.

- १ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- २ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ३ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )
- ४ ..... ( ..... या उमेदवाराचा )

दिनांक : .....

सही .....

मतदान केंद्राध्यक्ष.

## जोडपत्र - १७

(प्रकरण १३, परिच्छेद १३.१२)

मतदान केंद्राध्यतक्षाचा अहवाल

भाग-एक : अभिरूप मतदान प्रमाणपत्र

निवडणुकीचे नाव: .....(पूर्व-मुद्रित करावयाचे)

विधानसभा मतदारसंघ/विधानसभा प्रभागाचा

क्रमांक व नाव:.....(पूर्व-मुद्रित करावयाचे)

(लोकसभा मतदारसंघाचा

(संसदीय मतदारसंघ)

क्रमांक व नाव:.....(पूर्व-मुद्रित करावयाचे)

मतदान केंद्राचा क्रमांक :.....

(क) अभिरूप मतदानाचे आयोजन व अभिरूप मतदानाच्या

माहितीची (डाटा) पडताळणी

| अ. क्र. | उमेदवाराचे नाव (नोटा सह उमेदवारांची नावे पूर्व - मुद्रित करावयाची आहेत.) | अभिरूप मतदाना दरम्यान केलेल्या मतांची संख्या | निकाल तपासल्यावर नियंत्रण युनिटमध्ये प्रदर्शित झालेल्या मतांची संख्या | उमेदवारांबाबतच्या व्हीव्हीपीएटी ने मुद्रित केलेल्या कागदी चिट्ट्यांची संख्या | नियंत्रण युनिटमध्ये प्रदर्शित झालेला निकाल व मुद्रित केलेल्या कागदी चिट्ट्यांची मोजणी एकमेकांशी जुळली (होय/नाही) | पक्षाच्या संक्षेपक्षरांसह/ स्वतंत्र मतदान प्रतिनिधींची स्वाक्षरी |
|---------|--|--|---|--|--|--|
| १.      |  |  |   |  |  |  |
| २.      |  |  |   |  |  |  |
| ३.      |  |  |   |  |  |  |
| ४.      |  |  |   |  |  |  |
| ५.      |  |  |   |  |  |  |
| ६.      |  |  |   |  |  |  |
| ७.      |  |  |   |  |  |  |
| ८.      |  |  |   |  |  |  |
| ९.      |  |  |   |  |  |  |
|         |  |  |   |  |  |  |
|         |  |  |   |  |  |  |
|         | वरील पैकी कोणीही नाही नोटा   |  |   |  |  |  |
|         | एकूण   |  |   |  |  |  |

(ख) अभिरूप मतदानाचा डाटा (माहिती) पुसून टाकण्यासाठी नियंत्रण युनिटवरील 'क्लअर' बटण दाबले आहे (होय / नाही).  
होय असल्यास, नंतर वरील वाक्य शाईमध्ये लिहावे.

(ग) अभिरूप मतदानानंतर व्ही व्ही पी ए टी मधून सर्व कागदी चिठ्या बाहेर काढल्या आहेत (होय नाही)

(घ) सर्व मतदान प्रतिनिधींना रिकामे व्ही व्ही पी ए टी दाखवले आहे. (होय / नाही).

(ङ) प्रत्यक्ष मतदानापूर्वी, मतदार पडताळणीयोग्य कागदी परिनिरीक्षण चिन्हाच्या व्ही व्ही पी ए टीच्या)

ड्रॉप बॉक्समध्ये मुद्रित कागदी चिठ्ठी नसल्याची खात्री केली आहे आणि ते मतदान प्रतिनिधीला दाखवले आहे (होय / नाही)

(च) मतदान प्रतिनिधीला एकूण मत '०' (शून्य) असल्याचे दाखविण्याकरिता नियंत्रण युनिटवरील 'टोटल' बटण दाबले आहे (होय/नाही).

(छ) अभिरूप मतदान, मतदार पडताळणीयोग्य कागदी परिनिरीक्षण चिन्ह व्ही व्ही पी ए टी चिठ्यांवर 'अभिरूप मतदान चिठ्ठी' असा शिक्का उमटवलेला आहे व काळ्या रंगाच्या पाकिटात/जैवविघटनीय (बायोडिग्रेडेबल) अपारदर्शक प्लास्टिक पाकिटात मोहोरबंद केलेले आहे व नंतर गुलाबी कागदी चिठ्ठीसह प्लास्टिक बॉक्समध्ये मोहोरबंद केलेले आहे (होय / नाही).

(ज) पुढील व्यक्ती अभिरूप मतदानास साक्षीदार होते आणि त्यांनी अभिरूप मते एकमेकांशी जुळली असल्याचे प्रमाणित केले आहे आणि अभिरूप मतदानानंतर नियंत्रण युनिटमधून अभिरूप मते पुसून टाकल्याचे प्रमाणित केले आहे.

| अ. क्र. | मतदान प्रतिनिधीचे नाव | पक्षाचे नाव | उमेदवाराचे नाव | मतदान प्रतिनिधीची स्वाक्षरी |
|---------|-----------------------|-------------|----------------|-----------------------------|
|         |                       |             |                |                             |
|         |                       |             |                |                             |
|         |                       |             |                |                             |
|         |                       |             |                |                             |
|         |                       |             |                |                             |
|         |                       |             |                |                             |
|         |                       |             |                |                             |
|         |                       |             |                |                             |

(झ) नियंत्रण युनिटवर प्रदर्शित वेळ, भारतीय प्रमाण वेळेपेक्षा (आय एस टी) कोणतीही असल्यास.....मिनिटे जास्त /कमी आहे.

(ञ) सूक्ष्म - निरीक्षकाची स्वाक्षरी ( मतदान केंद्रावर नियुक्त केलेला असल्यास).

#### मतदान केंद्राध्यक्षाचे नाव व /स्वाक्षरी

(ट) याद्वारे, हे प्रमाणित केले जाते की, प्रत्यक्ष मतदान सुरु करण्यापूर्वी नियंत्रण युनिटचे एकूण 'टोटल (एकूण) मतदान शून्य' आहे याची खात्री करण्यासाठी सर्व मतदान अधिकाऱ्यांच्या उपस्थितीत नियंत्रण युनिटचे 'टोटल' (एकूण) बटण दाबले आहे. योग्य निरीक्षणावर खूण (टिका) करा :

(एक) नियंत्रण युनिट एकूण मत '०' दर्शविते

(दोन) नियंत्रण युनिट एकूण मत '०' (शून्य) पेक्षा जास्त दर्शवते (म्हणजे अभिरूप मतदान केलेली मते मुसली रिकामी केलेली नाहीत), म्हणून अभिरूप मतदानाचा डाटा काढून टाकावा.



**मतदान केंद्राक्षाची स्वाक्षरी**

वरील प्रक्रियेचे पुढील साक्षीदार आहेत आणि त्यांनी नियंत्रण युनिटमधून अभिरूप मते पुसून टाकल्याचे आणि मतदार पडताळणी योग्य कागदी परिनिरीक्षण चिन्ह व्ही व्ही पी ए टी) मधून अभिरूप मतदान मतदार पडताळणीयोग्य कागदी परिनिरीक्षण चिन्हातील (व्ही व्हीपीएटी मधून) चिठ्या काढून टाकल्याचे प्रमाणित केले आहे.

| अ.क्र. | मतदान अधिकाऱ्याचे नाव | सही |
|--------|-----------------------|-----|
|        |                       |     |
|        |                       |     |
|        |                       |     |
|        |                       |     |
|        |                       |     |

## जोडपत्र - १८

(प्रकरण १४, परिच्छेद १४.५)

उमेदवारांना किंवा त्यांच्या निवडणूक प्रतिनिधींना मतमोजणीचा दिनांक, वेळ व ठिकाण यासंबंधी द्यावयाची सूचना

लोकसभेची निवडणूक .....

विधानसभा ..... मतदारसंघ

(मतमोजणी एक ठिकाणी होत असेल तर त्या बाबतीत)

निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ यातील नियम ५१ अनुसार मी, याद्वारे अशी सूचना देतो की, मी, उक्त नियमानुसार, या मतदारसंघातील मतमोजणीचा दिनांक व वेळ म्हणून दिनांक .....महिना .....२०..... व म.पू./म.उ. .... ही वेळ आणि अशा मतमोजणीसाठी ..... हे ठिकाण निश्चित केलेले आहे.

ठिकाण :

दिनांक :

निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याची स्वाक्षरी

प्रत

सर्व उमेदवार किंवा त्यांचे निवडणूक प्रतिनिधी.

## जोडपत्र - १९

(प्रकरण १४, परिच्छेद १४.५)

उमेदवारांना किंवा त्यांच्या निवडणूक प्रतिनिधींना मतमोजणीचा दिनांक वेळ व ठिकाण यासंबंधी द्यावयाची सूचना  
 ..... लोकसभेची निवडणूक ..... विधानसभा मतदारसंघ

(मतमोजणी एक ठिकाणी होत असेल तर त्या बाबतीत)

निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ यातील नियम ५१ अनुसार मी, याद्वारे अशी सूचना देतो की, मी, उक्त नियमानुसार, या मतदारसंघाच्या वेगवेगळ्या विधानसभा क्षेत्रांसाठी खाली विनिर्दिष्ट केल्याप्रमाणे मतमोजणीचे दिनांक, वेळ व ठिकाणे निश्चित केलेले आहेत :—

| विधानसभा मतदारसंघाचे नाव<br>(१) | दिनांक व वेळ<br>(२) | मतमोजणीचे ठिकाण<br>(३) |
|---------------------------------|---------------------|------------------------|
|                                 |                     |                        |

(दिनांक) ..... रोजी (वेळ) ..... वाजता संपूर्ण मतदार संघाच्या (ठिकाण) .....  
 येथे टपाली मतपत्रिका मोजण्यात येतील व सर्व मतदान केंद्रावरील मतदानाचे निकाल एकत्रित करण्यात येतील.

ठिकाण :

दिनांक :

निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याची यांची स्वाक्षरी

प्रत :

सर्व उमेदवार किंवा त्यांचे निवडणूक प्रतिनिधी.

## जोडपत्र - २०

(प्रकरण १४, परिच्छेद १४.१०)

नमुना १८ - मतमोजणी प्रतिनिधीची नेमणूक

..... मतदारसंघातील..... ची निवडणूक

प्रति,

निवडणूक निर्णय अधिकारी,

मी, .....वरील निवडणुकीतील \* उमेदवार/निवडणूक प्रतिनिधी याद्वारे..... येथे  
मतमोजणीसाठी हजर राहण्यासाठी पुढील व्यक्तींची माझे मतमोजणी प्रतिनिधी म्हणून नेमणूक करत आहे :-

| मतमोजणी प्रतिनिधीचे नाव | मतमोजणी प्रतिनिधीचा पत्ता |
|-------------------------|---------------------------|
| १.                      |                           |
| २.                      |                           |
| ३.                      |                           |
| इत्यादी                 |                           |

| असे मतमोजणी प्रतिनिधी म्हणून काम करण्याचे<br>आम्ही मान्य करतो | * उमेदवार/निवडणूक प्रतिनिधीची सही |
|---|-----------------------------------|
| १.  |                                   |
| २.  |                                   |
| ३.  |                                   |
| इत्यादी   |                                   |

ठिकाण

दिनांक

मतमोजणीच्या प्रतिनिधींच्या सहा.

### मतमोजणी प्रतिनिधींचे प्रतिज्ञापन

(निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमक्ष सही करावयाचे)

आम्ही याद्वारे जाहीर करतो की, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम १२८\* आम्ही वाचले असून/आम्हाला वाचून दाखवण्यात आले असून त्या कलमाद्वारे निषिद्ध ठरवण्यात आलेले कोणतेही कृत्य आम्ही करणार नाही.

१.

२.

३.

इत्यादी.

ठिकाण :

माझ्या समक्ष सही केली.

मतमोजणी प्रतिनिधींच्या सहा.

\*लागू नसलेला पर्याय खोडावा.

\*लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम १२८ :

### १२८. मतदानाची गुप्तता राखणे.

**निवडणूक निर्णय अधिकारी.**—(१) जो निवडणुकीच्या वेळी मत नोंदणीच्या किंवा मतमोजणीच्या संबंधात काही कोणतेही कर्तव्य पार पाडत असेल असा प्रत्येक अधिकारी, लिपिक, प्रतिनिधी किंवा अन्य व्यक्ती, मतदानाची गुप्तता राखेल, तसेच गुप्तता राखण्यास मदत करावी लागेल आणि कोणत्याही कायदानुसार किंवा त्याखाली काही प्रयोजनासाठी अधिकृत केले असेल त्याव्यतिरिक्त एरव्ही ज्यामुळे अशी गुप्तता भंग पावण्याची शक्यता निर्माण होईल अशी कोणतीही माहिती कोणत्याही व्यक्तीला सांगणार नाही.

(२) जी व्यक्ती पोट-कलम (१) मधील तरतुदीचे उल्लंघन करील ती व्यक्ती, तीन महिन्यांपर्यंत असू शकेल इतक्या मुदतीच्या कारावासास किंवा द्रव्यदंडास किंवा दोन्ही शिक्षांस पात्र असेल.

## जोडपत्र २१

(प्रकरण १४, परिच्छेद १४.११)

नमुना १९-मतमोजणी प्रतिनिधीची नेमणूक रद्द करणे

\* ..... ची निवडणूक

प्रति,

निवडणूक निर्णय अधिकारी,

महोदय,

मी, ..... वरील निवडणुकीतील उमेदवार .....

चा निवडणूक प्रतिनिधी याद्वारे, माझा/त्यांचा मतमोजणी प्रतिनिधी म्हणून केलेली ..... यांची नेमणूक रद्द करत आहे.

ठिकाण : .....

दिनांक :

नेमणूक रद्द करणाऱ्या व्यक्तीची सही.

\* येथे पुढीलपैकी एक योग्य पर्याय भरावा :

- (१) ..... मतदारसंघातून लोकसभेची
- (२) ..... मतदारसंघातून विधानसभेची
- (३) ..... (राज्याच्या) विधानसभेच्या निवडून आलेल्या सदस्यांकडून राज्यसभेची
- (४) ..... (संघराज्य क्षेत्राच्या) निर्वाचक गणाच्या सदस्यांकडून राज्यसभेची
- (५) ..... विधानसभेच्या सदस्यांकडून विधानपरिषदेची
- (६) ..... मतदारसंघातून विधानपरिषदेची

टीप.—आवश्यकतेनुसार ( ) कंसातील शब्द वगळावे.

## जोडपत्र २२

## (प्रकरण सोळा, परिच्छेद १६.१)

ए - लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ मधील उतारे

## ७६. प्रकरण लागू करणे.—

हे प्रकरण, फक्त लोकसभेच्या व राज्य विधानसभेच्या निवडणुकांना लागू असेल.

## ७७. निवडणूक खर्चाचा हिशेब व कमाल खर्च

- (१) निवडणुकीतील प्रत्येक उमेदवाराने एकतर स्वतः किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने, त्याचे नामनिर्देशन झाल्याची तारीख आणि त्याच्या निवडणुकीचा निकाल घोषित झाल्याची तारीख दोन्ही दिवस धरून या दरम्यान त्याने स्वतः किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने निवडणुकीच्या संबंधात केलेल्या किंवा प्राधिकृत केलेल्या खर्चाचा एक स्वतंत्र व बिनचूक हिशेब ठेवावा.

**स्पष्टीकरण १.**—शंका निरसनार्थ, याद्वारे घोषित करण्यात येते की,—

- (अ) एखाद्या राजकीय पक्षाच्या नेत्याकडून, त्या राजकीय पक्षाच्या प्रचाराच्या कार्यक्रमांसाठी हवाई मार्गाने किंवा वाहतुकीच्या इतर कोणत्याही साधनाने केलेल्या प्रवासावर केलेला खर्च हा, या पोट-कलमाच्या प्रयोजनार्थ, त्या राजकीय पक्षाच्या उमेदवाराने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने निवडणुकीच्या संबंधात केलेला किंवा प्राधिकृत केलेला खर्च असल्याचे मानण्यात येणार नाही.
- (ब) शासनाच्या सेवेत असलेल्या व कलम १२३ च्या खंड (७) मध्ये नमूद केलेल्या वर्गातील कोणत्याही व्यक्तीने, त्या खंडाच्या परंतुकामध्ये नमूद केल्याप्रमाणे आपले पदीय कर्तव्य पार पाडताना किंवा ते पार पाडण्याचे अभिप्रेत असताना, केलेली कोणतीही व्यवस्था, पुरविलेल्या सुविधा किंवा केलेली अन्य कोणतीही कृती किंवा गोष्टी यासंबंधात केलेला कोणताही खर्च हा, या पोट-कलमाच्या प्रयोजनार्थ, त्या उमेदवाराने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने निवडणुकीच्या संबंधात केलेला किंवा प्राधिकृत केलेला खर्च असल्याचे मानण्यात येणार नाही.

**स्पष्टीकरण २.**—स्पष्टीकरण १ च्या खंड (अ) च्या प्रयोजनार्थ, कोणत्याही निवडणुकीच्या संबंधात, “ एखाद्या राजकीय पक्षाचे नेते ” या शब्दप्रयोगाचा अर्थ,

- (एक) असा राजकीय पक्ष हा, मान्यताप्राप्त राजकीय पक्ष असेल तर, चाळीसपेक्षा अधिक नसतील इतक्या व्यक्तींची नावे, आणि
- (दोन) असा राजकीय पक्ष हा, मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षाव्यतिरिक्त असेल तर, वीसपेक्षा अधिक नसतील इतक्या व्यक्तींची नावे ते राजकीय पक्षाचे नेते असल्याबाबत निवडणूक आयोगाला किंवा राज्याच्या मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याला या अधिनियमान्वये, अशा निवडणुकीची अधिसूचना, **भारताच्या राजपत्रात** किंवा, यथास्थिति, **राज्याच्या राजपत्रात** प्रसिद्ध झाल्याच्या दिनांकापासून सात दिवसांच्या कालावधीत, अशा निवडणुकीच्या प्रयोजनार्थ, त्या राजकीय पक्षाने, कळविली आहेत, असा आहे :

परंतु, खंड (एक) किंवा, यथास्थिति, खंड (दोन) मध्ये उल्लेखिलेल्या कोणत्याही व्यक्ती मरण पावल्या असतील किंवा अशा राजकीय पक्षाच्या सदस्य म्हणून राहिल्या असण्याचे बंद झाले असेल तर अशा प्रकरणी, एखाद्या राजकीय पक्षाला, अशा मृत पावलेल्या किंवा सदस्य म्हणून न राहिलेल्या व्यक्तींच्या जागी, नवीन नेता पदनिर्देशित करण्याच्या प्रयोजनार्थ, अशा निवडणुकीसाठी शेवटचे मतदान संपवण्यासाठी निश्चित केलेली वेळ संपण्याच्या अठ्ठेचाळीस तासापूर्वी संपण्याच्या कालावधीच्या आत, तात्काळ नवीन नाव निवडणूक आयोगाला व राज्यांच्या मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्यांना कळविता येईल.

- (२) हिशेबात विहित करण्यात येईल असा तपशील अंतर्भूत असेल.

- (३) उक्त खर्चाची एकूण रक्कम, विहित करण्यात येईल अशा रकमेहून अधिक असणार नाही.



### ७८. जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्यांकडे हिशेब दाखल करणे

- (१) निवडणुकीतील प्रत्येक निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवाराने, उमेदवार निवडून आल्याच्या तारखेपासून किंवा निवडणुकीत एकापेक्षा अधिक उमेदवार निवडून आले असतील तर त्यांच्या निवडणुकीच्या तारखा वेगवेगळ्या असतील तर अशा दोन्ही तारखानंतर तीस दिवसांच्या आत, त्यांच्या निवडणूक खर्चाचा हिशेब जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्यांकडे दाखल केला पाहिजे आणि असा निवडणूक खर्च हा, उमेदवाराने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने कलम ७७ अन्वये ठेवलेल्या हिशेबाची सत्यप्रत्य असेल.

### १०-ए. निवडणूक खर्चाचा हिशेब देण्यात कसूर केल्याबद्दल निरर्हता-निवडणूक आयोगाची अशी खात्री पटली असेल की, एखाद्या व्यक्तीने-

- (क) या अधिनियमान्वये किंवा तदन्वये आवश्यक असलेल्या वेळेत आणि तशा पद्धतीने निवडणूक खर्चाचे हिशेब देण्यात कसूर केली आहे ; आणि
- (ख) अशा कसुरीबद्दल सबळ कारण किंवा समर्थन नाही.

तर, निवडणूक आयोग, राजपत्रात प्रसिद्ध झालेल्या आदेशाद्वारे ती व्यक्ती निरर्ह असल्याचे जाहीर करील आणि अशी कोणतीही व्यक्ती, आदेशाच्या दिनांकापासून तीन वर्षांच्या कालावधीपर्यंत निरर्ह ठरेल.

### १२३. भ्रष्टाचारी प्रथा.-

[(१) “ लाचलुचपत ” म्हणजेच—

- (ए) उमेदवाराने किंवा त्याच्या प्रतिनिधीने अथवा उमेदवाराच्या किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीच्या संमतीने अन्य कोणत्याही व्यक्तीने, दुसऱ्या कोणत्याही व्यक्तीला प्रत्यक्ष किंवा अप्रत्यक्षपणे प्रवृत्त करण्याच्या हेतूने,—
- (क) निवडणुकीला उमेदवार म्हणून उभे राहण्यास किंवा न राहण्यास किंवा ४ ( उमेदवार म्हणून नाव मागे घेण्यास किंवा न घेण्यास ) अथवा
- (ख) निवडणुकीच्या वेळी एखाद्या मतदाराला मत देण्यास किंवा मतदान न करण्यास प्रत्यक्षपणे किंवा अप्रत्यक्षपणे प्रवृत्त करण्याच्या हेतूने,—
- (एक) याप्रमाणे उमेदवार म्हणून उभे राहिल्याबद्दल किंवा न राहिल्याबद्दल किंवा ५ ( आपली उमेदवारी मागे घेतल्याबद्दल किंवा मागे न घेतल्याबद्दल ) एखाद्या व्यक्तीला, किंवा
- (दोन) मतदान केल्याबद्दल किंवा मतदान न केल्याबद्दल मतदाराला, बक्षीस देणे, देवू करणे, किंवा तसे वचन देणे,—
- (बी) (क) उमेदवार म्हणून उभे राहण्याबद्दल किंवा उभे न राहण्याबद्दल किंवा ६ ( आपली उमेदवारी मागे घेण्याबद्दल किंवा न घेण्याबद्दल ) एखाद्या व्यक्तीने; किंवा
- (ख) एखाद्या व्यक्तीने स्वतः किंवा अन्य कोणत्याही व्यक्तीने मतदान करण्याबद्दल किंवा न करण्याबद्दल किंवा एखाद्या मतदाराला मत देण्यास किंवा देण्याचे वर्जिण्यास किंवा उमेदवाराला त्याची उमेदवारी ४ ( मागे घेण्यास किंवा न घेण्यास ) प्रवृत्त करण्याबद्दल किंवा प्रवृत्त करण्याचा प्रयत्न करण्याबद्दल प्रलोभन किंवा बक्षीस म्हणून एखादे पारितोषिक घेणे किंवा घेण्याचा करार करणे.

(स्पष्टीकरण.— या खंडाच्या प्रयोजनार्थ, “ पारितोषिक ” या संज्ञेचा अर्थ, आर्थिक पारितोषिके किंवा पैशांमध्ये किंमत करता येण्यासारखी पारितोषिके यांच्यापुरता मर्यादित नाही व त्यामध्ये सर्व स्वरूपाच्या करमणूकीचा आणि सर्व स्वरूपाच्या मोलमजुरीचा समावेश होतो, पण कोणत्याही निवडणुकीच्या वेळी किंवा निवडणुकीच्या प्रयोजनासाठी प्रमाणिकपणे केलेला आणि कलम ७८ मध्ये निर्देशिलेल्या निवडणूक खर्चाच्या हिशेबात रीतसर नोंद केलेला कोणताही खर्च देण्याचा त्यात समावेश होत नाही).

- (२) गैरवाजवी दडपणे म्हणजेच एखाद्या उमेदवाराने किंवा त्याच्या प्रतिनिधीने अथवा ७ ( उमेदवाराच्या किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीच्या संमतीने ) अन्य कोणत्याही व्यक्तीने कोणत्याही निवडणुकविषयक अधिकाराच्या मुक्त वापरामध्ये प्रत्यक्षपणे किंवा अप्रत्यक्षपणे हस्तक्षेप करणे किंवा हस्तक्षेप करण्याचा प्रयत्न करणे :

परंतु,

- (क) या खंडातील तरतुदींच्या व्यापकतेला बाध न येता, त्यामध्ये निर्देशिल्याप्रमाणे अशी जी कोणतीही व्यक्ती,—
- (एक) कोणत्याही उमेदवाराला किंवा कोणत्याही मतदाराला किंवा ज्या व्यक्तीमध्ये उमेदवाराचा किंवा मतदाराचा हितसंबंध आहे त्या व्यक्तीला सामाजिक बहिष्कार, तसेच जातिबहिष्कार किंवा कोणत्याही जातीतून किंवा समाजातून वाळीत टाकणे यासुद्धा अशा कोणत्याही प्रकारची क्षती पोहोचवण्याची धमकी देईल; किंवा
- (दोन) उमेदवाराला किंवा कोणत्याही मतदाराला तो स्वतः किंवा ज्यामध्ये त्याचा हितसंबंध आहे अशी अन्य व्यक्ती देवी अवकृपेचा किंवा धार्मिक रोषाचा बळी होऊल किंवा केला जाईल असे समजण्यास प्रवृत्त करील किंवा प्रवृत्त करण्याचा प्रयत्न करील, ती व्यक्ती, या खंडाच्या अर्थानुसार अशा उमेदवाराच्या किंवा मतदाराच्या निवडणुकविषयक अधिकाराच्या मुक्त वापरामध्ये हस्तक्षेप करित असल्याचे समजण्यात येईल.
- (ख) सार्वजनिक धोरणाची घोषणा किंवा सार्वजनिक कार्य करण्याचे वचन किंवा निवडणुकविषयक अधिकारांमध्ये, हस्तक्षेप करण्याचा उद्देश नसताना केवळ वैध अधिकाराचा वापर हा, या खंडाच्या अर्थानुसार हस्तक्षेप असल्याचे मानले जाणार नाही.
- (६) कलम ७७ चे उल्लंघन करून करण्यात येणारा किंवा प्राधिकृत करण्यात येणारा खर्च.

### १२७-ए पत्रके, भिक्तीपत्रके इत्यादींच्या मुद्रणावरील निबंध—

- (१) कोणत्याही व्यक्तीला ज्याच्या दर्शनी भागावर त्याच्या मुद्रकाचे आणि प्रकाशकाचे नाव व पत्ता नसेल असे कोणतेही निवडणूक पत्रक किंवा भिक्तीपत्रक मुद्रित वा प्रकाशित करता येणार नाही अथवा मुद्रित किंवा प्रकाशित करवता येणार नाही.
- (२) कोणत्याही व्यक्तीला निवडणूक पत्रक किंवा भिक्तीपत्रक,—
- (क) ती स्वतःच त्याचा प्रकाशक आहे याबद्दलचे स्वतः स्वाक्षरीत केलेले आणि ज्या व्यक्ती तिला व्यक्तीशः ओळखतात अशा दोन व्यक्तींनी साक्षात्कृत केलेले अधिकथन तिने मुद्रकाला दोन प्रतींमध्ये दिल्याशिवाय; आणि
- (ख) तो दस्तऐवज मुद्रित झाल्यानंतर वाजवी, मुद्रतीच्या आत मुद्रकाने त्या दस्तऐवजाच्या एका प्रतीसह अधिकथनाची एक प्रत,—
- (एक) तो राज्याच्या राजधानीत ठिकाणी मुद्रित झाला असेल तर, मुख्य निर्वाचन अधिकाऱ्याला, आणि
- (दोन) इतर कोणत्याही बाबतीत तो त्या जिल्ह्यामध्ये मुद्रित झाला असेल त्या जिल्ह्याच्या जिल्हा दंडाधिकार्याला पाठविल्याशिवाय, मुद्रित करता येणार नाही किंवा मुद्रित करवता येणार नाही

### (३) या कलमाच्या प्रयोजनार्थ—

- (क) दस्तऐवजाची हाताने नक्कल करण्याच्या प्रक्रियेहून अन्य कोणतीही अनेक प्रती काढण्याची प्रक्रिया म्हणजे मुद्रण असल्याचे समजण्यात येईल आणि “ मुद्रक ” या संज्ञेचा अर्थ तदनुसार लावला जाईल ;
- (ख) “ निवडणूक पत्रक किंवा भिक्तीपत्रक ” याचा अर्थ उमेदवाराच्या किंवा उमेदवारांच्या एखाद्या गटाच्या निवडणुकीचे प्रचालन करण्यासाठी किंवा निवडणुकीला बाध आणण्यासाठी वाटण्यात आलेले कोणतेही मुद्रित पत्रक, हस्तपत्रक किंवा अन्य दस्तऐवज किंवा निवडणुकीशी संबंधित असा घोषणाफलक किंवा भिक्तीपत्रक असा होतो; पण निवडणूक सभेचा दिनांक, वेळ, ठिकाण आणि इतर तपशील किंवा निवडणूक प्रतिनिधी किंवा कार्यकर्ते यांच्यासाठी नेहमीच्या सूचना जाहीर करणारी हस्तपत्रक घोषणाफलक किंवा भिक्तीपत्रक यांचा समावेश होत नाही.

(४) जी व्यक्ती पोट-कलम (१) किंवा पोट-कलम (२) मधील कोणत्याही तरतुदींचे उल्लंघन करील ती व्यक्ती, सहा महिन्यांपर्यंत असू शकेल इतक्या मुदतीच्या कारावासास, किंवा दोन हजार रुपयांपर्यंत असू शकेल इतक्या द्रव्यदंडास, किंवा दोन्ही शिक्षांस पात्र असेल.

## बी. भारतीय दंड संहिता, १८६०

### १७१-ब. लाचलुचपत (१) जो कोणी—

(एक) कोणत्याही व्यक्तीला कोणताही निवडणुकविषयक हक्क वापरण्यासाठी तिला किंवा अन्य कोणत्याही व्यक्तीला प्रवृत्त करण्याच्या अथवा असा कोणताही हक्क वापरण्याबद्दल कोणत्याही व्यक्तीला बक्षिशी देण्याच्या हेतूने परितोषण देतो; अथवा,

(दोन) असा कोणताही हक्क वापरण्याबद्दल अथवा असा कोणताही हक्क वापरण्यासाठी अन्य कोणत्याही व्यक्तीला प्रवृत्त करण्याबद्दल किंवा प्रवृत्त करण्याचा प्रयत्न करण्याबद्दल बक्षिशी म्हणून कोणतेही परितोषण स्वतः करता किंवा अन्य कोणत्याही व्यक्तीकरता स्वीकारतो, त्याने लाचलुचपतीचा अपराध केला असे होते:

परंतु, लोकधोरण जाहीर करणे किंवा लोकोपयोगी कारवाईचे वचन देणे हा या कलमाखाली अपराध होणार नाही.

(२) जी व्यक्ती एखादे परितोषण देऊ करील, किंवा देण्याचे कबूल करील, अथवा ते मिळवून देण्याची तयारी दर्शविल, किंवा तसा प्रयत्न करील ती परितोषण देते असे मानले जाईल.

(३) जी व्यक्ती एखादे परितोषण मिळविल किंवा स्वीकारण्याचे कबूल करील किंवा मिळवण्याचा प्रयत्न करील ती परितोषण स्वीकारते असे मानले जाईल, आणि जी व्यक्ती आपणास जे करणे उद्देशित नाही त्यासाठी प्रलोभन म्हणून किंवा आपण जे केलेले नाही त्याबद्दल बक्षिशी म्हणून एखादे परितोषण स्वीकारते तिने बक्षिशी म्हणून ते परितोषण स्वीकारले आहे असे मानले जाईल.

१७१-ई. लाचलुचपतीबद्दल शिक्षा—जो कोणी लाचलुचपतीचा अपराध करील त्याला, एक वर्षापर्यंत असू शकेल इतक्या मुदतीची कोणत्या तरी एका वर्णनाच्या कारावासाची, किंवा द्रव्यदंडाची, किंवा दोन्ही शिक्षा होतील :

परंतु, सरबराईद्वारे लाचलुचपतीचा अपराध करण्याबद्दल फक्त द्रव्यदंडच ठोठावण्यात येईल,

**स्पष्टीकरण.**— “सरबराई” याचा अर्थ, ज्या बाबतीत खाद्य, पेये, करमणूक किंवा सामग्रीपुरवठा या रुपात परितोषण दिले जाते त्या प्रकारची लाचलुचपत, असा आहे.

१७१-फ. निवडणुकीत गैरवाजवी प्रभाव पाडण्याबद्दल किंवा तोतयेगिरी करण्याबद्दल शिक्षा,—

जो कोणी निवडणुकीत गैरवाजवी प्रभाव पाडण्याचा किंवा तोतयेगिरी करण्याचा अपराध करील त्याला, एक वर्षापर्यंत असू शकेल इतक्या मुदतीची कोणत्यातरी एका वर्णनाच्या कारावासाची किंवा द्रव्यदंडाची, किंवा दोन्ही शिक्षा होतील.

१७१-ह. निवडणुकीच्या संबंधात अवैधपणे पैसे खर्च करणे

उमेदवारांकडून सर्वसाधारण किंवा विशेष लेखी प्राधिकार नसताना जो कोणी. अशा उमेदवाराच्या निवडणुकीला चालना देण्याकरता किंवा त्यास निवडून आणण्याकरता कोणतीही सार्वजनिक सभा भरण्याखातर अथवा कोणतीही जाहिरात, परिपत्रक किंवा प्रकाशन यावर अथवा अन्य कोणत्याही प्रकारे खर्च करील किंवा त्यास प्राधिकृती देईल त्याला, पाचशे रुपयापर्यंत असू शकेल इतक्या द्रव्यदंडाची शिक्षा होईल :

परंतु, जर कोणत्याही व्यक्तीने प्राधिकार नसताना जास्तीत जास्त दहा रुपयापर्यंत काही रक्कम अशा रीतीने खर्च केल्यानंतर, असा खर्च केल्याच्या दिनांकापासून दहा दिवसांच्या आत त्या खर्चास उमेदवाराची लेखी मान्यता मिळवली तर तिने उमेदवाराच्या प्राधिकारानिशी असा खर्च केला असल्याचे समजण्यात येईल.

१७१- आय. निवडणुकीचे हिशेब ठेवण्यास कसूर करणे

निवडणुकीमध्ये किंवा तिच्या संबंधात होणाऱ्या खर्चाचे आपण हिशेब ठेवणे त्या त्या काळी अंमलात कोणत्याही कायदानुसार किंवा कायद्याप्रमाणे प्रभावी असलेल्या कोणत्याही नियमानुसार आवश्यक असताना जो कोणी असे हिशेब ठेवण्यास कसूर करील त्याला, पाचशे रुपयापर्यंत असू शकेल इतक्या द्रव्यदंडाची शिक्षा होईल.

## सी निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१

## निवडणूक खर्च

## ८६. निवडणूक खर्चाच्या हिशेबांचा तपशील

- (१) एखाद्या उमेदवाराने किंवा त्यांच्या निवडणूक प्रतिनिधीने कलम ७७ अन्वये ठेवावयाच्या निवडणूक खर्चाच्या रकमेत, दैनंदिन खर्चाच्या प्रत्येक बाबीच्या संबंधात खालील तपशीलाचा समावेश असला पाहिजे, ते असे,—
- (अ) ज्या तारखेला खर्च करण्यात आला किंवा प्राधिकृत करण्यात आला ती तारीख ;
- (ब) खर्चाचे स्वरूप ( उदाहरणार्थ प्रवास खर्च, टपाल खर्च किंवा छपाई खर्च व इतर खर्च ) ;
- (क) खर्चाची रक्कम,—
- (एक) प्रदान केलेली रक्कम :
- (दोन) अदत्त रक्कम :
- (ड) प्रदानाची तारीख :
- (इ) पैसे घेणाऱ्या व्यक्तीचे नाव व पत्ता :
- (फ) प्रदान केलेल्या रकमेच्या बाबतीत प्रमाणकांचा अनुक्रमांक :
- (ग) कोणतीही असल्यास, अदत्त रकमेच्या बाबतीत देयकाचा अनुक्रमांक :
- (ह) ज्या व्यक्तीला अदत्त रक्कम प्रदेय आहे त्या व्यक्तीचे नाव व पत्ता :
- (२) टपाल खर्च, रेल्वे व त्यासारख्या इतर वाहनातून प्रवास यांचे प्रमाणक मिळवणे व्यवहार्य नाही अशा खर्चाच्या स्वरूपाव्यतिरिक्त खर्चाच्या प्रत्येक बाबीसाठी प्रमाणक मिळवण्यात आले पाहिजे.
- (३) निवडणूक खर्चाच्या हिशेबासह सर्व प्रमाणके उमेदवाराने किंवा त्यांच्या निवडणूक प्रतिनिधीने प्रदानाच्या तारखेनुसार व्यवस्थितपणे लावून व त्यावर अनुक्रमांक घालून सादर केले पाहिजेत आणि त्यांची पोट-नियम ( १ ) च्या बाब क्र. (एफ) खालील हिशेबात नमूद करण्यात आली पाहिजेत.
- (४) पोट-नियम ( २ ) खाली ज्या खर्चाच्या बाबीच्या संबंधात पोट-नियम ( १ ) च्या बाब (इ) मध्ये नमूद केलेल्या खर्चाच्या बाबतीत तपशील देण्याची आवश्यकता असणार नाही.

## ८७. हिशेबांची तपासणी करण्यासाठी [जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्यांकडून] नोटीस

[जिल्हा निवडणूक अधिकारी,] कलम ७८ अन्वये उमेदवाराकडून ज्या तारखेस निवडणूक खर्च दाखल करण्यात आला असेल त्या तारखेपासून दोन दिवसांच्या आत, त्यामध्ये खालील गोष्टी नमूद करून त्याच्या सूचना फलकावर लाविली :—

- (अ) ज्या तारखेला हिशेब दाखल करण्यात आला, ती तारीख ;
- (ब) उमेदवाराचे नाव ; आणि
- (क) ज्या वेळेला आणि ज्या ठिकाणी अशा हिशेबाची तपासणी करण्यात येईल ती वेळ व ठिकाण.

## ८८. हिशेबाची तपासणी व त्या हिशेबाच्या प्रती मिळविणे.

कोणतीही व्यक्ती, एक रुपया एवढी फी दिल्यानंतर असा कोणताही हिशेब तपासण्यास हक्कदार असेल आणि याबाबत निवडणूक आयोगाकडून निश्चित करण्यात येईल एवढी फी दिल्यानंतर अशा हिशेबाच्या किंवा त्याच्या भागाच्या सत्य साक्षांकित प्रती मिळविण्यास हक्कदार असेल.

## ८९. निवडणूक खर्चाचा हिशेब दाखल करण्याच्या संबंधात [जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याचा] अहवाल आणि त्यावरील निवडणूक आयोगाचा निर्णय.

- (१) कोणत्याही निवडणुकीच्यावेळी निवडणूक खर्चाचा हिशेब दाखल करण्यासाठी कलम ७८ मध्ये विनिर्दिष्ट केलेली मुदत संपल्यावर लगेचच, [जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने] निवडणूक आयोगाला अहवाल दिला पाहिजे,—
- (अ) प्रत्येक निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवाराचे नाव ;
- (ब) अशा उमेदवाराने त्याचा निवडणुकीचा खर्च दाखल केला आहे किंवा नाही आणि असा खर्च दाखल केला असेल तर ज्या तारखेला असा खर्च दाखल केला आहे ती तारीख, आणि ;
- (क) त्याच्या मतानुसार असा हिशेब, अधिनियम व हे नियम यानुसार आवश्यक त्या वेळेत व रीतीने दाखल केला आहे किंवा नाही.
- (२) कोणत्याही उमेदवाराचा निवडणूक खर्चाचा हिशेब, अधिनियम व हे नियम यानुसार आवश्यक असलेल्या रीतीने सादर केला नाही असे जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याचे मत असेल, तेव्हा, तो अशा प्रत्येक अहवालासोबत त्या उमेदवाराचा निवडणूक खर्चाचा हिशेब आणि त्या सोबत दाखल केलेले प्रमाणक निवडणूक आयोगाकडे पाठवील.
- (३) पोट-नियम (१) मध्ये विनिर्दिष्ट केलेला अहवाल सादर केल्यानंतर लगेचच, [जिल्हा निवडणूक अधिकारी,] त्याची एक प्रत सूचना फलकावर लावून प्रसिद्ध करील.
- (४) पोट-नियम (१) मध्ये विनिर्दिष्ट केलेला अहवाल मिळाल्यानंतर लगेचच निवडणूक आयोग, त्याचा वर विचार करील आणि कोणत्याही निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवाराने, हा अधिनियम व नियम यानुसार अनिवार्य केलेल्या त्या वेळेत व रीतीने निवडणूक खर्चाचा हिशेब दाखल करण्यास निष्फळ ठरला आहे किंवा आणि कसे याचा निर्णय घेईल.
- (५) एखादा निवडणूक लढविणारा उमेदवाराने या अधिनियमानुसार व नियमानुसार अनिवार्य केलेल्या कालावधीच्या आत व रीतीने त्याच्या निवडणूक खर्चाचा हिशेब दाखल करण्यात निष्फळ केली आहे असे निवडणूक आयोगाला वाटेल तेव्हा, आयोगास, कलम १०-अ अन्वये असा हिशेब दाखल न केल्याबद्दल त्यास अपात्र का ठरविण्यात येऊ नये, याबाबत उमेदवारास लेखी नोटीशीद्वारे कारण दाखविण्याबाबत फर्माविता येईल.
- (६) पोट-नियम (५) अन्वये ज्या उमेदवाराला कारण दाखविण्याबाबत फर्माविण्यात आले असे अशा कोणत्याही निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवाराला, अशी नोटीस मिळाल्यापासून वीस दिवसांच्या आत याबाबत निवडणूक आयोगास एक लेखी निवेदन सादर करता येईल आणि त्याच वेळी जर त्याने असा हिशेब आधीच सादर केला नसेल तर, त्याच्या निवेदनाची एक प्रत त्याच्या निवडणूक खर्चाच्या पूर्ण हिशेबासह जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडे पाठवावी.
- (७) जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने अशा निवेदनाची प्रत मिळाल्यापासून पाच दिवसांच्या आत त्या निवेदनाची प्रत निवडणूक खर्चाच्या हिशेबासह (कोणतीही असल्यास) त्यावर त्यास कोणतेही अभिप्राय नमूद करण्याची इच्छा असेल तर त्यासह निवडणूक आयोगाकडे पाठविले पाहिजे.
- (८) उमेदवाराने सादर केलेले निवेदन आणि जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने दिलेले अभिप्राय विचारात घेतल्यानंतर आणि निवडणूक आयोगास योग्य वाटेल अशी चौकशी केल्यानंतर, उमेदवाराने त्याच्या खर्चाचा हिशेब सादर न करण्याबाबत कोणतेही योग्य व समर्थनीय कारण दिलेले नाही, अशी निवडणूक आयोगाची खात्री पटली तर निवडणूक आयोगास त्या उमेदवाराला कलम १०-अ अन्वये आदेशाच्या तारखेपासून तीन वर्षांच्या कालावधीसाठी अपात्र असल्याचे घोषित करता येईल आणि आयोग, हा आदेश शासकीय राजपत्रात प्रसिद्ध करतील.

१०. **सर्वाधिक निवडणूक खर्च.**—लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ७७ अन्वये ज्या खर्चाचा हिशेब ठेवायचा आहे आणि जो खालील तक्त्याच्या स्तंभ १ वर नमूद केलेल्या राज्यातील किंवा संघ राज्यक्षेत्रातील निवडणुकीशी संबंधित खर्च केलेला आहे किंवा प्राधिकृत केला जातो त्या खर्चाची एकूण रक्कम पुढे दाखविण्यात आलेल्या कमाल मर्यादे पेक्षा अधिक नसेल—

- (क) त्या राज्याच्या किंवा संघ राज्यक्षेत्राच्या, कोणत्याही लोकसभा मतदा संघामधील, उक्त तक्त्याच्या स्तंभ ३ मध्ये संबंधित विनिर्दिष्ट केलेली रकमेपेक्षा ;

(ख) राज्याच्या किंवा संघ राज्यक्षेत्राच्या, कोणत्याही एका विधानसभा मतदारसंघामध्ये, कोणताही असल्यास, उक्त तक्त्याच्या स्तंभ ३ मध्ये संबंधित विनिर्दिष्ट केलेल्या रकमेपेक्षा—

## तक्ता

| अनु. क्रमांक | राज्य किंवा संघ राज्यक्षेत्राचे नाव<br>(१) | कोणत्याही एका मतदारसंघातील निवडणूक खर्चाची (रुपयात) कमाल मर्यादा |                          |
|--------------|--|--|--------------------------|
|              |  | लोकसभा मतदारसंघ<br>(२)   | विधानसभा मतदारसंघ<br>(३) |
| एक राज्य     |  |  |                          |
| १            | आंध्रप्रदेश                                | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| २            | अरुणाचल प्रदेश                             | ७५,००,०००  | २८,००,०००                |
| ३            | आसाम                                       | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| ४            | बिहार                                      | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| ५            | छत्तीसगढ                                   | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| ६            | गोवा                                       | ७५,००,०००  | २८,००,०००                |
| ७            | गुजरात                                     | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| ८            | हरयाणा                                     | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| ९            | हिमाचल प्रदेश                              | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| १०           | झारखंड                                     | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| ११           | कर्नाटक                                    | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| १२           | केरळ                                       | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| १३           | मध्य प्रदेश                                | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| १४           | महाराष्ट्र                                 | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| १५           | मणिपूर                                     | ९५,००,०००  | २८,००,०००                |
| १६           | मेघालय                                     | ९५,००,०००  | २८,००,०००                |
| १७           | मिझोराम                                    | ९५,००,०००  | २८,००,०००                |
| १८           | नागालँड                                    | ९५,००,०००  | २८,००,०००                |
| १९           | ओडिसा                                      | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| २०           | पंजाब                                      | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| २१           | राजस्थान                                   | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| २२           | सिक्कीम                                    | ९५,००,०००  | २८,००,०००                |
| २३           | तामीळनाडू                                  | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| २४           | तेलंगणा                                    | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| २५           | त्रिपुरा                                   | ९५,००,०००  | २८,००,०००                |
| २६           | उत्तर प्रदेश                               | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| २७           | उत्तराखंड                                  | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |
| २८           | पश्चिमबंगाल                                | ९५,००,०००  | ४०,००,०००                |

| दोन संघ राज्यक्षेत्रे |                               |           |           |
|-----------------------|-------------------------------|-----------|-----------|
| १                     | अंदमान व निकोबार बेट          | ७५,००,००० | --        |
| २                     | चंडिगढ                        | ७५,००,००० | --        |
| ३                     | दादरा व नगर हवेली व दमण व दीव | ७५,००,००० | --        |
| ४                     | दिल्ली                        | ९५,००,००० | ४०,००,००० |
| ५                     | लक्षद्वीप                     | ७५,००,००० | --        |
| ६                     | पोंदुचेरी                     | ७५,००,००० | २८,००,००० |
| ७                     | जम्मू व काश्मीर               | ९५,००,००० | ४०,००,००० |
| ८                     | लडाख                          | ७५,००,००० | --        |

निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१ च्या नियम ९० मध्ये सुधारणा एम/ओ विधि व न्याय, विधि विभागांची अधिसूचना एस. ओ ७२(इ) दिनांक ६ जानेवारी, २०२२ करणारी.

**खर्चाच्या बाबींवर अतिरिक्त प्रतिनिधी नियुक्त करण्यासही नमुना :**

..... सर्वसाधारण/पोट निवडणुकीसाठी (वर्ष नमूद करावे).

१. राज्याचे नाव :—

२. मतदारसंघाचे नाव :—

३. उमेदवाराचे नाव व पत्ता :—

४. पक्षाचे संलग्नीकरण, असल्यास :—

५. अतिरिक्त प्रतिनिधीचे नाव :—

६. अतिरिक्त प्रतिनिधीचा टपालाचा संपूर्ण पत्ता :—

७. संपर्क दूरध्वनी क्रमांक :—

मी ..... (उमेदवाराचे नाव नमूद करा) याद्वारे, वरील निवडणुकीसाठी श्री./श्रीमती/कुमारी ..... यांना माझा अतिरिक्त प्रतिनिधी म्हणून नियुक्त करत आहे. मी याद्वारे असे घोषित करतो की, तो/ती, लोकसभा किंवा राज्य विधानसभेचा सदस्य म्हणून निवडकरण्याबाबत व सदस्य म्हणून असण्यासाठी विधिनुसार अनर्ह ठरलेला नाही व उक्त व्यक्ती मंत्री/लोकसभेचा सदस्य/विधानसभा/सदस्य/विधानपरिषद सदस्य/महानगरपालिकेचा महापौर/नगरपालिका/जिल्हा परिषदेचा अध्यक्ष नाही आणि जिला राज्याकडून सुरक्षा कवच प्रदान केले गेले आहे. अशी व्यक्तीही नाही.

ठिकाण :

उमेदवाराची स्वाक्षरी.

दिनांक :



## जोडपत्र २३

(प्रकरण १७ परिच्छेद १७.६)

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ३४ अन्वये ठेवलेल्या अनामत रकमेच्या परताव्यासाठी अर्ज  
(उमेदद्वाराद्वारे)

नाव : .....

पत्ता : ..... यांच्याकडून  
यांस,

प्रति,

निवडणूक निर्णय अधिकारी, ..... लोकसभा/ विधानसभा मतदारसंघ,

विषय.— लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १५८ अन्वये अनामत रक्कम परत करणे.

महोदय,

मी ..... मतदारसंघातून .....च्या निवडणुकीसाठी उमेदवार होतो.

२. मी, दिनांक ..... रोजी पावती क्रमांक ..... अन्वये .....

कोषागारात त्या निवडणुकीसाठी रुपये ..... इतकी अनामत रक्कम ठेवली होती.

३. निवडणूक निर्णय अधिकार्याने माझे नामनिर्देशनपत्र \*स्वीकारले/ \*फेटाळले होते.

४. मी माझी उमेदवारी वेळेवर मागे घेतली होती\*/नव्हती\*.

५. मी निवडून आलो आहे\*/आलेलो नाही\* आणि निवडणुकीत मतदान झालेल्या एकूण वैध मतांच्या एक षष्ठांशापेक्षा जास्त मत मला \*मिळाली आहेत/ \*मिळालेली नाहीत.

१. क. मी सार्वत्रिक निवडणुकीत इतर कोणत्याही मतदारसंघातून उमेदवार म्हणून उभा राहिलो नव्हतो.

१. ख. (अ) मी सार्वत्रिक निवडणुकीत खालील लोकसभा / विधानसभा मतदारसंघातून उमेदवार म्हणून उभा राहिलो होतो :-

(एक) ..... लोकसभा/विधानसभा मतदारसंघ.

(दोन) ..... लोकसभा/विधानसभा मतदारसंघ.

(तीन) ..... लोकसभा/विधानसभा मतदारसंघ.

(ब) मी, या इतर मतदारसंघापैकी कोणत्याही मतदारसंघातील माझी अनामत रक्कम परत मिळण्यासाठी अर्ज केलेला नाही. या इतर मतदारसंघात अनामत ठेवलेली रक्कम कृपया सरकार जमा करण्यात यावी.

७. परिच्छेद २ मध्ये निर्दिष्ट केलेली अनामत रक्कम मला परत करण्यात यावी, अशी मी विनंती करीत आहे.

८. मी याद्वारे प्रतिज्ञापित करतो की, या अर्जात केलेली सर्व विधाने माझ्या माहितीप्रमाणे खरी आहेत.

ठिकाण :

दिनांक :

आपला विश्वासू,

(उमेदवाराची सही )

\* आपल्या बाबतीत लागू नसतील ते शब्द खोडावेत. आवश्यक असेल त्याप्रमाणे आवश्यक असेल त्याप्रमाणे [ ] यामधील मजकूर गाळावा.

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ३४ अन्वये ठेवलेल्या अनामत रकमेच्या परताव्यासाठी अर्ज  
(अनामत रक्कम जमा करणाऱ्या कडून, जेव्हा तो उमेदवार नसतो.)

नाव : .....

पत्ता : ..... यांच्याकडून

प्रति,

निवडणूक निर्णय अधिकारी, ..... मतदारसंघ.

यांस,

विषय : लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम १९५१ याच्या कलम १५८ अन्वये अनामत रक्कम परत करणे.

महोदय,

मी, ..... (उमेदवाराचे नाव)

..... मतदारसंघातून ..... च्या निवडणुकीसाठी उमेदवार होतो.

त्या उमेदवाराच्या वतीने मी दिनांक ..... रोजी पावती क्रमांक ..... अन्वये..ये.....  
..... कोषागारात त्या निवडणुकीसाठी रूपये ..... इतकी अनामत रक्कम जमा केली होती.

१. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांन\* त्यांचे नामनिर्देशनपत्र \*स्वीकारले/ \*फेटाळले होते.

२. त्याने आपली उमेदवारी वेळेवर मागे घेतली होती\*/नव्हती\*

३. तो निवडून आला आहे आलेला नाही\* आणि निवडणुकीत मतदान झालेला एकूण वैध मतांच्या एक षष्ठांशापेक्षा जास्त मते त्याला मिळाली आहेत\*/मिळालेली नाहीत\*.

४. ते सार्वत्रिक निवडणुकीत इतर कोणत्याही मतदार संघातून उमेदवार म्हणून उभा राहिले नव्हते. किंवा

५.(क) ते सार्वत्रिक निवडणुकीत खालील लोकसभा/विधानसभा मतदार संघातून उमेदवार म्हणून उभे राहिले होते.

(एक) ..... लोकसभा/विधानसभा मतदारसंघ.

(दोन) ..... लोकसभा/विधानसभा मतदारसंघ.

(तीन) ..... लोकसभा/विधानसभा मतदारसंघ.

(ख) या इतर मतदार संघापैकी कोणत्याही मतदार संघातील त्यांची अनामत रक्कम परत मिळण्यासाठी मी अर्ज केलेला नाही. इतर मतदार संघात अनामत ठेवलेली रक्कम कृपया सरकार जमा करण्यात यावी.)

७. परिच्छेद २ मध्ये निर्दिष्ट केलेली अनामत रक्कम मला परत करण्यात यावी. अशी मी विनंती करत आहे.

८. मी याद्वारे प्रतिज्ञापित करतो की, या अर्जात केलेली सर्व विधाने माझ्या माहितीप्रमाणे खरी आहेत.

ठिकाण : .....

दिनांक : .....

आपला विश्वासू  
(उमेदवाराची सही)

मी, ..... मतदारसंघातील .....

मी निवडणुकीतील वर नमूद केलेला उमेदवार असून याद्वारे असे प्रमाणित करतो की, या अर्जातील परिच्छेद २ ते ६ मध्ये अंतर्भूत असलेली विधाने माझ्या माहितीप्रमाणे खरी आहेत.

ठिकाण : .....

दिनांक : .....

आपला विश्वासू  
(उमेदवाराची सही)

\*आपल्या बाबतीत लागू नसतील ते शब्द खोडावेत. आवश्यक असेल त्याप्रमाणे [ ] यातील मजकूर गाळावा.

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ३४ अन्वये ठेवलेल्या अनामत रकमेच्या परताव्यासाठी अर्ज  
(उमेदवाराच्या वैध प्रतिनिधीद्वारे)

नाव : .....

पत्ता : ..... यांच्याकडून

प्रति,

निवडणूक निर्णय अधिकारी, ..... मतदारसंघ.

विषय : लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम १९५१ याच्या कलम १५८ अन्वये अनामत रक्कम परत करणे.

महोदय,

दिवंगत श्री. ....(उमेदवाराचे नाव) हे, .....

.....मतदारसंघातून .....च्या निवडणुकीसाठी उमेदवार होतो ते दिनांक..... रोजी मरण पावले असून मी, त्यांच्या वैध प्रतिनिधी आहे.

२.त्या उमेदवाराच्या वतीने मी दिनांक ..... रोजी पावती क्रमांक ..... अन्वये..... कोषागारात त्या निवडणुकीसाठी रूपये .....इतकी अनामत रक्कम जमा केली.

३. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांन\* त्यांचे नामनिर्देशनपत्र \*स्वीकारले/फेटाळले होते.

४. त्यांनी आपली उमेदवारी वेळेवर मागे घेतली होती\*/नव्हती\*

५. ते निवडून आले आहेत\*/ आलेला नाहीत\* आणि निवडणुकीत मतदान झालेल्या एकूण वैध मतांच्या एक षष्ठांशापेक्षा जास्त मते त्यांना मिळाली आहेत\*/मिळालेली नाहीत\*.

६. ते सार्वजनिक निवडणुकीत इतर कोणत्याही मतदार संघातून उमेदवार म्हणून उभा राहिले नव्हते. किंवा

६.(अ) ते सार्वत्रिक निवडणुकीत खालील लोकसभा/विधानसभा मतदार संघातून उमेदवार म्हणून उभे राहिले होते.

(एक) .....लोकसभा/विधानसभा मतदारसंघ.

(दोन) .....लोकसभा/विधानसभा मतदारसंघ.

(तीन) .....लोकसभा/विधानसभा मतदारसंघ.

(ब) या इतर मतदार संघापैकी कोणत्याही मतदार संघातील त्यांची अनामत रक्कम परत मिळण्यासाठी मी अर्ज केलेला नाही. इतर

मतदार संघात अनामत ठेवलेली रक्कम कृपया सरकार जमा करण्यात यावी.)

७. परिच्छेद २ मध्ये निर्दिष्ट केलेली अनामत रक्कम मला परत करण्यात यावी. अशी मी विनंती करत आहे.

८. मी याद्वारे प्रतिज्ञापित करतो की, या अर्जात केलेली सर्व विधाने माझ्या माहितीप्रमाणे खरी आहेत.

मी, ..... मतदारसंघातील ..... मी निवडणुकीतील वर नमूद केलेला उमेदवार असून याद्वारे असे प्रमाणित करतो की, या अर्जातील परिच्छेद २ ते ३ अंतर्भूत असलेली विधाने माझ्या माहितीप्रमाणे खरी आहेत.

ठिकाण : .....

दिनांक : .....

आपला विश्वास  
(उमेदवाराची सही)

\*आपल्या बाबतीत लागू नसतील ते शब्द खोडावेत. आवश्यक असेल त्याप्रमाणे यातील मजकूर गाळावा.

## जोडपत्र चोवीस

(प्रकरण ९ परिच्छेद ९.२)

निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१ मधील उतारे

### टपाली मतदान

#### १७. व्याख्या या भागात.—

(अ) "सैनिकी सेनेतील मतदार" म्हणजे कलम ६० मधील खंड (अ), किंवा खंड (ब) मध्ये विनिर्दिष्ट केलेली कोणतीही व्यक्ती, परंतु यात नियम २७ मध्ये व्याख्या केलेल्या "वर्गीकृत सैनिकी सेवेतील मतदारांचा" समावेश होत नाही;

(ब) "विशेष मतदार" म्हणजे लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५० याच्या कलम २० मधील पोट-कलम (४) च्या तरतुदी ज्याला लागू असल्याचे जाहीर करण्यात आले आहे असे पद धारण करणारी कोणीही व्यक्ती किंवा अशा व्यक्तीची पत्नी, मात्र उक्त कलमामधील पोट-कलम (५) अन्वये केलेल्या कथनामुळे त्याचे किंवा तिचे नाव मतदार म्हणून नोंदवले गेले असले पाहिजे.

(क) "निवडणुकीचे काम करणारा मतदार" म्हणजे जो एखाद्या मतदारसंघातील मतदार आहे आणि मतदान कर्तव्यावर असल्या कारणाने, तो ज्या मतदान केंद्रात मतदान करण्यास हक्कदार आहे त्या मतदान केंद्रात त्याला मतदान करता येत नाही असा कोणीही मतदान प्रतिनिधी कोणताही मतदान अधिकारी, मतदान केंद्राध्यक्ष किंवा इतर सरकारी कर्मचारी.

#### १८. टपालाद्वारे मतदान करण्यास हक्कदार असलेल्या व्यक्ती.—

यात यापुढे विनिर्दिष्ट केलेल्या आवश्यक गोष्टींची पूर्तता करण्यास अधीन राहून पुढील व्यक्ती टपालाने मतदान करण्यास हक्कदार असतील :-

(अ) लोकसभा किंवा विधानसभा मतदारसंघाच्या निवडणुकीमधील.—

- (एक) विशेष मतदार ;
- (दोन) सैनिकी सेवेतील मतदार ;
- (तीन) निवडणुकीचे काम करणारे मतदार ; आणि
- (चार) प्रतिबंधक स्थानबद्धतेत असलेले मतदार.

(ब) विधानपरिषद मतदारसंघाच्या निवडणुकीत :-

- (एक) निवडणुकीचे काम करणारे मतदार ;
- (दोन) प्रतिबंधक स्थानबद्धतेत असलेले मतदान ; आणि
- (तीन) नियम ६८ च्या खंड (ख) अन्वये निवडणूक आयोगाने याबाबतीत निर्देशित केल्यास, मतदारसंघातील संपूर्ण किंवा विनिर्दिष्ट केलेल्या कोणत्याही भागातील मतदार.

(क) विधानसभा सदस्यांद्वारे घेण्यात येणाऱ्या निवडणुकीत,—

- (एक) प्रतिबंधक स्थानबद्धतेत असलेले मतदार ; आणि
- (दोन) नियम ६८ च्या खंड (क) अन्वये निवडणूक आयोगाने याबाबतीत निर्देशित केल्यास, सर्व मतदार .

#### १९. विशेष मतदारांकडून सूचना.—

ज्याला एखाद्या निवडणुकीत टपालाने मतदान करण्याची इच्छा आहे असा विशेष मतदार मतदानाच्या तारखेपूर्वी निदान दहा दिवस आधी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास सूचना पोहोचावी म्हणून नमुना १२ मधील सूचना त्याला पाठवील ; आणि अशी सूचना मिळाल्यावर, निवडणूक निर्णय अधिकारी, त्याला टपाली मतदानपत्रिका देईल.

#### २०. निवडणुकीचे काम करणाऱ्या मतदारांकडून सूचना.—

(१) निवडणुकीचे काम करणाऱ्या ज्या मतदाराची निवडणुकीत टपालाने मतदान करावयाची इच्छा असेल तो मतदार मतदानाच्या दिनांकाच्या आधी निदान सात दिवस किंवा निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने परवानगी दिल्यास त्यापेक्षा कमी अवधीत निवडणूक निर्णय

अधिकाऱ्यास पोहोचेल या बेताने नमुना १२ मध्ये अर्ज त्याला पाठवील ; आणि अर्जदार हा निवडणुकीचे काम करणारा मतदार आहे अशी जर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याची खात्री पटली तर, ती त्याला टपाली मतपत्रिका देईल.

(२) एखाद्या मतदारसंघात निवडणुकीचे काम करणारा मतदान अधिकारी, मतदान केंद्राध्यक्ष किंवा अन्य सरकारी कर्मचारी हा त्याच मतदार संघातील मतदार असल्यामुळे त्याची ( लोकसभा अथवा विधानसभा मतदारसंघात निवडणुकीच्या वेळी टपालाने मतदान न करता जातीने मतदान करण्याची इच्छा असेल तर, मतदानाच्या निदान चार दिवस आधी किंवा निवडणूक निर्णय अदिकाऱ्याने परवानगी दिल्यास त्यापेक्षा कमी अवधीत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास पोहोचेल अशा बेताने निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे नमुना १२-अ मध्ये पाठवील ; आणि जर तो अर्जदार अशा प्रकारचा सरकारी कर्मचारी आणि त्याच मतदारसंघातील निवडणुकीच्या कामावरील मतदार आहे अशी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याची खात्री पटली तर तो,----

(अ) अर्जदाराला नमुना १२-ब मध्ये निवडणूक कार्य प्रमाणपत्र देईल.

(ब) निवडणुकीच्या कामावर असल्याबद्दलचे प्रमाणपत्र त्याला देण्यात आले हे दर्शविण्यासाठी मतदार यादीच्या चिन्हांकित प्रतीमध्ये त्याच्या नावपुढे निकाप्र ( EDC ) असे लिहील.

(क) ज्या मतदान केंद्रावर तो मतदान करण्यास अन्यथा पात्र झाला असता अशा मतदान केंद्रावर त्याला मतदान करण्यास परवानगी दिली जात नाही त्याबद्दल खात्री करून घेईल.

### २१. प्रतिबंधक स्थानबद्धतेखाली असलेले मतदार.-

(१) समुचित शासन, निवडणूक घोषित केल्यापासून पंधरा दिवसांच्या आत, प्रतिबंध स्थानबद्धतेत असलेल्या मतदारांची नावे, कोणतीही असल्यास, त्याचबरोबर त्यांचे पत्ते आणि मतदार यादी क्रमांक व त्याच्या स्थानबद्धतेच्या ठिकाणाबद्दलची महिती निश्चित करील आणि निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास कळवील.

(२) प्रतिबंधक स्थानबद्धतेत असलेल्या कोणत्याही मतदारास, निवडणूक घोषित झाल्यापासून पंधरा दिवसांच्या आत, त्याचे नाव, पत्ता, मतदार यादी क्रमांक व स्थानबद्धतेचे ठिकाण यांचा निर्देश करून टपाली मतदान करण्याची त्याची इच्छा आहे अशी माहिती निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास कळविता येईल.

(३) निवडणूक निर्णय अधिकारी, पोट-नियम (१) किंवा पोट-नियम (२) अन्वये ज्याचे नाव त्याल कळविण्यात आलेले आहे अशा प्रतिबंधक स्थानबद्धतेत असलेल्या प्रत्येक मतदारास, टपाल मतपत्रिका देईल.

### २२. टपाली मतपत्रिकेचा नमुना. -

(१) प्रत्येक टपाल मतपत्रिकेस, यासोबत जोडलेली स्थळप्रत असेल आणि उक्त मतपत्रिका व स्थळप्रत निवडणूक आयोग निदेश देईल अशा नमुना आणि त्यातील तपशील अशा एक किंवा अधिक भाषेमध्ये असेल.

(२) उमेदवारांची नावे, ते ज्या क्रमाने निवडणूक लढविण्याच्या उमेदवारांच्या यादीमध्ये असतील त्याच क्रमाने टपाली मतपत्रिकेवर नोंदवलेले असतील.

(३) जर दोन किंवा अधिक उमेदवांचे एकच नाव असेल तर, त्यांचा व्यवसाय किंवा राहण्याचे ठिकाण जादा दाखल करून किंवा अन्य दुसऱ्या रीतीने त्यांच्यामध्ये फरक दाखविण्यात येईल.

### २३. टपाली मतपत्रिका देणे. -

(१) पुढील नमुन्यांसह टपाली मतपत्रिका, टपालाचा दाखला घेऊन टपालाने मतदाराला पाठविण्यात येईल :--

(अ) नमुना १३-अ मधील घोषणापत्र ;

(ब) नमुना १३-ब मधील पाकीट ;

(क) नमुना १३-क मधील निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याचा पत्ता असलेले मोठे पाकीट ; आणि

(ड) नमुना १३-ड मधील मतदाराच्या मार्गदर्शनासाठी सूचना ;

परंतु, निवडणूक निर्णय अधिकारी, विशेष मतदाराच्या किंवा निवडणूक कर्तव्यावर असलेल्या मतदाराच्या बाबतील, अशा मतदाराला व्यक्तिशः मतपत्रिका व नमुने पाठवील, किंवा त्यांना ते पाठविण्याची व्यवस्था करील.

(परंतु आणखी असेल, ) नियम १८ च्या खंड अ च्या उप-खंड (दोन) मध्ये निर्दिष्ट केलेल्या व्यक्तींसाठी निवडणूक आयोगाने विनिर्दिष्ट केलेल्या इलेक्ट्रॉनिक माध्यमांद्वारे निवडणूक अधिकाऱ्याकडून टपाली मतपत्रिका पाठवली जाऊ शकते ;

(१) जेथे टपाली मतपत्रिका इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने पाठविण्यात आली असल्यास या नियमातील तरतुदी व नियम २२, २४ व २७ च्या तरतुदी योग्य त्या फेरफारांसह, लागू होतील ;

(२) निवडणूक निर्णय अधिकारी, त्याच वेळी,

(अ) मतदार यादीच्या चिन्हांकित प्रतीतील त्या मददाराचा अनुक्रमांक मतपत्रिकेच्या स्थळ प्रतीवर नोंदवील.

(ब) मतदाराला मतपत्रिका दिल्याचे निदर्शक म्हणून मतदार यादीच्या चिन्हांकित प्रतीमध्ये मतदाराच्या नावापुढे खूण करील. मात्र त्या मतदाराला दिलेल्या मतपत्रिकेचा अनुक्रमांक तेथे नोंदवणार नाही ; आणि

(क) मतदाराला मतदान केंद्रावर मतदान करण्यास परवानगी देण्यात आलेली नाही याविषयी खात्री करून घेईल.

(३) एखाद्या स्थानिक प्राधिकरणांच्या मतदारसंघाच्या किंवा विधानसभा सदस्यांद्वारे घेण्यात येणाऱ्या निवडणुकीतील मतदारास कोणतीही मतपत्रिका देण्यापूर्वी, मतपत्रिकेचा अनुक्रमांक, निवडणूक आयोग निदेश देईल अशा रीतीने प्रभावीपणे लपविण्यात येईल.

(४) ज्याच्या निगराणीखाली किंवा ज्याच्यामार्फत टपाली मतपत्रिका पाठविण्यात येत असेल असा प्रत्येक अधिकारी, कोणत्याही विलंबाशिवाय तिची रवानगी केली असल्याची खात्री करील.

(५) टपालाद्वारे मतदान करण्यास हक्कदार असलेल्या सर्व मतदारांना, मतपत्रिका देण्यात आल्यानंतर, निवडणूक निर्णय अधिकारी,

(अ) संसद किंवा विधानसभा मतदारसंघातील निवडणुकीत, नियम २७ त च्या तरतुदींस अधीन राहून, सैनिकी सेवेतील मतदाराशी संबंधित असणाऱ्या मतदार यादीच्या चिन्हांकित प्रतीचा भाग, पाकीटामध्ये मोहोरबंद करील आणि त्या पाकीटावर, त्यात असलेल्या गोष्टींचे संक्षिप्त वर्णन ज्या तारखेस ते मोहोरबंद केले होते ती तारीख नोंदवील आणि चिन्हांकित प्रतीचा अन्य संबंधित भाग, अनेक केंद्राध्यक्षांना पाठवील किंवा मतदारांना दिलेल्या मतपत्रिकांचे अनुक्रमांक त्यात न नोंदवता ज्या मतदारांना मतदान केंद्रांमध्ये मतपत्रिका दिलेला आहेत अशा मतदाराची नावे चिन्हांकित करील ; आणि

(ब) अन्य कोणत्याही निवडणुकीत, मतदार यादीच्या चिन्हांकित प्रतीचे पाकीट मोहोरबंद करील आणि त्या पाकीटावर, त्यात असलेल्या गोष्टींचे संक्षिप्त वर्णन ज्या तारखेस ते मोहोरबंद केले होते ती तारीख नोंदवील.

(६) निवडणूक निर्णय अधिकारी, टपालाने मतदान करण्यास हक्कदार असलेल्या मतदारांस दिलेल्या मतपत्रिकांच्या स्थळप्रतीचे स्वतंत्र पाकीटदेखील मोहोरबंद करील आणि त्या पाकीटावर, त्यात असलेल्या गोष्टींचे संक्षिप्त वर्णन व ज्या तारखेस ते मोहोरबंद केले होते ती तारीख नोंदवील.

#### २४. मतांची नोंद करणे.—

(१) ज्या मतदारास टपाली मतपत्रिका मिळाली आहे व ज्याची मतदान करण्याची इच्छा आहे तो मतदान नमुना १३ ड च्या भाग एकमधील निदेशानुसार मतपत्रिकेवर मत नोंदवील आणि ती मतपत्रिका नमुना १३-ब मधील लिफाफ्यात बंद करील.

(२) मतदाराला जो व्यक्तिशः ओळखतो किंवा त्याच्या ओळखीबद्दल ज्याची खात्री पटला आहे अशा वैतनिक दंडाधिकाऱ्याच्या उपस्थितीत किंवा योग्य असेल त्याप्रमाणे खाली विनिर्दिष्ट केलेल्या इतर अधिकाऱ्यांच्या उपस्थितीत मतदार नमुना १३-अ मधील प्रतिज्ञापनावर स्वाक्षरी करील आणि ती साक्षात्कीत करून घेईल.—

(अ) सैनिक सेवेतील मतदाराच्या बाबतीत, ज्या पथकात जहाजावर किंवा आस्थापनेत मतदार किंवा तिचा पती काम करित आहे त्या पथकाच्या जहाजाच्या किंवा आस्थापनेच्या समादेशक अधिकाऱ्याकडून याबाबत नियुक्त करण्यात येईल असा अधिकारी किंवा मतदार ज्या देशाचा रहिवाशी आहे त्या देशातील भारताच्या वाणिज्यीक किंवा राजनैतिक प्रतिनिधीकडून याबाबत नियुक्त करण्यात येईल असा अधिकारी.

(ब) विशेष मतदाराच्या बाबतीत शासनाच्या उप सचिवाच्या दर्जाहून कमी दर्जा नसलेला कोणताही अधिकारी.

(क) मतदान कर्तव्यावर असलेला मतदाराच्या बाबतीत, कोणताही राजपत्रित अधिकारी किंवा ज्या मतदान केंद्रावर तो मतदान कर्तव्यावर आहे त्या मतदान केंद्राचा मतदान केंद्राध्यक्ष ;

(ड) प्रतिबंधक स्थानबद्धतेत असलेल्या मतदाराच्या बाबतीत, ज्यामध्ये मतदार स्थानबद्धतेत आहे त्या तुरुंगाचा अधीक्षक किंवा स्थानक कॅंपचा समादेशक ; आणि

(ई) अन्य कोणत्याही बाबतीत, या बाबतीत निवडणूक आयोगाकडून अधिसूचित करण्यात येईल असे अधिकारी.

#### २५. निरक्षर किंवा विकलांग मतदारांना मदत करणे.—

(१) जर एखादा मतदार टपाली मतपत्रिकेवर त्याचे मतदान करण्यास व घोषणापत्रावर सही करण्यास त्याच्या निरक्षरतेमुळे, अंधत्वामुळे किंवा अन्य शारीरिक विकलांगतेमुळे असमर्थ असेल तर, तो, त्याला मिळालेले घोषणापत्र व पाकीट यासह मतपत्रिका, नियम २४ च्या पोट-नियम (२) अन्वये त्याची स्वाक्षरी साक्षात्कृत करून घेण्यासाठी सक्षम असलेला अधिकाऱ्याकडे घेऊन जाईल आणि त्याच्या वतिने मतदान करण्याची व त्याच्या घोषणापत्रांवर स्वाक्षरी करण्याची त्या अधिकाऱ्याला विनंती करील.

(२) असा अधिकारी त्यानंतर मतदाराच्या इच्छेनुसार त्याच्या उपस्थितीत, मतपत्रिकेवर निशानी करील, त्याच्या वतीने घोषणापत्रावर सही करील आणि नमुना-१३अ मध्ये अंतर्भूत केलेले यथोचित प्रमाणपत्र पूर्णपणे भरील.

#### २६. मतपत्रिका पुन्हा देणे.—

(१) जेव्हा नियम २३ अन्वये पाठविलेली मतपत्रिका व इतर कागदपत्रे, पोहच न झाल्याकारणाने, परत आलेली असतील तर, निवडणूक निर्णय अधिकारी, पोस्टाचा दाखला घेऊन पोस्टाद्वारे ती परत देईल किंवा मतदाराने केलेल्या विनंतीवरून मतदारास ती पोहचती करील किंवा पोहचती करण्याची व्यवस्था करील.

(२) जर कोणत्याही मतदाराने, नियम २३ अन्वये त्याला पाठविलेली मतपत्रिका किंवा अन्य कोणतेही कागदपत्र यासंबंधी त्याचा सोयीस्करपणे वापर करता येऊ शकणार नाही अशा रीतीने अन अनवधानाने कार्यवाही केली तर, त्याने खराब कागदपत्रे परत केल्यानंतर आणि अनवधानाबद्दल निवजणूक निर्णय अधिकाऱ्याची खात्री पटल्यानंतर त्याला कागदपत्र दुसरा संच पाठविण्यात येईल.

(३) निवडणूक निर्णय अधिकारी, अशा प्रकारे परत करण्यात आलेले खराब झालेली कागदपत्रे रद्द करील आणि स्वतंत्र पाकीटवर निवडणूकीचा तपशील व रद्द केलेल्या मतपत्रिकेचा अनुक्रमांक नोंदविल्यानंतर त्यांमध्ये ती कागदपत्रे ठेवील.

#### २७. मतपत्रिका परत करणे.—

(१) मतदाराने त्याचे मतदान केल्यानंतर आणि नियम २४ किंवा नियम २५ खालील त्याचे घोषणापत्र केल्यानंतर, तो, त्याची मतपत्रिका व घोषणापत्र, जेणेकरून मत मोजणी सुरू करण्यासाठी निश्चित केलेल्या वेळेपूर्वी ते निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास पोहचेल या दृष्टीने, नमुना १३ ड च्या भाग-दोन मध्ये त्याला कळविलेला सूचनांनुसार निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास परत करील.

(२) जर पोट-नियम (१) मध्ये निश्चित केलेली वेळ समाप्त झाल्यानंतर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास टपाली मतपत्रिका अंतर्भूत असणारे कोणतेही पाकीट मिळाले तर, तो, त्यावर ते मिळाल्याची तारीख नोंदवील आणि अशी सर्व पाकीटे एकत्रितपणे स्वतंत्र पाकीटात ठेवील.

(३) निवडणूक निर्णय अधिकारी, त्याला मिळालेल्या टपाली मतपत्रिकांचा अंतर्भाव असणारी सर्व पाकिटे, मतमोजणी सुरू होईपर्यंत, सुरक्षित अभिरक्षेत ठेवील.



## जोडपत्र २५

(प्रकरण १६ परिच्छेद १६.२)

निवडणूक निर्णय अधिकारी / जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्यांचे कार्यालय .....

क्रमांक .....

दिनांक .....

प्रति,

..... (उमेदवाराचे नाव व पत्ता.)

**विषय.**—निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांनी निवडणूक खर्चाचा हिशेब ठेवणे व त्याच्या सत्यप्रती देणे खर्च नोंदवहीबाबत महोदय/महोदया,

लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ७७ कडे आपले लक्ष वेधण्यात येत आहे. यामध्ये असे करारनिविष्ट करण्यात आले आहे की, निवडणुकीच्या वेळेस प्रत्येक उमेदवार एकतर तो स्वतः/ती स्वतः किंवा त्याच्या/तिच्या निवडणूक प्रतिनिधीद्वारे त्याला / तिला नामनिर्देशित करण्यात आले आहे त्या दिनांकापासून निवडणुकीच्या निकाल लागण्याच्या दिनांकापर्यंत दोन्ही दिनांक धरून, त्याने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने केलेला किंवा प्राधिकृत केलेल्या सर्व खर्चाचा स्वतंत्र व अचूक हिशेब ठेविल.

२. उक्त अधिनियमाच्या कलम ७८ कडेही आपले लक्ष वेधण्यात येत आहे. यात आणखी असे करारनिविष्ट करण्यात आले आहे की, निवडणूक लढणारा प्रत्येक उमेदवार, निवडणुकीच्या वेळी, निर्वाचित उमेदवारांच्या निवडणुकीच्या दिनांकापासून तीस दिवसाच्या आत, निवडणूक खर्चाचा हिशेब, जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडे/निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांकडे दाखल करील. त्यात लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ७७ अन्वये त्याने /तिने किंवा त्यांच्या प्रतिनिधीने ठेवलेली लेख्यांची सत्यप्रत असेल.

३. जरी निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवाराने, कोणत्याही कारणास्तव निवडणूक गंभीरपणे लढविली नाही व त्याने त्याच्या सुरक्षा ठेव इत्यादीवर फक्त नाममात्र खर्च केला, तरी कायदानुसार त्याने/तिने निवडणूक खर्चाच्या हिशेब दाखल करणे आवश्यक आहे.

४. लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ७७ अन्वये उमेदवार किंवा त्याचा/तिचा निवडणूक प्रतिनिधी यांच्याकडून ठेवण्यात आलेल्या निवडणूक खर्चाच्या हिशेबामध्ये, निवडणूका घेणे, नियम, १९६१ च्या नियम ८६ अन्वये विहित केल्याप्रमाणे दररोज केलेल्या/प्राधिकृत केलेल्या खर्चाच्या तपशिलाचा अंतर्भाव असेल.

५. यासोबत तुम्हाला, दैनंदिन हिशेबाची नोंद असलेली खर्चाची नोंदवही, रोख नोंदवही, बँक नोंदवही, शपथ पत्राचा नमुना, संक्षिप्त विवरणपत्र (भाग एक ते चार) व पोचपावतीचा नमुना देण्यात येत आहे तुम्हाला विनंती आहे की, तुमच्या दैनंदिन निवडणूकीच्या खर्चाचा हिशेब याच नोंदवहीमध्ये ठेवावा व इतर कोणत्याही कागदपत्रात नाही. नोंदवहीसह सर्व पुष्टी करणारी प्रमाणके, देयके इत्यादी देखील नियमितपणे कालक्रमांनुसार क्रमाने ठेवण्यात येतील व परिक्षणासाठी जेव्हा मागणी करण्यात येईल तेव्हा निवडणूक प्राधिकाऱ्यांना सादर करण्यात येतील यासोबत जोडलेल्या अनुसूची १-११ सह यथोचितरीत्या भरलेल्या नमुन्याच्या भाग-एक ते चारमध्ये निवडणुकीचा निकाल जाहीर झाल्यानंतर खर्चाचे संक्षिप्त विवरणपत्र देखील तुमच्याकडून तयार करण्यात यावे.

६. करण्यात आलेल्या किंवा प्राधिकृत खर्चाच्या पुष्टर्थ प्रमाणके, पावत्या पोचपावत्या इत्यादी अशी सर्व कागदपत्रे रोजच्यारोज प्राप्त करण्यात येतील आणि ती दैनंदिन लेखा दर्शविणाऱ्या नोंदवहीसह अचूक कालक्रमानुसार क्रमाने ठेवण्यात येतील.

७. निवडणूक खर्चाचा हिशेब ठेवणे व दाखल करण्याच्या कायद्याच्या आवश्यकतांचे अनुपालन करण्यात निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवाराने कसूर केल्यास लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम १०क अन्वये तो निवडणूक आयोगाकडून तीन वर्षांच्या कालावधीसाठी निरह ठरविण्यास पात्र असेल.

## जोडपत्र २६

(प्रकरण १६ परिच्छेद १६.२)

## निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांनी निवडणूकविषयक खर्च ठेवण्याबाबतची नोंदवही

भाग-ए

दैनंदिन खर्च नोंदवही

उमेदवाराचे नाव :

राजकीय पक्षाचे नाव ( असल्यास ) :

ज्या मतदारसंघातून निवडणूक लढविली असेल त्या मतदारासंघाचे नाव :

निवडणूक निकाल घोषित झाल्याची तारीख :

निवडणूक प्रतिनिधीचे नाव पत्ता :

भाग ए.बी.सी. संक्षिप्त विवरणपत्र, भाग एक ते चार, शपथपत्र, अनुसूची १-११, पोचपावती केलेला/प्राधिकृत केलेला एकूण निवडणूक खर्च:

(नामनिर्देशन पत्र भरल्याच्या तारखेपासून ते निवडणूक निकाल घोषित केल्याच्या तारखेपर्यंत या दोन्ही तारखा धरून.)

| खर्चाची / घटनेची तारीख | खर्चाचे स्वरूप |        |                | एकूण रक्कम रूपयात ( चुकती केलेली + अदत्त ) | आदात्याचे नाव व पत्ता | देयक क्रमांक/ प्रमाणक क्रमांक व दिनांक | उमेदवार किंवा त्याचा निवडणूक प्रतिनिधीकडून खर्च केलेली/ प्राधिकृत केलेली रक्कम | राजकीय पक्ष व राजकीय पक्षाच्या नावाने खर्च केलेली/ प्राधिकृत केलेली रक्कम | इतर व्यक्ती संघटना/ निकाय ( संस्था ) इतर कोणी ( पूर्ण नाव व पत्ता नमूद करा ) खर्च केलेली/ प्राधिकृत केलेली रक्कम | शेरे असतील तर |
|------------------------|----------------|--------|----------------|--|-----------------------|--|--|---|--|---------------|
| १                      | २              |        |                | ३  | ४                     | ५                                      | ६  | ७   | ८  | ९             |
|                        | वर्णन          | प्रमाण | प्रति युनिट दर |  |                       |  |  |   |  |               |
|                        |                |        |                |  |                       |  |  |   |  |               |

प्रमाणित करण्यात येते की, मी/माझ्या निवडणूक प्रतिनिधीने, लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१, कलम ७७ अन्वये ठेवलेल्या लेख्यांची ही सत्यप्रत आहे (निकाल घोषित झाल्याच्या तारखेनंतर सादर करावयाचे प्रमाणपत्र).

## टीप.

- ही नोंदवही रोजच्या रोज लिहली जाणे आवश्यक आहे आणि निवडणूक आयोगाने नियुक्त केलेल्या निरीक्षकाद्वारे जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने/ निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने किंवा या संदर्भात प्राधिकृत केलेल्या इतर अधिनियमाकडून कोणत्याही वेळी तपासणीच्या अधीन उमेदवाराची सही.

२. लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ७८ अन्वये निवडणूकविषयक खर्चाचे विवरणपत्र म्हणून ही नोंदवही मूळ स्वरूपात, जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्यास सादर केली पाहिजे. त्यासोबत विहित नमुन्यातील निवडणूकविषयक खर्चाचे संक्षिप्त विवरणपत्र व शपथपत्र जोडले पाहिजे. निवडणूकविषयक खर्चाचे संक्षिप्त विवरणपत्र व शपथपत्र सादर न करता खर्चाचे विवरणपत्र पूर्ण भरलेले असले तरी कोणतेही खर्चाचे विवरणपत्र स्वीकारण्यात येणार नाही.
३. निवडणूका घेण्याबाबतची नियम, १९६१ याच्या नियम ८६(२) मध्ये सुचिबद्ध करण्यात आलेल्या टपाल खर्च, रेल्वे प्रवास यासारख्या बाबांच्या संबंधातील प्रमाणकेच केवळ जोडू नयेत. या नियमानुसार न जोडलेल्या अन्य कोणताही प्रमाणकासाठी आवश्यक प्रमाणके मिळविणे व्यवहार्य नव्हते या अर्थाचे स्पष्टीकरण विहित नोंदवहीत दिले पाहिजे.
४. उमेदवाराच्या निवडणूक प्रतिनिधीने हिशेब व संक्षिप्त विवरणपत्र दाखल केला असेल तर उमेदवार त्यावर प्रतिस्वाक्षरी करील व ठेवलेल्या हिशेबाची तीती सत्यप्रत असल्याचे उमेदवाराने स्वतः प्रमाणित केले असले पाहिजे. शपथपत्र उमेदवाराने निश्चित स्वतः शपथबद्ध करावे.
५. थेट उमेदवाराने/निवडणूक प्रतिनिधीने केलेल्या किंवा प्राधिकृत केलेल्या खर्चाव्यतिरिक्त, उमेदवाराच्या निवडणुकीच्या संबंधात राजकीय पक्षाने, अन्य संघाने व्यक्तीच्या निकायांनी व्यक्तीनी केलेला किंवा प्राधिकृत केलेला सर्व खर्चदेखील या हिशोबात समाविष्ट करणे आवश्यक आहे. पक्षाच्या कार्यक्रमाचा प्रचार करण्यासाठी “ राजकीय पक्षाच्या ” नेत्याच्या केलेल्या खर्चाचाच केवळ अपवाद आहे, लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियमला १९५१ च्या कलम ७७(१) चे स्पष्टीकरण १ व २ पहा.
६. उपरोक्त स्तंभ २ व ३ मध्ये दर्शविलेल्या कोणत्याही बाबीवरील खर्च जर, कोणत्याही राजकीय पक्षाने/संघाने व्यक्ती निकायाने/कोणत्याही व्यक्तीने (उमेदवार किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधी व्यतिरिक्त) केला असेल तर तिचे/त्याचे नाव व पूर्ण पत्ता स्तंभ ७ व ८ मध्ये दर्शविला पाहिजे.
७. वरील तक्त्यातील स्तंभ २ व ३ मध्ये निर्देशित केला एकूण खर्चामध्ये रोख स्वरूपात केलेला सर्व खर्च व उमेदवार किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीला कोणत्याही स्त्रोताकडून कोणत्याही प्रकारात प्राप्त झालेल्या सर्व वस्तू आणि सेवांचे मूल्य समाविष्ट असले पाहिजे.
८. रु. १०,००० च्या मर्यादेच्या अधिकरणाचा सर्व खर्च उमेदवाराने निवडणूक खर्चाच्या उद्देशाने उघडलेल्या बँक खात्याद्वारे धनादेश, दर्शनी धनाकर्ष आरटीजीएस/एनईएफटी किंवा बँक खात्याशी जोडलेल्या इतर कोणत्याही इलेक्ट्रॉनिक माध्यमाद्वारे केला जाईल.
९. या नोंदवहीमध्ये पांढऱ्या पानामध्ये भाग ए मध्ये दैनंदिन खाते नोंदवही गुलाबी रंगाच्या कागदावर भाग बी मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे रोख नोंदवही व भाग सी च्या पिवळ्या रंगाच्या पानांमध्ये नमूद केल्याप्रमाणे बँक नोंदवही, विहित नमुन्यांनुसार समाविष्ट करावा.

## (भाग बी)

## रोख नोंदवही

उमेदवाराचे नाव :

राजकीय पक्षाचे नाव कोणतेही ( असल्यास ) :

ज्या मतदारसंघातून निवडणूक लढविली असेल त्या मतदारासंघाचे नाव :

निवडणूक निकाल घोषित झाल्याची तारीख :

निवडणूक प्रतिनिधीचे नाव पत्ता :

(नामनिर्देशन पत्र भरल्याची तारखेपासून ते निवडणूक निकाल घोषित केल्याच्या तारखेपर्यंत या दोन्ही तारखाधरून.)

| पावती  |  |                  |       | प्रदान                                       |                    |                   |       | शिल्लक<br>रक्कम  | शेरे,<br>असल्यास  |
|--------|--|------------------|-------|--|--------------------|-------------------|-------|--|---|
| दिनांक | ज्यांच्याकडून<br>रक्कम<br>मिळाली<br>आहे त्या<br>व्यक्ती/पक्ष/<br>संघटना/<br>संस्था/ इतर<br>कोणीचे नाव<br>व पत्ता | पावती<br>क्रमांक | रक्कम | बील क्रमांक<br>प्रमाणक<br>क्रमांक व<br>तारीख | आदात्या व<br>पत्ता | खर्चाचे<br>स्वरूप | रक्कम | ज्या ठिकाणी<br>किंवा ज्या<br>व्यक्तीजवळ<br>शिल्लक<br>ठेवली जाते<br>(जर रोख<br>रक्कम<br>एकापेक्षा<br>जास्त<br>ठिकाणी/<br>व्यक्तीकडे,<br>ठेवली असेल<br>तर नाव व<br>उपलब्ध<br>शिल्लक<br>नमूद करा. | या<br>तक्त्याच्या ७<br>व्या स्तंभात<br>नमूद केले<br>त्या व भाग<br>ए च्या<br>तक्त्याच्या २<br>च्या स्तंभात<br>उल्लेखन<br>केलेला<br>कोणताही<br>खर्च येथे<br>स्पष्ट करावा. |
| १      | २  | ३                | ४     | ५  | ६                  | ७                 | ८     | ९  | १०  |

प्रमाणित करण्यात येते की, मी/माझ्या निवडणूक प्रतिनिधीने, लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१, कलम ७७ अन्वये ठेवलेल्या लेख्यांची ही सत्यप्रत आहे (निकाल घोषित झाल्याच्या तारखेनंतर सादर करावयाचे प्रमाणपत्र).

उमेदवाराची सही.

## (भाग सी)

## बँक नोंदवही

उमेदवाराचे नाव :

राजकीय पक्षाचे नाव, कोणतेही (असल्यास) :

ज्या मतदारसंघातून निवडूक लढविली असेल त्या मतदारासंघाचे नाव :

निवडणूक निकाल घोषित झाल्याची तारीख :

निवडणूक प्रतिनिधीचे नाव पत्ता :

बँकेचे नाव :

खाते क्रमांक :

(नामनिर्देशन पत्र भरल्याच्या तारखेपासून ते निवडणूक निकाल घोषित केल्याच्या तारखेपर्यंत या दोन्ही तारखा धरूण.)

| जमा    |   |  |       | प्रदान                        |                  |                   |        | शिल्लक | शेरे,<br>असल्यास  |
|--------|---|--|-------|-------------------------------|------------------|-------------------|--------|--------|---|
| दिनांक | ज्यांच्याकडून<br>रक्कम<br>मिळाली<br>आहे/बँकेत<br>जमा केली<br>आहे त्या<br>व्यक्ती/पक्ष/<br>संघटना/<br>संस्था/ इतर<br>कोणीही<br>त्याचे नाव व<br>पत्ता | रोख/<br>धनादेश<br>क्रमांक<br>बँकेचे नाव व<br>शाखा<br>इत्यादी | रक्कम | धनादेश,<br>इत्यादी<br>क्रमांक | आदात्याचे<br>नाव | खर्चाचे<br>स्वरूप | रक्कम. |        | या<br>तक्त्याच्या<br>स्तंभ ७ मध्ये<br>नमूद<br>केलेला/ व<br>भाग ए च्या<br>तक्त्याच्या<br>स्तंभ २ मध्ये<br>नमूद न<br>केलेला<br>कोणताही<br>खर्चाचे येथे<br>स्पष्टीकरण<br>द्यावे. |
| १      | २   | ३  | ४     | ५                             | ६                | ७                 | ८      | ९      | १०  |

प्रमाणिक करण्यात येते की, मी/माझ्या निवडणूक प्रतिनिधीने, लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१, कलम ७७ अन्वये ठेवलेल्या लेख्यांची ही सत्यप्रत आहे (निकाल घोषित झाल्याच्या तारखेनंतर सादर करावयाचे प्रमाणपत्र).

उमेदवाराची सही.

## निवडणूक खर्चाचे दैनंदिन लेखे ठेवण्याची मार्गदर्शक तत्वे

उमेदवाराला मिळालेल्या सर्व पावत्या म्हणजेच रोख रक्कम, धनादेश, धनाकर्ष, प्रदानादेश, आरटीजीएस/एनइएफटी किंवा इतर कोणत्याही इलेक्ट्रॉनिक पद्धत या स्वरूपास त्याच्या स्वतःच्या निधीतून असाल किंवा राजकीय पक्षाकडून किंवा इतर कोणत्याही व्यक्तीकडून, संस्थेकडून किंवा कंपनीकडून मिळालेल्या, असोत उमेदवाराने निवडणूक खर्चाच्या प्रयोजनार्थ उघडलेल्या स्वतंत्र बँक खात्यात जमा करण्यात याव्यात.

### १. मिळालेल्या रोख रकमेसाठी

१.१ उमेदाराची स्वतःची रोख रक्कम निवडणूक खर्चासाठी वापरण्याकरिता, जर उमेदवाराने स्वतःची रोख रक्कम वापरली तर त्याला निवडणूक खर्चासाठी उघडलेल्या बँक खात्यात रोख रक्कम जमा करावी लागेल. त्यानंतर बँक नोंदवहीमध्ये स्तंभ २ मध्ये “ उमेदवाराचा स्वतःचा निधी ” अशी नोंद करावी लागेल ( दैनंदिन खाते नोंदवहीचा भाग-सी ) स्तंभ ३ मध्ये रोख रक्कम व स्तंभ ४ मध्ये त्यांची संख्या लिहावी लागेल.

### १.२ कोणतीही इतर व्यक्ती/पक्ष/संघ/संस्थाकडून मिळालेली रोख रक्कम :-

उमेदवाराला त्याच्या निवडणूक खर्चासाठी कोणतीही व्यक्ती/पक्षाकडून रोख रक्कम प्राप्त झाली असेल तर, मग ही रक्कम, पावतीच्या बाजूला असलेल्या रोख रकमेची नोंदवहीमधील स्तंभ १ मध्ये तारीख लिहून नोंदवायची आहे, त्यानंतर ही रक्कम रोख रकम नोंदवही ( भाग-बी ) मध्ये, स्तंभ १ मधील तारीख, व्यक्तीचे/पक्षाचे इत्यादी नाव व पत्ता इत्यादी लिहून स्तंभ-२ मध्ये रोख रक्कम ज्याच्याकडून प्राप्त झाली आहे ( स्तंभ-३ मध्ये पावती क्रमांक ) असल्यास व स्तंभ-४ मध्ये रोख रक्कम नोंदवायची आहे रोख नोंदवहीमध्ये नोंदणी केल्यानंतर निवडणूक खर्चासाठी उघडलेल्या, बँक खात्यामध्ये ती रक्कम जमा केली जाईल. एकदा बँक खात्यात रक्कम जमा केली की, नोंदवहीमध्ये प्रदानाच्या बाजूला त्याची नोंद करून स्तंभ-५ मध्ये तारीख लिहावी, रोख रक्कम ज्या बँक खात्यात जमा केली त्याचा क्रमांक स्तंभ-६ मध्ये व जमा स्तंभ ७ मध्ये व रक्कम स्तंभ-८ मध्ये नोंदवावी.

१.३ बँकेत रोख रक्कम जमा केल्यानंतर, बँक नोंदवही ( भाग सी ) च्या स्तंभ-१ मध्ये तारीख लिहून ती अद्ययावती करावी. “ उमेदवाराची स्वतःची रक्कम ” स्तंभ-२ मध्ये, रोख रक्कम स्तंभ-३ मध्ये, रक्कम स्तंभ-४ मध्ये नोंदवावी हे अशासाठी करावे लागेल की त्यामुळे बँकेतील शिल्लक बँकेच्या खाते पासबुक पुस्तिकेशी ताडून पाहण्यासाठी काढून बघता येईल.

### २. प्राप्त झालेल्या धनादेश/धनाकर्ष/प्रदानादेश, इत्यादीसाठी

२.१ कोणतीही व्यक्ती/पक्ष/संघटना इत्यादी किंवा उमेदवाराच्या वैयक्तिक बँक खात्यातून प्राप्त झालेले धनादेश/धनाकर्ष/प्रदानादेश इत्यादी: कोणत्याही व्यक्ती/पक्ष इत्यादीकडून जर उमेदवाराला त्याच्या/तिच्या निवडणूक खर्चाच्या प्रयोजनासाठी धनादेश/धनाकर्ष/प्रदानादेश प्राप्त झाला किंवा तो त्याच्या स्वतःच्या बँक खात्यातून धनादेश/धनाकर्ष जारी करत असेल, तर त्याला तो निवडणूक खर्चासाठी उघडलेल्या उक्त एफएस ( F'S ) मध्ये जमा करावा लागेल. तो स्तंभ-१ मध्ये तारखेची नोंद करून बँक नोंदवहीच्या जमा बाजूला नोंद करील, स्तंभ-२ मध्ये कोणाकडून धनादेश प्राप्त झाला ती व्यक्ती/पक्षाचे नाव व पत्ता, स्तंभ-३ मध्ये धनादेश/धनाकर्ष/प्रदानादेश क्रमांक व बँकेचे नाव/शाखा व स्तंभ-४ मध्ये धनादेश/धनाकर्ष/प्रदानादेशाची रक्कम याची, नोंद करील. जर त्याच्या स्वतःच्या बँक खात्याच्या धनादेश असेल तर, बँक नोंदवहीच्या स्तंभ-२ मध्ये उमेदवाराचा स्वतःचा निधी असे नमूद करण्यात यावे.

### ३. वस्तू किंवा सेवांच्या स्वरूपात प्राप्त झालेल्या बाबींसाठी.

३.१ पक्ष किंवा कोणताही व्यक्ती/निकाय/संस्थाच्याकडून वाहने, भित्तिपत्रक, पत्रके, जाहिरात माध्यम, हेलिकॉप्टर्स, विमाने इत्यादी सारख्या वस्तुरूपात प्राप्त झालेल्या काही वस्तू व सेवा प्राप्त झाल्यास उमेदवाराच्या निवडणूक प्रचार इत्यादीसाठी कोणतीही व्यक्ती/निकाय/संस्था काही वस्तू व सेवा देत असेतील तर, या सर्व बाबींची दैनंदिन हिशेब नोंदवहीच्या स्तंभ-१ मध्ये तारीख नमूद करून भाग ए नोंद करणे आवश्यक आहे. उक्त नोंदवहीच्या स्तंभ-२ मध्ये वस्तूचे वर्णन, प्रमाण, प्रतियुनिट दर, स्तंभ-३ मध्ये खर्चाचे स्वरूप व एकूण मूल्य ( वस्तू कालनिक मूल्य याची उक्त नोंदवहीमध्ये नोंद घ्यावयाची आहे. तसेच, वस्तूच्या स्वरूपातील बाबी राजकीय पक्षाने पुरविलेल्या असतील तर, त्यासाठीचे एकूण मूल्य व राजकीय पक्षाचे नाव स्तंभ-७ मध्ये लिहावे व जर अशा बाबी एखादी व्यक्ती/संस्था इत्यादीने दिलेल्या असतील तर त्याची रक्कम व अशा व्यक्ती/संस्था इत्यादीचे नाव, पत्ता नोंदवहीच्या स्तंभ-८ मध्ये नमूद करण्यात येईल.

#### ४. सर्व निवडणूक खर्चासाठी

४.१ सर्व निवडणूक खर्च दैनंदिन खर्चाच्या (भाग-ए) नोंदवहीमध्ये नोंदवण्यात येईल. जेव्हा एकादा खर्च केला जातो, उदाहरणार्थ टॅक्सीची मागणी केली जाते, तेव्हा खालीलप्रमाणे दैनंदिन खर्चाच्या नोंदवहीमध्ये (भाग-ए) त्याची नोंदणी करावयास हवी: स्तंभ-१ मध्ये तारीख, खर्चाचे स्वरूप तसे की टॅक्सी क्रमांक ज्यासाठी मागणी केली आहे त्याचे वर्णन स्तंभ-२ मध्ये एकूण तास/दिवस त्याचा प्रति तास/दिवस याचा उल्लेख व स्तंभ-३ मध्ये एकूण रक्कम स्तंभ ४ मध्ये टॅक्सी पुरविण्याचे नाव व पत्ता स्तंभ-५ मध्ये, स्तंभ-६ मध्ये जर उमेदवाराने रक्कम चुकती केलेली असेल तर बील/प्रमाणक क्रमांक ती रक्कम नमूद करावी. स्तंभ-७ मध्ये रक्कम प्रत्यक्ष राजकीय जर टॅक्सी पुरविण्यात चुकती केली असेल तर ती लिहावी. तर ती रक्कम दुसऱ्या कोणत्याही व्यक्तीने चुकती केली असेल तर ती रक्कम, त्या व्यक्तीचे नाव व पत्ता स्तंभ-८ मध्ये लिहावे.

४.२ धनादेश इत्यादीमार्फत केलेल्या खर्चाच्या प्रदानासाठी: खर्चासाठीटी सर्व प्रदाने (संपूर्ण निवडणूक प्रक्रियेदरम्यान एका पक्षासाठी रु. १०,००० पर्यंतच्या किरकोळ खर्चाव्यतिरिक्त) ही आदात्याच्या खात्यावर धनादेश, धनाकर्ष, आरटीजीएस/एनईएफटी किंवा इतर कोणत्याही इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने जना केले जातील. धनादेश, धनाकर्ष, आरटीजीएस/एनईएफटी किंवा इतर कोणतीही इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीमध्ये प्रदान करण्यासाठी बँक नोंदवही (भाग-सी) मध्ये खालील नोंदी करावयास हव्यात: स्तंभ-५ मध्ये धनादेश क्रमांक इत्यादी स्तंभ-६ मध्ये ज्याला धनादेश देण्यात आला आहे त्या आदात्याचे नाव व आरटीजीएस रक्कम लिहावयास हवे.

४.३ रोखीने केलेल्या किरकोळ खर्चाच्या प्रदानासाठी किरकोळ खर्चाचे कोणतेही प्रदान रोखीने करायचे असेल तर, (तेही प्रचाराच्या संपूर्ण कालावधीत एखादा व्यक्तीला दिलेली एकूण रक्कम रु. १०,००० पेक्षा जास्त नसेल) त्या स्तंभ-८ मध्ये निवडणूक खर्चासाठी उक्त बँक खात्यातून रोख रक्कम काढावी लाहेल. यासाठी स्तंभ-५ मध्ये रक्कम काढण्यासाठी धनादेश क्रमांक इत्यादी नमूद करणाऱ्या बँक नोंदवही मध्ये (भाग सी) सर्व नोंदी कराव्यात, “ स्वतः स्तंभ-६, खर्चाचे स्वरूप किरकोळ खर्चासाठी काढणे स्तंभ-७ मध्ये व रक्कम बँक नोंदवहीच्या स्तंभ-८ मध्ये नोंदवावी. रक्कम काढल्यानंतर रोख रक्कम पावतीच्या बाजूला नोंदवून रोख नोंदवही (भाग बी) मध्ये दाखवावयाची आहे. यासाठी स्तंभ-१ मध्ये तारीख नमूद करावयाची आहे, स्तंभ-२ मध्ये स्वतः कोणत्या बँकेतून रक्कम काढली स्तंभ-३ मध्ये व रक्कम स्तंभ-४ मध्ये, जर किरकोळ रोख रक्कम वेगवेगळ्या शाखा कार्यालयांना किंवा प्रतिनिधींना किरकोळ रोख खर्च करण्यासाठी दिली गेली तर, ती रक्कम व व्यक्तीची/ठिकाणांची नावे स्तंभ-९ मध्ये नोंदवावी लागतील किरकोळ खर्चासाठी प्रदान केल्यानंतर सर्व खर्च देखील दैनंदिन हिशोबामध्ये (भाग-ए) देखील खालीलप्रमाणे नोंदवावयास हवेत स्तंभ-१ मध्ये दिनांक स्तंभ-२ मध्ये प्रदानाचे स्वरूप, एकूण रक्कम स्तंभ-३ मध्ये आदात्याचे नाव व पत्ता स्तंभ-४ मध्ये, बील/प्रमाणक क्रमांक स्तंभ-५ मध्ये व स्तंभ-६ मध्ये “ स्वतः” ( आयोगाचे पत्र क्रमांक ७६/अनुदेश/२०१४/३३ पीएस/ खंड, एक, दिनांक २३ जानेवारी २०१४ व क्रमांक ७६/सूचना/२०१८/३३ पी.एस., दिनांक १२ नोव्हेंबर २०१८ )

#### भाग—एक निवडणूक खर्चाचे संक्षिप्त विवरणपत्र

| एक  | उमेदवाराचे नाव  | श्री/श्रीमती/कुमारी |
|-----|---|---------------------|
| दोन | मतदार संघाचा क्रमांक व नाव  |                     |
| तीन | राज्य/संघ राज्यक्षेत्राचे नाव   |                     |
| चार | निवडणुकीचे स्वरूप (राज्य विधानसभा/ लोक सभा/पोट निवडणूक आहे किंवा ते कृपया नमूद करा) |                     |
| पाच | निकाल जाहीर झाल्याची तारीख  |                     |
| सहा | निवडणूक प्रतिनिधीचे नाव व पत्ता   |                     |
| सात | राजकीय पक्षाने उमेदवाराला उभे केले असेल तर कृपया राजकीय पक्षाचे नाव नमूद करावे.     |                     |
| आठ  | पक्ष मान्यताप्राप्त राजकीय पक्ष आहे किंवा नाही                                      | होय/नाही.           |

तारीख :

ठिकाण :

उमेदवाराची स्वाक्षरी

नाव



## भाग दोन : उमेदवाराच्या निवडणूक खर्चाचे संक्षिप्त विवरणपत्र

| अ.क्र. | तपशील   | उमेदवार /<br>निवडणूक<br>प्रतिनिधीकडून<br>करण्यात आलेली/<br>प्राधिकृत केलेली<br>रक्कम (रुपयात) | राजकीय पक्षाकडून<br>करण्यात आलेली /<br>प्राधिकृत केलेली<br>रक्कम (रुपयात) | इतरांकडून करण्यात<br>आलेली / प्राधिकृत<br>केलेली रक्कम<br>(रुपयात) | एकूण निवडणूक<br>खर्च<br>(३)+(४)+(५) |
|--------|---|---|---|--|-------------------------------------|
| (१)    | (२)   | (३)   | (४)   | (५)  | (६)                                 |
| एक     | जाहीर सभा, मेळावा, मिरवणूक इ.वरील खर्च<br><b>एक क</b> : जाहीर सभा, मेळावा, मिरवणूक इत्यादी<br>म्हणजे : राजकीय पक्षाच्या स्टार प्रचारकासह त्या<br>व्यतिरिक्त ( अनुसूची-१ नुसार जोडणे)  |   |   |  |                                     |
|        | एक ख : प्रमुख प्रचारक (प्रचारकां) सह जाहीर सभा,<br>मेळावा, मिरवणूक इत्यादीवरील खर्च (ते म्हणजे :<br>पक्षाच्या सामान्य प्रचाराव्यतिरिक्त इतरांसाठी)<br>( अनुसूची -२ नुसार जोडणे)   |   |   |  |                                     |
| दोन    | जाहीर सभा, मेळावा, मिरवणूक इत्यादीमध्ये वापरले<br>जाणारे वरील अनुक्रमांक एकमध्ये नमूद केलेल्या<br>साहित्यांव्यतिरिक्त प्रचाराचे इतर साहित्य ( अनुसूची-३<br>नुसार जोडणे)   |   |   |  |                                     |
| तीन    | (क) खाजगी / स्वतःच्या मालकीची वर्तमानपत्रे /<br>टीव्ही/ रेडिओ चॅनल्स इत्यादीवर, केबल नेटवर्क,<br>मोठ्या प्रमाणात (एसएमएस) पाठवलेले लघु संदेश<br>किंवा आंतरजाल व समाजमाध्यमासह मुद्रित व<br>इलेक्ट्रॉनिक माध्यमाद्वारे प्रचार ( अनुसूची-४ नुसार<br>जोडणे)  |   |   |  |                                     |
|        | (ख) उमेदवार किंवा उमेदवाराला पुरस्कृत करणारा<br>राजकीय पक्षाच्या मालकीच्या वर्तमानपत्रे / टीव्ही/<br>रेडिओ चॅनल्स इत्यादीवर केबल नेटवर्क, मोठ्या<br>प्रमाणात पाठवलेले लघुसंदेश (एसएमएस) किंवा<br>इंटरनेट व समाजमाध्यमासह मुद्रित व इलेक्ट्रॉनिक<br>माध्यमाद्वारे प्रचार ( अनुसूची-४ए नुसार जोडणे) |   |   |  |                                     |
| चार    | उमेदवाराने प्रचारासाठी वापरलेल्या वाहन(नां)वरील<br>खर्च ( अनुसूची-५ नुसार जोडणे)  |   |   |  |                                     |
| पाच    | प्रचार कार्यकर्ते / प्रतिनिधी यांवरील खर्च ( अनुसूची-६<br>नुसार जोडणे)  |   |   |  |                                     |
| सहा    | इतर कोणताही प्रचार खर्च   |   |   |  |                                     |
| सात    | गुन्हेगारी प्रकरणांबाबत घोषणापत्र प्रकाशित<br>करण्यासाठी झालेला खर्च  |   |   |  |                                     |
| आठ     | आभासी प्रचारावर केलेला खर्च ( अनुसूची ११ नुसार<br>जोडणे)  |   |   |  |                                     |
|        | <b>एकूण बेरीज</b>   |   |   |  |                                     |

**भाग तीन : उमेदवाराने उभ्या केलेल्या निधींच्या स्रोताचे संक्षिप्त विवरण**

| अ.क्र.<br>(१) | तपशील<br>(२)  | रक्कम (रुपयात)<br>(३) |
|---------------|---|-----------------------|
| एक            | निवडणूक प्रचारासाठी वापरलेल्या त्याच्या स्वतःच्या निधीची रक्कम  |                       |
| दोन           | पक्ष (पक्षां)कडून मिळालेली /ल्या रोख रक्कम (रकमा) किंवा धनादेशाची ठोक रक्कम (अनुसूची-८ नुसार जोडणे)   |                       |
| तीन           | कोणतीही व्यक्ती / कंपनी / व्यवसाय संस्था / संघ / व्यक्तींचे मंडळ इत्यादीकडून कर्ज, बक्षीस किंवा देणगी इत्यादी म्हणून मिळालेली ठोक रक्कम (अनुसूची-९ नुसार जोडणे) |                       |
|               | <b>एकूण</b>   |                       |

## भाग चार

## शपथपत्राचा नमुना

..... जिल्हा निवडणूक अधिकारी (जिल्हा, राज्य / संघराज्य क्षेत्र) यांच्या समक्ष.

श्री. .... (यांचा मुलगा / यांची मुलगी/पत्नी) .....

..... यांचे शपथपत्र.

मी, ..... यांचा मुलगा / यांची मुलगी / पत्नी  
वय ..... वर्षे, राहणार ..... याद्वारे पुढीलप्रमाणे गांभीर्यपूर्वक आणि  
प्रामाणिकपणे नमूद व घोषित करित आहे :—

(१) मी, ..... या संसद /विधानसभा मतदारसंघातून .....  
लोकसभेची / विधानसभेची सार्वत्रिक निवडणूक / पोट-निवडणूक लढविणारा उमेदवार होतो. या निवडणुकीचा निकाल दिनांक .....  
..... रोजी जाहीर झाला होता.

(२) मी / माझ्या निवडणूक प्रतिनिधीने, दिनांक ..... ( ज्या दिनांकास मला नामनिर्देशित करण्यात आले होते  
त्या दिनांकापासून त्याचा निकाल जाहीर झाल्याच्या दिनांक, दोन्ही दिवस धरून, या दरम्यान वरील निवडणुकीच्या संबंधात मी / माझ्या  
निवडणूक प्रतिनिधीने केलेल्या / प्राधिकृत केलेल्या सर्व खर्चाचा स्वतंत्र व अचूक हिशेब ठेवला होता.

(३) निवडणूक आयोगाने या प्रयोजनासाठी दिलेल्या नोंदवहीत उक्त हिशेब ठेवलेला होता आणि उक्त हिशेबात नमूद केलेली  
खर्चाची प्रमाणके / देयके यांसह उक्त नोंदवही यासोबत ठेवलेली आहेत.

(४) यासोबत जोडलेल्या माझ्या निवडणूक खर्चाच्या हिशेबात माझ्याकडून किंवा माझ्या निवडणूक प्रतिनिधीकडून, ज्या राजकीय  
पक्षाने मला पुरस्कृत केले आहे त्या पक्षाकडून, निवडणुकीच्या संबंधात मला पाठिंबा देणारे इतर संघ / व्यक्ती समूह व अन्य व्यक्ती  
यांच्याकडून केलेल्या/प्राधिकृत केलेल्या निवडणुकविषयक खर्चाच्या सर्व बाबींचा समावेश आहे आणि या हिशेबातून [लोकप्रतिनिधीत्व  
अधिनियम, १९५१ च्या कलम ७७(१) अन्वये स्पष्टीकरण व १ व २ द्वारे अंतर्भूत केलेल्या "नेत्याच्या" प्रवासावरील खर्चाच्या व्यतिरिक्त  
] काहीही लपवून किंवा रोखून / दडवून ठेवलेले नाही.

(५) उक्त हिशेबात जोडपत्र दोन म्हणून जोडलेल्या निवडणूक खर्चाच्या संक्षिप्त विवरणपत्रात माझ्याकडून, माझ्या निवडणूक  
प्रतिनिधीकडून, ज्या राजकीय पक्षाने मला पुरस्कृत केले आहे त्या पक्षाकडून, निवडणुकीच्या संबंधात मला पाठिंबा देणारे इतर संघ /  
व्यक्ती समूह व इतर व्यक्ती यांच्याकडून केलेल्या / प्राधिकृत केलेल्या सर्व खर्चाचादेखील समावेश आहे.

(६) मागील परिच्छेद (१) ते (५) यांमधील विवरणपत्रे माझ्या माहितीप्रमाणे व समजुतीप्रमाणे खरी आहेत, त्यामध्ये कोणताही  
खोटेपणा नसून, कोणतीही माहिती दडवून ठेवण्यात आलेली नाही.

अभिसाक्षी

..... येथे ..... २०..... या दिवशी माझ्या  
समक्ष गांभीर्यपूर्वक / शपथपूर्वक कथन करण्यात आले.

(प्रथम वर्ग दंडाधिकारी किंवा शपथ आयोग किंवा लेख प्रमाणक या साक्षांकन प्राधिकाऱ्यांची सही व मोहोर)

अनुसूच्या १ ते ११ : उमेदवाराचा निवडणुकांचा निधी व खर्च याचा तपशील

अनुसूची - १

जाहीर सभा, मेळावा, मिरवणूक इत्यादी वरील (म्हणजेच : राजकीय पक्षाचे प्रमुख प्रचारक असलेल्यांव्यतिरिक्त) खर्च

| अ.क्र. | खर्चाचे स्वरूप  | एकूण रक्कम<br>(रुपयात) | खर्चाचा स्रोत   |   | इतरांनी खर्च<br>केलेली रक्कम |
|--------|---|------------------------|---|---|------------------------------|
|        |   |                        | उमेदवार /<br>प्रतिनिधीकडून<br>खर्च केलेली/<br>प्राधिकृत केलेली<br>रक्कम | नावांसह<br>राजकीय पक्षाने<br>दिलेली रक्कम |                              |
| (१)    | (२)   | (३)                    | (४)   | (५)                                       | (६)                          |
| १      | अभ्यागतांच्या वाहतुकीसाठी वाहने   |                        |   |   |                              |
| २      | मंच उभारणे, मंडप व फर्निचर जोडणी, खांब इत्यादी  |                        |   |   |                              |
| ३      | कमानी व अडथळे इत्यादी   |                        |   |   |                              |
| ४      | फुले, हार   |                        |   |   |                              |
| ५      | ध्वनिक्षेपक, मायक्रोफोन, ध्वनिवर्धक, कंपॅरर इत्यादी भाड्याने घेणे.  |                        |   |   |                              |
| ६      | भित्तिपत्रके, जाहिराती, पत्रके, निशाण्या, कटआऊट्स, जाहिरात फलके   |                        |   |   |                              |
| ७      | चहापाणी, थंड पेये, सरबत इत्यादीसारखी पेये   |                        |   |   |                              |
| ८      | डीजिटल टिव्ही-बोर्ड्स, डिस्प्ले, प्रक्षेपी डिस्प्ले, टिकर बोर्ड्स, ३डी डिस्प्ले   |                        |   |   |                              |
| ९      | प्रसिद्ध व्यक्तींवरील खर्च, संगीतकारांना दिले जाणारे पैसे, इतर कलाकारांचे मानधन इत्यादी   |                        |   |   |                              |
| १०     | सिरीयल लाईट्स, बोर्ड्स इत्यादीसारख्या रोषणाईच्या वस्तू  |                        |   |   |                              |
| ११     | वाहतुकीवरील खर्च, हेलीकॉप्टर/ विमान / वाहने /नाव इत्यादी आकार ( स्टार प्रचारकाखेरीज ( स्वतः प्रसिद्ध व्यक्ती किंवा इतर कोणत्याही प्रचारकासाठी ) |                        |   |   |                              |
| १२     | वीजेचा वापर / जनरेटर आकारणी   |                        |   |   |                              |
| १३     | जागेचे भाडे   |                        |   |   |                              |
| १४     | रक्षक व सुरक्षा खर्च  |                        |   |   |                              |
| १५     | स्वतःसाठी, प्रसिद्ध व्यक्तीसाठी, पक्षाच्या पदाधिकाऱ्यांसाठी किंवा स्टार प्रचारकासह इतर प्रचारकासाठी भोजन व निवासाचा खर्च                        |                        |   |   |                              |
| १६     | इतर खर्च  |                        |   |   |                              |
|        | <b>एकूण</b>   |                        |   |   |                              |

## अनुसूची - २

उमेदवाराला वाटप केल्याप्रमाणे प्रमुख प्रचारकासह (प्रचारकांसह) जाहीर सभा, मेळावा, मिरवणूक इत्यादीमध्ये  
(म्हणजेच : पक्षाच्या सामान्य प्रचाराव्यतिरिक्त इतर ) केलेला खर्च

| अ.क्र. | दिनांक व स्थळ | प्रमुख प्रचारक<br>(प्रचारकां) चे नाव व<br>पक्षाचे नाव | उमेदवाराला वाटप केल्याप्रमाणे प्रमुख प्रचारकासह (प्रचारकांसह)<br>केलेल्या जाहीर सभा, मेळावा, मिरवणूक इत्यादीवरील (म्हणजेच<br>पक्षाच्या सामान्य प्रचाराव्यतिरिक्त इतर ) खर्चाची रक्कम रुपयात |                         |                             | शेरे असल्यास |
|--------|---------------|---|---|-------------------------|-----------------------------|--------------|
| (१)    | (२)           | (३)   | (४)   |                         |                             | (५)          |
|        |               |   | खर्चाचा स्रोत   |                         |                             |              |
|        |               |   | उमेदवार /<br>प्रतिनिधीची रक्कम  | राजकीय पक्षाची<br>रक्कम | इतरांकडून<br>मिळालेली रक्कम |              |
| १      |               |   |   |                         |                             |              |
| २      |               |   |   |                         |                             |              |
| ३      |               |   |   |                         |                             |              |
| ४      |               |   |   |                         |                             |              |
|        | एकूण          |   |   |                         |                             |              |

## अनुसूची - ३

उमेदवाराच्या निवडणूक प्रचारासाठी पत्रके, पुस्तिका, भित्तीपत्रके, प्रसिद्धी फलके, निशाण, कट आऊटस्, द्वार व कमानी, व्हिडिओ व चित्रफीती, सीडी / डिव्हीडीज्, ध्वनिवर्धके, ॲम्प्लिफायरस्, डिजिटल टिव्ही / बोर्ड डिस्प्ले, ३डी डिस्प्ले इत्यादी सारख्या प्रचार साहित्यावरील खर्चाचा तपशील (म्हणजे : अनुसूची १ व २ मध्ये समाविष्ट असलेल्यां व्यतिरिक्त)

| अ.क्र. | खर्चाचे स्वरूप | एकूण रक्कम (रुपयात) | खर्चाचा स्रोत               |                      |                          | शेरे असल्यास |
|--------|----------------|---------------------|-----------------------------|----------------------|--------------------------|--------------|
|        |                |                     | उमेदवार / प्रतिनिधीची रक्कम | राजकीय पक्षाची रक्कम | इतरांकडून मिळालेली रक्कम |              |
|        | (२)            | (३)                 | (४)                         | (५)                  | (६)                      | (७)          |
| १      |                |                     |                             |                      |                          |              |
| २      |                |                     |                             |                      |                          |              |
| ३      |                |                     |                             |                      |                          |              |
| ४      |                |                     |                             |                      |                          |              |
|        | एकूण           |                     |                             |                      |                          |              |

## अनुसूची - ४

केबल नेटवर्क, मोठ्या प्रमाणात लघुसंदेश सेवा किंवा आंतरजाल किंवा समाजमाध्यम, बातम्या/टिव्ही / रेडिओ चॅनेल इत्यादींसह, माध्यम प्रमाणपत्र व संनियंत्रण समितीने ठरविलेल्या किंवा उमेदवाराने स्वेच्छेने मान्य केलेल्या पैसे किंवा मोबदला देऊन प्रक्षेपित केलेल्या बातम्यांसह मुद्रित व इलेक्ट्रॉनिक माध्यमाद्वारे प्रचारावर केलेल्या खर्चाचा तपशील. तपशीलांमध्ये खाजगी मालकीची वर्तमानपत्रे / टिव्ही/ रेडिओ चॅनल्स इत्यादीवर दिसणाऱ्या अशा सर्व बातम्यांवर केलेला खर्च समाविष्ट करावा.

| अ.क्र. | माध्यमाचे स्वरूप<br>(इलेक्ट्रॉनिक /<br>मुद्रित) व कालवधी | माध्यम प्रदात्याचे<br>नाव व पत्ता (मुद्रित<br>/ इलेक्ट्रॉनिक/<br>एसएमएस/ आवाज<br>/ केबल टिव्ही,<br>समाज माध्यम<br>इत्यादी) | अभिकरण,<br>बातमीदार,<br>अंशकालीक<br>वार्ताहर, कंपनी<br>किंवा कोणतीही<br>व्यक्ती जिला खर्च/<br>कमिशन इत्यादी<br>चुकते केले आहे /<br>करावयाचे आहे<br>त्याचे नाव व पत्ता<br>असल्यास | एकूण रक्कम<br>रुपयात | खर्चाचे स्रोत                     |                               |                                |
|--------|--|--|--|----------------------|-----------------------------------|-------------------------------|--------------------------------|
|        |  |  |  |                      | उमेदवार /<br>प्रतिनिधीची<br>रक्कम | राजकीय<br>पक्षांकडील<br>रक्कम | इतरांकडून<br>मिळालेली<br>रक्कम |
| (१)    | (२)  | (३)  | (४)  | (५)                  | (६)                               | (७)                           | (८)                            |
| १      |  |  |  |                      |                                   |                               |                                |
| २      |  |  |  |                      |                                   |                               |                                |
| ३      |  |  |  |                      |                                   |                               |                                |
| ४      |  |  |  |                      |                                   |                               |                                |
|        | एकूण   |  |  |                      |                                   |                               |                                |



## अनुसूची - ४ ए

केबल नेटवर्क, मोठ्या प्रमाणात लघु संदेश सेवा किंवा आंतरजाल किंवा समाज माध्यम, बातम्या / टिव्ही / रेडिओ चॅनेल इत्यादींसह, माध्यम प्रमाणपत्र व सनियंत्रण समितीने ठरविलेल्या व उमेदवाराने स्वेच्छेने मान्य केलेल्या पैसे किंवा मोबदला देऊन प्रक्षेपित केलेल्या बातम्यांसह मुद्रित व इलेक्ट्रॉनिक माध्यमाद्वारे प्रचारावर केलेल्या खर्चाचा तपशील. तपशीलांमध्ये उमेदवाराच्या स्वतःच्या मालकीच्या किंवा उमेदवाराला पुरस्कृत करणाऱ्या राजकीय पक्षाने दिलेल्या वर्तमानपत्रे / टिव्ही / रेडिओ चॅनेल्स इत्यादींवर दिसणाऱ्या अशा सर्व बातम्यांवर केलेला खर्च समाविष्ट करावा.

| अ.क्र. | माध्यमाचे<br>(इलेक्ट्रॉनिक<br>मुद्रित) स्वरूप व<br>कालावधी | माध्यम प्रदात्याचे<br>(मुद्रित/इलेक्ट्रॉनिक/<br>एसएमएस/आवाज /<br>केबल टिव्ही, समाज<br>माध्यम इत्यादी.)<br>नाव व पत्ता | अभिकरण,<br>बातमीदार,<br>अंशकालीक<br>वार्ताहर, कंपनी<br>किंवा कोणतीही<br>व्यक्ती जिला खर्च/<br>कमिशन इत्यादी<br>चुकते केले आहे /<br>करावयाचे आहे<br>त्याचे नाव व पत्ता<br>असल्यास | एकूण रक्कम<br>रुपयात | खर्चाचा स्रोत                     |                         |                                |
|--------|--|---|--|----------------------|-----------------------------------|-------------------------|--------------------------------|
|        |  |   |  |                      | उमेदवार /<br>प्रतिनिधीची<br>रक्कम | राजकीय पक्षाची<br>रक्कम | इतरांकडून<br>मिळालेली<br>रक्कम |
| (१)    | (२)  | (३)   | (४)  | (५)                  | (६)                               | (७)                     | (८)                            |
| १      |  |   |  |                      |                                   |                         |                                |
| २      |  |   |  |                      |                                   |                         |                                |
| ३      |  |   |  |                      |                                   |                         |                                |
| ४      |  |   |  |                      |                                   |                         |                                |
|        | एकूण   |   |  |                      |                                   |                         |                                |



## अनुसूची - ६

प्रचार कार्यकर्ते / प्रतिनिधींवरील व मतदारांच्या चिठ्या वाटण्यासाठी मतदान केंद्राबाहेरील उमेदवारांच्या केंद्रा  
(किओस्क्स) वरील खर्चाचा तपशील

| अ.क्र. | दिनांक व स्थळ | प्रचार कार्यकर्त्यांवरील खर्च  |       |  | खर्च केलेली/<br>प्राधिकृत केलेली<br>एकूण रक्कम<br>रुपयात | खर्चाचे स्रोत                     |                         |                                |
|--------|---------------|--|-------|--|--|-----------------------------------|-------------------------|--------------------------------|
|        |               | खर्चाचे स्वरूप   | दर    | कार्यकर्ते /<br>प्रतिनिधींची<br>संख्या<br>(किओस्क्सची)<br>संख्या |  | उमेदवार /<br>प्रतिनिधीची<br>रक्कम | राजकीय पक्षाची<br>रक्कम | इतरांकडून<br>मिळालेली<br>रक्कम |
| (१)    | (२)           | (३ए)   | (३बी) | (३सी)  | (४)  | (५)                               | (६)                     | (७)                            |
| १      |               | मतदारांच्या<br>चिठ्या<br>वाटपासाठी<br>उमेदवारांच्या<br>केंद्राची<br>(किओस्क्स)<br>मांडणी |       |  |  |                                   |                         |                                |
| २      |               | प्रचार<br>कार्यकर्त्यांचे<br>मानधन / वेतन<br>इत्यादी                                     |       |  |  |                                   |                         |                                |
| ३      |               | भोजन   |       |  |  |                                   |                         |                                |
| ४      |               | निवास-<br>व्यवस्था   |       |  |  |                                   |                         |                                |
| ५      |               | इतर  |       |  |  |                                   |                         |                                |
|        | एकूण          |  |       |  |  |                                   |                         |                                |

## अनुसूची - ७

## निवडणूक प्रचारासाठी वापरलेल्या स्वतःच्या निधीच्या रकमेचा तपशील

| अ.क्र. | दिनांक | रोख रक्कम | आदेशिती बँकेच्या तपशीलासह धनाकर्ष / धनादेश<br>क्रमांक इत्यादी | एकूण रक्कम<br>रुपयात | शेरे |
|--------|--------|-----------|---|----------------------|------|
| (१)    | (२)    | (३)       | (४)   | (५)                  | (६)  |
| १      |        |           |   |                      |      |
| २      |        |           |   |                      |      |
| ३      |        |           |   |                      |      |
| ४      |        |           |   |                      |      |
|        | एकूण   |           |   |                      |      |

## अनुसूची - ८

पक्षाकडून (पक्षांकडून) रोख किंवा धनादेश किंवा धनाकर्ष किंवा खाते हस्तांतरणाद्वारे प्राप्त झालेल्या  
एकरकमी रकमेचा तपशील

| अ.क्र. | राजकीय पक्षाचे नाव | दिनांक | रोख रक्कम | आदेशिती बँकेच्या तपशीलासह धनाकर्ष /<br>धनादेश क्रमांक इत्यादी | एकूण रक्कम<br>रुपयात | शेरे<br>असल्यास |
|--------|--------------------|--------|-----------|---|----------------------|-----------------|
| (१)    | (२)                | (३)    | (४)       | (५)   | (६)                  | (७)             |
| १      |                    |        |           |   |                      |                 |
| २      |                    |        |           |   |                      |                 |
| ३      |                    |        |           |   |                      |                 |
| ४      |                    |        |           |   |                      |                 |
|        | एकूण               |        |           |   |                      |                 |

## अनुसूची - ९

कर्ज, भेटवस्तू किंवा देणगी इत्यादी म्हणून कोणतीही व्यक्ती / कंपनी / व्यवसाय संस्था / संघ / मंडळाकडून प्राप्त झालेल्या एक रकमी रकमेचे तपशील

| अ.क्र. | नाव व पत्ता | दिनांक | रोख रक्कम | आदेशिती बँकेच्या तपशीलासह धनाकर्ष / धनादेश क्रमांक इत्यादी | कर्ज, भेटवस्तू किंवा देणगी इत्यादी पैकी काय आहे ते नमूद करा | एकूण रक्कम रुपयात | शेरे असल्यास |
|--------|-------------|--------|-----------|--|---|-------------------|--------------|
| (१)    | (२)         | (३)    | (४)       | (५)  | (६)   | (७)               | (८)          |
| १      |             |        |           |  |   |                   |              |
| २      |             |        |           |  |   |                   |              |
| ३      |             |        |           |  |   |                   |              |
| ४      |             |        |           |  |   |                   |              |
|        | एकूण        |        |           |  |   |                   |              |

## अनुसूची - १०

गुन्हेगारी पूर्वतिहास असल्यास ती वर्तमानपत्रे व दूरचित्रवाणी वाहिन्यांमध्ये प्रकाशित करण्यासाठी  
झालेल्या खर्चाचा तपशील

| अ.क्र. | वर्तमानपत्र           |                      |                                    | दूरचित्रवाणी |                                       |                                    | प्रदान पद्धती<br>(इलेक्ट्रॉनिक /<br>धनादेश / धनाकर्ष/<br>रोख रक्कम)<br>(कृपया उल्लेख<br>करा) |
|--------|-----------------------|----------------------|------------------------------------|--------------|---------------------------------------|------------------------------------|--|
|        | वर्तमानपत्राचे<br>नाव | प्रकाशनाचा<br>दिनांक | केलेला असेल<br>तो खर्च<br>(रुपयात) | चॅनेलचे नाव  | समावेशन / प्रक्षेपणाची<br>तारीख व वेळ | केलेला असेल<br>तो खर्च<br>(रुपयात) |  |
| (१)    | (२)                   | (३)                  | (४)                                | (५)          | (६)                                   | (७)                                | (८)  |
| १      |                       |                      |                                    |              |                                       |                                    |  |
| २      |                       |                      |                                    |              |                                       |                                    |  |
| ३      |                       |                      |                                    |              |                                       |                                    |  |
| ४      |                       |                      |                                    |              |                                       |                                    |  |
|        | एकूण                  |                      |                                    |              |                                       |                                    |  |



## अनुसूची - ११

## आभासी प्रचारावर केलेल्या निवडणूक खर्चाचा तपशील

| अ.क्र. | आभासी प्रचाराचे स्वरूप<br>(समान माध्यम<br>व्यासपीठ/ ऑप्स/इतर<br>साधने दर्शवा) | मजकूर तयार<br>करणाऱ्याचे<br>नाव | संदेशाचा प्रसार<br>करणाऱ्या<br>माध्यमाचे नाव | एकूण रक्कम<br>रुपयात | खर्चाचा स्रोत                     |                            |                                |
|--------|---|---------------------------------|--|----------------------|-----------------------------------|----------------------------|--------------------------------|
|        |   |                                 |  |                      | उमेदवार /<br>प्रतिनिधीची<br>रक्कम | राजकीय<br>पक्षाची<br>रक्कम | इतरांकडून<br>मिळालेली<br>रक्कम |
| (१)    | (२)   | (३)                             | (४)  | (५)                  | (६)                               | (७)                        | (८)                            |
|        |   |                                 |  |                      |                                   |                            |                                |
|        |   |                                 |  |                      |                                   |                            |                                |
|        |   |                                 |  |                      |                                   |                            |                                |

## टीप :

१. अनुसूची ५ मध्ये :—
  - (क) निवडणूत निर्णय अधिकाऱ्याने परवाना दिला आहे त्या सर्व वाहनांची यादी समाविष्ट असलेल्या आदेशाची प्रत सोबत जोडावी.
  - (ख) उमेदवार / त्याचा नातेवाईक / प्रतिनिधी याच्या मालकीचे वाहन निवडणुकीच्या प्रयोजनासाठी वापरले जात असेल तर, उमेदवाराच्या मालकीचे व उमेदवाराकडून वापरले जात असेल असे एक वाहन वगळता, अशा सर्व वाहनांच्या भाड्याचा काल्पनिक खर्च, इंधनाचा काल्पनिक खर्च व अशा वाहनासाठीच्या चालकाचे वेतन याचा वरील तक्त्यातील एकूण खर्चाच्या रकमेत समावेळ करण्यात येईल.
२. सर्व अनुसूचीमध्ये, वस्तू व सेवांवरील कोणत्याही खर्चाची तरतूद राजकीय पक्षाने केली असेल; किंवा उमेदवाराच्या वतीने कोणतीही व्यक्ती / कंपनी / संस्था / संघ / मंडळ इत्यादींनी केली असेल तर, अशा वस्तू व सेवांचे काल्पनिक बाजार मूल्य संबंधित स्तंभामध्ये सूचित करावयाचे आहे.
३. भाग तीन मध्ये, राजकीय पक्षाकडून किंवा इतरांकडून किंवा उमेदवाराच्या स्वतःच्या निधीतून मिळालेल्या निधीची एकरकमी रक्कम तारीख निहाय नमूद करावी. अशा सर्व प्रकरणांमध्ये अशा रकमा प्रथम निवडणूक खर्चासाठी उघडलेल्या उमेदवाराच्या बँक खात्यात जमा करणे आवश्यक आहे.
४. संक्षिप्त विवरणपत्राच्या प्रत्येक पृष्ठावर उमेदवाराने स्वाक्षरी करावी.

## पोचपावतीचा नमुना

प्रति,

निवडणूक निर्णय अधिकारी,

.....

.....

महोदय,

माझ्या निवडणूक खर्चाच्या हिशेब ठेवण्याकरिता अनुक्रमांक ..... असलेली नोंदवही इतर कागदपत्रांबरोबर पत्र अंतर्भूत असलेल्या सहपत्रांसह असलेले आपले पत्र क्र. .... दिनांक ..... ची पोच देत आहे.

२. मी, कायदानुसार आवश्यक असलेल्या निवडणूक खर्चाचा हिशेब ठेवण्याची व त्या हिशेबाच्या सत्यप्रती, जिल्हा निवडणूक अधिकारी / निवडणूक निर्णय अधिकारी यांच्याकडे सादर करण्याबाबतची नोंद घेतलेली आहे.

आपला विश्वासू,

.....

उमेदवाराची सही व दिनांक

लागू नसेल ते खोडावे.

ज्या मतदारसंघाचा निकाल दिनांक ..... रोजी जाहीर झाला होता त्या ..... (मतदारसंघा) च्या संबंधातील निवडणूक खर्चाचा हिशेब, त्यांनी त्यांच्या वतीने सादर केला. तो मला आज ..... (दिनांक) ..... (महिना) ..... (वर्षे) ..... रोजी प्राप्त झाला.

जिल्हा निवडणूक अधिकारी,

कार्यालयीन मोहोर

..... जिल्हा

## जोडपत्र २७

(प्रकरण ३, परिच्छेद ३.५)

प्रपत्र क्र. क-१ ते क-५

प्रपत्र क-१

सदर प्रपत्र, उमेदवारी अर्ज मागे घेण्याच्या अंतिम दिनांकाच्या दुसऱ्या दिवसापासून आणि मतदानाच्या तारखेच्या दोन दिवस आधीपर्यंत वृत्तपत्रामध्ये आणि दूरदर्शनवर प्रसिद्ध करता येईल.

(उमेदवाराने वृत्तपत्रे, दूरदर्शन यामध्ये प्रसिद्ध करण्यासाठी)

## फौजदारी प्रकरणांबाबतचे घोषणापत्र

माननीय सर्वोच्च न्यायालयाने २०११ ची रिट विनंती याचिका (दिवाणी) क्रमांक ५३६ (पब्लिक इंटरेस्ट फाऊंडेशन आणि इतर विरुद्ध युनियन ऑफ इंडिया व इतर) या प्रकरणी दिनांक २५ सप्टेंबर २०१८ रोजी दिलेल्या निकालानुसार)

उमेदवाराचे नाव व पत्ता .....

राजकीय पक्षाचे नाव .....

(अपक्ष उमेदवारांनी येथे "अपक्ष" असे लिहावे)

निवडणुकीचे नाव .....

मतदारसंघाचे नाव .....

मी, ..... (उमेदवाराचे नाव) वर नमूद केलेल्या निवडणुकीचा उमेदवार असून माझ्या फौजदारी पूर्व चरित्राबद्दलचा पुढील तपशील जनतेच्या माहितीसाठी घोषित करित आहे :-

## (क) प्रलंबित फौजदारी प्रकरणे

| अनुक्रमांक | न्यायालयाचे नाव | प्रकरण क्रमांक व दिनांक | प्रकरणाची सद्यस्थिती | संबंधित अधिनियमाचे कलम (अनिधियमाची कलमे) आणि अपराधाचे (अपराधांचे) थोडक्यात वर्णन |
|------------|-----------------|-------------------------|----------------------|--|
|            |                 |                         |                      |  |
|            |                 |                         |                      |  |

## (ड) फौजदारी अपराधांसाठी दोषसिद्ध ठरविलेल्या प्रकरणांचा तपशील

| अनुक्रमांक | न्यायालयाचे नाव व आदेशाचा (आदेशांचे) दिनांक | अपराधाचे (अपराधांचे) वर्णन व ठोठावलेली शिक्षा | ठोठावलेली सर्वाधिक शिक्षा |
|------------|---|---|---------------------------|
|            |   |   |                           |
|            |   |   |                           |

\* राज्यसभेच्या निवडणुकीच्या किंवा विधानपरिषदेच्या निवडणुकीच्या बाबतीत विधानसभा सदस्यांनी मतदारसंघाच्या नावांच्या जागी संबंधित निवडणुकीचे नाव नमूद करावे.

**टीप :** (१) उमेदवाराच्या विरुद्ध प्रलंबित असलेल्या फौजदारी खटल्यांचा तपशील ठळक अक्षरांत असावा.

- (२) वृत्तपत्रांमधील मजकूर किमान १२ या टंक (फाँट) आकारात असावा.
- (३) प्रत्येक प्रकरणासाठी स्वतंत्र तपशील द्यावा.
- (४) एखादा उमेदवार एखाद्या विशिष्ट पक्षाच्या तिकिटावर निवडणूक लढत असेल तर, त्याने / तिने पक्षाला त्याच्या / तिच्याविरुद्ध प्रलंबित असलेल्या फौजदारी खटल्यांबद्दल माहिती देणे आवश्यक आहे.
- (५) उमेदवाराने प्रसिद्धीनंतर लगेच फौजदारी खटल्यांबाबत घोषणापत्र प्रसिद्ध करण्याबाबत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास अहवाल द्यावा. याशिवाय, तो, निवडणूकीचा निकाल जाहीर झाल्यापासून ३० दिवसांच्या आत निवडणूक खर्चाच्या हिशेबासह प्रपत्र क्र. ४ मधील प्रकरणांबाबत घोषणापत्र प्रकाशित करण्याबाबतचा अहवाल सादर करील. (क) लोकसभा आणि विधानसभेच्या निवडणुकांच्या बाबतीत, हा अहवाल संबंधित जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडे सादर करण्यात येईल. (ख) राज्यसभा आणि राज्य विधानपरिषदेच्या निवडणुकांच्या बाबतीत, हा अहवाल संबंधित निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे सादर करण्यात येईल.

सदर प्रपत्र उमेदवारी अर्ज मागे घेण्याच्या शेवटच्या तारखेच्या दुसऱ्या दिवसापासून आणि मतदानाच्या तारखेच्या दोन दिवस आधीपर्यंत वृत्तपत्रांमध्ये आणि दूरदर्शनवर प्रसिद्ध करता येईल.

प्रपत्र क-२

( संकेतस्थळ, वर्तमानपत्र, दूरदर्शन यामध्ये प्रसिद्ध करण्यासाठी राजकीय पक्षांकरिता )

**पक्षाने उभ्या केलेल्या उमेदवारांच्या गुन्हेगारी पूर्वचारित्र्याबद्दलचे घोषणापत्र**

माननीय सर्वोच्च न्यायालयाने रिट विनंती अर्ज ( नागरी ) क्रमांक २०११ चा ५३६ पब्लिक इंटरेस्ट फाऊंडेशन व इतर विरुद्ध युनियन ऑफ इंडिया व इतर या प्रकरणी दिनांक २५ सप्टेंबर २०१८ रोजी दिलेल्या न्यायनिर्णयानुसार.

राजकीय पक्षाचे नाव :

\* निवडणुकीचे नाव :

राज्याचे / संघराज्य क्षेत्राचे नाव :

| अ.क्र. | मतदाराचे नाव | उमेदवाराचे नाव | (क) फौजदारी प्रलंबित प्रकरणे                                    | (ख) फौजदारी अपराधांकरिता दोषसिद्ध ठरविलेल्या प्रकरणांबद्दलचा तपशील             |
|--------|--------------|----------------|---|--|
| (१)    | (२)          | (३)            | (४)   | (५)  |
|        |              |                | न्यायालयाचे नाव<br>प्रकरण क्रमांक<br>व प्रकरणांची<br>सद्यस्थिती | संबंधित<br>अधिनियमांची<br>कलमे व<br>अपराधाचे व<br>अपराधांचे<br>संक्षिप्त वर्णन |
|        |              |                | न्यायालयाचे नाव व<br>आदेशाचे व आदेशांचे<br>दिनांक               | अपराधाचे व<br>अपराधांचे संक्षिप्त<br>वर्णन<br>टोटावलेली<br>सर्वाधिक<br>शिक्षा  |

\* राज्यसभेच्या निवडणुकीच्या किंवा विधान परिषदेच्या निवडणुकीच्या बाबतीत विधानसभा सदस्यांकडून मतदारसंघाच्या जागी संबंधित निवडणुकीचे नाव नमूद करावे.

**टीप :** (१) उमेदवाराच्या विरुद्ध प्रलंबित असलेल्या फौजदारी खटल्यांचा तपशील ठळक अक्षरांत असावा.

(२) वृत्तपत्रांमधील मजकूर किमान १२ या टंक फॉन्ट या आकारामध्ये प्रसिद्ध करण्यात येईल.

(३) वरील माहिती प्रत्येक राज्यासाठी / संघराज्य क्षेत्राकरिता राज्यनिहाय प्रसिद्ध करण्यात येईल.

(४) एखादा उमेदवार एखाद्या विशिष्ट पक्षाच्या तिकिटावर निवडणूक लढत असेल तर, त्याने / तिने पक्षाला त्याच्या / तिच्याविरुद्ध प्रलंबित असलेल्या फौजदारी खटल्यांबद्दल माहिती देणे आवश्यक आहे.

(५) राजकीय पक्षाने उमेदवारांशी संबंधित पुर्ववर्ती गुन्हेगारी पार्श्वभूमी असलेल्यांची माहिती त्यांच्या संकेतस्थळावर देणे बंधनकारक आहे.

(६) संबंधित निवडणुकीचा निकाल जाहीर झाल्यापासून ३० दिवसांच्या आत, राजकीय पक्ष, राज्याच्या मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याकडे प्रपत्र क्र. ५ मधील फौजदारी प्रकरणांबाबत, घोषणापत्र प्रसिद्ध केल्याबाबतचा अहवाल सादर करील.

## प्रपत्र क-३

## उमेदवारास स्मरणपत्र

## निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याचे कार्यालय

मतदार संघाचे नाव : .....

राज्याचे नाव : .....

निवडणुकीचे नाव : .....

असे कळविण्यात येते की, माननीय सर्वोच्च न्यायालयाने, विनंती याचिका (दिवाणी) क्रमांक २०११ ची ५३६ (पब्लिक इंटरेस्ट फाऊंडेशन व इतर-वि-युनियन ऑफ इंडिया व इतर याप्रकरणी दिनांक २५ सप्टेंबर २०१८ रोजी दिलेल्या न्यायनिर्णयानुसार आणि आयोगाचे पत्र क्रमांक ३/इ आर/२०१८/एसडीआर, दिनांक १० ऑक्टोबर २०१८ आणि पत्र क्रमांक ३/४/२०२९/एसडीआर/भाग-चार, दिनांक १९/०९/२०२० मधील निदेशानुसार, फौजदारी प्रकरणे असलेल्या सर्व उमेदवारांनी एकतर प्रलंबित प्रकरणे असो किंवा मागील दोषसिद्ध झालेली प्रकरणे असो, — असे तपशील प्रसिद्ध करण्याच्या प्रयोजनार्थ, प्रचार कालावधीत अशा फौजदारी प्रकरणांशी संबंधित असणारे घोषणापत्र तीन वेळी वृत्तपत्रांमध्ये व दूरदर्शन वाहिन्यांमध्ये प्रसिद्ध करणे आवश्यक आहे. आयोगाने, उमेदवारी अर्ज मागे घेण्याच्या शेवटच्या तारखेच्या दिवसापासून सुरू होणाऱ्या आणि मतदानाची नियत वेळ संपण्याच्या ४८ तासांपूर्वीच्या कालावधीत गुन्हेगारी पूर्ववृत्तांच्या प्रसिद्धीसाठी खालील वेळमर्यादा निर्धारित केलेली आहे.

तुम्ही, श्री. / श्रीमती / कुमारी ..... (उमेदवाराचे नाव नमूद करावे) वर नमूद केलेल्या निवडणुकीसाठी उमेदवार, नमुना २६ च्या बाब ५/६ मधील फौजदारी प्रकरणांबद्दलची माहिती घोषित केलेली असल्याने, तुम्ही सादर माहिती, वर नमूद केल्याप्रमाणे मतदारसंघात व्यापक स्वरूपात प्रसारित होणाऱ्या वृत्तपत्रांमध्ये आणि दूरदर्शन वाहिन्यांवर किमान तीन वेळा प्रसिद्ध करणे आवश्यक आहे. माहिती प्रसिद्ध करण्याबाबतचे प्रपत्र क-१ यासोबत जोडलेले आहे. अशा प्रसिद्धीनंतर लगेचच फौजदारी खटल्यांबाबत घोषणापत्र प्रसिद्ध करण्याबाबत, आपण निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला कळवावे. या व्यतिरिक्त आपण निवडणुकीचा निकाल जाहीर केल्यापासून ३० दिवसांच्या आत, निवडणूक खर्चाच्या हिशेबासोबत फौजदारी खटल्यांबाबतची माहिती, प्रसिद्ध करणाऱ्या वर्तमानपत्राच्या प्रतींसह प्रपत्र—ग ४ मध्ये खटल्यांसंबंधी घोषणापत्र प्रसिद्ध केल्याबद्दलचा अहवाल सादर करावा. (क) लोकसभा आणि विधानसभेच्या निवडणुकांच्या बाबतीत, हा अहवाल संबंधित जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडे सादर करण्यात येईल. (ख) राज्यसभा आणि राज्य विधानपरिषदेच्या निवडणुकांच्या बाबतीत, हा अहवाल संबंधित निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे सादर करण्यात येईल.

(एक) नामनिर्देशन मागे घेण्याच्या पहिल्या चार दिवसांत

(दोन) पुढील ५ व्या - ८ व्या दिवशी

(तीन) नवव्या दिवसापासून प्रचाराच्या शेवटच्या दिवसापर्यंत (मतदानाच्या तारखेच्या अगोदरचा दुसरा दिवस)

दिनांक : .....

सही .....

निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याचे / सहायक निवडणूक

निर्णय अधिकाऱ्याचे नाव .....

उमेदवाराची सही .....

टीप : याची एक प्रत, उमेदवारास देण्यात यावी व एक प्रत, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे ठेवून घ्यावी.

## प्रपत्र क-४

## फौजदारी (गुन्हेगारी) प्रकरणासंबंधीचे घोषणापत्र प्रसिद्ध केल्याबाबत उमेदवाराचा अहवाल

उमेदवाराचे नाव व पत्ता : .....

राजकीय पक्षाचे नाव : .....

(अपक्ष उमेदवारांनी येथे "अपक्ष" असे लिहावे)

निवडणूकीचे नाव : .....

मतदार संघाचे नाव : .....

मी, ..... (उमेदवाराचे नाव), वर नमूद केलेल्या निवडणूकीचा उमेदवार, असे प्रमाणित करतो की, माननीय सर्वोच्च न्यायालयाच्या जनहित याचिका (दिवाणी) क्रमांक २०११ चा ५३६ (पब्लिक इंटरेस्ट फाऊंडेशन आणि इतर - वि.-युनियन ऑफ इंडिया व इतर) या प्रकरणी दिनांक २५ सप्टेंबर २०१८ रोजी दिलेल्या न्यायनिर्णयास अनुसरून निवडणूक आयोगाच्या निदेशानुसार वर्तमानपत्रांत आणि दूरदर्शन वाहिन्यांवर माझ्या गुन्हेगारी पुर्वेतिहासाबद्दल मी घोषणापत्र प्रसिद्ध केले आहे. त्याचा तपशील पुढीलप्रमाणे आहे :—

| अ.क्र. | वर्तमानपत्र        |                          | दूरदर्शन                                 |              |  | प्रदानाचा प्रकार |  |
|--------|--------------------|--------------------------|--|--------------|--|------------------|--|
|        | वर्तमानपत्राचे नाव | प्रसिद्ध केल्याचा दिनांक | करण्यात आलेला असेल तो खर्च (रुपयांमध्ये) | वाहिनीचे नाव | अंतर्भूत / प्रसारण केल्याचा दिनांक व वेळ |                  | करण्यात आलेला असेल तो खर्च   |
|        |                    |                          |  |              |  |                  | इलेक्ट्रॉनिक/ धनादेश / धनाकर्ष/रोख रक्कम (कृपया विनिर्दिष्ट करावे) |
|        |                    |                          |  |              |  |                  |  |
|        |                    |                          |  |              |  |                  |  |
|        |                    |                          |  |              |  |                  |  |

ज्यामध्ये घोषणापत्र प्रसिद्ध केलेले होते त्या वृत्तपत्रांच्या प्रती सोबत जोडल्या आहेत.

दिनांक :

उमेदवाराचे नाव व स्वाक्षरी.

**टीप .—** (एक) लोकसभेच्या व विधानसभेच्या निवडणुकांच्या बाबतीत, निवडणूक खर्चाच्या हिशेबासहित हे सादर करण्यात येईल.  
 (दोन) राज्यसभेच्या व राज्य विधानपरिषदेच्या निवडणुकांच्या बाबतीत, निवडणूक निकाल जाहीर झाल्यापासून ३० दिवसांच्या आत संबंधित निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे हे सादर करण्यात येईल.



## प्रपत्र क्र-५

## फौजदारी (गुन्हेगारी) प्रकरणांच्या संबंधातील घोषणापत्र प्रसिद्ध केल्याबद्दल राजकीय पक्षाचा अहवाल

राजकीय पक्षाचे नाव : .....

निवडणूकीचे नाव : .....

असे प्रमाणित करण्यात येते की, ..... (राजकीय पक्षाचे नाव) ने, माननीय सर्वोच्च न्यायालयाच्या जनहित याचिका (दिवाणी) क्रमांक २०११ चा ५३६ (पब्लिक इंटरेस्ट फाऊंडेशन व इतर विरुद्ध युनियन ऑफ इंडिया व इतर) या प्रकरणी दिनांक २५ सप्टेंबर २०१८ रोजी दिलेल्या न्यायनिर्णयास अनुसरून निवडणूक आयोगाच्या निदेशानुसार गुन्हेगारी पुर्वेतिहास असलेल्या उमेदवाराबद्दलचे घोषणापत्र वर्तमानपत्रांत व दूरदर्शन वाहिन्यांवर प्रसिद्ध केले आहे. त्याचा तपशील पुढीलप्रमाणे आहे :—

| अ.क्र. | संकेतस्थळ ज्या कालावधीत प्रदर्शित केला तो कालावधी | वृत्तपत्राचे नाव | वर्तमानपत्र प्रसिद्धीचा (प्रसिद्धीचे) दिनांक | केलेला खर्च (रुपयांत) | वाहिनीचे नाव | दूरदर्शन अंतर्भूत / प्रसारण केल्याचा दिनांक व वेळ | केलेला खर्च (रुपयांत) | प्रदानाचा प्रकार (इलेक्ट्रॉनिक/ धनादेश / धनाकर्ष/रोख) (कृपया विनिर्दिष्ट करावे) |
|--------|---|------------------|--|-----------------------|--------------|---|-----------------------|---|
|        |   |                  |  |                       |              |   |                       |   |
|        |   |                  |  |                       |              |   |                       |   |
|        |   |                  |  |                       |              |   |                       |   |
|        |   |                  |  |                       |              |   |                       |   |

ज्या वर्तमानपत्रामध्ये घोषणापत्र प्रसिद्ध केलेले होते त्या वृत्तपत्रांच्या प्रती सोबत जोडल्या आहेत.

दिनांक :

पदाधिकाऱ्याची सही : .....

नाव व पदनाम : .....

**टीप .—** संबंधित निवडणुकीचा निकाल घोषित झाल्यापासून ३० दिवसांच्या आत हा अहवाल राज्याच्या मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याला सादर करण्यात येईल.

वारंवार विचारले जाणारे प्रश्न (एफएक्यू) : माननीय सर्वोच्च न्यायालयाचा रिट विनंती अर्ज (दिवाणी)  
२०११ चा क्रमांक ५३६ मधील न्यायनिर्णयास अनुसरून उमेदवाराचा गुन्हेगारी पूर्वेतिहास कोणताही असल्यास,  
आणि त्याची प्रसिद्धी करणे.

- प्र. १ : अशा उमेदवाराने प्रसिद्धीसाठी कोणत्या वृत्तपत्रांची निवड करावयाची आहे?
- उत्तर : माननीय सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायनिर्णयामध्ये केलेल्या निर्देशानुसार, संबंधित क्षेत्रामध्ये व्यापक प्रसार असलेल्या वृत्तपत्रांमध्ये प्रतिज्ञापत्र प्रसिद्ध करणे आवश्यक आहे. मुख्य निवडणूक अधिकारी, राज्याच्या डीआयपी द्वारे तयार केलेली राज्यातील विविध जिल्हा / वेगवेगळ्या मतदारसंघामध्ये विस्तृत प्रसार असणाऱ्या विविध वृत्तपत्रांची निर्देश यादी मिळविल. ही निर्देश यादी राजकीय पक्ष व उमेदवारांना देण्यात यावी.
- प्र. २ : ती केव्हा प्रसिद्ध करावी ?
- उत्तर : आयोगाचे पत्र दिनांक १० ऑक्टोबर २०१८ मध्ये हे अगोदरच स्पष्टपणे नमूद करण्यात आले आहे की, उमेदवारी मागे घेण्याच्या अंतिम दिनांकाच्या दुसऱ्या दिवसापासून होणाऱ्या ते मतदानाच्या दिनांकाच्या (दिवसाच्या) २ दिवस अगोदर संपणाऱ्या कालावधी दरम्यान प्रसिद्ध करण्यात यावी.
- प्र. ३ : तेथे स्वाक्षरीचा स्तंभ नाही. ते कोण प्रमाणित करील ?
- उत्तर : प्रपत्रात उमेदवाराचे नाव आणि पत्ता व प्रपत्राच्या वरच्या भागात राजकीय पक्षाचे नाव नमूद करण्यासाठी स्तंभ आहे. अशा प्रकारे, प्रतिज्ञापनातून प्रसिद्ध करणाऱ्याचे (प्रकाशकाचे) नाव स्पष्ट होईल. प्रकाशकाच्या स्वाक्षरीसह माहिती प्रसिद्ध करण्याची कोणतीही गरज नाही.
- प्र. ४ : जर कोणी दुसऱ्या उमेदवाराच्या फौजदारी प्रकरणाबाबत खोटी माहिती प्रसिद्ध केल्यास काय करावे?
- उत्तर : उमेदवारासंबंधीचे खोटे विवरणपत्र प्रसिद्ध केल्याच्या कोणत्याही प्रकरणात करावयाच्या कार्यवाहीकरिता अगोदरच तरतुदी आहेत. [ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १२३(४) आणि भारतीय दंड संहिता याच्या कलम १७१छ]
- प्र. ५ : कोणत्या दूरदर्शन वाहिनीने प्रतिज्ञापन प्रसिद्ध करावयाचे आहे?
- उत्तर : कृपया वरील क्र. १ च्या समोरील उत्तराचा संदर्भ घ्यावा. संबंधित क्षेत्रात जी दूरदर्शन वाहिनी उपलब्ध आहे / लोकप्रिय आहे त्यावर ते प्रसिद्ध करण्यात यावे.
- प्र. ६ : दूरदर्शनमध्ये अक्षराचा आकार (फॉन्ट) आणि प्रसिद्धीची वेळ किती (काय) असेल ?
- उत्तर : टीव्हीवर मुद्रित साहित्य (आधारसामग्री) दर्शविण्यासाठी अक्षराचा आकार प्रमाण आकार घेण्यात यावा. त्याचा कालावधी (दर्शविण्याचा) ७ सेकंदांपेक्षा कमी नसावा.
- प्र. ७ : उमेदवाराचा कोणताही गुन्हेगारी अभिलेख (नोंद) नसल्यास, त्याने/तिने प्रसिद्ध करणे गरजेचे आहे किंवा कसे ?
- उत्तर : नाही. केवळ अशाच उमेदवारांनी प्रतिज्ञापन प्रसिद्ध करणे आवश्यक आहे ज्यांची फौजदारी प्रकरणे एकतर प्रलंबित आहेत किंवा जे भूतकाळात दोषी ठरलेले आहेत.
- प्र. ८ : संबंधित उमेदवाराने आणि राजकीय पक्षाने प्रथम माहिती अहवालाची (एफआयआर) (FIR) प्रकरणे प्रसिद्ध करावी किंवा कसे ?
- उत्तर : हो. नमुना २६ च्या बाब-५ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे प्रथम माहिती अहवालाशी (एफआयआर) संबंधित तपशील प्रकरण क्रमांक व प्रकरणाची स्थिती या शीर्षातर्गत नमूद करणे आवश्यक आहे.
- प्र. ९ : नामनिर्देशन दाखल केल्यानंतर, उमेदवाराला फौजदारी प्रकरणाच्या स्थितीत बदल करता येईल, तपशिलात सुधारणा करता येईल किंवा कसे ?
- उत्तर : संबंधित उमेदवारास सुधारित स्थितीबाबत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास सूचित करायची मोकळीक असेल आणि केवळ सुधारित स्थितीच प्रसिद्ध करता येईल. जर काही बदल नसल्यास ते प्रसिद्ध करण्याची आवश्यकता नाही.

- प्र. १० : प्रसिद्धीसाठीचा खर्च कोण करील ?  
 उत्तर : खर्च कोणताही असल्यास, तो संबंधित प्रकरणातील उमेदवार आणि राजकीय पक्षाद्वारे करण्यात येईल.
- प्र. ११ : या खात्यावरील खर्चाचा हिशेब करण्यात आलेला आहे किंवा कसे ?  
 उत्तर : हो. निवडणुकीशी संबंधित होणारा हा खर्च जर याबाबतीत खर्च केला असेल तर तो खर्च निवडणूक प्रयोजनासाठीचा खर्च म्हणून मोजण्यात येईल.
- प्र. १२ : अशा तपशीलामधील कोणतीही विसंगती दर्शविण्यात आल्यास त्यावर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास कार्यवाही करता येऊ शकेल का ?  
 उत्तर : नाही. निवडणूक निर्णय अधिकारी, उमेदवार / राजकीय पक्षाद्वारे प्रसिद्ध केलेल्या प्रतिज्ञापनाच्या अचूकतेबाबत चौकशी करू शकत नाही.
- प्र. १३ : असा उमेदवार जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडे प्रकरण प्रसिद्धीबाबतची माहिती कशा रीतीने सादर करील ?  
 उत्तर : प्रतिज्ञापन प्रसिद्ध करण्याबाबतचा अहवाल सादर करण्याकरिता उमेदवार आणि राजकीय पक्षासाठी आयोगाने स्वतंत्र, प्रपत्रे विनिर्दिष्ट केलेली आहेत. उमेदवारासाठी प्रपत्र सी-४ आणि राजकीय पक्षांसाठी प्रपत्र सी-५ आहेत.
- प्र. १४ : जर अशा उमेदवारांनी किंवा अशा राजकीय पक्षांनी विहित रीतीने प्रसिद्ध केले नाही तर काय होईल ?  
 उत्तर : अशा प्रकारे पूर्वेतिहास प्रसिद्ध करण्यात कसूर केल्यास निवडणुकीनंतर निवडणूक याचिका किंवा सन्माननीय सर्वोच्च न्यायालयाचा अवमान, यांसारख्या कार्यवाहीसाठी ते कारणीभूत ठरेल.

## जोडपत्र - २८

प्रकरण - १, परिच्छेद - १.४.७

## प्रपत्र १

## सुविधा केंद्रावर टपाली मतपत्रिकाद्वारे मतदान करण्यासंबंधीचे विवरणपत्र

- राज्याचे नाव : .....
- निवडणुकीचे नाव : .....
- मतदार संघ व जिल्ह्याचे नाव : .....
- सुविधा केंद्राचे नाव / पत्ता / ठिकाण : .....
- सुविधा केंद्रावरील टपाली मतदानाचा दिनांक : .....
- त्या दिनांकाला झालेल्या एकूण टपाली मतदानाची संख्या : .....
- राजकीय पक्ष / उमेदवारांचे प्रतिनिधी यांचे नाव आणि स्वाक्षरी : .....
- १.
- २.

स्वाक्षरी .....

सुविधा केंद्राच्या प्रमुखाचे नाव व पदनाम .....

- टीप .—** (१) हे प्रपत्र टपाली मतदानाच्या प्रत्येक दिवशी, या प्रयोजनासाठी नियुक्त केलेल्या सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे सुपूर्द केले जाईल.
- (२) सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी ते निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे जमा करील.
- (३) निवडणूक निर्णय अधिकारी या प्रपत्राची एक प्रत संबंधित संसदीय मतदारसंघ / विधानसभा मतदारसंघाच्या जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याला पाठविल.



भाग - तीन  
'काय करावे व काय करू नये'

## उमेदवारांना मार्गदर्शनासाठी काय करावे व काय करू नये

### काय करावे

१. निवडणुकीशी संबंधित सांविधानिक व कायदेशीर तरतुदी स्वतः माहित करून घ्याव्यात.
२. तुमच्या मतदारसंघाशी संबंधित नवीनतम परिसीमन आदेश तपासून पहावा.
३. तुमच्या मतदारसंघाची मतदार यादी प्राप्त करून घ्यावी आणि तिची तपासणी करवून घ्यावी.
४. निवडणुकीस उभे राहण्याचा निर्णय घेण्यापुर्वी पुरेसे अगोदर चालू मतदार यादीतील तुमचे नाव व इतर तपशील तपासून पहावेत.
५. निवडणुकीस उभे राहण्यास आवश्यक असलेल्या अर्हतासंबंधीच्या तरतुदींचा अभ्यास करावा.
६. निवडणुकीसाठी उभे राहण्यास तुम्हाला निरर्ह ठरविण्यात आलेले नाही हे तपासून पहावे.
७. नामनिर्देशपत्राचा नमुना हा विहित नमुना आहे ( **लोकसभा निवडणुकीसाठी** नमुना २-अ किंवा **विधानसभा निवडणुकीसाठी** २-ब ) याची खात्री करून घेण्यासाठी तो तपासून पहावा.
८. नामनिर्देशपत्राचा नमुना व्यक्तीशः सादर करावा किंवा तुमच्या प्रस्तावकामार्फत सादर करावा.
९. प्रस्तावक हा ( हे ) तुम्ही ज्या मतदारसंघातून निवडणूक लढवत असाल त्या मतदारसंघातील मतदार आहे ( आहेत ) हे तपासून पहावे.
१०. नामनिर्देशनपत्र कोणताही तपशील सोडून न देता भरावे. प्रस्तुत ठिकाणांवर स्वाक्षरी करावी.
११. संपूर्ण भरलेले, रितसर लेख प्रमाणित केलेले **नमुना २६ मधील** शपथपत्र, ब नामनिर्देशन पत्र सादर करण्याच्या शेवटच्या दिनांकाच्या म. नं. ३.०० वाजेपुर्वी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यासमोर दाखल करावे.
१२. शपथपत्रामध्ये असलेल्या सर्व स्तंभामधील माहिती भरावी.
१३. **जर शपथपत्रातील एखाद्या बाबी च्या संबंधात सादर करण्यासारखी कोणतीही माहिती नसेल**, तर स्तंभामध्ये लागू असेल तो योग्य शेरा लिहावा जसे की, 'निरंक' किंवा 'लागू नाही' किंवा 'माहित नाही'.
१४. संबंधित राज्य / संघ राज्यक्षेत्राच्या कायदानुसार राज्य / संघ राज्यक्षेत्रांतर्गत विहित केलेल्या मूल्याच्या मुद्रांक पत्रावर शपथपत्र तयार करावे.
१५. तुमच्या नामनिर्देशन पत्रासोबत इतर आवश्यक कागदपत्रे ( तपासणी सूचीमध्ये दर्शविल्या प्रमाणे ) सादर करावीत.
१६. शपथपत्राच्या प्रत्येक पृष्ठावर स्वाक्षरी करावी **आणि शपथपत्राच्या प्रत्येक पृष्ठावर मुद्रांक तिकीट चिकटवले असल्याची खात्री करावी.**
१७. तुमच्या राजकीय पक्षाला तुमच्या गुन्हेगारी पूर्वचरित्राबद्दल कळवले आहे ही बाब नमुना २६ मध्ये घोषित करावी.
१८. **मागील १० वर्षांच्या कालावधीत एखाद्या वेळी तुम्ही एखादे शासकीय निवासस्थान धारण केलेले असल्यास**, नमुना २६ मधील शपथपत्रासोबत अशा निवासस्थानाच्या संबंधातील 'ना देय प्रमाणपत्र' सादर करावे.
१९. नामनिर्देशनपत्र मिळाल्याची पोच मिळवावी.



२०. नामनिर्देशनांच्या छाननीच्या वेळी आणि **चिन्हांच्या वाटपाच्या वेळी** जातीने उपस्थित राहण्याची खबरदारी घ्यावी.
२१. जर तुमचे नामनिर्देशन स्वीकारणात आले असेल तर, **वैध नामनिर्देशित उमेदवारांच्या** यादीत तुमचे नाव आले असल्याचे तपासून पहावे.
२२. वैधरीत्या नामनिर्देशित केलेल्या उमेदवारांच्या यादीत तुमचे नाव बिनचूकपणे नमूद केल्याचे तपासून पहावे.
२३. जर तुम्ही तुमची उमेदवारी मागे घेतली नसेल तर, निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या यादीतील तुमचे नाव व इतर तपशील अचूक असल्याचे तपासून पहावे. छायाचित्र अचूक लावले असल्याची खात्री करून घ्यावी.
२४. अधिसूचित केलेली मतदानाची वेळ जाणून घ्यावी.
२५. योग्य नमुन्यात आणि पुरेशा आगाऊ वेळेत निवडणूक प्रतिनिधीची नेमणूक करावी.
२६. **तुमच्या निवडणूक प्रतिनिधीस निवडणूक प्रतिनिधीचे पद धारण करण्यासाठी निरह ठरवण्यात आलेले नाही ( म्हणजेच, त्यास निवडणुकीत मतदान करण्यासाठी किंवा संसदेचा किंवा कोणत्याही राज्य विधानमंडळाचा सदस्य होण्यासाठी निरह ठरवण्यात आलेले नाही ) याची खात्री करून घ्यावी.**
२७. मतदान केंद्रांच्या यादीची एक प्रत मिळवावी.
२८. प्रत्येक मतदान केंद्रासाठी पुरेशा आगाऊ वेळेत योग्य नमुन्यात मतदान प्रतिनिधीची नेमणूक करावी.
२९. **शक्य होईल तेथवर, मतदान प्रतिनिधी हे त्याच किंवा शेजारच्या मतदान केंद्रांच्या क्षेत्रातील असल्याची खात्री करावी.**
३०. तुमच्या मतदान प्रतिनिधींना मतदार यादीच्या प्रती पुरवाव्यात.
३१. प्रत्येक मतमोजणी टेबलासाठी मतमोजणी प्रतिनिधींची तसेच एक जादा मतमोजणी प्रतिनिधीची वेळच्या वेळी योग्य नमुन्यात नेमणूक करावी.
३२. **निवडणूक प्रतिनिधी, मतदान प्रतिनिधी आणि मतमोजणी प्रतिनिधी हे विद्यमान मंत्री/ खासदार/ विधानसभा सदस्य/ विधान परिषद सदस्य / महानगरपालिकांचे महापौर / नगरपालिकेचे अध्यक्ष या प्रवर्गातील किंवा सरकारकडून सुरक्षा पुरवण्यात आलेली व्यक्ती नसल्याबाबत खात्री करून घ्यावी.**
३३. मतमोजणीच्या वेळी जातीने उपस्थित राहण्याची खबरदारी घ्यावी.
३४. वरील कायदेशीर आवश्यकतांचे उल्लंघन करून प्रसिध्द केलेल्या निवडणूकविषयक पत्रकांबद्दल किंवा भित्तिपत्रकांबद्दल तुम्हाला जी माहिती मिळाली असेल ती माहिती तुम्ही ताबडतोब वरील प्राधिकाऱ्यांना किंवा निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला कळवावी.
३५. निवडणूक आयोगाने योजल्याप्रमाणे राजकीय पक्षांच्या आणि उमेदवारांच्या मार्गदर्शनार्थ, आदर्श आचारसंहितेचे पालन होण्यासाठी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने स्थापन केलेल्या मतदारसंघ समितीच्या बैठकींना उपस्थित रहावे.
३६. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने आयोजित केलेल्या प्रशिक्षण तालमीच्या वेळी तुम्ही तुमच्या प्रतिनिधींसह हजर रहावे.
३७. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने मतदान यंत्रांचे आरंभण करतेवेळी व्यक्तीशः किंवा अधिकृत प्रतिनिधीमार्फत उपस्थित रहावे.
३८. अन्य राजकीय पक्ष आणि उमेदवार यांच्या संबंधातील टीका ही त्यांची धोरणे, कार्यक्रम, पूर्वेतिहास व कार्य यांच्याशी संबंधित असावी.
३९. प्रत्येक व्यक्तीच्या शांततापूर्ण व अबाधित गृहस्थाश्रमाच्या हक्कांचे पूर्णपणे रक्षण करावे.

४०. प्रस्तावित प्रचार कार्यक्रमांचे ठिकाण व वेळ या बाबतीत यासंबंधीची संपूर्ण माहिती स्थानिक पोलीस प्राधिकाऱ्यांना वेळीच द्यावी व सर्व आवश्यक परवानग्या घ्याव्यात.
४१. प्रस्तावित सभेच्या ठिकाणच्या संबंधात जर काही निर्बंधाच्या स्वरूपाचे अथवा प्रतिबंधात्मक आदेश अंमलात असतील तर त्यांचे पूर्ण पालन केले गेले पाहिजे. यात काही सूट मिळणे आवश्यक ठरले तर त्याबाबतच वेळीच अर्ज करावा व सूट मिळवावी.
४२. कोणतीही मिरवणूक सुरू करण्याची आणि संपण्याची वेळ आणि ठिकाण, तिचा मार्ग आधीच निश्चित केला पाहिजे आणि त्यासाठी पोलीस अधिकाऱ्यांकडून आगाऊ परवानग्या घेतल्या पाहिजेत. प्रस्तावित सभांसाठी ध्वनीक्षेपके किंवा इतर कोणत्याही सुविधा वापरण्यासाठी देखील परवानगी घेणे अत्यावश्यक आहे.
४३. ज्या परिसरातून मिरवणूक पुढे जाणार आहे तेथे लागू असलेले एखादे प्रतिबंधात्मक आदेश आणि वाहतुकीचे नियम अस्तित्वात असल्याबाबत खातरजमा केली पाहिजे आणि त्यांचे पूर्णपणे पालन केले पाहिजे.
४४. वर सांगितल्याप्रमाणे आदर्श आचारसंहितेच्या तरतुदींचे उल्लंघन केल्याच्या घटना तुमच्या निदर्शनास आल्यास, आवश्यक उपचारात्मक किंवा दंडात्मक कारवाईसाठी त्यांची माहिती द्यावी.
४५. उमेदवार म्हणून तुमचे नामनिर्देशन झाल्याच्या तारखेपासून निवडणुकीचा निकाल जाहीर झाल्याच्या तारखेपर्यंत निवडणूक संबंधित सर्व **दैनंदिन** खर्चाचा योग्य आणि अचूक हिशेब, या प्रयोजनार्थ निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने विनिर्दिष्टपणे तुम्हाला पुरवलेल्या नोंदवहीमध्ये ठेवावा.
४६. निवडणुकीच्या संदर्भातील खर्च करण्याच्या उद्देशाने तुम्ही केवळ यासाठी समर्पित बँक खाते उघडले आहे याची खातरजमा करावी आणि सर्व खर्च अशा खात्यातून मार्गी लावावा.
४७. प्रचार कालावधी दरम्यान नियतकालिक पडताळणीसाठी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने / निरीक्षकाने विनिर्दिष्ट केलेल्या तारखांना निवडणूक खर्चाचा हिशेब सादर केला जाईल याबाबत खातरजमा करावी
४८. कार्यकर्त्यांनी बिल्ले किंवा ओळखपत्र लावलेलेच असले पाहिजे.
४९. सर्व मतदारांना देण्यात येणाऱ्या अनौपचारिक ओळखचिह्ना साध्या कागदावर द्याव्यात व त्यावर उमेदवाराचे कोणतेही चिन्ह, नाव किंवा पक्षाचे नाव नसावे.
५०. प्रचाराच्या कालावधीत आणि मतदानाच्या दिवशी वाहनांच्या वापरावरील निर्बंधाचे पूर्णतः पालन करावे..
५१. मतदार उमेदवार आणि त्यांचे निवडणूक मतदान प्रतिनिधी याखेरीज कोणत्याही व्यक्तीने निवडणूक आयोगाकडून विनिर्देशपूर्वक वैध प्राधिकारपत्र घेतलेले असल्याखेरीज कोणत्याही वेळी मतदान केंद्रात प्रवेश करू नये. कोणत्याही उच्च पदावरील यंत्रणेला ( उदा. मुख्यमंत्री, मंत्री, आमदार किंवा खासदार इत्यादी ) यांना या शर्तीमधून सूट नसावी.
५२. निवडणूक घेण्याबाबत कोणतीही तक्रार किंवा समस्या असल्यास. ती निवडणूक आयोगाने नेमलेला निरीक्षक / निवडणूक निर्णय अधिकारी/ क्षेत्र/विभाग दंडाधिकारी/ भारत निवडणूक आयोग यांच्या निदर्शनास आणून द्यावी.
५३. मतदारसंघाचे मतदार नसलेले तुमचे सर्व प्रचारक / कार्यकर्ते (निवडणूक प्रतिनिधी व्यतिरिक्त) प्रचाराचा कालावधी संपल्यानंतर लगेचच मतदारसंघातून बाहेर पडतील याची खात्री करावी.
५४. तुम्ही तुमचे निवडणूक प्रतिनिधी आणि सर्व कामगार आदर्श आचारसंहितेच्या सर्व तरतुदींचे काटेकोरपणे पालन करत असल्याची खात्री करावी.
५५. तुमचे एखादे गुन्हेगारी पूर्ववृत्त असल्यास, भारत निवडणूक आयोगाने विहित केलेल्या नमुन्यात, वृत्तपत्रे आणि दूरचित्रवाणी वाहिन्यांमध्ये अशा सर्व प्रकरणांचा तपशील, प्रचार कालावधीत ३ वेळा, तुम्ही प्रकाशित केला असल्याची खात्री करावी.

५६. तुमच्या वतीने इलेक्ट्रॉनिक प्रसार माध्यमांमध्ये दिलेल्या सर्व राजकीय जाहिराती सक्षम समितीने पूर्व-प्रमाणित केल्या असल्याची याची खात्री करावी.
५७. निवडणूक आयोग, निवडणूक निर्णय अधिकारी, जिल्हा निवडणूक अधिकारी यांचे निवडणुकीच्या विविध पैलूंशी संबंधित सर्व बाबतीतील निर्देश/आदेश/सूचना यांचे पालन करावे.

### काय करू नये

१. तुम्ही स्वतः किंवा प्रस्तावक याव्यतिरिक्त इतर कोणत्याही व्यक्तीमार्फत नामनिर्देशनपत्र सादर करू नये.
२. सार्वजनिक सुट्टीच्या दिवशी नामनिर्देशनपत्र सादर करण्याचा प्रयत्न करू नये.
३. नामनिर्देशनपत्र सादर करण्याच्या प्रयोजनासाठी निश्चित केलेल्या विनिर्दिष्ट वेळेपूक किंवा त्यानंतर नामनिर्देशनपत्र सादर करू नये.
४. चारपेक्षा जास्त नामनिर्देशनपत्रे सादर करू नयेत.
५. निवडणूक निर्णय अधिकारी किंवा ( याबाबत अशारीतीने प्राधिकृत केलेला ) सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी यांच्या व्यतिरिक्त इतर कोणत्याही व्यक्तीकडे नामनिर्देशनपत्र सादर करू नये.
६. आवश्यक ती रोख अनामत रक्कम भारताच्या रिझर्व बँकेत किंवा सरकारी कोषागारात किंवा निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांकडे जमा करण्यास विसरू नये.
७. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यांकडे नामनिर्देशनपत्र सादर दिल्यानंतर शपथ घेऊन किंवा प्रतिज्ञाकथन करून ते स्वाक्षरित करण्यास विसरू नये आणि कोणत्याही परिस्थितीत, नामनिर्देशन छाननीच्या आदल्या दिवसापर्यंत शपथ घेऊन किंवा प्रतिज्ञाकथन करून स्वाक्षरित केल्याचे घेतल्याचे प्रमाणपत्र प्राप्त करून घ्यावे.
८. तुमचे नाव किंवा तुमची निशाणी किंवा तुमच्या पक्षाचे नाव असलेल्या आणि तुम्हाला किंवा तुमच्या पक्षाला मत देण्याविषयी मतदारांना प्रवृत्त करणारा कोणताही मजकूर समाविष्ट असलेल्या ओळखचिठ्या देऊ नयेत.
९. कोणत्याही व्यक्तीला, अन्य कोणत्याही व्यक्तीस उमेदवार म्हणून उभे राहण्यास किंवा उभे न राहण्यास किंवा त्याची उमेदवारी मागे घेण्यास किंवा मागे न घेण्यास प्रवृत्त करण्यासाठी किंवा मतदान करण्यासाठी किंवा मतदान करण्यापासून परावृत्त करण्यासाठी किंवा अशाप्रकारे उभे राहिल्याबद्दल किंवा उभे न राहिल्याबद्दल किंवा आपली उमेदवारी मागे घेतल्याबद्दल किंवा मागे न घेतल्याबद्दल किंवा मतदान केल्याबद्दल किंवा मतदान न केल्याबद्दल बक्षीस म्हणून एखादे परितोषण देऊ नये. देऊ करू नये किंवा तसे वचन देऊ नये.
१०. कोणत्याही व्यक्तीच्या निवडणूक विषयक अधिकाराच्या मुक्त वापरामध्ये प्रत्यक्षपणे किंवा अप्रत्यक्षपणे हस्तक्षेप करू नये किंवा हस्तक्षेप करण्याचा प्रयत्न करू नये.
११. मतदारांना लाच देणे. त्यांच्यावर निष्कारण प्रभाव टाकणे. मतदारांना धमकावणे, तोतयेगिरी. मतदान केंद्रापासून १०० मीटरच्या आत निवडणूक प्रचार करणे, मतदानाच्या समाप्तीसाठी निश्चित केलेल्या वेळी समाप्त होणाऱ्या कालावधीपासून ४८ तासांच्या कालावधीत सार्वजनिक सभा आयोजित करणे आणि मतदारांची मतदान केंद्राकडे किंवा तेथून ने-आण करणे या कृती भ्रष्टाचारी प्रथा असल्यामुळे किंवा निवडणूक अपराध असल्यामुळे (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम १२३) त्यांस प्रतिबंध करण्यात आला आहे.

१२. मतदारांना, धर्म, वंश, जात किंवा समुदाय किंवा भाषा या आधारावर मतदान करण्याचे किंवा मतदान न करण्याचे आवाहन करू नये.
१३. धर्म, वंश, जात, समुदाय किंवा भाषा या आधारांवर नागरिकांच्या वेगवेगळ्या वर्गांमध्ये शत्रुत्वाची किंवा द्वेषाची भावना वाढवू नये किंवा वाढवण्याचा प्रयत्न करू नये.
१४. कोणत्याही उमेदवाराच्या वैयक्तिक चारित्र्याच्या व वर्तणूकीच्या संबंधात किंवा कोणत्याही उमेदवाराच्या उमेदवारीच्या किंवा उमेदवारी मागे घेण्याच्या संबंधात खोटी निवेदने प्रसिद्ध करू नयेत.
१५. मतदान केंद्राकडे व केंद्रातून मतदारांना नेण्यासाठी वाहने भाड्याने घेऊ नयेत किंवा मिळवू नयेत.
१६. तुमच्या निवडणुकीसाठी विहित केलेल्या कमाल मर्यादेपलिकडे निवडणुकीच्या संबंधातील खर्च करू नये किंवा तो प्राधिकृत करू नये.
१७. मतदान केंद्राच्या ठिकाणी गैरवर्तन करू नये.
१८. मतदान केंद्रात किंवा केंद्राजवळ गैरशिस्त वर्तन करू नये.
१९. मतदान पूर्ण करण्यासाठी निश्चित केलेल्या वेळेपर्यंत पूर्ण होणाऱ्या ४८ तासांच्या कालावधीत जाहीर सभा किंवा मिरवणुका इत्यादी कोणत्याही वेळी मतदान क्षेत्रात सार्वजनिक सभा भरवू नयेत. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम १२६ मध्ये निर्दिष्ट केलेल्या शेवटच्या ४८ तासांच्या कालावधीत इलेक्ट्रॉनिक प्रसारमाध्यमांमध्ये निवडणूकविषयक कोणतीही बाब प्रदर्शित करू नये.
२०. मतदानाच्या तारखेस किंवा तारखांना, मतदान केंद्रात किंवा केंद्राजवळ प्रचार करू नये.
२१. निवडणूकविषयक पत्रकांच्या किंवा भिक्तीपत्रकांच्या दर्शनी बाजूला मुद्रकाचा व प्रकाशकाचा तपशील दिल्याशिवाय आणि मुद्रकाची व प्रकाशकांची ओळख प्रतिज्ञापित केल्याशिवाय व प्रतिज्ञापनाच्या प्रती, जर मुद्रण राज्याच्या राजधानीत केले असेल तर मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याकडे, आणि मुद्रण अन्यत्र केले असेल तर त्या बाबतीत जिल्हा दंडाधिकाऱ्याकडे पाठवल्याशिवाय, अशी पत्रके किंवा भिक्तीपत्रके मुद्रित किंवा प्रकाशित करू नये.
२२. कोणतेही नामनिर्देशनपत्र, किंवा निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने किंवा त्याच्या प्राधिकाराखाली लावलेली कोणतीही यादी, सूचना किंवा कागद लबाडीने नष्ट करू नये.
२३. कोणत्याही उमेदवाराच्या वैयक्तिक चारित्र्याच्या व वर्तणुकीच्या संबंधात किंवा कोणत्याही उमेदवाराच्या उमेदवारीच्या किंवा उमेदवारी मागे घेण्याच्या संबंधात जे खोटे असेल किंवा जे खोटे आहे असा तुम्हाला विश्वास वाटत असेल किंवा जे खरे आहे असा तुम्हाला विश्वास वाटत नसेल असे, निवडणुकीतील त्या उमेदवाराच्या भवितव्याला घातक ठरेल अशा रीतीने तयार केलेले कोणतेही निवेदन प्रकाशित करू नये किंवा आपल्या संमतीने किंवा तुमच्या निवडणूक प्रतिनिधीच्या संमतीने प्रकाशित करवू नये.
२४. सामाजिक बहिष्कार आणि कोणत्याही जातीतून किंवा जमातीतून बहिष्कृत करणे किंवा वाळीत टाकणे यांसह कोणत्याही कृतीने कोणत्याही उमेदवारास किंवा कोणत्याही मतदारास किंवा कोणत्याही व्यक्तीस धमकी देऊ नये.
२५. कोणत्याही उमेदवाराची किंवा मतदाराची, त्याच्यावर किंवा त्याला जिच्या बाबतीत आस्था आहे अशा कोणत्याही व्यक्तीवर देवी अवकृपा होईल किंवा धार्मिक रोष ओढवेल अशी समजूत करून देऊ नये किंवा समजूत करून देण्याचा प्रयत्न करू नये.
२६. राजकीय प्रचारात किंवा कोणत्याही संवादात कोणत्याही विवक्षित समुदायाविरुद्ध किंवा दिव्यांग व्यक्तीविरुद्ध भेदभावकारी, प्रक्षोभक किंवा अपमानास्पद भाषेचा वापर करू नये.
२७. निवडणुकीच्या वेळी तोतयेगिरीचा अपराध करण्यास अपप्रेरणा देऊ नये.

२८. निवडणुकीचा निकाल घोषित झाल्याच्या दिनांकापासून ३० दिवसांच्या आत जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडे निवडणुकीचा हिशेब सादर करण्यास विसरू नये मग तुम्ही निवडून या किंवा येऊ नका अथवा तुम्ही निवडणूक लढवण्याचा विचार गांभीर्याने केलेला असेल वा नसेल.
२९. मालमत्तेचे विद्वुपीकरण करण्यास किंवा कायद्यातील तरतुदी व आयोगाच्या निर्देशांचा भंग करणाऱ्या प्रचार उपक्रमास मोकळीक देऊ नये.
३०. आयोगाने नियुक्त केलेल्या समितीद्वारे पूर्व-प्रमाणित केल्याखेरीज दूरचित्रवाणी वाहीनी, केबल दूरचित्रवाणी किंवा रेडीओ वर कोणतीही राजकीय जाहिरात प्रदर्शित करू नये. शेवटच्या ४८ तासांच्या कालावधीतील मुद्रित माध्यमांमधील अशा जाहिराती समितीद्वारे प्रमाणित केलेल्या असल्या पाहिजेत.
३१. निवडणुकीच्या मोहिमेचा एक भाग म्हणून भाषणे देणे, भित्तिपत्रके लावणे, संगीत वाजविणे इत्यादींसह निवडणूक प्रचारासाठी देवळे, चर्च, गुरुद्वारे किंवा इतर कोणतेही प्रार्थनास्थळ यांचा वापर करण्यात येणार नाही.
३२. स्थानिक कायद्यास अधीन राहून, कोणासही कोणत्याही व्यक्तीच्या जमिनीचा इमारतीचा, कुंपण भिंत, इत्यादीचा, त्याच्या मालकाची परवानगी (जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याला दाखवावयाची व त्याच्याकडे जमा करावयाची) असल्याशिवाय ध्वजदंड उभारणे, कापडी फलक लावणे, नोटीसा लावणे किंवा घोषवाक्ये लिहिणे यासाठी उपयोग करू नये.
३३. दुसऱ्या पक्षांनी आयोजित केलेल्या समांच्या ठिकाणावरून मिरवणूक काढता येणार नाहीत. मिरवणुकीत सहभागी होणाऱ्या व्यक्तींनी ज्याचा गैरवापर घेऊ शकेल असे फेकावयाचे शस्त्र किंवा हत्यार बाळगू नये.
३४. दुसऱ्या पक्षांनी व उमेदवारांनी लावलेली भित्तिपत्रके काढता किंवा विरूपित करता कामा नये.
३५. मतदानाच्या दिवशी ओळखपत्रिका वितरित करण्याच्या ठिकाणी किंवा मतदान केंद्राच्या जवळ भित्तिपत्रके, ध्वज, निशाण्या किंवा इतर प्रचारात्मक साहित्य प्रदर्शित करण्यात येऊ नये.
३६. संबंधित प्राधिकाऱ्यांच्या लेखी पूर्वपरवानगीशिवाय सार्वजनिक सभामध्ये किंवा मिरवणुकांमध्ये ध्वनिवर्धकदेखील वापरण्यात येऊ नयेत. सर्वसाधारणपणे अशा सभा / मिरवणूका रात्री १०.०० वाजल्याच्या पुढे चालू ठेवता येणार नाहीत आणि त्या स्थानिक कायदे, त्या क्षेत्रातील सुरक्षाविषयक स्थानिक निकड आणि हवामानविषयक स्थिती, सण, परीक्षा कालावधी इत्यादींसारख्या इतर सर्व प्रस्तुत घटकांच्या अधीन असतील.
३७. मतदानाच्या दिवशी कोणतीही व्यक्ती, जिला धमकीच्या कारणावरून सुरक्षितता पुरवण्याचे ठरवण्यात आले असेल आणि म्हणून अधिकृत सुरक्षा देण्यात आली असेल ती व्यक्ती मतदान केंद्राच्या क्षेत्राच्या जवळपास (१०० मीटरच्या आत), तिच्या सुरक्षा कर्मचारीवर्गासह प्रवेश करणार नाही. आणखी, मतदानाच्या दिवशी, अशी कोणतीही व्यक्ती, तिच्या सुरक्षा कर्मचारीवर्गासह मतदारसंघात फिरणार नाही. अशी अधिकृत सुरक्षा पुरविण्यात आलेली व्यक्ती जर मतदारही असेल तर, त्याला किंवा तिला आपल्या सुरक्षा कर्मचाऱ्यासोबत केवळ मतदानासाठी जाता येईल. अन्य प्रकारच्या जाण्या-येण्यावर निर्बंध ठेवावे लागतील.
३८. कोणतीही व्यक्ती, जिला धमकीच्या कारणावरून सुरक्षितता पुरविण्याचे ठरविण्यात आले असेल आणि म्हणून अधिकृत सुरक्षा पुरविण्यात आली असेल, किंवा त्याचे/तिचे स्वतःचे खाजगी सुरक्षारक्षक असतील अशा व्यक्तीला, निवडणूक प्रतिनिधी किंवा मतदान प्रतिनिधी किंवा मतमोजणी प्रतिनिधी म्हणून नियुक्त केले जाणार नाही.

২৮২

**भाग—चार**  
**वारंवार विचारले गेलेले प्रश्न**



## वारंवार विचारले गेलेले प्रश्न

## भाग एक : निवडणुका कोण लढवू शकतो.

- प्रश्न १. लोकसभा किंवा विधानसभेच्या निवडणुकीत उमेदवार म्हणून उभे राहण्यासाठी किमान वय किती आहे ?
- उत्तर नामनिर्देशन पत्रांची छाननी करण्याच्या दिनांकास पंचवीस वर्षांपेक्षा कमी नसेल इतके वय.  
[ संदर्भ: भारताच्या संविधानाचा अनुच्छेद ८४ (ख) आणि संविधानाचा अनुच्छेद १७३ (ख), लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ३६ (२).]
- प्रश्न २. मी कोणत्याही मतदारसंघामध्ये मतदार म्हणून नाव नोंदणी केलेली नाही. मी निवडणूक लढवू शकतो का ?
- उत्तर नाही. आपणाला निवडणूक लढविण्यासाठी विद्यमान मतदार यादीमध्ये मतदार म्हणून नाव नोंदणी करावी लागेल.  
[ संदर्भ - लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ४ (घ) आणि कलम ५ (ग).]
- प्रश्न ३. मी, एका विशिष्ट राज्यामध्ये मतदार म्हणून नाव नोंदणी केली आहे. मी त्या राज्याबाहेरून लोकसभेची निवडणूक लढवू शकतो का ?
- उत्तर होय. आपण आसाम लक्षद्वीप व सिक्कीममधील स्वायत्त जिल्हे वगळता, देशातील कोणत्याही मतदारसंघातून निवडणूक लढवू शकता. (संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ४.)
- प्रश्न ४. एखादी व्यक्ती एखाद्या विशिष्ट राज्यातील अनुसूचित जातीची आहे. ती अनुसूचित जातींसाठी राखीव असलेल्या जागेसाठी लोकसभेची निवडणूक इतर कोणत्याही राज्यामधून लढवू शकते का ?
- उत्तर होय. ती, अनुसूचित जातीसाठी राखीव असलेल्या जागेसाठी इतर कोणत्याही राज्यामधून निवडणूक लढवू शकते. (संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ४.)
- प्रश्न ५. एखादी व्यक्ती एखाद्या विशिष्ट राज्यातील अनुसूचित जमातीची आहे. ती अनुसूचित जमातींसाठी राखीव असलेल्या जागेसाठी लोकसभेची निवडणूक इतर कोणत्या राज्यामधून लढवू शकते का ?
- उत्तर होय. ती, लक्षद्वीप, आसाममधील स्वायत्त जिल्हे आणि आसामची जनजाति क्षेत्रे वगळून, अनुसूचित जमातींसाठी राखीव असलेल्या जागेसाठी इतर कोणत्याही राज्यामधून निवडणूक लढवू शकते. (संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ४.)
- प्रश्न ६. एखादी व्यक्ती एखाद्या विशिष्ट राज्यातील मतदार आहे. ती इतर कोणत्याही राज्यातून विधानसभेच्या जागेसाठी निवडणूक लढवू शकते का ?
- उत्तर नाही. (संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ५.)
- प्रश्न ७. एखाद्या व्यक्तीने एखाद्या विशिष्ट राज्यात मतदार म्हणून नोंदणी केली आहे. परंतु ती दुसऱ्या राज्याच्या अनुसूचित जातीमधील आहे. ती ज्या राज्यातील मतदार आहे त्या राज्यातील अनुसूचित जातींसाठी राखीव असलेल्या जागेसाठी विधानसभेची निवडणूक लढवू शकते का ?
- उत्तर नाही. (संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ५.)
- प्रश्न ८. एखाद्या व्यक्तीने एखाद्या विशिष्ट राज्यात मतदार म्हणून नोंदणी केली आहे. परंतु ती दुसऱ्या राज्याच्या अनुसूचित जमातीमधील आहे. ती ज्या राज्यातील मतदार आहे त्या राज्यातील अनुसूचित जमातींसाठी राखीव असलेल्या जागेसाठी विधानसभेची निवडणूक लढवू शकते का ?
- उत्तर नाही. (संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ५.)

प्रश्न ९. एखादी व्यक्ती अनुसूचित जाती किंवा अनुसूचित जमातीमधील आहे, ती सर्वसाधारण मतदारसंघातून निवडणूक लढवू शकते का ?

उत्तर होय. (संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ ची कलमे ४ व ५.)

प्रश्न १०. एखाद्या व्यक्तीला अपराधाबद्दल सिद्धापराध ठरविलेले असेल व तिला २ वर्षासाठी कारावासाची शिक्षा झालेली असेल तर ती निवडणूक लढवू शकते का ?

उत्तर नाही. (संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ८ (३).]

प्रश्न ११. जर अशा व्यक्तीला जामीनावर सोडले असेल, तर तिचे अपील निकालात निघेपर्यंत ती निवडणूक लढवू शकते का ?

उत्तर नाही. जर एखाद्या व्यक्तीला अपराधसिद्धीनंतर जामीनावर सोडले असेल परंतु तिचे अपील निकालात काढण्यासाठी प्रलंबित असेल तर, न्यायालयाच्या निर्णयानुसार ती व्यक्ती निवडणूक लढविण्यासाठी निरह ठरेल. परंतु तिच्या अपराधसिद्धीलाही स्थगिती दिली असेल तर ती निवडणूक लढवू शकते.

प्रश्न १२. एखाद्या व्यक्तीला तुरुंगात कैद करून ठेवलेले असेल तर ती निवडणुकीत मतदान करू शकते का ?

उत्तर नाही. जर त्या व्यक्तीला, कारावास किंवा काळ्या पाण्याची शिक्षा किंवा अन्य प्रकारच्या शिक्षेमुळे, कारागृहात कैद करून ठेवलेले असेल किंवा ती पोलिसांच्या ताब्यात कायदेशीरपणे असेल तर अशी व्यक्ती कोणत्याही निवडणुकीत मतदान करू शकत नाही. [संदर्भ : लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ६२ (५).]

प्रश्न १३. कोणत्याही कायद्यान्वये प्रतिबंधात्मक स्थानबद्धतेत असलेली व्यक्ती निवडणुकीत मतदान करण्यासाठी हक्कदार आहे का ?

उत्तर होय. ती, डाक मतपत्रिकेद्वारे मतदान करण्यासाठी हक्कदार आहे. [संदर्भ : लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ६२ (५) चे परंतुक आणि निवडणुका घेण्याबाबतचे नियम, १९ नियम १८ (क) (चार).]

प्रश्न १४. एखादा समुद्रपार मतदार निवडणूक लढवू शकतो का ?

उत्तर होय. मतदार यादीत नाव नोंदवलेल्या समुद्रपार मतदारास, कायदानुसार आवश्यक असलेल्या अन्य बाबींची पूर्तता करण्याच्या अधीन राहून निवडणुका लढवण्याचा अधिकार आहे. कायदानुसार विहित करण्यात आलेल्या अर्हतांपैकी एक आवश्यक अर्हता म्हणजे, उमेदवाराने विहित नमुन्यात, या संबंदात आयोगाने प्राधिकृत केलेल्या व्यक्तीसमोर, एक शपथपत्र किंवा प्रतिज्ञाकथन करून स्वाक्षरित केले पाहिजे.

### भाग दोन : अनामत रक्कम.

प्रश्न १. प्रत्येक उमेदवाराने अनामत रक्कम ठेवण्याची आवश्यकता आहे. लोकसभेच्या निवडणुकीसाठी अनामत रक्कम किती आहे ?

उत्तर पंचवीस हजार रुपये. [संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ३४ (१).]

प्रश्न २. अनुसूचित जाती किंवा अनुसूचित जमातीच्या उमेदवाराला लोकसभेच्या निवडणुकीमध्ये अनामत रक्कम भरण्यातून सूट आहे का ?

उत्तर होय. बारा हजार पाचशे रुपये इतकी सूट आहे. [संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ३४ (१) (क).]

- प्रश्न ३. विधानसभेच्या निवडणुकीसाठी अनामत रक्कम किती आहे ?  
उत्तर दहा हजार रुपये. [ संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ३४ (१) (ख). ]
- प्रश्न ४. अनुसूचित जाती किंवा अनुसूचित जमातीच्या उमेदवाराला विधानसभेच्या निवडणुकीमध्ये अनामत रक्कम भरण्यातून सूट आहे का ?  
उत्तर होय. पाच हजार पाचशे रुपये इतकी सूट आहे. [ संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ३४ (१) (ख). ]
- प्रश्न ५. जर अनुसूचित जाती किंवा अनुसूचित जमातीची एखादी व्यक्ती सर्वसाधारण जागेवरून निवडणूक लढवत असेल तर तिला लोकसभेची/विधानसभेची निवडणूक लढविण्यासाठी किती अनामत रक्कम भरावी लागेल ?  
उत्तर लोकसभेसाठी बारा हजार पाचशे रुपये / विधानसभेसाठी पाच हजार पाचशे रुपये. [ संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ३४ (१) (क) (ख). ]
- प्रश्न ६. कोणत्या उमेदवारांची अनामत रक्कम जप्त होते ?  
उत्तर मतदारसंघामध्ये मतदान झालेल्या एकूण वैध मतांपैकी एक-षष्टांशपेक्षा अधिक मते मिळवण्यात अपयशी ठरलेल्या पराभूत उमेदवाराची अनामत रक्कम जप्त होईल. [ संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ याचे कलम १५८ (४). ]

### भाग तीन : नामनिर्देशन

- प्रश्न १. जर, मी एखाद्या मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय किंवा राज्यस्तरीय पक्षाचा उमेदवार आहे तर मला माझ्या नामनिर्देशनासाठी किती सूचकांची आवश्यकता आहे ?  
उत्तर फक्त एक. [ संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ३३ (१). ]
- प्रश्न २. जर, मी अपक्ष उमेदवार असेन किंवा नोंदणी केलेल्या अमान्यताप्राप्त राजकीय पक्षाचा उमेदवार असेन तर मला नामनिर्देशनासाठी किती सूचकांची आवश्यकता आहे ?  
उत्तर दहा. [संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ३३ (१) चे परंतुक.]
- प्रश्न ३. एखादी व्यक्ती तिला वाटेल तितक्या मतदारसंघांमधून लोकसभेची / विधानसभेची निवडणूक लढवू शकते का ?  
उत्तर नाही. कोणतीही व्यक्ती, लोकसभेची / विधानसभेची सार्वत्रिक निवडणूक दोनपेक्षा अधिक मतदारसंघांमधून लढवू शकत नाही. [ संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ३३ (७). ]
- प्रश्न ४. कोणत्याही सभागृहाच्या एकाचवेळी घेतल्या जाणाऱ्या पोटनिवडणुकांना समान बंधने लागू होतील का ?  
उत्तर होय. एकाच सभागृहाच्या निवडणूक आयोगाने एकाचवेळी घेतलेल्या पोटनिवडणुकांमध्ये एका उमेदवाराला एकाच सभागृहाच्या दोनपेक्षा अधिक पोट निवडणुका लढविता येणार नाहीत. [ संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ३३ (७). ]
- प्रश्न ५. एका मतदारसंघामध्ये उमेदवार म्हणून उभे राहण्यासाठी किती नामनिर्देशनपत्रे भरता येतील ?  
उत्तर चार. [ संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ३३ (६) चे परंतुक. ]

- प्रश्न ६. मी, नामनिर्देश पत्र भरण्यासाठी मिरवणुकीसह निवडणूक निर्णय अधिकार्याच्या कार्यालयात जाऊ शकतो का ?
- उत्तर नाही. निवडणूक निर्णय अधिकार्याच्या कार्यालयाच्या १०० मीटर्स परिघाच्या आत येण्यासाठी परवानगी देण्यात येईल अशा वाहनांची संख्या ३ पर्यंत निर्बंधित करण्यात आली असून निवडणूक निर्णय अधिकार्याच्या कार्यालयात प्रवेश करण्यासाठी परवानगी देण्यात आलेल्या व्यक्तींची कमाल संख्या ५ पर्यंत ( उमेदवारासहित ) मर्यादित करण्यात आली आहे.
- प्रश्न ७. निवडणूक निर्णय अधिकार्याने नामनिर्देशन पत्रांची छाननी करते वेळी किती व्यक्तींना उपस्थित राहण्याची परवानगी दिली आहे.
- उत्तर निवडणूक निर्णय अधिकार्याने नामनिर्देशनपत्रांची छाननी करण्यासाठी निश्चित केलेल्या वेळी उमेदवार, त्याचा निवडणूक प्रतिनिधी व उमेदवाराने लेखी यथोचितरीत्या प्राधिकृत केलेली अन्य एक व्यक्ती ( जी वकील असू शकेल ) उपस्थित राहू शकेल. परंतु इतर व्यक्ती त्या वेळी उपस्थित राहू शकणार नाही. [ संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ३६ ( १ ).]
- प्रश्न ८. ज्याच्या नामनिर्देशनपत्राबाबत आक्षेप घेण्यात आला आहे अशा एखाद्या उमेदवाराने अशा आक्षेपाचे खंडन करण्यासाठी वेळ मागितली तर निवडणूक निर्णय अधिकारी अशा उमेदवाराला वेळ देऊ शकतो का ?
- उत्तर होय. निवडणूक निर्णय अधिकारी, आक्षेपांवरील सुनावणी दुसऱ्या किंवा त्यानंतरच्या दिवसापर्यंत स्थगित करील. परंतु, त्या दिवशी सकाळी ११-०० वाजल्यानंतर स्थगिती करणार नाही. निवडणूक अधिकार्याने उमेदवारी मागे घेण्यासाठी निश्चित केलेल्या दिवशी दुपारी ३ -०० वाजण्याच्या अगोदर, कोणत्याही परिस्थितीमध्ये, सुनावणी पूर्ण करावी.

#### भाग चार : शपथ किंवा प्रतिज्ञाकथन

- प्रश्न १. निवडणूक आयोगाने प्राधिकृत केलेल्या अधिकार्यासमोर उमेदवाराने शपथ घेण्याची किंवा प्रतिज्ञाकथन करण्याची आणि स्वाक्षरित करण्याची आवश्यकता आहे काय ?
- उत्तर होय. [ संदर्भ : संविधानाचे अनुच्छेद ८४ ( क ) किंवा अनुच्छेद १७३ ( क ), संघ राज्यक्षेत्र अधिनियम, १९६३ चे कलम ४ ( क ) किंवा दिल्ली संघ राज्यक्षेत्र अधिनियम, १९९१ चे कलम ४ ( क ).]
- प्रश्न २. ज्याच्या समक्ष शपथ घ्यायची किंवा प्रतिज्ञाकथन करावयाचे अशा निवडणूक आयोगाने प्राधिकृत केलेल्या व्यक्ती कोण आहेत ?
- उत्तर कोणत्याही विशिष्ट निवडणुकीसाठी मुख्यतः त्या मतदारसंघाचा निवडणूक निर्णय अधिकारी आणि सहायक निवडणूक निर्णय अधिकारी या प्राधिकृत केलेल्या व्यक्ती असतात. एखाद्या कारागृहात कैद असलेल्या किंवा प्रतिबंधात्मक स्थानबद्धतेत असलेल्या उमेदवाराच्या बाबतीत तो ज्या कारागृहात कैद केलेले असेल किंवा ज्या स्थानबद्धांच्या छावणीत अशाप्रकारे स्थानबद्ध केलेले असेल त्या कारागृहाच्या अधीक्षकाला किंवा त्या छावणीच्या समादेशकाला शपथ देण्यासाठी प्राधिकृत केले आहे आणि एखाद्या रुग्णालयामध्ये किंवा अन्य कोणत्याही ठिकाणी आजारी असल्यामुळे किंवा इतर कोणत्याही कारणामुळे अंथरूणाला खिळून असलेल्या उमेदवाराच्याबाबतीत, त्या रुग्णालयाचा प्रभारी वैद्यकीय अधीक्षक किंवा त्याच्यावर उपचार करणारा वैद्यकीय व्यवसायी यांना त्याचप्रकारे प्राधिकृत केले आहे. जर एखादा उमेदवार भारताच्या बाहेर असेल तर भारताचा राजदूत किंवा उच्चायुक्त किंवा त्याने प्राधिकृत केलेले राजनैतिक वाणिज्यदूत हे त्याला शपथ देऊ शकतील/प्रतिज्ञाकथन घेऊ शकतील.
- प्रश्न ३. उमेदवाराला केव्हा शपथ घ्यावी लागेल किंवा प्रतिज्ञाकथन करावे लागेल ?
- उत्तर उमेदवाराला, त्याची नामनिर्देशनपत्रे सादर केल्यानंतर ताबडतोब आणि कोणत्याही परिस्थितीत, छाननीच्या दिनांकापूर्वीच्या दिवसाच्या आदला दिवस नसेल त्या दिवशी, स्वतः शपथ घ्यावी लागेल किंवा प्रतिज्ञाकथन करावे लागेल.

### भाग पाच : निवडणूक निशाण्यांचे वाटप

- प्रश्न १. निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवारांना निवडणूक निशाणीचे वाटप कोण करतो ?
- उत्तर निवडणूक निर्णय अधिकारी. [ संदर्भ : निवडणूक निशाण्या ( राखून ठेवणे व नंगून देणे ) आदेश, १९६८].
- प्रश्न २. राखून ठेवलेल्या निवडणूक निशाणीचे मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय किंवा राज्यस्तरीय पक्षाच्या उमेदवाराला कशा प्रकारे वाटप केले जाते ?
- उत्तर राखीव निशाणीचे वाटप करण्यासाठी उमेदवाराला संबंधित मान्यताप्राप्त पक्षाने उभे केलेले आहे असे त्याला त्याच्या नामनिर्देशन पत्रामध्ये जाहीर करावे लागेल आणि त्या पक्षाने त्याला उभे केलेले आहे अशा आशयाचे नमुना 'ब' मधील विहित प्रतिज्ञापत्र पक्षाच्या प्राधिकृत पदाधिकाऱ्याने सादर करावे लागेल. 'अ' व 'ब' हे दोन्ही नमुने, नामनिर्देशन पत्र भरण्याच्या शेवटच्या दिनांकास दुपारी ३ -०० वाजण्याच्या पूर्वी राज्याच्या मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याकडे व निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे पोहोचतील या अटीस अधीन राहून पक्षाच्या पदाधिकाऱ्यांच्या ज्या सहा नमुना 'अ' मध्ये करण्यात आल्या असतील तशाच सहा, त्याने नमुना 'ब' मधील प्रतिज्ञापत्रावर यथोचितरीत्या केल्या पाहिजेत. [ संदर्भ - निवडणूक निशाण्या ( राखून ठेवणे व नेमून देणे ) आदेश, १९६८ चे परिच्छेद ८ व १३.].
- प्रश्न ३. एखादा उमेदवार, राजकीय पक्षाच्या पदाधिकाऱ्याची प्रतिरूप सही किंवा रबरी शिक्का इत्यादी साधनांनी केलेली सही असलेले नमुना 'अ' आणि नमुना 'ब' मधील प्रतिज्ञापत्र देऊ शकतो का ?
- उत्तर नाही. नमुना 'अ' व नमुना 'ब' यांवर राजकीय पक्षाच्या पदाधिकाऱ्यांच्या शाईतीलच सहा असल्या पाहिजेत. [ संदर्भ - निवडणूक निशाण्या ( राखून ठेवणे व नेमून देणे ) आदेश, १९६८ चा परिच्छेद १३.].
- प्रश्न ४. एखाद्या बिगर मान्यताप्राप्त नोंदणीकृत राजकीय पक्षाने पुरस्कृत केलेला उमेदवार किंवा अपक्ष म्हणून निवडणूक लढविणारा उमेदवार, खुल्या निशाण्यांच्या सूचीमध्ये विनिर्दिष्ट केलेल्या खुल्या निशाण्यांपैकी कोणतीही एक निशाणी निवडू शकतो का ?
- उत्तर होय. या प्रयोजनार्थ, असा उमेदवार सूचीमधून ३ खुल्या निशाण्यांच्या पसंतीक्रमाने निवडू शकेल आणि त्याच्या नामनिर्देशन पत्रामध्ये त्या नमूद करू शकेल. [ संदर्भ - निवडणूक निशाण्या ( राखून ठेवणे आणि नेमून देणे ) आदेश १९६८ चा परिच्छेद १२.].
- प्रश्न ५. बिगर मान्यताप्राप्त नोंदणीकृत राजकीय पक्षाने, पुरस्कृत केलेल्या उमेदवाराने, राज्याच्या मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याकडे व निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे नमुना 'अ' व नमुना 'ब' सादर करण्याची आवश्यकता आहे काय ?
- उत्तर होय. [ संदर्भ - निवडणूक निशाण्या ( राखून ठेवणे आणि नेमून देणे ) आदेश, १९६८ चा परिच्छेद १३.].

### भाग सहा : निवडणूक प्रतिनिधी

- प्रश्न १. एक उमेदवार म्हणून मी निवडणूक प्रतिनिधी नियुक्त करू शकतो का ?
- उत्तर होय. ( संदर्भ- लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ४०. )
- प्रश्न २. निवडणूक प्रतिनिधीची कार्ये कोणती आहेत ?
- उत्तर निवडणूक प्रतिनिधीला कायद्याद्वारे किंवा त्याखाली निवडणूक प्रतिनिधीने पार पाडावयाची कार्ये म्हणून जी प्राधिकृत करण्यात आली असतील अशी निवडणुकींच्या संबंधातील कार्ये पार पाडता येतील. ( संदर्भ- लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ४५. )

प्रश्न ३. मंत्री/खासदार/विधानसभा सदस्य विधानपरिषद सदस्य किंवा सुरक्षा पुरविलेली इतर कोणतीही व्यक्ती यांची निवडणूक प्रतिनिधी / मतदान प्रतिनिधी / मतमोजणी प्रतिनिधी म्हणून नियुक्ती करण्यावर कोणतेही बंधन आहे का ?

उत्तर होय. आपण, मंत्री/खासदार/ विधानसभा सदस्य विधानपरिषद सदस्य किंवा सुरक्षा पुरविलेली इतर कोणतीही व्यक्ती यांना निवडणूक प्रतिनिधी / मतदान प्रतिनिधी/मतमोजणी प्रतिनिधी म्हणून नियुक्त करू शकत नाही, कारण अशी नियुक्ती केल्याने त्यांची वैयक्तिक सुरक्षा धोक्यात येते. 'मतदान केंद्र परिसर' म्हणून वर्णन केलेल्या मतदान केंद्रांच्या १०० मीटर परिघाच्या आत आणि मतदान केंद्राच्या आत आणि मतमोजणी केंद्राच्या क्षेत्रात आणि मतमोजणी केंद्राच्या आत त्यांच्यासोबत त्यांच्या सुरक्षा कर्मचाऱ्यांना आणण्यास कोणत्याही परिस्थितीमध्ये परवानगी दिली जाणार नाही. तसेच, सुरक्षा पुरविलेल्या कोणत्याही व्यक्तीला उमेदवाराचा असा प्रतिनिधी म्हणून काम करण्यासाठी त्याला पुरविलेली सुरक्षा परत करण्याची मुभा दिली जाणार नाही.

प्रश्न ४. एक उमेदवार म्हणून मी अतिरिक्त निवडणूक प्रतिनिधी नियुक्त करू शकतो का ?

उत्तर होय. प्रत्येक उमेदवारास वेगवेगळ्या खर्चाशी संबंधित बाबींमध्ये उमेदवाराला सहाय्य करण्यासाठी एक अतिरिक्त निवडणूक प्रतिनिधी नियुक्त करण्याची परवानगी आहे. अतिरिक्त निवडणूक प्रतिनिधी केवळ खर्च संनियंत्रण बाबींशी संबंधित अ-सांविधिक कर्तव्ये पार पाडण्याच्या प्रयोजनार्थ असेल. उमेदवाराच्या वतीने सांविधिक कर्तव्ये पार पाडण्यासाठी प्राधिकृत केलेल्या निवडणूक प्रतिनिधीची कर्तव्ये केवळ निवडणूक प्रतिनिधीला पार पाडता येतील.

### भाग सात : मतदान प्रतिनिधी

प्रश्न १. एक उमेदवार म्हणून, मी कुठल्याही व्यक्तींची मतदान प्रतिनिधी म्हणून नेमणूक करू शकतो का ?

उत्तर नाही. प्रत्येक उमेदवारास, प्रत्येक मतदान केंद्रावर एक मतदान प्रतिनिधी आणि दोन सहाय्यक मतदान प्रतिनिधी नियुक्त करता येतील. तथापि, दिलेल्या कोणत्याही एका वेळी केवळ एकच मतदान प्रतिनिधी मतदान केंद्राच्या आत असला पाहिजे. उमेदवाराने, मतदान प्रतिनिधी म्हणून नेमलेल्या अशी व्यक्ती या, केवळ संबंधित मतदान केंद्राच्या किंवा त्याच मतदारसंघात येणाऱ्या शेजारच्या मतदान केंद्राच्या क्षेत्रातील सर्वसाधारण रहिवाशी व मतदार असल्या पाहिजेत. ज्या प्रकरणी, एखाद्या निवडणूक लढणाऱ्या उमेदवाराला असा मतदान प्रतिनिधी मिळणे शक्य नसेल, त्या बाबतीत तो/ती त्याच विधानसभा मतदारसंघातील कोणत्याही मतदारास मतदान प्रतिनिधी म्हणून नियुक्त करता येईल. अशा मतदान प्रतिनिधींकडे मतदार छायाचित्र ओळखपत्र किंवा त्याची/तिची ओळख पटवणारे शासनाने किंवा कोणत्याही शासकीय अधिकरणाने जारी केलेले अधिकृत ओळख पटवणारे साधन असणे अत्यावश्यक आहे.

प्रश्न २. एक उमेदवार म्हणून, मला सर्व मतदान केंद्रांसाठी मतदान प्रतिनिधी नेमण्याची आवश्यकता आहे काय ?

उत्तर तुम्हाला तुमचे हित पाहण्यासाठी प्रत्येक मतदान केंद्रावर तुमचे प्रतिनिधी म्हणून काम करण्याकरिता तीन मतदान प्रतिनिधी नेमण्याची कायद्याने परवानगी दिली आहे. परंतु, दिलेल्या कोणत्याही विशिष्ट वेळेमध्ये, केवळ असा एकच प्रतिनिधी मतदान केंद्राच्या आत राहू शकेल. (संदर्भ- लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ४६ आणि निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ याचा नियम १३.)

प्रश्न ३. मतदान प्रतिनिधींची कर्तव्ये कोणती आहेत ?

उत्तर ज्याची खरा मतदार म्हणून ज्यांची ओळख शंकास्पद असेल अशा व्यक्तींबाबत हरकत घेऊन तोतयेगिरी करणाऱ्या मतदारांचा शोध घेणे व त्यांना प्रतिबंध करणे आणि मतदान सुरू होण्यापूर्वी, मतदाना दरम्यान व मतदान संपल्यानंतर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे योग्य प्रकारे सुरक्षित / मोहोरबंद असतील व त्यांच्या उपस्थितीत अभिरूप मतदान घेतलेले आहे आणि निवडणूक आयोगाने घालून दिलेल्या प्रक्रियेनुसार मतदान प्रक्रिया सुरू आहे हे पाहणे.

- प्रश्न ४. मतदान प्रतिनिधींनी मतदान केंद्रावर साधारणतः केव्हा पोहचावे ?
- उत्तर मतदान सुरू करण्यासाठी निश्चित केलेल्या वेळेपूर्वी किमान नव्वद मिनिटे अगोदर मतदान केंद्रांवर तुमच्या मतदान प्रतिनिधींना नियुक्त करण्याचा सल्ला तुम्हाला देण्यात येत आहे जेणेकरून ते प्रतिनिधी, मतदान केंद्राध्यक्षाने इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राची तयारी करतेवेळी व अभिरूप मतदान घेतेवेळी उपस्थित असतील.
- प्रश्न ५. मतदान केंद्रावर मतदान प्रतिनिधीच्या जागी कार्यमोचक प्रतिनिधीला कोणत्याही वेळी नेमण्याची मुभा आहे का ?
- उत्तर होय. परंतु, मतदान संपण्यास दोन तास बाकी असताना, मतदान प्रतिनिधींची अशी अदलाबदल करण्यास मुभा दिली जाणार नाही.

### भाग आठ : मतदान कर्मचारी वर्ग

- प्रश्न १. मतदान पथके तयार करण्यासाठी मतदान कर्मचारी वर्ग कसा निवडला जातो ?
- उत्तर जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडून जिल्ह्यातील सर्व पात्र सरकारी कर्मचाऱ्यांची (केंद्रीय/राज्य) जिल्हा आधारसामग्री एक इलेक्ट्रॉनिक नमुन्यामध्ये ठेवली जाते आणि नंतर, त्यावर संगणकाच्या मदतीने प्रक्रिया केली जाते आणि मतदान पथके तयार करण्याच्यावेळी विविध कार्यालयांमधील योग्य कर्मचारी एकत्रित केले जातात. साधारणतः जी त्या मतदरासंगामध्ये नोकरीला असेल किंवा ती त्या मतदार संग्राममध्ये राहत असेल तिचा तो मतदार संग्राम मूळ मतदारसंग्राम अशा विधानसभा मतदारसंग्राममध्ये कोणत्याही व्यक्तीला मतदानविषयक कर्तव्ये नेमून दिली जाणार नाहीत.
- प्रश्न २. मतदार पथकांना जे मतदान केंद्र नेमून दिले असेल त्या केंद्राचा विशिष्ट क्रमांक व नाव यांविषयी केव्हा माहिती दिली जाते ?
- उत्तर ज्या वेळी मतदान पथकांना मतदान साहित्याचे संवितरण केले जाते तेव्हा त्यांना प्रत्यक्ष मतदान केंद्राचा क्रमांक व नाव यांची माहिती दिली जाते.
- प्रश्न ३. मतदान केंद्रावर मतदान कर्मचारी/मतमोजणी प्रतिनिधी म्हणून नियुक्त केलेल्या व्यक्तीला कसे ओळखावे ?
- उत्तर जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने / निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने मतदान कर्मचारी म्हणून नियुक्त केलेल्या सरकारी कर्मचाऱ्यांना दिलेल्या छायाचित्र ओळखपत्रांवरून त्यांना सहजगत्या ओळखता येईल.
- प्रश्न ४. महिला मतदान कर्मचारी नियुक्त करण्यासाठी काय सूचना आहेत ?
- उत्तर महिला मतदान कर्मचाऱ्यांना संगणकीय यादृच्छिकीकरण प्रक्रियेच्या आधारे कर्तव्यावर नेमता कामा नये. त्यांना निरीक्षकांनी स्वतः केलेल्या यादृच्छिकीकरणाद्वारे त्यांच्या शेजारच्या मतदान केंद्रांवर नियुक्त केले पाहिजे जेणेकरून त्या मतदानाच्या दिवशी सकाळी स्वतः मतदान केंद्रांवर जाऊ शकतील.

### भाग नऊ : निवडणूक प्रचार

- प्रश्न १. निवडणूक कार्याच्या प्रयोजनासाठी वाहने वापरण्यावर कोणतीही बंधने आहेत काय ?
- उत्तर होय. उमेदवार, या प्रयोजनासाठी कितीही वाहने (२ चाकी वाहनांसहित सर्व यंत्रचालित/मोटरचालित वाहने) वापरू शकता. परंतु, तुम्हाला अशी वाहने वापरण्यासाठी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याची पूर्वमान्यता घ्यावी लागेल आणि निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने दिलेला मूळ परवाना (छायांकित प्रत नव्हे) वाहनाच्या विन्डस्क्रीनवर ठळकपणे दिसेल अशा जागी लावला पाहिजे. परवान्यामध्ये वाहनाचा क्रमांक व ज्याला परवाना दिलेला आहे त्या उमेदवाराचे नाव लिहिलेले असावे. यावर झालेल्या खचांची नोंद उमेदवाराच्या/राजकीय पक्षाच्या नावासमोर करण्यात येईल.



- प्रश्न २. जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडून/निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडून परवाना न घेता निवडणूक कार्याच्या प्रयोजनांसाठी एखादे वाहन वापरता येऊ शकेल का ?
- उत्तर नाही. उमेदवाराच्या प्रचारातील असे वाहन अनधिकृत समजण्यात येईल. त्याला भारतीय दंड संहितेच्या प्रकरण नऊ-क च्या तरतुदीनुसार दंड होईल आणि ते निवडणूक प्रचारातून तात्काळ बाहेर काढण्यात येईल.
- प्रश्न ३ (अ). संबंधित पक्षाचे किंवा उमेदवाराचे भित्तिचित्र, घोषणाफलक, बॅनर, ध्वज इत्यादी गोष्टी सार्वजनिक मालमत्तेवर लावण्यासाठी कोणतीही बंधने आहेत का ?
- उत्तर उमेदवार, स्थानिक कायदा व लागू असलेले प्रतिबंधात्मक आदेश यांच्या तरतुदींना अधीन राहून, संबंधित पक्षाचे किंवा उमेदवाराचे भित्तिचित्र, घोषणाफलक, बॅनर, ध्वज इत्यादी सार्वजनिक मालमत्तेवर लावू शकेल.
- प्रश्न ३ (ब). जर स्थानिक कायदा / उप-विधी यांनुसार, खाजगी जागा / मालमत्ता यांच्या भिंतीवर लिखाण करण्यास व भित्तिचित्रे चिकटविण्यास, जाहिरात फलक, बॅनर्स लावण्यास परवानगी असेल तर खाजगी जागा / मालमत्ता यांच्या मालकाकडून लेखी पूर्वपरवानगी घेण्याची आवश्यकता आहे काय ?
- उत्तर होय. उमेदवाराला मालमत्ता / जागा यांच्या मालकाकडून लेखी पूर्वपरवानगी घ्यावी लागेल आणि अशा परवानगीची छायाचित्र प्रत ( छायाचित्र प्रती ) निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे किंवा त्याने या प्रयोजनासाठी नेमून दिलेल्या अधिकाऱ्याकडे ३ दिवसांच्या आत सादर केल्या पाहिजेत.
- प्रश्न ३ (क). मिरवणुकीमधील वाहनावर संबंधित पक्षाचे किंवा उमेदवाराचे भित्तिचित्र / घोषणाफलक/ बॅनर / ध्वज लावण्यासाठी / घेऊन जाण्यासाठी कोणतीही बंधने आहेत का ?
- उत्तर उमेदवाराला, मोटार वाहन अधिनियम व इतर कोणतेही स्थानिक कायदे / उप-विधी यांच्या तरतुदींना अधीन राहून, मिरवणुकीमधील वाहनावर त्याच्या/तिच्या पक्षाचे किंवा त्याचे/तिचे स्वतःचे एक भित्तिचित्र/ घोषणाफलक/बॅनर/ध्वज लावता येईल/घेऊन जाता येईल.
- प्रश्न ३ (ड). राजकीय प्रचार मोहिमा व मेळावे यांसाठी शैक्षणिक संस्थांच्या ( मग ती संस्था सरकारी अनुदानित, खाजगी किंवा सरकारी असो ) मैदानांसह त्यांचा वापर करण्यावर कोणतीही बंधने आहेत का ?
- उत्तर राजकीय प्रचार मोहिमा व मेळावे यांसाठी शैक्षणिक संस्थांच्या ( मग ती संस्था सरकारी अनुदानित, खाजगी किंवा सरकारी असो ) मैदानांसह त्यांचा वापर करण्यास परवानगी नाही.
- प्रश्न ४. प्रचारासाठी वापरलेल्या वाहनांमध्ये बाहेरून जोडकाम करण्यास फेरबदल करण्यास परवानगी आहे का ?
- उत्तर मोटार वाहन अधिनियम / नियम तसेच इतर कोणतेही स्थानिक अधिनियम नियम यांच्या तरतुदींना अधीन राहून, वाहनांवर ध्वनिक्षेपक लावण्यासह बाहेरून फेरबदल करता येतील. मोटार वाहन अधिनियमाखालील सक्षम प्राधिकाऱ्यांकडून आवश्यक ती परवानगी मिळाल्यानंतरच, फेरबदल केलेली वाहने व व्हिडिओ रथ इत्यादींसारखी विशेष प्रचाराची वाहने वापरता येऊ शकतील.
- प्रश्न ५. पक्षाने किंवा उमेदवाराने तात्पुरती कार्यालये स्थापन करण्यासाठी व चालविण्यासाठी शर्ती/मार्गदर्शक तत्त्वे आहेत का ?
- उत्तर होय. अशी कार्यालये एकतर सार्वजनिक किंवा खाजगी मालमत्तेवर कोणत्याही धार्मिक स्थळांमध्ये किंवा अशा धार्मिक स्थळांच्या / कोणत्याही शैक्षणिक संस्थांच्या रुग्णालयाच्या लगतच्या आवारांमध्ये विद्यमान मतदान केंद्राच्या २०० मीटर्सच्या आत कोणतेही अतिक्रमण करून सुरू करता येत नाहीत. तसेच, अशा कार्यालयांमध्ये, पक्षाची निशाणी/छायाचित्रे असलेला पक्षाचा केवळ एकच ध्वज व बॅनर लावता येईल आणि अशा कार्यालयांमध्ये वापरलेल्या बॅनरचा आकार ४ फूट X ८ फूट पेक्षा मोठा नसावा परंतु, त्यासाठी आणखी एक शर्त अशी आहे की, जर, स्थानिक कायद्याने बॅनर / जाहिरात फलक यांसाठी कमी आकार विहित केला असेल तर स्थानिक कायद्याने विहित केलेला कमी आकार लागू असेल.



- प्रश्न ६. ज्या तारखेनंतर/ वेळेनंतर सार्वजनिक सभा घेता येत नाहीत व मिरवणुका काढता येत नाहीत अशी मर्यादा कोणती ?
- उत्तर रात्री १० नंतर व सकाळी ६-०० पूर्वी सार्वजनिक सभा घेता येत नाहीत. तसेच, तुम्ही, मतदान समाप्तीसाठी निश्चित केलेली वेळ संपण्याच्या ४८ तासांच्या कालावधीत सार्वजनिक सभा घेता येत नाहीत व मिरवणुका काढता येत नाहीत. समजा, मतदान ७ डिसेंबर २०१८ (शुक्रवार) या दिवशी असेल व मतदानाची वेळ सकाळी ८-०० ते ५-०० पर्यंत असेल तर सार्वजनिक सभा व मिरवणुका दिनांक ५ डिसेंबर २०१८ (बुधवार) रोजी सायंकाळी ५-०० वाजता बंद होतील.
- (संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२६)
- प्रश्न ७. प्रचार कालावधी संपल्यानंतर एखाद्या मतदारसंघामध्ये राजकीय कार्यकर्त्यांच्या उपस्थितीवर कोणतेही निर्बंध आहेत का ?
- उत्तर होय. प्रचार कालावधी समाप्त झाल्यानंतर ( मतदान संपण्यापूर्वी ४८ तासांपासून सुरू होणारा ) दुसऱ्या मतदारसंघातून आलेल्या आणि त्या मतदारसंघातील मतदार नसलेल्या राजकीय कार्यकर्ते इत्यादींनी, त्या मतदारसंघात उपस्थित राहता कामा नये. अशा कार्यकर्त्यांनी प्रचार कालावधी संपल्यानंतर मतदारसंघ तात्काळ सोडणे आवश्यक आहे.
- प्रश्न ८. राज्यातील राजकीय पक्षाचा निवडणूक प्रभारी असलेल्या पदाधिकाऱ्याला असे निर्बंध लागू होतात का ?
- उत्तर होय. तथापि, निवडणूक कालावधी दरम्यान जो राज्याचा मुख्य प्रभारी असेल केवळ त्याच्या बाबतीतच लोकसभा / राज्य विधानसभेच्या सार्वत्रिक निवडणुकांदरम्यानच अशा निर्बंधाचा आग्रह धरला जातो, असे नाही. असा पदाधिकारी राज्य मुख्यालयातील त्याचे राहण्याचे वास्तव्य करण्याचे स्थान घोषित करील आणि प्रस्तुत कालावधीमधील त्याची हालचाल ही सर्वसाधारणपणे पक्ष कार्यालय ते त्याचे थांबण्याचे ठिकाण या दरम्यान असेल. सर्व निवडणुकांमधील इतर सगळ्या कार्यकर्त्यांना वरील निर्बंध लागू असतील.
- प्रश्न ९. निवडणूक प्रक्रियेमध्ये गंभीर प्रसंगाचे व्हिडीओचित्रण करण्याची एखादी व्यवस्था आहे का ?
- उत्तर होय. मंत्री, राष्ट्रीय राज्यस्तरावरील राजकीय पक्षाचे नेते यांनी संबोधिलेल्या/ते उपस्थित असतील अशा सभा, हिंसात्मक घटना इत्यादी गंभीर प्रसंगाचे चित्रण करून, त्याची व्हिडीओटेप बनविण्यासाठी मतदारसंघामध्ये, व्हिडीओ पथक तयार केले आहेत.
- प्रश्न १०. प्रचारादरम्यान टोपी (कॅप), मुखवटे, स्कार्फ इत्यादीसारखे विशेष उपसाधने परिधान करण्याची परवानगी दिली आहे का ?
- उत्तर होय. परंतु, त्यांचा संबंधित उमेदवाराच्या निवडणूक खर्चामध्ये हिशेब दिलेला असावा. तथापि, पक्षांना उमेदवारांना साडी, सदरा इत्यादींसारख्या मुख्य परिधानांचा पुरवठा आणि वितरण करण्याची परवानगी नाही, कारण यामुळे मतदारांना लाच दिल्यासारखे होईल.
- प्रश्न ११. पत्रक, भित्तिपत्रक इत्यादींच्या छपाईवर कोणतेही निर्बंध आहेत का ?
- उत्तर होय. ज्यावर त्याच्या मुद्रकाचा किंवा प्रकाशकाचा चेहरा / छायाचित्र किंवा पत्ता नसेल, असे कोणत्याही निवडणुकीचे नाव असलेले पत्रक अथवा भित्तिपत्रक आपण छापणार नाही किंवा प्रकाशित करणार नाही किंवा छपाई करण्याचा किंवा प्रकाशित करण्याची व्यवस्था करणार नाही. (लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १२७ क पहा).

प्रश्न १२. पूजा स्थानांचा निवडणूक प्रचारासाठी व्यासपीठ म्हणून वापर करण्यावर काही निर्बंध आहेत का ?

उत्तर होय. आदर्श आचार संहितेतील तरतुदी पूजा स्थानांचा निवडणूक प्रचाराचे व्यासपीठ म्हणून वापर करण्यास प्रतिबंधित करतात. धार्मिक संस्था (दुरुपयोगास प्रतिबंध) अधिनियम, १९८८ याद्वारे कोणत्याही राजकीय कल्पनांचा किंवा राजकीय उपक्रमांचा प्रसार व प्रचार करण्यासाठी किंवा कोणत्याही राजकीय पक्षाच्या फायद्यासाठी धार्मिक संस्थांचा किंवा धार्मिक संस्थांच्या निधीचा वापर करण्यास प्रतिबंधित करण्यात आले आहे.

### भाग दहा : मतदानाचा दिवस

प्रश्न १. मतदानाच्या दिवशी मतदान केंद्राजवळ उमेदवाराने / राजकीय पक्षांनी निवडणूक मंडप उभारण्यासाठी कोणतीही मार्गदर्शक तत्त्वे आहेत का ?

उत्तर निवडणूक मंडप मतदान केंद्रापासून २०० मीटर अंतराच्या पलिकडे असावा. ह्यात फक्त एक टेबल आणि २ खुर्च्या असाव्यात. तेथे बसलेल्या दोन जणांना संरक्षण मिळण्यासाठी छत्रीची किंवा ताडपत्रीच्या किंवा कापडाच्या तुकड्यांची सोय असावी. ज्यातून बूथवरील उमेदवाराचे / पक्षाचे नाव / निवडणूक चिन्ह दिसेल असा एक कापडी फलक (३ फूट X ४१२ फूटाचा) असावा. या ठिकाणी गर्दी करता येणार नाही.

प्रश्न २. निवडणूक मंडप उभारण्यासाठी संबंधित शासकीय प्राधिकाऱ्याची किंवा स्थानिक अधिकाऱ्याची लेखी परवानगी घेणे आवश्यक आहे का ?

उत्तर होय. असा मंडप उभारण्यापूर्वी संबंधित शासकीय प्राधिकारी किंवा स्थानिक अधिकारी यांची लेखी परवानगी मिळविणे आवश्यक आहे. आणि पोलीस / निवडणूक प्राधिकाऱ्यांनी मागणी केल्यावर त्यांच्याकडे सादर करण्यासाठी अशी लेखी परवानगी मंडपाची व्यवस्था पाहणाऱ्या व्यक्तीकडे उपलब्ध असणे आवश्यक आहे.

प्रश्न ३. जर एखाद्या राजकीय पक्षाने एखाद्या क्षेत्रात निवडणूक मंडप उभारला नाही किंवा मंडप उभारण्याची त्याची इच्छा नसेल तर, मतदारांना, मतदार यादीतील त्यांची नावे दर्शविण्यासाठी एखादी सुविधा आहे का ?

उत्तर होय. जेथे तीन किंवा अधिक मतदान केंद्रे आहेत अशा परिसरात/इमारतीत एक 'मतदार सहाय्य मंडप' उभारलेला असतो. तेथे योग्य तऱ्हेने तयार करण्यात आलेला कर्मचाऱ्यांचा एक चमू असतो. त्यांच्याकडे मतदारांना मतदारयादीत त्यांचा अनुक्रमांक आणि मतदान केंद्र दर्शविण्यासाठी मदत करण्याकरिता, वर्णानुक्रमे तयार करण्यात आलेल्या मतदार याद्या पुरविलेल्या असतात.

प्रश्न ४. मतदान केंद्रामध्ये किंवा केंद्राजवळ प्रचार करण्यावर कोणतेही निर्बंध आहेत का ?

उत्तर होय. मतदानाच्या दिवशी मतदान केंद्रामध्ये किंवा त्याच्या जवळपास शंभर मीटर अंतराच्या आत मते मिळविण्यासाठी प्रचार करणे इत्यादींवर निर्बंध आहे. (संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १३०).

प्रश्न ५. मतदान केंद्रावर किंवा मतदान केंद्राजवळ सशस्त्र जाण्यावर कोणतेही निर्बंध आहेत का ?

उत्तर होय. कोणत्याही व्यक्तीस, मतदानाच्या दिवशी, मतदान केंद्राच्या जवळपास शस्त्र अधिनियम, १९५९ मध्ये व्याख्या केल्याप्रमाणे कोणत्याही प्रकारचे शस्त्र जवळ ठेवून जाता येणार नाही. [पहा लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५९ याचे कलम १३४ (ख).]

प्रश्न ६. मतदानाच्या दिवशी एक उमेदवार किती वाहने वापरण्यास हक्कदार आहे ?

उत्तर (एक) लोकसभेच्या निवडणुकीकरता, एका उमेदवारास संपूर्ण मतदारसंघाच्या संबंधात त्याच्या/ तिच्या स्वतःच्या वापराकरिता एक वाहन आणि संपूर्ण मतदारसंघाकरिता त्याच्या/तिच्या निवडणूक प्रतिनिधीच्या वापरासाठी एक वाहन

वापरता येईल. याशिवाय, प्रकरणपरत्वे त्याच्या/ तिच्या किंवा पक्षाच्या कार्यकर्त्यांसाठी, लोकसभा मतदारसंघात ज्याचा समावेश असेल अशा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रांसाठी एक वाहन वापरता येईल.

(दोन) राज्य विधानसभेच्या निवडणुकीकरिता, उमेदवार त्याच्या / तिच्या स्वतःच्या वापरासाठी एक वाहन, त्याच्या/ तिच्या निवडणूक प्रतिनिधीच्या वापरासाठी एक वाहन वापरण्यास हक्कदार असेल. याशिवाय, त्याच्या/तिच्या किंवा पक्षाच्या कार्यकर्त्यांसाठी एक वाहन वापरता येईल.

प्रश्न ७. मतदानाच्या दिवशी जर उमेदवार मतदारसंघातून अनुपस्थित असेल तर दुसऱ्या कोण व्यक्तीच्या नावे नेमून देता येईल का ?

उत्तर नाही. उमेदवाराच्या वापराकरिता नेमून दिलेले वाहन दुसऱ्या कोणत्याही व्यक्तीला वापरता येणार नाही.

प्रश्न ८. मतदानाच्या दिवशी कोणत्याही प्रकारच्या वाहनाचा मर्यादित वापर करता येईल का ?

उत्तर नाही. उमेदवार किंवा त्याचा प्रतिनिधी किंवा पक्षाचे कार्यकर्ते किंवा कार्यकर्ते यांना फक्त चार/तीन / दोन चाकी वाहनांचा उदा. कार, मोटार गाड्या (सर्व प्रकारच्या), टॅक्सीज, ऑटो रिक्शा, रिक्शा आणि दोन चाकी वाहने इत्यादींचाच वापर करता येईल.

प्रश्न ९. निवडणूक प्राधिकरणाकडून निवडणूक प्रक्रियेवर संनियंत्रण ठेवण्यासाठी मतदान केंद्रांच्या आत दृकश्राव्य चित्रण (व्हिडिओग्राफी) किंवा छायाचित्रण (फोटोग्राफी) करण्यात येते का ?

उत्तर २००३ चे दिवाणी अपील क्र. ९२२८ ( जनक बिंगम वि. दास राय आणि इतर ) या प्रकरणात सर्वोच्च न्यायालयाने दिलेल्या न्यायनिर्णयातील सूचनांनुसार, विविध कारणांमुळे चिंताजनक ठरवण्यात आलेल्या विवक्षित मतदान केंद्रांतील मतदारांचे छायाचित्र घेण्यासाठी आणि मतदानाच्या गुप्ततेची तडजोड न करता, मतदान केंद्रांच्या आतील, निवडणुकीची प्रक्रिया समजून घेण्यासाठी अधिकृत दृकश्राव्य चित्रण करणाऱ्या व्यक्तीकडून ( व्हिडिओग्राफर्सकडून ), छायाचित्र करण्यास मुभा देण्यात आली आहे.

प्रश्न १०. मतदान केंद्राध्यक्ष किंवा इतर कोणताही मतदान अधिकारी कोणत्याही वेळी 'मतदान कक्षाची' तपासणी करू शकतात का ?

उत्तर होय. कोणताही मतदार, मतदान कक्षात निवडणूक चिन्ह, नाव, मतदान यंत्राचे बटन यांवर कोणताही कागद, टेप इत्यादी चिकटवून कोणताही गैरप्रकार करत नाही ना याची सुनिश्चिती करण्यासाठी, मतदान केंद्राध्यक्ष आणि इतर मतदान अधिकारी, मतदान कक्षाला भेट देऊ शकतात. पण ती भेट मतदान प्रतिनिधींच्या प्रत्यक्ष उपस्थितीत दिली जाईल.

प्रश्न ११. मतपत्रिकांचे रंग कोणते आहेत ?

उत्तर निवडणूक आयोगाने कोणत्याही विवक्षित प्रकरणात अन्यथा निर्देश दिल्याखेरीज, लोकसभा निवडणुकांसाठीच्या मतपत्रिका पांढऱ्या आणि विधानसभा निवडणुकांसाठीच्या मतपत्रिका गुलाबी कागदावर मुद्रित करण्यात येतील.

प्रश्न १२. मतदाराकडे, कोणत्याही उमेदवारास मतदान न करण्याचा एखादा पर्याय आहे का ?

उत्तर ज्या मतदारांची कोणत्याही उमेदवारास मत देण्याची इच्छा नसेल, त्यांना, कोणत्याही उमेदवारास मत न देण्याचा त्यांचा अधिकार त्यांच्या निर्णयाच्या गुप्ततेचा भंग न करता बजावता येईल.

प्रश्न १३. महिला मतदारास एखादे प्राधान्य आहे का ?

उत्तर सर्वसामान्यपणे, पुरुष व महिला मतदारांसाठी स्वतंत्र रांगा असतील. मतदान केंद्रांवर मतदानासाठी येणाऱ्या महिला मतदारांना अनेक घरगुती कामे असतात ही वस्तुस्थिती लक्षात घेता एका पुरुष मतदारानंतर दोन महिला मतदारांना मतदान केंद्रात प्रवेश करण्याची परवानगी द्यावी.

प्रश्न १४. मतदारास, त्याने कोणत्या उमेदवारास त्याचे मत दिले आहे हे माहित करून घेणे शक्य आहे का ?

उत्तर होय. मतदानाची एक कागदी चिट्ठी छापली जावी यासाठी मतदान यंत्रास व्हीव्हीपॅट यंत्र देखील जोडण्याचे आदेश निवडणूक आयोगाने दिले आहेत. मतदान करण्याचे बटन दाबल्यावर, अशी चिट्ठी कापली जाऊन ती जमा होण्याच्या पेटीत पडण्यापूर्वी, मतदारांना पारदर्शक खिडकीतून, त्यांनी ज्या उमेदवाराला मत दिले आहे त्याचा अनुक्रमांक, नाव आणि चिन्ह पाहता येईल.

### भाग अकरा : सूक्ष्म निरीक्षक

प्रश्न १. 'सूक्ष्म निरीक्षक' ही संकल्पना काय आहे ?

उत्तर मतदान केंद्रावर किंवा मतदान क्षेत्रात / इमारतीत स्थित असलेल्या मतदान केंद्रांच्या गटावर, केंद्र सरकारचा किंवा जिल्ह्यात कार्य करणाऱ्या केंद्र सरकारच्या सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमाचा अधिकारी/कर्मचारी, सूक्ष्म निरीक्षक म्हणून तैनात केला जाईल आणि तो थेट भारताचा निवडणूक आयोगाच्या नियंत्रण व पर्यवेक्षणाखाली काम करील.

प्रश्न २. सूक्ष्म निरीक्षकाच्या तैनातीमागील निकष काय आहे ?

उत्तर मतदारांची सहजवशता ज्यामुळे वाढीस लागते अशा विविध घटकांच्या आधारावर तैनात करण्याच्या प्रयोजनार्थ, मतदान केंद्रांची निवड केली आहे.

प्रश्न ३. मतदानाच्या दिवशी सूक्ष्म निरीक्षकाची कर्तव्ये काय आहेत ?

उत्तर सूक्ष्म निरीक्षकाची कर्तव्ये हो मुख्यतः पुढील बाबींवर लक्ष ठेवणे, ही आहेत :-

(एक) अभिरूप मतदानाची कार्यपद्धती.

(दोन) मतदान प्रतिनीधींची उपस्थिती आणि त्या संबंधात भारताचा निवडणूक आयोगाने दिलेल्या सूचनांचे पालन,

(तीन) मतदान केंद्रावरील प्रवेशपत्र पद्धती आणि प्रवेश यांचे पालन,

(चार) भारताचा निवडणूक आयोग याच्या मार्गदर्शक तत्वानुसार मतदारांची यथोचित ओळख,

(पाच) गैरहजर, स्थलांतरित आणि मृत मतदारांची यादी (एएसडी लिस्ट) जेथे केलेली असेल, तेथल्यासाठी ओळख पटवण्याची आणि नोंद घेण्याची कार्यपद्धती.

(सहा) पक्क्या शाईचा वापर,

(सात) नमुना १७अ मधील नोंदवहीत नोंदवलेला मतदारांचा तपशील लिहून ठेवणे,

(आठ) मतदानाची गोपनीयता राखणे,

(नऊ) मतदान प्रतिनीधी, त्याच्या तक्रारी, यांच्यकडे लक्ष देणे.

कोणत्याही कारणाने, मतदान निष्फळ ठरत आहे असे सूक्ष्म निरीक्षकांना वाटल्यास, तो ती बाब तात्काळ सुधारात्मक उपाययोजना करण्याकरिता मतदान निरीक्षकांच्या निदर्शनास आणून देईल.

### भाग बारा : मतमोजणी

प्रश्न १. मतमोजणीच्या प्रक्रियेवर पर्यवेक्षण, देखरेख करण्याकरिता निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याखेरीज मतमोजणी केंद्रावर इतर कोणताही वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त करता येतो का ?

- उत्तर होय. भारताचा निवडणूक आयोग, मतमोजणी केंद्रातील मतमोजणी प्रक्रियेवर देखरेख करण्याकरिता निरीक्षक म्हणून एक वरिष्ठ अधिकारी तैनात करतो. केंद्र सरकारचा किंवा केंद्र सरकारच्या सार्वजनिक क्षेत्रातील उपक्रमाच्या कर्मचाऱ्यांनाही प्रत्येक मतमोजणी टेबलावर नियुक्त केले जाते.
- प्रश्न २. मतमोजणीच्या दिवशी भारताचा निवडणूक आयोग याच्या निरीक्षकाचे अधिकार काय आहेत ?
- उत्तर मतमोजणी ही कटाक्षाने कायदानुसार आणि आयोगाच्या सूचनांनुसारच होत आहे यावर निरीक्षक लक्ष ठेवेल. मतदान प्रतिनिधींना मतमोजणीची संपूर्ण प्रक्रिया जवळून पाहण्याची संधी मिळत आहे. फेऱ्यानिहाय निकाल जाहीर होत आहेत आणि एकूण बेरजा अचूक होण्यासाठी हाताने तसेच संगणकामार्फत करण्यात येत आहे याची निरीक्षक खात्री करून घेईल. निरीक्षकास, जर संपूर्ण मतमोजणी प्रक्रिया मुक्त व स्वच्छ तसेच दोषमुक्त पद्धतीने होत आहे याबाबत त्याची खात्री पटली नाही तर, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यामार्फत निकाल राखून ठेवण्याचा अधिकार आहे.
- प्रश्न ३. मतमोजणी केंद्रावर तैनात करण्यापूर्वी मतमोजणी कर्मचाऱ्यांच्या यादृच्छिकीकरणाची काय पद्धत आहे ?
- उत्तर मतमोजणी पर्यवेक्षक आणि मतमोजणी सहाय्यक यांची पदस्थापना यादृच्छिकपणे अशा रीतीने करण्यात येते की मतमोजणीच्या दिवशी मतदान केंद्रावर येणाऱ्या मतमोजणी कर्मचाऱ्यांना ते तेथे आल्यानंतरच त्यांचा विधानसभा मतदारसंघ आणि त्यांना नेमून देण्यात आलेले टेबल माहीत होईल.
- प्रश्न ४. मतमोजणी कक्षात कोणत्या व्यक्तींना प्रवेश करता येईल ?
- उत्तर फक्त मतदान पर्यवेक्षक / सहाय्यक सूक्ष्म निरीक्षक, निवडणूक आयोगाने प्राधिकृत केलेल्या व्यक्ती, निवडणुकीशी संबंधित कामावर असणारे लोक सेवक आणि उमेदवार आणि त्याचे निवडणूक प्रतिनिधी / मतमोजणी प्रतिनिधी यांना मतमोजणी कक्षात प्रवेश करण्याची अनुमती आहे.
- प्रश्न ५. एखादा उमेदवार, त्याच्यासोबत असणाऱ्या त्याच्या सुरक्षा कर्मचाऱ्यांसह, मतमोजणी दालनात आणि मतमोजणीच्या कक्षात प्रवेश करू शकतो का ?
- उत्तर नाही. जर तो विशेष संरक्षक गट (एसपीजी) संरक्षित उमेदवार असेल तरच, फक्त सशस्त्र बंदुकधारी वैयक्तिक सुरक्षा अधिकाऱ्यांसह (पीएसओ) त्याला येता येईल आणि वैयक्तिक सुरक्षा अधिकाऱ्याला, कार्यवाहीत कोणत्याही प्रकारचा हस्तक्षेप न होऊ देता, संरक्षितास आवश्यकता भासल्यास संरक्षण कवच देणे शक्य होईल.
- प्रश्न ६. ज्यास सुरक्षा देण्यात आलेली आहे अशा व्यक्तीस, एक मतमोजणी प्रतिनिधी म्हणून नियुक्त करण्यावर कोणतेही निर्बंध आहेत का ?
- उत्तर होय. सुरक्षाकवच असलेल्या कोणत्याही व्यक्तीची, मतदान प्रतिनिधी म्हणून नियुक्ती करता येणार नाही. कारण मतदान केंद्रात त्याच्याबरोबर असलेल्या सुरक्षा कर्मचाऱ्यांना प्रवेश देता येत नाही आणि अशा व्यक्तीस मतदान प्रतिनिधी होण्यासाठी त्याचे सुरक्षा कवच काढूनही टाकता येत नाही.
- प्रश्न ७. मतमोजणी केंद्राच्या दालनाच्या सुरक्षिततेची सुनिश्चिती कशी करण्यात आली आहे ?
- उत्तर मतमोजणी केंद्रामध्ये अनधिकृत व्यक्तींना प्रवेशास प्रतिबंध करण्यासाठी मतमोजणी केंद्रात पोलिसांची तीन रांगांची साखळी उभारण्यात आली आहे.
- प्रश्न ८. उमेदवार किती मतदान प्रतिनिधींची नेमणूक करू शकतो ?
- उत्तर प्रत्येक उमेदवारास जेवढी मतमोजणी टेबले असतील तेवढे मतमोजणी प्रतिनिधी आणि निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या टेबलावर लक्ष ठेवण्यासाठी आणखी एक मतमोजणी प्रतिनिधी एवढ्यांची नेमणूक करण्याची परवानगी आहे. (संदर्भ: लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ४७)

- प्रश्न ९. मतमोजणी प्रतिनिधीची नेमणूक करण्यासाठी कोणताही विहित नमुना आहे काय ?
- उत्तर होय. उमेदवार किंवा त्याचा निवडणूक प्रतिनिधी यांनी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे उशीरात उशीरा मतमोजणीच्या दिनांकाच्या ३ दिवसांच्या आधीच्या दिवशी सायंकाळी ५ वाजेपर्यंत नमुना १८ मध्ये मतदान प्रतिनिधींची यादी त्यांच्या छायाचित्रासह सादर करावी. निवडणूक निर्णय अधिकारी अशा प्रतिनिधींकरिता ओळखपत्रे तयार करून ती उमेदवारांना देईल. [ संदर्भ- निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ याचा नियम ५२ (२)].
- प्रश्न १०. निवडणूक निर्णय अधिकारी मतमोजणी केंद्रात मतमोजणी प्रतिनिधी कशाप्रकारे नेमेल ?
- उत्तर प्रत्येक मतमोजणी प्रतिनिधीला, तो कोणाचा प्रतिनिधी आहे हे दर्शविणारा व ज्या टेबलावरील मतमोजणीवर तो लक्ष ठेवणार आहे त्या टेबलाचा अनुक्रमांक प्रदर्शित करणारा बिल्ला देण्यात येईल त्याला संपूर्ण कक्षभर फिरता येणार नाही.
- प्रश्न ११. मतमोजणी कक्षात ठेवावयाच्या मतमोजणी टेबलांकरिता कोणतीही उच्च मर्यादा विहित करण्यात आली आहे काय ?
- उत्तर निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या टेबलासह सर्वसाधारणपणे १५ टेबलांची उच्च मर्यादा आहे.
- प्रश्न १२. मतमोजणी प्रतिनिधी, इलेक्ट्रॉनिक्स मतदान यंत्रे हाताळण्यास मुभा आहे काय ?
- उत्तर नाही. प्रत्येक मतदान कक्षात, प्रत्येक मतमोजणी टेबलाकरिता अडसर तयार केलेली असेल की जेणेकरून इलेक्ट्रॉनिक्स मतदान यंत्र मतमोजणी प्रतिनिधी ते हाताळणार नाहीत. मतमोजणी टेबलांवरील संपूर्ण प्रक्रिया पाहण्यासाठी सर्व वाजवी सुविधा प्रतिनिधींना पुरविण्यात आली आहेत.
- प्रश्न १३. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राच्या नियंत्रण युनिटात गैरफेर करण्यात आला नाही याची खात्री कशी करून घ्यावी ?
- उत्तर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रामध्ये नोंदविण्यात आलेल्या मतांची मोजणी करण्यापूर्वी, मतमोजणी टेबलाजवळ उपस्थित असलेले उमेदवार किंवा त्याचे मतमोजणी प्रतिनिधी, मतमोजणी टेबलावर ठेवण्यात आलेल्या वहन पेट्या व इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राचे नियंत्रण युनिट यांचे निरीक्षण व त्यावरील मोहरांची तपासणी करतील. जर नियंत्रण युनिटामध्ये फेरफार झाल्याचे आढळून आले तर त्या यंत्रात नोंदविण्यात आलेल्या मतांची मोजणी करण्यात येणार नाही आणि हे प्रकरण आयोगाकडे त्यांच्या निदेशासाठी पाठविण्यात येईल.
- प्रश्न १४. टपाली मतपत्रिकांची मोजणी कोणत्या टप्यावर करावी ?
- उत्तर टपाली मतपत्रिकांची मोजणी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याच्या टेबलावर प्रथम करण्यात यावी. (संदर्भ: निवडणुका घेण्याबाबत नियम, १९६१ यांच्या नियम ५४ क).
- प्रश्न १५. उमेदवार फेरमोजणी करण्यास सांगू शकतो काय ?
- उत्तर होय. उमेदवार, ज्या पार्श्वभूमीवर फेरमोजणी करण्यास सांगत आहे ती पार्श्वभूमी नमूद करून लेखी अर्जाद्वारे फेरमोजणी करण्यास सांगू शकेल. असा अर्ज, अंतिम निकालपत्र ( नमुना - २० ) तयार करून त्यावर स्वाक्षरी करणाऱ्या निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे करता येऊ शकेल.

### भाग तेरा : निवडणूक खर्च

- प्रश्न १. उमेदवार, त्याच्या निवडणुकीवर त्याला हवा तेवढा खर्च करण्यास स्वतंत्र आहे काय ?
- उत्तर नाही. उमेदवार, त्याच्या निवडणुकीवर त्याला हवा तेवढा खर्च करण्यास स्वतंत्र नाही. कायद्यात असे विहित करण्यात आले आहे की, एकूण निवडणूक खर्च संबंधित मतदार संघाकरिता विहित करण्यात आलेल्या कमाल मर्यादेहून अधिक नसेल. [ संदर्भ : निवडणूक घेण्याबाबत नियम, १९६१ याचा नियम ९० आणि लोकप्रतिनिधी अधिनियम, १९५१ याचे कलम १२३ (६)]. लोकसभा / राज्य विधानसभा यांसाठी राज्य / संघ राज्यक्षेत्रातील निवडणूक खर्चाच्या कमाल मर्यादेच्या संबंधात कृपया जोडपत्र ३८ चा संदर्भ घ्यावा.



- प्रश्न २. निवडणूक खर्चाचा कोणताही लेखा दाखल करण्याची उमेदवाराला आवश्यकता आहे का ?
- उत्तर होय. लोकसभा किंवा राज्यविधानसभा निवडणुकीच्या प्रत्येक उमेदवाराला किंवा त्याच्या प्रतिनिधीला, त्याचे नामनिर्देशन केल्याच्या तारखेपासून निकाल जाहीर करण्यात आल्याच्या तारखेपर्यंत, दोन्ही तारखा धरून, निवडणुकावर झालेल्या किंवा त्याने किंवा त्याच्या मतदान प्रतिनिधीने प्राधिकृत केलेल्या सर्व खर्चाचा एक स्वतंत्र व अचूक लेखा ठेवावा लागेल. निवडणूक लढवणाऱ्या प्रत्येक उमेदवाराने, निवडणुकीचा निकाल लागल्यानंतर ३० दिवसांच्या आत रक्त खर्चाची सत्यप्रत दाखल करावयाची आहे. (संदर्भ: लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ ची कलमे ७७ व ७८).
- प्रश्न ३. याप्रकारे लेखा दाखल करावयाचा झाल्यास तो कोणत्या प्राधिकाऱ्यापुढे सादर करावा ?
- उत्तर निवडणूक खर्चाचा लेखा, तो निवडणूक लढवित असलेला मतदारसंघ ज्या जिल्ह्यात असेल, त्याच्या जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडे, निवडणूक लढविणाऱ्या उमेदवाराकडून दाखल करण्यात येईल. (संदर्भ: लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ चा कलम ७८).
- प्रश्न ४. उमेदवार जर एकापेक्षा जास्त मतदारसंघातून निवडणूक लढवीत असेल तर, त्याला प्रत्येक मतदारसंघाचा स्वतंत्र लेखा दाखल करण्याची आवश्यकता आहे का ?
- उत्तर जर उमेदवार एकापेक्षा जास्त मतदारसंघातून निवडणूक लढवीत असेल तर, त्याने, तो लढवीत असलेल्या प्रत्येक निवडणुकीकरिता झालेल्या निवडणूक खर्चाचा स्वतंत्र तपशील दाखल करावयाचा आहे. प्रत्येक मतदान संघाची निवडणूक ही स्वतंत्र निवडणूक समजली जाते. (संदर्भ: लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ चा कलम ७७).
- प्रश्न ५. उमेदवाराच्या केवळ निवडणूक खर्चासाठी स्वतंत्र बँक खाते असणे अनिवार्य आहे का ? हे खाते केव्हा आणि कुठे उघडले पाहिजे ?
- उत्तर होय, स्वतंत्र बँक खाते असणे अनिवार्य आहे. हे खाते उमेदवार ज्या दिनांकास त्याचे/ तिचे नामनिर्देशनपत्र सादर करणार असेल त्याच्या किमान एक दिवस अगोदर कोणत्याही वेळी, उघडायला हवे आणि त्याबाबत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास कळवणे आवश्यक आहे.
- प्रश्न ६. उमेदवाराने त्याच्या निवडणूक खर्चाचा लेखा दाखल न केल्यास, विहित वेळेत किंवा रितीने दाखल न केल्यास किंवा विहित वेळेत व रितीने दाखल न केल्यास त्याला कोणती शिक्षा दिली जाईल ?
- उत्तर एखादी व्यक्ती लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ अन्वये आवश्यक असलेल्या वेळात व त्या रितीने निवडणूक खर्चाचा हिशेब दाखल करण्यात कसूर केल्याबाबत निवडणूक आयोगाची खात्री पटली असेल आणि त्या व्यक्तीकडे अशी कसूर करण्याबाबत कोणतेही योग्य कारण वा समर्थन नसेल, तर, अशा व्यक्तीला, संसदेच्या दोन्ही सभागृहांचा किंवा राज्य विधानसभेचा व विधानपरिषदेचा सदस्य म्हणून निवडला जाण्यास किंवा असण्यास तीन वर्षेपर्यंत अनर्ह ठरवण्याचा आयोगाला अधिकार असेल. तीन वर्षांसाठीची अनर्हता आयोगाच्या आदेशाच्या दिनांकापासून परिणामी होईल. (संदर्भ: लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ चे कलम १० क).
- प्रश्न ७. राजकीय पक्षाच्या (नेते) सिनेतारका असलेल्या प्रचारकर्त्यांच्या प्रचार कार्यक्रमाकरिता केलेला प्रवास खर्च हा त्यांच्यावर त्या पक्षाच्या उमेदवाराने केलेला प्राधिकृत केलेला खर्च म्हणून समजावे काय ? समजावयाचे असल्यास, त्यांच्या शर्ती कोणत्या ?
- उत्तर राजकीय पक्षाच्या (नेते) सिनेतारकांच्या संबंधात प्रवासावरील खर्चाबाबत फक्त ज्यांनी अशा नेत्यांची (राष्ट्रीय व राज्य पक्षांबाबत ४० आणि नोंदणीकृत, बिगर मान्यताप्राप्त पक्षाच्याबाबत २० सदस्य) यांची यादी, अधिसूचना निर्धारित झाल्याच्या दिनांकापासून ७ दिवसांच्या आत निवडणूक आयोगाकडे आणि संबंधित राज्याच्या मुख्य निवडणूक अधिकाऱ्याकडे त्याचा लाभ मिळवून घेण्यासाठी सादर केली पाहिजे. तसे न केल्यास असा खर्च त्या पक्षाच्या संबंधित उमेदवाराने केलेला /करण्याचे प्राधिकृत केलेला खर्च असल्याचे समजले जाईल. [संदर्भ: लोक प्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ चे कलम ७७ याच्या स्पष्टीकरण १ चा खंड (क)].



प्रश्न ८. कोणत्याही पक्षाचा सदस्य नसलेली कोणतीही व्यक्ती पक्षाच्या प्रचार करण्याच्या मोहिमेकरिता सिनेतारकांना (नेते) नामनिर्देशित करू शकते का ?

उत्तर नाही. [संदर्भ: लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ चा कलम ७७ (१)].

प्रश्न ९. आयोगाकडे सिनेतारकांची (नेत्यांची) यादी सादर केल्यानंतर त्याऐवजी दुसऱ्या सिनेतारकांचे नाव दाखल करून घेण्यास परवानगी देता येते का ?

उत्तर नाही. यादीत नमूद केलेल्या व्यक्तीचा मृत्यू झाल्यास किंवा ती संबंधित राजकीय पक्षाची सदस्य न राहिल्यास यादीमधील व्यक्तीच्या नावाऐवजी दुसऱ्या व्यक्तीचे नाव टाकण्यास परवानगी देण्यात येईल अन्यथा नाही [संदर्भ: लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, कलम ७७ (१) चे स्पष्टीकरण २].

प्रश्न १०. राजकीय पक्षाकडून सिनेट प्रचारक (नेता) म्हणून जाहीर करण्यात आलेला उमेदवार तो जेथून निवडणूक लढवीत आहे त्या त्याच्या स्वतःच्या मतदारसंघातून, त्याच्या राजकीय पक्षासाठी सिनेट प्रचारक (नेता) असल्याचे, लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ च्या कलम ७७ (१) च्या प्रयोजनासाठी मानण्यात येईल का ?

उत्तर नाही. असा नेता त्याच्या स्वतःच्या मतदारसंघातून त्याच्या राजकीय पक्षाचा सिनेट प्रचारक (नेता) असल्याचे मानण्यात येणार नाही. त्याच्या स्वतःच्या मतदारसंघामध्ये तो प्रथम एक उमेदवार असेल. त्याने त्याच्या मतदारसंघासाठी केलेला खर्च हा त्याच्या निवडणूक खर्चात नोंदवण्यात येईल.

प्रश्न ११. विविध बाबींचे दर कशाप्रकारे निश्चित केले जातात आणि मला दरपत्रक कसे मिळेल ?

उत्तर उमेदवाराने विहित नमुन्यात ठेवायच्या दैनंदिन खर्चाची छाननी करणे सोयीचे व्हावे, यासाठी जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याने राजकीय पक्षांच्या प्रतिनिधींशी विचारविनिमय केल्यानंतर, जिल्ह्यातील निवडणूक प्रचारासाठी सामान्यपणे वापरण्यात येणाऱ्या बाबींची दरपत्रके, मागील दरांच्या आधारावर संकलित केली पाहिजेत असे निर्देश आयोगाने दिलेले आहेत. सर्व उमेदवारांना आणि निवडणूक खर्च संनियंत्रणात सहभागी असणाऱ्या सर्व चपूंना अशा सर्व बाबींच्या दरांची यादी रितसर पोच घेऊन उपलब्ध करून देण्यात येईल याबाबत जिल्हा निवडणूक अधिकारी/ निवडणूक निर्णय अधिकारी खात्री करून घेतील.

प्रश्न १२. रू. १०,०००/- पेक्षा अधिक असणारा निवडणूक खर्च करण्यासाठी तो निवडणूक खर्चाच्या प्रयोजनार्थ उघडलेल्या खात्यावर देय असलेल्या धनादेशाद्वारे किंवा त्याच्याशी जोडलेल्या अन्य इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने करणे आवश्यक आहे का ?

उत्तर होय. आयोगाच्या विद्यमान अनुदेशानुसार, उमेदवाराने, जेथे धनादेश देणे शक्य नसेल अशा किरकोळ खर्चाचा अपवाद वगळता, संपूर्ण निवडणूक खर्च निवडणुकीच्या प्रयोजनार्थ उघडलेल्या बँक खात्यातून देय धनादेशाद्वारे केला पाहिजे. संपूर्ण निवडणूक प्रक्रियेदरम्यान जर, उमेदवारांकडून कोणत्याही व्यक्तीस / संस्थेस कोणत्याही बाबीसाठी देय असणारी रक्कम ही रू. १०,०००/- पेक्षा अधिक नसेल, तेव्हा असा खर्च, निवडणूक प्रयोजनासाठी उघडलेल्या बँक खात्यातून रक्कम काढून रोखीने करता येईल. रू.१०,०००/- पेक्षा अधिक असणारी इतर सर्व प्रदाने वरील बँक खात्यातून देय धनादेशाद्वारे किंवा कोणत्याही इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने करायची आहेत.

प्रश्न १३. उमेदवाराचा एखादा मित्र त्याच्या मान्यतेशिवाय त्याचा निवडणुकीच्या प्रचारासाठी खर्च करू शकेल का ?

उत्तर उमेदवाराच्या मान्यतेशिवाय निवडणुकीचा प्रचार करण्यासाठी रू. १० इतक्या रकमेव्यतिरिक्त अधिक खर्च केल्यास तो शिक्षेस पात्र आहे. (संदर्भ : भारतीय दंड संहिता कलम १७१ ज).

प्रश्न १४. उमेदवाराच्या मान्यतेशिवाय प्रचार करण्याकरिता त्याच्या मित्राने खर्च केल्यास, असा खर्च उमेदवाराच्या लेख्यामध्ये अंतर्भूत करता येईल का ?

उत्तर होय. (संदर्भ: लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ चा कलम ७७).

प्रश्न १५. जर उमेदवार स्टार प्रचारकांसोबत त्याच वाहनामधून प्रवास करत असतील तर त्या वाहनाचा खर्च उमेदवारांच्या निवडणूक खर्चाच्या लेख्यामध्ये नोंदवला जाईल का ?

उत्तर जर लोकप्रतिनिधीत्व अधिनियम, १९५१ याच्या कलम ७७ (१) च्या स्पष्टीकरण - २ अंतर्गत येणाऱ्या राजकीय पक्षाच्या नेत्याच्या (स्टार प्रचारक) वाहनातून उमेदवार किंवा उमेदवाराचे किंवा पक्षाचे / उमेदवाराचे इतर कार्यकर्ते देखील प्रवास करत असतील तर त्या वाहनावरील खर्चाच्या ५० टक्के इतका खर्च संबंधित उमेदवाराच्या (उमेदवारांच्या) [ अर्थात, ज्याचा (ज्यांचा) निवडणूक नेता, शक्यता बळकट करण्यासाठी प्रवास करत आहे, त्या उमेदवाराच्या (उमेदवारांच्या) ] निवडणूक खर्च लेख्यात नोंदवला जाईल. टीप : वाहने, यांमध्ये नेत्याने वापरलेले विमान/ हेलिकॉप्टर किंवा अन्य कोणत्याही प्रवास साधनांचा समावेश होतो.

प्रश्न १६. नामनिर्देशनाच्या दिनांकापुर्वी तयार केलेल्या प्रचार साहित्यासाठी झालेला खर्च निवडणूक खर्चमधून हिशेबात घेतला जाईल का ?

उत्तर होय. उमेदवारांनी, त्यांच्या निवडणूक खर्च लेख्याची नोंदवही ठेवताना, जे प्रत्यक्षात नामनिर्देशनानंतरच्या कालावधीत / निवडणुकीच्या संबंधात वापरण्यात आले आहे असे प्रचारसाहित्य, इत्यादी तयार करण्यासाठी नामनिर्देशनाच्या दिनांकापुर्वी केलेला संपूर्ण खर्चसुद्धा हिशेबात घेतला पाहिजे.

प्रश्न १७. निवडणुकीचा निकाल जाहीर झाल्यापासून ३० दिवसांच्या आत सादर करणे आवश्यक असलेल्या निवडणूक खर्चाच्या नोंदवहीमध्ये कोणत्या बाबी समाविष्ट आहेत ?

उत्तर निवडणूक लढवणाऱ्या प्रत्येक उमेदवाराने निवडणुकीचा निकाल जाहीर झाल्यापासून ३० दिवसांच्या आत जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडे पुढील नोंदवह्या/ विवरणपत्रे दाखल करायची आहेत.

(एक) दैनंदिन लेखा नोंदवही ( कालक्रमानुसार असलेली, उमेदवाराने किंवा त्याच्या निवडणूक प्रतिनिधीने स्वाक्षरित केलेली सर्व देयके व प्रमाणके यांसह )

(दोन) रोख नोंदवही

(तीन) बँक नोंदवही ( बँक विवरणाच्या प्रमाणित प्रतीसह )

(चार) उमेदवाराने रितसर स्वाक्षरित केलेले संक्षिप्त विवरणपत्र ( भाग एक ते चार ) आणि अनुसूच्या १ ते ११

(पाच) उमेदवाराने रितसर स्वाक्षरित केलेले शपथपत्र. उमेदवार / निवडणूक प्रतिनिधीने रितसर स्वाक्षरित केलेली दैनंदिन लेखा नोंदवहीशी सुसंगत, दिनांक निहाय अनुक्रम दिलेली सर्व प्रमाणके.

प्रश्न १८. लेख्यांचा मेळ घालण्याची बैठक म्हणजे काय ? उमेदवाराने या बैठकीस उपस्थित रहायचे आहे का ?

उत्तर उमेदवाराने ठेवलेल्या निवडणूक खर्चाच्या लेख्यामधील विसंगतींचा, काही असल्यास, मेळ घालण्यासाठी, निकाल जाहीर झाल्याच्या दिनांकानंतर २६ व्या दिवशी जिल्हा निवडणूक अधिकारी लेख्यांच्या मेळ घालण्याची बैठक बोलावील. उमेदवारांची इच्छा असल्यास ते या संधीचा लाभ घेऊ शकतात.

प्रश्न १९. उमेदवाराने त्याच्या / तिच्या निवडणूक प्रचारादरम्यान केलेल्या समाज माध्यमाच्या वापराबाबतचा हिशेब कसा ठेवला पाहिजे ?

उत्तर उमेदवाराने जाहिराती चालवण्यासाठी आंतरजाल अभिकरणांना आणि संकेतस्थळांना केलेल्या प्रदानांचा आणि आशयाच्या सृजनशील विकासाकरिता केलेल्या कार्यकारी खर्चाचा, आपली समाजमाध्यमावरील खाती ठेवण्यासाठी नियुक्त केलेल्या कार्यकर्त्यांच्या चमूंना प्रदान केलेल्या वेतन व मजुरीवरील कार्यात्मक खर्चाचादेखील समावेश करावा.

प्रश्न २०. प्रचारासाठी किती वाहने वापरता येऊ शकतात आणि त्यासाठीची परवानगी रद्द केली जाऊ शकते का ?

उत्तर उमेदवारास निवडणूक प्रयोजनासाठी वापरता येणाऱ्या वाहनांच्या संख्येवर कोणतीही मर्यादा नाही. उमेदवाराने अशा वाहनांचा आणि त्यांचा प्रचारासाठी ज्या क्षेत्रांमध्ये वापर होणार आहे त्या क्षेत्रांचा तपशील निवडणूक निर्णय अधिकारी किंवा प्राधिकृत अधिकाऱ्याकडे त्यांच्या परवानगीसाठी सादर केला पाहिजे. परवानगीची मूळ प्रत वाहनाच्या समोरील काचेवर (विंड स्क्रीन) प्रदर्शित केली पाहिजे. परवान्यामध्ये वाहनाचा क्रमांक, परवाना जारी करण्याचा दिनांक, उमेदवाराचे आणि जेथे ते प्रचारासाठी वापरले जाणार आहे त्या क्षेत्राचे नाव यांचा समावेश असेल. उमेदवाराने त्याच्या दैनंदिन लेखा नोंदवहीमध्ये परवानाप्राप्त वाहनांवर झालेला खर्च ठेवायचा आहे. उमेदवार, प्रचार कालावधीत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने निर्धारित केलेल्या दिनांकाना, निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने त्याच्यावर नोटीस बजावल्यानंतर देखील ३ दिवसांच्या आत, त्याची लेखा नोंदवही निवडणूक प्राधिकाऱ्यासमोर निरीक्षणासाठी सादर करण्यास अपयशी ठरल्यास निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याद्वारे वाहनाची परवानगी रद्द करण्यात येईल. प्राधिकृत अधिकाऱ्याच्या रितसर मान्यतेशिवाय / परवान्याशिवाय प्रचारासाठी वापरले जाणारे कोणतेही वाहन, उमेदवारासाठी अनधिकृतपणे वापरले जात असल्याचे मानल्यात येईल आणि भारतीय दंड संहितेच्या प्रकरण नऊ क मधील तरतुदीनुसार दंडास पात्र ठरेल आणि त्या कारणास्तव ते प्रचार कार्यामधून तात्काळ बाहेर काढण्यात येईल.

प्रश्न २१. उमेदवाराने प्रचार वाहनासाठी निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याची परवानगी घेतली आहे, पण तो ते वापरत नाही. ते उमेदवाराच्या खर्चाच्या हिशेबात येईल का ?

उत्तर होय. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडून परवानगी घेतल्यानंतर, जर उमेदवाराचा, २ दिवसांहून अधिक असलेल्या कोणत्याही कालावधीसाठी, वाहन ( वाहने ) वापरण्याचा उद्देश नसेल, तर त्याने / तिने अशा वाहनाची ( वाहनांची ) परवानगी रद्द करण्याबाबत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला कळवले पाहिजे. जर उमेदवाराने, परवानगी घेतल्यानंतर अशा वाहनांची परवानगी रद्द करण्याबाबत निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याला कळवले नाही तर उमेदवाराने प्रचाराच्या प्रयोजनार्थ परवानगीप्राप्त वाहने वापरली आहेत असे समजले जाईल आणि त्यानुसार, अशा वाहनांवरील खर्च अधिसूचित दरांप्रमाणे त्याच्या/ तिच्या निवडणूक खर्चाच्या लेख्यामध्ये समाविष्ट करण्यात येईल.

### भाग चौदा : इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे ( इव्हीएम )

प्रश्न १. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र ( इव्हीएम ) म्हणजे काय ?

उत्तर इव्हीएम हा शब्द इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र यासाठी वापरण्यात येतो. निवडणुकांमध्ये दिलेल्या मताची नोंद आणि मोजणी करण्यासाठी या यंत्राचा वापर केला जातो. भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रणा ही 'नियंत्रण युनिट' ( बीयू ), 'मतपत्रिका युनिट' ( सीयू ) आणि नंतर समाविष्ट केलेले 'मतदान पडताळणी योग्य कागदी परिनिरीक्षण चिन्ह दर्शक युनिट' ( व्हीव्हीपॅट ) यांनी मिळून बनलेली आहे. जगभर उपलब्ध असलेल्या मतदान पद्धतीशास्त्रांपैकी एक असलेल्या 'थेट नोंदणी इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र पद्धत' ( डीआरई ) या सर्वकष प्रवर्गाखाली इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे येतात. अस्पष्ट किंवा अयोग्य पद्धतीने खूण केलेल्या मतपत्रिकांमुळे अवैध ठरणाऱ्या मतांची शक्यता इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांमुळे दूर होत असल्याने ती कागदी मतपत्रिकांपेक्षा अधिक कार्यक्षम आणि अचूक मानली गेली आहेत, त्यांच्यामुळे मतमोजणीसाठी कमी वेळ लागतो आणि अनेकवेळा मतदान करण्यास प्रतिबंध होतो.

प्रश्न २. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे कोठे तयार केली जातात ? ती आयात केलेली आहेत का ?

उत्तर संरक्षण मंत्रालयाअंतर्गत येणाऱ्या भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ( बीईएल ) आणि अणुउर्जा विभागाअंतर्गत येणाऱ्या इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ( इसीआयएल ) नावाच्या दोन सरकारी क्षेत्रातील उपक्रमांद्वारे स्वदेशी पद्धतीने इव्हीएम व व्हीव्हीपॅट यंत्रे तयार करण्यात आली आहेत. इव्हीएम व व्हीव्हीपॅट यंत्रे आयात करण्यात आलेली नाहीत.

- प्रश्न ३. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांचे कार्य, हाताने टाकायच्या मतपत्रिका आणि मतदान या रूढ असलेल्या पद्धतीहून कशाप्रकारे भिन्न आहे ?
- उत्तर मतदानाच्या इव्हीएम पद्धतीमध्ये नियंत्रण युनिट हे मतदान केंद्राध्यक्ष किंवा नियंत्रण यंत्राचा प्रभारी असलेल्या एका मतदान अधिकार्याकडे ठेवलेले असते आणि मतपत्रिका युनिट आणि व्हीव्हीपॅट हे मतदान कक्षात ठेवलेले असते. नियंत्रण यंत्राचा प्रभारी असलेला मतदान अधिकारी मतपत्रिका जारी करण्याऐवजी हा नियंत्रण युनिटवरील मतदान बटन दाबून मतपत्रिकेचे वितरण करतो. यानुसार मतदाराला, मतदान युनिटावरील त्याच्या / तिच्या पसंतीचा उमेदवार आणि चिन्हासमोरील निळे बटन ( उमेदवार बटन ) दाबून त्याचे/तिचे मत देणे शक्य होते. जेव्हा एखादा मतदार, मतदान युनिटावरील त्याच्या / तिच्या पसंतीच्या उमेदवारासमोरील निळे बटन दाबतो / दाबते, तेव्हा मतदान युनिटावरील त्याच्या / तिच्या पसंतीच्या उमेदवारासमोरील लाल दिवा चमकू लागतो. त्याच्या/तिच्या पसंतीच्या उमेदवाराचा अनुक्रमांक, नाव आणि चिन्ह दर्शवणारी एक कागदी चिठ्ठी व्हीव्हीपॅटच्या पारदर्शक खिडकीतून जवळपास ७ सेकंद दिसते. त्यानंतर, छापील चिठ्ठी कापली जाऊन व्हीव्हीपॅटच्या खालील पेटीमध्ये (मतपत्रिका कप्प्यामध्ये) साठवली जाते. नियंत्रण युनिटमधून 'बी SS प्..' असा मोठा आवाज येतो जो की, मत यशस्वीरित्या नोंदवले गेल्याची सुनिश्चिती करतो. कागदी मतपत्रिकेच्या पद्धतीमध्ये, मतपत्रिकेवर निवडलेल्या उमेदवाराच्या नावासमोर एक खूण करून, मतपत्रिकेची अचूकपणे घडी करून आणि ती मतपत्रिका पेटीमध्ये टाकून मतदान केले जाते. या प्रक्रियेत, चुकीची खूण केल्यामुळे किंवा चुकीची घडी घातल्यामुळे अनेक मते अवैध घोषित केली जातात.
- प्रश्न ४. इलेक्ट्रॉनिक मतदानयंत्रामध्ये जास्तीत जास्त किती मते दिली जाऊ शकतात ?
- उत्तर भारत निवडणूक आयोगाकडून वापरण्यात येणाऱ्या एका इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रामध्ये जास्तीत जास्त २,००० मते नोंदवली जाऊ शकतात.
- प्रश्न ५. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रामध्ये जास्तीत जास्त किती उमेदवारांची व्यवस्था केली जाऊ शकते ?
- उत्तर एका मतदान युनिटमध्ये 'वरीपैकी कोणीही नाही' ( नोटा ) या पर्यायासह १६ उमेदवारांची व्यवस्था केली जाऊ शकते. एकूण २४ मतदान युनिटे एकत्र जोडून इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांचा एक संच तयार करता येतो. त्याअर्थी, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राच्या एका संचामध्ये जास्तीत जास्त ३८३ उमेदवारांची व्यवस्था करता येऊ शकते.
- प्रश्न ६. वीज नसलेल्या क्षेत्रामध्ये इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र कसे वापरावे ?
- उत्तर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपॅट साठी बाहेरील वीज पुरवठ्याची आवश्यकता नसते. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपॅट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड / इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडीया यांच्याकडून पुरवण्यात येणाऱ्या त्यांच्या स्वतःच्या बॅटरी वीज संचांवर चालतात.
- प्रश्न ७. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट कोणी बनवले आहेत ?
- उत्तर भारत निवडणूक आयोगाने स्थापित केलेल्या तंत्रज्ञानाच्या मार्गदर्शनाखाली, संरक्षण मंत्रालयाअंतर्गत येणाऱ्या भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ( बीईएल ) आणि अणुउर्जा विभागाअंतर्गत येणाऱ्या इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडीया लिमिटेड ( इसीआयएल ) नावाच्या दोन सरकारी क्षेत्रातील उपक्रमांद्वारे इव्हीएम व व्हीव्हीपॅट यंत्रे तयार करण्यात आली आहेत.
- प्रश्न ८. निरक्षर मतदार, ज्येष्ठ नागरिक किंवा तंत्रज्ञानाच्या दृष्टीने माहितगार नसलेल्या व्यक्तींना इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राचा वापर करताना अडचण येणार नाही का ?
- उत्तर दैनंदिन जीवनामध्ये विविध तंत्रज्ञानांचा अवलंब करण्यात आणल्या देशाने केलेली प्रगती लक्षात घेता, एक बटन दाबणे आणि छापील चिठ्ठी पाहणे यासारखी मूळातच एका अतिशय सोपी प्रक्रिया असलेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राच्या वापराशी संबंधित अशी कोणतीही विशिष्ट समस्या असणार नाही. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राचा वापर करून मतदान करणे हे रूढ मतपत्रिका पद्धतीच्या तुलनेत बरेच अधिक सोपे आहे, ज्यामध्ये मतदाराला, मतपत्रिकेवर त्याच्या / तिच्या पसंतीच्या उमेदवाराच्या चिन्हाजवळ मतदान खूण उमटवून, तिची पहिल्यांदा उभी आणि नंतर आडवी घडी करून

आणि त्यानंतर मतपत्रिका पेटीमध्ये टाकावी लागत असे. दुसऱ्या बाजूस, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रामध्ये मतदाराने, मतपत्रिका युनिटवरील त्याच्या/तिच्या पसंतीच्या उमेदवाराच्या आणि चिन्हाच्या समोरील केवळ निळे बटन दाबणे आवश्यक असते आणि मतदानाची नोंद होते. मतदार व्हीव्हीपॅटमधील छापील चिठ्ठीवरून त्याच्या मताची पडताळणी करू शकतो.

प्रश्न ९. एकाच वेळी असलेल्या संसदेच्या आणि राज्य विधानमंडळाच्या निवडणुकीमध्ये इलेक्ट्रॉनिक्स मतदान यंत्राचा वापर करता येणे शक्य आहे का ?

उत्तर. होय. एकाच वेळी होणाऱ्या निवडणुकांमध्ये एका मतदान केंद्रात इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपॅट चे दोन संच आवश्यक असतात; त्यातील एक लोकसभा मतदार संघासाठी आणि दुसरा विधानभा मतदारसंघासाठी असतो.

प्रश्न १०. नियंत्रण युनिट त्याच्या स्मृतीकोषातील ( मेमरीतील ) निकाल किती कालावधीपर्यंत साठवून ठेवते ?

उत्तर. नियंत्रण युनिट त्याच्या स्मृती कोषातील निकाल जोपर्यंत पुसून टाकला ( डिलिट केला ) जात नाही तोपर्यंत साठवून ठेवते.

प्रश्न ११. एखाद्या मतदाराला, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र कार्यरत स्थितीत आहे आणि त्याचे/तिचे मत नोंदवले गेले आहे याची खातरजमा कशी करता येईल ?

उत्तर. मतदाराने, मतदान युनिटावरील त्याच्या/ तिच्या पसंतीच्या उमेदवार व चिन्हासमोरील 'निळे बटन' दाबताच, त्या विवक्षित उमेदवारासमोरील लाल दिवा चमकू लागतो आणि एक दीर्घ 'बी SS प' आवाज ऐकू येतो. अशाप्रकारे, मतदारास त्याचे/ तिचे मत अचूक नोंदवले गेले आहे याबद्दल आश्वस्त करण्यासाठी ध्वनी आणि दृश्य अशा दोन्ही सूचकांची योजना केलेली आहे. याशिवाय, मतदारांना, व्हीव्हीपॅटमधील छापील चिठ्ठीच्या पडताळणीद्वारे त्यांच्या मतांचा सत्यनिदर्शक अभिलेख तपासता येतो. आणखी मा. सर्वोच्च न्यायालयाने अनिवार्य केल्याप्रमाणे केलेले मतदान आणि मोजलेले मत यांच्यामधील सहसंबंध अतिशय उच्चतम विश्वास पातळीसह स्थापित करण्यासाठी प्रत्येक विधानसभा मतदारसंघ / विधानसभा क्षेत्राच्या यादृच्छिकरित्या निवडलेल्या ५ मतदान केंद्रांच्या व्हीव्हीपॅट चिठ्ठीच्या, संबंधित नियंत्रण युनिटांच्या इलेक्ट्रॉनिक मतमोजणीशी नंतर ताडून पाहिल्या जातात.

प्रश्न १२. बटन पुन्हा पुन्हा दाबून, अनेक मते देता येतात का ?

उत्तर. नाही, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रावर अनेक मते देता येणे शक्य नाही. मतपत्रिका युनिटवरील विवक्षित बटण दाबले जाताच, त्या विवक्षित उमेदवारासाठीच्या मताची नोंद होते. त्यानंतर कितीहीवेळा मतपत्रिका युनिटवरील बटण दाबले तरी यंत्र प्रतिसाद देत नाही. अशा तऱ्हेने इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राद्वारे " एक व्यक्ती एक मत" या तत्त्वाची खातरजमा केली जाते. नियंत्रण युनिटाचा प्रभारी मतदान केंद्राध्यक्ष जेव्हा नियंत्रण युनिटावरील मतदान बटण दाबून मतपत्रिका वितरित करेल केवळ तेव्हाच नवीन मत शक्य होईल. हा कागदी मतपत्रिकांच्या पद्धतीहून असलेला एक सुस्पष्ट फायदा आहे.

प्रश्न १३. 'निळे बटने' दाबल्यानंतर ज्याप्रकारे मते नोंदविली जातात त्याच पद्धतीने सुरुवातीची १०० मते नोंदविली जाऊन त्यानंतर त्या किंवा इतर कोणत्याही उमेदवारासाठीचे निळे बटन दाबले गेले वा न गेले तरीही एकाच विशिष्ट उमेदवारासाठी मते नोंदवली जातात अशा पद्धतीने इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राचे प्रक्रिया योजन करणे शक्य आहे का ?

उत्तर. नाही. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रामध्ये वापरलेली मायक्रोचिप ही "एकवार कार्यक्रमणयोग्य तत्त्वावर" ( one time programmable basis ) आधारित आहे, तिच्यावर प्रक्रिया सूचना पुन्हा लिहिता येत नाहीत. कारखान्यांमधून बाहेर पाठवताना सर्व इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांमध्ये मूळ कार्यक्रम संच ( Programme ) असल्याची खातरजमा केली जाते. नियंत्रण युनिटाच्या कार्यचालनावर नियंत्रण ठेवणारा कार्यसंच ( program ) हा, एकवार कार्यक्रमणयोग्य तत्त्वावर" ( one time programmable basis ) एका सूक्ष्म चकतीमध्ये कायमस्वरूपी उतरवला जातो. हा कार्यसंच एकदा का सूक्ष्म चकतीमध्ये उतरविण्यात आला की मग त्यात कोणताही फेरफार करता



येत नाही. प्रत्यक्ष स्थानी कोणत्याही निवडणुकीत वापर करण्याआधी सर्व इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राची, राजकीय पक्षांच्या प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत प्रथम स्तरावरील तपासणी केली जाते. यादृच्छिकरित्या निवडलेल्या ५ टक्के इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांमध्ये उच्चस्तरीय अभिरूप मतदान घेतले जाते आणि इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे योग्यरितीने कार्यरत असल्याची सुनिश्चिती करण्यासाठी इलेक्ट्रॉनिक निकाल हा व्हीव्हीपॅट चिठ्ठ्यांशी ताडून पाहिला जातो. याहून आणखी, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे ही एकमेव यंत्रे असून, कोणत्याही तार जोडणीने/तार विरहित जाळ्याने त्यांच्या नियंत्रण प्रक्रियेपर्यंत पोचता येत नाही किंवा ते कोणत्याही बाह्य साधनाशी जोडले जाऊ शकत नाहीत. या यंत्रांमध्ये कोणतीही कार्यचालन प्रणाली (Operating System) वापरण्यात आलेली नसते. म्हणून विवक्षित मार्गाने कोणताही विवक्षित उमेदवार किंवा विवक्षित पक्ष निवडण्यासाठी इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांचे पुनः कार्यक्रमण (Reprogramming) करणे किंवा त्यांच्या कार्यसंचामध्ये हातचलाखी करण्याची कोणतीही संधी अजिबात नाही. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र पद्धतीच्या वापरामधील सर्वकष बळकटपणा आणि पारदर्शकतेस अधिक मजबूत करण्यासाठी विविध प्रक्रियांमध्ये वेगवेगळ्या प्रशासकीय संरक्षक उपाययोजना केल्या जातात आणि राजकीय पक्ष/ उमेदवार किंवा त्यांचे प्रतिनिधी यांचा सहभाग घेण्यात येतो.

प्रश्न १४. मतदान संपल्यानंतर आणि मतमोजणी सुरू करण्यापूर्वी कोणत्याही वेळी हितसंबंधित पक्षांनी जास्तीचे मत नोंदविले असल्याची शक्यता कशी नष्ट करता येईल ?

उत्तर शेवटच्या मतदाराने मतदान केल्यानंतर ताबडतोब नियंत्रण युनिटाचा प्रभारी मतदान अधिकारी 'बंद' (CLOSE) बटन दाबील. त्यानंतर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र कोणतेही मत स्वीकारणार नाही. त्याशिवाय, मतदान संपल्यानंतर, मतदार युनिट, नियंत्रण युनिटापासून वेगळे काढून ठेवले जाईल. मते केवळ मतदान युनिटामार्फतच नोंदवता येतात. मतदान केंद्राध्यक्ष, पुन्हा, मतदान संपतेवेळी नोंदवलेल्या मतांचा हिशेब, उपस्थित असलेल्या प्रत्येक मतदान प्रतिनिधीकडे सोपविल. मतमोजणीच्या वेळी या हिशेबासोबत एकूण मते ताडून पाहिली जातील आणि त्यात कोणतीही विसंगती असल्यास, ती मतदान प्रतिनिधींना दाखवून देण्यात येईल.

प्रश्न १५. व्हीव्हीपॅट मध्ये कार्यक्रमणयोग्य (Programmable) स्मृती (मेमरी) असते का? असल्यास, निवडणूक प्रक्रियेतील कोणत्या टप्प्यावर एखाद्या बाह्य साधनाद्वारे तिच्या नियंत्रणापर्यंत पोचता येते? नसल्यास, नंतर व्हीव्हीपॅट चिठ्ठीवर छापावयाची उमेदवारांची नावे आणि चिन्हे व्हीव्हीपॅट मध्ये कोठे साठवलेली असतात ?

उत्तर व्हीव्हीपॅट मध्ये दोन वेगवेगळे स्मृती असतात. एक "एकवार कार्यक्रमणयोग्य" (One Time Programmable) जेथे सुक्ष्मनियंत्रकांसाठी कार्यक्रम अनुदेश ठेवलेले असतात. अन्य स्मृती ही उमेदवारांचा अनुक्रमांक, नाव आणि चिन्ह यांचा समावेश असलेल्या आलेखीय प्रतिमा साठवण्यासाठी असते. व्हीव्हीपॅटच्या स्थिर बाबी "एकवार कार्यक्रमणयोग्य" (One Time Programmable) स्मृतीमध्ये साठवलेल्या असतात. उत्पादक कारखान्याच्या ठिकाणी एकदा स्थिर बाबी सुक्ष्मनियंत्रणाकडे पाठवल्या की नंतर कार्यक्रम संचामध्ये कोणतेही बदल करणे शक्य होत नाही. दुसऱ्या बाजूला, उमेदवारांचा अनुक्रमांक, नाव आणि चिन्ह यांचा समावेश असलेल्या आलेखीय प्रतिमा या प्रत्येक निवडणुकीपूर्वी व्हीव्हीपॅटचा कार्यारंभ करताना आधारसामग्रीच्या स्वरूपात कार्यक्रमणयोग्य स्मृतीमध्ये साठवण्यात येतात. उमेदवार / त्यांचे प्रतिनिधी यांच्या उपस्थितीत होणाऱ्या कार्यारंभ प्रक्रियांदरम्यान व्हीव्हीपॅट मध्ये चिन्हांचा थेट दर्शकफलक बसवण्यात येतो.

प्रश्न १६. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रात बिघाड होऊ शकतो का ?

उत्तर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र हे एक इलेक्ट्रॉनिक यंत्र आहे आणि कोणत्याही अन्य यंत्राप्रमाणे त्याच्या बाबतीत सुद्धा बंद पडणे किंवा बिघडणे किंवा त्यात त्रुटी असणे हे धोके संभवतात. तथापि, एका उमेदवाराला दिलेले मत दुसऱ्या उमेदवारासाठी मोजले जाणे अशा प्रकारचा 'बिघाड' होण्याचा प्रश्नच नाही. अशी घटना कदापिही शक्य नाही.

प्रश्न १७. निवडणुकीच्या काळात आणि निवडणूक नसलेल्या काळात इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट कुठे ठेवली जातात ?

उत्तर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट, भारत निवडणूक आयोगाने विहित केलेल्या मानक कार्यचालन प्रक्रियेनुसार इव्हीएम वखारीत / सुरक्षित कक्षात योग्य सुरक्षा आणि सीसीटीव्ही निगराणी, इत्यादी खाली ठेवली जातात.

प्रश्न १८. इव्हीएम वखार / सुरक्षित कक्ष उघडण्याच्या आणि बंद करण्याच्या वेळी मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांचे प्रतिनिधी/ उमेदवार उपस्थित असतात का ?

उत्तर इव्हीएम वखार / सुरक्षित कक्ष हे नेहमी मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांचे प्रतिनिधी/ उमेदवार यांना पूर्वसूचना देऊन आणि त्यांच्या उपस्थितीत, छायाचित्रणाखाली उघडली व बंद केली जातात. रितसर रोजवही देखील ठेवली जाते.

प्रश्न १९. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट ची प्रथम स्तरावरील तपासणी कोण करते ?

उत्तर केवळ भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड आणि इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया नावाच्या उत्पादकांचे अधिकृत अभियंते, जिल्हा निवडणूक अधिकारी यांच्या नियंत्रणाखाली आणि उप जिल्हा निवडणूक अधिकारी यांच्या थेट पर्यवेक्षणाखाली, मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांच्या प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांची प्रथम स्तरावरील तपासणी करतात.

प्रश्न २०. मतदान युनिटावर १६ उमेदवारांची सोय असते. समजा एखाद्या मतदार संघात केवळ दहाच उमेदवार आहेत. अशावेळी मतदाराने जर ११ ते १६ या दरम्यानचे कोणतेही बटन दाबले, तर ते मत वाया जाणार नाही का ?

उत्तर नाही. जर एखाद्या मतदारसंघात नोटा ( वरीपैकी कोणीही नाही ) सह केवळ १० उमेदवार असतील, तेव्हा निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याद्वारे इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र तयार करण्यापूर्वी उमेदवारांच्या नामिकेतील क्रमांक ११ ते १६ क्रमांकाची बटणे झाकून ठेवण्यात ( बंद करण्यात ) येतील. म्हणून, एखाद्या मतदाराने ११ ते १६ क्रमांकापैकी कोणतेही बटन दाबण्याचा प्रश्नच उद्भवत नाही.

प्रश्न २१. मतदान पेट्यांच्या अदलाबदलीस कोणताही वाव राहू नये यासाठी या पेट्यांवर कोरण्यात आलेले असते. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांना क्रमांक देण्याची एखादी व्यवस्था आहे का ?

उत्तर होय. प्रत्येक मतपत्रिका युनिट, नियंत्रण युनिट आणि व्हीव्हीपॅट यांना एक अनन्य ओळख क्रमांक असतो, जो की त्याच्या पेटीवर किंवा पेटीवर बसवलेल्या धातुपट्टीवर कोरलेला असतो. इलेक्ट्रॉनिक विवक्षित मतदान केंद्रात वापरावयाच्या मतदान यंत्राच्या ( मतपत्रिका युनिट, नियंत्रण युनिट आणि व्हीव्हीपॅट ) क्रमांकाची यादी तयार केली जाते आणि निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांना / त्यांच्या प्रतिनिधींना दिली जाते.

प्रश्न २२. निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांचे अनुक्रमांक, नावे आणि त्यांना वाटप केलेली चिन्हे, व्हीव्हीपॅट मध्ये कोणाकडून आणि कशाप्रकारे टाकली जातात.

उत्तर निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांचे अनुक्रमांक, नावे आणि त्यांना वाटप केलेली चिन्हे, निर्मात्यांच्या म्हणजेच, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड आणि इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया यांच्या अधिकृत अभियंत्यांच्या मदतीने चिन्ह भारण युनिट ( एसएल्यू ) चा वापर करून व्हीव्हीपॅट मध्ये टाकली जातात. २०२२ पासून नवीन चिन्ह भारण युनिट वापरात आणलेले आहे, व्हीव्हीपॅट मध्ये चिन्हे टाकली जात असताना, मान्यताप्राप्त राजकीय पक्ष उमेदवार/ त्यांचे प्रतिनिधी यांना ते मोठ्या दूरचित्रवाणी पडद्यावर बघण्याची सोय देखील करण्यात येते.

प्रश्न २३. व्हीव्हीपॅट मध्ये टाकण्यात आलेले अनुक्रमांक, उमेदवारांची नावे आणि चिन्हे यांची चाचणी प्रत घेतली जाते का ?

उत्तर होय. निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने / सहायक निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने मतदान यंत्रे तयार करताना मतदान युनिटातील मतपत्रिकांशी उलट तपासणी करण्यासाठी, व्हीव्हीपॅट मध्ये टाकण्यात आलेले अनुक्रमांक, उमेदवारांची नावे आणि चिन्हे यांची चाचणी प्रत घेणे अनिवार्य आहे. त्यानंतर, व्हीव्हीपॅट सर्व उमेदवारांच्या संबंधात अचूकरितीने कागदी चिठ्ठ्या मुद्रित करत आहे हे तपासण्यासाठी नोटा ( वरील पैकी कोणीही नाही ) सह प्रत्येक उमेदवारास एक मत देण्यात येते.

प्रश्न २४. मतदान केंद्रांवर व्हीव्हीपॅट ची कागदी गुंडाळी बदलण्यास परवानगी आहे का ?

उत्तर नाही. मतदान केंद्रावर कागदी गुंडाळी बदलण्यास सक्त मनाई आहे. ज्या प्रकरणी, यदाकदाचित कागदी गुंडाळी संपली, तर त्याच्या बदल्यात नवीन व्हीव्हीपॅट वापरले जाते.



प्रश्न २५. पारंपरिक पद्धतीमध्ये, मतदान सुरु होण्यापूर्वी, मतदान केंद्राध्यक्ष, मतदान केंद्रात वापरावयाची मतपेटी रिकामी आहे, हे उपस्थित प्रतिनिधींना दाखवितो. इलेक्ट्रॉनिक मतदार यंत्रात कोणतेही छुपे मत यंत्रात अगोदरच नोंदविण्यात आलेले नाही. याबाबत मतदान प्रतिनिधींची खात्री पटवून देण्यासाठी काही तरतूद आहे का ?

उत्तर होय. मतदान सुरु होण्यापूर्वी, मतदान केंद्राध्यक्ष, निकालाचे बटन दाबून यंत्रामध्ये कोणतेही छुपे मते अगोदरच नोंदविण्यात आली नाहीत, याचे उपस्थित मतदार प्रतिनिधींना प्रात्यक्षिक दाखवील. त्यानंतर तो / ती मतदान प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत किमान ५० मते नोंदवून अभिरूप मतदान घेईल आणि व्हीव्हीपॅट मधील चिठ्यांच्या संख्यांशी मतदान युनिटामधील इलेक्ट्रॉनिक निकाल ताडून पाहील. त्यानंतर, मतदान केंद्राध्यक्ष, प्रत्यक्ष मतदान सुरु करण्यापूर्वी अभिरूप मतदानाचा निकाल 'क्लियर' (CLEAR) बटन दाबून पुसून टाकील. तो / ती पुन्हा एकदा एकूण (TOTAL) बटन दाबून '0' मते दर्शवित असल्याचे आणि व्हीव्हीपॅट मधील चिठ्यांची पेटी रिकामी असल्याचे मतदान प्रतिनिधींना दाखवील. मग तो/ती, प्रत्यक्ष मतदान सुरु करण्यापूर्वी मतदान प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत नियंत्रण युनिट आणि व्हीव्हीपॅट मोहोरबंद करील.

प्रश्न २६. इलेक्ट्रॉनिक्स मतदानयंत्रे मतदान केंद्रांमध्ये हलविणे कठीण होणार नाही. का ?

उत्तर नाही. उलटपक्षी, मतदार पेट्यांच्या तुलनेत इलेक्ट्रॉनिक मतदार यंत्रे नेणे / हलविणे खूपच सोपे आहे, कारण इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे ही वजनाने हलकी, हातवाही आहेत आणि ती सहज वहन/ वाहतूक होण्याकरिता त्यानुरूप तयार केलेल्या वाहक पेट्यांमधून येतात. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांची वाहतूक अतिशय सुरक्षितपणे आणि संरक्षक उपाययोजनांअन्वये केली जाते.

प्रश्न २७. पारंपरिक पद्धतीमध्ये, एका विशिष्ट वेळेपर्यंत नोंदवलेल्या मतांची एकूण संख्या जाणून घेता येते. इलेक्ट्रॉनिक्स मतदान यंत्रांत 'निकाल' हा भाग मोहोरबंद केलेला असतो. आणि तो मतमोजणीच्यावेळीच उघडता येतो. अशा वेळेस मतदानाच्या दिवशी नोंदवलेल्या एकूण मतांची संख्या कशी कळेल ?

उत्तर निकाल ' या बटनाशिवाय इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रावर एक ' एकूण' (टोटल) नावाचे बटन आहे. हे बटन दाबून, कोणत्याही वेळी नोंदवलेल्या मतांची एकूण संख्या उमेदवार निहाय विभागणीशिवाय, दर्शविली जाते.

प्रश्न २८. मतपत्रिकेवरील नावांच्या अनुक्रमाबाबत किंवा विवक्षित मतदान केंद्रांमध्ये करण्यात येणाऱ्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांच्या तैनातीबाबत पुष्कळ आधीच माहिती करून घेणे शक्य आहे का ?

उत्तर नाही. मतपत्रिका युनिटच्या मतपत्रिकेमधील उमेदवारांची नावे ही, प्रथम राष्ट्रीय आणि राज्य मान्यताप्राप्त राजकीय पक्ष, त्यानंतर इतर राज्य नोंदणीकृत पक्ष, आणि मग अपक्ष उमेदवार अशी वर्णानुक्रमे असतात. अशाप्रकारे, मतदान युनिटावर ज्यानुसार उमेदवारांची नावे दिसतील तो अनुक्रम हा उमेदवारांची नावे आणि त्यांच्या संलग्न पक्ष यावर अवलंबून असतो. म्हणून, पुष्कळ आधीच निश्चित क्रम माहित होणे शक्य नाही. आयोगाने विकसित केलेल्या ईव्हीएम व्यवस्थापन यंत्रणेच्या (ईएमएस) माध्यमातून दोन टप्प्यातील यादृच्छिकीकरण प्रक्रियेनंतर मतदान केंद्रांना इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांचे नियतवाटप केले जाते. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांच्या प्रथम स्तरावरील तपासणीनंतर, मतदारसंघ निहाय वाटप करण्यासाठी, जिल्हा निवडणूक अधिकारी स्तरावर, राजकीय पक्षांच्या उपस्थित त्यांचे पहिले यादृच्छिकीकरण केले जाते. त्यानंतर, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांचे आरंभण करण्यापूर्वी, मतदान केंद्र-निहाय वाटप करण्यासाठी, निवडणूक निर्णय अधिकारी स्तरावर, उमेदवार/त्यांचे प्रतिनिधी यांच्या उपस्थितीत त्यांचे दुसरे यादृच्छिकीकरण केले जाते. दोन स्तरावरील यादृच्छिकीकरणाने यंत्रांच्या मतदान केंद्र- निहाय तैनातीचा आकृतीबंध आधीच निश्चित करता येण्याचा वाव संपुष्टात येतो.

प्रश्न २९. जर एखाद्या विशिष्ट मतदान केंद्रातील इलेक्ट्रॉनिक्स मतदान यंत्र नादुरुस्त झाल्यास काय होईल ?

उत्तर जर एखाद्या विशिष्ट मतदान केंद्रातील इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र नादुरुस्त झाले, तर उमेदवारांनी नियुक्त केलेल्या मतदान प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत, नादुरुस्त इलेक्ट्रॉनिक्स मतदान यंत्र काढून घेऊन त्याच्या जागी एक नवीन यंत्र ठेवता येईल. इलेक्ट्रॉनिक्स मतदान यंत्र नादुरुस्त होईपर्यंत त्यात नोंदविलेली मते, नियंत्रण युनिटाच्या स्मृतिकोषात (मेमरीत) सुरक्षित

असतात आणि म्हणून अगोदरचे इलेक्ट्रॉनिक्स मतदान यंत्र नादुरुस्त झाल्यानंतर नवीन इलेक्ट्रॉनिक्स मतदान यंत्रावरून मतदान पुढे सुरू ठेवले जाते. त्यासाठी मतदानास पहिल्यापासून सुरुवात करण्याची आवश्यकता नाही. मतमोजणीच्या दिवशी, त्या मतदान केंद्रांचा एकूण निकाल देण्यासाठी दोन्ही नियंत्रण युनिटांमध्ये नोंदवलेली मते मोजली जातात. जर नियंत्रण युनिटात नोंदवलेल्या मतांची एखाद्या तांत्रिक बिघाडामुळे सुनिश्चिती होऊ शकली नाही तर संबंधित नियंत्रण युनिटाच्या व्हीव्हीपॅट चिठ्ठ्या मोजल्या जातात.

प्रश्न ३०. मतदाराला, व्हीव्हीपॅट द्वारे तयार झालेली कागदी चिठ्ठी, त्याने ज्या उमेदवाराला मत दिले आहे त्याच्या ऐवजी अन्य उमेदवाराचे नाव किंवा चिन्ह दर्शवत असल्याची तक्रार करता येईल यासाठी एखादी तरतूद आहे का ?

उत्तर होय, जर एखादा मतदार त्याचे/तिचे मत नोंदवल्यानंतर मुद्रण यंत्राने तयार केलेली कागदी चिठ्ठी त्याने ज्या उमेदवाराला मत दिले आहे त्याच्या ऐवजी अन्य उमेदवाराचे नाव किंवा चिन्ह दर्शवत असल्याचे अभिकथन करील तर, निवडणुका घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ च्या नियम ४९ ( डक ) मधील तरतुदीनुसार, मतदान केंद्राध्यक्ष, मतदारास खोटे घोषणापत्र करण्याच्या परिणामांची माहिती दिल्यानंतर, त्याच्याकडून अभिकथनानुसार एक लेखी घोषणापत्र घेईल.

जर, मतदाराने नियम ४९ डक च्या उप-नियम ( १ ) मध्ये निर्देशित केलेले लेखी घोषणापत्र दिले, तर मतदान केंद्राध्यक्ष त्याच्या/ तिच्या स्वतःच्या उपस्थितीत आणि उमेदवारांच्या किंवा मतदान केंद्रात उपस्थित असलेल्या मतदान प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत त्या मतदारास एक चाचणी मत देण्याची परवानगी देईल आणि मुद्रण यंत्राने तयार केलेल्या कागदी चिठ्ठीचे निरीक्षण करील.

जर अभिकथन सत्य असल्याचे आढळले, तर मतदान केंद्राध्यक्ष निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्यास तात्काळ वस्तुस्थिती कळवील, त्या मतदान यंत्रात पुढील मते नोंदवण्याचे बंद करील आणि निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याने दिलेल्या निर्देशानुसार कृती करील. तथापि, जर अभिकथन खोटे असल्याचे आढळले आणि उप-नियम ( १ ) अन्वये अशाप्रकारे तयार करण्यात आलेली कागदी चिठ्ठी उप-नियम ( २ ) अन्वये मतदाराने नोंदवलेल्या चाचणी मताशी जुळली, तर मतदान केंद्राध्यक्ष-

- नमुना १७ क मध्ये त्या मतदाराशी संबंधित दुसऱ्या नोंदीसमोर, ज्याच्यासाठी असे चाचणी मत नोंदवण्यात आले आहे त्या उमेदवाराचा अनुक्रमांक आणि नाव नमूद करून तशा आशयाचा एक शेरा लिहील;
- अशा शेऱ्यासमोर त्या मतदाराची सही किंवा अंगठ्याचा ठसा घेईल; आणि अशा चाचणी मताच्या संबंधात नमुना १७ क च्या भाग १ मधील बाब ५ मध्ये आवश्यक त्या नोंदी करील.

प्रश्न ३१. जेव्हा एखादा निवडणूक विनंती याचिका दाखल करण्यात येते तेव्हा निवडणूक निकाल हा त्या विनंती अर्जाच्या अंतिम निष्पत्तीच्या अधीन असतो. न्यायालये, काही समुचित प्रकरणांमध्ये पुनर्मतमोजणीचा आदेश देऊ शकतात. तेव्हा, इलेक्ट्रॉनिक्स मतदान यंत्रे अशा दीर्घ कालावधीपर्यंत ठेवता येतात का ? आणि न्यायालयांनी प्राधिकृत केलेल्या अधिकाऱ्यांच्या उपस्थितीत त्यातील निकाल काढून घेता येईल का ?

उत्तर नियंत्रण युनिटात नोंदवण्यात आलेली मते जोपर्यंत पुसली ( क्लियर केली ) जात नाहीत तोपर्यंत ती तशीच साठवलेली असतात. जर न्यायालयाने पुनर्मतमोजणीचा आदेश दिला, तर नियंत्रण युनिटाच्या स्मृतीकोषात साठवलेला निकाल प्रदर्शित करण्यासाठी त्यामध्ये बॅटरी बसवून ते पुन्हा सुरू करता येते.

प्रश्न ३२. मतमोजणीच्या दिवशी व्हीव्हीपॅट च्या छापील कागदी चिठ्ठ्यांची मोजणी करणे अनिवार्य आहे का ?

उत्तर व्हीव्हीपॅट च्या छापील कागदी चिठ्ठ्यांची मोजणी केवळ पुढील प्रकरणांमध्ये केली जाते :

- ज्या प्रकरणी नियंत्रण युनिटाकडून निकाल दर्शवला जात नसेल, तेव्हा संबंधित व्हीव्हीपॅट च्या छापील कागदी चिठ्ठ्यांची मोजणी केली जाते.
- जर एखादा उमेदवार, किंवा त्याच्या अनुपस्थितीत, त्याचा निवडणूक प्रतिनिधी किंवा त्याच्या मतमोजणी

प्रतिनिधीपैकी एखाद्याने, निवडणुका घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ च्या नियम ५६ घ अन्वये, कोणत्याही मतदान केंद्राच्या किंवा केंद्रांच्या संबन्धातील व्हीव्हीपॅट च्या छापील कागदी चिट्ट्या मोजण्याची लेखी विनंती केली, तर निवडणूक निर्णय अधिकारी वेगवेगळ्या घटकांना विचारात घेऊन निर्णय घेईल आणि त्या विवक्षित मतदान केंद्राच्या (केंद्रांच्या) व्हीव्हीपॅट च्या छापील कागदी चिट्ट्यांची मोजणी करावी किंवा करू नये याबाबत लेखी आदेश जारी करील.

- लोकसभा निवडणुकांच्याबाबतीत, प्रत्येक विधानसभा मतदारसंघातून किंवा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रातून यादृच्छिकरित्या निवडलेल्या ५ मतदान केंद्रांच्या छापील व्हीव्हीपॅट कागदी चिट्ट्यांची पडताळणी अनिवार्य आहे.

प्रश्न ३३. निकाल घोषित झाल्यानंतर, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट कोठे आणि किती कालावधीसाठी ठेवलेली असतात?

उत्तर निकाल घोषित झाल्यानंतर, उमेदवारांच्या / त्यांच्या प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे त्यांच्या वाहक पेट्यांमध्ये मोहोरबंद केली जातात आणि व्हीव्हीपॅट मधून व्हीव्हीपॅट चिट्ट्या बाहेर काढल्या जातात आणि काळ्या पाकीटात मोहोरबंद केल्या जातात. निवडणूक याचिका दाखल करण्याची निर्धारित कालमर्यादा संपेपर्यंत, म्हणजेच, निकाल घोषित झाल्याच्या दिनांकापासून ४५ दिवसांपर्यंत, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे, व्हीव्हीपॅट चिट्ट्या आणि इतर निवडणूक साहित्य, संबंधित जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याच्या ताब्यातील सुरक्षित कक्षात ठेवली जातात. जर संबंधित मा. उच्च न्यायालयासमोर एखादी निवडणूक याचिका दाखल झाली, तर याचिकेचा अंतिम निकाल लागेपर्यंत संबंधित युनिटे ठेवली जातात.

प्रश्न ३४. व्हीव्हीपॅट चिट्ट्यांची सचोटी सुनिश्चित करण्यासाठी, सर्व उमेदवार आणि सर्वसामान्य जनतेतील इच्छुक सदस्यांना पडताळणी करता येईल अशी निकोप लेखापरीक्षण व्यवस्था असणे अत्यावश्यक आहे. मतदानाच्या वेळी व्हीव्हीपॅट चिट्ट्या या विश्वसनीय ठरतात, परंतु, नंतर लेखापरीक्षण करताना देखील त्या विश्वसनीय राहतील याची सुनिश्चिती करणे आवश्यक आहे.

उत्तर प्रत्येक विधानसभा मतदारसंघातील / विधानसभा क्षेत्रातील यादृच्छिकरित्या निवडलेल्या ५ मतदान केंद्रांची अनिवार्य पडताळणी म्हणजे दुसरे काही नसून, हितसंबंधितांच्या उपस्थितीत केलेले, मतमोजणीचे एक उत्तरवर्ती लेखापरीक्षणच आहे. शिवाय, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रातील मतांची मोजणी पूर्ण झाल्यानंतर, निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांना, निवडणुका घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ च्या नियम ५६ घ अन्वये, व्हीव्हीपॅट चिट्ट्या मोजण्यासाठी विनंती करण्याची संधी आहे. आणखी, व्यथित उमेदवार / मतदार सक्षम न्यायालयासमोर निवडणूक याचिकेच्या माध्यमातून निवडणुकीस आव्हान देऊ शकतात.

प्रश्न ३५. मतदान पूर्ण झाल्यानंतर आणि मतमोजणी आणि लेखापरीक्षण या पूर्वीच्या संपूर्ण कालावधीमध्ये व्हीव्हीपॅट चिट्ट्या आणि इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे यांच्या सचोटीची, सर्वांना पडताळणी करता येईल अशा तऱ्हेने सुनिश्चिती करणे अत्यावश्यक आहे. ताबा ठेवणाऱ्या साखळीवर विसंबून राहण्याची आवश्यकता असता कामा नये.

उत्तर संपूर्ण प्रक्रिया ही आवश्यक त्या तपासण्या व समतोल यांसह, यंत्रणेमार्फत चालवण्यात येणारी असल्याचे दिसून येते. सचोटी राखण्यासाठी केलेल्या काही संरक्षक उपाययोजना पुढीलप्रमाणे आहेत :

- मतदानात वापरण्यात येणाऱ्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र / व्हीव्हीपॅट चे अनुक्रमांक, संबंधित इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रात टाकल्या गेलेल्या मतसंख्येच्या तपशीलासह, मतमोजणीच्या वेळी त्याची पडताळणी करता यावी यासाठी, उमेदवार/ त्यांचे प्रतिनिधी यांच्यासह सामायिक केले जातात.
- मतदान झाल्यानंतर, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र/ व्हीव्हीपॅट त्यांच्या वाहक पेट्यासह मतदान प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत मोहोरबंद केली जातात आणि त्यांना त्या मोहोरांवर त्यांच्या स्वाक्षऱ्या करण्याची देखील अनुमती दिली जाते.
- मतदान झाल्यानंतर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे सुरक्षित कक्षात ठेवण्यापूर्वी व्हीव्हीपॅट साठी उपलब्ध असलेला एकमेव वीजेच्या स्रोत काढून घेतला जातो.

- मतदान झालेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांच्या सुरक्षित कक्षांच्या प्रवेशद्वाराचे सीसीटिव्ही व्याप्त थेट प्रक्षेपण मतमोजणीच्या ठिकाणी उपस्थित उमेदवारांच्या प्रतिनिधींना देण्यात येते. मतदान झालेली इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे ठेवलेल्या सुरक्षित कक्षांच्या ठिकाणी द्वि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था केलेली असते.
- आणखी, मतमोजणीच्या दिवशी, मतमोजणी सुरू होण्यापूर्वी इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांवरील मोहोर आणि अनुक्रमांक उमेदवारांच्या मतमोजणी प्रतिनिधींकडून तपासली जातात.

अशा तऱ्हेने, मतमोजणी सुरू करण्यापूर्वी, मतदान झालेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राची प्रत्येक बाजू उमेदवारांचा सहभाग घेऊन पारदर्शकपणे हाताळली जात असल्याचे दिसून येते.

प्रश्न ३६. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट वापराची संपूर्ण प्रक्रिया ही पारदर्शक, मुक्त व न्याय्य आहे का ?

उत्तर निवडणुका या केवळ पारदर्शक, मुक्त व न्याय्यच नव्हे तर जनतेच्या लक्ष ठेवणाऱ्या नजरेखाली खुलेपणाने पार पाडल्या जाव्यात याची सुनिश्चिती करण्यासाठी निवडणूक प्रक्रियेच्या प्रत्येक टप्प्यावर सर्व हितसंबंधितांच्या व्यापक सहभागाला प्रोत्साहन देऊन त्यासह मजबूत तांत्रिक संरक्षक उपाययोजना आणि सांगोपांग प्रशासकीय कार्यपद्धतींची योजना भारत निवडणूक आयोगाने केली आहे. निवडणूक प्रक्रियेदरम्यान इलेक्ट्रॉनिक आणि मुद्रित माध्यमे देखील घडणाऱ्या घटनांचे सुक्ष्म निरीक्षण करत असतात.

प्रश्न ३७. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आधारित मतदान प्रक्रियेत, निवडणुकीतील विवादाच्या प्रकरणी अधिप्रमाणन करण्यासाठी मताची पुनर्रचना करता येणे शक्य आहे का ?

उत्तर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र-व्हीव्हीपॅट पद्धतीमध्ये, निवडणुकीतील विवादाच्या प्रकरणी अधिप्रमाणन करण्यासाठी, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राच्या नियंत्रण युनिटात साठवलेल्या आधारसामग्रीतून, मताची पुनर्रचना करता येणे शक्य आहे. निवडणूक विवादांच्या प्रकरणांमध्ये जेव्हा-जेव्हा गरज होती तेव्हा न्यायालयांमध्ये याचे प्रात्यक्षिक करण्यात आलेले आहे. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांद्वारे मतमोजणी ही संपूर्णपणे पारदर्शक आहे आणि ती वेगवेगळ्या हितसंबंधितांच्या उपस्थितीत आणि कठोर प्रशासकीय संरक्षक उपाययोजनांद्वारे होत असते. वस्तुतः, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांनी निवडणूक सुरक्षित केली आहे आणि दर मिनिटाला ५ मते यापर्यंत मत टाकण्याचा दर मर्यादित होऊन त्याद्वारे बुध बळकावणे या बाबीचे वास्तविक झाले आहे आणि अशाप्रकारे खोट्या मतांचा भरणा करण्यासाठी लागणाऱ्या कालावधीत लक्षणीय वाढ झाली आहे. कागदी मतपत्रिकेच्या पद्धतीमध्ये, अवैध मतांची संख्या ही काही वेळा विजयातील अंतरापेक्षा अधिक होती आणि इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांनी त्याचे कायमचे उच्चाटन केले आहे. भारत निवडणूक आयोगाच्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांमध्ये मतदारास आताही त्याच्या / तिच्या मताची अचुकता व्हीव्हीपॅट छापिल चिठ्ठीच्या माध्यमातून पडताळता येते, ही चिठ्ठी त्यानंतरच्या लेखापरीक्षणासाठी कागदी मागोवा म्हणून तशीच उपलब्ध असते. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांद्वारे मतमोजणी ही संपूर्णपणे पारदर्शक आहे आणि ती वेगवेगळ्या हितसंबंधितांच्या उपस्थितीत आणि कठोर प्रशासकीय संरक्षक उपाययोजनांद्वारे होत असते.

प्रश्न ३८. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांना मोबाईल फोन, ब्लू टूथ साधने यांच्याशी जोडणे, त्यांच्यातील भाग बदलणे आणि हातचलाखीचे इतर प्रकार यांद्वारे हाताळता येते, ह्याखेरीज त्याच्या बदल्यात अन्य इलेक्ट्रॉनिक मतदान ठेवले जाते असा दावे केला जातो.

उत्तर हा दावा कोणताही आधार नसलेला आणि अशास्त्रीय आहे. सार्वजनिक संकेतस्थळांवर सुक्ष्मनियंत्रके (Micro controllers) याविषयी माहिती उपलब्ध आहे आणि ती सुक्ष्मनियंत्रक उत्पादकांच्या संकेतस्थळांवर पाहता येते. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे / व्हीव्हीपॅट यामध्ये केवळ “एकवार कार्यक्रमयोग्य” (One Time Programmable) नियंत्रकांचा वापर होतो. “एकवार कार्यक्रमयोग्य” वैशिष्ट्य हे संकेतांक / आदेश याद्वारे संगणकीय प्रणालीच्या

माध्यमातून दिले जाते, आणि चालू केलेल्या संचांवर सर्वप्रथम चालवले जाते आणि अंतर्गत नोंदीत कोणतेही पुनकार्यक्रमण करण्याची शक्यता (Re-programmability) बंद केलेली असते. सार्वजनिक संकेतस्थळांवर देखील या सुक्ष्मनियंत्रकांच्या वापराबाबतच्या आधारसामग्री प्रपत्रांमध्ये / उपयोजक टिपणांमध्ये संकेतांक / आदेश आणि प्रक्रिया उपलब्ध आहेत.

जर या नियंत्रकांमध्ये ब्लू टूथ किंवा वाय-फाय मोड्यूल असते तर त्या मोड्यूलच्या सुक्ष्मनियंत्रकांची वैशिष्ट्ये, अंतर्गत अवरोध आकृती, खिळ सोपवण्या आणि सर्व सोपवण्यांवरील संकेत दिवे आधारसामग्री प्रपत्रांमध्ये उपलब्ध असायला हवे होते. त्यासोबतच, जर सुक्ष्म नियंत्रकांमध्ये अशी पारेषित्रे आणि ग्राही उपलब्ध असते तर ब्लू टूथ किंवा वाय-फाय यांच्या विवक्षित वीज पुरवठा सोपवण्या, आकाशग सोपवण्या, वारंवारिता सोपवण्या, स्फटिक दोली सोपवण्या देखील आधारसामग्री प्रपत्रांमध्ये उपलब्ध असायला हव्या होत्या. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड / इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडीया यांच्याकडून वापरल्या गेलेल्या सुक्ष्म नियंत्रकांना अशी मोड्यूल नाहीत आणि याची पडताळणी सार्वजनिक संकेतस्थळावर उपलब्ध असलेल्या त्यांच्या आधारसामग्री प्रपत्रांवरून करता येते. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे ही इव्हीएम यंत्रणेच्या बाहेरील युनिटांशी कोणतीही तारयुक्त किंवा तारविरहीत जोडणी नसलेली एकमेव स्वतंत्र साधने आहेत. हातचलाखीची अशी कोणतीही शक्यता काढून टाकण्यासाठी अत्याधुनिक तंत्रशास्त्रीय वैशिष्ट्ये आणि भक्कम प्रशासकीय संरक्षक उपाययोजना करण्यात आल्या आहेत. मतपत्रिका युनिट, नियंत्रण युनिट आणि व्हीव्हीपॅट यांवर अंकीय प्रमाणन असते आणि संयोजनापूर्वी जेव्हा त्यांची एकत्र जोडणी केली जाते तेव्हा त्यांचे आपसात अधिप्रमाणन करण्यात येते. म्हणून, भारत निवडणूक आयोगाच्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राला त्याच्यासारखे दिसणारे कोणतेही अन्य यंत्र जोडले जाऊ शकत नाही. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राचे सर्वकालिक भौतिक संरक्षण आणि सुरक्षिततेची सुनिश्चिती करण्यासाठी भारत निवडणूक आयोगाने तंत्रशास्त्रीय संरक्षक उपाययोजना आणि शिवाय, अतिशय सांगोपांग आणि कडक प्रशासकीय संरक्षक उपाययोजना अनिवार्य केल्या आहेत.

प्रश्न ३९. केवळ इलेक्ट्रॉनिक मतांची आणि व्हीव्हीपॅट मतांच्या मोजणीची व्यवस्था केल्याने संशयास्पदरित्या मत घुसवणे किंवा नष्ट करणे या बाबी संपुष्टात येत नाहीत. या निर्णायक बाबतीत कोणत्या संरक्षक उपाययोजना करण्यात आल्या आहेत ?

उत्तर एकदा 'बंद' (Close) बटन दाबल्यावर मत देणे शक्य होणार नाही अशा तऱ्हेने इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राची रचना करण्यात आलेली आहे. मतदानानंतर यंत्रांना त्यांच्या वाहक पेट्यांमध्ये मतदान प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत मोहोरबंद करण्यात येते त्यांना त्या मोहोरांवर त्यांच्या स्वाक्ष्या करण्याची अनुमती देखील असते. यंत्रांना संकलन केंद्रांवर नेले जात असताना उमेदवार व त्यांच्या प्रतिनिधींना सोबत येण्याची अनुमती असते आणि मतदान झालेली इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे व व्हीव्हीपॅट ठेवलेल्या सुरक्षित कक्षांवर मतमोजणीच्या दिवसापर्यंत लक्ष ठेवण्याची परवानगी असते. आणखी, प्रत्येक वेळी नियंत्रण युनिट सुरू केल्यानंतर त्यावर मतदान सुरू झाल्याची आणि संपल्याची वेळ दर्शवली जाते. त्याअर्थी, मतदान झाल्यानंतर आणि मतमोजणीपूर्वी संशयास्पद मते घुसवणे किंवा काढून टाकणे या गोष्टींचा तपास लावता येतो. या वेळा मतदान केंद्राध्यक्षांच्या डायरीत देखील नोंदवलेल्या असतात आणि इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राने दर्शवलेल्या वेळेशी त्यांची उलटतपासणी करता येते. नमूना १७ क नुसार असलेली मतदारांची संख्या हा सुद्धा त्या मतदान केंद्रांमध्ये टाकण्यात आलेल्या एकूण मतांचा अभिलेख आहे. अशाप्रकारे "संशयास्पद मत घुसवणे किंवा नष्ट करणे" याबाबतची शक्यता पूर्णपणे काढून टाकण्यात आलेली आहे.

प्रश्न ४०. व्हीव्हीपॅट चिड्या आणि इलेक्ट्रॉनिक मते यांच्या ताळमेळ जर जुळला नाही तर त्यातून उद्भवणाऱ्या परिस्थितीत निर्णय घेण्याबाबत- संभाव्य पुनर्मतदानासह - काय मूलविधान आहे ?

उत्तर निवडणुका घेण्याबाबतचे (सुधारणा) नियम, १९६१ च्या नियम ५६ घ (४) (ख) मध्ये स्पष्टपणे म्हटले आहे, की नियंत्रण युनिटातील इलेक्ट्रॉनिक मतांची संख्या आणि व्हीव्हीपॅट च्या मतपत्रिका चिड्यांची संख्या यामध्ये तफावत आढळल्यास, व्हीव्हीपॅट चिड्यांची संख्या अभिभावी होईल.

प्रश्न ४१. दिलेल्या मतांमध्ये विसंगती असल्याचा कोणताही दावा हाताळण्यासाठी काय तरतुदी आहेत ?

उत्तर निवडणुका घेण्याबाबतचे नियम, १९६१ च्या नियम ५६ घ अन्वये, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रातील मतांची मोजणी पूर्ण

झाल्यानंतर व्हीव्हीपॅट चिठ्ठ्यांची मोजणी करण्यासाठी विनंती करण्याची संधी निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांना आहे. आणखी, नियंत्रण युनिटातील इलेक्ट्रॉनिक मतांची संख्या आणि व्हीव्हीपॅट च्या मतपत्रिका चिठ्ठ्यांची संख्या यामध्ये तफावत आढळल्यास, विद्यमान विधिविधानानुसार, निवडणुका घेण्याबाबतचे (सुधारणा) नियम, १९६१ च्या नियम ५६ घ (४) (ख) अन्वये व्हीव्हीपॅट चिठ्ठ्यांची संख्या अभिभावी होईल.

प्रश्न ४२. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट याविषयी आणखी माहिती कुठे वाचता येईल ?

उत्तर अधिक माहिती वाचण्यासाठी पुढीलप्रमाणे संदर्भ घेता येतील :

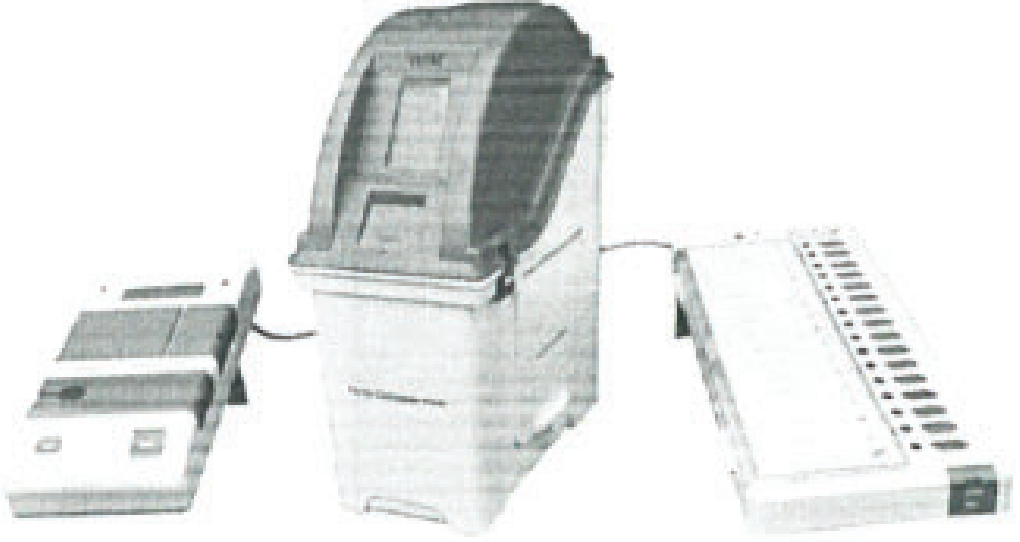
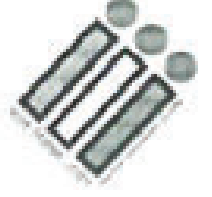
- <https://eci.gov.in/files/file/13911-manual-on-electronic-voting-machine-and-vvpat-edition-7-december-2022> / येथे इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपॅट यावरील माहितीपुस्तिका उपलब्ध आहे.
- <https://eci.gov.in/files/file/8756-status-paper-on-evm-edition-4> / येथे इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र यावरील स्थितीदर्शक दस्तऐवज उपलब्ध आहे.
- <https://eci.gov.in/files/file/14525-legal-history-of-evms-and-vvpats/> येथे इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपॅट यांचे कायदेशीर पूर्ववृत्त उपलब्ध आहे.





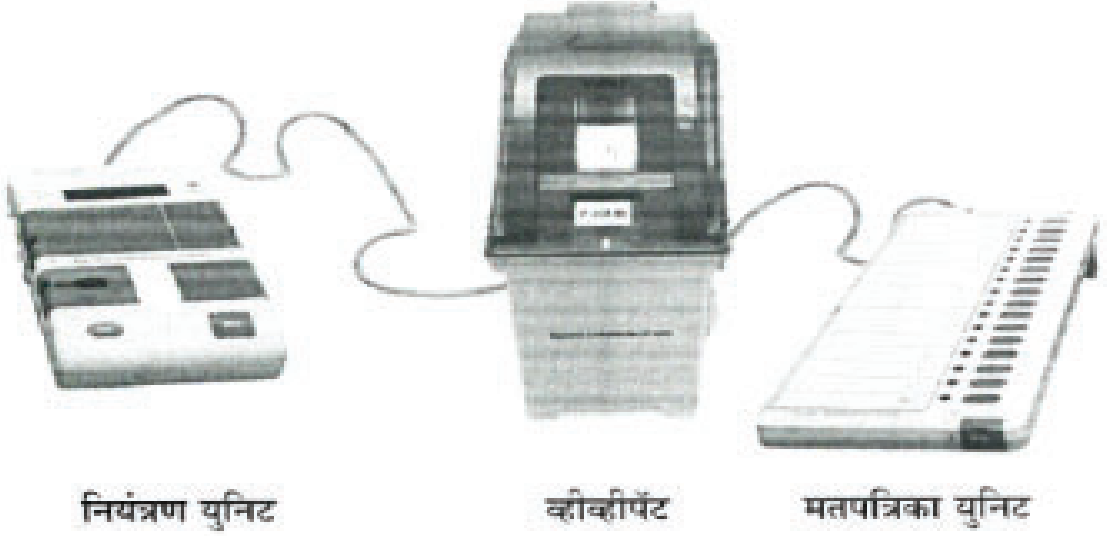
भाग - पाच  
उमेदवार आणि राजकीय पक्ष  
यांच्यासाठी  
इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र लघुपुस्तक

# उमेदवार आणि राजकीय पक्ष यांच्यासाठी इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र लघुपुस्तक



नोव्हेंबर, २०२३

भारत निवडणूक आयोग



मेसर्स भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ( संरक्षण मंत्रालयाअंतर्गत एक सार्वजनिक क्षेत्रातील उपक्रम ) आणि मेसर्स इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ( अणुउर्जा विभागाअंतर्गत एक सार्वजनिक क्षेत्रातील उपक्रम ) यांच्याद्वारे इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपॅट यांची निर्मिती करण्यात आली आहे.

**इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र (इव्हीएम):** नियंत्रण युनिट ( सीयू ) आणि मतपत्रिका युनिट ( बी यू ) या नावाच्या दोन युनिटांचे मिळून इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र बनलेले आहे. एका मतपत्रिका युनिटात १६ पर्यंत उमेदवारांची व्यवस्था करता येते. एका नियंत्रण युनिटास सोपानी पद्धतीने २४ ( चोवीस ) मतपत्रिका युनिटे एकत्र जोडता येतात आणि ३८४ उमेदवारांची [ वरीलपैकी कोणीही नाही ( नोटा ) सह ] व्यवस्था करता येते. दृष्टीहीन मतदारांच्या मार्गदर्शनासाठी मतपत्रिका युनिटाच्या उजव्या बाजूला उमेदवार मत बटनाच्या सोबत ब्रेल चिन्हलिपीमध्ये १ ते १६ अंक उमटवलेले आहेत. हे यंत्र ७.५ व्होल्ट क्षमतेच्या वीजसंचावर ( बॅटरी ) चालते.

**मतदार पडताळणीयोग्य कागदी परिनिरीक्षण चिन्ह दर्शक युनिट ( व्हीव्हीपॅट ):** मतदार पडताळणीयोग्य कागदी परिनिरीक्षण चिन्ह दर्शक युनिट ( व्हीव्हीपॅट ) ही इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांना जोडलेली एक स्वतंत्र यंत्रणा असून त्याद्वारे मतदारांना त्यांच्या उद्देशानुसार त्यांनी दिलेल्या मताची पडताळणी करता येते. व्हीव्हीपॅट २२.५ व्होल्ट क्षमतेच्या वीजसंचावर ( बॅटरी ) चालते.

#### इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपॅट यांचे कार्यचालन :

- नियंत्रण युनिट हे मतदान केंद्राध्यक्ष / मतदान अधिकाऱ्याकडे आणि मतपत्रिका युनिट व व्हीव्हीपॅट हे मतदान कक्षामध्ये ठेवण्यात येते.
- जेव्हा मतदार त्याच्या/तिच्या पसंतीच्या उमेदवाराचे बटन ( निळे बटन ) दाबून मत देतो/देते तेव्हा त्या विशिष्ट उमेदवाराच्या बटनासमोरील लाल दिवा चमकू लागतो.
- दुसऱ्या बाजूस, मुद्रणयंत्रातून उमेदवाराचा अनुक्रमांक, नाव आणि चिन्ह असलेली एक चिठ्ठी मुद्रित केली जाते आणि जवळपास ७ सेकंद ती पारदर्शक खिडकीतून दिसत राहते.
- त्यानंतर, छापील चिठ्ठी आपोआप कापली जाते आणि व्हीव्हीपॅटच्या मोहोरबंद केलेल्या पातन पेटी ( ड्रॉप बॉक्स ) मध्ये पडते.
- त्यानंतर, मत यशस्वीरित्या नोंदवले गेल्याची सुनिश्चिती करणारा एक 'बी SS प' असा आवाज नियंत्रण युनिटातून ऐकू येतो.

| सुरक्षाविषयक तांत्रिक वैशिष्ट्ये                  |   |  |
|---|---|--|
| वैशिष्ट्ये  | प्रयोजन   | नाकारलेली बाब  |
| एकमेव असणे  | आयोगाकडून वापरण्यात येणारे इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र हे एकमेव, जाळे-विरहित यंत्र असून ते केवळ इव्हीएम घटकांशीच (उदा. नियंत्रण युनिट, मतपत्रिका युनिट, व्हीव्हीपॅट, चिन्ह भरणा युनिट, प्रथम स्तरावरील तपासणी युनिट) जोडले जाऊ शकते.   | बाहेरील जगाशी तारांच्या किंवा बिनतारी माध्यमातून कोणतीही जोडणी होणे.                 |
| एकवार कार्यक्रमणयोग्य (One time programmable) चिप | कोणतीही छेडछाड/ लबाडी यांस प्रतिबंध करण्यासाठी या यंत्रास इलेक्ट्रॉनिकरित्या संरक्षित करण्यात आलेले आहे. या यंत्रांमध्ये वापरला गेलेला कार्यक्रम संच (programme) (सॉफ्टवेअर) हा एकवार कार्यक्रमणयोग्य (One time programmable) चिप मध्ये पक्का केलेला असतो त्यामुळे त्यात फेरफार करता येत नाही किंवा त्याच्याशी छेडछाड करता येत नाही.  | कोणताही फेरबदल किंवा छेडछाड करणे.  |
| अनधिकृत पोच तपास मोड्यूल (युएडीएम)                | कार्यक्रम प्रणाली (सॉफ्टवेअर) त्याच प्रमाणे मतदान आधारसामग्री (डाटा) ही इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राच्या नियंत्रण युनिटातील सुक्ष्म नियंत्रकामध्ये साठवली जाते, ती सुरक्षित मोड्यूलद्वारे संरक्षित केलेली असते. कोणत्याही वेळी सुरक्षित मोड्यूल उघडण्याचा प्रयत्न झाल्यास, मग यंत्र सुरू असो की बंद असो, यंत्र हे कारखाना प्रारूपामध्ये (Factory Mode) रूपांतरित होते आणि कार्य करणे बंद करते. | कोणत्याही प्रकारे सुक्ष्मनियंत्रक किंवा स्मृतीकोशा (मेमरी) पर्यंत पोचणे.             |
| रेडीओ वारंवारिता पारोषण किंवा ग्रहण क्षमतेचा अभाव | इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रामध्ये कोणतीही रेडिओ वारंवारिता दळणवळण क्षमता नसल्यामुळे, बिनतारी यंत्रणा, ब्लू टूथ किंवा वाय-फाय याद्वारे दिलेल्या सांकेतिक इशाऱ्याद्वारे भारत निवडणूक आयोगाच्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्राशी कोणतीही छेडछाड अशक्य करणे. आहे, म्हणून त्याच्याशी वाय-फाय, ब्लू टूथ, इत्यादीद्वारे संपर्क केला जाऊ शकत नाही.  | ब्लू टूथ किंवा वाय-फाय याद्वारे दिलेल्या सांकेतिक इशाऱ्याद्वारे कोणतीही छेडछाड करणे. |

|  |   |   |
|--|---|---|
| कळ दाबण्याच्या प्रत्येक क्रियेचे गतिशील संकेतन                               | कळ दाबण्याच्या प्रत्येक क्रियेचे गतिशील संकेतन केले जाते त्यामुळे नियंत्रण युनिट आणि मतपत्रिका युनिट यांच्यातील संकेतांचे वाचन करणे कोणालाही अशक्य आहे. | नियंत्रण युनिट, मतपत्रिका युनिट आणि व्हीव्हीपॅट यांच्यातील संकेतांचे वाचन करणे. |
| अत्याधुनिक गणितीय संमिश्रण तंत्रे  | आधुनिक यंत्रणांमध्ये प्रभावीपणे काम करण्याबाबत सिद्धताप्राप्त मानकांचा वापर करण्यात आला आहे.  | तारांमधून अंदाज घेऊन संकेतलिपी वाचन करणे.                                       |
| भक्कम परस्पर अधिप्रमाणन क्षमता   | भक्कम परस्पर अधिप्रमाणन क्षमतेमुळे कोणतेही अनधिकृत साधन इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांशी संवाद साधू शकणार नाही याची सुनिश्चिती होते.                        | कोणत्याही अनधिकृत साधनाद्वारे कोणताही संवाद साधणे.                              |
| दिनांक व वेळ याचा ठसा उमटवणाऱ्या कळ दाबण्याच्या क्रियांसाठी सत् कालिक घड्याळ | कळ दाबण्याची प्रत्येक अधिकृत किंवा अनधिकृत क्रिया दिनांक व वेळेच्या ठशासह सत् कालिक आधारावर यंत्रमुद्रित केली जाते.                                     | कोणताही गैरव्यवहार करणे.  |

| अ. क्र. | राष्ट्रीय व राज्यस्तरीय मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांचे प्रतिनिधी आणि उमेदवार यांचा सहभाग असलेल्या, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र/ व्हीव्हीपॅट यांच्याशी संबंधित, विविध क्रिया.  |
|---------|--|
| १       | <p><b>निवडणूक नसलेल्या कालावधीत इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांची साठवण</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>सर्वसाधारणपणे, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे- व्हीव्हीपॅट हे जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याच्या ताब्याअंतर्गत जिल्हा मुख्यालय स्थळी साठवण्यात येतात.</li> <li>इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे - व्हीव्हीपॅट हे दुहेरी कुलुप बंद पद्धतीने साठवण्यात येतात, कुलुप - १ च्या सर्व किल्ल्या जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याकडे आणि कुलुप - २ च्या सर्व किल्ल्या उपजिल्हा निवडणूक अधिकारी किंवा तत्सम अधिकाऱ्याकडे असतात.</li> <li>इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे- व्हीव्हीपॅट वखार / सुरक्षित कक्षाच्या किमान १/२ क्षेत्रावर सशस्त्र संरक्षण, सीसीटिव्ही व्याप्ती, रोजवही, इत्यादी असते.</li> <li>निवडणूक नसलेल्या काळात, निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांची यादी अंतिम होईपर्यंत, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र - व्हीव्हीपॅट वखारी, ने-आण, निरीक्षण, इत्यादी प्रयोजनांसाठी राष्ट्रीय व राज्यस्तरीय मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांच्या प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत उघडल्या/ बंद केल्या जातात.</li> <li>निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांची यादी अंतिम झाल्यानंतर, निवडणूक लढवणारे उमेदवार आणि त्यांच्या प्रतिनिधींना, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र- व्हीव्हीपॅट वखारी/ सुरक्षित कक्ष उघडताना / बंद करताना सहभागी करून घेतले जाते.</li> <li>इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र वखार / सुरक्षित कक्ष उघडण्याची व बंद करण्याची क्रिया व्हीडीओ चित्रिकरणाखाली करण्यात येते.</li> </ul> |
| २       | <p><b>इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांची प्रथम स्तरावरील तपासणी</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>प्रत्येक निवडणुकीपूर्वी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) आणि इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआयएल) यांच्या अधिकृत अभियंत्यांकडून जिल्हा निवडणूक अधिकारी स्तरावर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट ची प्रथम स्तरावरील तपासणी (एफ एल सी ) केली जाते.</li> </ul>   |

|   |   |
|---|---|
|   | <ul style="list-style-type: none"> <li>• या प्रयोजनार्थ, प्रथम स्तरावरील तपासणी सुरू करण्यापुर्वी किमान दोन दिवस अगोदर, संबंधित जिल्हा निवडणूक अधिकाऱ्याद्वारे, जिल्हा मुख्यालय स्तरावरील राष्ट्रीय व राज्य मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांना लेखी निमंत्रण दिले जाते आणि त्याची एक प्रत राज्य मुख्यालयांना पृष्ठांकित केली जाते.</li> <li>• राष्ट्रीय व राज्य मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांच्या प्रतिनिधींना संपूर्ण प्रथम स्तरावरील तपासणीवर देखरेख ठेवण्यात सहभागी करून घेतले जाते आणि गुलाबी मोहोरांवर ( नियंत्रण युनिटावर लावण्यात आलेल्या गुलाबी कागदी मोहोरा ) आणि प्रथम स्तरावरील तपासणीशी संबंधित विविध दस्तऐवजांवर त्यांच्या स्वाक्षऱ्या देखील घेतल्या जातात.</li> <li>• <b>प्रथम स्तरावरील तपासणीपूर्व युनिटाद्वारे (पी एफ एल सी यू )</b> प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपॅट कार्यरत असल्याचे तपासले जाते.</li> <li>• <b>चिन्ह भरणा युनिटाद्वारे (एस एल यू)</b> प्रत्येक व्हीव्हीपॅट मध्ये आभासी चिन्हांचा भरणा केला जातो. व्हीव्हीपॅट मध्ये भरण्यात येत असलेली चिन्हे, राजकीय पक्षांच्या प्रतिनिधींना दिसावीत यासाठी, त्या एकाच वेळी फलकावर / दूरचित्रवाणी पडद्यावर प्रदर्शित केली जातात.</li> <li>• प्रथम स्तरावरील तपासणी दरम्यान इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांमध्ये कोणताही नकली घटक बसवलेला नाही हे तपासण्यासाठी राजकीय पक्षांच्या उपस्थितीत त्या यंत्रांचे आवरण खण उघडले जातात. आणखी, प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपॅट साठी प्रत्येक उमेदवारांच्या समोरील बटनांवर ६ मते ( म्हणजेच एकूण ९६ मते ) देऊन, निकालाचे निरीक्षण केले जाते आणि प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र व व्हीव्हीपॅट मधील या अभिरूप मतदानाची आधारसामग्री पुसून टाकली (क्लियर केली) जाते.</li> <li>• याशिवाय, यादृच्छिकरित्या निवडलेल्या ५ टक्के इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांमध्ये / व्हीव्हीपॅट मध्ये उच्च अभिरूप मतदान घेतले जाते ( म्हणजेच १ टक्का इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांमध्ये १२०० मते, २ टक्के इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांमध्ये १००० मते आणि २ टक्के इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांमध्ये ५०० मते ). इव्हीएमच्या इलेक्ट्रॉनिक निकालाचा व्हीव्हीपॅट चिठ्ठ्यांच्या संख्येशी मेळ घातला जातो. राजकीय पक्षांच्या प्रतिनिधींना यादृच्छिकरित्या ५ टक्के इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे उचलण्याची आणि अभिरूप मतदान करण्याची देखील अनुमती देण्यात येते.</li> <li>• प्रथम स्तरावरील तपासणीनंतर सुयोग्य स्थितीतील यंत्रांवर ( FLC-OK ) <b>हिरव्या</b> रंगाची चिकटचिठ्ठी लावली जाते आणि अयोग्य ठरलेल्या यंत्रांवर ( FLC-Rejected ) <b>लाल</b> रंगाची चिकटचिठ्ठी लावली जाते.</li> <li>• सुयोग्य आणि अयोग्य ठरलेल्या यंत्रांची स्थितीदर्शक माहिती इव्हीएम व्यवस्थापन यंत्रणेमध्ये ( ईएमएस ) भ्रमणध्वनी उपयोजकाद्वारे अद्ययावत केली जाते.</li> <li>• इव्हीएम व्यवस्थापन यंत्रणेतून तयार झालेली सुयोग्य ( FLC-OK ) इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांची आणि व्हीव्हीपॅट ची यादी सर्व राष्ट्रीय व राज्य मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांशी सामायिक केली जाते.</li> <li>• प्रथम स्तरावरील तपासणी दरम्यान राष्ट्रीय व राज्य मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांच्या प्रतिनिधींना मोहोरांवर, नमुन्यांवर नोंदवहीवर स्वाक्षरी करण्याची अनुमती आहे.</li> <li>• अयोग्य ( FLC-Rejected ) यंत्रे दुरूस्तीसाठी उत्पादकांकडे पाठवली जातात.</li> <li>• सुयोग्य यंत्रे दुहेरी कुलुप, सीसीटिव्ही व्याप्त आणि किमान एक क्षेत्र सशस्त्र सुरक्षा असलेल्या <b>सुरक्षित कक्षांमध्ये</b> साठवली जातात.</li> </ul> |
| ३ | <b>प्रशिक्षण व जनजागृतीसाठी इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट</b>   |
|   | <ul style="list-style-type: none"> <li>• प्रथम स्तरावरील तपासणी पूर्ण झाल्यानंतर, १० टक्क्यांपर्यंत संख्येची इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट जनजागृती आणि प्रशिक्षणाच्या प्रयोजनार्थ, राष्ट्रीय व राज्य मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांच्या उपस्थितीत बाहेर काढली जातात.</li> </ul>  |

|   |   |
|---|---|
|   | <ul style="list-style-type: none"> <li>जनजागृती आणि प्रशिक्षणासाठीच्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट ची यादी राजकीय पक्षांच्या प्रतिनिधींसोबत सामायिक केली जाते.</li> <li>प्रशिक्षण व जनजागृतीसाठी बाहेर काढलेली इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट स्वतंत्र रचना केलेल्या एका वखारीमध्ये स्वतंत्रपणे साठवली जातात.</li> <li>निवडणुकांची घोषणा होईपर्यंत जिल्हा निवडणूक अधिकारी कार्यालयाच्या ठिकाणी आणि निवडणूक निर्णय अधिकारी मुख्यालय स्थळी / महसूल उप-विभाग कार्यालयांच्या ठिकाणी <b>इव्हीएम प्रदर्शन केंद्रे ( ई डी सी )</b> उभारण्यात येतात.</li> <li>सर्व मतदान केंद्रांची ठिकाणे / निवडणूक साक्षरता मंडळे यांना व्याप्त करण्याकरिता प्रत्येक विधानसभा मतदारसंघ / क्षेत्रासाठी <b>फिरते प्रदर्शन वाहन ( एम डी व्ही )</b> तैनात केले जाते.</li> <li>निवडणुकीसाठी गरज भासल्यास, प्रशिक्षण व जनजागृतीसाठीची इलेक्ट्रॉनिक मतदान केंद्रे/ व्हीव्हीपॅट नव्याने प्रथम स्तर तपासणी, यादृच्छिकीकरण आणि प्रारंभण करून निवडणुकीत पुन्हा मांडली जातात.</li> </ul>   |
| ४ | <p align="center"><b>इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांचे यादृच्छिकीकरण</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>भारत निवडणूक आयोगाने विकसित केलेल्या इव्हीएम व्यवस्थापन यंत्रणेचा ( ई एम एस ) वापर करून इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांचे यादृच्छिकीकरण केले जाते.</li> <li>इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांचे विधानसभा मतदारसंघ / क्षेत्र निहाय वाटप करण्यासाठी राष्ट्रीय व राज्य मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांच्या उपस्थितीत इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांचे पहिले यादृच्छिकीकरण केले जाते.</li> <li>पहिल्यांदा यादृच्छिकीकरण केलेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांची यादी (विधानसभा मतदारसंघ / क्षेत्र निहाय ) राष्ट्रीय व राज्य मान्यताप्राप्त राजकीय पक्षांसोबत सामाईक केली जाते.</li> <li>निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांची यादी अंतिम झाल्यानंतर, पहिल्यांदा यादृच्छिकीकरण केलेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांची यादी (विधानसभा मतदारसंघ / क्षेत्र निहाय) उमेदवारांसोबत सामाईक केली जाते.</li> <li>इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांचे आरंभण करण्यापूर्वी, मतदान केंद्र निहाय आणि राखीव यंत्रे म्हणून वाटप करण्यासाठी, निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या उपस्थितीत इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांचे दुसरे यादृच्छिकीकरण केले जाते.</li> <li>दुसऱ्यांदा यादृच्छिकीकरण केलेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांची यादी उमेदवारांसोबत सामाईक केली जाते.</li> </ul> |
| ५ | <p align="center"><b>इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांचे आरंभण</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांचा मतदानात वापर करण्यासाठी, जिल्हास्तरावरील अधिकाऱ्यांद्वारे त्यांची निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांच्या उपस्थितीत त्यांचे आरंभण करण्यात येते.</li> <li>आरंभण करण्याच्या दिवशी उमेदवार / त्यांचे प्रतिनिधी यांच्या उपस्थितीत, व्हिडीओ चित्रीकरणाखाली इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र- व्हीव्हीपॅट <b>सुरक्षित कक्ष</b> उघडला जातो.</li> <li>प्रत्येक व्हीव्हीपॅट मध्ये <b>चिन्ह भरणा युनिटाद्वारे</b> (एस एल यू) चिन्हांचा भरणा केला जातो. व्हीव्हीपॅट मध्ये चिन्हांचा भरणा केला जात असताना उमेदवारांना/ त्यांच्या प्रतिनिधींना पाहता यावे म्हणून त्या एकाच वेळी त्याचे फलकावर / दूरचित्रवाणी पडद्यावर प्रदर्शन केले जाते.</li> <li>प्रारंभण करतेवेळी, नोटा (वरीलपैकी कोणीही नाही) सह प्रत्येक उमेदवारास १ मत टाकून प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपॅटची तपासणी केली जाते.</li> <li>याशिवाय, यादृच्छिकीकरित्या निवडलेल्या ५ टक्के इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांमध्ये / व्हीव्हीपॅट मध्ये १००० मतांचे उच्च अभिरूप मतदान घेतले जाते आणि इव्हीएमच्या इलेक्ट्रॉनिक निकालाचा व्हीव्हीपॅट चिड्ड्यांच्या संख्येशी मेळ घातला जातो. राजकीय पक्षांच्या प्रतिनिधींना यादृच्छिकीकरित्या ५ टक्के इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे उचलण्याची आणि अभिरूप मतदान करण्याची देखील अनुमती देण्यात येते.</li> </ul>   |



|   |  |
|---|--|
|   | <ul style="list-style-type: none"> <li>• प्रारंभण करतेवेळी एखादे इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र - व्हीव्हीपॅट बंद पडलेले दिसून आल्यास, त्याच्या बदली राखीव इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र/ व्हीव्हीपॅट ठेवले जाते.</li> <li>• उमेदवारांना/ त्यांच्या प्रतिनिधींना, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांना मोहोरबंद करण्यासाठी वापरण्यात आलेल्या मोहोरांवर स्वाक्षरी करण्याची अनुमती आहे.</li> <li>• इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र - व्हीव्हीपॅट यांचे प्रारंभण झाल्यानंतर, त्यांना उमेदवारांच्या/ त्यांच्या प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत दुहेरी कुलुपबंद यंत्रणेखाली <b>सुरक्षित कक्षात</b> ठेवले जाते.</li> </ul>   |
| ६ | <p style="text-align: center;"><b>इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांचे मतदान पथकांसह निर्गमन</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• निर्गमनाच्या दिवशी उमेदवार / त्यांचे प्रतिनिधी यांच्या उपस्थितीत, व्हिडीओ चित्रीकरणाखाली इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र- व्हीव्हीपॅट <b>सुरक्षित कक्ष</b> उघडला जातो.</li> <li>• इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे/ व्हीव्हीपॅट यांचे निर्गमन उमेदवार/ त्यांचे प्रतिनिधी यांच्या उपस्थितीत केले जाते.</li> <li>• निर्गमन करतेवेळी एखादे इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र - व्हीव्हीपॅट बंद पडलेले दिसून आल्यास, त्याच्या बदली राखीव इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र/ व्हीव्हीपॅट ठेवले जाते.</li> </ul>  |
| ७ | <p style="text-align: center;"><b>मतदानाचा दिवस</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• मतदानाच्या दिवशी प्रत्येक मतदान केंद्रामध्ये निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांनी नामनिर्देशित केलेल्या मतदान प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत प्रत्यक्ष मतदान सुरू होण्याच्या वेळेच्या १० मिनिटे अगोदर, किमान ५० मतांचे अभिरूप मतदान (नोटा सह प्रत्येक उमेदवारास किमान १ मत) घेण्यात येते. अभिरूप मतदानाच्या इलेक्ट्रॉनिक निकालाचा व्हीव्हीपॅट चिड्ड्यांच्या संख्येशी मेळ घातला जातो.</li> <li>• नियंत्रण युनिटातून अभिरूप मतदानाची आधारसामग्री पुसून टाकली (क्लिर केली) जाते आणि अभिरूप मतदानाच्या व्हीव्हीपॅट चिड्ड्या काळ्या पाकीटात ठेवल्या जातात आणि गुलाबी मोहोर लावून मोहोरबंद केल्या जातात.</li> <li>• यानुसार मतदान केंद्राध्यक्ष अभिरूप मतदान प्रमाणपत्र तयार करतो.</li> <li>• प्रत्यक्ष मतदान सुरू करण्यापुर्वी, नियंत्रण युनिट हिरवी कागदी मोहोर, विशेष खुणचिड्डी आणि पत्त्याची खुणचिड्डी लावून मोहोरबंद केली जातात. व्हीव्हीपॅट ची पातन पेटी (मतपत्रिका पेटी) देखील पत्त्याची खुणचिड्डी लावून मोहोरबंद केली जाते.</li> <li>• मतदान पूर्ण झाल्यानंतर, मतदान केंद्राध्यक्ष, मतदान बंद करण्यासाठी नियंत्रण युनिटावरील 'बंद' (CLOSE) बटन दाबतात. इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र आणि व्हीव्हीपॅट त्यांच्या वाहक पेट्यांमध्ये ठेवली जातात आणि पत्त्याची खुणचिड्डी लावून मोहोरबंद केली जातात.</li> <li>• मतदान प्रतिनिधींना, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांना मोहोरबंद करताना वापरलेल्या मोहोरांवर स्वाक्षरी करण्याची अनुमती आहे (मतदान सुरू करण्यापुर्वी आणि मतदान बंद केल्यानंतर).</li> <li>• निवडणूक लढवणाऱ्या उमेदवारांनी नामनिर्देशित केलेल्या मतदान प्रतिनिधींना मतदान प्रक्रियेचे निरीक्षण करण्यासाठी मतदान केंद्रांमध्ये थांबण्याची अनुमती आहे.</li> <li>• मतदार, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र - व्हीव्हीपॅट आणि वापरलेल्या मोहोरा, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रात झालेल्या मतदानासह झालेले मतदान, यांचा तपशील असलेल्या नमूना १७ क ची एक प्रत मतदान प्रतिनिधींना उपलब्ध करून दिली जाते.</li> </ul> |
| ८ | <p style="text-align: center;"><b>मतदान झालेली इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांची मतदान केंद्रांमधून संकलन केंद्रांपर्यंत वाहतूक</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• मतदान पूर्ण झाल्यानंतर, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांची संकलन केंद्रांपर्यंत संरक्षणाखाली वाहतूक केली जाते.</li> </ul>  |

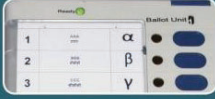
|    |  |
|----|--|
|    | <ul style="list-style-type: none"> <li>उमेदवारांना/ मतदान प्रतिनिधींना मतदान झालेली इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट वाहून नेणाऱ्या वाहनांच्या मागोमाग येण्याची अनुमती आहे.</li> </ul>  |
| ९  | <p style="text-align: center;"><b>मतदान झाल्यानंतर इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांची साठवणूक</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>मतदान झालेली इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट, उमेदवारांच्या / त्यांच्या प्रतिनिधींच्या उपस्थितीत सुरक्षित कक्षात ठेवली जातात.</li> <li>उमेदवारांना/ त्यांच्या प्रतिनिधींना सुरक्षित कक्षाच्या कुलुपांवर त्यांच्या स्वाक्षऱ्या करण्याची देखील अनुमती आहे.</li> <li>मतदान झालेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांच्या सुरक्षित कक्षास सशस्त्र संरक्षणाची किमान १ पटलण (केंद्रीय सशस्त्र पोलीस बल) आणि सीसीटिव्ही व्याप्ती असते.</li> <li>मतदान झालेल्या इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रांच्या सुरक्षित कक्षास दुहेरी-सुरक्षा साखळीचे संरक्षण असते. आतील साखळी केंद्रीय सशस्त्र पोलीस बलाअंतर्गत आणि बाहेरील साखळी राज्य सशस्त्र पोलीस बलाअंतर्गत असते. कोणत्याही व्यक्तीस आतील सुरक्षा साखळी मध्ये प्रवेश करण्याची अनुमती नाही.</li> <li>उमेदवारांना/ त्यांच्या प्रतिनिधींना सुरक्षित कक्षावर देखरेख ठेवण्यासाठी थांबण्याची अनुमती आहे, जर सुरक्षित कक्षाचे प्रवेशद्वार दृष्टीपथात नसेल तर सीसीटिव्ही प्रदर्शित करणाऱ्या पडद्याची सोय उपलब्ध करून दिलेली आहे.</li> <li>मतदान न झालेली, बंद असलेली आणि वापरात नसलेली राखीव इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट स्वतंत्रपणे सुरक्षेखाली ठेवली जातात.</li> </ul>   |
| १० | <p style="text-align: center;"><b>मतमोजणीचा दिवस</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>मतमोजणीच्या दिवशी उमेदवार/ त्यांचे प्रतिनिधी, निवडणूक निर्णय अधिकारी, भारत निवडणूक आयोगाचे निरीक्षक यांच्या उपस्थितीत, व्हीडीओ चित्रीकरणाखाली मतदान झालेली इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र - व्हीव्हीपॅट असलेला <b>सुरक्षित कक्ष</b> उघडला जातो.</li> <li>उमेदवार आणि त्यांनी नियुक्त केलेले मतमोजणी प्रतिनिधी यांच्या उपस्थितीत मतमोजणी केली जाते.</li> <li>मतमोजणीच्या दिवशी, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे सीसीटिव्ही व्याप्तीखाली सुरक्षित कक्षातून मतमोजणी टेबलवर आणली जातात आणि उमेदवार/ मतमोजणी प्रतिनिधी यांनी मोहोरांची पडताळणी केल्यानंतर नियंत्रण युनिटावरील 'निकाल' ( RESULT ) बटन दाबून त्याच्या पडद्यावरील निकाल पाहिला जातो.</li> <li>इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र निहाय निकाल मतमोजणी पर्यवेक्षकाद्वारे नमूना १७ क मध्ये अभिलिखित केला जातो आणि फेरी निहाय निकाल पूर्ण करण्यासाठी तो निवडणूक निर्णय अधिकाऱ्याकडे पाठवला जातो.</li> <li>मतमोजणी पूर्ण झाल्यानंतर, प्रत्येक विधानसभा मतदारसंघातून / क्षेत्रातून यादृच्छिकरित्या निवडलेल्या ५ मतदान केंद्रांवरील व्हीव्हीपॅट चिड्यांची अनिवार्य पडताळणी केली जाते.</li> <li>मतमोजणी पूर्ण झाल्यानंतर, नियंत्रण युनिटातील वीजसंच काढून घेतले जातात आणि नियंत्रण युनिटांना त्यांच्या वाहक पेट्यांमध्ये मोहोरबंद केले जाते.</li> <li>सीसीटिव्हीच्या देखरेखीत सर्व व्हीव्हीपॅट मधून व्हीव्हीपॅट चिड्या काढून घेतल्या जातात आणि व्हीव्हीपॅट-निहाय मोहोरबंद पाकीटांमध्ये ठेवल्या जातात.</li> <li>त्यानंतर, इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे इव्हीएम सुरक्षित कक्षात ठेवली जातात आणि व्हीव्हीपॅट चिड्यांची मोहोबंद पाकीटे सांविधिक दस्तऐवजांसोबत स्वतंत्र पेट्यांमध्ये ठेवली जातात.</li> <li>उमेदवारांना/ त्यांच्या प्रतिनिधींना मोहोरांवर स्वाक्षरी करण्याची अनुमती आहे.</li> </ul> |

**टिप :** इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रे आणि व्हीव्हीपॅट यांची तांत्रिक वैशिष्ट्ये आणि प्रशासकीय कार्यपद्धती यावरील तपशीलासाठी कृपया भारत निवडणूक आयोगाच्या संकेतस्थळावर उपलब्ध असलेले इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रावरील सादरीकरण, स्थितीदर्शक दस्तऐवज आणि निदेशपुस्तिका पहा.

# ईव्हीएम आणि व्हीव्हीपॅट यांचा वापर करून आपल मत कसे द्यावे.

१

## मतदान केंद्रात प्रवेश करा



तुम्ही मतदान कक्षात प्रवेश करतेवेळी मतदान केंद्राध्यक्ष, मतपत्रिका युनिटस मतदानयोग्य करील.



३

## दिवा पहा



निवडलेल्या उमेदवाराच्या नावासाठी लाल चिन्हासमोरील लाल दिवा चमकेल.

२

## आपले मत द्या



मतपत्रिका युनिटवरील तुमच्या पसंतीच्या उमेदवाराच्या नावासमोरील/ चिन्हासमोरील निळेत बटन दाबा



४

## छापिल चिन्ही पहा



चित्रात दर्शवल्याप्रमाणे मुद्रणयंत्रामध्ये निवडलेल्या उमेदवाराचे अनुक्रमांक, नाव आणि चिन्हा असलेली मतपत्रिका चिन्ही छापली जाईली.

छापिल चिन्ही तुम्हाला मिळणार नाही, काचेमधुन छापिल चिन्ही पहा.

छापिल चिन्ही ७ सेकंदांसाठी दिसेल.

लक्ष द्या !

जर तुम्हाला मतपत्रिकाचिन्ही दिसली नाही. आणि 'बी SS' असा मोठा आवाज आला नाही, तर मतदान केंद्राध्यक्षशी संपर्क साधा.



## भारत निवडणूक आयोग

संकेतस्थळ : <https://eci.nic.in>



भारत निर्वाचक आयोग

**Election Commission of India**

निर्वाचन सदन, अशोका मार्ग, नवी दिल्ली ११० ००१.